प्राथमिक 2

चार से सात वर्ष की आयु के
बच्चों की शिक्षा के लिये

प्राथमिक 2

सही चुनो

चार से सात वर्ष की आयु के बच्चों की शिक्षा के लिये

अंतिम-दिनों के सन्तों का
यीशु मसीह का गिरजाघर
साल्ट लेक सिटी, यूटाह द्वारा प्रकाशित

1995 Intellectual Reserve, Inc. सर्वाधिकार सुरक्षित भारत में छपी
अंग्रेजी की अनुमति :
अनुवाद की अनुमति :
Primary 2: Choose the Right A का अनुवाद

CR

सूची

पाठ संख्या और शीर्षक	पृष्ठ
शिक्षक के लिए सहायता	
1 सही का चुनाव करने से खुशी मिलती है	1
2 मैं सही को चुन सकता हूँ	6
3 मैं परमेश्वर का बच्चा हूँ	11
4 मैंने यीशु मसीह का अनुसरण करना चुना है	16
5 मैं सही चुनाव कर सकता हूँ	21
6 हम लोगों के पास विशेष परिवार हैं	25
7 यीशु का जन्म धरती पर आनन्द लाया	30
8 स्वर्गीय पिता मेरी देख-भाल करता है	35
9 यीशु मसीह मेरे समान एक बच्चा था	39
10 मैं स्वर्गीय पिता से प्रार्थना में बातें कर सकता हूँ	44
11 मैं दूसरों को यीशु मसीह के विषय में बता सकता हूँ	50
12 मैं बपतिस्मे के लिये तैयारी कर सकता हूँ	55
13 पवित्रात्मा का उपहार मेरी सहायता कर सकता है	61
14 सही करने का साहस रखो	68
15 आओ, मेरा अनुसरण करो	75
16 यीशु मसीह के पास चंगा करने की शक्ति है	81
17 पौरोहित्य मेरी सहायता करता है	86
18 प्रार्थनाओं का उत्तर उत्तम तरीके से आता है	91
19 यीशु मसीह मुझे प्यार करता है	96
20 यीशु मसीह की शिक्षा एक बहुत बड़ा खजाना है	102
21 मैं श्रद्धालु बन सकता हूँ	109
22 धन्य हैं जो शांति रखते हैं	115
23 यीशु मसीह अच्छा चरवाहा है	119
24 मैं आभार व्यक्त कर सकता हूँ	124
25 ''धन्यवाद'' कहना याद रखें	129
26 सही का चुनाव मुझे आनन्द का अनुभव देता है	134
27 मैं दूसरों की सहायता प्रसन्न रहने के लिए, बाँटने के द्वारा कर सकता हूँ	139
28 मैं दयालु हो सकता हूँ	143

29 मैं एक अच्छा उदाहरण हो सकता हूँ	149
30 मैं आज्ञाकारी हो सकता हूँ	155
31 मैं कानून का पालन करूँगा	162
32 एक दूसरे से प्रेम करें	168
33 मैं दशमांश दे सकता हूँ	176
34 सदैव सच बोलें	181
35 मेरे पास योग्यताएं हैं	187
36 मैं बुद्धिमान होता हूँ जब मैं सही का चुनाव करता हूँ	193
37 मैं सब्त के दिन को पवित्र रख सकता हूँ	199
38 प्रभुभोज के दौरान मैं यीशु मसीह का स्मरण करूँगा	206
39 दूसरों की सेवा के द्वारा, मैं यीशु मसीह का अनुसरण कर सकता हूँ	212
40 मैं दूसरों को क्षमा कर सकता हूँ	217
41 यीशु मसीह हमारा उद्धारक है	223
42 यीशु मसीह का गिरजाघर पृथ्वी पर है	229
43 यीशु मसीह पुनः आएगा	235
44 मैं जानवरों के प्रति प्रेम व्यक्त कर सकता हूँ	240
45 हम यीशु मसीह के पुनरूत्थान को मनाते हैं (ईस्टर)	247
46 यीशु मसीह उत्तम उपहार है (बड़ा दिन)	253
47 गीतों के शब्द	258

शिक्षक के लिए सहायता

उद्देश्य

यह निर्देशिका बच्चों को शिक्षा देने के लिए कि यीशु मसीह के उदाहरण का अनुसरण करके वे बपतिस्मा लेने का सही चुनाव करने और अन्तिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर के सदस्य बनने में सहायता के लिये लिखी गई है ।

प्राथमिक के शिक्षकों को सन्देश

हमारे स्वर्ग के पिता ने तुम्हें एक पवित्र बुलाहट दी है कि तुम बच्चों को यीशु मसीह का सुसमाचार की शिक्षा और उस के जीवन के जीने में उनकी सहायता करें । जैसे आप प्रत्येक बच्चे की सेवा करोगे और उसे आमन्त्रित करोगे कि मसीह के पास आये, ''आप उनके जीवन को आशीषित करेंगे । आप परमेश्वर पिता की आशीषों को समझने में और उस के सुसमाचार की गवाही को पाने में सहायता कर सकते हैं । आप स्वयं भी प्रगति कर सकते और बच्चों से सीख सकते हैं प्राथमिक में आपकी सेवायें आप के लिए बहुत आनन्द ला सकती हैं । प्राथमिक में बच्चों की सेवाओं द्वारा आप परमेश्वर पिता की भी सेवा करते हैं । (मुसायाह 2:17 देखें)

जैसे आप सुसमाचार के सिद्धान्तों के अनुसार जीने लगते है, धर्मशास्त्र को अध्ययन कर पौरोहित्य मार्गदर्शकों की सलाह को मानना और प्रार्थना के द्वारा स्वर्गीय पिता के निकट होने लगते है, आप पवित्र आत्मा से प्रेरणा प्राप्त करेंगे । जिन बच्चों को आप पढ़ाते है उन के लिये बच्चों के सामने अक्सर अपनी गवाही दे, और इस महत्वपूर्ण बुलाहट में आप के पवित्रात्मा को काम करने दे । जब आप ऐसा करते हैं, पवित्रात्मा आपकी अगुवाई करेगा ताकि जो कुछ आप प्राथमिक में करते हैं, वह अपने स्वर्गीय पिता को स्वीकार होगा ।

कक्षा की सूचना

स.चु. का अर्थ है सही चुनो । स.चु. की ढाल इस निर्देशिका के प्रारम्भ में पाई जाती है और स.चु. की अंगुठी 31362 अनेक अध्यायों में प्रयोग होती है । इसके अतिरिक्त अध्याय 1 में स.चु. के चार्ट को बनाने का निर्देश दिया गया है, जो अनेक अध्यायो में प्रयोग किया जायेगा । स.चु. की अगुंठी व्यक्तिगत रूप से उसे पहनने वाले को स्मरण कराती है सही को चुनो अगर स.चु. अगुँठी आप के इलाके, में उपलब्ध है, तो अपने धर्माध्यक्ष या शाखा अध्यक्ष से सलाह करें कि वार्ड या शाखा की वित्तीय भण्डार से प्रत्येक बच्चे के लिए एक अंगुठी खरीदी जाये ।

कक्षा का समय

प्रार्थना

प्रत्येक कक्षा का आरम्भ और समापन प्रार्थना के द्वारा होना चाहिए । प्रार्थना करने का प्रत्येक बच्चे को अवसर मिलना चाहिए । प्रार्थना को एक सार्थक भाग बनायें कक्षा को निर्देश और सुझाव द्वारा बच्चों से पूछें कि प्रार्थना में क्या जोड़ा जा सकता है । अपने सुझाव कक्षा की आवश्यकता और पाठो के सन्देश पर केन्द्रीत करें ।

पाठों को पढ़ाना

प्रत्येक पाठ को ध्यानपूवर्क और प्रार्थना पूवर्क तैयार करें ताकि बच्चे उसे समझें और उसका आनन्द लें और आपको पवित्रात्मा का मार्गदर्शन मिलता रहे ।

पाठ 45 व 46 ईस्टर और बड़ादिन (मसीह का पुनरूत्थान और जन्म) को छोड़ कर क्रम से पाठों को पढ़ायें । अगर वर्ष के दौरान किसी बच्चे का बपतिस्मा होता है तो आप पाठ 12 व 13 को, जो कि बपतिस्मा और पुष्टिकरण पर आधारित हैं कक्षा के प्रथम बच्चे के बपतिस्मे के पहले कर सकते हो ।

पाठयक्रम में से चुनाव करें उस कि जो आपको कक्षा के लिए उचित लगे । उन्नति गतिविधियों की सूची जो प्रत्येक पाठ के अन्त में दी गई है आप उसे जैसा उचित समझे पाठ के दौरान प्रयोग करें । सभी विषय सामग्री और उन्नति गतिविधियाँ आपके क्षेत्र या कक्षा में बच्चों के लिए समुचित नहीं होगी । चार वर्ष के बच्चों के लिए कुछ गतिविधियाँ बहुत कठिन होगीं, अन्य पाठ क्रम 8 वर्ष के बच्चों को समझने के लिए इतने आसान होंगे कि वे उसका आनन्द उठा सकेंगे ।

ऐसी गतिविधियाँ चुनो जिस में आप के बच्चे अधिक रूचि रखते हो अगर आपकी कक्षा में छोटे बच्चे हैं तो आप अकसर पाठ को पढ़ाने के दौरान गाना गाकर और उँगलियों से इशारे से उनका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं । आप एक गाने को दोहरा सकते हैं या उँगली का इशारा बार बार कर सकते है अगर बच्चे इसे करना पसन्द करते हैं । छोटे बच्चों का सीखने के लिए, शब्दों के प्रयोग के स्थान पर आप बच्चो को चित्र दिखा सकते हैं जिसे आपने बनाया या किसी पत्रिका से काटा हो ।

बच्चों को पाठ पढ़ कर मत सुनाइये ।अगर आप उन्हें अपने शब्दों में बतायेंगे तो वे अधिक अच्छे उत्तर देंगे । अक्सर एक छोटी व्यक्तिगत गवाही दिया करें जिससे कक्षा के बच्चे उसे सुने और आत्मा में हो कर सुसमाचार के सन्देश का उत्तर दें ।

शिक्षा निर्देशिका – इससे बड़ी बुलाहट नहीं है (33043) आपको पाठ पढ़ाने में सहायता कर सकती है ।

कक्षा में संगीत

कक्षा में संगीत परमेश्वर की आत्मा को भीतर ला सकता है । जैसे पूरी कक्षा गाने गाती है आप का पाठ और रोचक बन जाता है और उसके द्वारा बच्चे पाठ के विषय को अच्छे से याद रख सकते हैं ।

गाने के जो शब्द एक वार से अधिक इस निर्देशिका में प्रयोग किये गये हैं वे इस निर्देशिका के अन्त में छापे गये हैं । गाने के जो शब्द केवल एक बार इस निर्देशिका में प्रयोग किये गये हैं उन्हें पाठ में ही शामिल किया गया हैं । इन गानों का संगीत ''बच्चों की गीत पुस्तक''(35315) में पाया जा सकता है ।

आप को एक बहुत अच्छा संगीतज्ञ होना आवश्यक नहीं है कि अपनी कक्षा के बच्चों को गाने के द्वारा एक सुखद अनुभव दे सकें। बच्चों को मालूम नहीं है कि आप एक अच्छे गायक हैं या नहीं । वे केवल इतना ही जानते हैं कि आप गाना गाना पसन्द करते हैं । अपने घर पर पाठ की तैयारी करने के भाग के रूप में गाने को सीख कर और गाकर अभ्यास करें । अगर आपको विशेष सहायता की ज़रूरत है तो आप प्रार्थामक संगीत के मार्गदर्शक या पियानिस्ट से सहायता ले सकते हैं (अतिरिक्त सहायता के लिए ''कक्षा में संगीत'' को देखो ''*बच्चों को शिक्षा कैसे दें पुस्तक*'' (31109), पृष्ठ. 40--42 ।

आप अपने गाने के साथ उचित संकेत प्रयोग कर सकते है अगर आपकी कक्षा में छोटे बच्चे हों । आप गाने की अपेक्षा शब्दों को बोल भी सकते हैं ।

विश्वास के अनुच्छेद

विश्वास के अनुच्छेद प्राथमिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग है । जब विश्वास का अनुच्छेद किसी पाठ में प्रयोग किया जाता है तो बच्चों को उत्साहित करें कि वे विश्वास के अनुच्छेद को जितना याद कर सकते हैं उतना याद करें ।

धर्मशास्त्र

प्रत्येक सप्ताह अपने धर्मशास्त्र को कक्षा में लायें और बच्चों को देखने दें कि आप उनमें से पढ़ और सीखा रहे हैं । अगर बच्चों के पास अपने धर्मशास्त्र हैं तो उन्हें उत्साहित करें कि वे प्रत्येक सप्ताह उन्हें कक्षा में लायें । बड़े बच्चो की सहायता करें कि वे पाठ में आये अंशों को खोजें और पढ़ें । कभी कभी धर्मशास्त्र के महत्व के विषय में अपनी गवाही भी दे सकते हैं ।

पढ़ाने के साधन

चित्र – बहुत से चित्र जो पाठ में प्रयोग किये जाते है उन पर संख्या लिखी हुई होती है जो निर्देशिका के साथ पैकेट मे आते हैं । इन चित्रों को निर्देशिका के साथ ही रखना चाहिए । प्रत्येक पाठ में प्रयोग होने वाले चित्रों की सूची पाठ के ''तैयारी'' खण्ड में दी गई है । ''तैयारी'' खण्ड के साथ उन चित्रों को भी शामिल किया गया है जो सभा घर पुस्तकालय में भी हैं जहाँ चित्र बड़े आकार में पाये जाते हैं । कुछ पुस्कालय चित्र एक ही विषय पर अनेक चित्र प्रस्तुत करते हैं और ''सुसमाचार कला चित्र किट'' में उस किट में पाये जाने वाले चित्रों के नम्बर होते हैं ।

कट-आउट हुई दृष्टिगत सहायता - जो कट आउट (कतरन) पाठ में प्रयोग किये गये हैं वे निर्देशिका में संलग्र है और उन्हें निर्देशिका के साथ ही रखना चाहिए । कट आउट और चित्र समुचित पाठों में उपयोग करें । जैसा की पाठ में सुझाव दिये गये हैं आपको और भी आसान पढ़ाने के साधनों की आवश्यकता होगी जैसे शब्द-समूह, चार्ट, और पर्चे। आने वाले वर्षों में और दूसरे पाठों को पढ़ाने के लिए इन्हें सुरक्षित रखा जा सकता है ।

संगीत - देखें ''कक्षा में संगीत'' पृ. viii.

भोजन - जिस किसी पाठ में भोजन के प्रयोग का सुझाव दिया गया है, कृपा करके बच्चों के माता-पिता से पहले ही पूछें कि किसी बच्चे को कोई विशेष भोजन खाने की मनाई या हानिकारक नहीं है । कृपया उपवास के रविवार को भोजन न लायें ।

वचन बाँटने के समय का प्रस्तुतिकरण

कभी कभार प्राथमिक बाँटने के समय आपसे पूछा जायेगा कि आप एक साधारण सुसमाचार का प्रस्तुति करण करें । इस प्रकार का प्रस्तुतिकरण पाठों से लेना होगा । जब आप पाठ को तैयार करते और प्रस्तुत करते हैं तब प्रस्तुतिकरण के लिए अच्छे विचार ढूढ़ँ निकालें । बच्चों के प्रभुभोज की बैठक के प्रस्तुतिकरण से भी आप एक सिद्धान्त को बाँट सकते हैं ।

वचन बाँटने के समय आप अपनी अगुवाई में किसी बच्चे से सुसमाचार के किसी सिद्धान्त को सीखने को कहें तो इस प्रकार से बच्चे को उस सिद्धान्त को प्रभावित तरीके से सीखने में सहायता की जा सकती है ।

इस बात का निश्चय करें कि वचन के बाँटने का प्रस्तुतिकरण साधारण हो और उसके लिये अधिक अभ्यास की आवश्यकता न हो । आप अपनी कक्षा का कुछ समय अपने प्रस्तुतिकरण के लिये भी उपयोग कर सकते हैं । कक्षा में प्रभावकारी, साधारण प्रस्तुतिकरण के लिए निम्नलिखित सुझाव उपयोग किए जा सकते हैं :–

बच्चो की सहायता करें कि वे एक कहानी या स्थिति को पाठ से ग्रहण कर सकें ।

बच्चों को किसी पाठ से चित्रों शब्द समूह, या आकृति के कट आउट की सहायता से एक कहानी बताने में सहायता करें ।

बच्चों से अपने होने वाले बपतिस्में के विषय में अपनी भावना बताने को कहें । अगर कोई बच्चा 8 वर्ष का हो गया है और उसने बपतिस्मा ले लिया है, तो उससे बपतिस्में के विषय में अपनी भावना बताने को कहें ।

बच्चों की एक विश्वास के अनुच्छेद को पुनः बोलने और उसे समझाने में सहायता करें । आप चाहे तो उनकी यह भी सहायता कर सकते हैं कि वे विश्वास के अनुच्छेद के गानो में से एक गाना गाएं जो ''बच्चों की गीत पुस्तिका'' दिये गए हैं पृष्ट 122-33 ।

अतिरिक्त सहायता के लिये देखें ''प्राइमरी शेयरिंग टाइम रिसोर्स मैनुवल'' (33231)

बच्चो के परिवार के साथ बाँटना

बच्चों को उत्साहित करें कि वे जो कुछ प्राथमिक में सीखते है उसे अपने परिवारो के साथ बाँटे । माता-पिता को निमन्त्रण दें कि कभी कभी वे आपकी कक्षा में लें और भाग लें ताकि पाठ और सशक्त बन सकें । माता-पिता की ओर से जो सुझाव आते हैं उनका स्वागत करें ताकि प्राथमिक उनके बच्चों के लिए और सार्थक बन सके ।

बपतिस्मे के लिए तैयारी

अगर आपकी कक्षा में ७ वर्ष की आयु के बच्चे हैं तो उनमें से कुछ वर्ष के दौरान शायद बपतिस्मा लें । प्राथमिक के शिक्षक के रूप में,आप बच्चों के परिवारो को सहयोग दे सकते हैं और कक्षा के सदस्यों की बपतिस्मा के लिए सहायता कर सकते हैं । इसमें सहायता करने के लिए निम्नलिखित सुझावों पर विचार करें :–

1. अगर सम्भव हो तो, बपतिस्मा और पुष्टिकरण की शिक्षा अपनी कक्षा में (पाठ 12 व 13) प्रथम बच्चे के बपतिस्में से पहिले दें।
2. रविवार को अपनी कक्षा का कुछ समय लें ताकि प्रत्येक बच्चे के बपतिस्में से पहिले इस धर्मविधि के महत्व पर चर्चा करें ।
3. अगर सम्भव हो तो, प्रत्येक बच्चे के बपतिस्में के अवसर पर प्राथमिक की अध्यक्षता में और कक्षा के सदस्य जो उपस्थित हो सकते हैं, उपस्थित हों ।
4. बच्चों की सहायता कक्षा में बपतिस्में के बारे में बाँटने ने समय के लिये तैयारी करें ।

बच्चों को समझना

बच्चों को यीशु मसीह का सुसमाचार की शिक्षा देने का पवित्र विश्वास जो आप को दिया गया है वह धर्माध्यक्ष और शाखा अध्यक्ष के द्वारा आपको बुलाहट दी गयी है । इन पौरोहित्य के मार्गदर्शकों ने स्वर्गीय पिता की प्रेरणा से आपको बुलाया है । आप अपनी कक्षा में बच्चों पर उनके जीवन भर अपने उद्धारक का अनुसरण करने का प्रभाव डाल सकते हैं ।

आप सदा एक सकरात्मक व्यवहार को अपनाएं और अपनी कक्षा में बच्चों के लिए प्रेम दिखाएं । प्रत्येक बच्चे की प्रतिभा को, रूचि और योग्यता के साथ जानें । बच्चों की योग्यता के अनुकूल पाठ्यक्रमों की गतिविधि को अपनाएं जिसमें लिखना व पढ़ना हो ।

सारे बच्चों की बातों को सुनकर उनमें आत्म सम्मान की भावनाओं को उभारें और प्रत्येक की बातों पर जहाँ तक संभव हो सके ध्यान दें ।

इन पाठों को एक ही आयु के बच्चों के समूह के लिए या उन बच्चों के लिए जिनकी उम्र, 4 वर्ष से 7 वर्ष के बीच है लिखा गया है । तथापि आपको पाठों का नियोजन इस प्रकार से करना है जो आपकी कक्षा में आये बच्चों की आयु के अनुरूप हों । इस बात को छोड़ कर कि आपकी कक्षा का किस प्रकार से संगठन किया गया, यह समझना जरूरी है कि आपकी कक्षा में सामान्य उम्र के बच्चे हैं, जिससे आपको प्रभावपूर्ण रूप से पढ़ाने में सहायता मिलेगी । इस प्रकार से आपको समझने में सहायता मिलेगी कि बच्चे इस प्रकार का आचरण क्यों करते हैं और उन्हें किस प्रकार से शिक्षा देनी चाहिए कि वे अच्छे से सीख सकें । बच्चों को समझने के बाद आप कक्षा में एक सकरात्मक भावना रखेंगे । जब आप अपने पाठ को फिर से दोहराते हैं तो निम्नलिखित बातों का ध्यान रखें । याद रखें, कि प्रत्येक बच्चा अपने ढ़ंग से प्रगति करता है । ये मात्र सामान्य निर्देशन हैं ।

चार वर्ष की आयु

चार वर्ष खोजने की उम्र होती है । क्यों और कैसे शब्द का प्रयोग चार वर्ष के बच्चे बार बार करते हैं । चार वर्ष के बच्चे बड़े क्रियाशील होते हैं । चार वर्ष की उम्र के बच्चों के निम्नलिखित लक्षण होते हैं :–

1. वे दौड़ना, कूदना, चढ़ना तीन वर्ष के बच्चों की अपेक्षाकृत अधिक आसानी से कर सकते हैं । वे एक गेंद को फेंक या लात मार सकते हैं और ब्लॉकों से घर बना सकते हैं ।
2. वे इस तरह की बातें बोलना पसन्द करते हैं जैसे : ''मैंने इसे पहले किया है; अब मैं भिन्न कुछ और बना सकता हूँ ।''
3. वे दूसरे बच्चों के साथ खेलना पसन्द करते हैं लेकिन सामाजिक रूप से वे बड़े समूह के लिये तैयार नहीं होते हैं ।

4. यद्यपि वे चाहते हैं और उन की जरूरत कि वे दूसरे बच्चों के साथ खेले, फिर भी वे अकेले ही खेलते है । वे एक समूह में खेलते या नाच सकते हैं परंतु वह अधिक ध्यान नहीं देते हैं कि अन्य बच्चों कैसे खेल या नाच रहे हैं ।

5. अनेक प्रश्न पूछने के अतिरिक्त वे किसी दूसरे बच्चे के साथ या एक वयस्क से बात-चीत कर सकते हैं ।

6. चूँकी उनका अनुभव विशेष कर घर पर ही हुआ है, वे बहुधा घर परिवार की ही बातें करते हैं । इस उम्र के बच्चे शिक्षकों को अपने परिवार की बातें बताते हैं । वे बहुधा अपनी खुद की कहानियाँ बोलना अधिक पसन्द करते हैं अपेक्षाकृत दूसरे बच्चों की कहानियाँ सुनने के । वे ऐसे पाठ पढ़ना और कार्य करना पसन्द करते हैं जो कि परिवार पर केन्द्रीत हों ।

7. वे पूर्णतः वर्तमान में जीते हैं बीते हुए कल और आने वाले कल का कोई अर्थ नहीं होता है । तथापि वे आने वाली घटनाओं के विषय में काफी उत्साह दिखाते हैं और क्योंकि वे अभी तक समय का मूल्य नहीं समझे हैं, वे भविष्य की किसी घटना के विषय में पूछ सकते हैं ''क्या यह कल है ?''

8. वे कहानी सुनना और नर्सरी के गाने सुनना पसन्द करते हैं । वे मनपसन्द कहानियाँ बिना किसी परिवर्तन के बार बार सुनना पसन्द करते हैं । कहानी सुनने के बाद, वे उन पात्रों का नटकीय ढंग से नकल करना चाहते हैं ।

9. छोटी सी सहायता से वे प्रार्थना करना सीख सकते हैं ।

पाँच वर्ष की आयु

पाँच वर्ष के बच्चे अपने ऊपर काफी विश्वास रखते हैं और साधारतः से सीख जाते हैं कि घर में उनसे क्या करने की आशा की जा रही है । वे दूसरे बच्चों के साथ खेलते हैं परंतु वे अकेले में भी अपने को विभिन्न तरीके से बहला सकते हैं जैसे कूदना - फाँदना या चित्र बनाना । निम्नलिखित प्रतीकात्मक व्यवहारिक नमूने हैं पाँच वर्ष के उम्र के लिए

1. उनकी बाहुबल बढ़ने लगता है वे अब कलाबाजी लगा सकते हैं, और एक पैर पर कूद सकते हैं । वे किसी ठेला या गाड़ी को आसानी से खींच सकते हैं ।

2. उनकी छोटी भुजाऐं अब उन्हें चिपकाने, चित्रों को काटने और पहिले से बनाए गये चित्रों को रंगने में सहायक होती हैं इस के बावजूद वे निर्धारित सीमा के बाहर भी चले जाते हैं । बहुत से अपने जूतों के फीते भी बाँध लेते हैं ।

3. यह ज्यादा अपने पर निर्भर और स्वतन्त्र होते हैं 4 वर्ष के बच्चों से अधिक वे बहुधा घर आस-पास मदद करना पसन्द करते हैं और वे जब अपने माता-पिता के साथ काम करते हैं तो खुश रहते हैं ।

4. वे बहुत गम्भीर होते हैं जब वे प्रश्न पूछते हैं ''यह क्या काम के लिए है ?'' या ''यह कैसे काम करता है ?'' वे चाहते हैं और उन्हें मिलने भी चाहिए सोचे समझे और सही जवाब, सही भाषा में और विस्तार से ताकि वे समझ सकें ।

5. वे अपने शिक्षकों को प्यार करते हैं और उनके साथ बैठना अपने में एक विशेष अधिकार समझते है । वे बहुत खुश होते हैं जब शिक्षक उनसे सहायता करने के लिए कहते हैं किसी चित्र को पकड़ना या किसी और प्रकार की सहायता करना ।

6. वे छोटे समूह की योजनाएं पसन्द करते हैं और उन्हें घर परिवार के बारे में नाटकीए ढंग से नकल करना अच्छा लगता है ।

7. वे कहानी सुनना और कहना पसन्द करते हैं और उसी कहानी को बार बार कहने को कहते हैं । किसी चीज़ को बार बार करना ही उनके सीखने का मुख्य तरीका है । जब वे अपनी पुस्तक के पृष्ठ पलटते हैं तब वे किसी कहानी को जैसे का तैसा बोल सकते हैं ।

8. वे साधारतः मित्रवत, दयालु, प्यार भरे और सहायक होते हैं, लेकिन जब उन्हें अपने अनुसार चलने का रास्ता नहीं मिलता तब वे बहुत झगड़ालू भी बन जाते हैं ।

9. वे नये अधिकारों को पाना पसन्द करते हैं ताकि वे अपने को बड़ा और वयस्क प्रकट करें ।

10. दस से पंन्द्रह मिनट ध्यान करने के बाद वे शीघ्रता से एक कार्य से दूसरे कार्य को करना चाहते हैं । वे सोचना शुरू करे देते हैं कि वे छोटे नहीं हैं जो उंगलियों का खेल खेलें और वे बड़े लोगों की गतिविधियाँ या आराम के कार्य करना पसन्द करते हैं ।

11. वे बहुधा वही खेल खेलना चाहते हैं जो दूसरे बच्चे खेल रहें हैं । इस प्रकार के मामले में सावधानी रखें; बच्चों को बारी-बारी से खेलना चाहिए सीखाएं ।

12. वे बड़े समूह की अपेक्षा छोटे समूह मे रहना अधिक पसन्द करते हैं । वे अपने एक सबसे अच्छे दोस्त के साथ खेलना अधिक पसन्द करेंगे न की 10 के समूह के साथ ।

13. उन बच्चों ने अभी तक कल्पना और सच्चाई के बीच अन्तर नहीं सीखा है । इस कारण से, एक बच्चा कह सकता है कि उसकी घड़ी सोने की है या यह कहे कि उसका पिता किसी और के पिता से बड़ा है या यूँ कहे कि जो मछली उसने पकड़ी थी वह बहुत अधिक बड़ी थी । यह किसी भी बच्चे के जीवन का साधारण दौर होता है; किसी बच्चे के लिए क्या वास्तव में है और क्या नहीं है, के बीच अन्तर जानने के लिए समय लगता है । यह अवस्था बच्चे के बढ़े होने के साथ समाप्त हो जाती है ।

14. वे सीखने के लिए उत्सुक होते हैं । चूँकि स्वर्गीय पिता उनके लिए एक वास्तविकता है, वे उनमें बहुत रूचि रखते हैं और उनके विषय में अनेक प्रश्न पूछते हैं । वे प्रार्थना करना पसन्द करते हैं और बिना सहायता के प्रार्थना भी कर सकते हैं ।

छः वर्ष की आयु

छः वर्ष की उम्र के अपने शरीर पर अच्छा काबू रखते हैं और उनके पास शक्ति भी होती है नयी चीज़ें सीखने की और जिनको वे सीख चुके हैं उन में और मज़बूत बनायें रखने की । उदाहरण के लिये, वे रस्सी कूदना, गेंद को उछालना, सीटी बजाना, हाथ की सिलाई मशीन को घुमाना और साइकिल चलाना सीख सकते हैं, छः वर्ष की उम्र के बच्चे फिर भी अपने छोटे बाँहो का उपयोग करने में कठिनाई महसूस करेंगे लेकिन वे वर्णाक्षरों में लिखना, अपना नाम, और कुछ दूसरे शब्द भी लिखना सीख सकते है । छः वर्ष उम्र के लिये निम्नलिखित अन्य सामान्य लक्षण हैं :–

1. उनके एकाग्रता की अवधि बढ़ रही है । यद्यपि कि वे बहुत परेशान हो सकते है फिर भी किसी कार्य विशेष पर उनकी रूचि के अनुसार 15 से 20 मिनट तक अपना ध्यान केन्द्रीत कर सकते हैं ।
2. वे अपने सारे शरीर की हरकत पसन्द करते हैं जैसे पेड़ पर चढ़ना, खेलने की सामग्रियों को प्रयोग करना या दौड़ना ।
3. वे खेल खेलना और मित्रवत प्रतिस्पर्धा पसन्द करते हैं ।
4. शिक्षक का उनके प्रति विचार बहुत महत्व रखता है । वे शिक्षक के साथ बैठना और पाठ्यक्रम में उनकी सहायता करना पसन्द करते हैं जैसे, चित्र को पकड़ना या समान को पुस्तकालय तक वापिस ले जाना में ।
5. वे अभी भी कहानी सुनना, उनपर नाटक करना, उसके पात्रों की नकल करना पसन्द करते हैं । बहुत से बच्चे तो वयस्कों के कपड़े पहनना पसन्द करते हैं ।
6. बहुत दयालु, प्यार से भरे हुए, और मेल मिलाप के होते हैं जब तक सब कुछ उनके अनुसार चलता है अन्यथा वे बहुत झगड़ालू भी हो सकते हैं ।
7. वे कूदने, फाँदने और दौड़ने में बड़े सक्षम हो सकते हैं । इस क्षमता को वे खेल कूद में इस्तेमाल करना पसन्द करते हैं ।
8. वे इस बात का बड़ा ध्यान रखते हैं कि क्या भला और बुरा आचरण है ।
9. स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह में उनका विश्वास बढ़ रहा है । बहुत से छः वर्ष की उम्र के अकेले भी प्रार्थना कर सकते हैं अगर उनके पास घर का या अन्य कक्षाओं का ऐसा अनुभव है ।

सात वर्ष की आयु

सात वर्ष में, बच्चे अपने माता-पिता से जुड़े रहते हैं और उनके प्यार, ध्यान और सहानुभूति को पसन्द करते हैं लेकिन वे अपने को घर के बाहर के लोगों से और परिस्थितियों से जोड़ना शुरू कर देते हैं । उनके पास अपनी व्यक्तिगत इच्छा और चाहत होती है कि उन्हें अपना निर्णय लेने में आजादी हो । वे जीवन, तत्पर और अपने जीवन के विषय में बहुत रूचि रखते हैं । वे बहुत से कार्यक्रमों की खोज करते हैं और उनको वह दोहराना पसन्द करते हैं जो उन्हें पसन्द होता है । निम्नलिखित कुछ अन्य सामान्य लक्षण हैं 7 वर्ष उम्र के :-

1. उनकी बड़ी भुजाऐं काफी नियंत्रित हो जाती हैं और वे और सुन्दर, फूर्तील, चुस्त बन जाते हैं ।
2. उनकी छोटी मांस पेशियाँ बढ़ने लगती हैं । वे अब आसानी और सही तरीके से लिखने में समर्थ हो जाते हैं ।
3. बहुत से शारीरिक एवं सक्रिय खेलों को खेलना पसन्द करते हैं और उसे बार बार खेलते हैं ।
4. वे बहुधा धकान और बेचैनी महसूस करते हैं । उनमें शक्ति बहुत होती है परन्तु जल्दी ही थक जाते हैं । आराम का समय बहुत जरूरी है ।
5. वे समान को बटोरना और उनके विषय में बात भी पसन्द करते हैं । जिन चीज़ों को उन लोगों ने स्वयं बनाया अथवा समूह द्वारा बनाया है उनके विषय में भी वे बातें करना पसन्द हैं ।
6. उनके ध्यान एकाग्र करने की क्षमता बढ़ती जाती है; इस उम्र के बच्चे किसी योजना को पुरा करने मे रूचि रखते हैं तो उसे पूरा कर लेते हैं चाहे उसमें 20 मिनट लगे या 25 मिनट । उन को अभी भी बहुत से पाठों की गतिविधि में परिवर्तन की जरूरत होती हैं ।
7. वे इस उम्र में विपरीत लिंग के लोगों से कम व्यवहार करना शुरू कर देते हैं ।
8. वे अब कम दबाव डालते और अपनी इच्छा मनवाने के लिए जिद्द नहीं करते हैं ।
9. वे अब अधिक स्वयं पर निर्भर रहते और अपने विचार में तर्क संगत बनते हैं ।
10. वे अब सही और गलत को समझने लगते हैं और उन लोगों की नुकता चीनी करते है जो वह नहीं करते हैं जिन्हें वे सही मानते हैं ।

11. वे अब बपतिस्मे की ओर ध्यान लगाते हैं ।

12. वे अकेले प्रार्थना करने में समर्थ होते हैं और बहुधा तुरन्त ही अपनी प्रार्थना को जवाब की आशा करते हैं ।

13. वे अब इस सत्य का अनुभव करने लगते हैं कि वे कम से कम उपवास के रविवार को एक समय के भोजन को न खाएं । और यह की वे दसमांश दें ।

जो विकलांग है उन्हें सम्मलित करने के लिए विशेष मार्ग दर्शन

जो विकलांग हैं उनके प्रति दया प्रकट कर के उद्धारक ने हम लोगों के लिए उदाहरण दिया था । जब उसने अपने पुनरूस्थान के बाद नफायटी लोगों से भेंट की तब उसने कहा :-

''तुममें क्या कोई ऐसा भी है जो बीमार है ? उसे यहाँ लाओ । तुम्हारे पास कोई लंगड़ा, अंधा या पंगु जो निर्बल हो चुका हो या बहिरा या किसी भी प्रकार के कष्ट में है ? उन्हें यहाँ लाओ मैं उन्हे ठीक करूँगा, क्योंकि तुम पर मैं दया करता हूँ मेरा प्याला दया से भर चुका है ।''(3 नफी 17:7)

प्राथमिक के शिक्षक के रूप में आप दया को प्रकट करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में हैं कि आप दया प्रकट कर सकते हैं । यद्यपि आपके पास प्रशिक्षण नहीं है कि किसी को व्यवसायिक सहायता दे सकें आप समझ सकते हैं और उन बच्चों की देखभाल कर सकते हैं जो विकलांग हैं । वो इच्छा कक्षा के प्रत्येक सदस्य को सीखने की, गतिविधियों में शामिल करने की जरूरता, इसके लिए उनकी प्रति लगाव, समझ, है ।

बच्चे जो विकलांग हैं आत्मा के द्वारा छुऐ जा सकते हैं, चाहे उनकी समझ कर स्तर जो भी हो । हो सकता है कि कुछ बच्चे पूरे प्राथमिक के समय उपस्थित रहने में असमर्थ हों उन्हें कुछ समय के लिए आने का मौका और आत्मा का अनुभव करने की आवश्यक्ता है । प्राथमिक के समय एक सहायक की आवश्यकता हो सकती है जो बच्चे की आवश्यकता समझता हो, और वह समूह से अलग रहने का समय चाहता हो ।

हो सकता है, कि कक्षा के कुछ सदस्य विकलांगता, मस्तिष्क की विकृति, भाषा या बात चीत की समस्या, देखने या सुनने की समस्या या व्यवहार या सामाजिक समस्या मानसिक रोग. चलने फिरने की समस्या या लम्बे समय तक चलते रहने वाली बीमारी आदि की समस्या महसूस करते हों । कुछ के लिए भाषा की या संस्कृति की विसंगति कठिनाइयों का अनुभव हो सकता है । व्यक्तिगत परिस्थितियो पर ध्यान न देते हुए प्रत्येक बच्चा समान आवश्यकता का अनुभव करता है कि उसे प्यार मिले, स्वीकार किया जाये, सुसमाचार को सीखे, आत्मा का अनुभव करे, सफलतापूर्वक भाग ले और दूसरों की सेवा करे ।

यह मार्गदर्शन आप की किसी विकलांग बच्चे को शिक्षा देने में सहायता कर सकता है ।

- विकलांगता से आगे बढ़ कर देखो और कुछ सीखो । बच्चे से स्वभाविक, दोस्त बनो और प्यार से भरे रहो ।
- बच्चे की विशेष शक्ति और कठिनाइयों को जानो ।
- कक्षा के प्रत्येक सदस्य को शिक्षा दें और याद करवायें कि कक्षा के सदस्यों के प्रति आदर करने की जिम्मेदारी का प्रयत्न करे । कक्षा के किसी विकलांग सदस्य की मदद करना पूरी कक्षा के लिए मसीह के अनुरूप सीखने के अनुभव के समान है ।
- माता-पिता से सलाह के द्वारा, घर के अन्य सदस्यों और जब समुचित हो तो बच्चे से भी पूछने के बाद बच्चे को पढ़ाने का सबसे अच्छे तरीके का पता लगाओ ।
- किसी विकलांग बच्चे से पढ़ने पूर्ण प्रार्थना करने अथवा भाग लेने के विषय में कहने के पहिले बच्चे से पूछो कि उसे कक्षा में भाग लेना कैसा लगता है । प्रत्येक बच्चे की योग्यता और प्रतिभा पर जोर दें और पता गाएं कि प्रत्येक बच्चा किस प्रकार आसानी से और सफलतापूर्वक भाग ले सकता है ।
- किसी विकलांग बच्चे की जरूरत को पूरा करने के लिए पाठयक्रम और अपने आस-पास की वस्तुओं का उपयोग करें ।

दुर्व्यवहार की समस्या से निपटना

एक शिक्षक के रूप में आप को मालूम होना है कि आपकी कक्षा में कौन से बच्चा मानसिक या शारीरिक दुर्व्यवहार से पीड़ित है । अगर आप अपनी कक्षा में किसी बच्चे के विषय में चिंतित हैं तो अपने धर्माध्यक्ष से इस विषय में सलाह लें । जब आप किसी पाठ को तैयार कर के प्रस्तुत करते हैं, परमेश्वर से मार्ग दर्शन के लिए प्रार्थना करें । आप अपनी कक्षा में प्रत्येक बच्चे की सहायता करें कि वह अनुभव करे कि वह स्वर्गीय पिता का बहुमूल्य बच्चा है और यह कि स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह हम सब से प्यार करते हैं और चाहते हैं कि हम खुश और सुरक्षित रहें ।

सही का चुनाव करने से आनन्द मिलता है

पाठ
1

उद्देश्य

बच्चों को यह समझने में सहायता करो कि सही का चुनाव करने से ही आनन्द मिलता है ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मत्ती 5:6 और ३नफी 12:6 का अध्ययन करें । सिद्धांत और अनुबंध 58:27 और सुसमाचार सिद्धांत (31110) अध्याय 4 भी देखें ।.
2. स.चु. का चार्ट बनाएं । चित्र 2-1, यीशु एक बच्चे के साथ, को एक बड़े कागज के टुकड़े या पोस्टर बोंड के साथ संलग्न करें । चित्र के ऊपर स.चु. और चित्र के नीचे शब्द ''मैं सही का चुनाव करूंगा को लिखें'' । भविष्य के पाठों के उपयोग के लिए इस चार्ट को संभाल कर रखें ।
3. प्रत्येक बच्चे के माता-पिता से बात करके प्रत्येक बच्चे के विषय में कुछ बातों का पता लगायें जिसे आप कक्षा में बतायें ।
4. गाना गाने की तैयारी करें या शब्द कहें ''सही रास्ते को चुने'' (बच्चो की गीत पुस्तिका पृ. 160 में । इन गीत के बोल निर्देशिका ने पीछे दिये गए हैं ।
5. आवश्यक समाग्री
   क - एक बाइबल या मॉरमन की पुस्तक
   ख - चॉक, चॉकबोर्ड और मिटाने का ब्रश
   ग - प्रत्येक बच्चे के लिए स.चु. अंगूठी जिसके पास नहीं है । (देखें कक्षा जानकारी में ''शिक्षक की सहायता के लिये '',)
   घ - प्रत्येक बच्चे के लिए स.चु के ढाल (निर्देशिका के मुखपृष्ठ पर उपलब्ध है) का रेखा चित्र या उसकी एक प्रतिलिपि ।
   च - रंग और कैंची ।
   छ - प्रत्येक बच्चे के लिए एक लम्बा टुकड़ा डोरी का ।
6. किसी भी समृद्धि गतिविधि का प्रयोग करने के लिए आवश्यक तैयारी करें ।

प्रस्तावित पाठ विकास

स्वर्ग के पिता और यीशु मसीह के प्रति श्रद्धा-भक्ति प्रकट करना और कक्षा के बच्चों के लिए प्रारम्भिक प्रार्थना करना ।

स्वर्ग का पिता और यीशु मसीह हम से प्रेम करते हैं

ध्यान गतिविधि

अपने विषय में, अपनी भावना के विषय में और इस वर्ष के प्राथमिक कक्षा में बच्चों को कुछ बताओ । प्रत्येक बच्चे का परिचय कक्षा के दूसरे सदस्यों से कराएं और ऐसा करते समय उस बच्चे के विषय में कुछ बतलाएं ।

स.चु. चार्ट

आपने जो स.चु. का चार्ट बनाया है उसे दिखाएं । बच्चों को बताएं इस वर्ष प्राथमिक में वे यीशु मसीह, हमारे उद्धारक के विषय में सीखेंगे । अति विशेष बात वे सीखेंगे कि यीशु उन में से प्रत्येक से कितना प्रेम करता है । गवाही दें कि यीशु आपकी कक्षा के प्रत्येक बच्चे से बहुत प्रेम करता है । प्रत्येक बच्चे को नाम लेकर ये बताएं, उदाहरण के लिएः ''यीशु स्टेफनी से प्रेम करता है ।'' बच्चों को बताएं कि स्वर्गीय पिता भी प्रत्येक बच्चे को प्रेम करता है ।

स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह हमें खुश रखना चाहते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को बताएं कि यीशु मसीह और स्वर्गीय पिता हम से इतना प्रेम करते हैं कि वे चाहते हैं हम खुश रहें । बच्चों को वे क्षण बताएं जब आप सचमुच में खुश हुए थे । (उदाहरण के लिए : जब आपका बपतिस्मा हुआ था , दुसरों के साथ कुछ बांटा था , मित्रों के साथ मजा किया था , अपने लक्ष्य के लिए काम किया था , परिवार के साथ खुशी के क्षण व्यतीत किये थे , यीशु के विषय में पढ़ा और सीखा था , मंदिर में शादी हुई थी , या मिशन में सेवा की थी ।)

बच्चो का भाग लेना ।

बच्चों को उस समय के विषय में बोलने दें जब वे आनन्दित होते हैं । अगर बच्चों को उत्साह की आवश्यकता हो तो निम्नलिखित प्रश्न पूछो :-

- क्या तुम खुश रहते हो जब तुम अपने भाई और बहन के साथ खेलते हो ?
- क्या तुम खुश रहते हो जब तुम अपने माता या पिता की मदद करते हो ?
- क्या तुम खुश रहते हो जब अपना कोई मन पसन्द काम करते हो ?

• क्या तुम खुश रहते हो जब तुम गिरजाघर आते हो ?

सही चुनने से खुशी मिलती है

कहानी और चर्चा

निम्नलिखित कहानी अपने शब्दो में कहो :

जेम्स एक लड़का ठीक आपकी उम्र का होगा जो हमारी कक्षा का सदस्य बन सकता था । एक दिन उसने अपने प्राथमिक शिक्षक से पूछा कि क्या वह अपने पालतू जानवर को कक्षा में ला सकता है । उसके शिक्षक ने उत्तर दियाः ''सही चुनो जेम्स, सही चुनो ।''

• तुम क्या सोचते हो, जेम्स ने क्या चुनाव किया ?

जब उसने अपने प्राथमिक शिक्षक से पूछा कि क्या वह अपने दोस्त को गिरजाघर ला सकता है, उसने जवाब दियाः ''जेम्स, सही चुनो । सदा सही चुनो ।''

• तुम क्या सोचते हो उसने क्या चुनाव किया ?

जेम्स ने बहुत बार अपने माता-पिता से भी यही बातें सुनी थी :''सही चुनो, जेम्स । स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह चाहते हैं कि हम सदा सही चुनें ।''

• सही चुनने का क्या अर्थ है ?

एक दिन जब जेम्स स्कूल से घर आया उसने देखा कि उसकी माँ एक टॉफी उसके लिये और एक उसके भाई के लिए रख गयी है । जेम्स को टॉफी बहुत पसन्द थी और उसने अपनी टॉफी शीघ्रता से खा ली । फिर उसने अपने भाई की टॉफी को देखा । उसका भाई घर पर नहीं था और आस पास भी कोई नहीं था यह कहने के लिए, ''सही चुनो, जेम्स । सदा सही चुनो ।''

• तुम्हें क्या करना चाहिए था ?

• अगर जेम्स सही चुनता तो क्या करता ?

जेम्स ने अपने भाई की टॉफी खा ली । जब जेम्स का भाई घर लौटा उसने पाया कि उसके लिये टॉफी नहीं है । उसने सोचा कि उसकी माँ उसके लिये टॉफी रखना भूल गयी है और वह बहुत उदास हो गया । जेम्स को बहुत अफसोस हुआ क्योंकि उसने अपने भाई की टॉफी खा ली थी ।

• क्या जेम्स ने सही चुना था ?

• क्या जेम्स अपने चुनाव के विषय में खुश था ?

• अब जेम्स को क्या करना था ?

बच्चों की मदद करो कि बच्चे उन तरीकों के विषय में सोचें जिससे जेम्स अपनी गलती को सुधार सकता था । इस बात पर जोर दो कि हम लोगों को सदा सही चुनना चाहिए परन्तु अगर हम गलत का चुनाव करते हैं तो हम लोगों को अपने चुनाव को सही करने की कोशिश करनी चाहिए । जब हम लोग गलत का चुनाव करते हैं तो हम उदास हो जाते हैं लेकिन जब हम सही चुनते हैं तो खुश हो जाते हैं ।

धर्मशास्त्र

बच्चों को बताओ कि यीशु ने हम को बताया है कि हम लोग जब सही चुनते है तो खुश होंगे । मत्ती 5:6 या 3 नफी 12:6 (सच्चाई के द्वारा) को जोर से पढ़ें । स्पष्ट करो कि ''सबसे पहिले सच्चाई के लिये प्यासे रहो'' का अर्थ है सही चुनना । हम लोग आशीषित होंगे अगर हम सही चुनेंगे ।

स. चु. का अर्थ है सही चुनो

चॉकबोर्ड की गतिविधि

• कुछ चीज आपकी है, उस पर बिना आपका पूरा नाम लिखे आपकी माँ कैसे चिन्ह कैसे लगाएंगी ? (वह आपके नामों के प्रथम अक्षर का उपयोग कर सकती हैं)।

बताएं कि प्रथम अक्षर हमारे नामों के शुरू का अक्षर है ।

बच्चों को बताएं कि आपके नामों के प्रथम अक्षर क्या हैं । उनको चॉकबोर्ड पर लिखें और अपने नाम को दोहराएं, उपयुक्त समय पर प्रत्येक प्रथम अक्षर को केन्द्रीत करते हुए ।

• आपके नामों के प्रथम अक्षर क्या हैं ?

चाकॅबोर्ड पर बच्चों के नामों के प्रथम अक्षरों को लिखें और दिखाएं कि कैसे वे उनके नामों को प्रदर्शित करते हैं । प्रथम अक्षरों को पहले लिखें और फिर बाकी के नामों को जोड़ें । (अगर आपकी कक्षा बड़ी है, उदाहरण के तौर पर सिर्फ कुछ बच्चों के नामों के प्रथम अक्षरों का उपयोग करें)।

स.चु. को बोर्ड पर ऊपर से नीचे की ओर लिखो जैसा नीचे दिखाया गया है । अगर बच्चे अक्षरों को पढ़ सकते हैं तो उनको अपना हाथ उठाने को कहो ।

स.

चु.

पूरी कक्षा के साथ प्रथम अक्षरों को जोर से पढ़ो । बच्चों को बताओ कि ये दो अक्षर दो महत्वपूर्ण शब्दों के लिये प्रयोग किये जाते हैं । चॉकबोर्ड पर शब्दों को पूरा करो :

सही

चुनो

बच्चों के साथ इन शब्दों को पढ़ो और प्रथम अक्षरों को दोहराने को कहो । फिर मिल कर कहो कि यह अक्षर किस लिये उपयोग किये जाते हैं ।

बच्चों को इस बात पर जोर दो कि जब वे कहते हैं : ''स.चु.'' उस समय उनको सोचना होगा ''सही चुनो'' । उनको यह बताओ कि वे प्रथम अक्षर उन्हें यीशु मसीह का अनुसरण करने में उनकी सहायता करेगा और सही काम करने से उन्हें खुशी मिलेगी ।

हम लोग याद कर सकते हैं कि सही को चुनो

स.चु. चार्ट

स.चु चार्ट पर यीशु मसीह के चित्र को संदर्भ करो । बच्चों को बताओ कि इस वर्ष प्राथमिक में वे बहुत सी बातें सीखेंगे जिन्हें यीशु धरती पर रहने के समय करते और शिक्षा देते थे । समझाओ कि यीशु ने सदा सही का चुनाव किया और वह चाहते हैं कि हम भी सही का चुनाव करें ताकि हम लोग खुद खुश रहें और दूसरों को भी खुशी प्रदान कर सकें । बच्चों को खड़ा करो और एक साथ जो कुछ स.चु. चार्ट पर लिखा है बोलने दो : ''मैं सही को चूनुँगा ।''

गीत

बच्चों की सहायता करो कि वे इन शब्दों को गायें या बोलें ''सही रास्ते को चुनो'' गाने को दोहराओ जब तक बच्चे स्वयं गाने या शब्दों को बोलने नहीं लगते हैं ।

स.चु. की अंगुठी

स.चु. की अंगुठी उन बच्चों तक पहुँचा दो जिनके पास यह नहीं है । (अगर स.चु. अंगुठी उपलब्ध नहीं है तो इसको छोड़ कर स.चु. की ढाल की गतिविधि करें और ढाल के ऊपर इन अक्षरों की चर्चा करो) । सभी बच्चों से कहो कि वे अंगुठी की ओर देखें ।

- इस अंगुठी पर प्रथम अक्षरों का क्या अर्थ है ? (सही को चुनो)

बच्चों को बताओ कि उनकी स.चु. अंगुठी उनकी सहायता कर सकती है कि वे याद करें कि यीशु चाहता है कि वे सही को चुनो।

स.चु ढाल की गतिविधि

प्रत्येक बच्चे को रंग और स.चु. ढाल की एक प्रतिलिपि रंग करने के लिए दो । प्रत्येक बच्चे की सहायता करो कि वह ढाल के चित्र को काट कर निकाले और ऊपर में एक छेद करके डोरी डाल दें । डोरी में एक गाँठ डाल दो ताकि बच्चे उसे अपने गले में पहन लें।

सारांश

चर्चा पर विचार करो

- स.चु. का क्या अर्थ है ?
- सही को चुनो का क्या अर्थ है ?
- कौन हम सबको प्यार करता है और चाहता है कि हम खुश रहें (स्वर्गीय पिता; यीशु मसीह)
- स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह क्या चाहते हैं कि हम करें ताकि हम लोग खुश रहें ।

गवाही

अपनी गवाही दें कि स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह हमें प्यार करते हैं और चाहते हैं कि हम खुश रहें । बच्चों को बताएं कि स्वर्गीय पिता और यीशु का अनुसरण करने से ही हम लोग शांति और खुशी पा सकते हैं ।

बच्चों को सही चुनाव कर प्राथमिक में आने के लिए बधाई दें और उन्हें उत्साहित करें कि वे हर सप्ताह आयें ।

बच्चों को उत्साहित करें कि वे आने वाले सप्ताह में स.चु. चार्ट पर लिखित शब्द को याद करें ''मैं सही को चुनुंगा''

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने को बुलाएं ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित कार्यक्रमों में से चुनाव करो कि आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे अच्छा क्या होगा । आप उसे पाठ में भी उपयोग कर सकते हो या समीक्षा या सारांश के रूप में । अतिरिकत मार्ग दर्शन के लिए ''शिक्षक के लिए सहायता'' में ''कक्षा समय देखें'' ।

1. बच्चों को बताओ कि इस वर्ष प्राथमिक में वे सही को चुनो के विषय में बहुत कुछ सीखेंगे ।

   चित्र दिखाओ 2-4, धरती पर आने से पहले का जीवन; चित्र 2-24, मछुआरों को बुलाना और चित्र 2-39, भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ बच्चों को बताओ कि वे कुछ लोंगों के विषय में सीखेंगे जिन्होंने सही को चुना था प्रत्येक चित्र के विषय में कुछ बताओ ।

   - चित्र 2-4, हम लोगो ने पृथ्वी पर आने का सही चुनाव किया । (पाठ 4 देखें)
   - चित्र 2-24 यीशु के चेलों ने मछुआरे का काम छोड़ कर यीशु पीछे आने का सही चुनाव किया । (पाठ 15 देखें)
   - चित्र 2-39 जोसफ स्मिथ ने प्रार्थना के द्वारा सच्चे गिरजाघर को पाने का सही चुनाव किया (पाठ 20 देखें)

2. बच्चों की मदद करो कि वे एक दूसरे को भली प्रकार से जानें, प्रत्येक बच्चे का नाम एक कागज़ के टुकड़े पर लिखो और उन टुकड़ों को एक डिब्बे में डाल दें । प्रत्येक बच्चे को डिब्बे से एक-एक नाम निकालने दें और कुछ संकेत देने दें और इसी बीच और लोग उस नाम को पूछेंगे कि वह कौन है । जो संकेत आयेगा वह इस प्रकार का होगा ''यह व्यक्ति बहुत मुस्कराता है'', ''यह व्यक्ति नीला रंग का वस्त्र पहने है'' अथवा ''उस व्यक्ति के बाल काले हैं ।''

3. कुछ कार्य जो बच्चे करते हैं उनके विषय में बताएं । बच्चों से कहो कि वे खड़े हो जायें अगर कार्य यह प्रकट करता है कि चुनाव सही है अथवा बैठ जायें अगर कार्य एक गलत चुनाव को बताता है । निम्नलिखित उदाहरण का उपयोग करें अथवा उपनी ओर से कुछ बताएं :

   - जल्दी उठो ताकि गिरजाघर के लिए समय से तैयार हो जाओ ।
   - ऊँची आवाज में शिकायत करो अगर सुबह के नाश्ते में तुम्हें वह चीज नहीं मिलती है जिसे तुम चाहते हो ।
   - अपनी छोटी बहन की सहायता करो कि वह अपनी खोई हुई जूती पा जाए ।
   - अपने प्राथमिक कक्षा में नये बच्चे को ''हैलो'' कहो ।
   - अपनी जूती से आवाज करो जब तुम सभाघर में जाते हो ।
   - प्रभु भोज के समय यीशु मसीह के विषय में ध्यान करो ।
   - अपने प्राथमिक कक्षा में बैठ कर शांतिपूर्वक पाठ को सुनो ।

पाठ
2

मैं सही को चुन सकता हूँ

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की सहायता करो कि वह समझ सके कि वह यह कह कर सही को चुन सकता है ''यीशु मुझसे क्या करवाना चाहता है ? ''

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ 2 नफी 31:10 को पढ़ो ।
2. अंडों के साथ एक घोंसला बना कर पाठ की कहानी को दर्शाएं । एक कटोरे में भूसा , घास या कपड़ा भर दो । तीन उबले हुए अन्डे घोंसले में डाल दें । अगर अन्डे नहीं हैं तो तीन अन्डे के आकार के कागज के टूकड़े काट कर घोंसले में डाल दें ।
3. पाँच कागज के टुकड़ो पर एक से पाँच तक की सख्यां लिख कर उन्हें किसी छोटे थैले में या किसी अन्य पात्र में डाल दें ।
4. गाने की तैयारी करें या यह शब्द बोलो ''मैं यीशु के समान बनने की कोशिश कर रहा हूँ '' (बच्चों के गाने की पुस्तक पृष्ट 18)।इस गाने के शब्द निर्देशिका के पीछे लिखे हुए हैं ।
5. जरूरत के समान
   अ- मॉरमन की पुस्तक
   ब- स.चु. चार्ट (देखें पाठ 1)
6. कोई भी शक्तिकरण को कार्यवाही करने के लिए आवश्यक तैयारी करो जिसे आप उपयोग करना चाहते हो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

किसी बच्चे को बुलाओ कि वह प्रारम्भिक प्रार्थना करे ।

अगर आपने सप्ताह के दैरान बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया था तो उसकी जाँच करें । आप बच्चों से पूछना चाहेंगे कि क्या उन लोगो ने स.चु. चार्ट से शब्दों को याद कर लिया (''मैं सही को चुंनुगा'')।

यीशु मसीह चाहते हैं कि हम सही को चुनें

ध्यान गतिविधि

बच्चों से कहो कि वे ''मार्गदर्शक का अनुसरण'' का खेल खेलें । बच्चे एक कतार में खड़े हो जायें । कतार में खड़ा पहला बच्चा कमरे की दूसरी तरफ में कूदता-फांदता और दूसरे हाव भाव करता है । दूसरे बच्चे उसका अनुसरण करते हैं और वही करते हैं जिसे पहले बच्चे ने किया । फिर पहला बच्चा पंक्ति के अन्तिम छोर पर खड़ा हो जाता है और दूसरा बच्चा अगुवा बन जाता है । इस बात को करते रहें जब तक प्रत्येक बच्चे को मार्गदर्शक बनने की बारी नहीं आ जाती है ।

धर्मशास्त्र चर्चा

2 नफी 31:10 का प्रथम भाग जोर से पढ़ें , *मेरा अनुकरण* करें तक । समझाएं कि यीशु मसीह ने ये शब्द कहे थे । यीशु चाहता है कि हम उसका अनुकरण करें

- हम लोग किस प्रकार यीशु का अनुकरण कर सकते हैं ?

ऊँची आवाज में 2 नफी 31:10 का शेष भाग पढ़ो । समझाओ कि हम लोग तब यीशु मसीह का अनुकरण करते हैं जब हम लोग उसकी आज्ञाओं को मानते हैं और वही करते हैं जो कुछ वह करता है ।

स. चु. चार्ट

स. चु. चार्ट को दिखाओ । बच्चों को बताओ कि जैसे वे यीशु के विषय में अधिक ज्ञान प्राप्त करते हैं, वे बेहतर चुनाव कर सकते हैं क्योकि यीशु की शिक्षाएं हमें बताती हैं कि क्या चीज सही है ।

ससझाओ कि जब हमें एक कठिन चुनाव करना पड़ता है तब हम लोग अपने से एक प्रश्न पूछें जिससे हमें जानने में सहायता मिले कि क्या सही है । प्रश्न यह है :''यीशु मुझसे क्या करवाना चाहता है ? ''

कहानी और चर्चा

जो घोंसला आपने बनाया था उसका संदर्भ ले कर निम्नलिखित कहानी अपने शब्दों में कहो :

एक छोटा बच्चा जिसका नाम वारेन था वह चिड़ियों के बसेरे के पास रहता था बसेरा ऐसा स्थान होता है जहाँ चिड़ियाँ सुरक्षित रहती हैं । वारेन के पिता का काम था कि वह चिड़ियों की रखवाली करे । अपने घर के नजदीक ऊँची घास के बीच वारेन को

एक घोंसला मिला और उस घोंसले में जो अन्डे थे उसे वह देखना अच्छा लगता था जब मादा चिड़िया वहाँ नहीं होती थी । एक दिन वारेन जब अण्डों को देख रहा था , उसे तेज शोर सुनाई दिया । उसने सिर ऊपर उठा कर देखा तो पाया कि दो लड़कों ने अपनी गुलेल से एक चिड़िया को मार दिया था ।

दोनों लड़कों ने वारेन को देखा और घोंसले को देखने आये । एक लड़का उन अण्डों को फोड़ देना चाहता था । वारेन ने उनको समझाया कि वे अण्डे को न तोड़ें और उसने बताया कि यह नियम के विरूद्ध है कि किसी चिड़िया को उसके सुरक्षित स्थान में मार डाला जाये । लडकों ने वारेन को बोला कि अच्छा होगा अगर वह किसी को यह न बताएं कि उन लोगों ने चिड़िया को मार डाला है । वे नियम को तोड़ने के कारण सजा नहीं पाना चाहते थे । जब वारेन अपने घर चला गया , वह बहुत धीमे धीमे कदम बढ़ा रहा था और सोच रहा था कि उसे क्या करना चाहिए । अगर उसने अपने पिता से उन लड़को के विषय में बताया तो वे उसे तंग कर सकते हैं या उसे हानि पहुँचा सकते हैं ।

स. चु. चार्ट पर यीशु के चित्र की ओर इशारा करो

- वारेन को अपने से क्या प्रश्न करना चाहिए कि वह सही चुनाव कर सके ?
- आप क्या करते ?

वारेने ने निश्चय किया कि वह अपने पिता को उन लड़कों के विषय में बता देगा । उसके पिता ने कहा कि वह उन लड़कों से और उनके माता पिता से बात करेगा जब वारेन ने बताया कि उसे चिन्ता हो रही है कि यदि वह उनको स्कूल में देखगा तो क्या होगा तब उसके पिता ने सुझाव दिया कि वारेन कोई रास्ता ढूँढ कर उन्हें अपना दोस्त बना ले ।

वारेन नहीं चाहता था कि वह ऐसे लड़कों से दोस्ती करे जो चिड़ियों को मार देते हों और उनके अंडे फोड़ देते हों । वह बहुत परेशान था कि पिता ने उसे ऐसी सलाह क्यों दी है । जो कुछ उसके पिता ने कहा उसके विषय में वह रात भर सोचता रहा । वारेन कोई दूसरे निर्णय लेना चाहता था ।

- वारेन को क्या निर्णय लेना था ?

स. चु. चार्ट पर यीशु के चित्र की ओर फिर से इशारा करो ।

- वारेन को अपने आप से कौन सा प्रश्न पूछना था? (''यीशु मुझसे क्या करवाना चाहते हैं ? '')
- वारेन को क्या करना चाहिए था ?

जब वारेन ने उन लड़कों को फिर से देखा वे उससे नाराज थे कि उसने उनके विषय में अपने पिता को क्यों बता दिया । उन लोगों ने उसे पीटने की धमकी दी । वारेन डर गया लेकिन उसने निश्चय किया कि वह वही करेगा जो यीशु उससे कराना चाहते हैं । उसने लड़को को बताया कि शनिवार के दिन वह और उसके पिता पैदल यात्रा पर जाएंगे और उसने उनसे पूछा कि क्या वे भी जाना पसन्द करेंगे । वे लड़के अचम्भे में पड़ गये और कुछ समय के लिए कुछ नहीं बोले । उन लोगों ने यह नहीं सोचा था कि वारेन उनके साथ मित्रवत व्यवहार करेगा । अन्त में वे जाने के लिए राजी हो गये ।जैसे ही वारेन ने उन लड़कों को विदाई दी, उसे बड़ी शांति का अनुभव हुआ । उसके समझ में आया कि उन लड़कों से दोस्ती करना ही सबसे सही निर्णय था (Adapted from Claudia Remington, "The Nest," Friend, May 1980, pp. 2--5.)

- वारेन को शांति का अनुभव क्यों हुआ था ?
- तुम्हें कब शांति का अनुभव हुआ क्योंकि आपने सही को चुना और वही किया जिसे यीशु तुमसे करवाना चाहते थे ।

बच्चों को निमंत्रण दो कि वे अपना वह अनुभव बाँट सकें जब उन्होंने वही चुना जो सही था ।

हम लोग वह कर सकते हैं जिसे यीशु मसीह हमसे करवाना चाहता है

चर्चा गतिविधि

बच्चों से कहो कि वे इस प्रश्न को दोहरायें ''यीशु मुझसे क्या कराना चाहता है ? '' उनसे कहो कि वे इस प्रश्न का जवाब देने का अभ्यास करेंगे । वह थैला या पात्र दिखाओ जिसमें पर्चो पर सख्या लिखी हुई है । बच्चों को बारी बारी से एक पर्चा उठाने दो । परिस्थिति को समझो जो उस पर्चे पर लिखी हुई सख्या से मेल खाती है और बच्चे को प्रश्न का उत्तर देने दो (अगर आपके पास बड़ी कक्षा है तो आप कुछ और परिस्थितियों को जोड़ सकते हैं ।)

1. आप अपने ब्लाक से बना रहे हैं । जो कुछ आप बना रहे हैं उसे आपकी छोटी बहन गिरा देती है ।
   - आप अपने आप से क्या प्रश्न करना चाहिए ?
   - यीशु आपसे क्या कराना चाहते हैं ?

2. आपका दोस्त आपके घर खेलने के लिए आता है । आपका भाई आपसे और आपके दोस्त के साथ खेलना पसन्द करता है लेकिन आप अकेले ही खेलना पसन्द करते हैं ।

   - आपको अपने आप से क्या प्रश्न करना चाहिए ?
   - यीशु आपसे क्या कराना चाहता है । (इस बात को बताओ कि अपने भाई को बुला कर खेलना ही एकमात्र जवाब नहीं है ; बच्चों की मदद करो कि कुछ और हल निकाले ।)

3. आप अपने पड़ोस के बच्चो के साथ बॉल खेलना चाहते हैं । वे आपको अपशब्द कहते हैं और कहते हैं कि घर चले जाओ । आप भी अनुभव करते हैं कि आप भी उनको अपशब्द कहें ।

   - आपको अपने आप से क्या प्रश्न करना चाहिए ?
   - यीशु आपसे क्या कराना चाहता है ?

4. आपकी माता आपसे कहती है कि खेलने के लिए बाहर जाने के पहले आप अपना बिस्तर ठीक से बिछा लें । आपके मित्र आपका इन्तजार सामने के दरवाजे पर कर रहे हैं ।

   - आपको अपने आप से क्या सवाल करना चाहिए ?
   - यीशु आपसे क्या कराना चाहता है?

5. आपके पिता जी चाहते हैं कि घर का आंगन साफ करने में आप उनकी मदद करें । आप चाहते हो कि अन्दर जा कर वह पुस्तक खत्म करें जिसे आप पढ़ रहे थे ।

   - आप अपने आप से क्या प्रश्न करेंगे ?
   - यीशु आपसे क्या कराना चाहता है ?

इस बात को समझाओ कि हर एक परिस्थितियों में यीशु आपसे कुछ स्पष्ट नहीं कहता है कि आपको क्या करना चाहिए । यीशु चाहता हैं कि हम बुद्धिमानी से चुनाव करें । वह हमसे यह चाहता है कि हम सीखें कि हमें कैसे सोचना चाहिए और कैसे प्यार और दयालुता दिखानी चाहिए ।

सारांश

गीत

बच्चों के साथ गाना गाएं या ये शब्द कहें,'' मैं यीशु के समान बनना चाहता हूँ ''।

गवाही

बच्चों को याद कराएं कि हम सही चीज का चुनाव करके यीशु मसीह के समान बन सकते हैं । इस बात की गवाही दें कि यीशु उनको प्यार करता है और चाहता है कि वे सही को चुनें और तब उन्हें खुशी और शांति का अनुभव होगा ।

बच्चों को प्रोत्साहित करो कि जब वे इस सप्ताह निर्णय लेते है तब वे अपने से यह प्रश्न पूछें , ''यीशु मुझसे क्या कराना चाहता है ?''

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए कहो । बच्चे से कहें कि वह प्रार्थना करे कि कक्षा के सदस्य अपने से यह पूछना न भूलें कि यीशु उनसे क्या कराना चाहता है ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित कार्यो में से चुनाव करो कि आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे अच्छा क्या होगा । आप इसे पाठ में इस्तेमाल कर सकते हैं अथवा पुर्नलोकन या सारांश में भी । अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिए आप ''शिक्षक के लिए सहायता'' में ''कक्षा समय '' देखें ।

1. बच्चों को कागज और रगं दें और उन्हें जैसा यीशु चाहता है, चित्र बनाने दो , जैसे गिरजाघर आने का चित्र, माता-पिता की सहायता का चित्र, किसी बिना साथी बच्चे को सांत्वना देने का चित्र. या भाई और बहनों के साथ खेलने का चित्र । प्रत्येक बच्चे के कागज पर लिखो : यीशु मुझसे क्या कराना चाहता है ?

2. गाओ अथवा शब्दों को बोलो '' वही करने का साहस करो जो सही है(बच्चों के गाने की किताब, पृ. : 158 अथवा ''नफी का साहस '' (बच्चों के गाने की किताब पृ. 120) । यह शब्द '' सही करने का साहस करो'' किताब के पीछे दिया गया है ।जब तुम गाना गा लेते हो तब बच्चों को वारेन के विषय की कहानी याद कराओ । वारेन को कुछ कठिन निर्णय लेने पड़े थे ।

   - ऐसा क्यों होता है कि कभी कभी हमें सही को चुनना बहुत कठिन लगता है ?

   बच्चों को बताओ कि यद्यपि यह कभी कभी कठिन होता है फिर भी अगर हम सदा यह कोशिश करें कि सही को चुनें तो हमें शांति और खुशी का अनुभव होगा ।

नफी का साहस
परमेश्वर ने नफी को आदेश दिया कि वह जा कर फाटकों के अन्दर से दुष्ट लबान से पट्टियां ले आये ।
लामान और लेमुएल दोनों कोशिश करने से डरते थे ।
नफी साहसी था । यह उसका जवाब था : ''मैं जाऊंगा, जो कुछ परमेश्वर मुझसे करने को कहता है, मैं उसे करूँगा ।
मैं जानता हूँ कि परमेश्वर रास्ता निकालता है , वह चाहता है कि मैं उसकी आज्ञा मानूं ।
मैं जाऊँगा, मैं वही करूँगा जो परमेश्वर मुझसे कराना चाहता है ।
मैं जानता हूं कि वह एक रास्ता निकालेगा, वह चाहता है कि मैं उसकी आज्ञा मानूं ''।
(© 1986 by Wilford N. Hansen Jr. and Lisa Tensmeyer Hansen. Used by permission.)

3. पाठ के अन्त में प्रत्येक बच्चे के लिए पर्चे की एक प्रतिलिपि बनाएं । पर्चे के नीचे जो छोटी शब्द पट्टी दी गयी है उसे काटें (सख्या को छोड़ दें) । प्रत्येक बच्चे को गाने की एक प्रतिलिपि दें , और शब्द पट्टी का एक सेट भी । पर्चे पर लिखा हुआ शब्द पट्टी और गानों को पढ़ें और बच्चों की मदद करें कि वे शब्द पट्टी गाने में कहाँ उपयुक्त होगी । बच्चों को थोड़ा सा गोंद या टेप दो कि वे शब्द पट्टी को अपने गाने की प्रति पर चिपका सकें । आप स्वंय लिखें या बच्चों से कहें कि वे अपने नाम को पर्चों पर लिखें ।

   जब बच्चे अपने शब्द पट्टियों को जोड़ना पूरा कर लें, एक या दो बार उन्हें ''सही रास्ते का चुनाव करो'' गाने में सहायता करो, एक अच्छा काम करने पर उन्हें बधाई दें ।

सही रास्ते का चुनाव करो

जीने और खुश रहने का (1) रास्ता है ।

यह प्रतिदिन (2) है ।

मैं (3) की शिक्षा सीख रहा हूँ ।

वे हमारी सहायता करेंगे और मार्ग दिखायेंगे ।

(4) और खुश रहो ।

मुझे सदा (5)

---

(1) सही

(2) सही का चुनाव करना ।

(3) यीशु

(4) सही चुनो ।

(5) सही रहो ।

‘क्तत्ठ’मैं परमेश्वर का बच्चा हूँ

पाठ

3

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को इस बात का एहसास करने में सहायता करो कि हमारा स्वर्गीय पिता हम सब से प्यार करता है क्योंकि हम उसके बच्चे हैं ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ भजन संहिता 82:6 का अध्ययन करो । इब्रानियों 12:9; मूसा 1:39 और धर्मशास्त्र के सिद्धान्त (31110) पाठ 2 को भी देखो ।

2. ऐकोडियन के आकार की कागज की एक गुड़िया बनाओ (नीचे दिया हुआ चित्र देखो)। उस मुड़े हुए भाग पर एक व्यक्ति का आधे आकार का एक चित्र बनाओ । उस चित्र को चारों ओर से काट लो लेकिन मुड़ा हुआ भाग जहाँ उसका शरीर है या हाथ के चारों ओर मत काटो । गुड़िया हाथ जोड़े हए खुलेगी । जब बच्चे देख रहें हैं तब उस गुड़िया को कक्षा में काटना चाहते हो या प्रत्येक बच्चे के लिए कागज की गुड़िया का एक झालर बनाना चाहते हो ।

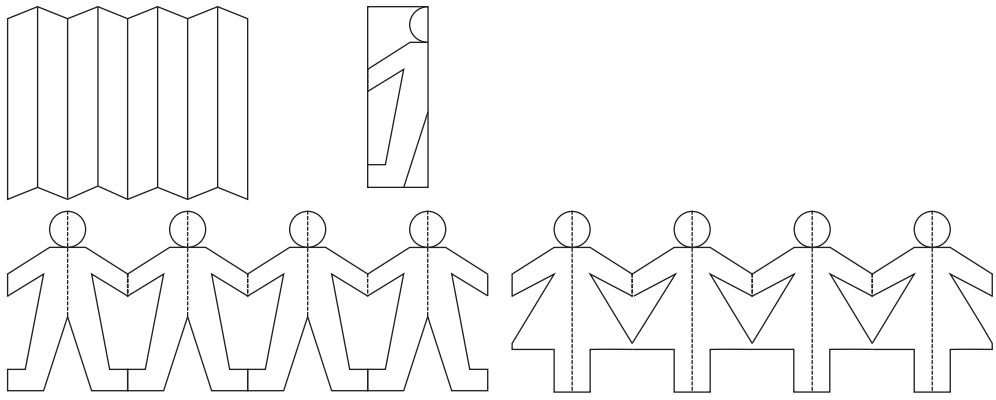

3. तीन शब्द पट्टियां तैयार करो ।

आत्मा

शरीर

परिवार

4. ‘‘मेरा स्वर्गीय पिता मुझसे प्रेम करता है ’’ (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.228) और ‘‘मैं परमेश्वर का बच्चा हूँ ’’(बच्चों की गीत पुस्तिका ,पृ.2) के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें । ‘‘मैं परमेश्वर का बच्चा हूँ’’, के शब्दों को इस पुस्तक के पीछे सम्मिलित किया गया है ।

5. आवश्यक सामग्री
   क. एक बाइबल
   ख. एक छोटा दर्पण
   ग. पाँच उँगली वाला दस्ताना (अगर दस्ताना उपलब्ध नहीं है तो आप दस्ताने का एक फोटो या रेखाचित्र ला सकते हैं ।)
   घ. चित्र 2-2, एक बच्चे के साथ परिवार (62307) या एक नवजात शिशु की एक फोटो

6. जो भी शक्तिकरण के कार्यक्रम आप करना चाहते हैं उसकी तैयारी करें ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को बुलाकर प्रारम्भिक प्रार्थना कराओ ।

अगर आपने बच्चों को प्रोत्साहित किया है कि वे सप्ताह के दौरान कुछ करें तो उसकी जांच करें ''यीशु मुझसे क्या कराना चाहते हैं इस उनके इस अनुभव पर उनकी बात सुनो ।

मैं कौन हूँ ?

ध्यान गतिविधि

प्रश्न पूछो :

- मैं कौन हूँ ?

जब बच्चों ने उत्तर दिया फिर अपना पूरा नाम दोहराएं ।

प्रत्येक बच्चे की ओर इशारा करो और पूछो, ''आप कौन हैं ? ''

अपना नाम बताते हुए प्रत्येक बच्चा उत्तर दे । इस बात को स्पष्ट करो कि प्रत्येक व्यक्ति बहुत महत्वपूर्ण है ।

चर्चा

चित्र दिखाओ 2-2, एक बच्चे के साथ परिवार और बच्चे परिवार के सदस्यों की ओर इशारा करें या नवजात शिशु के चित्र दिखाएं ।

- आप क्या सोचते हैं नवजात शिशु किस उम्र का है ?
- यह नवजात शिशु इस धरती पर जन्म के पहिले कहाँ था ?

स्पष्ट करो कि हम सब इस पृथ्वी पर आने के पहिले अपने स्वर्गीय पिता के साथ रहते थे । हम लोग उसके साथ रहते थे । हम लोग उसके बच्चे हैं । इसी कारण हम लोग उन्हें स्वर्गीय पिता कहते है । हम लोग अपनी स्वर्गीय माता तथा दूसरे स्वर्गीय बच्चों के साथ भी रहे । प्रत्येक व्यक्ति जो इस धरती पर जन्मा है वह स्वर्गीय पिता का बच्चा है । हम लोग याद नहीं कर पाते हैं कि हम लोग स्वर्गीय पिता के साथ रहे थे लेकिन हम लोग जानते हैं कि हम उसके बच्चे हैं क्योंकि यह बात हम लोग धर्मशास्त्रों में पढ़ते हैं ।

धर्मशास्त्र

'सबके सब ' से शुरू करके भजन संहिता 82:6 का अन्तिम भाग ऊँचे स्वर में पढ़ो । स्पषट करो कि 'परम प्रधान ' का अर्थ है स्वर्गीय पिता ।

यह स्पष्ट करो कि स्वर्गीय पिता के विश्वासी आत्मिक बच्चे इस धरती पर आते हैं । उसके बहुत से आत्मिक बच्चे जन्म ले चुके हैं लेकिन और बहुत से धरती पर आने की बाट जोह रहे हैं ।

हम लोगों के पास आत्मा है

चर्चा

शब्द समूह ''आत्मा'' का चित्र दिखाओ ।

बच्चों को यह स्पष्ट करो कि इस धरती पर आने के पहले जब हम लोग स्वर्ग में रहते थे । तब हम लोगों के पास यह मानव शरीर नहीं था । हम लोग आत्मा थे ।

- आत्मा क्या है ?

यह स्पष्ट करो कि आत्मा हमारे जीवन का एक अंश है जिसके कारण हम लोग जीते हैं ।

- तुम क्या सोचते हो कि तुम्हारी आत्मा कैसी दिखाई देती है ?

एक छोटे से दर्पण को चारों ओर घुमाओ और प्रत्येक बच्चे को उसमें देखने दो । बच्चों से पूछो कि क्या दर्पण , आत्मा कैसी है के विषय में कुछ बताता है ।

स्पष्ट करो कि हम लोगों की आत्मा हम लोगों के शरीर के समान दिखाई दैती है । उदाहरण के लिए आत्मा के पास आँखे, कान, भुजाऐं और पैर हैं ।

लक्ष्य पाठ

दस्ताने को मेज पर रखो। यह स्पष्ट करो कि यद्यपि दस्ताना हाथ के आकार का होता है फिर भी वह हाथ के समान हिल डुल नहीं सकता है क्योंकि वह जीवित नहीं है । जब हाथ को दस्ताने में डाला जाता है । अपना हाथ दस्ताने में डालो और अपनी ऊंगलियाँ घुमाओ । स्पष्ट करो कि दस्ताना एक मानव शरीर के समान है और हाथ आत्मा के समान है । हमारा शरीर बिना आत्मा के हिल डुल नहीं सकता । हमारी आत्मा हमारे शरीर के अन्दर दिखाई नहीं देती है ठीक उसी प्रकार जैसे दस्ताने के अन्दर छिपा हुआ हाथ दिखाई नहीं देता है ।

हम लोगों के पास मानव शरीर होता है

चर्चा

''मानव शरीर'' की शब्द -पट्टी दिखाओ ।

इस बात को स्पष्ट करो कि जब हम इस धरती पर आये तब हम सबको एक मानव शरीर दिया गया था । बच्चों से कहो कि वे शरीर के कुछ अंगों के नाम बतायें जैसे , आँखें ,कान , बाहें और पैर ।

- आपका मानव शरीर क्या कर सकता है?

गतिविधि

बच्चों को दिखाने दो कि वे अपने मानव शरीर से कितने काम कर सकते हैं । जैसे कूदना, फाँदना, हिलना डुलना , बातें करना , रेंगना या नाचना ।

कागज की गुड़िया पर चर्चा

बच्चों को कागज की गुड़िया की श्रृंखला दिखाओ

- कैसे हम लोग कागज की गुड़ियों के समान हैं ? (हम लोगों के पास भी भुजाएं, पैर, और सिर है)
- उनसे हम कैसे भिन्न हैं ? (वह कागज की बनी है हम लोंगों के पास माँस और हड्डी है । वे जिन्दा नहीं हैं, हम लोग जिन्दा हैं । वे सब एक समान दिखाई देती हैं । हम लोग एक दूसरे से भिन्न दिखाई देते हैं ।)
- कैसा लगता अगर हम सभी एक समान दिखाई पड़ते ?

खेल

बच्चों से कहो कि वे खड़े हो जायें जब कभी आप उनके विषय में कोई बयान देते हैं । बयान दें जो आपकी कक्षा में बच्चों की समता और विषमता को दर्शाता है, जैसेः

- सब लड़कियां खड़ी हो जायें ।
- सभी जिनकी आँखें भूरी हैं खड़े हो जायें ।
- सभी जिनके पास नाक है खड़े हो जायें ।
- खड़े हो जायें अगर तुम्हारे पास सुनहरे रगं के बाल हैं ।

इस बात को दर्शाओ कि बहुत सी बातें हम सब के पास समान हैं, लेकिन कोई दो व्यक्ति एक समान नहीं हैं । स्पष्ट करों कि हमारे स्वर्गीय पिता ने हम सबके लिए योजना बनाई है कि हमारे पास एक मानव शरीर हो जो दूसरों के समान ही हो फिर भी एक समान नहीं । हम में से प्रत्येक एक दूसरे से भिन्न है

हम लोगों के पास परिवार है जो हमें प्यार करता है

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

''परिवार'' की शब्द पट्टी दिखाओ ।

बच्चों को बताओ कि हमारा स्वर्गीय पिता हम लोगों को इतना प्यार करता है कि उसने हम सबको इस धरती पर भेजा ताकि हम लोग एक शरीर को प्राप्त करें । उसने हम लोगों को परिवार में भेजा जो हमारी देख भाल करें और हमें स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के विषय में बताए ।

कहानी

निम्नलिखित कहानी अपने शब्दों में कहो ।

एक सुबह एक पिता और उसका बेटा लम्बी सैर पर निकल गये । वे दोनों अपना समय मछली पकड़ने में लगाना चाहते थे इस कारण उन लोगों ने अपना समान बाँधा एक सुन्दर झील की ओर बढ़ने लगे । काफी समय तक चलते रहे और जब वह लड़का थक गया तो धीमे-धीमे चलने लगा ।

जब झील दिखाई देने लगी तब पिता झील के सुन्दर नीले जल को देखने के लिए शीघ्रता से आगे बढ़ गया । उसने सोचा बेटा उसके पास आ जायेगा ।

जब पिता झील पर पहूँचा तब उसने कि उसका लड़का उसके पास नहीं पहुँच पाया । उसके पिता ने बंसी गिरा दी और चारों ओर अपने बेटे को खोजने लगा । उसने अपनी पूरी शक्ति से उसे पुकारा लेकिन उसके बेटे ने कोई जवाब नहीं दिया । पिता डर गया । क्या उसका बेटा खो गया ? या उसे चोट लग गयी ?

पिता घुटने के बल गिर कर प्रार्थना करने लगा । उसने स्वर्गीय पिता से प्रार्थना की कि वह उसे अपने बेटे को खोजने में मदद करे । फिर वह उठा और उसी रास्ते में पीछे की ओर चलने लगा । शीघ्र ही उसने अपने बेटे को पा लिया । पिता ने बेटे को अपने गले से लगा लिया और कहा कि वह उसे बहुत प्यार करता है । (Adapted from Owen C. Bennion, "Turning the Heart of a Father," Ensign, May 1971, पृ. 28–30.)

चर्चा

- उस लड़के को कैसे मालुम हुआ कि उसका पिता उसे प्यार करता है ? (उसका पिता उसे मछली मारने ले गया , जब वह खो गया तो उसे खोजता रहा । उसके लिए उसने प्रार्थना की और यह दर्शाया कि उसके मिल जाने का बाद वह कितना खुश हो गया ।)
- आप कैसे जानते हैं कि आपका परिवार आपसे प्यार करता है ?

जब बच्चों का जवाब आता है तो स्पष्ट करो कि अनेक तरीके से अपने माता-पिता और परिवार दर्शाते हैं कि वे हमें प्यार करते हैं।

हम लोगों के पास एक स्वर्गीय पिता है जो हमें प्यार करता है

चर्चा

- आप कैसे जानते हैं स्वर्गीय पिता आपसे प्यार करता है ?

गीत

बच्चों को बताओ कि स्वर्गीय पिता हम लोगों को प्यार करता है और चाहता है कि हम खुश रहे । उसने हमें रहने के लिए एक सुन्दर संसार दिया है । गाओ अथवा अपने शब्दों में कहो :''मेरे स्वर्गीय पिता मुझे प्यार करता है ''और बच्चों को जो इशारा दिया गया है उसे करने में मदद करो ।

जब कभी मैं सुनता हूँ, (अपने कानों को हाथों से ढांक लो)
एक पक्षी का गाना, (अपनी बाहों को पंखों के समान हिलाओ)
या आकाश की ओर देखता हूँ (अपनी बाहों को धनुष के रूप में उठाओ)
जब कभी में वर्षा को अपने पर आता देखता हूँ (अपनी ऊँगलियों को वर्षा की बूदों के समान हिलाओ)
अथवा हवा जो जोर से चलती है (अपने दोनों हाथों को आगे -पीछे घुमाओ)
या लिलके पेड़ के पास से गुजरता हूँ (थोड़ा सा घूमो)
मैं खुश होता हूँ कि इस सुन्दर दुनिया में हूँ (अपनी बाहों और हाथ को फैलाओ)
जिसे स्वर्गीय पिता ने मेरे लिये बनाया है ।(अपने को बाहों में भर लो)
उसने मुझे आंखें दी कि मैं देख सकूँ (आंखें की ओर इशारा करो ।)
तितली के रंगीले पंख (अपने अंगूठे को मिलाओ और उँगलियों को पंख के समान हिलाओ)
उसने मुझे कान दिये कि मैं सुन सकूँ (कान की ओर इशारा करो ।)
चीजों की सुमधुर आबाज (अपने हाथों से कान बन्द करो ।)
उसने मुझे जीवन दिया, बुद्धि दी, (सिर की ओर इशारा करो)
मुझे हृदय दिया (अपने हृदय की ओर इशारा करो)
मैं भक्ति पूर्वक उन्हें धन्यवाद देता हूँ (अपनी बाहों को समेटे)
इस सारी सृष्टि के लिए, जिसका मैं एक अंश हूँ । (अपने हाथों और बाहों को फैलाओ)
सच हैं, कि स्वर्गीय पिता मुझे प्यार करता है (अपने हाथों को अपने हृदय पर रखो)

चर्चा

- कौन सी चीज़ें बताती हैं कि स्वर्गीय पिता आपसे प्यार करता है ?
- आप कैसे अनुभव करते हैं कि आप स्वर्गीय पिता के बच्चे हैं और वह आपसे प्यार करता है ?

सारांश

गीत

बच्चों को पहला छन्द गाने दो ''मैं परमेश्वर का बच्चा हूँ ''। बच्चों को बताओ कि परमेश्वर स्वर्गीय पिता का दूसरा नाम है ।

गीत के उन शब्दों को बतलाओ जो हमें यह बताते हैं हम सब स्वर्गीय पिता के बच्चे हैं और यह कि उसने हमारे लिए इस पृथ्वी पर आने और शरीर धारण करने की योजना बनाई । उसने यह भी योजना बनाई कि हमारे पास परिवार हो जो हमें प्यार करे और शिक्षा दे ताकि हम लोग लौटकर उसके साथ पुनः रह सकें ।

गवाही

यह गवाही दो कि आप जानते हो कि स्वर्गीय पिता हमें प्यार करता है क्योकि उसने हमें मानव शरीर , रहने के लिए एक सुन्दर धरती और परिवार दिया है जो हमें प्यार करता है ।

बच्चों को प्रोत्साहित करो कि वे आज रात की प्रार्थना में स्वर्गीय पिता को धन्यावाद दें कि वह हमको इस धरती पर लाये ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना के लिए बुलाओ।

समृद्धि गतिविधियां

निम्नलिखित कार्यो में से चुनो जो आपकी कक्षा में सबसे उपयुक्त लगे । आप उसे पाठ में भी इस्तेमाल कर सकते हो अथवा पुनःअवलोकन के रूप में या सारांश के रूप में । अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिए देखें ''शिक्षक के लिए सहायता'' में ''कक्षा का समय ''।

1. कागज की गुड़िया को काट लो और प्रत्येक बच्चे को एक एक दे दो । बच्चों से गुड़िया को रंगने अथवा सजाने को कहो । जब बच्चे ऐसा कर चुकें उनसे कहो कि वे अपनी गुड़िया अपनी कक्षा को दिखायें । यह दर्शाओ कि प्रत्येक गुड़िया कितनी भिन्न बनी है । बच्चों को याद कराओ हम लोग समान हैं लेकिन कोई भी दो व्यक्ति एक समान नहीं हैं ।

2. बच्चों को एक घेरे में बैठाओ । एक झोला या कोई दूसरी मुलायम चीज किसी बच्चे की ओर उछालो और पाठ के विषय में कोई प्रश्न पूछो । बच्चे से कहो कि वह उसका जवाब दे और वह झोला आपकी ओर वापस फेंके । इसे तब तक दोहराये जब तक प्रत्येक बच्चे ने कम से कम एक प्रश्न का उत्तर न दे दिया । चाहो तो निम्नलिखित प्रश्न का उपयोग करो अथवा अपनी ओर से प्रश्न तैयार करो :

   - इस पृथ्वी पर आने से पहले हम लोग कहाँ रहते थे ? (स्वर्ग में)
   - हम किसके साथ रहते थे ?(स्वर्गीय पिता यीशु मसीह और दूसरों के साथ)
   - अब हम लोग कहाँ रहते हैं ? (पृथ्वी पर)
   - हम लोगों की आत्मा कैसी दिखाई देती है ? (हमारे मानव शरीर के समान)

3. बच्चों को कागज और पेंसिल या रंग दो और उन्हें चित्रों को बनाने दो जो उन्हें याद दिलाता है कि स्वर्गीय पिता उन्हें प्यार करता है ।

4. बच्चों को खड़ा करो और उन्हें यह खेल खेलने दो । ''शिक्षक कहता है''। स्पष्ट करो कि उन्हें वही करना है जो कुछ आप उनको करने को कहोगे । बच्चों को कुछ हाव भाव करने को कहो जैसे अपनी भुजाओ को समेटना, अपने कन्धों को छूना, चारों ओर घुमना, कभी-कभी कहना ''शिक्षक कहता है '' बिना पूछे और कभी-कभी केवल हाव भाव करना । अगर बच्चे हाव भाव करते जब शिक्षक नहीं कहते हैं ''शिक्षक कहता है ''तो खेल के खत्म होने तक उन्हें बैठ जाना चाहिए । इस खेल को बार-बार दोहराओ जैसा आप चाहते हो ।

   बच्चों को बताओ कि उनका यह मानव शरीर यह सब कुछ करने का सामर्थ देता है ।

पाठ
4

मैंने यीशु मसीह का अनुसरण करना ही चुना

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को यह समझने में सहायता करो कि पृथ्वी पर आने से पहले हम लोग स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के साथ रहते थे और उन्हीं का अनुसरण करना पसन्द किया ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ पढ़ो अय्युब 38 : 7 मूसा 4:1-4, इब्राहिम 3:24-28 और विश्वास के अनुच्छेद 1:1 । सुसमाचार के सिद्धान्त (31110) अध्याय 3।
2. पहला छन्द गुनगुनाने और गाने की तैयारी करो ''मैं परमेश्वर का बच्चा हूँ''(बच्चों के गीत की पुस्तिका पृ. 2) इस गाने के शब्द पुस्तक के पीछे संलग्न हैं ।
3. आवश्यक सामग्री
   क. एक बाइबल और अनमोल मोती
   ख. स. चु. चार्ट (पाठ को देखें 1) चित्र 2-3 यीशु मसीह (सुसमाचार कला चित्र किट 240;62572); चित्र 2-4 पृथ्वी पर आने के पहले का जीवन ।
4. किसी भी शक्तिकरण गतिविधि की तैयारी जिसे आप करना चाहते हो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को बुलाओ कि वह प्रांरभिक प्रार्थना करे ।

अगर आपने बच्चों को सप्ताह के दौरान कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया था तो उसकी जांच करें ।

हम लोग परमेश्वर के बच्चे हैं

ध्यान गतिविधि

बच्चों को बताओ कि आप एक गाना गुनगुनाने जा रहे हो । उन से कहो कि वे उसे बड़े ध्यान से सुनें और जब उन लोगों ने गाना सुन लिया है तो वे उसका नाम बताऐं । गाना गुनगुनाओ :''मैं परमेश्वर का बच्चा हूँ ।''

- मैंने कौन से गाने को गुनगुनाया ?
- गाना क्या बताता है कि आप क्या हो ?

बच्चों से गाने का प्रथम छन्द गाने को कहो ।

चर्चा समीक्षा

बच्चों को याद कराओ कि पिछले पाठ में हम लोगों ने चर्चा की थी कि इस धरती पर आने से पहले हम लोग कहाँ रहते थे ।

- पृथ्वी पर आने के पहले हम लोग कहाँ रहते थे ?
- स्वर्ग में हम किसके साथ रहते थे ?
- क्या चीज हमें भाई और बहन बनाती है ? (हम सभी स्वर्गीय पिता के बच्चे हैं ।)

स्वर्ग में हम लोगों ने एक महत्वपूर्ण चुनाव किया

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को बताओ कि वे कोई चिताकर्षक बात सीखने जा रहे हैं जो हमारे जन्म के पहले हुआ, जब हम अपने स्वर्गीय पिता के साथ रहते थे ।

चित्र 2-4 दिखाओ पृथ्वी पर आने से पहले का जीवन । स्पष्ट करो कि यह किसी कलाकार का विचार है कि स्वर्ग कैसा है । स्पष्ट करो कि स्वर्ग में हम सब आत्मा थे जो स्वर्गीय पिता से बातचीत करते थे । बच्चों से कहो कि वे सोचें कि स्वर्गीय पिता के साथ रहना कैसा होगा बच्चों को यह समझने के लिए उनकी सहायता करो उसको देखना और उसके साथ रहना कितना शानदार होगा। बच्चों को बताओ कि जब हम स्वर्ग में थे स्वर्गीय पिता के सभी बच्चे वहाँ थे । स्वर्गीय पिता हम लोगों से बात करना चाहता था । स्पष्ट करो कि स्वर्गीय पिता ने हम लोगों को बताया कि हम लोगों को कुछ समय के लिये उनके पास से जाना होगा कि हमें एक मानव शरीर मिले और सही का चुनाव कर सकें । स्वर्गीय पिता ने हमें बताया कि वह हमें एक स्थान देंगे जहाँ हम यह सब कर सकेंगे ।

- हमारा स्वर्गीय पिता हमें कहाँ भेजना चाहता था ? (पृथ्वी पर)

स्वर्गीय पिता ने हमें बताया कि जब हम पृथ्वी पर आ जायेंगे तो याद नहीं कर पायेंगे कि उसके साथ रहते थे । उसने हमें यह भी बताया कि किसी और को हमारी सहायता करनी होगी कि जब इस पृथ्वी पर हमारा समय समाप्त हो जाता है तो हम पुनः उसके साथ रहने के लिए स्वर्ग लौट सकें । उसने हमें वादा किया है वह हमारी सहायता के लिए किसी को भेजेगा ।

चर्चा

- तुम्हें यह जान कर कैसा लगता है कि स्वर्गीय पित ने हमें इतना प्यार किया कि हमारी सहायता के लिए वह किसी को भेजे ताकि हम पुनः उसके साथ स्वर्ग में रह सकें ?

स्पष्ट करो कि जब स्वर्गीय पिता ने हमें बताया कि वह हमारी सहायता के लिए किसी को भेजेगा, हम सब खुशी से पुकार उठे । (अय्यूब 38:7)

चित्र दिखाओ 2-3 यीशु मसीह ।

- यह कौन है ?

स्पष्ट करो कि यीशु मसीह हमारे साथ स्वर्ग में रहता था । वह स्वर्गीय पिता के आत्मा बच्चों में पहलौठा है ।

विश्वास के अनुच्छेद

बच्चों को बताओ कि गिरजाघर के रूप में हम लोगों के पास बयान हैं जिसे विश्वास का अनुच्छेद कहते है जो यह बताता है कि हम लोग क्या विश्वास करते हैं । प्रथम विश्वास के अनुच्छेद के प्रथम भाग को याद करने में बच्चों की सहायता करो :''हम परमेश्वर, अनन्तकाल के पिता, और उसके पुत्र, यीशु मसीह में विश्वास करते हैं ''।

बच्चों को बताओ कि परमेश्वर , अनन्त काल का पिता स्वर्गीय पिता का दूसरा नाम है ।

धर्मशास्त्र की कहानी और चर्चा

बच्चों को यह बताओ कि स्वर्गीय पिता ने पूछा कि वह शिक्षा देने के लिए किसको भेजे । अनमोल मोती को इब्राहिम 3:27 पर खोलो और ऊँचे स्वर में पढ़ो कि यीशु ने क्या जवाब दिया :''मैं यहाँ हूँ, मुझे भेज ।''यीशु ने कहा कि जो कुछ उसका स्वर्गीय पिता हमारी सहायता करने के लिये उससे कहेगा ,उसे वह करेगा । ऊँचे स्वर में मूसा के अन्तिम भाग को पढ़ो 4:2 (पिता से)। यीशु ने यह भी कहा कि वह सारी महिमा स्वर्गीय पिता को देगा । संक्षेप में समझाओ कि महिमा का क्या अर्थ है ।

- तुम कैसे बता सकते हो कि यीशु मसीह ने स्वर्गीय पिता को प्यार किया ? (वह तैयार रहते थे वह सब करने के लिए जिसे उसके स्वर्गीय पिता उससे करवाना चाहते थे ।)
- और किसको यीशु मसीह ने प्यार किया ?(हम लोगों को)

यीशु का स्वर्गीय पिता और हम लोगों के प्रति प्यार को हवाला देते हुए समझाओ कि यीशु क्या करने को तैयार था ।

यीशु तैयार था ----

- इस धरती पर आ कर हमारी सहायता करने के लिए ।
- स्वर्गीय पिता के विषय में गवाही देने के लिए ।
- हमें जीवन जीने और खुश रहने के लिए सही रास्ते की शिक्षा देने के लिए ।
- हमें दर्शाने के लिए कि हम स्वर्गीय पिता के साथ पुनः कैसे रह सकते हैं ।
- हम लोगों के लिए जीवन निछावर करने के लिए ।

समझाओ कि एक और आत्मा बच्चा जिसका नाम लूसीफर था हम लोगों की सहायता के लिए अपने को धरती पर भेजवाना चाहता था । उसने स्वर्गीय पिता को बताया कि वह पृथ्वी पर आयेगा और सभी को सही काम करने के लिए जोर डालेगा । हम लोगों को स्वंय चुनाव करने नहीं देगा । लूसिफर चाहता था कि स्वर्गीय पिता सारा आदर और महिमा उसे दें ।

स्वर्गीय पिता का निर्णय जैसा इब्राहिम 3:27 में लिखा है ऊँचे स्वर में पढ़ो : ''मैं प्रथम को भेजूँगा'' ।

- स्वर्गीय पिता उसे मदद देने के लिए किसको चुना ?

समझाओ कि लूसीफर बहुत गुस्सा हो गया क्योकि उसे नहीं चुना गया था । उसने स्वर्गीय पिता की योजना नहीं मानी । इस कारण से लूसीफर ने स्वर्ग में एक बड़ा यूद्ध छेड़ दिया यह बन्दूक और बम का युद्ध नहीं था लेकिन बात करने और यह कि लोग उसका अनुसरण करें । लूसीफर ने अपने कुछ आत्मा भाई बहनों को इस बात का विश्वास दिलाया कि उसके कलुषित विचार ही सही हैं और उन्हें यीशु के स्थान पर उसका अनुसरण करना चाहिए ।

बच्चों को बताओ कि लूसीफर का दूसरा नाम शैतान या दुष्टात्मा है ।

चर्चा

- आपने किसका अनुसरण करना पसन्द किया, यीशु या शैतान का?

बच्चों से कहो कि वे खड़े हो जायें अगर उन लोगों ने यीशु का अनुसरण करना पसन्द किया । समझाओ कि सबने यीशु का अनुसरण किया इस कारण उन सबको खड़े रहना चाहिए ।

समझाओ कि हम लोगों को मालुम है कि हम लोगों ने यीशु का अनुसरण किया क्योंकि हम लोग यहाँ धरती पर हैं । जिन आत्माओं ने शैतान का अनुसरण किया उनको पृथ्वी पर जन्म लेने का अधिकार नहीं मिला और उन लोगों ने मानव शरीर धारण नहीं किया ।

बच्चों को बताओ आप कितने खुश हो कि आपने यीशु का अनुसरण करना पसन्द किया उनको बताओ कि आप अपना गौरव समझते हो उन लोगों ने यीशु का अनुसरण करना पसन्द किया और शैतान का नहीं । सही का चुनाव करने का लिए बच्चों की प्रशंसा करो ।

हम लोग यीशु मसीह का अनुसरण करना चाहते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

इस बात को जोर देकर बताओ कि यीशु मसीह का अनुसरण करने के लिए उनको मजबूर नहीं किया गया । वे चुनाव करने के लिए स्वतन्त्र थे । वे शैतान का भी अनुसरण कर सकते थे । लेकिन उन लोगों ने सही रास्ते का चुनाव किया ।

बच्चों को बताओ धरती पर उनके जीवन में भी इसी प्रकार के चुनाव की स्वतन्त्रता है । शैतान अभी भी कोशिश कर रहा है कि हम उसका अनुसरण करें । स्वर्गीय पिता चाहता है कि हम यीशु का अनुसरण करें क्योंकि ऐसा करने से हम लोग खुश रहेंगे और हमारा स्वर्गीय पिता और यीशु के साथ पुनः रहना सम्भव हो सकेगा । लेकिन हम लोग यीशु का अनुसरण करने के लिए मजबूर नहीं हैं । हम लोग भले काम करके यीशु का चुनाव कर सकते हैं या बुरे काम करके शैतान का अनुसरण कर सकते हैं ।

स. चु. चार्ट

स, चु. चार्ट दिखाओ । बच्चों से पूछो कि चार्ट में कौन है । जब आप उसकी ओर इशारा करते हो चार्ट पर लिखे शब्द पढ़ो । फिर बच्चों को अपने साथ बोलने दो , ''मैं सही को चुनुंगा '' ।

चर्चा

बच्चों को निम्नलिखित प्रश्नों का जवाब देने दो (या जिनको तुमने तैयार किया है) कि वे यीशु का अनुसरण करने का लिए क्या करेंगे :

- अगर यीशु का अनुसरण करने में अनजाने में किसी को चोट लग जाती है तो तुम क्या करोगे ?
- अगर आप यीशु का अनुसरण करते हो तो इस कक्षा में कैसा आचरण करोगे ? (बच्चों को अपनी क्रिया दिखाने दो जैसे शांतिपूर्वक बैठना, सुनना, भली प्रकार से भाग लेना और दूसरे बच्चों को परेशान नहीं करना ।)
- अगर आप यीशु का चुनाव करते हो तो आप क्या करोगे जब आप कोई भेंट देता है या आप लिए कुछ करता है ?
- अगर आप यीशु का चुनाव करते हो तो कोई व्यक्ति जो आपके साथ बुरा व्यवहार करता है, तो आप उसके साथ कैसा व्यवहार करोगे ?

पुनः स.चु, चार्ट पर ध्यान दो और बच्चों से कहो कि उस पर लिखे हुए शब्द पढ़ें ।

सारांश

गवाही

गवाही दो कि हम लोगों के धरती पर आने से पहले हम सब ने एक चुनाव किया ।हम लोगों ने यीशु मसीह का अनुसरण किया है और अगर जो कुछ यीशु ने हमें सिखाया उसे करेगें तो हम पुनः उसके साथ और स्वर्गीय पिता के साथ रहेंगे ।

समझाओ कि प्रत्येक सप्ताह प्राथमिक में बच्चे वह बातें सीखेंगे जिसे यीशु हम से कराना चाहता है ।

बच्चों को प्रोत्साहित करो कि वे अपनी प्रार्थना में स्वर्गीय पिता को धन्यावाद करें क्योंकि उन्होंने यीशु को हमारा मुक्तिदाता बनने के लिए उन्हें पृथ्वी पर भेजा । उन्हें सुझाव दो कि वे स्वर्गीय पिता से सही चुनाव करने के लिए उनकी सहायता करें ताकि कभी वे पुनः उनके और यीशु के साथ रह सकें ।

एक बच्चे को बुलाओ कि वह समापन प्रार्थना करे ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनो कि कौन से कार्य आपकी कक्षा के छात्रों के लिए सबसे अच्छे होंगे । आप उन्हें पाठों में भी उपयोग कर सकते हो या पुर्नलोकन अथवा सारांश के रूप में । अतिरिक्त मार्ग दर्शन के लिए देखिए ''शिक्षक के लिए सहायता'' में ''कक्षा का समय'' ।

1. बच्चों को अपनी स.चु. अंगुठी देखने दो । अगर बच्चे स.चु. अंगुठी नहीं पहने हैं आप अंगुठी में एक धागा बाँध कर प्रत्येक बच्चे की ऊँगली में अंगुठी के समान पहना दें । बच्चों से बता दो कि उनकी अंगुठी उनको याद करायेगी कि उन लोगो ने यीशु का अनुसरण कने के लिए चुना और यह कि उन्हें सही चुनाव करना चाहिए ।

2. गाओ या प्रथम छन्द के शब्दों के उच्चारण करो :''मैं स्वर्ग में रह चुका हूँ '' (बच्चों के गाने की किताब पृष्ठ ४)

यह सच है कि बहुत समय पहले
स्वर्ग में रह चुका हूँ
वहाँ रहते थे और जिन लोगों को मैं जानता था उन्हें प्यार भी करते थे । ऐसा ही आपने भी किया ।
तब स्वर्गीय पिता ने एक सुन्दर योजना दी
जो अनन्तकालीन मनुष्यों की मुक्ति और पृथ्वी के विषय में थी ।

जब आप गा चुको तब निम्नलिखित प्रकार के प्रश्न पूछो कि गाना क्या कहता है (गाने को आवश्यकता के अनुसार दोहराओ ताकि बच्चे उत्तर दे सकें ।)

- यह गाना क्या बताता है कि तुम कहाँ रहते थे ? तुम वहाँ कब रहते थे ?
- वहाँ आप किसके साथ रहते थे ?
- स्वर्गीय पिता ने क्या किया जब हम लोग स्वर्ग में उनके साथ रहते थे ?
- वह कौन सी योजना थी ?

गाने का दुसरा छ्न्द गाओ और इसी प्रकार के प्रश्न करो ।

पिता ने कहा उसे कोई ऐसा चाहिए जिसके पास इतना प्यार हो
कि वह अपना जीवन दे सके ताकि हम सब पिता के पास वापस जा सकें ।
एक ऐसा था जो दिव्य सम्मान चाहता था ।
यीशु ने कहा, ''पिता, मुझे भेज, और महिमा आपकी ही होगी ।
(© 1987 by Janeen Jacobs Brady. Used by permission.)

3. बच्चों से कहो कि वे स्वर्ग का ऐसा चित्र बनाऐं जैसा वे उसके विषय में सोचते हैं कि वह कैसा होगा ।

4. गाओ अथवा शब्द बोलो ''उसने अपने पुत्र को भेजा ''(*बच्चों की गीत पुस्तिका,* पृ. 34) या ''मैं परमेश्वर की योजना का अनुसरण करूंगा'' (*बच्चों की गीत पुस्तिका,* पृ. 164) ''उसने अपने पुत्र को भेजा '' के शब्द निदेर्शिका के अन्त में दिये गये हैं ।

मैं परमेश्वर की योजना का अनुसरण करूँगा ।
मेरा जीवन एक दान है , मेरे जीवन की एक योजना है
मेरे जीवन का एक उद्देश्य है
वह स्वर्ग में शुरू हुआ ।
मेरी इच्छा थी कि मैं धरती पर इस एकाकी घर में आऊँ
और परमेश्वर से मांगू कि वह मुझे
मेरे जन्म के समय से मार्गदर्शन दे उसके शब्द और प्रेम को पकड़ कर
मैं प्रमेश्वर की योजना खोजूँगा ।
मैं काम करूँगा और प्रार्थना करूँगा
मैं सदा उसके मार्ग में चलूँगा
फिर मैं इस धरती पर
और ऊपर स्वर्ग में खुश रहूँगा ।

मैं सही कर सकता हूँ

पाठ
5

उद्देश्य

बच्चों की समझने में सहायता करना कि हम सही को चुन सकते हैं क्योंकि स्वर्गीय पित मे हमें चुनने की स्वतंत्रता दी है

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ मत्ती 21:14-16 ;सिद्धान्त और अनुबन्ध का 37:4 अध्ययन करो सुसमाचार के सिद्धान्त (31110) अध्याय 4 को भी देखें ।
2. '' सही मार्ग चुनें '' गाना गाने की तैयारी करो या शब्दों में बोलो ।(बच्चों के गीत की पुस्तक, पृ. 100) । इस गाने के शब्द निर्देशिका के अन्त में दिया गया है ।
3. अगर तुम शक्तिकरण की गतिविधि का उपयोग पाठ 6 से आगे अगले सप्ताह करना चाहते हो तो (पृ. 28 देखो) निम्न प्रकार से एक नोट तैयार करो कि बच्चे उसे अपने घर माता-पिता के पास ले जाएं :

   > कृप्या [बच्चे का नाम] को बतांए कि कैसे उसका पहला नाम चुना गया था ताकि हम लोग अगले सप्ताह उसके विषय में बातचीत कर सकें । धन्यावाद ।

   अगर आप शक्तिकरण गतिविधि 2 पाठ 6 से आगे अगले सप्ताह करना चाहते हो तो बच्चों के माता-पिता से यह कहते हुए तैयार करो कि वे अपने परिवार का चित्र अगले सप्ताह भेजें । (यह नोट उपरोक्त नोट के समान ही होगा जिसमें दोनों गतिविधियों का उपयोग होगा ।)

4. आवश्यक सामग्री
   क. एक बाइबल और सिद्धान्त और अनुबन्ध
   ख. स.चु. चार्ट (देखें पाठ 1)
   ग. विभिन्न रंगों की सामग्रियों का एक कटोरा , जैसे मोमबत्ती या चमकते पत्थर । सभी रंगों की सामग्री काफी मात्रा में हो ताकि सभी बच्चों के पास चुनाव के लिए अनेक रंग हो ।
5. जो भी शक्तिकरण के कार्य का उपयोग तुम करना चाहते हो उसके लिए तैयारी करो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारम्भिक की प्रार्थना करने को कहो ।

अगर आपने सप्ताह के दौरान बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया था तो उसकी जांच करों .

स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह चाहते हैं कि हम लोग अपने लिए चुनाव करें

ध्यान गतिविधि

विभिन्न चीजों से भरा हुआ कटोरा दिखाओ और प्रत्येक बच्चे को एक चुनने दो । बच्चों से बताओ कि उन लोगों ने चुनाव किया है । प्रत्येक दिन हमें अनेक चुनाव करने चाहिए ।

- कौन से चुनाव तुमने आज किये हैं ? (उत्तर होगा : पहनने के लिए क्या चुना प्रातःकाल के नाश्ते के लिए क्या चुना या खाली समय में क्या करने के लिए चुना)

बच्चों को बताओ कि चुनाव करना इस पृथ्वी पर हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंश है । कुछ चुनाव आसान होते हैं और कुछ कठिन । चुनने का अधिकार हमें उस समय दिया गया जब हम स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के साथ स्वर्ग में रहते थे ।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को याद कराओ कि हम लोगों के पृथ्वी पर आने के पहले स्वर्गीय पिता ने हम लोगों को एक सभा में बुलाया । पता लगाओ कि बच्चे पिछले पाठ को याद करते हैं कि उस सभा में क्या हुआ । अगर वे याद नहीं करते हैं तो शीघ्रता से उसका पुर्नावलोकन करो ताकि निम्नलिखित विचार सामने आ सकें ।

इस सभा में स्वर्गीय पिता ने हमें एक योजना दी कि हम उसके समान बन सकें । हम लोगों ने उस योजना का अनुसरण किया, तो हम में से प्रत्येक इस धरती पर आया और एक मानव शरीर पाया। अगर हम लोग पृथ्वी पर रहते हुए आज्ञाओं को मानना

पसन्द करते हैं तो हम पुनः स्वर्गीय पिता के साथ रह सकेंगे । यीशु मसीह ने इस धरती पर देखा की सहमति दी ताकि वह हमें बता सकें कि पुनः स्वर्गीय पिता के सात रहने के लिए हमें क्या करना चाहिए । लुसीफर इस धरती पर आना चाहता था ताकि वह सभी को आज्ञा मानने के लिए मजबूर करे । वह उन्हें चुनाव नहीं करने देना चाहता था । लेकिन यीशु स्वर्गीय पिता की योजना का अनुसरण करना चाहते थे । वह चाहते थे कि लोग चुनाव करें कि उन्हें कैसे जीना चाहिए ।

समझाओ कि स्वर्गीय पिता जानते थे कि सबसे अच्छा होगा कि हम लोग अपने लिए सही का चुनाव करना सीख सकें । अपने लिए चुनाव कर सकना स्वतन्त्र इच्छा कहलाती है । बच्चों से एक दो बार ऊँचे स्वर में स्वतन्त्र इच्छा शब्द बोलने को कहो ।

समझाओ कि लूसीफर (जिसे शैतान भी कहते हैं और उसके सहयोगी अभी भी स्वर्गीय पिता की योजना के विरूद्ध काम कर रहे हैं । वे चाहते है कि हम लोग अपनी स्वतन्त्र इच्छा का उपयोग यीशु के स्थान पर उसका अनुसरण करने के लिए करें ।

स.चु. चार्ट

स.चु. चार्ट दिखाओ

- यीशु ने क्या किया कि हम लोग सही का चुनाव करें ? (वह इस धरती पर आना चाहते थे कि वह हमें शिक्षा दे सकें कि क्या सही है ताकि हम लोग समझदारी से चुनाव करें ।)

स.चु. चार्ट पर उन शब्दों को दिखाओ । उन शब्दों को ऊँचे स्वर में बोलो और फिर बच्चों को अपने पीछे दोहराने दो ।

बच्चे सही करने का चुनाव कर सकते हैं

धर्मशास्त्र कहानी

मत्ती 21:14--16 में पायी जाने वाली कहानी अपने शब्दों में कहो । समझाओ कि बहुत से प्रधान गुरू विश्वास नहीं करते थे कि यीशु मसीह उद्धारक है जिसे स्वर्गीय पिता ने उन्हें मदद करने के लिए भेजा था । उन लोगों ने यीशु को बहुत नजदीक से देखा कि उसमें दोष निकाले ताकि उसे मृत्यु दण्ड मिले ।

समझाओ कि जब मन्दिर में यीशु ने अन्धे को आँखें दी , लंगड़े को चंगा किया प्रधान पुरोहित नाराज हो गये । जब बच्चे यीशु की प्रशंसा करने लगे तब पुरोहित और अधिक गुस्सा हुए और वे चाहते थे कि यीशु बच्चों को मना करे । लेकिन इसके स्थान पर उसने पुरोहितों से पूछा कि क्या उन लोगों ने धर्मशास्त्र में नहीं पढ़ा कि छोटे बच्चे उसकी प्रशंसा करेंगे ।

यह बताओ कि जैसा इस कहानी में लिखा है कि आपकी कक्षा के बच्चे चुनाव करके यीशु की प्रशंसा और अनुसरण कर सकते है ।

धर्मशास्त्र

सिद्धान्त और अनुबन्ध को खोलो और ऊँचे स्वर में सिद्धान्त और अनुबन्ध का 37:4 पढ़ो ''सभी मनुष्य अपने लिए चुनाव करे'' । समझाओ कि इस धर्मशास्त्र में प्रत्येक व्यक्ति का अर्थ है सभी लोग । जो कुछ हम करते हैं उसका चुनाव हम कर सकते हैं । बच्चों को खड़े होकर इस वाक्यांश को दोहराने दो ।

स.चु. चार्ट

स.चु. चार्ट की इशारा करो और बच्चों को चार्ट पर लिखे शब्दों को दोहराने को कहो ।

हम लोग सही का चुनाव कर सकते हैं

कहानी

बच्चों को एक बच्चे के विषय में कहानी सुनाओ जिसने यीशु को चुना कि वह वही करे जो यीशु उससे कराना चाहता है । आप निम्नलिखित कहानी का उपयोग कर सकते हो ।

ब्रिटनी सुबह को उठी तो उदास दिखाई दी । वह रात में देर से सोने गयी थी और उसे सुबह जल्दी उठना पड़ा । उसे शौचालय जाने के लिए अपनी पारी का इंतजार करना पड़ा । फिर उसे अपनी एक जूती नहीं मिली फिर अपने पैर की ऊँगली में चोट लगा ली । उसका बड़ा भाई उससे न खुश था क्योंकि उसने सोचा कि वह सारे परिवार को देर करवा देगी ।

प्राथमिक के समय ब्रिटनी ने गाना नहीं गाया । वह मुस्कराई भी नहीं । उसने सुना भी नहीं । उसने ऐसा महसूस किया कि वह प्राथमिक में नहीं थी । गुस्से में थी और अपनी जेब में कुछ था जिससे वह खेल रही थी ।

- ब्रिटनी ने कौन सा चुनाव किया ?

ब्रिटनी की शिक्षिका ने बड़ी मेहनत से पाठ को तैयार किया था और वह जानती थी कि ब्रिटनी उसे नहीं सुन रही थी । कक्षा के बाद ब्रिटनी की शिक्षिका ने उससे अकेले में पूछा कि उसकी समस्या क्या थी । ब्रिटनी रोने लगी । वह खुश रहना चाहती थी और वह चाहती कि उसकी शिक्षिका भी खुश रहे ।

ब्रिटनी की शिक्षिका ने पूछा कि क्या वह कोई प्रयोग करना चाहेगी ने सोचा कि प्रयोग करने में मजा आयेगा । उसकी शिक्षिका ने बताया कि सही का चुनाव करना और वही करना जो यीशु हमसे कराना चाहता है ही हमको खुश कर सकता है । ब्रिटनी ने स्वीकार किया कि वह अगले रविवार को प्राथमिक में वही करेगी जो यीशु उससे कराना चाहता है ।

अगले शनिवार को ब्रिटनी की शिक्षिका ने प्रयोग के विषय में उसे याद कराया । ब्रिटनी ने खुद से कहा,'' कल मैं वही करूंगी जो यीशु मुझसे कराना चाहता है । ''

रविवार के सुबह जब ब्रिटनी जागी वह प्रयोग करने की कोशिश करने के लिए उत्सुक थी । वह जल्दी से गिरजाघर जाने के लिए तैयार हो गयी और अपनी बहन को भी तैयार कर दिया । जब प्राथमिक में पहुँची तब वह मुस्कारा रही थी । उसने शुरू का गाना गाया और प्राथमिक प्रार्थना के दौरान भक्तिपूर्वक बैठी रही । जो लड़का उसके बगल में बैठा था वह उससे धीमी आवाज में कह रहा था और उसी क्षण ब्रिटनी उसका उत्तर दे रही थी और सुन नहीं रही थी । कक्षा में जाने के समय पहले ब्रिटनी ने सिर ऊपर उठा कर देखा और दीवार पर यीशु का चित्र देखा । उसे याद आया कि वह वही करना चाहती थी जिसे यीशु उससे करवाना चाहते थे ब्रिटनी शांतिपूर्वक कक्षा में चली गयी और पहली पंक्ति में बैठ गयी । उसने पाठ को सुना और जो प्रश्न उसकी शिक्षिका ने किया उसने उसका जवाब दिया । ब्रिटनी ने खुशी का अनुभव किया । वह खुश थी कि उसने सही का चुनाव किया । उसने अपने प्रयोग में पाया कि सही का चुनाव करना और वही करना जो यीशु उससे कराना चाहता है , ही उसे खुश कर सकता है ।

चर्चा

- ब्रिटनी को खुशी क्यों मिली ?
- कब आपने खुशी का अनुभव किया क्योंकि आपने सही का चुनाव किया ?

सारांश

गतिविधि

बच्चों कहो कि वे अपने हाथ से मुट्ठी बनांए और अगूंठा बाहर निकला रहें । बच्चों को बताओ कि तुम उनके चुनाव के सम्बन्ध में उन्हें कुछ बताने जा रहे हो । अगर चुनाव यह बताता है कि तुमने वही किया जो यीशु तुम से कराना चाहता है तो उन्हें अपना अँगूठा ऊपर उठाना होगा । अगर कथन यह बताता है कि उन लोगों ने वही किया जो शैतान उनसे कराना चाहता है तो उन्हे अपना अंगूठा नीचे करना होगा । निम्नलिखित उदाहरण का उपयोग करो अथवा अपनी ओर से कुछ नया तैयार करो ।

- प्राथमिक में आने का चुनाव करो ।
- आपने प्राथमिक में गाना गाने का चुनाव किया जब मार्ग दर्शक सभी से गाने को कहता है ।
- आपने प्रार्थना के दौरान आँखे खोल कर रखने का चुनाव किया ।
- आपने गिरजाघर में अपने एक मित्र को लाने का फैसला किया ।
- आपने प्रभुभोज के दौरान अपने मित्र से फुसफुसा कर बातें करने का चुनाव किया ।
- आपने शांतिपूर्वक कक्षा में जाने का चुनाव किया ।
- जब कोई बच्चा ठोकर खाकर गिरता है तो आपने हँसने का चुनाव किया ।
- आपने शोर मचाकर दूसरे बच्चों को परेशान करने का चुनाव किया ।
- आपने गतिविधि में अपनी शिक्षिका की सहायता करने का चुनाव किया ।
- आपने चुनाव किया कि आप हँसोगे जब कोई गलत जवाब देता है ।
- आपने चुनाव किया कि आप शांतिपूर्वक सुनोगे जब शिक्षिका कोई कहानी सुनाती है ।

गीत

बच्चों को गाना गाने में नेतृत्व करें या शब्दों को कहो ''सही का चुनाव करो ''

गवाही

बच्चों से कहो कि आप कितने कृतज्ञ हो कि स्वर्गीय पिता ने तुम्हें चुनने की आजादी दी है । आप अपना विश्वास प्रकट करो कि बच्चों में सामर्थ है कि वे सही का चुनाव कर सकते हैं ।

बच्चों से कहो कि अगले सप्ताह वे तैयार रहें कि वे कक्षा को बताएं कि प्रत्येक बच्चे ने सप्ताह के दौरान कौन सा सही चुनाव किया है ।

पर्चा

अगर आप ने अगले सप्ताह के लिए बच्चों के लिए कोई नोट तैयार किया है तो प्रत्येक बच्चे को उसकी एक प्रति दो । इस नोट का अर्थ बच्चों को समझाओ और उनसे कहो कि वे उसे अपने माता -पिता को दे दें ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए बुलाओ ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनाव करो कि कौन से कार्य आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे उपयुक्त होंगे । आप उन्हे अपने पाठ में समीक्षा या सारांश के रूप में प्रयोग कर सकते हो । अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिए ''शिक्षक की सहायता '' में ''कक्षा का समय''का अवलोकन करें ।

1. सभी बच्चों को खड़ा करो । उनमें से एक को मार्गदर्शक चुनो और उनमें से एक लड़का या लड़की के हाथ में एक सिक्का या बटन दो । उस मार्गदर्शक को कक्षा में खड़ा होने दो और सिक्का उसके हाथ में छिपा रहे । कक्षा के दूसरे बच्चों को अनुमान लगाने दो कि सिक्का किस हाथ में है । जब सभी ने अनुमान लगा लिया हो तब मार्गदर्शक इस बात को प्रकट करे कि सिक्का किस हाथ में है । जिन बच्चों ने सही अनुमान लगाया है वे मार्गदर्शक की ओर एक कदम आगे बढ़ाये । बाकी सब उसी जगह रहें जहां वे हैं । वे ऐसा तब तक करें जब तक एक बच्चा मार्गदर्शक के पास नहीं पहुँच जाता है ।

   - आप सब ने प्रत्येक बार सही अनुमान क्यों नहीं लगाया ? (आपके पास अनुमान लगाने के लिए कोई सुराग नहीं था ।)
   - क्या अनुमान लगाना सही चुनाव करने के लिये अच्छा तरीका है ?

   बच्चों की मदद करो कि हमें अपना निर्णय लेने के लिए अनुमान लगाने की जरूरत नहीं है । यीशु ने हम लोगों को सीखाया कि हमें क्या करना चाहिए । अगर हम वही करते हैं जिसे स्वर्गीय पिता और यीशु हम से करवाना चाहता है तो हम सदा सही चुनाव करेंगे ।

2. प्राथमिक में बच्चों को कागज और रंग दो और उन्हे ऐसे चित्र बनाने दो जिसमें वे वही कर रहे हैं जैसा यीशु उनसे कराना चाहता है । इसके उदाहरण है :चुपचाप बैठना, गाना गाना, शिक्षिका की सहायता करना या शांतिपूर्वक चलना -फिरना ।

   बच्चों की गाना गाने या यह शब्द ''सुनो,सुनो ''कहने और जैसा हाव-भाव बताया गया है उसे करने में मदद करें । (बच्चों के गीत की पुस्तिका पृ.107)
   शांत धीमी आवाज को सुनो (अपने कान पर हाथ रखो)!
   सुनो , सुनो (अपने होठों पर ऊंगली रखो)
   जब आपको निर्णय लेना हो (अपने हाथो को बाह और हथेली को ऊपर करो)
   वह सदा आपका मार्गदर्शन करेगा (अपनी भुजाओं को मोड़ो)

गाने को बार बार दोहराओ ताकि शब्दों को सीखने में बच्चों की मदद हो सके ।

हम लोगों के पास विशेष परिवार हैं

पाठ
6

उद्देश्य

सभी बच्चों को समझने दो कि स्वर्गीय पिता ने उनको परिवार में बढ़ने की क्या योजना बनाई है ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ लूका 1:26---38 और मत्ती 1:18 --25 तक का अध्ययन करो ।

2. निम्नलिखित अक्षरों को कागज से काट लो । प्रत्येक अक्षर को तीन या चार इंच ऊँचा बनाओ ।

प रि वा र

3. इन शब्दों को गाने अथवा बोलने के लिए तैयार रहो A Happy Family" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 198) इस गाने के शब्द निदेर्शिका के पीछे दिया गया है ।

4. आवश्यक सम्रागी
   क. एक बाइबल
   ख. परिवार का एक चित्र (एच्छिक)
   ग. कागज और पैंसिल अथवा रंग
   घ. चित्र 2-5 स्वर्गरोहण, चित्र 2-6 यीशु का जन्म (सुसमाचार कला चित्र किट 201; 62495)

5. जिन शक्तिकरण की गतिविधियों का प्रयोग तुम करना चाहते हो उनके लिए आवश्यक तैयारी करो ।

नोट : कक्षा के बच्चों के परिवार के परिवार की स्थिति का ध्यान रखें । बच्चों को यह समझने में सहायता करें कि एक परिवार के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह नहीं है कि परिवार में कितने लोग हैं लेकिन यह कि वे एक दूसरे को प्यार करते हैं और उनकी सुधि लेते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

प्रारम्भिक प्रार्थना के लिए किसी बच्चे को बुलाओ ।

अगर सप्ताह के दौरान बच्चों को कुछ करने के लिए प्रेरित किया था तो उसकी जांच करें । आप प्रत्येक बच्चे को बुलाकर उसके पूछना पसन्द करेंगे कि वह बताये कि पिछले सप्ताह के दौरान उसने कब सही बात का चुनाव किया ।

परिवार स्वर्गीय पिता की योजना का एक अंश है

ध्यान गतिविधि

- पृथ्वी पर आने से पहले वे कहाँ रहे ।

समीक्षा करो कि प्रत्येक बच्चे ने स्वर्गीय पिता की योजना को पसन्द किया और वे धरती पर आये । बच्चों को बताओ कि जब हम लोग पृथ्वी पर आये तो स्वर्गीय पिता ने हमें आशीष दी कि हम ऐसे लोगों से मिलें जो हमारी सहायता करें और हमें प्यार करें ।

बच्चों को बताओ कि तुम उनको सुराग दोगे ताकि वे कौन से लोग हैं । प्रत्येक बच्चे को बारी-बारी से परिवार शब्द का प्रत्येक अक्षर उठाने दो ।

1. पिता उसका हिस्सा है ।

2. रिश्तेदार उसका हिस्सा है ।

3. वशंज उसके हिस्सा हैं ।

4. रक्षा उसका हिस्सा है ।

चर्चा

- हमें परिवार की क्यों जरूरत पड़ती है ?

समझाओ कि जब हम लोग बच्चे थे तो हम लोगों को ऐसे लोगों की जरूरत थी जो हम लोगों की मदद कर सकें । स्वर्गीय पिता ने हम सभी के लिए योजना बनाई है कि हम किसी परिवार के साथ रहें जो हमें प्यार करे और हमारी देख भाल करे । जब हम लोग बड़े होने लगते हैं , तब हमारा परिवार भी हमें यह सिखाता है कि हम बुद्धिमानी से चुनाव करें

स्वर्गीय पिता ने योजना बनाया कि यीशु मसीह एक परिवार में जन्म लें ।

धर्मशास्त्र की कहानी और चर्चा । समझाओ कि स्वर्गीय पिता ने यह योजना बनायी कि यीशु मसीह एक परिवार में जन्म लें । जिस पुरूष और स्त्री का चुनाव इस धरती पर यीशु की देख भाल के लिए चुनाव किया उन लोगों ने स्वर्गीय पिता को प्यार किया और उसकी आज्ञाओँ को पूरा किया ।

चित्र स. 2-5 दिखाओ, स्वर्गारोहण और गब्रियल दूत ने मरियम को दर्शन दिया, की कहानी सुनाओ जैसा लूका 1:26-38 में पाया जाता है ।

- इस चित्र में कौन सी स्त्री है ? (लूका 1:27)
- कौन सा पुरूष इस चित्र में है ?(लूका 1:26)

समझाओ कि जब मरियम ने दूत को देखा तो वह ताजुब में पड़ गई और थोड़ा परेशान भी हुई लेकिन वह सब कुछ करने को तैयार थी जिसे स्वर्गीय पिता उससे कराना चाहता था (लूका 1:28, 38)

- मरियम ने दूत से क्या कहा? (लूका 1:31--32)
- शिशु का पिता कौन था ? (स्वर्गीय पिता)

चित्र स. 2-6 दिखाओ, यीशु का जन्म ।

- इस चित्र में कौन सा व्यक्ति है ।

बच्चों को बताओ कि युसुफ एक नेक व्यक्ति था जिसे स्वर्गीय पिता ने मरियम से विवाह करने के लिए चुना था , ताकि वह उसे प्यार करे और उसकी रक्षा रखवाली करे । यह भी समझाओ कि यीशु के जन्म के पहले एक दूत ने युसुफ को दर्शन दिया । संक्षेप में कहानी सुनाओ जो मत्ती 1:18--25 में दी गयी है ऊँची आवाज में पढ़ो कि दूत ने युसुफ से क्या कहा जैसा मत्ती 1:21 में दिया गया है ।

- दूत ने मरियम और युसुफ को नामकरण के लिए क्या कहा ?

समझाओ कि यीशु का अर्थ होता है उद्धारक । यीशु मसीह हम सब को हमारे पाप क्षमा कर बचा सकता है और हमें स्वर्गीय पिता के पास जाने और अनन्तकाल तक उनके साथ रहने में हमारी सहायता कर सकता है । भविष्यवक्ताओं ने जो यीशु के जन्म के पहिले इस धरती पर रहते थे , भविष्यवाणी की थी कि हमारे उद्धारक के नाम यीशु होगा । ''यीशु ''का अर्थ है ''अभिषिक्त'' जिसका अर्थ होता है स्वर्गीय पिता का चुना हुआ ।

- यीशु को एक परिवार की जरूरत क्यो पड़ी?

हमारा परिवार हमें प्यार करता है

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाओ कि सभी परिवार भिन्न भिन्न होते हैं! कुछ परिवारों में माता-पिता दोनों होते है और कुछ में केवल एक । कुछ परिवारो में बहुत बच्चे होते हैं और कुछ में थोड़े बच्चे होते हैं अथवा केवल एक बच्चा । कुछ परिवारों में बच्चे होते हैं , माँ- बाप, चाचा- चाची होते हैं सभी एक साथ रहते है । कुछ बच्चे बड़ों के साथ रहते हैं जिनका उनके साथ कोई रिश्ता नहीं फिर भी उनको प्यार करते है और उनकी सुधि लेते हैं । परिवार विभिन्न काम एक साथ करते हैं और विभिन्न प्रकार से प्यार को प्रकट करते हैं । परिवारों के विषय में महत्वपूर्ण बात यह है कि परिवार के लोग एक दूसरे की सुधि लेते हैं । सभी को परिवार का भाग बनना चाहिए ।

चर्चा

- जब आप एक बच्चे थे तब तुम्हारे परिवार ने आपके लिये क्या किया ?
- अब आपका परिवार आपके लिये क्या करता है ?
- आप अपने परिवार के अन्य सदस्यों के लिये क्या करते हो ?

बच्चे का भाग लेना

अगर आप अपने परिवार का चित्र लाये हो तो उसे दिखाओ । अपने परिवार के सदस्यों को दिखाओ और बताओ कि प्रत्येक आपके लिये कितना महत्वपूर्ण है । बच्चों को अपने परिवार के विषय में बताने दो । बच्चों को बुलाओ कि वे बतायें कि वे कितनी बार खुश हुए क्योंकि वे जानते थे कि उनका परिवार उनको प्यार करता है ।

हमारा परिवार हमारी सहायता करता है ।

चर्चा

बच्चों से कहो कि वे सुनें जब आप परिवार के सदस्यों का उदाहरण देते हैं जो एक दूसरे की मदद करते और प्यार करते हैं । निम्नलिखित उदाहरणों का उपयोग करो अथवा अपनी ओर से कुछ दो ।

- किर्क का छोटा भाई ऐरिक रात में डरता था इस कारण किर्क ने प्रार्थना करने के लिये उसकी सहायता की । फिर किर्क ने ऐरिक को सुलाने के लिए एक गाना गाया ।
- कैटलीन की माँ रात के समय कहीं चली गयी थी । कैटलीन ने कागज का एक टुकड़ा हृदय के आकर का काटा और एक सन्देश लिखा कि वह अपनी माँ को कितना प्यार करती है । उसने उस सन्देश को अपनी माँ के तकिये पर रख दिया ताकि उसकी माता को वह मिल जाये जब वह घर आती है ।
- इऑन की नानी ने प्रत्येक सुबह समय निकाला ताकि वह उसे स्कूल के लिए शब्दों को सही सीखने में मदद करे उसकी सहायता से वह उत्साहित हुआ और सूची में दिये गये सभी अक्षर उसने सीख लिये ।
- टोनी ने एक लक्ष्य बनाया कि वह अपने बपतिस्में के पहिले मॉरमन की किताब पढ़ डालेगा । प्रत्येक रात उसकी बड़ी बहन उसके साथ बैठती और जब वह पढ़ता तो वह उसे सुनती । वह टोनी को कठिन शब्द समझने में सहायता करती । टोनी अपनी बहन की मदद से अपने लक्ष्य को पूरा कर सका ।
- हायडी ने अपनी कक्षा के कुछ लोगों को अपने छोटे भाई को चिढ़ाते सुना । उसके आँखों में आँसू आने पर थे । इस कारण हायडी उसे अलग ले गयी और उसके साथ कोई खेल खेलने लगी । बाद में उसने अपनी कक्षा के साथियों को बताया कि उन्हें दूसरे बच्चों को चिढ़ाना नहीं चाहिए ।

पाठ का उद्देश्य

अपने हाथ को उठाओ और ऊँगलियों को फैलाओ । यह समझाओ कि एक परिवार के सदस्य एक हाथ के समान इकट्ठा हो कर काम कर सकते हैं जिसमें ऊँगलियाँ और अँगूठा भी होता है । बच्चों को कहो कि वे अपनी धर्म शास्त्र या कोई और चीज बिना अँगूठे का सहारा लिये एक हाथ से उठाले । इस बात को समझाओ कि किसी चीज को मात्र ऊँगलियों से उठाने की अपेक्षा अँगूठे का सहारा लेकर उठाना बहुत आसान है । बच्चों को बताओ कि परिवार के सभी सदस्य महत्वपूर्ण है । परिवार के लोग बहुत कुछ कर सकते है अगर वे मिल जुल कर काम करें ।

कला गतिविधि

बच्चों को रंग और पेंसिल दो और उन्हें अपने परिवार का चित्र खीचने दो । सभी चित्रों पर एक लेबल चिपकाओ जिस पर लिखा हो : मेरा परिवार मुझे प्यार करता है ।

सारांश

गाना

बच्चों के साथ गाओ या बोलो : ''एक खुश परिवार''

गवाही

एक गवाही दो कि स्वर्गीय पिता यह चाहता है कि हम में से प्रत्येक को आपसी प्रेम और सहयोग द्वारा देख भाल हो । बच्चों को बताओ कि प्रत्येक परिवार भिन्न हैं और महत्वपूर्ण भी । इस बात की गवाही दो कि वे परिवार की खुशी के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं ।

बच्चों को उत्साहित करो कि जो चित्र उन लोगो ने बनाया है उसे वे अपने परिवार को दिखायें और उन्हें बतायें कि वे उन्हें कितना प्यार करते हैं ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए बुलाओ । बच्चे से कहो कि वह परिवारों के लिए स्वर्गीय पिता को धन्यवाद दे ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित कार्यक्रमों में से चुनो जो आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे अधिक उपयुक्त हो । आप उसे पाठ में भी उपयोग कर सकते हो या सारांश के रूप में भी । अतिरिक्त निर्देशन के लिए ''शिक्षक के लिए सहायता'' कक्षा का समय देखें ।

1. अगर यह आपकी सभ्यता में ठीक बैठता है तो प्रत्येक बच्चे को बतायें कि वह तैयार हो कर आये और बताये कि उसका पहला नाम कैसे चुना गया । यह काम ऐसे भी हो सकता है कि पाठ 5 के बाद बच्चों के माता - पिता के पास एक नोट भेजा जाये जिसमें माता - पिता से पूछा जाये कि वे बच्चे को बताएं कि उसका नाम कैसे चुना गया । (पृ. 21 देखें) । कक्षा में समझाएं कि जब हम लोगों का जन्म हुआ तब हमारे परिवार के लोगों ने हमारे नाम को चुना । (अगर सम्भव हो तो प्रत्येक बच्चे के माता पिता से सप्ताह के दौरान सम्पर्क करें और उन्हें याद दिलाएं कि वे अपने बच्चे को समझा कर भेजें कि वह बता सके कि उसका नाम कैसे चुना गया ।)
2. व्यवस्था करें कि प्रत्येक बच्चा अपनी या अपने परिवार का चित्र अपने घर ले जायें । (इन्हें कक्षा के पहिले ही जमा कर लें ताकि कक्षा के दौरान कोई विघ्न न पड़े ।) बारी बारी से बच्चे चित्र को दिखाएं और अपने परिवार के विषय में एक दो बाते बतायें जिसे वह पसन्द करते हैं । (अगर तुम शक्तिकरण 1 का उपयोग करना चाहते हो तो जो नोट तुमने पाठ 5 के बाद घरों पर भेजा है उसमें परिवार के चित्र को भी मंगा लो ।)

3. बच्चों के साथ गाओ अथवा शब्द को बोलो ''यहाँ हम एक हैं '' (बच्चों की गीत की किताब पृ॰ 261) जिसमें परिवार के सदस्यों का कोई सम्बोधन भी हो ।
यहाँ हम सब एकत्र हैं, एकत्र हैं, एकत्र हैं ओह, यहाँ हम लोग अपने परिवार में एकत्र हैं यहाँ पिता है, माता है, बहन है भाई है आह, इस सुहाने दिन में एकत्र है ।

अतिरिक्त छन्दों को आप गाएं और इस प्रकार के शब्द का उपयोग करें जैसे दादी, दादा, चाची, चाचा और परिवार के अनेक लोगों के नाम लिये जा सकते हैं ।

बच्चों को बताओ कि स्वर्गीय पिता ने ऐसी योजना बनाई है कि वे अपने परिवार के साथ रहे ताकि वे उनको प्यार करें और उनकी सेवा करें ।

4. प्रत्येक बच्चे को कहो कि वह एक टुकड़े कागज पर अपने हाथ का चित्र बना दे । बच्चे ऊँगलियों पर सूरत बनाएं जो परिवार के लोगों को दर्शाएं या बीच में एक हृदय का चित्र बनाएं जो प्यार को दर्शाता हो । बच्चों को बताओ कि परिवार का प्रत्येक सदस्य हाथ की ऊँगलियों के समान है : प्रत्येक महत्वपूर्ण है ।

5. बच्चों से कहो कि वे ऐसा रोल खेलें जो यह बता सके कि किस प्रकार परिवार के सदस्य एक दूसरे की मदद कर सकतें हैं । पाठ के अन्दर आयी स्थितियों का उपयोग करो अथवा अपने मन से कुछ तैयार करो ।

6. बच्चो की सहायता करो कि वे निम्नलिखित छन्द के हाव भाव प्रकट करें जब तुम इन शब्दों को बोलते हो ।

मेरा परिवार
जैसे चिड़िया पेड़ पर हो (अपने हाथों को पंखों के समान फड़ फड़ाने दो ।)
मेरे पास मेरा निजि परिवार है (अपनी ओर इशारा करो)
वे मुझे खाने को देते हैं (खाना खाने का हाथ भाव करो)
और मुझे खेलना सिखाते हैं (कूदो) ताकि मैं सुरक्षित रहूँ और खुश भी
सारे दिन (एक बड़ी मुसकराहट दो)

गाओ या निम्नलिखित शब्दों को बोलो (वे इस तर्ज पर गा सकते हैं "The Farmer in the Dell") और उस समय बच्चे एक दूसरे का हाथ पकड़ कर एक परिवार में घूमे ।
आपका परिवार आपको अच्छी प्रकार से प्यार करता है ; आपका परिवार आपसे अच्छी प्रकार से प्यार करता है 'हाई हो' ऐ परिवार । आपका परिवार आपसे अच्छी प्रकार से प्यार करता है ।

एक बच्चे का चुनाव करो जो परिधि के बीच में खड़ा हो जब आप दूसरा छन्द गाते हो ।
इस परिवार में एक पिता है
इस परिवार में एक पिता है
'हाई हो' ऐ परिवार
इस परिवार में एक पिता है ।

इस छन्द को दोहराओ और पिता की जगह पर माता शब्द का उपयोग करो और इस बीच किसी दूसरे बच्चे को परिधि के बीच में खड़ा करो और परिवार के और सदस्यों के नाम का उपयोग करो और तब तक सभी बच्चे उस परिधि के बीच में खड़े हो चुके होंगे । पहिले छन्द को फिर से गाओ जब सभी बच्चे एक साथ खड़े हों ।

पाठ
7

यीशु का जन्म धरती पर खुशी लाया

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को मदद करो कि वह खुशी महसूस कर सके जिसे यीशु मसीह इस धरती पर अपने जन्म के साथ लाया ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ लूका 2:1-20 अध्ययन करो ।

2. एक 12 महीने का केलेन्डर लाओ या जन्म दिवस के गतितिविधि करो । एक समय सारणी बनाओ, एक लम्बे कागज़ को 12 भागों में बाँट दो और उसके प्रत्येक भाग में महीनों के नाम लिखा ।

3. प्राथमिक के सचिव या वार्ड कलर्क या बच्चों के माता-पिता से पूछ कर अपनी कक्षा के प्रत्येक बच्चे के जन्म दिवस को जान लें।

4. प्राथमिक के अध्यक्ष की आज्ञा से किसी माँ या गर्भवती माँ को बुलाएं कि वह बच्चों को बताएं कि वह कैसे किसी बच्चे के जन्म के लिये तैयारी करती है । उससे कहें कि वह बताये कि वह कैसी उत्सुकता अनुभव करती है ।

5. "Far, Far Away on Judea's Plains" (Hymns, no. 212). गाने की तैयारी करो या प्रथम छन्द के शब्द बोलो

6.आवश्यक सामग्री
   क. एक बाइबल
   ख. प्रत्येक बच्चे के लिए एक का टुकड़ा कागज़ और एक पेंसिल।
   ग. टेप या चिपकाने की कोई और वस्तु
   घ. चित्र 2-3, यीशु का जन्म (सुसमाचार कला चित्र किट 201; 62495) ।

7. किसी शक्ति करण की गतिविधि के लिए जिसका उपयोग तुम करना चाहते हो आवश्यक तैयारी करें ।

नोटः जब आप अपनी कक्षा में किसी बच्चे को जन्म के विषय में चर्चा करते हैं तो सावधान रहें कि किसी लेपालक या दतक बच्चे की भावना को ठेस ना पहुँचे । इस बात का ध्यान रखें कि वे इस बात को समझें कि उनका जन्म भी खुशी का कारण था ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को बुला कर प्रारम्भिक प्रार्थना करवाएं ।

अगर आपने सप्ताह के दौरान बच्चों को कुछ करने के लिये प्रोत्साहित किया था तो उसकी जांच करें ।

जन्मदिवस विशेष होते हैं ।

ध्यान गतिविधि

बच्चों को बताओ कि आप उनके लिए एक विशेष दिन के विषय में सोच रहे हो । उन्हें समझाओ कि आप उनको सुराग दोगे और उनसे कहो कि वे उस सुराग के विषय में सुनें और जब वे समझ जायें कि किस दिन की बात वे सो रहें हैं तो वे अपना हाथ उठायें। जन्म दिवस का एक गाना गुनगुनाओ जैसे ''जन्म दिन मुबारक हो'' या कोई और स्पष्ट सुराग दो ।

- मैं कौन से विशेष दिन के विषय में सोच रहा हूँ ।
- आप अपने जन्म दिवस के संदर्भ में सबसे अच्छा क्या मानते हो?

केलेन्डर या समय सारणी गतिविधि

कागज और पेंसिल बाँट दो । प्रत्येक बच्चे को एक कागज के टुकड़े पर अपना नाम लिखने दो । (जैसे जरूरत हो वैसी बच्चों की सहायता करें)

केलेन्डर या समय सारिणी दिखाओ । बच्चों से कहो कि वे महीनों के नाम बोले या आपके साथ दोहरायें । प्रत्येक महीने का नाम फिर से पढ़ो, एक, एक करके और उस महीने में जिस बच्चे का जन्म दिन है उसे बुलाओ कि वह अपना नाम केलेन्डर या समय सारिणी पर चिपका दे ।

- आप क्या सोचते हो आपके जन्म के समय में आपके परिवार ने कैसा अनुभव किया था ?

अतिथि वक्ता

किसी माता या गर्भवती माता का परिचय दो और कहो कि वह बताये कि एक बच्चे के जन्म की तैयारी में वह कैसा अनुभाव करती है ।

चर्चा

बच्चों से बाते करो कि उनसे परिवार ने जन्म की तैयारी में क्या किया होगा जैसे, उनके लिये प्रार्थना करना कि वे स्वस्थ रहे, उनके नाम का चुनाव करना, बच्चों के कपड़े लाना या दूसरे समान की व्यवस्था करना और योजना बनाना कि वे कहाँ सोयेंगे । बच्चों की सहायता करो कि बच्चे इस बात का अनुभव करें कि उनका जन्म भी खुशी और उत्साह का दिन था । अगर आप माता या पिता हो तो आप यह बताना पसन्द करोगे कि आपके परिवार में बच्चे के जन्म के समय आपने क्या किया और आपको कैसा अनुभव हुआ ।

बच्चों को याद कराओ कि जन्म लेना और मानव शरीर को धारण करना स्वर्गीय पिता की हम लोगों के लिए योजना का एक महत्वपूर्ण भाग है ।

यीशु मसीह का जन्म एक आश्चर्यजन्म दिन था

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों से कहो कि वे किसी बच्चे के जन्म के विषय में सीखने जा रहें हैं जिनके लिए लोग वर्षो से प्रतीक्षा कर रहे थे । बहुत समय पहिले भविष्यवक्ताओं ने बताया था कि एक दिन एक उद्धारक का जन्म होगा । वह यह सम्भव बनायेगा कि लोग पुनः अपने स्वर्गीय पिता के घर जा सकेंगे । लोग बहुत समय तक इस बच्चे के जन्म के लिये प्रतीक्षा करते रहे ।

- यहा बच्चा कौन था ? (यीशु मसीह)

यह बात दर्शाओ कि कोई भी इस बात को ठीक से नहीं जानता है कि यीशु का जन्म कब हुआ था । कुछ माता-पिता ने अपने बच्चों को कहा कि वे उस बड़ी घटना की प्रतीक्षा करें क्योंकि यीशु हम लोगों को जीने का सही मार्ग दिखायेगा और अपने स्वर्गीय पिता के पास वापिस जाना सम्भव करेगा । बिना यीशु जो उद्धारक है कोई भी व्यक्ति अपने स्वर्गीय पिता के साथ पुनः नहीं रह पायेगा ।

नाटक खेलने की तैयारी

बच्चों को कहो कि वे ऐसा दर्शायें कि वे बहुत पहिले यीशु मसीह के जन्म के पहिले रह चुके हैं । उनसे कहो कि वे बच्चे के रूप में बतलेहेम शहर के पास रहते हैं । उनके माता - पिता ने उन्हें बताया है वे उद्धारक की प्रतीक्षा करें । आज रात वे बाहर मैदान में आकर भेड़ों की रखवाली के लिए अपने पिता की सहायता कर रहे हैं ।

- जब आप अपने पिता के साथ बाहर भेड़ों की रखवाली के लिये जाओगे तो अपने साथ क्या ले जाओगे ? (उत्तर में आएगा कुछ गरम कपड़े अथवा खाने का समान)

बच्चों से कहो कि वे अपनी आँखें बन्द करें और इस दृश्य की कल्पना करें :-

शाम हो रही है और गड़ेरिया अपनी भेड़ों को झुन्ड में एकत्र कर रहे हैं जहाँ वे सुबह होने तक सोयेंगे । रात साफ है तारे निकल रहे हैं । शीघ्र ही आकाश तारों से भर जाता है । सभी कुछ शान्तिमय है और चुप है (आप चाहेंगे कि आप कक्षा में बती को बुझा दें ताकि रात के समय का अहसास दें)

धर्मशास्त्र कहानी और नाट्यरूप

दूतों के प्रकट होने के कहानी गड़ेरियों को बताओ जैसा लूका 2:8-18 में लिखा है । जब आप कहानी को बताते हो तो बाइबल से कुछ आयतें पढ़ो ।

यह दिखाओ कि गड़ेरिये डर गये जब इन लोगों ने दूत को देखा लेकिन दूत ने ? उनसे कहा, ''मत डरो क्योंकि देखो मैं तुम्हें बड़ी खुशी का समाचार सुनाता हूँ ।'' लूका 2:10

बच्चों से दूत को देख कर डरने, फिर दूत का समाचार सुन कर खुश होने का मूक अभिनय करने को कहो ।

समझाओ कि दूत ने गड़ेरियो को यीशु के जन्म के विषय में क्या कहा (लूका 2:11) और उन्हें बताया कि वे नवजात यीशु को कहाँ पा सकते हैं (लूका 2:12) । तब एकाएक उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते हुए और यह कहते दिखाई दिया । कि आकाश में परमेश्वर को महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिनसे वह प्रसन्न है शान्ति हो (लूका 2:13--14) ।

गीत

गाना गाओ या पहले छन्द के शब्दों को बोलो ''बहुत दूर, बहुत दूर यहूदा के मैदानों में'' बच्चों को बुलाओ कि वे तुम्हारा साथ दे अगर वे गाने के बोल को जानते है ।
बहुत दूर, बहुत दूर यहूदा के मैदान में , गड़ेरियों ने खुशी का गायन सुना परमेश्वर की महिमा, परमेश्वर की महिमा सर्वोच्च में परमेश्वर की महिमा, भले दिल के लोगों को धरती पर शांति । भले दिल के लोगों को धरती पर शांति ।

धर्मशास्त्र की कहानी और नाटक जारी ।

समझाओ कि जब दूत स्वर्ग को वापिस जा चुके थे, तब गड़ेरियों ने बालक यीशु को खोजने का निश्चय किया (लूका 2:15) बच्चों से कहो कि वे कल्पना करें कि वे अपने पिता के साथ बालक यीशु को देखने बेथलेहेम को जा रहे हैं । (आप अपनी कक्षा में दूसरी जगह जाना चाहेंगे ।)

चित्र दिखाओ 2-6, यीशु का जन्म

- इस चित्र में कौन लोग हैं ?

समझाओ कि गड़ेरियों ने शिशु को वैसा ही पाया जैसा दूत ने उनसे कहा था । वह एक ही वस्त्र में लिपटा और चरनी में पड़ा था। गड़ेरियों ने बहुत सी चीजों के लिये धन्यावाद दिया जिनको उन लोगों ने यीशु के विषय में देखा और सुना और उन लोगो ने दूसरे लोगों को इसके विषय में बताया । (देखें लूका 2:17-18)

सारांश

बच्चे की भगीदारी

प्रत्येक बच्चे को बुलाओ और उनसे कहो कि उस रात जो कुछ हुआ उसके विषय में बताएं जब गड़ेरिये अपनी भेड़ों की रखवाली कर रहे थे । इस बात पर जोर दो कि बहुत से लोग जो उद्धारकर्ता के जन्म के लिये बहुत समय से रूके थे, बहुत खुश हुए ।

गवाही

बच्चों को बताओ कि आप कितने खुश हो कि यीशु मसीह इस धरती पर आया । अपनी गवाही दो कि यीशु इस संसार का उद्धारकर्ता है और बच्चों को बताओ कि यीशु की शिक्षा ग्रहण करने से हमें किसी दिन स्वर्गीय पिता के पास लौटने और उसके साथ रहने में सहायता मिलेगी ।

बच्चों को उत्साहित करो कि वे अपने घर लौट जायें और जो कुछ उन लोगों ने यीशु मसीह के विषय में सुना है अपने परिवार के लोगों को बतलाएं ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए बुलाओ। सुझाव दो कि बच्चा यीशु के जन्म के विषय में अपना धन्यावाद प्रकट करें ।

सृमद्धि गतिविधियाँ

का

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन कार्यों का चुनाव करो जो आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे उपयुक्त हो । तुम उसे पाठ में भी उपयोग कर सकते हो अथवा समीक्षा या सारांश के रूप में । अतिरिक्त मार्ग दर्शन के लिए शिक्षक के लिए सहायता का कक्षा समय देखें ।

1. बच्चों की सहायता करो कि वे उद्धारक के जन्म के संदर्भ में नाटक करके दिखायें । तुम कुछ साधारण सामान ला सकते हो जैसे लम्बा रूमाल और बेबी गुड़िया ।

2. बच्चों की सहायता करो कि वे "Once I Was a Baby" के शब्द बोलें और हाव-भाव करें यह गाना उस स्वर में गाओ (जो "Once There Was a Snowman," *बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 249). का है ।पहले छन्द के लिए हाथ-पांव सिकुड़कर बैठने का हाव-भाव और दूसरे छन्द के लिए हाथ-पांव फैलाने का हाव-भाव करो ।

   कभी मैं शिशु था,शिशु था, शिशु था, कभी मैं शिशु था,छोटा, छोटा, छोटा ।

   अब मैं बढ़ हो रहा हूँ ,और बड़ा और बड़ा अब मैं बड़ा हो रहा हूँ ,ऊँचा,ऊँचा,ऊँचा

3. गाओ या शब्द बोलो "Away in a Manger" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 42), "Mary's Lullaby" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 44), or "Oh, Hush Thee, My Baby" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 48) । इस गाने के शब्द निदेर्शिका के पीछे दिये गये हैं ।

4. चरनी में यीशु का एक चित्र या रेख़ाचित्र प्रत्येक बच्चे के लिए तैयार करो (पाठ के अन्त में दिया गया है ।) किसी बच्चे से कहो कि चरनी को रंग दे और कुछ सूखी घांस या कपड़ा चिपका दे और शिशु के लिए एक मुलायम बिस्तरा तैयार करे । तब प्रत्येक बच्चे से कहो कि वह शिशु यीशु के चित्र को रंगे बच्चों की सहायता करो कि वे शिशु यीशु के चित्र को काट लें और चरनी पर चिपका दें ।

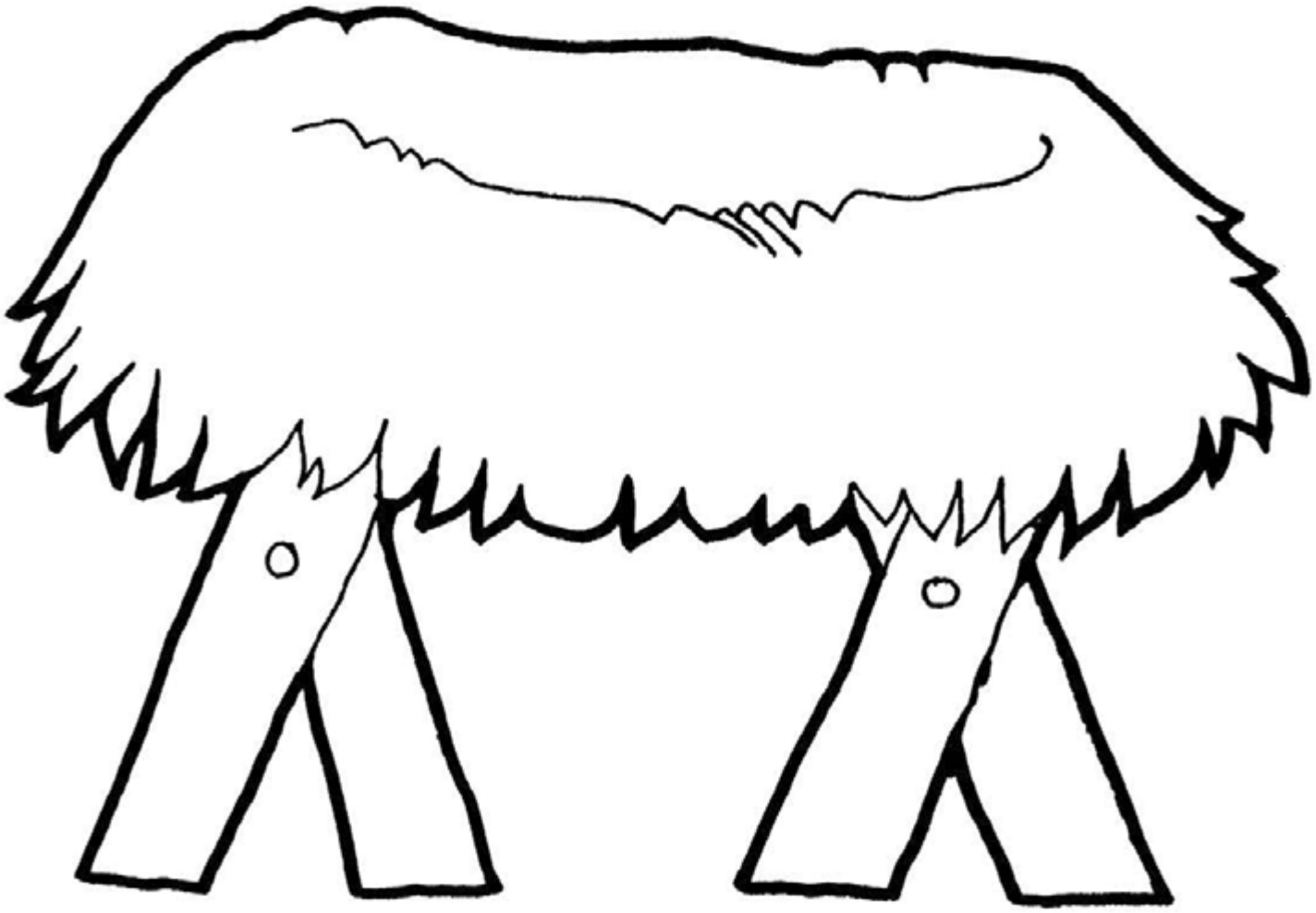

स्वर्गीय पिता मुझे देखता है

पाठ
8

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे के विशवास को मजबूत करो कि स्वर्गीय पिता जरूरत के समय में हमारी सहायता करता और आशिष देता है ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ मत्ती 2:1-15, 19--20 का अध्ययन करो ।

2. प्रत्येक बच्चे के लिए कागज़ की एक परीधि बनाओ जो इतना बड़ा हो कि बच्चा उसमें अपनी सूरत बना सके । सभी परीधि के उपर एक छेद बनायें और उसके चारों ओर लिखें ''स्वर्गीय पिता मेरी ओर देखता रहता है ।''

3. तैयार करो और दूसरो को बताओ कि कब तुम्हें यह अनुभव हुआ कि स्वर्गीय पिता देखता रहता है और रक्षा करता है,जैसे कि किसी दुर्घटना से तुम्हारी रक्षा हुई, कभी समस्या को सुलझाना पड़ा या कभी सान्त्वना की आवश्यकता थी अथवा,अपने प्राथमिक के अध्यक्ष की आज्ञा से अपने वार्ड या शाखा के किसी सदस्य को अपनी कक्षा में बुलाओ और उसके साथ अपना अनुभव बाटों ।

4. गाने के लिए तैयार हो अथवा यह शब्द बोला "I Thank Thee, Dear Father" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 7) । इस गाने के बोल निदेर्शिका के पीछे लिखे हैं ।

5. आवश्यक सामग्रियाँ
   क. एक बाइबल
   ख. प्रत्येक बच्चे के लिए एक छोटा उपहार जैसे फूल,एक पत्थर या प्रशंसा का एक पत्र
   ग. मोम या पेंसिल के रंग ।
   घ. प्रत्येक बच्चे के लिए एक लम्बा धागा ।
   च. चित्र 2.7, ज्ञानी लोग (सुसमाचार कला चित्र किट 203; 62120) ; चित्र 2--8, मिस्र में उड़ान (सुसमाचार कला चित्र किट 204; 62119) ; चित्र 2-9, डेविड औ०मैके एक लड़के के रूप में ।

6. किसी भी शक्ति करण के कार्यक्रम के लिए जिसे आप उपयोग करना चाहते हो उसके लिए आवश्यक तैयारी करो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को बुलाओ कि वह प्रारम्भिक प्रार्थना करे ।

अगर आपने सप्ताह के दौरान बच्चों को किसी काम को करने के लिए उत्साहित किया है तो उसकी जांच करें ।

स्वर्गीय पिता हम लोगों के लिए बहुत कुछ करता है ।

ध्यान गतिविधि

बच्चों से कहो कि वे अपनी आँखे बन्द करें । प्रत्येक बच्चे की गोद में एक उपहार डाल दो और फिर कहो कि वे आँखे खोले । कुछ क्षण के लिये उन्हें इस आश्चर्य काम के विषय में, बोलने दो ।

- तुम क्या सोचते हो यह उपहार आपकी गोदी में किसने रखा ?
- आप क्या सोचते हो कि मैंने क्यों यह उपहार आपको दिया ?
- और कौन आपके लिये अच्छी चीजे करता है ? (माता-पिता, परिवार, दोस्त स्वर्गीय पिता)
- स्वर्गीय पिता ने आपके लिये क्या किया है ? (उत्तर में आ सकता है : पृथ्वी पर आने की उसकी योजना, हम लोगों को परिवार देना । यीशु मसीह को हमारा उद्धारक बनने के लिये धरती पर भेजता)

गीत

बच्चों के साथ गाओ या कहो I Thank Thee, Dear Father

समझाओ कि एक बात जो स्वर्गीय पिता हम लोगों के लिये करते हैं कि जब हम समस्याओं से घिरे होते हैं तो हमारी रक्षा और सान्त्वना देना । अगर हम स्वर्गीय पिता में विश्वास करते हैं तो वह हमें हौसला देता है और मदद करता है कि हम अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए अच्छे निर्णय ले सकें ।

स्वार्गीय पिता ने बालक यीशु की भी रक्षा की ।

धर्मशास्त्र कहानी

चित्र दिखाओ 2-1 ज्ञानी लोग । ज्ञानी लोगों के विषय में कहानी बताओ जो बालक यीशु को खोजने निकले थे जैसे मत्ती 2:1-12 में पाया जाता है ।

समझाओ कि हेरोदेस राजा ने ज्ञानियों को बताया कि वह बालक यीशु की आराधना और उसके प्रति प्यार दिखाना चाहता है (तुम समझा सकते हो कि बालक मसीह, बालक यीशु का दूसरा नाम है)। लेकिन वास्तविकता तो यह थी कि वह यीशु को हानि पहुँचाना चाहता था । मत्ती 2:12 को जोर से पढ़ो और समझाओ कि स्वर्गीय पिता ने ज्ञानियों को यह कह कर रक्षा की वे राजा हेरोदेस के पास वपिस न जायें ।

धर्मशास्त्र कहानी

चित्र दिखाओ 2-8 मिस्र में उड़ान । वह कहानी बताओ जो मत्ती 2:13-15 में पायी जाती है । पद 13 उँची आवाज में पढ़ो और समझाओ कि नष्ट करने का अर्थ है मार डालना ।

- दूत युसुफ को क्यों दिखाई दिया (मत्ती 2:13)
- दूत ने युसुफ से क्यों कहा कि वह मिस्र जाये ?(ताकि हेरोदेस राजा यीशु को न खोज पाये ।)
- राजा हेरोदेस बालक यीशु को क्यों मार डालना चाहता था ? (उसे भय था कि वह बड़ा हो कर राजा के रूप में हेरोदेस की जगह ले लेगा)

समझाओ कि युसुफ को हिदायत दे कर कि वह यीशु और मरियम को लेकर मिस्र में चला जाये, स्वर्गीय पिता यीशु को देख रहा था और उसकी रक्षा कर रहा था । स्वर्गीय पिता सदा यीशु को देखता रहता था ।

मत्ती 2:18-20 ऊँची आवाज में पढ़ो ।

- दूत युसुफ को पुनः क्यों दिखाई दिया ? (मत्ती 2:20)
- युसुफ, मरियम और बालक यीशु के लिये इस्राइल लौट जाना क्यों सुरक्षित था । (राजा हेरोदेस मर चुका था, मत्ती 2:18-20)

स्वर्गीय पिता हम लोगों को देखता रहता है ।

चर्चा

बच्चों को समझाओ कि हम सभी स्वर्गीय पिता के बच्चे हैं । वह हम लोगों को उसी प्रकार देखता रहता है जैसे वह यीशु को देखता रहता था । जब हम उसकी आज्ञाओं को मानते और उससे सहायता मांगते तो स्वर्गीय पिता सदा हमारी सहायता करेगा । (तुम यहाँ बताना चाहोगे कि स्वर्गीय पिता सदा हमारी सहायता वैसी नहीं करता है जैसा हम चाहते हैं)

- तुम किस प्रकार स्वर्गीय पिता से उनकी सहायता माँग सकते हो ? (प्रार्थना)
- जब तुम बीमार हो तो स्वर्गीय पिता तुम्हारी सहायता कैसे कर सकते हैं ? जब तुम अकेले हो ? जब तुम डरे हुए हो ?

कहानी

चित्र दिखाओ 2-8 डेविड ओ॰ मैके, एक बालक के रूप में । डविड ओ॰ मैके को दिखाओ (वह अपने पिता की गोद में बैठा है और बच्चों को बताओ कि यह बालक बड़ा हो कर गिरजाघर का नवाँ अध्यक्ष बना । निम्नलिखित कहानी द्वारा उनका एक अनुभव बताओ जो बचपन में उन्हें हुआ ।

''एक रात जब उसके पिता जा चुके थे डेविड ने अपने घर के अगल बगल कुछ आवाज़ सुनी और उसे निश्चय हुआ कि चोर आये हुए हैं । उसे मालूम था कि उसकी माता जी भी डर जायेंगी अगर उन्होंने भी ये आवाज सुनी और उसने आशा थी की ऐसा न हो । जब वह आँख खोले लेटा हुआ था तब उसने वही किया जो उसके माता पिता ने उसे करने को कहा था प्रार्थना । वह हमेशा अपनी प्रार्थना पलंग के बगल में घुटने टेक कर करता था तो उसने सोचा कि आज भी बिस्तर के बाहर आकर घुटने पर पड़ कर प्रार्थना करनी चाहिए । बिस्तर के बाहर निकलना एक कठिन परीक्षा थी । इसके लिये उसे अपनी सारी शक्ति और आज विश्वास को बटोरना पड़ा क्योंकि वह बहुत डरा हुआ था । लेकिन उसने ऐसा किया ।''

''जब वह बिस्तर के बगल में घुटने टेके हुऐ था उसने बड़ी सरगर्मी और विश्वास के साथ प्रार्थना की । तब जैसा एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को ऊँची आवाज में कहता है उसने एक आवाज सुनी '' मत डर , तुझे कोई हानि न होगी । '' तब डेविड अपने बिस्तर में वापिस चला गाया और गहरी नींद में सो गया । (Marie F. Felt, "David: A Boy of Promise," Instructor, Sept. 1969, पृ. 330)

कहानी

एल्डर हयूग बी. ब्राटन के विषय में निम्नलिखित कहानी सुनाओ जो आगे चल कर गिरजाघर का प्रेरित बन गया ।

''बचपन में अगर रात को मुझें कोई बुरा स्वप्न दिखाई देता तो मैं जाग पड़ता और पूकारता ''माँ, क्या तुम वहाँ हो?'' चूँकि माँ का कमरा मेरे कमरे के बगल में था वह मुझे सुन सकती थी और तुरन्त गवाब देती, ''हाँ बेटे मैं यहाँ हूँ ''

''कुछ वर्षों बाद जब मैं अपने मिशन पर इंगलैंड चला गया, मेरी माँ ने मुझे याद दिलाया कि वह वहाँ नहीं रहेगी उसका जवाब देने के लिये लेकिन हमारा स्वर्गीय पिता जवाब देने के लिये सदा रहेगा ।

''अपने मिशन के दौरान बहुत बार और सारे जीवन मैंने पुकारा ''पिता, क्या आप हैं ? . . . और सदा ही मुझे उत्तर मिला'' (in Joleen Meredith, "Friend to Friend," Friend, Aug. 1975, p. 7)

समझाओ कि हो सकता है हमारा स्वर्गीय पिता जोर से हमसे न बोले लेकिन वह सदा हमको देखता रहता है । कभी कभी हमें शांति की भावना देकर या विचार दे कर वह हमारी सहायता करता है ।

शिक्षक द्वारा प्रस्तुति करण या अतिथि वक्ता

जब आप यह अनुभव करते हो कि आपका स्वर्गीय पिता आपको देख रहा है तो अपनी व्यक्तिगत गवाही दो या वार्ड या शाखा के किसी सदस्य को बुला कर उससे उसका अनुभव बताने को कहो ।

कला गतिविधि

प्रत्येक बच्चे को मोम या पेंसिल के रंग और एक गोलाकार कागज का टुकड़ा दो । प्रत्येक बच्चे से कहो कि वह अपना चेहरा उस गोलाकार में बनाये । प्रत्येक परिधि के ऊपर प्रत्येक गोलाकार के छिद्र में धागे का एक टुकड़ा डाल कर उसे बाँधो ताकि बच्चा उसे अपने गले में पहन सके । जो कुछ उस परिधि में लिखा है उसे जोर से पढ़ो और दूसरे बच्चों को भी पढ़ने दो ।

सारांश

गवाही

गवाही दो कि जैसे स्वर्गीय पिता यीशु मसीह को देखता था और प्यार करता था जब वह इस धरती पर था वैसे ही वह हम में से प्रत्येक को प्यार करता है और देखता रहता है ।

एक बच्चे की और इशारा करो और कहो ''स्वर्गीय पिता सदा हम लोगों को देखता रहता है (बच्चे का नाम दो)।'' प्रत्येक बच्चे के लिये इसे दोहराओ ।

बच्चों को उत्साहित करो कि वे स्वर्गीय पिता में विश्वास करें और आज रात अपनी प्रार्थना में उसकी रक्षा रखवाली माँगे ।

एक बच्चे को बुलाओ और अन्तिम प्रार्थना करने को कहो । बच्चे से कहो कि वह स्वर्गीय पिता से उसके प्यार और सहायता के लिये उसे धन्यवाद दे ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनाव करो कि आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे उपयुक्त क्या होगा । आप उसे अपने पाठ में भी उपयोग कर सकते हो या समीक्षा अथवा सारांश के रूप में । अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिये ''शिक्षक के लिए सहायता'' में देखें ''कक्षा का समय''

1. कुछ कागज तैयार करो कि विभिन्न परिस्थितियों में बच्चे किस प्रकार स्वर्गीय पिता की सहायता ले सकते है । इन टुकड़ों को एक डिब्बे में डाल दो और बच्चों को बारी बारी से उसमें से एक टुकड़ा निकालने दो ताकि वह बताये कि उस विशेष परिस्थिति में उसे क्या करना चाहिये तुम निम्नलिखित परिस्थितियों का उपयोग कर सकते हो या अपनी ओर से कुछ नया बना सकते हो ।

   क. आपका परिवार एक यात्रा पर जाने वाला है । आपके माता - पिता यात्रा के दौरान परिवार की रक्षा के लिए चिन्तित है ।
   ख. आपकी छोटी बहन अस्पताल में बीमार है । आप उसके लिए चिन्तित हो ।
   ग. जब आप परिवार के साथ घूम फिर रहे हो तो खो जाते हो ।
   घ. आपका पैर टूट जाता है और आप पीड़ा के कारण और पलस्तर के कारण बेचैन हो जाते हो । आपको बड़ी निराशा होती है।
   ड. आज आपका पहला दिन है कि आप एक नये वार्ड या शाखा के प्राथमिक में जा रहे हो और आप डर रहे हो ।

2. पूरे कमरे में कुर्सियो को उलटा - सीधा लगा दो और बच्चों से कहों कि वे कुर्सिया हमारे जीवन की समस्या दर्शाती हैं । एक बच्चे की आँखों पर पट्टी बाँध दो और उसे मुँह से बोल कर पूरे कमरे में जाने दो । यह समझाओ कि यद्यपि कि हम लोग अपने स्वर्गीय पिता को नहीं देख सकते, फिर भी उसकी आज्ञाओ का अनुसरण करने से हमारे जीवन में हमें उसकी सहायता मिलेगी । अगर एक बच्चा एक कुर्सी से टक्कर खाना है तो समझाओ कि हम सब समस्याओं से टकराते हैं और अपने स्वर्गीय पिता से अपनी समस्याओं के हल के लिये सान्तवना और सहायता प्राप्त कर सकते हैं । जो इसमे भाग लेना चाहता है उनमें प्रत्येक बच्चे की आँख पर पट्टी बाँधो और कमरे में घूमने दो ।

3. "God Is Watching Over All" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 229) या "I Know My Father Lives" गानों के दो छन्दों को गाओ या बोलो : (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 5). "I Know My Father Lives" के शब्द निर्देशिका के पीछे लिखे हैं ।

   परमेश्वर सभी को देख रहा है ।

   ऊँचे आकाश में जितने तारे चमक रहे हैं उनको परमेश्वर ने गिन रखा है संसार इतना बड़ा है और गौरया इतनी छोटी है लेकिन सब पर परमेश्वर दृष्टि रखता है ।

   वह रात और दिन को याद रखता है और प्रत्येक बच्चे को भी काम के समय या खेल के समय भी, वह आपको बुलायेगा कि तुम्हें क्या करना चाहिए परमेश्वर तुमको देख रहा है ।

   (Original title: "Loving Care." From Tuning Up of THE WORLD OF MUSIC series, © 1936 by Silver Burdett & Ginn. Used by permission.)

यीशु मसीह हम लोगों के समान ही एक बच्चा था

पाठ
9

उद्देश्य

बच्चों की इच्छा को पुष्ट करने के लिये कि वे यीशु मसीह के समान बने यीशु के बचपन की शिक्षा देना ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ मत्ती 2:19-23 और लूका 2:40-52 का अध्ययन करो और सुसमाचार के सिद्धान्त को भी पढ़ो (31110), अध्याय 11 ।

2. जैसा कि चित्र सेख्या 2-12 में दिखाया गया है कागज़ और तिनकों का प्रयोग करके एक ''लेपटकर'' प्राचीन पुस्तक तैयार करो, एक बाइबल का स्कूल जैसा पाठ में बताया गया है । उस लिपटी हुई गोल पुस्तक पर लिखो लूका 2:52

3. "Jesus Once Was a Little Child" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 55) के दो के छन्दों को गाओ या बोलो अगर सम्भव हो तो प्रथमिक के संगीत शिक्षक से कहो कि वह इस गाने को जाने के समय गाने के लिये बच्चों की सहायता करे सप्ताह के दौरान ।

4. आवश्यक सामग्रियाँ
   क . एक बाइबल
   ख) बच्चों की चीज़े जैसे बोतल, कम्बल और छुनछुना ।
   ग) स. चु. चार्ट (पाठ 1 को देखें)
   घ) चित्र 2-10 बाइबल का परिवारिक जीवन, चित्र 2-11 यीशु मसीह का बचपन (सुसमाचार कल चित्र किट 206; 62124); एक बाइबल स्कूल ; चित्र 2--13, बालक यीशु मन्दिर में (सुसमाचार कल चित्र किट 205; 62500) ।

5. जो कोई शक्तिकरण का कार्य आप करना चाहते हैं उसके लिये आवश्यक तैयारी करो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को बुला कर प्रारम्भिक की प्रार्थना कराओ ।

अगर सप्ताह के दौरान बच्चों को कुछ करने के लिये आपने प्रोत्साहित किया है तो उनसे पूछो ।

यीशु कभी एक बालक था

ध्यान गतिविधि

बच्चों के समान को चारों ओर घुमाओ ताकि बच्चे उन्हें छू सकें और पकड़ सकें । समझाओ कि ये समान किस काम आते हैं यह बताओ कि यीशु भी कभी बालक था ।

- क्या तुम सोचते हो कि यीशु ने इन चीज़ो का उपयोग किया होगा ?

इस बात को बताओ कि बहुत से समान जिन्हे यीशु ने उपयोग किया होगा वे उन्हीं के समान होंगे जैसे बच्चों ने उपयोग किया होगा । कुछ समान बहुत भिन्न थे । समझाओ कि इस पाठ के द्वारा बच्चे यीशु के बचपन के विषय में जान सकेंगे ।

यीशु के पास एक घर था

चित्र पर चर्चा

चित्र संख्या 2-10 को दिखाओ, बाइबल के समय का पारिवारिक जीवन । बच्चों को बताओ कि इसी प्रकार के घरों में नासरत के लोग रहते थे । नासरत ही वह शहर है जहाँ यीशु बड़े हुए (देखें मत्ती 2:23) और इसी प्रकार के घर में यीशु रहे होंगे । बच्चों को चित्र को समझने दो, बात करने दो और प्रश्न पूछने दो । अगर बच्चों के पास प्रश्न नहीं हैं तो तुम निम्नलिखित के समान उनसे कुछ पूछ सकते हो ।

- तुम क्या सोचते है परिवार कहाँ सोया होगा ? (चटाई की ओर इशारा करो जिसे वह स्त्री ले जा रही है और उसके पीछे के दराज़ में और मुड़ी हुई चटाइयां हैं । समझाओ कि घरों के छत समतल और प्रत्येक घर के बाहर की सीढ़ियों छत तक जाती थी । हो सकता है कि कभी कभी बच्चे छतों पर भी सोये होंगे ।)

- इस घर में बच्चा कहाँ सोता है ? (पलना की ओर इशारा करो । समझाओ कि युसुफ एक बढ़ई था और हो सकता है इसी प्रकार की पलना उसने बालक यीशु के लिये भी बनाई होगी ।)

- तुम क्या सोचते हो ये बड़े मटके किस काम के लिये उपयोग किये जाते है । (कुऐं में पानी होता है । सारा पानी जिसे परिवार उपयोग करना था उसे गाँव के कुऐं से लाते थे क्योंकि घरों में पाइप का पानी नहीं था । कुऐं का अर्थ धरती में एक गहरा गढ्ढा जहाँ साफ पानी होता है)

- वह सभी जो फर्श पर बैठी हैं क्या कर रही हैं ? (अनाज पीस रही हैं कि रोटी बनाये)
- चूँकि उस समय बिजली नहीं थी इस कारण वे कैसे अपने घरों में रोशनी करते थे ? (वे तेल के कुप्पे जलाते थे । उस बत्ती की ओर इशारा करो जो स्त्री के पीछे स्टूल पर रखी है । हो सकता है कि कुछ मटको में बत्ती के लिये तेल भी रखा हो ।

चित्र पर चर्चा

चित्र को दिखाओ 2-11 यीशु मसीह का बचपन ।

- इस चित्र में कौन लोग हैं ? (यीशु और युसुफ)
- वे क्या कर रहे हैं ?

समझाओ कि हो सकता है कि यीशु ने युसुफ के काम में उसकी सहायता की होगी और युसुफ ने अपने समान ही यीशु को भी बढ़ई बनाना चाहा हो । (मरकुस 6:3)

- तुम क्या सोचते हो यीशु ने अपने घर में और क्या सीखा होगा ?

इस बात पर ज़ोर दो कि यीशु को अपने घर में भविष्यवक्ताओं की कहानियाँ सुनाई गयी होगी जैसा कि हम बाइबल में पढ़ते है । उसे प्रार्थना करना और सही काम का चुनाव करना सिखाया गया होगा जैसा कि हमारे माता - पिता हमें सिखाते हैं । मरियम और युसुफ स्वर्गीय पिता में उसी प्रकार विश्वास करते थे जैसे हम लोग करते हैं ।

यीशु ने बालक के रूप में बहुत कुछ किया

गतिविधि

बच्चों को अपना हाथ बाहर निकालने दो । विभिन्न भोजन का नाम लो जिन्हें वे खा सकते हैं । बच्चों से कहो कि वे अपनी हथेली ऊपर उठाएं अगर वे सोचते हैं कि यीशु ने वह भोजन खाया होगा और हथेली को नीचा करें अगर वे सोचते हैं कि उन्होंने वह भोजन नहीं खाया । कुछ भोजन को बताओ जो बच्चे खाते हैं जिन्हें यीशु ने भी खाया होगा, जैसे रोटी, भेड़, शहद, अंगूर, खजूर और दूध ।

चर्चा

- तुम कैसे सोचते हो कि यीशु का बचपन तुम्हारे बचपन से भिन्न है ?
- तुम कैसे सोचते हो कि तुम्हारा बचपन यीशु के बचपन के समान है ?

बच्चों को उन बातों की चर्चा करने दो जिन्हें वे करते हैं और जिन्हें यीशु मसीह ने अपने बचपन में किया होगा । उदाहरण के लिये, उन बच्चों ने किसी साहसिक कार्य को किया होगा, माता - पिता की सहायता की होगी, विद्यालय गये होंगे, बच्चे की देखभाल की होगी, गाना गाया होगा, खेला होगा, दौड़ दौड़ी होगी, या घोड़े की सवारी की होगी । समझाओ कि हो सकता है कि यीशु ने इन चीज़ो को किया हो या इसी के समान कुछ और उदाहरण के लिये यीशु ने कभी घोड़े की सवारी न की हो, लेकिन कदाचित वह एक गधे पर बैठे ।

यीशु ने धर्मशास्त्रों का अध्ययन किया था

चित्र पर चर्चा

चित्र दिखाओ 2-12, एक बाइबल के समय गानों स्कूल । समझाओ कि नासरत के छोटे बच्चे किसी मन्दिर या गिरजाघर में स्कूल जाते थे । विद्यालय का शिक्षक ही उस गाँव के मन्दिर का मुखिया होता था । उसे रब्बी कह कर पुकारते थे ।

बच्चों को एक साथ रब्बी कहने दो ।

समझाओ कि घर पर शिक्षा प्राप्त करने के अलावा यीशु इसी प्रकार के किसी विद्यालय में गया हो ।

- आपके विद्यालय से यह विद्यालय कैसे भिन्न है ? (उत्तर में आयेगा कि लड़के कैसे कपड़े पहनते थे, वे कहाँ बैठते थे और पटरियाँ जिन पर वे लिखते थे ।

समझाओ कि इस समय छोटी लड़कियां विद्यालय नहीं जाती थीं । वे घर पर ही अपनी माता से शिक्षा ग्रहण करती थी ।

पट्टिका को दिखाना

दिखाओ कि विद्यालय में पुस्तकें नहीं हैं । यीशु के समय में लड़के पट्टिका से पढ़ते थे बच्चों को पट्टिका शब्द दोहराने दो ।

जो पट्टिका आपने बनायी है उसे बच्चों को दिखाओ । समझाओ कि पट्टिका एक लम्बा कागज होता है जिस पर लिखा होता है और दोनो ओर लकड़ी के टुकड़ो से चिपका होता है । जैसे ही एक ओर खोला जाता है तो दूसरा बन्द होने लगता है और एक पन्ने के आकार का बन जाता है । जो पट्टिका आपने बनाई है उसे दिखाओ । फिर पट्टिका को एक किनारे रख दो जो पाठ के बाद में काम आएगी ।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाओ कि जो पट्टिका लड़कों ने विद्यालय में पढ़ी हैं उनमें भविष्यवक्ताओं की शिक्षा थी जो यीशु मसीह के जन्म के पहिले रहते थे । बाइबल का वह भाग दिखाओ जिसे पुराना नियम कहते हैं । बच्चों को बताओ कि बाइबल के इस भाग में कुछ चीज़े लिखी हैं और कहानियाँ हैं जो पट्टिकाओं पर थीं ।

एक बच्चे को वह पट्टिका दिखाने को कहो चित्र में रब्बी अपने हाथ में पट्टिका लिये है और दूसरी पट्टिकाएं बक्से में हैं । समझाओ कि लड़के पट्टिका से लिखना पढ़ना सीखते थे । इसकी तुलना बाइबल से की जा सकती है जहाँ से पढ़ना लिखना सीख सकते हैं ।

धर्मशास्त्र कहानी

चित्र दिखाओ 2-13 बालक यीशु मन्दिर में और कहानी बताओ जैसा लूका 2:41-50 में लिखा है ।

बच्चों को इस बात को समझने में मदद करो कि मरियम और युसुफ अपने पहिले दिन की यात्रा के अन्त में जब उन लोगों ने यीशु को कहीं नहीं पाया तो बहुत चिन्तित और डरे हुए थे । वे तुरन्त यरूशलेम लौट गये और उसे पाने के पहिले तीन दिनो तक भटकते रहे ।

- मरियम और युसुफ ने यीशु को कहाँ पाया ?
- यीशु मन्दिर में क्या कर रहे थे ? (देखे लूका 2:46)

समझाओ कि यीशु उन लोगों से बातें कर रहे थे जिन्होंने धर्मशास्त्र का गहन अध्ययन किया था । ये लोग अचम्भे में पड़े थे कि यीशु इतना कैसे जानता था । ऊँचे स्वर में लूका 2:47 पढ़ो । समझाओ कि चकित का अर्थ होता है ''हैरान होना''।

हम लोग और अधिक यीशु के समान बन सकते हैं

चर्चा

समझाओ कि यीशु मरियम और युसुफ के साथ नासरत को लौट गया और वहीं बड़ा हुआ । वह पट्टिका निकालो जिसे तुमने बनाया है और उससे पढ़ो लूका 2:52 । समझाओ कि बढ़ता गया का मतलब है बड़ा होना ।

- धर्मशास्त्र के इस अंश का क्या अर्थ है जब हम पढ़ते हैं कि यीशु ज्ञान में बढ़ता गया ।

बच्चों को समझाओ कि उनमें से प्रत्येक ज्ञान में बढ़ रहा है क्योंकि उन लोगों ने सही को चुना है । कुछ उदाहरण दे कर समझाओ कि पिछले कुछ महीने की अपेक्षा अब वे अधिक ज्ञानी हैं ।

- पद के अन्तिम अंश का क्या अर्थ है जिसमें लिखा है कि यीशु ''परमेश्वर के अनुग्रह में'' बढ़ता गया स्वर्गीय पिता यीशु मसीह से प्रसन्न थे क्योंकि उन्होंने सदा वही किया था जो स्वर्गीय पिता ने उन्हें करने के लिए कहा था ।
- आप किस प्रकार परमेश्वर के अनुग्रह में बढ़ सकते हो ?

समझाओ कि स्वर्गीय पिता बहुत खुश होता है जब हम यीशु के अनुरूप बनने लगते हैं यीशु ने सदा सही का चुनाव किया ।

- आप क्या सोचते हो कि यीशु किसी बच्चे के साथ कैसा व्यवहार करेगा जिसका दूसरे लोग हँसी उड़ाते है ।

बच्चों को अपने से प्रश्न करने दो ''मैं एक बच्चे के साथ कैसा व्यवहार करूँ जिसकी दूसरे लोग हँसी उड़ाते हैं ।''

- जब बालक यीशु खेलता होगा और उसकी माता और युसुफ उससे किसी काम को करने को कहा तो तुम क्या सोचते उसने क्या किया होगा ?

बच्चों को स्वयं से प्रश्न करने दो ''अगर मैं खेल रहा हूँ और मेरे माता - पिता मुझसे कुछ करने को कहते हैं तो मुझे क्या करना चाहिए ।''

समझाओ कि यीशु मसीह भी दुसरों के संसर्ग में रहता हुआ ''अनुग्रह में बढ़ता गया'' (लूका 2:52) । लोग उसके अगल बगल रहना पसन्द करने लगे ।

- जब यीशु बालक था तो क्या तुम उसे अपना मित्र बनाना पसन्द करते ?

स. चु. चार्ट

स. चु. चार्ट दिखाओ और बच्चों से उसमें लिखे हुए शब्द दोहराने को कहो : ''मैं सही का चुनाव करूँगा ।'' उनको इस बात की याद कराओ कि जब उन लोगों ने सही का चुनाव कर लिया है तो वे और अधिक यीशु मसीह के समान बने ।

सारांश

गीत

बच्चों के साथ दोनो छन्द गाओ अथवा बोलो "Jesus Once Was a Little Child" उन शब्दों को समझाओ जिनको बच्चे नहीं जानते । उदाहरण के लिये, परेशान का मतलब होता है नाराज होना । यीशु कभी भी परेशान नहीं हुआ अगर चीज़ें उसके अनुसार नहीं चलती थीं ।

यीशु कभी एक छोटा बालक था,
मेरे ही समान एक छोटा बच्चा
और वह पवित्र था, विनम्र था और धैर्यवान था
बच्चे को ऐसा ही होना चाहिए ।
तो छोटे बच्चों
तुम और मैं
उसके समान बनने की कोशिश करें
कोशिश करें, कोशिश करें, कोशिश करें ।

वह वैसा ही खेलता था जैसे छोटे बच्चे खेलते हैं बचपन के खुशी के खेल लेकिन वह कभी परेशान नहीं हुआ
अगर खेल उसके विपरीत गया
और वह हमेशा सत्य बोलता था
तो छोटे बच्चों
तुम और मैं कोशिश करेंगे उसके समान बनने के लिये
कोशिश करो, कोशिश करो, कोशिश करो ।

गवाही

इस बात की गवाही दो कि सही का चुनाव करने और यीशु मसीह के समान बनने से हम खुश रह सकते हैं । बच्चों को बताओ कि तुम कितने धन्यावादित हो कि तुमने यीशु के जीवन का उदाहरण पाया है कि हमें किस प्रकार जीवन जीना चाहिए ।

बच्चों को समझाओ कि यीशु का बचपन बहुत कुछ तुम्हारे बचपन के समान है । उनको उत्साहित करो कि वे सदा सही को चुनें जैसा यीशु ने किया ।

एक बच्चे को बुलाओ कि वह समाप्ति की प्रार्थना कर सके

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनाव करो कि आपकी कक्षा के बच्चों के लिए क्या सबसे अच्छा है । आप उसे पाठ में भी उपयोग कर सकते हो या समीक्षा अथवा सारांश के रूप में । अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिए ''शिक्षक के लिए सहायता'' का ''कक्षा का समय'' पढ़ें ।

1. प्रत्येक बच्चे की लम्बाई किसी धागे या रस्सी से नापें । धागे या रस्सी का टुकड़ा काटें और प्रत्येक बच्चे को दे दें कि वह उसे अपने पास रखे । बच्चों को बताओ कि जैसे जैसे उनका शरीर बढ़ता है वैसे वैसे वे परमेश्वर के अनुग्रह में भी बढ़ें । यह काम वे तभी सफलता से कर सकते हैं जब वे सही चुनाव करेंगे जैसे यीशु करते थे ।

2. बच्चों को लूका 2:52 को आपके साथ कुछ बार दोहराने को कहो । चर्चा करो कुछ तरीकों का जो उन्हें स्वर्गीय पिता के अनुग्रह में बढ़ा सकता है ।

3. यहाँ कुछ भोजन लाओ जिसे कदाचित यीशु मसीह ने खाया जैसे अंचीर, अंगूर, खजूर, पनीर, रोटी, या जैतून और बच्चों को चखने दो । पहिले ही से बच्चों के माता - पिता से पता लगा लो कि जो भोजन तुम लाते हो उसे खाने का विपरीत प्रभाव तो किसी बच्चे पर नहीं पड़ता है ।(अगर वह उपवास का रविवार है और तुम यह पाठ पढ़ा रहे हो तो भोजन मत लाओ)

4. उन चीज़ो की चर्चा करो जो बच्चे कर सकते हैं और उसकी उन कार्यो से तुलना करो जो वे अभी कर सकते है । निम्नलिखित प्रकार के प्रश्न करो :-

   - क्या बच्चा चल सकता है ? क्या तुम चल सकते हो ?
   - क्या बच्चा बात कर सकता है ? क्या तुम बात कर सकते हो ?

   समझाओ कि जैसे जैसे बच्चे बढ़ते जाते हैं सही का चुनाव करने से उद्धारक के समान उनका सामर्थ भी बढ़ता जाता है ।

5. प्रत्येक बच्चे को एक नमक की लोई (गुंधा हुआ आटा) दो और उसे एक कटोरा, गुलदस्ता या कोई और चीज़ बनाने को कहो जिसका उपयोग कदाचित उस समय हुआ था जब यीशु मसीह एक बालक थे ।

   नमक की लोई

   आवश्यक सामान

   दो प्याले आटा
   एक प्याला नमक
   एक चम्मच तेल

पानी
खाने का रंग (इच्छानुसार)

निर्देशन : नमक और आटे को मिला दो । इतना तेल और पानी मिलाओ कि मिट्टी के लोई के समान बन जाये । थोड़ा और पानी मिलाओ जब तक कि वह सही तरीके का मिश्रण न बन जाये । घी में गूँधों । अगर तुम उस लोई को रंगना चाहते हो, नमक और आटा मिलाने के पहले पानी को रंग दो । उस लोई को बिल्कुल बन्द पात्र में रखें ।

पाठ
10

मैं स्वर्गीय पिता से प्रार्थना में बातें कर सकता हूँ

उद्देश्य

बच्चों की सहायता करो कि वे समझे कि आदरपूर्वक प्रार्थना करने से वे स्वर्गीय पिता के निकट पहुँच सकते हैं

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ अध्ययन करो मत्ती 6:9 और 3 नफी 18:18-20 । देखो धर्मशास्त्र के सिद्धान्त (31110) अध्याय 8

2. निम्नलिखित शब्द पट्टियाँ बनाओ :

तू, तुम

तेरा, आप

3. निम्नलिखित के समान प्रश्न अलग कागज पर लिखो । आपकी कक्षा में प्रत्येक बच्चे के लिए कम से कम एक प्रश्न हो (अगर आपकी कक्षा छोटी है तब आप प्रत्येक बच्चे के लिए दो प्रश्न रख सकते हो ।)
   क अगर आपके परिवार में किसी को कुछ समय के लिये घर के बाहर जाना पड़े तो आप अपने स्वर्गीय पिता से प्रार्थना में क्या मांगोगे ।
   ख. अगर आपका पाठ सही का चुनाव पर आधारित है तो आप अपनी कक्षा की प्रार्थना में स्वर्गीय पिता से क्या मांगोगे ।
   ग. अगर पाठ में दया की बात कही गयी है तो आप अपनी कक्षा की प्रार्थना में स्वर्गीय पिता से क्या मांगोगे ।
   घ. अगर आपका दोस्त बीमार है और खेलने के लिये वह बाहर नहीं आ सकता है तो आप अपनी प्रार्थनाओं में क्या मांगोगे ?
   ड. आप सुबह शाम अपनी प्रार्थनाओं में क्या मांगोगे ?
   त. जब हम लोग प्रार्थना करते हैं तो अपने प्राथमिक की कक्षा के बच्चों के लिये क्या मांगे

4. गाने की तैयारी करो या शब्द बोलो "A Prayer Song" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 22)

5. आवश्यक सामाग्रियाँ
   क) एक बाइबल और मॉरमन की पुस्तक
   ख) चित्र 2-14, कक्षा की प्रार्थना (62200) चित्र 2-15, ब्रिंघम यंग, चित्र 2-16 हर्बट जे॰ ग्रान्ट एक बालक के रूप में ।

प्रस्तावित पाठ विकास

ध्यान गतिविधि

किसी बच्चे को प्रार्थना करने के लिए बुलाने से पहले चित्र सं॰ 2-14 दिखाओ, कक्षा की प्रार्थना, और बड़ी भक्ति के साथ गाओ अथवा शब्दों में कहो "A Prayer Song"

आज हम अपने सिरों को प्रार्थना में झुकाते हैं और अपनी हाथों को जोड़ते हैं फिर आँखे बन्द करते है और जब हम लोग प्रार्थना करते हैं तो परमेश्वर पिता से बात - चीत करते हैं ।

- जब कक्षा में से कोई प्रार्थना करता है, तब बाकी लोगों को क्या करना चाहिए ?

"A Prayer Song" को फिर से गाओ । बच्चों को वही करने के लिये तैयार करो जो कुछ गाने में कहा गया है ।

एक बच्चे को बुलाओ कि वह प्रारम्भिक प्रार्थना करे ।

प्रार्थना करने के पहले हम तैयार हो जाते हैं

चर्चा

- गाना क्या कहता है कि हमें करना चाहिए कि हम प्रार्थना के लिये तैयार हो जाएं ?

- जब हम प्रार्थना करते हैं तो अपने सिरों को क्यों झुकाते हैं ?

बच्चों को यह समझने में सहायता करो कि जब हम स्वर्गीय पिता से प्रार्थना करते हैं तो सिर झुका कर यह प्रकट करते हैं कि हम उन्हें प्यार करते, आदर और सम्मान देते हैं । स्वर्गीय पिता किसी भी महाराजा, अध्यक्ष या धरती पर किसी भी व्यक्ति से अधिक शक्तिशाली है और उसने हम लोगों के लिये बहुत कुछ किया है । हम लोगों को यह प्रकट करना चाहिए कि हम उन्हें प्यार करते और आदर करते हैं ।

- हम अपनी हाथों को क्यों जोड़ते हैं ?

बच्चों को यह समझने में सहायता करो कि प्रार्थना के दौरान हाथ हिलाने डुलाने से दूसरे लोगों को प्रार्थना सुनने में विघ्न पड़ता है ।

- प्रार्थना के समय हम अपनी आँखे क्यों बन्द करते हैं ?

हो सकता है कि बच्चे उत्तर ढूँढने के लिये कुछ क्षण के लिये अपनी आँखे बन्द करें ।

बच्चों को यह समझने में सहायता करो कि जब वे अपनी आँखे बन्द करते हैं तो उन्हें अपने अगल बगल की चीज़ों के कारण कम विघ्न पड़ता है । वे स्वर्गीय पिता के विषय में सोच सकते हैं और यह कि वे उनसे क्या कह रहे हैं ।

जब हम स्वर्गीय पिता से प्रार्थना करते है तो हम उनके निकट होने का अनुभव करते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाओ कि जब हमारे सिर झुके होते हैं, हाथ जुड़े रहते हैं और आँखे बन्द रहती हैं तब हम अपने अगल-बगल से हट कर अपनी प्रार्थना पर ध्यान दे सकते हैं । तब हम शांति का अनुभव करते और स्वर्गीय पिता की निकटता महसूस कर सकते हैं । हम उससे बात-चीत करने के लिए तैयार रहते हैं ।

कहानी

चित्र दिखाओ 2-15, ब्रिगहम यंग और 2-16 हिबर जे॰ ग्रान्ट एक लड़के के रूप में और अपने शब्दों में एक छोटे लड़के की कहानी सुनाओ जिसने प्रार्थना को समय स्वर्गीय पिता की निकटता महसूस किया ।

बहुत वर्ष पहिले ब्रिगहम यंग गिरजाघर के भविष्यवक्ता और अध्यक्ष थे । एक 6 वर्ष के बालक के रूप में हिबर जे॰ ग्रान्ट अध्यक्ष यंग के छोटे बालकों के साथ खेलता था । बहुधा हिबर अध्यक्ष यंग के घर में खेला करता था जब वहाँ परिवार की प्रार्थना का समय होता था । हिबर परिवार के साथ घुटने टेकता, अपनी बाहों को समेटता, अपने सिर को झुकाता, अपनी आँखो को बन्द करता और सुनता था जब अध्यक्ष यंग प्रार्थना करते थे क्योंकि जिस भाँति अध्यक्ष यंग स्वर्गीय पिता से बातें करते थे, हिबर को ऐसा लगता था मानो स्वर्गीय पिता उस कमरे में उपस्थित हैं । कभी कभी हिबर अपनी आँख खोल कर देखता कि क्या स्वर्गीय पिता वहाँ है । लेकिन वह केवल अध्यक्ष यंग और उनके परिवार को ही वहाँ पाता । फिर भी वह सोचता था कि स्वर्गीय पिता अध्यक्ष यंग के साथ था, उनकी बातें सुन रहा था, और जो कुछ वह उनसे मांग रहा था वह उसे दे रहा था ।

जब हेबर बड़ा हो गया वह एक प्रेरित बन गया और बाद में चल कर वह गिरजाघर का अध्यक्ष बन गया (देखें Heber J. Grant, Gospel Standards, comp. G. Homer Durham [Salt Lake City: Improvement Era, 1941], जाने . 223--24.)

हिबर जे ग्रान्ट के समान ही स्वर्गीय पिता से आप अपना व्यक्तिगत अनुभव बाँटना चाहोगे जब आपने प्रार्थना के दौरान स्वर्गीय पिता की निकटता का अनुभव किया ।

बच्चों को बताओ कि जब हम प्रार्थना करते हैं तो स्वर्गीय पिता हमें सुनता है । प्रार्थना के दौरान सिर को झुकाने, हाथों को जोड़ने और आँखों को बन्द करने से हम स्वर्गीय पिता की निकटता अनुभव कर सकते हैं ।

जब हम प्रार्थना करते हैं तो आदरपूर्वक बोलते हैं

धर्मशास्त्र चर्चा

समझाओ कि जब हम प्रार्थना करते हैं तो हम स्वर्गीय पिता के प्रति अपना प्यार और सम्मान प्रकट करते हैं ।

- जब तुम किसी से बात करना चाहते हो तो उसका ध्यान अकर्षित करने के लिए सबसे पहिले कौन से शब्द का उपयोग करते हो ? (उसका नाम)
- जब आप स्वर्गीय पिता से बाते करना चाहते हो तो सबसे पहले क्या कहते हो ?

समझाओ कि प्रार्थना में सबसे पहले हम स्वर्गीय पिता का नाम लेते हैं । बच्चों को बताओ कि जब यीशु इस धरती पर थे तो उन्होंने हमें ऐसा करना सिखाया । ऊँची आवाज में मत्ती 6:8 पढ़ो और समझाओ कि हम लोग ''हमारे पिता जो स्वर्ग में है'' उसे छोटा करके कहते हैं ''हमारे पिता स्वर्ग में है'' अथवा ''स्वर्गीय पिता''

बच्चों को समझाओ कि यीशु ने हमें बताया कि किस प्रकार हमें अपनी प्रार्थना का अन्त करना चाहिए । ऊँची आवाज में पढ़ो 3 नफी 18:19

- यीशु ने किस प्रकार प्रार्थना को समाप्त करने को कहा है । (उसके नाम में । हम लोग अपनी प्रार्थना इन शब्दों से अन्त करते हैं : यीशु मसीह के नाम में, आमीन)
- जब हम लोग कक्षा की प्रार्थना या परिवार की प्रार्थना कर रहे हैं और जो व्यक्ति प्रार्थना कर रहा है, कहता है ''आमीन'' तो हम लोग क्या करते हैं ?

समझाओ कि जब हम लोग समूह की प्रार्थना के अन्त में ''आमीन'' कहते हैं उसका अर्थ है कि प्रार्थना करने वाले ने जो कुछ कहा उससे हम सहमत है । हम लोग उसके साथ प्रार्थना कर रहे थे जिसने प्रार्थना की ।

शब्द पट्टियों पर चर्चा

बच्चों से पूछो कि क्या उन लोगों ने इस बात का ध्यान दिया कि जब हम लोग स्वर्गीय पिता से प्रार्थना कर रहे थे हम उन्हें तू, तुम कह कर सम्बोधित नहीं करते जैसे कहा जाता है ''मेरा, तुम्हारा, धन्यावाद'' या ''हम तुझसे, तुमसे मांग ते''

शब्द पट्टी ''तुम'' दिखाओ

- हम लोग तुम शब्द के स्थान पर किस शब्द का उपयोग करते हैं (आप) ।

शब्द पट्टी तुम शब्द पट्टी आप से ढक दो । बच्चों को आदरपूर्वक दोहराने दो ''हम आपको धन्यावाद देते हैं'' और ''हम आपसे मांगते हैं''

हम लोग तेरा तुम के स्थान पर ''आप'' क्यों कहते है ? (यह कहने का दूसरा ढंग है कि हम स्वर्गीय पिता को आदर और सम्मान देते हैं ।)

हम लोग स्वर्गीय पिता को उनकी आशिषँ के लिए प्रार्थना के द्वारा धन्यावाद देते हैं

खेल

बच्चों को बताओ कि दो महत्वपूर्ण कारण है कि हम प्रार्थना करें । बच्चों को यह जानने के लिए कि वे प्रार्थना करने का पहला महत्वपूर्ण कारण का पता लगाएं, उन्हें दो टीमों में बाँट दो । दोनो टीमों में से बच्चों से कहो कि बारी बारी से वे बताएं कि स्वर्गीय पिता ने उनके लिये क्या किया है । प्रत्येक बार वे कोई ऐसी चीज़ का नाम बताएं जिसे पहले नहीं बताया गया है । अगर कोई टीम शीघ्रता से जवाब न दे सके तो अवसर दूसरी टीम को जाना चाहिए । यह खेल कुछ समय तक खेलते रहें जब तक ऐसा न हो कि कोई टीम कोई नयी चीज़ न सोच पाये जिसे पहले से बताया न गया हो ।

अगर बच्चों ने निम्नलिखित सम्भावित उत्तर नहीं दिया है तो उसे अब बताओ

स्वर्गीय पिता ने हम लोगों को हमारा जीवन दिया है ।

उन्होंने हमें हमारा परिवार दिया है ।

उन्होंने हमें यह धरती दी है ।

उन्होंने यीशु मसीह को इस धरती पर भेजा कि वह हमारी सहायता करे ।

उन्होंने आश्वासन दिया कि वह उसकी प्रार्थना का जवाब सबसे अच्छी प्रकार से देंगे ।

चर्चा

निम्नलिखित प्रश्नों को बच्चों के साथ चर्चा करें :

जब आपको कोई उपहार देता है । या आपको प्यार दिखाता है, तो आपको क्या कहना चाहिए ?

औरों से अधिक किसने अधिक उपहार दिये हैं ?(स्वर्गीय पिता)

प्रार्थना करने का पहला कारण क्या है ? (अनेक आशीषें जो उसने हमें दी हैं उनके लिए स्वर्गीय पिता को धन्यावाद देना)

इस बात पर जोर दो कि जैसे हम अपने माता - पिता को, परिवार के सदस्यों को अथवा दोस्तों की उनके सेवाओं के लिए धन्यावाद देते, उसी प्रकार हमें अपने स्वर्गीय पिता को, जो कुछ वह हमारे लिये करते हैं धन्यावाद देना है । स्वर्गीय पिता खुश होता है जब हम उसे धन्यावाद देते हैं ।

हम लोग स्वर्गीय पिता से सहायता लेने के लिए उनसे प्रार्थना करते हैं

कहानी

बच्चों की सहायता करने के लिए स्टीफन के विषय में निम्नलिखित कहानी कहो ताकि बच्चे प्रार्थना करने का दूसरा कारण जान सकें । स्टीफन हाल ही में अपने माता-पिता के साथ एक नये शहर में आया था । स्कूल में पहले दिन वह अपनी कक्षा में किसी को नहीं जानता था । स्टीफन को बहुत खराब लगा । वह घर चला जाना चाहता था । उसने अपना सिर डेस्क पर रख लिया क्योंकि वह नहीं चाहता था कि कोई उसे रोता हुआ देखे ।

शीघ्र ही शिक्षक ने देखा कि स्टीफन ने अपना सिर डेस्क पर रख दिया है । उसने सोचा कि शायद वह बीमार हो, इस कारण वह उसके पास गयी । स्टीफन को बहुत शर्म आयी कि वह स्कूल में रो रहा था और उसने अपने को रोकने की कोशिश की लेकिन उस बहुत बुरा लगा कि वह अपने को न रोक सका ।

शन्तिपूर्वक ताकि उसे कोई न सुने, उसने प्रार्थना किया ''कृपा कर स्वर्गीय पिता, मुझे रोने से रोक ले ।''

शीघ्र ही स्टीफन अपने को सम्भाल सका । उसने अपने शिक्षक से कहा कि उसे अच्छा अनुभव हो रहा है और यह उसके लिए खुशी का दिन है ।

चर्चा

किस चीज ने स्टीफन को अच्छा महसूस कराया ?

आपकी प्रार्थना ने आपकी कैसे मदद किया ?

गतिविधि

समझाओ कि प्रार्थना करने का दूसरा कारण है कि हम स्वर्गीय पिता से सहायता मांगें । कुछ खास तरीके जिससे बच्चे समझ सकें कि उन्हें अपनी प्रार्थना में सहायता कैसे मांगनी चाहिए वह यह कि वे अपने प्रश्न पत्र को मेज या फर्श पर फैला दें । प्रत्येक बच्चा एक कागज का टुकड़ा ले । प्रत्येक सवाल को पढ़े और जिस बच्चे ने उसे चुना है, वह उसका जवाब दे ।

बच्चों को यह समझने में सहायता करो कि स्वर्गीय पिता की सहायता पाने के लिये हमें सही का चुनाव करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा । तब अगर हम सहायता के लिए प्रार्थना करते हैं, जिसे हमारा स्वर्गीय पिता जानता है कि वह हमारे लिये सबसे अच्छा है तो जिस चीज के लिए हमने प्रार्थना की है वह हमें दे देगा (3 नफी 18:20)

सारांश

चर्चा

आज की अन्तिम प्रार्थना में हम अपने स्वर्गीय पिता को किस लिये धन्यावाद करें (उत्तर में कह सकते है कि प्राथमिक में आने का अवसर और प्रार्थना के विषय में और जानकारी मिली ।)

हम लोग अपने स्वर्गीय पिता से अपनी प्रार्थना में क्या मांग सकते हैं ?

गवाही

इस बात की गवाही दो कि रोज स्वर्गीय पिता से बात करना कितना महत्वपूर्ण है । बच्चों को याद कराओ कि हम लोगों को, सवेरे, शाम और जब कभी हम किसी विशेष ज़रूरत को महसूस करते हैं या स्वर्गीय पिता के प्रति अपने के अनुग्रहीत समझते हैं ।

बच्चों को उत्साहित करो कि वे इस बात को याद करें कि इस सप्ताह प्रति दिन वे सुबह और शाम प्रार्थना करें ।

एक बच्चे को बुलाओ कि वह समापन प्रार्थना करें । बच्चों को तैयार करो कि वे प्रार्थना के पहिले "A Prayer Song" गाकर प्रार्थना करें और वही करें जो कुछ गाने में करने को कहा गया है । उन्हें याद कराओ कि स्वर्गीय पिता सुन रहा है और यह कि कमरे में जितने लोग हैं सभी प्रार्थना कर रहे हैं यद्यपि कि केवल एक व्यक्ति ही शब्द बोल रहा है । बच्चों को याद कराओ कि वे प्रार्थना के अन्त में ''आमीन'' कहें ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनो कि आपकी कक्षा के बच्चों के लिए क्या सबसे अच्छा होगा । आप उन्हें पाठ के अन्दर भी समीक्षा या सारांश के रूप में उपयोग कर सकते हो । अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिये ''शिक्षक के लिए सहायता'' का ''कक्षा का समय'' देखें ।

1. प्रत्येक बच्चे को गाने "I Will Pray Reverently," के पर्चे की एक प्रति या प्रतिलिपि दो जो पाठ के अन्त में दिया हुआ है । बच्चों को मोम के रंग दो और उन्हें चित्र को रंगने दो । बच्चों को उत्साहित करो कि वे अपने चित्र को अपने परिवार को दिखाएं और उन्हें बताएं आज उन्होंने प्रार्थना के विषय में क्य सीखा है ।

2. बच्चों की सहायता करो कि गाना के प्रथम छन्द को गाएं "We Bow Our Heads" या उसके कुछ शब्द बोलें (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 25), और जैसा बताया गया है हावभाव करें ।

   हम लोग अपने सिरो को झुकाते हैं (सिर को झुकाओ)
   और अपनी आँखे बन्द करते हैं (आँखे बन्द करो)
   और एक छोटी प्रार्थना करते है (बाहों को समेटो) । हम अपने स्वर्गीय पिता को उनकी सारी आशिषों के लिये जो हमें मिलती हैं बहुत आदर पूर्वक धन्यावाद देते हैं (अपनी बाहों को फैलाओ)

3. बच्चों को यह याद कराने के लिये कि प्रार्थना के समय उन्हें क्या कहना चाहिए, "I Pray in Faith" के दूसरे छन्द को गाओ अथवा शब्दों में बोलो । (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 14)
   मैं इस प्रकार शुरू करता हूँ

   ''प्यारे स्वर्गीय पिता,
   मैं उन्हें उन आशिषों के लिये धन्यावाद
   देता हूँ जिसे वह हमें देते हैं

फिर बड़ी विनम्रता से उन चीज़ो को माँगते हैं
जिनकी हमें ज़रूरत है,
यीशु मसीह के नाम में, आमीन ।''

(© 1987 by Janice Kapp Perry. Used by permission.)

4. बच्चों को मोम या पेंसिल के रंग दो और प्रार्थना करते हुए आपना चित्र बनाने दो । वे पारिवारिक प्रार्थना का चित्र, सुबह और शाम की व्यक्तिगत प्रार्थना का चित्र, भोजन के समय की प्रार्थना का चित्र या किसी और जगह या समय का चित्र बना सकते हैं ।

मैं आदरपूर्वक प्रार्थना करूँगा

पाठ
11

मैं दूसरों को यीशु मसीह के विषय में बता सकता हूँ

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को प्रेरणा दें कि वे दूसरों को यीशु मसीह के विषय में जानने के लिये मदद करें ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक अलमा 17:19, 23 का अध्ययन करें ।
2. अपने को तैयार करो कि गाना गाओ या शब्द बोलो "I Hope They Call Me on a Mission" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 169)
3. आवश्यक सामग्रियाँ
   क) मॉरमन की पुस्तक
   ख) स. चु. चार्ट (पाठ 1 देखें)
   ग) चित्र सं॰ 2-17 मुसायाह प्रार्थना में घुटना टेके है, चित्र सं॰ 2-18 अमोन राजा लामोनी को पढ़ाता है ।
4. किसी शक्तिकरण के गतिविधि के लिये तैयार करो जिसे आप उपयोग करना चाहते हो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

किसी बच्चे को प्रारम्भिक प्रार्थना करने के लिये बुलाओ ।

अगर आपने सप्ताह के दौरान बच्चों को किसी काम को करने के लिये प्रोत्साहित किया है, तो उसकी जांच करो ।

समीक्षा

बच्चों की आदर और जो भाषा उन्होंने ने प्रार्थना में उपयोग किया है उस पर अपने विचार दो । प्रार्थना के महत्व पर ज़ोर डालने के लिए पिछले पाठ की शीघ्रता से समीक्षा करो ।

प्रचारक यीशु मसीह के विषय में दूसरों को बताते हैं

ध्यान गतिविधि

"I Hope They Call Me on a Mission" गाने को गाओ या शब्द बोल कर बच्चों को सुनाओ ।

मैं आशा करता हूँ कि वे मुझे मिशन पर बुलायेंगे, जब मैं काफी बड़ा हो जाऊंगा । मैं आशा करता हूँ कि तब तक हम तैयार हो चुके होंगे कि प्रचारकों के समान पढ़ा सकें और प्रचार कर सकें ।

मैं आशा करता हूँ कि मैं सुसमाचार को उन लोगों के साथ बाँट सकता हूँ जो सच्चाई को जानना चाहते हैं । मैं एक प्रचारक बनना चाहता हूँ और जब तक मैं जवान हूँ तब तक अपने स्वामी की सेवा और सहायता करूँ ।

- क्या तुम किसी प्रचारक को जानते हो ?

बच्चों को उन प्रचारकों के विषय में बात करने दो जिनके विषय में वे जानते हैं, जैसे परिवार के लोग जो मिशन पर गये हो या वह प्रचारक जो आपके क्षेत्र में पाये जाते हों ।

- प्रचारक क्या करते हैं ?

समझाओ कि इस पाठ में बच्चे सीखेंगे कि जब वे छोटे ही हैं तब कैसे वे प्रचारक बन सकते हैं ।

धर्मशास्त्र कहानी

बच्चों को मॉरमन की पुस्तक दिखाओ और मूसायाह के पुत्रों की कथा सुनाओ जैसा कि अलमा 17:6-12 में पाया जाता है । समझाओ कि मुसायाह का कोई बेटा अगला राजा बन सकता था लेकिन वे सभी प्रचारक बनना चाहते थे । वे लमनायटियों को पढ़ाना चाहते थे जो उस समय बुहत दुष्ट थे । मूसायाह के लड़के सुसमाचार सुनाने का अवसर चाहते थे । समझाओ कि चूँकि लमनायटी दुष्ट थे, मुसायाह के पुत्रों के लिये उन्हें शिक्षा देना जोखिम भरा था ।

- तुम कैसे सोचते हो कि लमनायटियों को शिक्षा देने के पहले मुसायाह के पुत्रों ने अपने को कैसे तैयार किया ?

चित्र दिखाओ 2-17 मुसायह के चारों पुत्र प्रार्थना में घुटने टेके पुत्र ने हैं ।

समझाओ कि मुसायाह के पुत्रों ने स्वर्गीय पिता से प्रार्थना किया कि वह उन्हें अच्छा प्रचारक बनने में सहायता करें । स्वर्गीय पिता ने कहा कि वह उन पर दृष्टि करेगा और वे अनेक लोगों को शिक्षा देगें (देखे अलमा 17:10-11) ऊँचे स्वर में अलमा 17:12 पढ़ें । इस बात को दर्शाओ कि प्रार्थना के द्वारा मुसायाह के पुत्रों को साहस मिला कि वे लमनायटियों को शिक्षा दे सकें ।

धर्मशास्त्र कहानी

समझाओ कि मुसायाह के सभी पुत्र शिक्षा देने के लिये दूसरे क्षेत्रों में चले गये । चित्र दिखाओ 2-18 अमोन राजा लेमोनी को शिक्षा देता है और जो कथा अलमा 17:17-25 में पायी जाती है उसे सुनाओ । समझाओ कि मुसायाह के एक पुत्र ने, अमोन लमनायटी के राजा, लेमोनी का सेवक बनना स्वीकार किया । अमोन को राजा की भेड़ों को देखने का काम मिला । अमोन राजा लेमोनी का सबसे अच्छा सेवक बना । अमोन ने इतना अच्छा उदाहरण पेश किया कि राजा लेमोनी और उसके लोग सुसमाचार को जानने इच्छुक बन गये ।

समझाओ कि अमोन और उसके भाइयों के कामों के कारण हज़ारो लमनाटी गिरजाघर से जुड़े । (देखे अलमा 23:5)

चर्चा

- अमोन और उसके भाइयों ने क्यों लमनायटियों को सुसमाचार सुनाने के लिये अपने जान की जोखिम उठाई ? (सुसमाचार उनके जीवन में खुशी लाया और वे उसे दूसरों के साथ बाँटने के इच्छुक हुए ।)
- अमोन ने क्या किया कि उसे लमनायटियों को सुसमाचार सुनाने में सहायता मिली ? (उसने सहायता के लिये प्रार्थना की, उसने कठिन परिश्रम किया, वह एक अच्छा उदाहरण ठहरा)

हम लोग प्रचारक बन सकते हैं

समझाओ कि प्रचारक बनने का एक तरीका यह है कि हम लोग यीशु मसीह के विषय में दूसरों को बतायें । यह महत्वपूर्ण है कि सभी लोग यीशु और गिरजाघर के विषय में जाने ।

कहानी

एक कहानी बताओ जिसमें एक बच्चे ने दूसरों को यीशु और गिरजाघर के विषय में जानने में मदद दी । आप निम्नलिखित कहानी का उपयोग कर सकते हो :

कभी कभी थड को स्टेक की बैठक में भाग लेना मुश्किल होता था क्योंकि उसे ऐसा लगता कि अधिक बातें बड़ो के लिए ही होती थीं । लेकिन जब थड ने स्टेक अध्यक्ष को यह कहते हुए सुना ''बच्चों, तुम भी प्रचारक बन सकते हो'' तब वह प्रचारक बनने के उपाय सोचने लगा और यीशु के विषय में दूसरों करे बताने लगा ।

अगली सुबह नाश्ते के समय थड ने अपने माता - पिता से बातें की कि वे अपने पड़ोसी, श्रीमती मर्फी को बुलाये ताकि वह गिरजाघर के विषय में जान सके । थड के माता - पिता को लगा कि यह एक अच्छा विचार है, तो थड श्रीमती मर्फी के घर चला गया और उनसे पूछा कि क्या यीशु और गिरजाघर के विषय में जानना पसन्द करेंगी ? श्रीमती मर्फी ने उत्तर दिया कि ठीक है और शीघ्र ही वह प्रचारकों से सीखने लगी ।

- क्या होता अगर थड नहीं पूछता कि क्या श्रीमती मर्फी यीशु और गिरजाघर के विषय में जानना पसन्द करेंगी ?

थड के माता - पिता उसके उदाहरण पर चलने लगे । वे अपने दोस्तों और दूसरे लोग जो उन्हें मिलते उनसे वे गिरजाघर के विषय में बातें करते । कुछ लोग गिरजाघर के विषय में सुनना नहीं चाहते थे लेकिन कुछ लोग सुनना चाहते थे और कुछ लोगों ने बपतिस्मा भी लिया । जब मर्फी का बपतिस्मा हुआ तब उसने थड को धन्यावाद दिया कि उसने उन्हें उद्धारक के विषय में और जानने में सहायता की ।

चर्चा

थड को एक उदाहरण के रूप में ले कर यह बताओ कि बच्चे प्रचारक बन सकते हैं और दुसरों को यीशु और गिरजाघर के विषय में बता सकते हैं ।

- आप किसको यीशु के विषय में बता सकतें हो ?

बच्चों को यह सोचने में सहायता करो कि वे किसको यीशु के विषय में बता सकते हैं जैसे, दोस्त, पड़ोसी और रिश्तेदार जो गिरजाघर के सदस्य नहीं हैं या गिरजाघर नहीं जाते हैं ।

समझाओ कि हम में से प्रत्येक दयालु दूसरों के प्रति शुभचिंतक और सुसमाचार के अनुसार जीवन बिताने के अच्छे उदाहरणों के द्वारा हम प्रचारक बन सकते हैं । बच्चों को याद कराओ कि अनोन अच्छे उदाहरण दे कर एक अच्छा प्रचारक बन गया ।

कहानी

उन बच्चों के विषय में निम्नलिखित कहानी अपने शब्दों में बताओ जो प्रचारक बन गये :

एक दिन दो प्रचारकों ने एक दरवाजे को खटखटाया । एक स्त्री, श्रीमती जेम्स ने दरवाजा खोला । उन लोगों ने बताया कि वे अन्तिम दिनों के सन्तों का मसीही गिरजाघर के प्रचारक है । श्रीमती जेम्स ने उन्हें अन्दर बुलाया और कहा कि वह गिरजाघर के विषय में और जानना चाहँगी । इस बात से प्रचारक बहुत खुश हुए ।

श्रीमती जेम्स ने कहा कि वह पड़ोस में एक परिवार के बगल में रहता थी जो उस गिरजाघर का सदस्य थे । उसने बताया कि उस परिवार के बच्चे बहुत विनम्र और दयालु थे । वे दूसरों के साथ सीधा और सच्चा व्यवहार करते और दूसरों की सम्पत्ति का आदर करते थे । श्रीमती जेम्स ने कहा कि वह उस गिरजाघर के विषय में और अधिक जानना चाहेंगी जिसने उन बच्चों को इतना अच्छा पड़ोसी बनाया ।

- श्रीमती जेम्स के पड़ोस में कैसे से बच्चे रहते थे ?
- किस प्रकार आप अपने पड़ोसी और दोस्तों के लिये अच्छे उदाहरण बन सकते हो ?

नाट्कीय गतिविधि

बच्चों को समझाओ कि वे अनेक अवस्थाओं को दर्शायें जिसमें वे दयालु और चिन्तित बन कर प्रचारक बन सकते हैं ।

बच्चों को उस अवस्था के विषय में सुनने दो, फिर कुछ बच्चों को चुनो कि वे उस अवस्था में क्या करेंगे । प्रत्येक बच्चे को मौका दो कि कम से कम वह एक अवस्था में भाग ले । निम्नलिखित उदाहरण का उपयोग करो या अपनी ओर से कुछ तैयार करें ।

अवस्था 1 (तीन बच्चों की ज़रूरत है)

दो बच्चे सड़क पर चल रहे हैं । आप एक बच्चे को एक बड़े पेड़ पर चढ़ता हुआ देखते हो । आप जानते हो कि ऐसा करना खतरनाक है ।

- आप क्या करोगे ?

अवस्था 2 (दो बच्चों की ज़रूरत है)

आप एक पड़ोसी को घर का समान लाते हुए देखते हो । समान से भरा एक थैला फट जाता है और नारगियाँ जमीन पर बिखर जाती हैं ।

- आप क्या करोगे ?

अवस्था 3 (तीन या अधिक बच्चों की ज़रूरत है)

आप अपने मित्रों के साथ खेल रहे हो । एक बच्चा जो अभी हाल में पड़ोस में आया था आपके साथ में जुड़ना चाहता है ।

- आप क्या करोगे ?

अवस्था 4 (चार या अधिक बच्चों की ज़रूरत है ।)

एक नया परिवार आपके पड़ोस में आ जाता है । वे गिरजाघर के सदस्य नहीं हैं । आप सोचते हो कि अगले सप्ताह बच्चे प्राथमिक की गतिविधि में आना पसन्द करें ।

- आप क्या करोगे ?

नाटक की गतिविधि के बाद, बच्चों को धन्यावाद दो कि वे अच्छे प्रचारक हैं ।

सारांश

स. चु. सारणी

स. चु. चार्ट की ओर इशारा करो या बच्चों को स. चु. चक्के को देखने दो । बच्चों को बताओ कि प्रचारक बन कर वे सही का चुनाव कर रहे हैं, और यीशु मसीह का अनुसरण कर रहे हैं । चार्ट पर लिखे शब्द को बच्चों को दोहराने दो । (या बताओ कि चक्के पर लिखा प्रथम शब्दों का क्या अर्थ है ।)

गवाही

बच्चों को प्रचारक बनने के लिये उन्हें बधाई दो । प्रत्येक व्यक्ति को यीशु मसीह और गिरजाघर के महत्व के विषय में गवाही दो । यीशु और गिरजाघर के विषय में जानकारी लेने से हमे खुशी होती है ।

प्रत्येक बच्चे की सहायता करो कि वह एक या दूसरा उपाय अपनाये और अगले सप्ताह प्रचारक बन सके । उपायों को कठिन या बड़ा नहीं होना चाहिए । बच्चों को याद कराओ कि दूसरों के साथ मित्रता रख कर या सहायता करके और लोगों को गिरजाघर के विषय में बता कर वे भी प्रचारक बन सकते हैं ।

बच्चों को उत्साहित करो कि वे अपने परिवार से उन तरीकों के विषय में बाते करें कि वे कैसे प्रचारक बन सकते हैं ।

एक बच्चे को बुला कर समापन प्रार्थना कराओ ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनो जो आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे अच्छा सिद्ध होगी । आप उनको अपने पाठ में भी उपयोग कर सकते हो, या समीक्षा के रूप में या सारांश के रूप में । अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिये ''शिक्षक के लिये सहायता'' का ''कक्षा का समय'' देखें ।

1. प्राथमिक के अध्यक्ष की आज्ञा से अपने क्षेत्र में काम करने वाले प्रचारको को या अभी हाल में मिशन से आये हुए प्रचारक को आने का निमंत्रण दो कि वह कुछ मिनट के लिये कक्षा में आएं और बच्चों को बतलाएं कि वे अभी प्रचारक बनने के लिये क्या कर सकते हैं ।

2. बच्चों को बताओ कि प्रचार करें ने आपकी मदद की जब आप किसी का यीशु मसीह और गिरजाघर के विषय में जानने में सहायता दे रहें थे । आप उनको बताओ कि इस कार्य को करने के द्वारा आपने कैसा अनुभव किया ।

3. बच्चों से कहो कि वे प्रचारक के रूप में अपने चित्र बनायें । प्रत्येक चित्र पर निम्नलिखित तरीके से लेबल लगाओ :

(बच्चे का नाम)
प्रचारक
अन्तिम दिनों के सन्तों का
यीशु मसीह का गिरजाघर

४. "I Want to Be a Missionary Now" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 168), के प्रथम छन्द को गाओ या शब्दों में बोलो "The Things I Do" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 170), अथवा "We'll Bring the World His Truth" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 172).

अब मैं एक प्रचारक बनना चाहता हूँ ।
मैं अब एक प्राचारक बनना चाहता हूँ ।
अपने बड़े होने तक रूकना नहीं चाहता ।
जब मैं छोटा ही हूँ , तब ही सुसमाचार को बाँटना चाहता हूँ क्योंकि मेरे पास अपनी एक गवाही है ।

जो चीज़े मैं करता हूँ ।
मैं विदेश जाने के लिये छोटा हूँ कि मैं परमेश्वर के वचन को शिक्षा दूँ और प्रचार करूँ लेकिन में दिखला सकता हूँ कि वह बिल्कुल सच है उन कार्यों के द्वारा जिन्हें हम करते हैं ।

हम लोग इस सच्चाई को संसार के सामने लायेंगे
आदि समय में नफी के समान ही हमारा जन्म हुआ है धार्मिक माता-पिता से जो प्रभु को प्यार करते हैं हम लोगों को सिखाया गया है और हम समझने भी है कि हमें वही करना चाहिए जिसे प्रभु हमें करने की आज्ञा देते हैं ।

कोरस
इलामन के समान हम लोग सैनिक हैं हमें जवानी में यह शिक्षा मिली है । और हम लोग प्रभु के प्रचारक बनेगें ताकि संसार को यह सच बता सकें ।

(© 1983 by Janice Kapp Perry. Used by permission.)

मैं बपतिस्में के लिये तैयारी कर सकता हूँ

पाठ
12

उद्देश्य

बपतिस्में के लिए प्रत्येक बच्चे की इच्छा को जगाना और बच्चों को समझाना कि बपतिस्में के लिए वे अपने को कैसे तैयार करें ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ मत्ती 3:13-17 और ''सिद्धान्त और अनुबन्ध'' का 20:72-74 का अध्ययन करो । यूहन्ना 1:25-34 । और सुसमाचार के सिद्धान्त अनुच्छेद (31110) अध्याय 20 को भी देखें ।
2. अगर यह सम्भव हो तो प्राथमिक के संगीत के मार्गदर्शक से पाठ के प्रारम्भ और अन्त में "Baptism" गाना गाने के लिये कहें । (*बच्चों की गीत पुस्तिका*, पृ. 100)
3. यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला यीशु को बपतिस्मा दे रहा है के चित्र सं॰ 2-19 को ढकने के लिये एक मोटे कागज को प्राप्त करो । कागज को उतने टुकड़ो में काट लो जिनमें बच्चे आपकी कक्षा में हो । उन टुकड़ों को चित्र पर लगाओ ताकि चित्र न दिखाई पड़े ।
4. मोटे कागज के 6 पद चिन्ह तैयार करो ।
5. प्रत्येक पाठ के अन्त में प्रत्येक बच्चे के लिये चित्र की प्रतिलिपि या ट्रेसिग तैयार करो ।
6. तैयारी करो कि अपने बपतिस्में के विषय में कुछ विवरण दो, जैसे किसने आपको बपतिस्में दिया और कहाँ आपका बपतिस्मा हुआ और संक्षेप में बताओ कि बपतिस्में के समय आपका कैसा अनुभव रहा । अगर आपका बपतिस्मा एक बच्चे के रूप में हुआ तो उस उम्र की एक फोटो आप लाना पसन्द करोगे ।
7. आवश्यक सामग्रियाँ
   क) एक बाइबल
   ख) टेप या गोंद
   ग) यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला का चित्र यीशु को बपतिस्मा देते हुए । (सुसमाचार कला चित्र किट 208; 62133) चित्र 2-20, एक लड़का बपतिस्मा लेते हुए (62018) ।
8. जिस किसी शक्तिकरण के कार्य का आप उपयोग करना चाहते हो उसके लिए आवश्यक तैयारी करो ।

बड़े बच्चों के शिक्षकों लिए टिप्पणी : शक्तिकरण के कार्य 5, 6 और 7 विशेषकर बड़े बच्चों के लिये तैयार किये गये हैं जिनका बपतिस्मा जल्दी होने वाला है ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारम्भिक प्रार्थना करने के लिये बुलाओ

अगर तुमने सप्ताह के दौरान बच्चों को कुछ करने के लिये प्रोत्साहित किया है तो उसकी जांच करो

यीशु का बपतिस्मा हुआ था

ध्यान गतिविधि

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के द्वारा यीशु को बपतिस्मा देने के ढके हुए चित्र को खोलो । बच्चों को बताओ कि कागज से ढके हुए चित्र में दो महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं । बच्चों से कहो कि वे अनुमान लगायें कि वे कौन लोग हैं लेकिन उनसे कहो कि जब तक चित्र सामने नहीं आ जाता है वे ऊँची आवाज में कुछ न कहें । प्रत्येक बच्चे से कहो कि वे ढके हुए चित्र पर से कागज के टुकड़ों को एक - एक करके हटायें ।

जब सभी टुकड़े हटा दिए जाते हैं तो पूछो :

- चित्र में कौन लोग हैं ?
- वे क्या कर रहे हैं ?

धर्मशास्त्र कहानी

यीशु मसीह के बपतिस्मे की कहानी बताओ जैसा मत्ती 3:13-17 में पाया जाता है । समझाओ कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले आश्चर्य में पड़ गया जब यीशु ने उससे बपतिस्मा लेने की बात कही । यूहन्ना जानता था कि यीशु ने कभी पाप नहीं किया तो उसने नहीं सोचा कि यीशु को बपतिस्मा लेने की ज़रूरत है । लेकिन यीशु ने यूहन्ना को बतलाया कि बपतिस्मा लेना स्वर्गीय पिता की आज्ञा है और वह स्वर्गीय पिता की सभी आज्ञाओं को मानना चाहता था ।

चित्र में दिये गये उस नदी को दिखाओ और समझाओ कि यूहन्ना ने यीशु को यरदन नदी में बपतिस्मा दिया । यूहन्ना ने पानी में डुबा कर बपतिस्मा दिया । डुबने का अर्थ है पानी में पूरा डूब जाना ।

मत्ती 3:17 को ऊँची आवज में पढ़ो और समझाओ कि ये स्वर्गीय पिता के शब्द हैं । बच्चों को बताओ कि जब हम बपतिस्मा लेते हैं तो स्वर्गीय पिता भी खुश होता है ।

खेल

''अन्तिम शब्द'' के खेल को बच्चों को साथ खेलो । नीचे लिखा कथन पढ़ो और रेखांकित शब्द छोड़ दो । एक बच्चे से कहो कि वह आवश्यक शब्दों की पूर्ति करें । अगर एक बच्चा उत्तर नहीं याद कर पाता है तो दूसरे से पूछो और यह क्रम चालू रखो जब तक सही ऊत्तर नहीं मिल जाता है (अगर कोई बच्चा जवाब नहीं दे पाता है तो उसे लज्जित मत करो) । इसे तब तक चालू रखो जब तक प्रत्येक बच्चा सही जवाब नहीं दे पाता है और इस बीच उसकी सहायता करो । ज़रूरत हो तो प्रश्न को दोबारा पूछो ।

1. यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के द्वारा यीशु मसीह का बपतिस्मा हुआ ।

2. यीशु का बपतिस्मा यरदन नदी में हुआ ।

3. यीशु का बपतिस्मा इस कारण हुआ कि वह स्वर्गीय पिता की आज्ञा माने (शिक्षा) ।

4. जब यीशु का बपतिस्मा हुआ तो वह पानी में पूरा डुबा दिया गया था ।

5. जब यीशु का बपतिस्मा हो चुका तब उसने और यूहन्ना ने स्वर्गीय पिता की आवाज सुनी ।

6. जब हम लोग आठ वर्ष के हो जाते हैं तो यीशु का अनुकरण कर हम बपतिस्मा ले सकते हैं ।

हम लोग बपतिस्मा ले कर यीशु मसीह का अनुसरण कर सकते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को बताओ कि जब वे आठ वर्ष के हो जाते हैं तब उनका बपतिस्मा हो सकता है । अभी वे तैयारी कर रहें हैं कि जब वे आठ वर्ष के हो जायेगे तब उनका बपतिस्मा हो जायेगा ।

समझाओ कि जब हमारा बपतिस्मा होता है तब हम स्वर्गीय पिता से वाचा बाँधते हैं । हम यह वाचा बाँधते है कि हम उसकी आज्ञाओ को मानेंगे, दूसरों को क्षमा करेंगे और यीशु मसीह का अनुसरण करेंगे । इसके बदले में वह हमें गिरजाघर में स्वीकार करता है और आश्वासन देता है कि वह हमें मार्ग दर्शन देता और मदद करता है ।

बच्चों को बताओ कि वे भी कभी बपतिस्मा पायेंगे जैसे यीशु मसीह को बपतिस्मा मिला और आपको मिला ।

कहानी

एक बच्चे के बपतिस्मे की कहानी सुनाओ । आप निम्नलिखित कहानी बताना पसन्द करोगे :

मारको के परिवार ने गिरजाघर की सदस्यता ली जब वह 7 वर्ष का था । मारको को छोड़ कर परिवार के सभी सदस्यों ने बपतिस्मा लिया । वह अभी पूरी आयु का नहीं था मारको को बहुत अफसोस था कि उसे परिवार के साथ बपतिस्मा नहीं मिला लेकिन उसकी माँ ने उसको बताया कि शीघ्र ही वह बड़ा हो जायेगा कि बपतिस्मा ले सके और इस बीच वह तैयारी के लिये अपने समय का उपयोग कर सकता है ।

- मारको कैसे अपने को तैयार कर सकता था ?

दूसरे वर्ष मारको ने सही का चुनाव करने के लिये बड़ी कोशिश की और यह कि वह वही करे जिसे यीशु उसने कराना चाहता है । अन्त में मारको आठ वर्ष का हो गया । वह सफेद कपड़े पहने था और उसके पिता ने उसे बपतिस्मा दिया । जैसे ही मारको के पिता उसे पानी से बाहर लाया, वह बहुत खुश हो गया कि उसे डूबने का बपतिस्मा मिला जैसे यीशु को मिला था । वह खुश था कि वह यीशु के गिरजाघर का सदस्य बन गया था ।

हम लोग अभी से बपतिस्मे के लिये तैयारी कर सकते हैं

पद गतिविधि

चित्र संख्या 2-20 को दिखाओ, एक लड़का बपतिस्मा ले रहा है और अगर सम्भव हो, तो उस चित्र को उस कक्षा के दरवाजे पर लगा दो ।

- यह लड़का कैसे यीशु के उदाहरण का अनुसरण कर रहा है ?

बच्चों को बताओ कि वे अभी से बपतिस्मे के लिये तैयारी कर सकते हैं । पाठ के अन्त से कागज के पद चिन्ह और 6 चित्रों की एक प्रति दिखाओ । बच्चों को बताओ कि बपतिस्मा तक पहुँचने में चित्र में 6 चरण दिखाये गये हैं । प्रत्येक चरण पर चर्चा करो जैसा चित्र में दिखाया गया है और प्रकार के प्रश्न करो जैसे नीचे लिखा हुआ है । जब आपने प्रत्येक चरण पर चर्चा कर ली है, तब एक बच्चे को अपना कदम धरती पर रखने दो, जो चित्र में बपतिस्मे की राह पर बढ़ रहे हैं ।

1. विश्वास करो और यीशु मसीह और स्वर्गीय पिता के विषय में जानो ।
   - हमें यीशु मसीह और स्वर्गीय पिता के विषय में जानना क्यों ज़रूरी है ।
   - हम कहाँ उनके विषय में जान सकते हैं ?
2. स्वर्गीय पिता से प्रार्थना करो ।
   - किस प्रकार प्रार्थना हमें बपतिस्मे के लिये तैयार कर सकता है ?
3. क्षमा और दूसरों को प्यार करो ।
   - क्या होता है जब हम किसी को क्षमा करते हैं ?
   - किस प्रकार हम दूसरों को अपना प्यार प्रकट कर सकते हैं ?
4. प्रत्येक दिन सही का चुनाव करो ।
   - सही का चुनाव करने के क्या रास्ते हैं ?
5. पढ़ो या धर्मशास्त्र की कहानियाँ सुनो ।
   - धर्मशास्त्र के अध्ययन ने तुम्हें किस प्रकार सहायता की है ?
6. आठ वर्ष की अवस्था होनी चाहिए ।
   - बपतिस्मे की तैयारी के लिये आठ वर्ष के पहले तुम क्या कर सकते हो ?

जब सभी पद चिन्ह जमीन पर रख दिये गये तब बच्चों को एक-एक कर के पद चिन्हों पर पैर रख कर कमरे को पार करें । बच्चों की समझने में मदद करें, जैसे वे पद चिन्हों पर अपने पैर रखते हैं, किस प्रकार वे बपतिस्मे के लिये तैयारी कर सकते हैं ।

सारांश

वितरण

प्रत्येक बच्चे को 6 रेखा चित्रों के एक सेट दो कि वे उसे घर ले जायें । बच्चों को अपना नाम उन कागजों पर लिखवाने दो या वे स्वयं लिखें ।

गवाही

बपतिस्मे के महत्व के विषय में बच्चों के सामने अपनी गवाही दो । उसको यह बताओ । कि जब हम बपतिस्मा लेते हैं तो स्वर्गीय पिता प्रसन्न होता है ।

बच्चों को समझाओ कि वे अपने परिवार को पढ़ाने के लिए रेखाचित्रों के पृष्ट का उपयोग करें और बतलाऐं कि उन लोगों ने बपतिस्मे के विषय में क्या सीख है । प्रत्येक बच्चे को उत्साहित करें कि वह जैसा कि रेखा चित्रों में 6 चरण दिये गये उनका उपयोग करते हुए अपने को बपतिस्मे के लिए तैयारी करें ।

एक बच्चे को बुला कर समापन प्रार्थना कराओ ।

जब बच्चे कक्षा के बाहर जाने लगे तो उनको फिर से पद चिन्हों पर चल कर कमरे के बाहर जाने दो ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उनको चुनो जो आपको कक्षा के बच्चों के लिए सबसे उपयुक्त हो । आप उनको पाठ में भी उपयोग कर सकते हो, समीक्षा के रूप में अथवा सारांश में भी । अतिरिक्त मार्ग दर्शन के लिये ''शिक्षक के लिए सहायता'' में कक्षा का समय देखें ।

1. प्रत्येक बच्चे के लिए कागज़ के एक टुकड़े पर पद चिन्ह रेखांकित करो और प्रत्येक पर लिखो ''मैं यीशु मसीह का अनुसरण करूँगा'' । बच्चों को पद चिन्हों को रंगने और सजाने दो ।
2. अगर उस भवन में जहाँ आप संगति करते हैं कोई बपतिस्मे का हौद बना है तो बच्चों को ले जा कर उसे दिखाओ ।

3. "I Like My Birthdays" के प्रथम दो छन्द को गाओ या शब्दों में बताओ (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 104) मैनुअल के पीछे इस गाने के बोल लिखें हैं ।

4. "Baptism" (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 100) गाने को गाओ अथवा शब्दों में बोलो । अथवा ''When Jesus Christ Was Baptized" (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 102) । गाने को गाओ । निदेर्शिका के पीछे ''Baptism '' गाने के बोल दिये हुए हैं ।

   जब यीशु मसीह का बपतिस्मा हुआ ।
   जब यरदान नदी में
   यीशु मसीह का बपतिस्मा हुआ तब
   त्रिएक परमेश्वर के तीन जन प्यार में भरकर
   वहाँ उपस्थित थे ।
   जब यीशु मसीह का बपतिस्मा हुआ
   तब स्वर्ग से पिता की वाणी आयी,
   और कबूतर के नायी पवित्रात्मा उतर कर
   शन्तिपूर्ण उस पर ठहर गया ।
   और अब जब मेरा बपतिस्मा हो गया
   तब मैं उसी का अनुसरण करूँगा ।
   पवित्र पौरोहित्य के द्वारा
   डूब का बपतिस्मा लो
   तब मैं स्वर्गीय पिता के राज्य का
   एक सदस्य बन जाऊँगा
   और फिर प्रत्येक छोटे पवित्रात्मा
   मेरा मार्गदर्शन करेगी ।

5. चित्र संख्या 2-20 को दिखाओ - एक लड़का बपतिस्मा ले रहा है । उस चित्र के बगल में चित्र संख्या 2-19 यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला यीशु को बपतिस्मा दे रहा है । बच्चों के साथ समीक्षा करो कि वे बपतिस्में के विषय में क्या जानते हैं । उनको यह समझने में सहायता करो कि बपतिस्मा लेना एक विशेष अनुभव होता है । जिसकी प्रतीक्षा करनी है । यह एक सबसे महत्वपूर्ण काम है जिसे वे कर सकते हैं । निम्नलिखित बातों पर चर्चा करो :-

   क. जब हम लोगों का बपतिस्मा होता है तब हम यीशु मसीह के अन्तिम समय के गिरजाघर के सदस्य बन जाते हैं । (अगर छोटे बच्चे चिन्तित हैं और वे समझते हैं कि वे गिरजाघर के सदस्य नहीं हैं तो उन्हें आश्वासन दो कि उन्हें गिरजाघर का सदस्य माना जा सकता है । लेकिन यह ज़रूरी है कि जब वे आठ वर्ष के हो जायें तो वे बपतिस्मा ले कर गिरजाघर के मान्य सदस्य बन सकते हैं ।

   ख. बपतिस्मे के लिए हम लोगों को कम से कम आठ वर्ष का होना ज़रूरी है ।

   ग. हम लोगों से बपतिस्में के विषय में बातें करने के लिए धर्माध्यक्ष या शाखा अध्यक्ष हम लोगों से मिलता है ।

   घ. जब हम लोगों का बपतिस्मा होता है तो हम लोग सफेद वस्त्र पहनतें हैं । (चित्र संख्या 2-20 देखें)

   च. हम लोगों को पूरा पानी में डुबा कर डूब का बपतिस्मा दिया जाता है । (बच्चों को समझाओ कि वे पानी के अन्दर एक या दो सेकेन्ड के लिये ही रहते हैं और पानी अधिक गहरा नहीं होता, और जो उन्हें बपतिस्मा देता है वह उन्हें सावधानी से पकड़े रहता है ।

   छ. जो हमें बपतिस्मा देता है उसे एक याजक या मलकिसिदक पौरोहित्य धारक होना ज़रूरी है ।

   च. हम लोग उसी प्रकार बपतिस्मा ग्रहण करते हैं जैसे यीशु मसीह को बपतिस्मा दिया गया था । उसने ही उदाहरण हमारे सामने रखा ।

6. प्राथमिक अध्यक्ष की स्वीकृति से किसी पौरोहित्य धारक को बुलाओ कि वह बच्चों से बातें करे कि जब वे बपतिस्मा ग्रहण करेंगे तो क्या होगा । उनसे कहो कि वह बताएं कि बपतिस्मा लेने वाना बच्चा और बपतिस्मा देने वाना कैसे खड़ा होगा और उसकी बाहों को पकड़ेगें । उसे समझाने को कहो कि जो बपतिस्मा दे रहा है वह सावधानी से बच्चे को पानी के अन्दर डुबायेगा और तुरन्त ही उसे बाहर निकाल देगा । बच्चों को बताओ कि जब वे इस प्रकार से बपतिस्मा लेते हैं, तो उनका बपतिस्मा उसी प्रकार का होता है जैसे यीशु का हुआ था ।

   अपने धर्माध्यक्ष या शाखा अध्यक्ष की स्वीकृति से एक पौरोहित्य धारक कक्षा में दिखायेगा कि बपतिस्मा कैसे दिया जाता है । (पौरोहित्य धारक प्रदर्शन के दौरान बपतिस्में की प्रार्थना नहीं बोलेगा ।)

7. समझाओ कि बपतिस्मे की प्रार्थना ऐसी है जिसे हर बार बिल्कुल ठीक बोला जाता है । मसीह ने प्रार्थना के इन शब्दों को धर्मशास्त्र में दिया है । सिद्धान्त और अनुबन्ध 20:73 में दी गयी प्रार्थना को ऊँचे स्वर में पढ़ो (''अधिकार मिला है'' से)

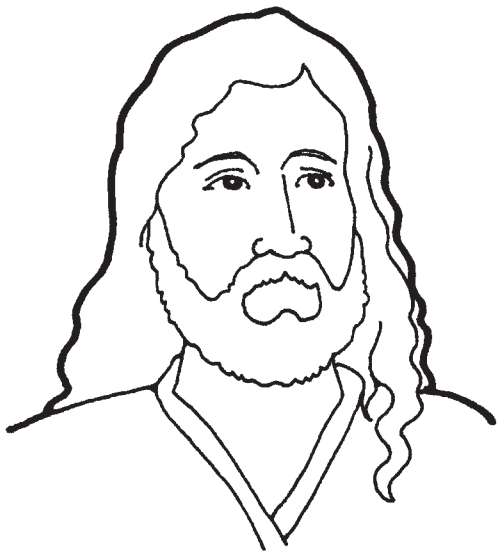

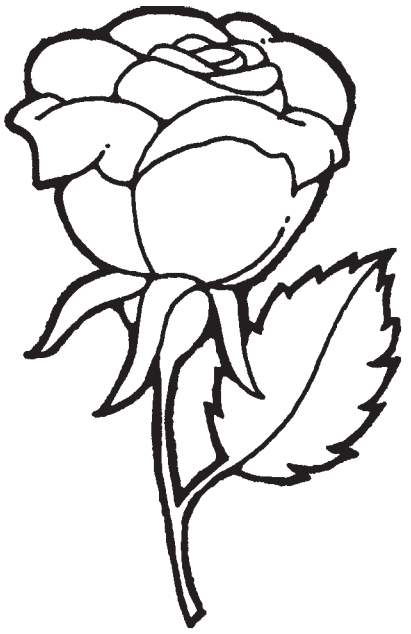

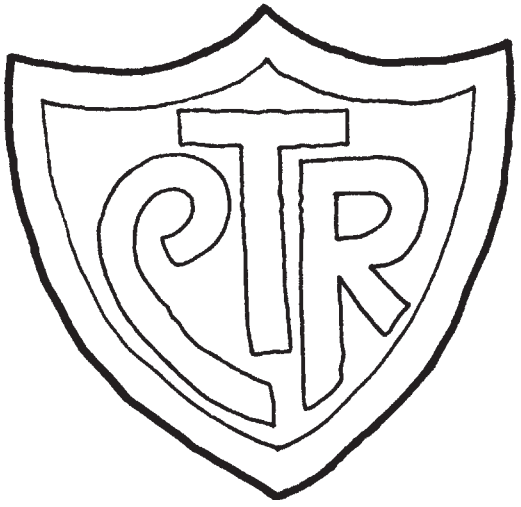
CTR

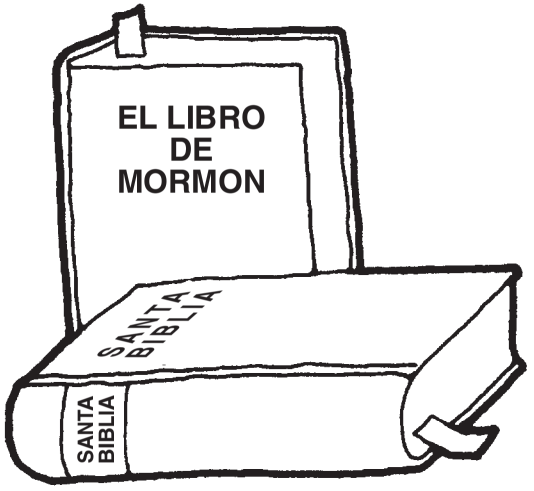
EL LIBRO
DE
MORMON
SANTA
BIBLIA
SANTA
BIBLIA

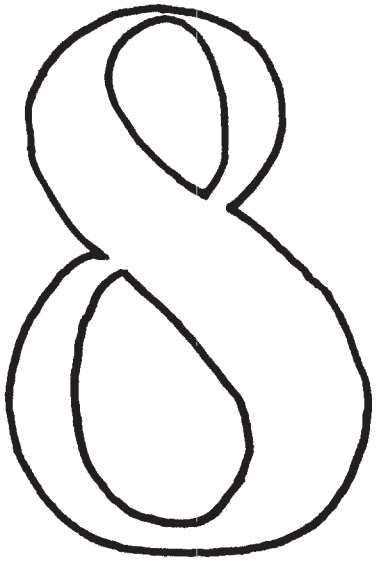

पवित्रात्मा का उपहार हमारी सहायता कर सकता है

पाठ
13

उद्देश्य

बच्चों को यह समझने में सहायता करो कि जब उनका बपतिस्मा हो जाता हैं तब उन्हें उनकी सहायता के लिए उन्हें पवित्रात्मा का उपहार मिलेगा ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ सिद्धान्त और अनुबन्ध 49:13-14, 130:22 और विश्वास के अनुच्छेद 1:1,4, का अध्ययन करो । मरोनी 10:5, सिद्धान्त और अनुबन्ध 9:8-9, 85:6 और सुसमाचार सिद्धान्त (31110) अध्याय 21 भी पढ़ो ।

2. निम्नलिखित ''प्रश्नों के फूल'' मोटे कागज से तैयार करो ।

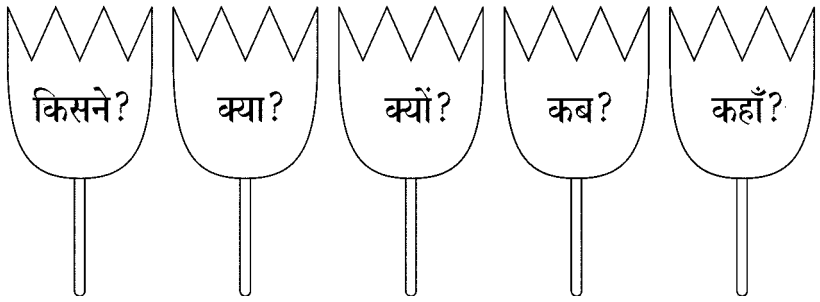

चार से छः इंच लम्बी लकड़ी के टुकड़ों के साथ फूलों को जोड़ दो और उन्हें किसी गुलदस्ते या जार में रख दो ।

3. I Know My Father Lives" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 5) । गाने को गाओ अथवा उसके बोल को बोलो । निदेर्शिका के पीछे इस गाने के बोल दिये गये हैं ।

4. आवश्यक सामग्रियाँ
   क) सिद्धान्त और अनुबन्ध की एक प्रति ।
   ख) चित्र संख्या 2-18, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला यीशु को बपतिस्मा दे रहा है (ससुमाचार कला चित्र किट 208; 62133) ।

5. किसी शक्तिकरण के गतिविधियों के लिए आवश्यक तैयारी करो जिसका उपयोग आप करना चाहते हो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को बुला कर प्रारम्भिक प्रार्थना कराओ

अगर तुमने बच्चों को प्रोत्साहित किया है कि सप्ताह के दौरान कुछ करें तो उसकी जांच करो ।

हम पवित्रात्मा के उपहार प्राप्त कर सकते हैं

ध्यान गतिविधि

चित्र संख्या 2-19 दिखाओ - यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला यीशु को बपतिस्मा दे रहा है । प्रत्येक बच्चे से एक के प्रश्न फूल पूछ कर पिछले सप्ताह के पाठ की समीक्षा करो । फूल पर जिस शब्द से यीशु मसीह के बपतिस्मा के बारे में शुरू होता है उस पर प्रश्न करो । अगर वह बच्चा जिसने फूल को चुना है प्रश्न का जवाब देता है उसका उत्तर नहीं दे पता है, तो कक्षा के दूसरे लोग उसकी मदद करें (सावधान रहो कोई बच्चा अगर प्रश्न का उत्तर नहीं दे पाता है तो उसे लज्जित न करें ।)

सम्भावित प्रश्न

- किसने यीशु को बपतिस्मा दिया ? (यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने)
- यीशु का बपतिस्मा कहाँ हुआ ? (यरदन नदी में)
- डुबकी क्या है ? (पानी में बिल्कुल डुबा देना)
- यीशु को क्यों बपतिस्मा दिया गया ? (स्वर्गीय पिता की आज्ञा मानने के लिए और हम लोगों के लिए एक उदाहरण देने के लिए ।)

• हम लोगों को कब बपतिस्मा मिल सकता है ? (जब हम लोग आठ वर्ष के हो जाते हैं)

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को बताने दो कि चित्र संख्या 2-19 में यह कौन दो लोग हैं ?

• जब यीशु का बपतिस्मा हुआ तो किसकी आवाज यीशु मसीह और यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने सुना ?

बच्चों को यह याद कराओ कि स्वर्गीय पिता यीशु के बपतिस्मे को देख रहा था और खुश था कि यीशु को बपतिस्मा दिया गया । बच्चों को बताओ कि यीशु के बपतिस्मे के समय एक और व्यक्ति उपस्थित था । यह व्यक्ति स्वर्गीय पिता और यीशु की मदद करता है । उसका नाम है पवित्र आत्मा ।

विश्वास के अनुच्छेद

बच्चों को खड़ा करो और विश्वास के अनुच्छेद बोलने को कहो ।

धर्मशास्त्र

समझाओ कि पवित्रात्मा स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के समान है क्योंकि वह हमें प्यार करता है और हमारी मदद करना चाहता है । लेकिन पवित्रात्मा के पास स्वर्गीय पिता और यीशु के समान मांस और हड्डी का शरीर नहीं होता है । ऊँची आवाज में सिद्धान्त और अनुबन्ध 130:22 को आत्मा के द्वारा पढ़ो । समझाओ कि हम लोग पवित्रात्मा को नहीं देख सकते हैं लेकिन सही काम करने के लिए वह हमारी सहायता करता है । जब हम सही का चुनाव करते हैं तो हम सरगर्म होते और खुशी का अनुभव करते हैं ।

धर्मशास्त्र

बच्चों को बताओ कि जब उनका बपतिस्मा हो जाता है तब वे लोग जो मलकिसिदिक पौरोहित्य धारक हैं वे उनको दो बड़ी आशीषों की देते हैं । सिद्धान्त और अनुबन्ध 49:14 ऊँची आवाज में पढ़ो और बच्चों को बताओ कि यह धर्मशास्त्र हमें सिखाता है कि इनमें से एक आशीष क्या है । समझाओ कि जो कोई ऐसा करता है का अर्थ है जिसको बपतिस्मा दिया जाता है ।

विश्वास का अनुच्छेद

बच्चों को मदद करो कि वे विश्वास के अनुच्छेद का चौथा भाग आंशिक रूप से याद करें ''हम विश्वास ..... पवित्रात्मा के वरदान के लिये सिर पर हाथ रखना । बच्चों को बताओ कि बपतिस्मा के बाद पवित्रात्मा का वरदान एक सबसे बड़ी आशीष है ।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाओ कि जब हम लोगों के पास पवित्रात्मा का उपहार होता है, तब पवित्रात्मा हमें यह जानने सें मदद करती है कि सत्य और सही क्या है । बपतिस्मा और दृढ़िकरण के पहले भी पवित्रात्मा हमारी मदद कर सकता है लेकिन जब हमें यह उपहार मिल जाता है तब पवित्रात्मा हमारे साथ लागातार बना रहता है । इसका अर्थ है कि जब तक हम लोग सही करने की कोशिश करते रहते हैं, उसका प्रभाव सदा हम लोगों के साथ बना रहता है ।

हम लोग गिरजाघर के मान्यता प्राप्त सदस्य बन सकते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाओ कि बपतिस्मा लेने के बाद जो दूसरी आशिष हमें मिलती हैं वह है कि अन्तिम-दिनों के सन्तों के गिरजाघर का मान्यता प्राप्त सदस्य बनना । इसे दृढ़िकरण कहते हैं । बच्चों को कहो कि कुछ बार वे दृढ़िकरण शब्द को बोलें ।

चित्र की कहानी

''रोबेरटा के दृढ़िकरण'' की कहानी जो पाठ के अन्त में आती है उसे सुनाओ । बच्चों को अपने अगल बगल रखो ताकि जब आप कहानी कहते हो तब वे चित्र को भी देख सकें ।

चर्चा

जब आपने कहानी सुना दी तब निम्नलिखित प्रश्न पूछो :

• रोबेरटो को क्या दिया गया ? (पवित्रात्मा का उपहार)

• उस उपहार को पाने के लिए किसने प्रार्थना की (उसकी पिता ने)

• रोबेरटो के पिता के पास क्या अधिकार है ? (मलकिसिदक पौरोहित्य)

• आप क्या सोचते हो रोवेरटो की सरगर्म भावना क्या थी ? (पवित्रात्मा का प्रभाव)

बच्चों को वह कहानी फिर से कहने दो । प्रत्येक चित्र के विषय में बताने के लिए किसी और बच्चे को बुलाओ ।

सही का ज्ञान पाने के लिए पवित्रात्मा हमारी सहायता करेगा

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाओ कि पवित्रात्मा हमें यह समझने में सहायता करता है कि यह गिरजाघर सही है । कभी हम लोग इतने खुश और कृतज्ञ हो जाते हैं कि हम चाहते हैं कि हम दूसरों को बतायें कि हम कैसा अनुभव करते हैं । यह तब होता है जब हम लोग उपवास और गवाही की सभा में अपनी गवाही देते हैं ।

• क्या कभी आपने अपनी गवाही उपवास और गवाही की सभा में दी हैं ?

अगर कुछ बच्चों ने अपनी गवाही दी हैं तो उनसे कहो कि वे बतायें कि उन्होंने कैसा अनुभव किया ?

समझाओ कि कभी कभी कुछ लोग जब पवित्रात्मा से भर जाते हैं तो वे कुछ रोते भी हैं । ये दुःख के आँसू नही होते हैं, ये

खुशी के आँसू होते हैं । बच्चों को बताओ कि कभी कभी उन्हें गवाही के समय अथवा जब वे प्रार्थना करतें हैं, धर्मशास्त्र को पढ़ते हैं, या गिरजाघर में सुनते हैं गर्मी और शांत्ति का अनुभव दर्शाता है कि पवित्रात्मा उनको बता रहा है कि ये बातें बिल्कुल सच और सही हैं ।

गीत

"I Know My Father Lives" गाने को बच्चों के साथ गाओ या बोल को बोलो ।

समझाओ कि ''आत्मा'' जिसका संदर्भ यहाँ दिया गया है वह पवित्रात्मा है । पवित्रात्मा हम लोगों की मदद करता है कि हम जाने कि स्वर्गीय पिता बिल्कुल सत्य है और यह कि वह हमें ''प्यार करता है'' ।

पवित्रात्मा हमें मार्गदर्शन दे सकता है और सावधान कर सकता है

कहानी और चर्चा

अपने शब्दों में सारा जेन जीन कैमन की कहानी सुनाओ । बच्चों से कहो कि वे सुनें कि पवित्रात्मा ने उससे धीमी आवाज में क्या कहा ।

सारा जेन एक निडर लड़की थी जो बहुत समय पहले एक नये घर की खोज में अमोरिका के बीहड़ स्थानों में घूमती रही । जब वह यूटाह में पहुँची तो वह अपनी चाची के साथ एक अधूरे बने घर में रहने लगी । दीवारों के ऊपर छत के रूप में एक कैन वस पड़ी थी जो प्रत्येक कोने पर पत्थर के द्वारा थमी हुई थी ।

साराजेन एक दिन अपने घर पर सिलाई कर रही थी कि उसने एक आवाज सुनी : ''शीघ्रता से हट जाओ ।'' आस पास कोई नहीं था लेकिन जेन दूसरे कमरे में चली गयी । जैसे ही हटी एक पत्थर जो छत को सम्भाले था कमरे में गिर पड़ा । अगर सारा जेन न हटती तो वह पत्थर उसको चोट पहुँचाता । (देखे "Move Away Quickly," in Remarkable Stories from the Lives of Latter-day Saint Women, comp. Leon R. Hartshorn, 2 vols. [Salt Lake City: Deseret Book Co., 1973--75, 2:34 ।)

- किसने सारा को बताया ?
- पवित्रात्मा ने उसको क्या कहा ?
- सारा जेन ने क्या किया ?
- क्या होता अगर सारा जेन ने न सुना होता ?

बच्चों को याद कराओ कि पवित्रात्मा सदा ऐसी आवाज में नहीं बोलता जिसे हम सुन सकें । बहुधा वह हमें अहसास देता है कि हमें क्या करना चाहिए ।

सारांश

समीक्षा गतिविधि

बच्चों से कहो कि वे बतलायें कि वे पवित्रात्मा के विषय में क्या जानते हैं समीक्षा के रूप तुम पुन : प्रश्न के फूल का उपयोग कर सकते हो । आप इस प्रकार के प्रश्न कर सकते हो :

- आपके बपतिस्में के बाद कौन सा बहुमूल्य उपहार आपको मिल सकता है ? (पवित्रात्मा का उपहार)
- पवित्रात्मा क्या है ? (एक जन जो यीशु को और स्वर्गीय पिता को मदद करता है ; एक आत्मा, जो हमें सान्त्वना दे सकता है और मदद कर सकता है ।)
- हमें कब पवित्रात्मा का उपहार दिया जाता है ? (जब हम लोगों का बपतिस्मा हो चुकता है ; जब हम लोग गिरजे के मान्यता प्राप्त सदस्य बन जाते हैं)
- पवित्रात्मा की अगवाई हम कहाँ अनुभव कर सकते हैं ? (अपने हृदय में और अपने दिमाग में । उत्तर जैसे; ''घर पर'', ''गिरजाघर पर'' या ''और जहाँ कहीं हम सही का चुनाव करते हैं'' भी सही उत्तर हो सकते हैं ।)
- स्वर्गीय पिता ने पवित्रात्मा को क्यों भेजा कि वह हमारे साथ रहे ? (कि वह हमारी सहायता करे और हमें सान्त्वना दे; हमारा मार्ग दर्शन करे और सावधान करे; वह हमें बताए कि क्या सही है; वह हम को प्यार और शांति का अनुभव प्रदान करे ।)

गवाही

बच्चों के साथ अपना अनुभव बाँटो कि पवित्रात्मा कैसे हमारी मदद करता है और मार्ग दर्शन करता है । आप अपना कोई व्यक्तिगत अनुभव बताओ जब पवित्रात्मा ने आपको कुछ बताया या आपकी मदद की ।

बच्चों को उत्साहित करो कि वे सही का चुनाव करें ताकि पवित्रात्मा सदा उनके साथ रहे ।

एक बच्चे को बुला कर समापन प्रार्थना करो ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनो जो आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे उपयुक्त है । आप उसे पाठ में भी उपयोग कर सकते हो अथवा समीक्षा या सारांश के रूप में । अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिये ''शिक्षक के लिए सहायता'' में ''कक्षा का समय'' देखें ।

1. कोई चीज़ लाओ जिसे तुमने उपहार के रूप में पाया है लेकिन अब उपयोग के योग्य नहीं हैं क्योंकि वह टूट चुका है, पुराना हो चुका है, या इस्तेमाल हो चुका है जैसे चिटकी हुआ प्लेट, पुराने वस्त्र या खाना खाने का बक्सा ।

   बच्चों को वह उपहार दिखलाओ जो अब उपयोग के योग्य नहीं रहा । उस उपहार के विषय में कोई रोचक समाचार दो, जैसे, उसको तुम्हें किसने दिय, कब दिया और क्यों दिया ? बच्चों को समझाओ कि यद्यपि किसी समय में यह उपहार तुम्हारे लिये महत्वपूर्ण था लेकिन अब वह ऐसा नहीं रहा क्योंकि वह टूट चुका है, पुराना हो चुका है और इस्तेमाल हो चुका है ।

   समझाओ कि जब तुम्हारा बपतिस्मा हुआ, मान्यता मिली, तब तुम्हें एक सकता प्रकार का उपहार मिला । यह बहुत महत्वपूर्ण उपहार है जो कभी पुरानी नहीं हो सकता या समाप्त नहीं हो सकता । यह बहुसूल्य उपहार जैसे जैसे उपयोग की जाती है वह उतनी ही बहुमूल्य बनती जाती है ।

   • यह कौन सा उपहार है ?

   जब बच्चों ने अनुमान लगा लिया (या आपने उन्हें बता दिया) कि यह उपहार पवित्रात्मा का उपहार है तो उनको बताओ कि वे अपने जीवन में अनेक उपहार पायेंगे लेकिन पवित्रात्मा का उपहार सबसे बहुमूल्य उपहार है जिसे पृथ्वी पर रहते हुए वे प्राप्त करेंगे ।

2. '' The Still Small Voice" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 106) । गाने को गाओ या उसके बोल बोलो ।
   एक शांत आवाज के द्वारा आत्मा मुझसे बोलती है,
   मेरी अगवायी करती है, और दृष्ट चीजों से बचाती है,
   अगर में वही करूँ जो सही है तो वह मुझे रात के अन्धकार से निकालेगा
   निर्देश देगा, बचायेगा और मेरी आत्मा को उजियाला देगा ।

   जैसे ही आप गाते हो या गाने के अन्तिम भाग को बोलते हो तो निम्नलिखित हाव - भाव करो ।
   सुनो, सुनो (अपने कानो पर हाथ रखो)
   पवित्रात्मा धीमी आवाज में बोलेगा (अपनी पहली ऊँगली अपने ओठों पर रखों)
   सुनो, सुनो (अपने कानों पर हाथ रखो)
   उस शांत संक्षिप्त आवाज को (अपने हृदय पर हाथ रखो)

3. बच्चों के साथ निम्नलिखित चुपचाप का खेल दिखाने के लिए खेलो ताकि वे उस शांत और संक्षिप्त आवाज का अनुसरण करें ।

   बच्चों को दिखाओ कि इस खेल में तुम एक छोटी सी चीज छिपाओगे । एक बच्चे को उस झुन्ड से बाहर जाने दो जब आप उस चीज को छिपाओगे । जब बच्चा लौटता है तब समझाओ कि बड़ी सावधानी से सुनना है कि वह चीज को खोज सके । एक धीमी आवाज का उपयोग करो जैसे धीमे धीमे पेंसिल से खटखटाना, धीमे से ताली बजाना, या कोई गाना गुनगुनाना ताकि बताया जा सके कि बच्चे को उस चीज को पाने के लिए किधर जाना है । जब बच्चा सही दिशा में देखता है तो धीमे से खटखटाओ । जैसे जैसे बच्चा उस छिपे हुए स्थान के नजदीक जाता है और जोर से खटखटाओ (या जोर से गुनगुनाओ) और ऐसा तब तक करो जब तक वह चीज मिल नहीं जाती हैं । उस क्रिया को दोहराओ और दूसरे बच्चे को मौका दो कि वे भी उस चीज को खोजें और जब तक चाहते हो तब तक ऐसा करो ।

   बच्चों को समझाओ कि वे अपने जीवन में पवित्रात्मा की धीमी और संक्षिप्त आवाज को सुनकर मार्गदर्शन पा सकते हैं । उनको बताओ कि पवित्रात्मा सदा ऊँची आवाज में नहीं बोलता है । कभी कभी वह हमें विचार या अहसास दिलाता है जैसे जब हम कुछ अच्छा करते हैं तो सरगर्म अहसास और जब हम कुछ बुरा करते है (या करना चाहते हैं) तो कड़ुआ अहसास । हम लोगों को सावधानी से ध्यान देना है कि पवित्रात्मा हमसे क्या करने को कह रहा है ।

4. बच्चों से कहो कि वे अपने दोनों हाथों का रेखा चित्र एक कागज के टुकड़े पर विभिन्न मोम के रंगो से उतार लें । एक के ऊपर दूसरा हाथ रखें जैसे पवित्रात्मा का उपहार पाने के लिये किया जाता है । प्रत्येक चित्र पर बच्चों के नाम लिख दें ।

5. '' The Holy Ghost" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 105) का गाना गायें अथवा उसके बोल बोले या ''I Like My Birthdays" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 104). का तीसरा छन्द गायें । इस गाने के बोल निर्देशिका के पीछे के पृष्ट पर लिखा हुआ है ।

रोबेरटा का पुष्टिकरण

रोबेरटो के लिए एक विशेष दिन है । उसका बपतिस्मा अभी अभी हुआ है । अबअन्तिम-दिनों के सन्त के गिरजाघर में पुष्टिकरण होगा और उसे पवित्रात्मा का उपहार मिलेगा । (आप बच्चों को यह समझाना पसन्द करोगे कि रोबेरटा का बपतिस्मा हो चुका है और उसके पिता के द्वारा उसका पुष्टिकरण हुआ है । किसी भी योग्य मलकिसिदिक पौरोहित्य धारक द्वारा ये धर्म विधियाँ पूरी की जा सकती है ।

जब रोबेरटा के पिता उसे पानी से निकालते है, उसकी माता उसे सूखे कपड़ों से पोछती है । उसके बाल शीघ्र ही संवारे जाते हैं और वह मुस्कराती है और खुश है ।

जब रोबेरटा तैयार है जाती है तब वह अपने परिवार और मित्रों में लौटती है जो उसकी प्रतीक्षा कर रहे होते हैं । कमरे के सामने वह अपने पिता के साथ एक कुर्सी पर जाती है ।

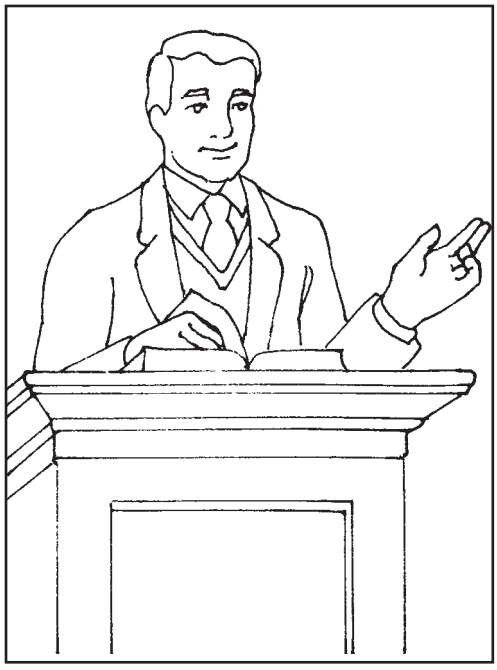

धर्माध्यक्ष (शाखा अध्यक्ष) लोगों से पूछते हैं कि रोबरटो ने जिनको चुना है, वे आगे आयें और एक कतार में खड़े हो जायें । रोबेरटो ने अपने पिता से पूछा, अपने दादा से पूछा, अपने चाचा से पूछा और अपने घर के शिक्षकों से भी पूछा । ये सभी लोग मलकीसीदिक पौरोहित्य धारक हैं ।

रोबेरटो अपने सिर को झुकाती है और अपनी आँखो को बन्द करती है । वे लोग अपने हाथ को उसके सिर पर रखते हैं और उसका पिता उसका नाम ले कर पुकारता है, उसे गिरजाघर के सदस्य के रूप में पुष्ट करता है और पवित्रात्मा का दान देता है ।

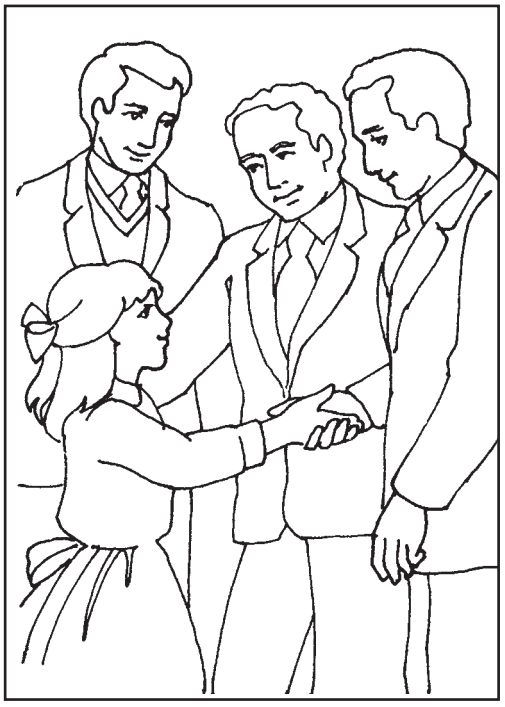

जब पुष्ट होने की धर्म विधि समाप्त हो जाती है तब रोबेरटो घेरे में खड़े हुए लोगों से हाथ मिलाती हैं और वे उसे बधाई देते हैं । रोबेरटो को एक अच्छा अनुभव होता है और वह जानती है कि उसने सही का चुनाव किया ।

पाठ
14

सही करने की क्षमता रखो

उद्देश्य

बच्चों को यह बात समझने दो कि वे सही का चुनाव कर सकते हैं जैसे यीशु मसीह ने किया जब शैतान ने उसकी परीक्षा ली ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ मत्ती 4:1-11 का अध्ययन करो ।
2. निर्माण के कागज से या इसी प्रकार के किसी और चीज़ से एक साधारण ताज बनाओ जैसे नीचे दिखाया गया है ।

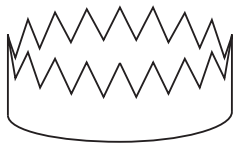

3. गेम बोर्ड पर ''सही का चुनाव करो'' को अक्स करो (जैसा कि पाठ के अन्त में दिया गया है) किसी कड़े कागज पर या कार्ड बार्ड पर उतारो ।
4. अलग कागज के टुकड़ों पर खेल के लिये प्रश्न लिखो (पृष्ट 71-71) और उन्हें एक छोटे थैले अथवा किसी डिब्बे में डाल दो ।
5. ''सही करने की क्षमता रखो'' गाने के प्रथम छन्द को गाने की तैयारी करो अथवा उसके बोल बोलो । ''Dare to Do Right" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 158) । निर्देशिका के पीछे इसके बोल लिखे हैं
6. ऐच्छिकः ऐल्डर पाइनगियर के पत्र को उतार लो और उसे एक लिफाफे में डाल दो ।
7. आवश्यक सामग्रियाँ
   क) एक बाइबल
   ख) कुछ कंकड़
   ग) दो बटन या विभिन्न रूप और रंग के समान जिसे ''सही का चुनाव'' करने के समीक्षा के खेल में मारकर के रूप में प्रयोग हो ।
   घ) स. चु. चार्ट (पाठ 1 देखें)
   च) चित्र संख्या 2-21 ऐल्डर रेक्स डी. पाइनगर, चित्र संख्या 2-22, पुराने जमाने में मन्दिर के रूप में उपयोग (सुसमाचार आर्ट चित्र किट 118:62300)

८. शक्तिकरण की गतिविधियाँ जिसे आप उपयोग करना चाहते हो उसके लिए आवश्यक तैयारी करो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को बुलाओ कि वह प्राम्भिक प्रार्थना करे ।

अगर सप्ताह के दौरान आपने बच्चों को कुछ करने के लिये प्रोत्साहित किया है तो उसकी जांच करें ।

हम लोग अपने लिये कुछ चुनाव कर सकते हैं

ध्यान गतिविधि

''सही का चुनाव करो'' को गेम बोर्ड पर दिखाओ और बच्चों से कहो कि वे पाठ को ध्यान पूर्वक सुने ताकि वे उन प्रश्नों का जवाब दें जिनका उपयोग खेल में किया गया है ।

चर्चा

- क्या कभी किसी ने कुछ करने का साहस किया है ?

बच्चों को उस समय के विषय में बताने को कहो जब किसी ने उन्हें कुछ करने की चुनौती दी ।

पत्र

बच्चों को बताओ कि गिरजाघर के जनरल अधिकारी, ऐल्डर रेकस डी. पाइनगर के पास से एक पत्र आया है । समझाओ कि वह अपना एख अनुभव बताते हैं जब वह मात्र 7 वर्ष के थे और कुछ करने की चुनौती दी थी । चित्र संख्या 2-21, ऐल्डर रेक्स डी. पाइनगर और वह पत्र पढ़ो या बताओ । (अगर तुमने उस पत्र की नकल करवाई है और उसे एक लिफाफे में डाला है तो निदेर्शिका के स्थान पर उस पत्र से पढ़ो ।)

''मेरे प्यारे मित्रों,

''मैं तुम्हें चुनौती दैता हूँ'' यह शब्द वे लड़के और लड़कियाँ अपने मित्रों से सुनते हैं जो यह चाहते हैं कि तुम दिखाओ कि तुम निडर हो,मजबूत हो और चुनौती ले सकते हो । हो सकता है कि आपसे कुछ करने को कहें जिसे आपके माता-पिता या शिक्षको ने करने को मना किया है..... जिसको आप जानते हो कि करना गलत होगा । मैं जानता हूँ कि जब हम कुछ करते हैं जो गलत है, तब हम अपनी शक्ति के स्थान पर अपनी कमजोरी दिखाते हैं । एक व्यक्ति अपनी सही बहादुरी और शक्ति तभी दिखलाता है जब उसके पास सही करने का साहस होता है ।

''कभी जब मैं सात वर्ष का था, मेरा एक मित्र था जिसे मैं बहुत प्यार करता था । बहुधा हम दोनों एक साथ स्कूल से घर वापस आते थे ..... हम लोग बहादुरी की बात करते और बहुत से कार्य करने की योजना बनाते ।

''कभी कभी हम एक दूसरे को किसी गड्ढे को फांदने की चुनौती देते या किसी पेड़ पर चढ़ते यह सिद्ध करने के लिए कि हम लोग बहुत से ऐसे काम करते जिन्हें हमने बड़े लड़के और लड़कियों के करते हुए देखा है ।

''एक दिन जब हम घर लौटे और सड़क के किनारे खड़े थे और बात कर रहे थे कि स्कूल में सबसे तेज धारक कौन है .... जब मैंने इस बात पर जोर दिया कि मैं अपने मित्र से अधिक तेज दौड़ सकता हूँ उसने हमारी ओर मुड़ कर कहा, ''अगर तुम इतने तेज धावक हो, तो मैं तुम्हें चुनौती देता हूँ कि उस कार के पहुँचने के पहिले सड़क को पार कर लो ।''

''मैंने सड़क की ओर देखा और कुछ दूर पर एक कार को आते देखा । बिना देर किये मैं सड़क की ओर दौड़ पड़ा यह दिखाने के लिये कि में तेज धावक हूँ और निडर भी । एक क्षण बाद कार एक झटके के साथ रूक गयी । उसके बम्पर से मुझे चोट लगी और मैं गिर कर बेहोश हो गया ।

''जब मेरी आँखे खुली तो मेरा शरीर दर्द कर रहा था, मेरे स्वामिमान को ठेस पहुँची थी और मेरी माता के उत्सुक चेहरे ने मुझे अनुभव कराया कि मैं न तो तेज धावक था और न ही बहादुर । मैं केवल एक मूर्ख था । मैं अपने लिए और दूसरों के लिये उदासी का कारण बना ।

''जो पाठ मैंने सीखा..... वह मेरे पूरे जीवन में महत्वपूर्ण ठहरा । मैंने यह सीखा कि किसी व्यक्ति को उसी कार्य को करने की चुनौती स्वीकार करनी चाहिए जो कार्य सही हो ।

''अगर तुम कुछ करने की चुनौती स्वीकार करते हो जो सही न हो, जिसे स्वर्गीय पिता और तुम्हारे माता - पिता न पसन्द करे तो उसे करने में तुम्हें खेद और निराशा ही होगी । अगर तुम किसी सही काम को करने की चुनौती स्वीकार करते हो तो तुम्हें अच्छा अनुभव होगा ।

''जैसे एक दोस्त दूसरे के लिये होता है मैं तुम को उत्साहित करता हूँ कि तुम अपने माता - पिता की आज्ञाएं और प्रभु की शिक्षाओं को मानो..... सही कार्य करने से तुम यीशु मसीह के अच्छे मित्र बन जाओगे और तुम उसकी महान आशिषों का आनन्द उठाओगे ।

''काश तुम सदा वही करो जो सही हो ।

''प्यार के साथ, तुम्हारा दोस्त, रेक्स डी. पाइनगर'' ("Friend to Friend," Friend, Oct. 1974, पृ. 10--11)

चर्चा

- कौन सा चुनाव रेक्स पाइनगर ने किया ? (उसने कार के सामने दौड़ने का चुनाव किया)
- क्या उसने सही का चुनाव किया ?
- उसे क्या करना चाहिए था ?
- आप क्या सोचते हो उसने इस दुर्घटना से क्या सीखा ?
- जब आपको कोई किसी काम को करने की चुनौती देता है, तो क्या आपको उसे करना उचित है ?

बच्चों को याद कराओ कि ऐल्डर पाइनगर ने उनसे कहा ''सही करने की चुनौती दो ।''

- इसका क्या अर्थ है ''सही करने की चुनौती दो ।''

समझाओ कि सदा ऐसा करना आसान नहीं होता कि सही का चुनाव कर सकें विशेषकर उस समय जब कोई हमें कोई गलत काम करने की चुनौती देता है । हम सब यह चाहते हैं कि हमारे दोस्त यह सोचें कि हम लोग मजबूत है निडर हैं और हम लोग नहीं चाहते हैं कि दूसरे हमें अपशब्द कहें । समझाओ कि सही करने की चुनौती दैने का अर्थ है कि जब काम करना कठिन हो तब भी सही करने की चुनौती दो ।

गीत

बच्चों को खड़ा कराओ और ''सही करने की चुनौती दो'' के प्रथम छन्द के शब्द को गाओ अथवा बोल को बोलो । अगर बच्चे उस गाने को नहीं जानतें हैं तो कुछ शब्द को जानने के लिये कुछ बार गाओ । बच्चों को समझाओ कि अगली बार अगर कोई मूर्खता का काम करने की चुनौती देता है तब वे गाने के शब्द याद कर सकते हैं । गाने के शब्द उन्हें याद दिलायेंगे कि वे सही का चुनाव करें और उनको सही काम को करने का साहस दे ।

स. चु. अंगुठी

बच्चों से कहो कि वे स. चु. अंगुठी की ओर देखें अगर वे उसे पहने हुए हैं । यह बात स्पष्ट करो कि अगर वे अंगुठी को पहने हुए हैं तो वह अंगुठी उन्हें इस बात की याद करा सकता है कि उन्हें सही का चुनाव करना है ।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को यह बताओ कि किसी गलत काम को करने की चुनौती परीक्षा कहलाती है । बच्चों से कहो कि वे परीक्षा शब्द को कुछ बार दोहरायें । इस बात को समझाओ कि शैतान लोगों को गलत चुनाव करने की परीक्षा देता है । स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह चाहते हैं कि हम सब सही चुनाव करें क्योंकि सुखी होने का एक ही मार्ग है कि हम सदा सही काम करने का चुनाव करें । शैतान नहीं चाहता है कि हम लोग खुश रहें और वह यह भी जानता है कि गलत का चुनाव करने से लोग उदास हो जाते हैं ।

शैतान चाहता था कि यीशु मसीह गलत चुनाव करें

धर्मशास्त्र कहानी

वह कहानी बताओ जिसमें उजाड़ स्थान में यीशु मसीह की परीक्षा शैतान ने की । जैसा कि मत्ती 4:1-11 में दिया गया है । समझाओ कि यीशु के बपतिस्मा के बाद वह उपवास और प्रार्थना करने के लिए अकेले रहना चाहते थे ताकि वह स्वर्गीय पिता की निकटता महसूस करें । उन्होंने चालीस दिन और चालीस रात उपवास रखा । इसका अर्थ यह है कि चालीस दिनों तक वह निराहर रहे ।

- अगर तुम लम्बे समय तक भोजन नहीं करते हो तो तुम्हें कैसा लगता है ?
- तुम क्या सोचते हो कि चालीस दिनों तक उपवास रखने के बाद यीशु को कैसा लगा ?

समझाओ कि शैतान ने इसे एक उपयुक्त समय समझा कि वह यीशु की परीक्षा करे क्योंकि उपवास के कारण से भूखा और कमजोर हो गया होगा । शैतान ने यीशु की परीक्षा करने के लिये गलत तरीके से अपने शक्ति का उपयोग करना चाहा ।

कंकड़ को, कागज के मुकुट और चित्र संख्या 2-22 को बाहर निकालो । पुरातन काल में उपयोग किया गया मन्दिर । बच्चों से कहो कि वे ध्यानपूर्वक सुनें यह देखने के लिए कि किस प्रकार यीशु की परीक्षा करने के लिए शैतान इनका उपयोग करता है ।

कंकड़ को हाथ में लो । ऊँचे स्वर में मत्ती 4:3 को पढ़ो । समझाओ कि सबसे पहले शैतान ने चाहा कि उद्धारकर्ता उन कंकड़ो को रोटी बना दे । यीशु को मालूम था कि यद्यपि वह भूखा था फिर भी वह अपनी शक्ति का उपयोग ऐसा करने के लिए न करे । इस कारण उसने शैतान से कहा कि जो उचित है उसे करना भोजन करने से अधिक महत्वपूर्ण है । (देखें मत्ती 4:4)

चित्र संख्या 2-22 को उठाओ । पुरातन काल में पाया जाने वाला मन्दिर । समझाओ कि फिर शैतान ने उद्धारकर्ता को परखने के लिये कि वह परमेश्वर का पुत्र है कहा कि वह मन्दिर पर से कूद जाए । शैतान ने यीशु से कहा अगर वह कूद जायेगा तो दूत उसे चोट लगने से बचा लेंगे और उसका प्रमाण होगा कि वह परमेश्वर का पुत्र है (देखें मत्ती 4:6) । यीशु ने शैतान को मना कर दिया जिस आज्ञाओं को करने की चुनौती उसने उसको दी । वह जानता था कि मूर्खता के कार्य करने और यह आशा करना कि स्वर्गीय पिता उसे बचा लेगा गलत था (मत्ती 4:7)

मुकुट को उठाओ । समझाओ कि शैतान ने एक और परीक्षा की कोशिश करी शैतान ने कहा कि वह संसार का सारा वैभव उसे दे देगा अगर वह झुक कर शैतान की अराधना करे । (मत्ती 4:8-9 देखें) । यीशु को मालूम था कि उसे केवल स्वर्गीय पिता की अराधना करनी है । उसने शैतान को चले जाने को कहा ।

धर्मशास्त्र

ऊँची आवाज में मत्ती 4:10 पढ़ो, कि यीशु ने शैतान से क्या कहा ''ऐ शैतान, तू यहाँ से चला जा ।'' बच्चों को खड़े होकर इन शब्दों को दोहराने दो ।

समझाओ कि यीशु ने सदा सही का चुनाव किया क्योंकि उसने सही को पसन्द किया और उसने स्वर्गीय पिता की सारी आज्ञाओं को मानना स्वीकार किया)

जैसे यीशु ने सही का चुनाव किया वैसा तुम भी कर सकते हो

स. चु. चार्ट

स. चु. चार्ट को दिखाओ और बच्चों से कहो कि जो कुछ चार्ट पर लिखा है उसे दोहराओ । समझाओ कि सदा सही का चुनाव करने के प्रयास से हम और अधिक यीशु के अनुरूप बन जाते हैं । अगर हम सही का चुनाव करने की कोशिश करते हैं तो स्वर्गीय पिता हमारी सहायता करेगा ।

खेल समीक्षा

''सही को चुनो'' खेल को खेलने में बच्चों की सहायता करो । बच्चों को बताओ कि यह खेल बच्चों को यह याद करने मे सहायता करेगा कि कैसे यीशु मसीह ने सदा सही का चुनाव किया और वे भी किस प्रकार सही का चुनाव कर सकते हैं ।

कक्षा को दो गुटों में बाँट दो और प्रत्येक गुट को एक बटन या गोटी जैसा कोई समान दो । प्रत्येक टीम से कहो कि वह अपनी गोटी गेम बोर्ड के खुले स्थान पर लगाओ जहाँ लिखा है ''जाओ'' । प्रत्येक टीम के बच्चे बारी बारी से उन कागज़ों से जिन्हें तुमने तैयार किया है प्रश्नों का चुनाव करें (प्रश्न एक बार से अधिक इस्तेमाल किये जा सकते हैं ।) प्रत्येक प्रश्न को पढ़ो और टीम के सदस्यों को एक साथ उसका उत्तर देने दो । अगर वे सही जवाब देते हैं तो वे गोटी को जितने खाली स्थान है पार कर जाते हैं जिन्हें प्रश्न के बाद दिखाया गया है । अगर वे प्रश्न का जवाब गलत देने हैं तब उन्हें गोटी को उसी खाली खाने पर छोड़ देना है ।

अगर टीम स. चु. खाने पर पहुँच जाती है तो वे सीढ़ी से चढ़ कर ऊपर खाने पर पहुँच जाते हैं । अगर वे ''ग. चु.'' (गलत चुनाव) के खाने पर पहुँचते हैं, तो वे नीचे के खाने पर गिर जाते हैं ।

खेल के लिए प्रश्न

1. छोटा रेक्स पाइनगर क्यों कार के सामने दौड़ पड़ा ? (दो स्थान आगे बढ़ जाओ)
2. क्या एल्डर पाइनगर खुश था या उदास था कि उसने चुनौती स्वीकार की ? (एक स्थान आगे बढ़ो)
3. यीशु मसीह ने कितने दिन बीहड़ स्थान में बिताया ? (दो खाने आगे बढ़ जाओ)
4. किसने यीशु की परीक्षा करने की कोशिश की ? (तीन खाने आगे बढ़ो)
5. उपवास करने का क्या अर्थ है ? (पाँच खाने आगे बढ़ जाओ)
6. कितने विभिन्न तरीकों से शैतान ने यीशु की परीक्षा करने की कोशिश की ? (दो खाने आगे बढ़ जाओ)
7. शैतान उन पत्थरों के द्वारा यीशु से क्या कराना चाहता था ? (चार खाने आगे बढ़ाओ)
8. शैतान यीशु से मन्दिर की चोटी पर ले जा कर क्या कराना चाहता था । (तीन खाने आगे बढ़ाओ)
9. शैतान ने यीशु को क्या देने का वायदा किया अगर वह गिर कर उसकी आराधना करें । (पाँच खाने आगे बढ़े जाओ)
10. क्या यीशु ने वही किया जिसे जिसे शैतान ने उसे करने को कहा ? (तीन खाने आगे बढ़ो)
11. जब कोई हमें गलत या मूर्खतापूर्ण कार्य करने को चुनौती देता है तो स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह हमसे क्या कराना चाहते हैं ? *(पांच खाने आगे बढ़ जाओ)*
12. जब हमें कोई चुनाव करना है तो हमें क्या करना चाहिए ? (छः खाने आगे बढ़ जाओ)
13. शैतान की परीक्षा क्या है (छः खाने आगे बढ़ जाओ)
14. अगर हम गलत चुनाव करते हैं तो क्या हम खुश रहेंगे या उदास रहेंगे ? (एक खाना आगे बढ़ो)
15. अगर कोई आपको किसी काम को करने की चुनौती देता है, तो क्या आपको उसे करना चाहिए ? (दो खाने आगे बढ़ जाओ)

प्रश्नों के उत्तर

1. उसने अपने दोस्त की चुनौती स्वीकार कर ली ।
2. उदास
3. चालीस
4. शैतान
5. न खाना या पीना ।
6. तीन
7. उन्हें रोटी में बदल दो ।
8. यह बताने के लिए कि वह स्वर्गीय पिता का पुत्र था, वह कूद पड़ो ।
9. संसार के सारे राज्य और शक्तियाँ ।
10. नहीं
11. सही चुनो ।
12. सही चुनो ।
13. कुछ गलत करने की चुनौती दो ।
14. उदास ।
15. नहीं ।

सारांश

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाओ कि यद्यपि यीशु मसीह की परीक्षा ली गयी फिर भी उसने सदा सही का चुनाव किया । बच्चों को बताओ कि जब उन्हें चुनाव करना होता है तो उन्हें अपने से पूछना चाहिए ''स्वर्गीय पिता और यीशु मुझसे क्या कराना चाहता है ?'' वे ''Dare to Do Right'' गाना भी गा सकते हैं (Choose the Right) और स. चु. मुद्रिका की ओर देखो । ये चीजे तुम्हें याद करायें कि उन्हें सही का चुनाव करना चाहिए ।

स. चु. चार्ट

बच्चों से कहो कि वे पुनः स. चु. चार्ट पर लिखे शब्द पढ़ें ।

गवाही

बच्चों को यह गवाही दो कि सही का चुनाव करने से ही वे खुश हो सकते हैं । आप यह कहना पसन्द करोगे कि एक समय होगा जब किसी ने आपको कोई मूर्खतापूर्ण कार्य करने की चुनौती स्वीकार करने को कहा है । समझाओ कि आपने कौन सा चुनाव किया । और बाद में उसके विषय में आपको कैसा अनुभव हुआ ।

बच्चों को उत्साहित करो कि जब कोई उन्हें मूर्खतापूर्ण कार्य करने को कहता है, तो वे सही का चुनाव करें ।

किसी बच्चें को बुला कर उसे समापन प्रार्थना करने को कहें।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन कार्यो को चुनो जो तुम्हारी कक्षा के बच्चों के लिये सबसे उपयुक्त हो । तुम उसे पाठ के अन्तर्गत भी प्रयोग कर सकते हो अथवा समीक्षा अथवा सारांश के रूप में । अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिए ''शिक्षक के लिए सहायता'' का ''कक्षा का समय'' देखो ।

1. बच्चों को मदद करो कि वे निम्नलिखित शब्द बोलें अथवा जैसा नीचे बताया गया है, हाव भाव के साथ स्वर से गायें "If You're Happy"(*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 266)

   यह दिखाने के लिये कि मैं सही का चुनाव करता हूँ, मैं सच बोलता हूँ (अपने होठों को छूओ [या ताली बजाओ] और घूम जाओ) यह दिखाने के लिये कि मैं सही का चुनाव करता हूँ, मैं सच बोलता हूँ । (अपने होठों को छूओ और घूम जाओ) मैं उद्धारक के मार्ग को जानता हूँ और यह बात जो कुछ मैं कहता हूँ उससे प्रकट होती है । यह बताने के लिये कि मैं सही का चुनाव करता हूँ, मैं सच बोलता हूँ।(होठों को छुओ और घूम जाओ)

   आप गाना गाना चाहोगे अथवा अनेक बार उसके बोल बोलना और ''मैं सच बोलता हूँ'' को बदल कर यह बोलना ''मैं दयालु बनूँगा''या ''मैं अपनी प्रार्थना करता हूँ''

2. बच्चों की सहायता करो यह करने के लिये कि वे उन परिस्थितियों में सही करेंगे जहाँ वे चुनाव कर सकते हैं निम्नलिखित परिस्थितियों का उपयोग करो या अपनी ओर से कुछ नये का निर्माण करो ।

   क. एक दोस्त आपको दुकान से कुछ मिठाई चुराने की चुनौती देता है ।
   ख. आपके प्राथमिक में दूसरे बच्चे एक नये लड़के पर उसके कपड़े पहनने के ढंग पर हँसते हैं ।
   ग. आपकी छोटी बहन आपका प्यारा खिलौना तोड़ देती है ।
   घ. जब आपका दोस्त तुम्हारे द्वार पर आता है और आपसे बाहर जा कर खेलने के लिये कहता तभी आपकी माँ अपने लिये आपसे कुछ काम करने के लिये कहती है
   ड. आपके दोस्त आपसे कहते हैं कि जिस गेंद से वे खेला रहें थे इसे व्यस्त सड़क से आप उठा कर ले आओ ।
   प. एक अजनबी आपको मिठाई देता है ।

3. चित्र को दिखाओ 2-38, पहला दर्शन और संक्षेप में प्रथम दर्शन की कहानी बताओ जैसा कि जोसफ स्मिथ - इतिहास 1:14-20 समझाओ कि जब जोसफ स्मिथ ने दूसरों को बताया कि उसने स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह को देखा था, तो बहुतों ने उस पर विश्वास नहीं किया उन लोगों ने उसकी हँसी उड़ाई और अपशब्द कहें । वे चाहते थे कि वह कहे कि वह दर्शन सही नहीं था (देखो जो. सि.- इ 1:21-26). लेकिन जोसफ स्मिथ ने सही करने की चुनौती स्वीकार किया..... उसने वही किया जिसे स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह ने उससे कराना चाहा ।

4. प्रत्येक बच्चे को स. चु. शील्ड की एक प्रति दो (जो निर्देशिका के शुरू में पाया जाता हैं) और रंग और पेंसिल भी दो । बच्चों को शील्ड को रंगने दो । बच्चों को समझाओ कि सही काम करने की चुनौती शील्ड के समान है जो मूर्खतापूर्ण चुनाव के परिणाम से उन्हें बचाता है । बच्चों से कहो कि वे अपने शील्ड को घर में कही रखा दे जहाँ वे उन्हें याद कराते रहेंगे कि उन्हें सही का चुनाव करना चाहिए ।

सही का चुनाव करो

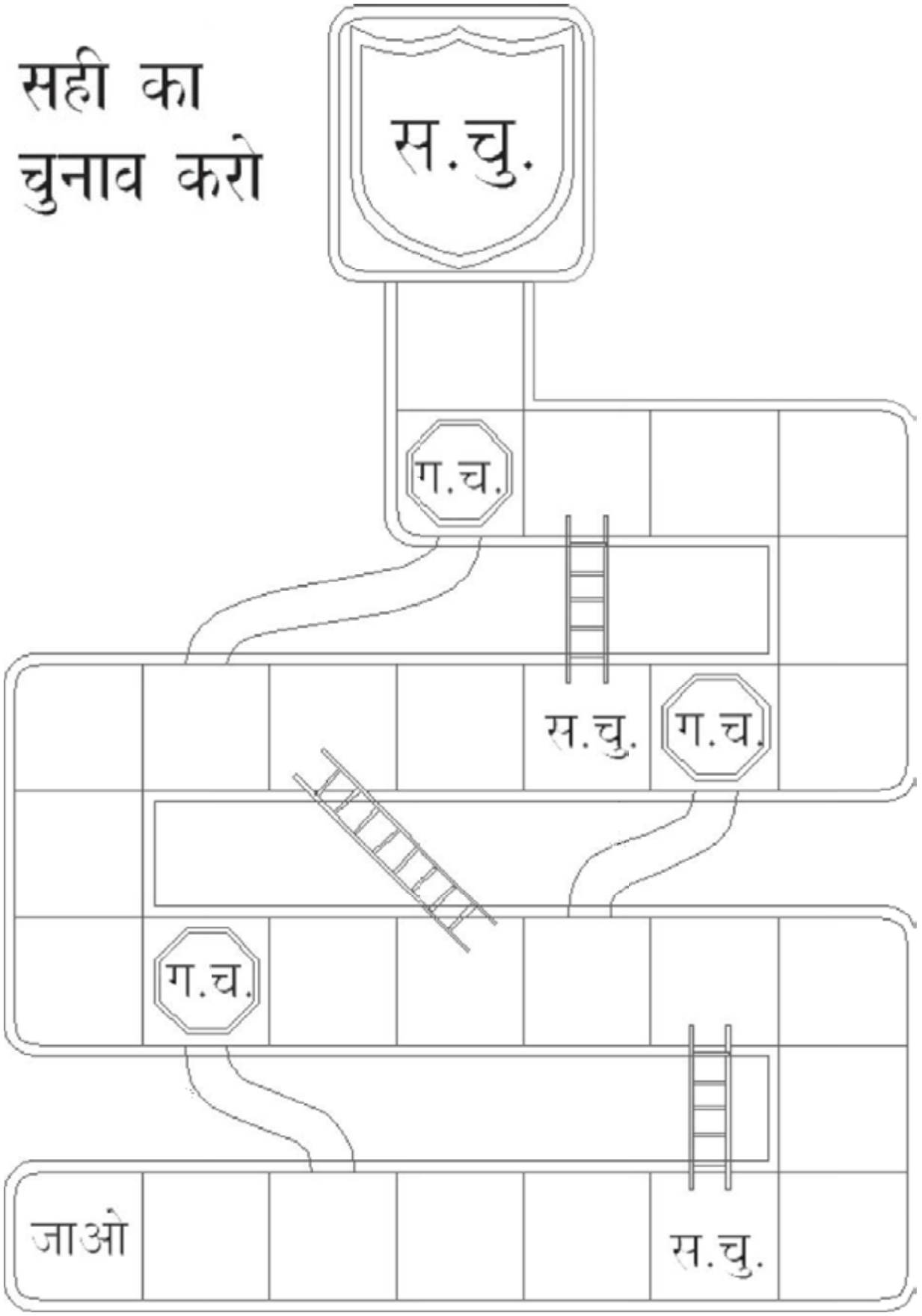

आओ, मेरा अनुसरण करो

पाठ
15

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चों की यीशु मसीह का अनुसरण करने की इच्छा को पुष्ट करना ।

तैयारी

1. प्रार्थना के द्वारा मत्ती 4:18-22, लूका 5:1-11 और यूहन्ना 14:15, 15:17

2. पद चिन्हों को कागज के बड़े टुकड़े काट कर तीन सेट बनाओ । निम्नलिखित को पद चिन्हों पर लिखो :
   क. आओ / मेरा अनुसरण करो ।
   ख. मेरी आज्ञाओं को / मानो ।
   ग. एक दूसरे को / प्रेम करो ।

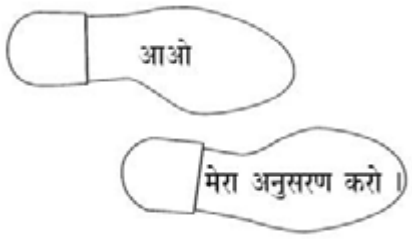

3. "Come, Follow Me" (Hymns, no. 116) का प्रथम छन्द के बोल को गाओ या शब्दों में बोलों ।

4. आवश्यक सामाग्रियाँ
   क) एक बाइबल
   ख) स. चु. चार्ट (पाठ 1 देखो)
   ग) प्रत्येक बच्चे के लिये दो टुकड़े कागज के और पेंसिल
   घ) चित्र 2-23 बच्चे अपने पिता के पद चिन्हों पर चलें, चित्र संख्या 2-24, मछुआरों को बुलाना (सुसमाचार कला चित्र किट 209; 62496)

5. किसी शक्तिकरण के गतिविधि के लिए जिसे तुम पसन्द करते हो, तैयारी करो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को बुला कर प्रारम्भिक प्रार्थना कराओ ।

अगर सप्ताह के दौरान तुमने बच्चों को कोई काम करने के लिये प्रोत्साहित किया है तो उसकी जांच करो ।

यीशु मसीह चाहते हैं कि हम उनका अनुसरण करें

ध्यान गतिविधि

बच्चों को ''Follow the Leader'' गाना गाने दो । बच्चों को एक कतार में कमरे में एक ओर खड़ा करो । कतार में खड़ा पहला बच्चा दौड़ता है, कूदता है, फांदता है या कोई और क्रिया करता है जो उस कमरे के दूसरे किनारे तक जाता है । दुसरे बच्चे पहले बच्चे के द्वारा किये गये काम का अनुसरण करते हैं । फिर पहला बच्चा कतार के अन्त तक जाता है और दूसरा बच्चा अगुवा बन जाता है । यह क्रम तब तक करो जब तक प्रत्येक बच्चे के मार्गदर्शक बनने की बारी न आ जाए ।

बच्चों को बताओ कि आज के पाठ में वे यीशु मसीह के अनुसरण करने की बात सीखेंगे ।

कहानी

चित्र सं॰ 2-23 को दिखाओ, बच्चा अपने पिता के पद चिन्हों का अनुसरण कर रहा है और निम्नलिखित कहानी को अपने शब्दों में सुनाओ (अगर तुम्हारी कक्षा के बच्चों को बर्फ के विषय में नहीं मालूम है, तो तुम अपनी कहानी को उसी मौसम और वातावरण में ढाल सकते हो ।)

सैम आग जलाने के लिए लकड़ी बटोरने में अपने पिता की मदद करने बाहर चला गया । जाड़े का मौसम था और बर्फ बहुत गहन पड़ रही थी । सैम और उसके पिता दोनों ने लकड़ी के गट्ठर को ले कर घर को वापिस आने लगा सैम के लिए गट्ठर को लेकर बर्फ में चलना कठिन था । सैम के पिता ने सैम से कहा कि वह उसके पद चिन्हों में चले जिसे बर्फ में छोड़ कर वह बढ़ रहा था । जब सैम अपने पिता के पद चिन्हों में चलने लगा तो उसके लिये काफी आसान हो गया ।

- सैम क्यों अपने पिता के पद चिन्हों में चलने लगा ?

• तुम क्या सोचते हो कि सैम के लिये बर्फ में चलना क्यों आसान हो गया जब उसने अपने पिता के पद चिन्हों पर चलना शुरू किया ?

धर्मशास्त्र कहानी

चित्र संख्या 2-24 दिखाओ, मछुआरों को बुलाया जा रहा है । वह कहानी बताओ जो मत्ती 4:18-22 में और लूका 4:1-11 में कही गयी है । समझाओ कि जब यीशु मसीह इस धरती पर थे उसने लोगों को अपना चेला बनाने या सहायक बनने के लिये बुलाया ।

जैसे तुम कहानी सुनाते हो तो उचित समय पर मत्ती 4:19 को ऊँचे स्वर में पढ़ो । समझाओ कि ''मैं तुम्हें मनुष्यों का मछुआरा बनाऊँगा'' का अर्थ यह कि यीशु चाहता था कि ये लोग लोगों को शिक्षा देने में उनकी सहायता करें ।

• इन मछुआरों ने यीशु का अनुसरण क्यों किया ?

• तुम क्या करोगे यदि यीशु तुम्हें अपना अनुसरण करने तथा उसका चेला बनने के लिए कहता है ?

चर्चा

यीशु मसीह अपने चेलों को बुला रहा है कहानी से सैम और उसके पिता की कहानी की तुलना करो । जिस तरह से सैम के पिता ने सैम से कहा कि वह उसका अनुसरण करे, ठीक वैसे ही यीशु हम लोगों से कहता है कि हम उसका अनुसरण करें । सैम के पिता को मालूम था कि सैम के लिये आसान होगा अगर वह अपने पिता का अनुसरण करे । उद्धारक को मालूम है कि हम लोगों के लिये आसान होगा और हम खुश भी रहेंगे अगर हम लोग उसका अनुसरण करेंगे ।

• यीशु का अनुसरण करो कहने का क्या मतलब है ?

• जब हम लोग यीशु का अनुसरण करते हैं तो हमारी जिन्दगी क्यों आसान होती है ?

गीत

''Come, Follow Me'' गाने के प्रथम छन्द को गाओ अथवा उसे शब्दों में बोलो । और उन शब्दों को समझाओ जिनसे बच्चे अनभिज्ञ है ।

यीशु ने कहा ''आओ, मेरा अनुसरण करो'' फिर हम उनके पद चिन्हों पर चलें । क्योंकि ऐसा ही करने से हम लोग परमेश्वर के प्रिय इकलौते पुत्र के साथ एक हो सकेंगे ।

समझाओ कि हम लोग यीशु को पसन्द करके और उसकी आज्ञाओं को मानने की कोशिश करके उसका अनुसरण कर सकते हैं ।

पद चिन्ह गतिविधि

दो पद चिन्हों को दिखाओ जिस पर छपा है ''आओ'' और ''मेरा अनुसरण करो ।'' बच्चों के साथ शब्दों को पढ़ो बच्चों को यह वाक्यांश कुछ बार दोहराने दो ।

कमरे के सामने स. चु. चार्ट को लटका दो । एक बच्चे से कहो कि वह पद चिन्हों को कमरे के दूसरी ओर फर्श पर रखे । (जैसे ही पाठ आगे बढ़ता है और प्रत्येक पद चिन्ह का सेट फर्श पर रखा जाता है उन्हें एक रास्ता बनाना है जो स. चु. चार्ट पर उद्धारक की ओर जाता है ।)

यीशु चाहते हैं कि हम लोग आज्ञाएं मानें

धर्मशास्त्र चर्चा

समझाओ यीशु मसीह का अनुसरण करने का अर्थ है कि जो वह हम से कराना चाहते हैं उसे हम करने को तैयार हैं । बच्चों से कहो कि वे सुनें जब आप, यीशु ने हमसे क्या करने को कहा है, के विषय में पढ़ते हो।

यूहन्ना 14:15 को ऊँचे स्वर में पढ़ो । समझाओ कि ये शब्द यीशु के हैं । बच्चों से कहो कि वे धर्मशास्त्र को तुम्हारे साथ दोहराये ।

• यीशु ने क्या कहा कि हमें करना चाहिए ?

• यीशु की आज्ञाओं को मानने का क्या अर्थ हैं ?

पद चिन्ह गतिविधि

पद चिन्हों को दिखाओ जिन पर लिखा हैः ''मानो'' और ''मेरी आज्ञाएं'' और बच्चों से कहो कि वे वाक्यांश को दोहरायें । एक बच्चे से कहो कि वह इन पद चिन्हों को पहले पद चिन्हों के सामने कुछ दूरी पर रखें । (पद चिन्ह इतने निकट होने चाहिए कि बच्चे एक के बाद दूसरे पर पैर रख सकें ।)

चर्चा

बच्चों के लिये कुछ परिस्थितियां बताओ जिनमें बच्चे यीशु का अनुसरण कर सकें । बच्चों को बारी बारी से बताने दो कि वे प्रत्येक स्थिति में क्या करेंगे । निम्नलिखित उदाहरणों का उपयोग करो अथवा अपनी ओर से कुछ तैयार करो जो आपकी कक्षा के लिये उपयुक्त हो ।

1. आप विद्यालय में खेल रहे हो और आपको एक पर्स मिलता है जिसमें कुछ पैसे हैं ।

• आप किस प्रकार यीशु का अनुसरण करोगे ?

2. आप बिस्तर में जाने के लिये तैयार हो और इतने थके हो कि तुरन्त सो जाना चाहते हो ।

   • बिस्तर में जाने के पहले आप किस प्रकार यीशु का अनुसरण करोगे ?

3. आपकी माँ ने आपको कहा है कि आप अपनी छोटी बहन को देखोगे कि वह सड़क पर दौड़ न जाए । कुछ दोस्त आ जाते हैं और वह आपको अपने साथ खेलने का निमन्त्रण देते हैं ।

   • आप किस प्रकार यीशु का अनुसरण करोगे ?

4. एक नये लड़के ने आपके विद्यालय में आना शुरू कर दिया है और कुछ बच्चे उसकी हँसी उड़ाते हैं ।

   • आप किस प्रकार यीशु का अनुसरण करोगे ?

5. कुछ मित्रों ने आपको निमंत्रण दिया है कि आप उनके साथ जा कर रिश्तेदारों से भेंट करो, लेकिन वे समय के अन्दर नहीं लौट पायेंगे कि आप गिरजाघर जा सकें ।

   • आप किस प्रकार यीशु का अनुसरण करोगे ?

बच्चों को निमन्त्रण दो कि वे दूसरी परिस्थितियों को बतायें जिनमें वे यीशु का अनुकरण कर सकें । यह बतलाओ कि जब हम लोग यीशु की इच्छा के अनुसार काम करके उसका अनुसरण करते हैं तब हम सही का चुनाव करते हैं ।

यीशु चाहते हैं कि हम लोग एक दूसरे को प्यार करें

धर्मशास्त्र

यह कि बच्चों की सहायता की जाये कि वे यीशु के पद चिन्हों पर चलने का दूसरा तरीका ढूँढे, यूहन्ना 15:17 को ऊँचे स्वर में पढ़ें । समझाओ कि ये यीशु के शब्द हैं । अपने साथ बच्चों को धर्मशास्त्र दोहराने दो ।

• यीशु किसको चाहते हैं कि हम प्यार करें ?

पद चिन्ह गतिविधि

पद चिन्ह जिन पर चिपकाया गया है ''प्यार'' और ''एक दूसरे से'' को दिखाओ इन शब्दों को बच्चों के साथ पढ़ो और उन्हें वाक्यांश को दोहराने दो । एक बच्चे से कहो कि पद चिन्ह को पहले की भांति रखे ।

कहानी

निम्नलिखित कहानी को बोलो या पढ़ो कि किस प्रकार एक छोटा लड़का हिबर ने यीशु मसीह का अनुसरण किया ।

हिबर जाड़े में काँप रहा था और एक हल्का कोट पहने था । शीघ्र ही उसका जन्म दिवस आने वाला था और उसे एक गर्म कोट की ज़रूरत थी । लेकिन वह जानता था कि उसकी माँ उदास हो जायेगी अगर उसने उसके लिये उससे पूछा क्योंकि असकी माँ में उसे खरीदने का सामर्थ नहीं था । हिबर के पिता जी उसके बचपन में ही गुजर चुके थे और हिबर की माँ कड़ी मेहनत करती थी कि वह जरूरत के लिये पैसे कमा सके । बहुधा वे देर रात तक दूसरों के लिए कपड़े सिला करती थी ।

हिबर के जन्म दिवस के दिन उसकी माँ ने उसे जन्म दिवस की बधाई दी और एक सुन्दर कोट उसे दिया जिसे उसने उसके लिए स्वंय बनाया था । हिबर उसको बाहर पहिनने के लिये नहीं रूक पाया कि वह देख सके कि वह कितना गर्म है ।

कुछ सप्ताह बाद जब वह किसी काम से जा रहा था हिबर ने एक लड़के को देखा जो केवल एक बनियान पहने था । हेबर समझ सकता था कि वह कितना ठंडा महसूस कर रहा होगा । बिल्कुल बिना सोचे, हेबर ने अपना कोट उतारा और उसे उस लड़के को दे दिया ।

जब हिबर की माता ने उसे पुराना कोट पहने हुए देखा तो उसने उससे पूछा कि नये कोट का क्या हुआ ।

हिबर ने बताया ''मैंने एक लड़के को देखा जिसे उसकी आवश्यकता मुझसे अधिक थी और इस कारण मैंने उसे उसकों दे दिया''।

उसकी माँ ने पूछा :''क्या तुम उसे अपना पुराना कोट नहीं दे सकते थे ?''

हिबर ने अपनी माँ की ओर देखा, सोचा कि वह समझ जायेगी, और उसने देखा कि उसकी आँखों में आँसू थे । उसने उसे अपनी बाहों में भर लिया और कहा ''अवश्य ही तुम उसे पुराना कोट दे सकते थे, हिबर'' (See Lucile C. Reading, "The Coat," Children's Friend, Nov. 1966, p. 5.)

• हिबर ने किस प्रकार यीशु मसीह का अनुसरण किया ?

बच्चों को बताओ कि इस कहानी में वह लड़का हिबर जे. ग्रान्ट था जो बड़ा हो कर गिरजे का सातवां अध्यक्ष बना ।

चर्चा

बच्चों से कहो कि वे सोचें कि कैसे वे अपने प्यार को दूसरों पर प्रकट कर सकते हैं । हो सकता है कि तुम बच्चों के विचार करने के लिए निम्नलिखित प्रश्नों का उपयोग कर सकते हो ?

• अगर आप देखते हैं कि कोई व्यक्ति गिर पड़ा और उसे चोट लग गई, तो आप अपना प्यार प्रकट करने के लिये क्या कर सकते हैं ?

• अगर विद्यालय में किसी ने भोजन नहीं किया है, तो आप अपना प्यार प्रकट करने के लिये क्या कर सकते हैं ?

समझाओ कि दूसरों को प्यार करना अनुभव करने और शब्दों में बोलने से अधिक है । हम लोग अपना प्यार अपने कार्यों द्वारा प्रकट करते हैं । बच्चों को बुलाओ कि वे बतायें कि पिछले सप्ताह उन लोगों ने दूसरों के प्रति अपना प्यार कैसे प्रकट किया ।

हम लोग सही का चुनाव करेंगे और यीशु मसीह का अनुसरण करेंगे

पद चिन्हों गतिविधि

प्रत्येक बच्चें को मौका दो कि वह एक पद चिन्ह से दूसरे पद चिन्ह पर जाये और फिर स. चु. पर लगे यीशु के चित्र के पास खड़ा हो जाये । प्रत्येक बच्चा यह बताये कि इस सप्ताह वह यीशु का अनुसरण करने के लिये क्या करेगा ।

बच्चों को बताओ कि जब हम सही का चुनाव करते है तो यीशु मसीह का अनुसरण करते हैं । स. चु. चार्ट की ओर इशारा करो और बच्चों को दोहराने दो, ''मैं सही का चुनाव करूँगा'' ।

सारांश

कार्यक्रम

प्रत्येक बच्चे को दो कागज के टुकड़े और एक पेंसिल दो । बच्चों को अपने पैर के निशान का अक्स निकालने दो ताकि वे अपने समर्पण को याद कर सकें कि वे यीशु का अनुसरण करेंगे । उनके कागज के ऊपर लिखो या उनको लिखने दो मैं यीशु मसीह का अनुसरण करूंगा । बच्चों को उनके पद चिन्हों को घर ले जाने दो ताकि वे याद रखें कि उन्होंने यीशु का अनुसरण करने की प्रतिज्ञा की है ।

गवाही

बच्चों को बताओ कि किस प्रकार यीशु का अनुसरण कर तुमने खुशी पायी । गवाही दो कि अगर हम यीशु का अनुसरण करेंगे तो यीशु हम लोगों को पुनः स्वर्गीय पिता के पास रहने के योग्य बनायेगा ।

बच्चों को उत्साहित करो कि वे सदा यीशु के पद चिन्हों का अनुसरण करें । उनको सलाह दो कि वे कागज पर बने अपने पद चिन्ह की चर्चा अपने माता-पिता से करें ।

एक बच्चे को बुला कर समापन प्रार्थना कराओ । समझाओ कि बच्चा स्वर्गीय पिता से मांगे कि वह बच्चों को मदद करें कि वे यीशु का अनुसरण करें और सही का चुनाव करें ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनाव करो कि आपकी कक्षा के लिये कौनसा कार्य सबसे उपयुक्त होगा । आप उसे पाठ में भी उपयोग कर सकते हो अथवा समीक्षा या सारांश में । अतिरिक्त मार्गे दर्शन के लिये ''शिक्षक के लिए सहायता'' में ''कक्षा का समय'' देखो ।

1. बच्चों को समझाओ कि आप एक क्रिया करने जा रहें हैं (जैसे ताली बजाना, झुकना या चुस्ती से चलना) । उनसे कहो कि वे आपकी क्रिया को दोहरायें । इसे एक बार करो फिर एक और क्रिया जोड़ो और बच्चों को दोनो क्रिया दोहराने को कहो । नयी क्रियाएं एक-एक कर के जोड़ते जाओ । देखो कि कितनों को बच्चे याद रख सकते हैं और सही क्रम में दोहरा सकते हैं ।

   इस बात को उद्धारक को अनुसरण से तुलना करो । हमें उसका अनुसरण केवल एक बात में नहीं लेकिन सभी बातों में करना चाहिए जिसे हम करते हैं ।

2. कक्षा के प्रत्येक सदस्य के लिए कागज की गुड़िया की एख श्रृंखला तैयार करो । (जो बड़े बच्चे हैं अपनी श्रृंखला अलग बनाना पसन्द करेंगे ।) अकोर्डियन की तरह से एक कागज को मोड़ो । उस कागज पर गुड़िया का चित्र बनाओ । (नीचे दिया चित्र देखों) और गुड़िया को काट कर अलग पर दो । प्रत्येक बच्चे के लिये एक श्रृंखला के निचले भाग में । समझाओ कि एक सबसे महत्वपूर्ण बात जो यीशु ने हम लोगों से करने को कहो वह है ''एक दूसरे को प्यार करो ।''

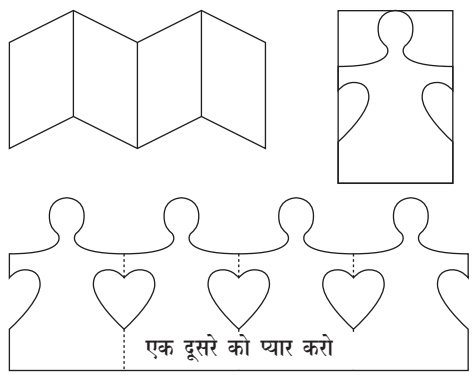

3. ''I'm Trying to Be like Jesus" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 78) के प्रथम छन्द को गाओ या उसका बोल बोलो । "Love One Another" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.*. 136), अथवा "Keep the Commandments" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 146). "I'm Trying to Be like Jesus" और ''Love One Another'' के बोल निर्देशिका के पीछे लिखे हैं । ''Keep the Commandments'' के बोल दूसरे पृष्ट पर दिये हुए है ।

आज्ञाओं को मानो

आज्ञाओं को मानो,
आज्ञाओं को मानो,
इसमें रक्षा निहित है,
इसमें शांत्ति है,
वह आशिष देगा,
वह आशिष देगा,
एक भविष्यवक्ता के शब्द :
आज्ञाओं को मानो ।
इसी में सुरक्षा और शांत्ति निहित है ।

यीशु मसीह में चंगा करने की शक्ति है

पाठ
16

उद्देश्य

बच्चों को यह समझाओ कि यीशु मसीह के पास चंगा करने की शक्ति है और यह कि पौरोहित्य की आशीष बीमार को चंगा कर सकती है ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ मत्ती 9:18-19, 23-23, मरकुस 5:22-24, 35-43; लूका 8:41-42, 49-56, याकूब 5:14-15 और सिद्धान्त और अनुबन्ध 42:48 का अध्ययन करो ।

2. पाठ के अन्त पाये जाने वाला चित्र की नकल करो या अक्स करो और उन्हें काट कर निकाल दो । इन चित्रों का उपयोग "What Am I?" गतिविधि में होगा ।

3. आवश्यक सामाग्रियाँ
   क) एक बाइबल और सिद्धान्त और अनुबन्ध ।
   ख) प्राथमिक उपचार का एक किट या झोला जिसमें कुछ आवश्यक सामान जो किसी के बिमार पड़ जाने पर या चोट लग जाने पर उपयोग होता है ।
   ग) जैसे लोशन, पट्टी और खांसी के लिये पीने वाली दवा ।
   घ) चित्र 2-25 यीशु याईर की बेटी को आशीष देता है (सुसमाचार कल चित्र किट 215; 62231); चित्र 2-26, यीशु बीमार को चंगा करता है, चित्र संख्या 2-27 बीमार की तीमारदारी (62342)

4. किसी भी शक्तिकरण कि क्रिया के लिये आवश्यक तैयारी करो जिसे तुम उपयोग करना चाहते हो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को बुला कर प्रारम्भिक प्रार्थना करवाओ ।

अगर आपने सप्ताह के दौरान बच्चों को कुछ करने के लिये प्रोत्साहित किया है तो उसकी जांच करो ।

कभी कभी हम लोग बीमार पड़ जाते हैं

ध्यान गतिविधि

बच्चों को प्रथमिक उपचार का किट या झोला दिखलाओ और यह समझाओ कि उसके अन्दर जो चीजे हैं उनसे बीमार को चंगा करते और चोट लगने पर उपचार करने में उनकी सहायता ली जाती है । बच्चों को प्रत्येक सामान के विषय में इशारा करो और अनुमान लगाने में सहायता दो कि वह क्या है (उदाहरण के लिये ''वह घावों और चोट से कीटाणुओं और गन्दगी से दूर रखता हैं ।'')

जब बच्चे प्रत्येक चीज का अनुमान लगा चुके होते हैं, तब उन चीज़ों को उन्हें दिखाओ और संक्षेप में बताओ कि लोगों को चंगा करने में उनका उपयोग कैसे किया जाता है । बच्चों को याद कराओ कि वे इन चीजों का उपयोग अपने माता - पिता की मदद के बिना न करें ।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाओ कि करीब करीब सभी बीमार पड़ते हैं और चोट खाते हैं । कभी कभी बीमारी या चोट मामूली होती है और हमारे माता - पिता आसानी से हमारी देखभाल कर लेते हैं लेकिन दूसरे समय हम लोगों का रोग गम्भीर होता है और हमारे माता - पिता को सहायता के लिये हमें डाक्टर के पास ले जाना पड़ता है ।

समझाओ कि एक और तरीका है जिससे हमारे बीमार पड़ने पर हमारी सहायता हो सकती है । जब यीशु मसीह इस धरती पर रहते थे तब उन्होंने बहुतों को आशीष दी और उन्हें चंगा किया उसने उन्हें चंगा करने के लिए पौरोहित्य का उपयोग किया ।

यीशु मसीह ने बीमारों को चंगा किया

धर्मशास्त्र कहानी

चित्र संख्या 2-25 दिखाओ याईर की बेटी को आशीष दे रहें हैं और वह कहानी बताओ जिसमें याईर की बेटी को यीशु मसीह उठा रहा है जैसा कि लूका 8:41-42, 49-56 में पाया जाता है । (मत्ती 9:18-19, 23-26 और मरकुस 5:22-24, 35-43 भी देखो)

समझाओ कि याईर में बड़ा विश्वास था । उसने विश्वास किया कि अगर यीशु आकर उसकी बीमार लड़की को आशीष देगा तो वह चंगी हो जायेगी । जैसे यीशु याईर के घर गया बहुत से और लोगों ने उसके अगल - बगल भीड़ लगा दी और उसकी सहायता मांगने लगे। जब यीशु कोई और बीमार महिला की सहायता कर रहा था, तब एक व्यक्ति याईर के लिए एक समाचार लाया ।

लूका 8:49-50 को ऊँचे स्वर में पढ़ो ।

- उस सामाचार वाहक ने याईर से क्या कहा ? (देखे लूका 8:49)
- यीशु ने याईर से क्या कहा ? (लूका 8:50)

समझाओ कि जब यीशु याईर के घर पहुँचा उसने लोगों को रोने से मना दिया किया क्योंकि वह लड़की मरी नहीं थी । लेकिन लोगों ने उसका उपहास उड़ाया और ठट्टा किया क्योंकि उन लोगों ने सोचा कि वह मर चुकी थी (लूका 8:52-53) ।

यीशु ने सभी लोगों को बाहर भेज दिया सिवाय अपने चेलों पतरस, याकूब, और यूहन्ना तथा याईर एंव उसकी पत्नी के । फिर यीशु ने लड़की को हाथों में लिया और कहा उठो । लड़की फिर से पूर्णरूप से स्वस्थ हो कर अपने बिस्तर से खड़ी हो गई ।

- तुम क्या सोचते हो यीशु ने पतरस, याकूब, यूहन्ना और लड़की के माता पिता को छोड़ कर सभी को घर से बाहर क्यों भेज दिया (शायद इसलिये क्योंकि उन्होंने उसके ऊपर और विश्वास नहीं किया, कि वह लड़की को चंगा कर सकते हैं । उनके पास विश्वास नहीं था ।)
- यीशु याईर की बेटी को कैसे चंगा कर सका ? (उसके पास पौरोहित्य था, लड़की के माता-पिता के पास विश्वास था ।)

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

चित्र 2-26 दिखाओ, यीशु बीमार को चंगा कर रहा है और बच्चों से कहो कि वे कल्पना करें कि उन्हें कैसा अनुभव होगा अगर बीमारी के समय यीशु उन्हें आशीष देने आये । इस बात पर जोर दो कि यीशु उनमें से सबको उतना ही प्यार करता है जैसे वह अपने पृथ्वी पर रहने के दौरान प्यार करता था यद्यपि कि अभी वह पृथ्वी पर नहीं है उसने धार्मिक लोगों को पौरोहित्य और अधिकार दिया है कि उसके स्थान पर उसे उपयोग करें । वे हम लोगों को आशीष दे सकते हैं कि हम लोगों को चंगा करें । ठीक उसी प्रकार जैसे जब यीशु पृथ्वी पर रहते थे, किया करते थे ।

लोग जो पौरोहित्य धारक हैं हमारी तीमारदारी कर सकते हैं ।

चर्चा

चित्र सं॰ 2:27 दिखाओ, बीमारों की देखभाल कर रहे हैं ।

- इस चित्र में क्या हो रहा है ?

समझाओ कि जो लोग मलकिसिदक पौरोहित्य धारक हैं जो बीमार है उसे चंगाकर सकते हैं इसे हम बीमारों की तीमारदारी कहते हैं । बच्चों से कहो वे ''तीमारदारी'' को अनेक बार बोलें

बच्चों को आशिषित तेल की बोतल दिखाओ । समझाओ कि यह तेल पौरोहित्य धारकों द्वारा आशिषित किया जाता है । जब कोई व्यक्ति बीमार पड़ता है और मदद चाहता है कि वे अच्छे हो जाएं तो दो व्यक्ति जो मलकिसिदक धारक होते हैं वे उस तेल का उपयोग करते हैं और बीमार व्यक्ति को आशीषित करते हैं (याकूब 5:14-15) ।

- क्या कभी आपकी तीमारदारी की गयी ?

बच्चों को कहो कि वे बतायें अगर किसी पौरोहित्य की आशीष उन्हें या उनके परीवार में किसी को मिली । आप बच्चों को बताना पसन्द करोगे कि किसी समय पौरोहित्य धारकों ने आप या परिवार में किसी की तीमारदारी की थी ।

कहानी

कोई कहानी बताओ जिसमें वर्णन है कि पौरोहित्य आशीष के द्वारा कोई चंगा हुआ । एक सच्ची कहानी बताओ अपने विषय में या किसी और के विषय में जिसे बच्चे जानते हों, जैसे वार्ड या शाखा अध्यक्ष के विषय में, जो काफी कारगर सिद्ध होगी । अगर आप ऐसी कहानी नहीं जानते हो, तो आप निम्नलिखित कहानी का उपयोग कर सकते हो :

जब जेसिका स्कूल से घर पहुंची तब उसके पिता ने उससे द्वार पर भेंट करके उसे बताया कि उसका नया नवजात भाई आज ही सवेरे पैदा हुआ है । उस बच्चे ने समय से पहले जन्म लिया था और वह बहुत छोटा और कमजोर था । डाक्टर ने बताया था कि शिशु कुछ घंटे से अधिक नहीं जीएगा ।

जेसिका देख रही थी कि उसका पिता बहुत परेशान था । वह उदास थी क्योंकि वह शिशु को जिन्दा देखना चाहती थी ।

जेसिका के पिता ने अपने घर के शिक्षकों को बुलाया कि वह आकर बच्चे को आशीष दें । जब घर के शिक्षक आये तब वे उस सोने के कमरे में गये जहां जेसिका की माँ और उसका नवजात भाई था । जेसिका के पिता और घर के शिक्षक ने बड़े प्यार से नवजात शिशु के सिर पर हाथ रखा तब जेसिका के पिता ने उसे आशीष दी कि वह जीये और इस पृथ्वी पर अपना मिशन पूरा करे । जेसिका सान्तवना और शांति से भर गयी । उसको मालूम हुआ कि पौरोहित्य आशीष के कारण से उसका छोटा भाई बड़ा होगा और शक्ति सम्पन्न होगा ।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाओ स्वर्गीय पिता और यीशु हम सबको प्यार करते हैं जो चंगा होना चाहते हैं लेकिन कभी कभी उनकी तीमारदारी के बावजूद वे चंगे नहीं होते हैं । कुछ लोग इस कारण चंगे नहीं होते हैं क्योंकि स्वर्गीय पिता यह जानता है वे अपनी बीमारी और अपंगता में मजबूत बन जाते हैं । कुछ और इस कारण चंगे नहीं होते हैं क्योकि समय पूरा हो चुका कि वे मर जाएं और अपने स्वर्गीय पिता के

पास चले जाएं । (सि. और अनु. 42:48) हम लोग के पास विश्वास होना चाहिए कि स्वर्गीय पिता हमारी प्रार्थना का सबसे अच्छा उत्तर जानता है ।

गतिविधि

बहुत से बच्चों को कक्षा के सामने बुलाओ और चित्र को हाथ में उठाएं जिस पर लिखा हो ''मैं कौन हूँ ?'' । बच्चों से पूछो कि वे बतायें कि चित्र क्या बताते हैं ।

समझाओ कि तुम कुछ चीजों और लोगों के विवरण पढ़ने जा रहे हो जो बीमारों की तीमारदारी करते हैं । बच्चों को समझाने दो कि प्रत्येक चित्र किस विवरण से जोड़ा जा सकता है ।

1. जब किसी को आशीष दी जाती है तब मेरा उपयोग होता है । पौरोहित्य धारक कुछ बूदें बीमार के सिर पर डालता है । मैं क्या हूँ ? (आशिषित तेल)
2. मैंने लोगों को दिखाया कि कैसे जीया जाता है । जो विश्वास मेरे अन्दर है वह लोगो को चगां होने में सहायक सिद्ध हो सकती है । मैं कौन हूँ ? (यीशु मसीह)
3. मुझे एक विशेष आशीष चाहिए मुझे बुखार है । मैंने अपने पिता से कहा कि वह मुझे आशीष दें ताकि मैं ठीक हो जाऊँ । मैं कौन हूँ (एक बीमार बच्चा)
4. मुझे एक विशष अधिकार दिया गया है जिसे पौरोहित्य कहते हैं । मैं उस अधिकार का प्रयोग लोंगों को आशीष देने के लिये कर सकता हूँ मैं कौन हूँ ? (एक मलकिसिदक पौरोहित्य धारक)
5. जब एक बीमार व्यक्ति आशीष मांगता है तब उनको बुलया जाता है जो मलकिसिदक पौरोहित्य को धारण करते हैं । साधारणतः कुछ लोग इसमें भाग लेते हैं । मेरा भी उसमें नम्बर है । मैं कौन हूँ ?(दो नम्बर का)
6. जब पौरोहित्य धारक बीमार को आशीष देते हैं तब वे मुझे बीमार व्यक्ति के सिर पर रख देते हैं । मैं क्या हूँ ? (हाथ)

सारांश

चर्चा की समीक्षा

फिर से प्रथम उपचार की किट या झोला दिखाओ ।

- हम लोग इन चीजों को किस लिये प्रयोग करते हैं ?
- जब हम बीमार पड़ते हैं या घायल होते हैं तो और क्या बात हमें चंगा होने में मदद करती है ?

गवाही

यीशु मसीह की विशालता और उसके चंगा करने की शक्ति के विषय में गवाही दो । बच्चों को बताओ कि तुम कितने अनुग्रहीत हो कि यीशु ने धार्मिक लोगों को मलकिसिक पौरोहित्य दिया है ताकि जब हम बीमार होते हैं तब वे हमारी मदद कर सकें ।

बच्चों से कहो कि वे उन बातों को आपस में बाँटे जिसे उन लोगों ने अपने परिवार से सीखा है । बच्चों को प्रोत्साहित करो कि वे अपने परिवार को वह कहानी बतायें कि कैसे उद्धारक ने याईर की बेटी को चंगा किया ।

एक बच्चे को बुलाओ कि वह समापन प्रार्थना करे ।

समृद्धि गतिविधियां

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनो कि आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे अच्छा क्या होगा । आप उसे पाठ में भी उपयोग कर सकते हो अथवा समीक्षा या सारांश में । अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिए '' शिक्षक की सहायता के लिए'' में ''कक्षा का समय'' देखें ।

1. चॉक बोर्ड पर लिखो हम लोग चंगाई के वरदान में विश्वास करते हैं और यह समझाओ कि जोसफ स्मिथ ने हम लोगों को इस महान सच्चाई को सातवें विश्वास के अनुच्छेद के भाग के रूप में दिया है । बच्चों को खड़ा करो और वाक्य को दोहराने दो उनकी मदद करो कि वे उसे याद कर लें और एक या दो शब्द क्रम से मिटाते जाएं । बच्चों से कहो कि वे वाक्य को तब तक दोहराएं जब तक वह पूरी तरह से मिट न जाये और याद न हो जाए ।
2. ''विश्वास''के प्रथम छन्द को गाओ आथवा शब्दों में बोलो और निम्नलिखित हाव भाव का उपयोग करो (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 96) । बच्चों को बताओ कि चगांई पाने के लिये विश्वास महत्वपूर्ण है ।
   विश्वास यह कि हम जानते हैं कि सूरज उदय होगा (अपने सिर के ऊपर अपने दोनों हाथों से मेहराब बनाओ),
   प्रत्येक नये दिन को उजियाला देता है (धीरे से उपने हाथों को कंधे तक झुकाओ) ।
   विश्वास यह है कि परमेश्वर सुनेगा (अपने हाथों को कानो के पीछे ले जाओ)
   प्रत्येक बार जब मैं प्रार्थना करूंगा (हाथों को एक साथ लाओ जैसे प्रार्थना में करते हो ।)
   विश्वास एक छोटे बीज के समान है (ऐसा दिखाओ कि बायें हाथ में एक कटोरा है और दाहिने हाथ से बो रहे हो ।)
   अगर बोया गया तो वह उगेगा (ऐसा दिखाओ कि तुन्हारे दायें हाथ से यह दिखाओ कि बायें हाथ के प्याले में पौधा बढ़ रहा है ।

विश्वास हमारे हृदय में उत्तेजना के समान है (आपने हाथों को हृदय पर रखो ।)
जब मैं सही करता हूँ (दाहिने हाथ के पहली ऊँगली को ऊपर की ओर करो)
मैं जानता हूँ (दाहिने हाथ की पहली ऊंगली सिर को छुओ)

3. 3 नफी 17:5--9 में पायी जाने वाली वह कहानी बताओ कि यीशु नफी लोगों को चंगा करता है । अगर सम्भव होतो चित्र सं. ३१७ जो सुसमाचार कला चित्र किट (अथवा 62541 सभाघर पुस्तकालय) में पायी जाती है उसे कहानी बताने के लिए उपयोग करो । बच्चों से कहो कि वे आपने शरीर के कुछ अंगों को छुएं जिन्हें यीशु ने चंगा किया, जैसे, आंखे, कान और पैर । बच्चों से बातें करो कि यीशु ने नफी लोगों को चंगा किया होगा तो उन्हें कैसा अनुभव हुआ होगा आठवें छन्द के अन्तिम भाग को ऊँची आवाज में पढ़ो (क्योंकि मैं देखता हूँ से) और बच्चों को याद कराओ यह जरूरी है कि हमें यीशु मसीह में विश्वास हो ।

4. पाठ के अन्त में प्रत्येक बच्चे के लिए चित्र की एक प्रतिलिपि अथवा नकल होनी चाहिए। बच्चों को रंग दो और चित्र को रंगने दो । उन्हें उत्साहित करो कि वे अपने परिवार के सदस्यों को बतायें कि पौरोहित्य की आशीष के द्वारा बीमार कैसे आशीष पाते हैं ।

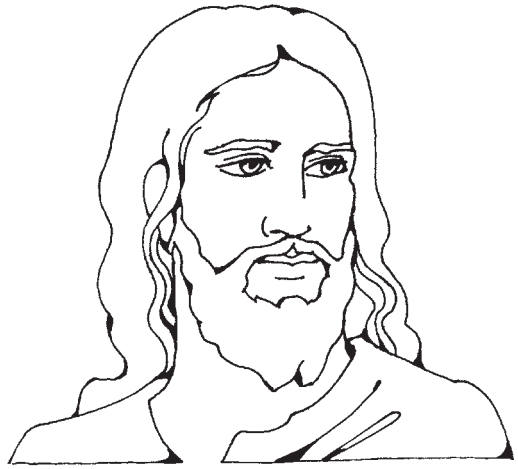

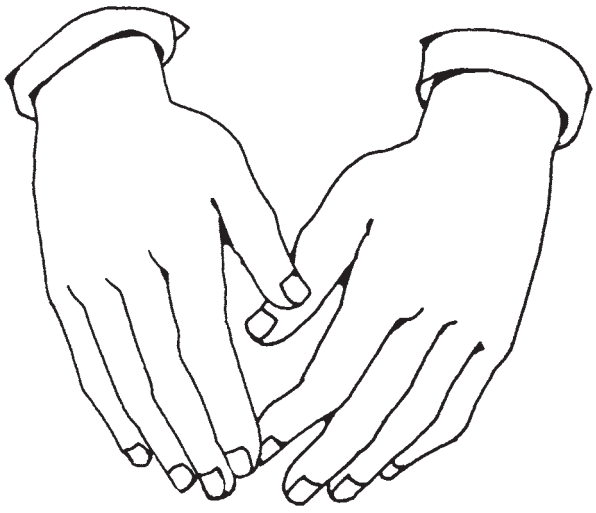

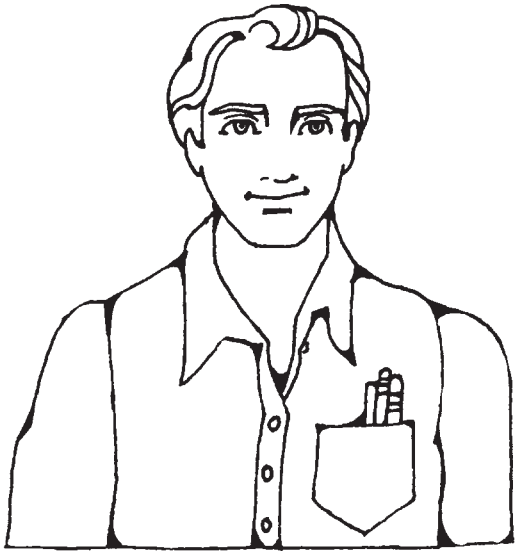

2

पाठ
17

पौरोहित्य मेरी सहायता करता है

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चों को समझाएं कि पौरोहित्य कैसे हमारी सहायता करता है ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ मरकुस 4:35--41 का अध्ययन करो । सुसमाचार के सिद्धान्त भी देख (31110) अध्याय 13।

2.'' स्वामी, तूफान उग्र है'' का पहला छन्द और कोरस को गाने की तैयारी करे अथवा शब्दों में बोले। (गाना न. 105) बच्चों को कुछ कठिन शब्दों के अर्थ समझाने की भी तैयारी करें ।

३. आवश्यक सामग्रियां
   क. बाइबल
   ख. एक फलैश लाईट या छोटी बत्ती । अगर ऐसा सम्भव नहीं है तो कक्षा की बत्ती का उपयोग करो ।
   ग. चित्र स. 2-20, एक लड़के का बपतिस्मा हो रहा है । (62018) ; चित्र स. 2-27 एक बीमार की देखभाल हो रही है (62342) ; चित्र स. 2-28 तूफान को शांत कर रहे हैं (सुसामाचार कला चित्र किट 214;62139) ;चित्र स. 2-29 प्रतिभोज दिया जा रहा है (62021) ; चित्र स. 2--30, एक लड़की की गिरजाघर में पुष्टी की जा रही है (62020) ; चित्र स. 2--31 एक नवजात शिशु को आशीष दी जा रही है ; चित्र स. 2--32 मन्दिर के सामने एक नव विवाहित जोड़ा ; चित्र स. 2--33 एक पिता अपनी बेटी को आशीष दे रहा है ।

4. किसी समृद्धि गतिविधि के लिए आवश्यक तैयारी करें जिसे आप प्रयोग में लाने चाहते हैं ।

नोटः अपनी कक्षा में बच्चों की भावनाओं को ध्यान में रखें जिनके घर में पिता नहीं हैं या उनके पिता पौरोहित्य धारण नहीं करते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारम्भिक प्रार्थना के लिए आमन्त्रित करें।

अगर सप्ताह के दौरान आपने कोई काम करने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित किया है तो उसकी जांच करें ।

पौरोहित्य सबसे बड़ी शक्ति है

ध्यान गतिविधि

एक फलैश लाइट का उपयोग करें, एक छोटी बत्ती या कक्षा में दूसरी बत्ती ताकि शक्ति के अर्थ को दर्शाया जा सके । चर्चा शुरू करने के पहले बत्ती बुझा दें । यह दर्शाओ यद्यपि सभी चीजें अपनी जगह पर हैं फिर भी फलैश लाइट या बत्ती नहीं जल रही है ।

- क्या करना चाहिए बत्ती जलने से पहले ?

एक बच्चे को यह दिखाने दो कि जब बत्ती जलाई जाती है तो क्या होता है । समझाएं कि फलैश लाइट या बत्ती में प्रकाश देने के लिए बिजली की ऊर्जा होनी चाहिए ।

धर्मशास्त्र कहानी

बच्चों को बतलाऐ कि यह पाठ दूसरे प्रकार की शक्ति के विषय में है --एक शक्ति जो बिजली की उर्जा से भी अधिक है । बच्चों को आमन्त्रित करें कि वे निम्नलिखित कहानी को सुनें और सोचें किस प्रकार की उर्जा का उपयोग हो रहा है । वह कहानी बताओ जो मरकुस 4:35--41 में पाई जाती है ।

- अगर तुम एक नाव में सवार हो और भयंकर तुफान आ जाये तो तुम्हें कैसा अनुभव होगा ।

समझाएं कि चेलों ने यीशु मसीह को उठाया क्योंकि वे भयंकर तुफान से डर गये थे । ऊंची आवाज में पढ़ें कि चेलों ने यीशु से क्या पूछा जैसा कि मरकुस 4:38 के अन्तिम भाग में लिखा है (स्वामी से) चेले घबड़ा गये थे कि तुफान उनकी नाव को डुबा देगा और वे सब मर जायेंगे ।

चित्र स. 2:28 दिखाओ, तूफान को शान्त करते हुए और ऊँची आवाज में मरकुस 4:38 पढ़ें यह देखने के लिए कि यीशु ने क्या किया था । बच्चों से कहो कि वे इन शब्दों को दोहरायें ''शान्ति, शांत हो जा '' ।

समझाएं कि चेले आश्चर्य में पड़ गये थे कि इतनी जल्दी तूफान कैसे रूक गया । ऊँची आवाज में मरकुस 4:41 पढ़ें कि वे आपस में क्या पूछ रहे थे : ''यह किस तरह का मनुष्य है जिस कि आँधी और समुद्र भी उसकी आज्ञा मानते हैं ? यीशु के शिष्य आश्चर्य में पड़ गये थे कि उसके पास आँधी और लहरों को रोकने का भी सामर्थ थी ।

गीत '' स्वामी, तुफान उग्र''का छन्द और कोरस को गाओ अन्यथा बोल को बोलो । प्रारम्भ करने के पहले बच्चों को बतलाएं कि यह गाना उस कहानी के विषय में है जिसे तुमने अभी अभी सुना है । उनसे कहो कि वे यीशु के वचन को कोरस में सुनें, ''शांति , शांत हो जाओ '' (इस गाने के शब्द बच्चों के लिए समझना कठिन होगा लेकिन आत्मा उनको गाने का अर्थ समझने में मदद करेगी । तुम बच्चों को कठिन शब्द समझाना पसन्द करोगे ।)

जब तुम गाते हो या बोल को बोलते है तुम बच्चों को विभिन्न हाव भाव करने में सहायता करना पसन्द करोगे । वे आगे पीछे हो सकते हैं जैसे एक हिलती डुलती नाव में होता है , अपने हाथों को पानी की लहरों के समान घुमाओ, चेलों के मुँह पर डर का भाव दिखाओ इत्यादि ।

स्वामी , तूफान उग्र हो रहा है
नाव नीचे से उछल रही है
आकाश पर काले बादल फैले हैं
कोई भी सहायता या आश्रय निकट नहीं।
आप इस बात की चिन्ता नहीं करते हैं कि
हम लोग नष्ट होने जा रहे हैं ?
आप किस तरह सो सकते हैं
जब कि प्रत्येक क्षण हम लोगों को पागलों के समान चुनौती दे रहें हैं,
हमारी कब्र क्रोधित गहराई में?
कोरसः
तूफान और लहरें उसकी आज्ञाएं मानेगी
शांति, शांत हो जाओ ।
तूफान की भयंकरता समुद्र को उछाल
रही थी ,
अथवा राक्षस, या आदमी या और
कुछ भी जहाज को डुबा नहीं सकती है
समुद्र के स्वामी, धरती और आकाश
वे सब मधुरता से तेरी आज्ञा मानेंगे,
शांत, शांत हो जाओ, शांत, शांत हो जाओ
वे सभी तेरी आज्ञाओं को मानेंगे
शांत, शांत, शांत हो जाओ ।

- वह कौन सी बड़ी शक्ति यीशु मसीह में थी जिससे उसने तूफान को शांत किया था ।(पौरोहित्य की शक्ति, जो स्वर्गीय पिता के नाम में काम करती है ।)

बच्चों से कहो कि वे पौरोहित्य शब्द को ऊँचे स्वर में बोलें ।

हम लोग पौरोहित्य के द्वारा आशीष पा सकते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाएं कि गिरजाघर में बहुत से लोग इस प्रकार का सामर्थ रखते हैं । स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह योग्य लोगों को पौरोहित्य देते हैं । जब ये लोग स्वर्गीय पिता के द्वारा निर्देशित होते हैं, तब वे पौरोहित्य का उपयोग हम लोगों की सहायता आशीष देने के लिए कर सकते हैं ।

- आप किनको जानते हो जो पौरोहित्य धारक हैं ?

चित्र पर चर्चा

पौरोहित्य की धर्मविधियों के चित्र एक एक करके दिखाएं । बच्चों से कहें कि वे एक एक चित्र को उठायें और दिखायें कि प्रत्येक में क्या हो रहा है । इस बात पर जोर दो ये सभी कार्य पौरोहित्य धारक ही करते हैं । बच्चों से कहो कि वे किसी अनुभव के विषय में बतायें जो इन धर्मविधियों से सम्बन्धित हो ।

चित्र सं.2-27, रोगी की देखभाल । बच्चों को याद कराओ देखभाल के विषय में पाठ 16 में सीखा है । बच्चों को याद करने में सहायता करें कि जो लोग पौरोहित्य को धारण करते हैं वे बीमारों को आशीष दे सकते हैं कि वे चगें हो जायें ।

- क्या कभी बीमारी की अवस्था में आप की देखभाल की गयी है?

चित्र स.2-29, प्रुभु भोज का बाँटा जाना, समझाएं कि याजक जो हारूनी पौरोहित्य धारक होते हैं या मलकिसिदक पौरोहित्य धारक होते हैं वे प्रभुभोज पर आशीष दे सकते हैं और जो हारूनी पौरोहित्य में डीकन होते हैं वे प्रभुभोज को बाँट सकते हैं । बच्चों को अपने परिवार के बड़े बुढ़ों या मित्रों के विषय में बताने जो प्रभुभोज में सहायता देते हैं ।

चित्र सं. 2-20, एक लड़के का बपतिस्मा हो रहा है । बच्चों को याद कराए कि हम सभी एक व्यक्ति के द्वारा बपतिस्मा पाते हैं जो पौरोहित्य धारक होता था जैसे यीशु ने बपतिस्मा लिया था । यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला के पास पौरोहित्य था, जिससे वह यीशु को बपतिस्मा देने में सामर्थ हो सका।

- तुम में से कितने बपतिस्मा के समय उपस्थित रहे हैं ? (अगर कोई बच्चा बपतिस्मा पा चुका है, तुम उनसे पूछ सकते हैं कि वे अपने बपतिस्मा के विषय में बताये)

चित्र सं. 2-30, एक लड़का का गिरजाघर में पुष्टिकरण हो रहा है । बच्चों को बताओ कि जब उनका बपतिस्मा हो चुका होता है तब वे लोग जो मलकिसिदक पौरोहित्य धारक होते हैं वे उन्हें अन्तिम-दिनों के सन्तों के गिरजाघर का सदस्य बना सकते हैं । इसी समय उन्हें पौरोहित्य की शक्ति के द्वारा पवित्रात्मा दिया जाता है ।

चित्र सं. 2-31 को दिखाएं, एक बच्चे को आशीष दी जा रही हैं । बच्चों को बतलाऐं कि जब बच्चों का नामकरण होता है तो उन्हें गिरजाघर में पौरोहित्य आशीष मिल सकती है । बच्चों से पूछें कि वे किसी बच्चे का नाम बतलाऐं जिसे वे जानते है जिसे इस प्रकार की आशीष मिली है । (अगर कुछ बच्चे गम्भीर हैं जिन्हें छोटी आयु में आशीष नहीं मिली, तो उनको विश्वास दिलाए कि उन्हें अनेक अवसर मिलेंगे उन्हे पौरोहित्य आशीष पाने के ।)

चित्र सं. २-३२ को दिखाए, मन्दिर के सामने नवविवाहित जोड़ा । बतलाएं कि जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तब वे विवाह करने के लिए मन्दिर में जा सकते हैं । जिन लोगों को पौरोहित्य में मुहरबंद करने का अधिकार मिला है वे धार्मिक जोड़ों से विवाह करते हैं । मन्दिर में विवाह करना यह सम्भव करता है कि एक परिवार हमेशा के लिए एक साथ रहता है ।

कहानी बच्चों को बतलाएं कि जब उन्हें कोई समस्या आती है तो उन्हें पौरोहित्य आशीष मिल सकती है । चित्र सं.२-३३ दिखाएं, एक पिता अपनी बेटी को आशीष दे रहा है और किसी लड़की की कहानी बताओ जिसे किसी समस्या के समय पौरोहित्य आशीष मिली । आप निम्नलिखित कहानी का उपयोग कर सकते हो :

सुसन्ना अपने विद्यालय में पहले दिन के लिए तैयारी कर रही थी । उसने विद्यालय शुरू करने की बड़ी उत्सुकता थी लेकिन अन्त में जब वह दिन आ गया तब वह डर गयी ।

सारी सुबह वह शांन्त रही । उसकी माँ ने सुबह उसके मन पसन्द का नाशता बनाया था लेकिन सुसन्ना ने जब उसे देखा तो वह मुस्कारई नहीं । उसने खाने की कोशिश करी लेकिन वह खा न सकी ।

सुसन्ना ने अपनी माँ से कहा कि वह बीमार है । माँ ने उसके सिर को छुआ यह जानने के लिए कि उसे बुखार तो नहीं । उसने उसके गले में झांका लेकिन वह लाल नहीं था । सुसन्ना की माँ ने पूछा कि वह किस तरह से बीमार अनुभव करती है । सुसन्ना ने बताया कि वह अन्दर से बेचैन है ।

सुसन्ना के पिता ने कहा कि शायद विद्यालय का पहला दिन होने का कारण वह अन्दर से बेचैनी महसूस करती है । वह डरी हुई थी कि सारे दिन घर से बाहर रहेगी और नहीं जानती है कि क्या होगा । सुसन्ना के पिता ने समझाया जब उसने अपनी नयी नौकरी शुरू की तो उसे भी ऐसा है अनुभव हुआ ।

सुसन्ना के पिता ने कहा कि वह उसे विद्यालय जाने के पहले आशीष देगें । वह आशीष सुसन्ना के डर और चंचलता के अनुभव को समाप्त कर देगा । सुसन्ना के पिता ने अपने हाथ को उसके सिर पर रखा और एक विशेष आशीष दी ।

जब सुसन्ना दोपहर को वापिस आयी तो वह प्रसन्न थी । उसने आपनी माँ को बताया कि उसे विद्यालय अच्छा लगा और उसकी अध्यापिका भी अच्छी थी । सुसन्ना बड़ी खुश थी कि उसके पिता ने उसे एक विशेष आशीष दी ताकि वह विद्यालय में अच्छा महसूस करे ।

समझाएं कि इस प्रकार की आशीष को पिता की आशीष कहते हैं । अगर हमारे पिता इस प्रकार की आशीष नहीं दे सकते हैं तो हम किसी और से जिसने मलकिसिदेक पौरोहित्य धारण कर रखा है जैसे, शिक्षक, कोई परिवार का सदस्य धर्माध्यक्ष या शाखा अध्यक्ष भी हो सक्ता है वह हमें आवश्यकता के समय आशीष दे सकता है ।

सारांश

चित्र की समीक्षा

- हम लोगों को पौरोहित्य आशीष की आवश्यकता कब पड़ती है ?

जैसे बच्चे अनुष्ठानों विषय में बताते हैं वैसे वैसे चित्र दिखाते जाएं । बच्चों से कहो कि वे ऊँचे स्वर में एक साथ प्रत्येक अनुष्ठान या आशीष के विषय में कहें । बतलाए कि ये कुछ चीजें हैं जिन्हें पौरोहित्य के सामर्थ से पूरा किया जा सकता है ।

गवाही

गवाही दो कि आप अनुग्रहीत हो कि हम लोगों के पास पौरोहित्य है - ठीक वही सामर्थ जो यीशु में थी--ताकि हमारे जीवन में सहायता हो सके ।

बच्चों को उत्साहित करो कि जब उन्हें आवश्यकता होती है तो वे अपने पिता की पौरोहित्य की आशीष (या किसी और मलकिसिदेक पौरोहित्य) मांग सकते हैं ।

एक बच्चे को बुलाकर समापन प्रार्थना करवाएं । सलाह दो कि बच्चा पौरोहित्य की आशीष के लिए धन्यवाद प्रकट करे ।

समृद्धि गतिविधियां

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनाव करो कि आपकी कक्षा के लिए सबसे उपयुक्त क्या होगा । आप इसे पाठ में भी उपयोग कर सकते है , अथवा समीक्षा या सारांश में । अतिरिक्त निर्देशन के लिए आप ''शिक्षक की सहायता के लिए'' में ''कक्षा का समय'' देखें ।

1. प्राथमिक के अध्यक्ष की आज्ञा से किसी बच्चे के माता-पिता को अपनी कक्षा में बच्चे के नामकरण और आशीष के विषय में बताएं । माता-पिता से यह बताने को कहें कि उन लोगों ने कैसा अनुभव किया, उन लोगों ने बच्चे को अच्छे कपड़े पहनाये, कैसा लगा कि परिवार का शिक्षक, परिवार के सदस्य और दूसरे खास मित्रगण इस अवसर को देखने और उसमें भाग लेने के लिए आये । माता-पिता से यह बताने को कहें कि पिता ने कैसा अनुभव किया जब उसे बच्चे को नामकरण और आशीष देने के लिए अपनी पौरोहित्य का उपयोग करने का अवसर मिला ।

2. बच्चों से कहें कि वे मरकुस 4:35--41 में पाये जाने वाली कहानी नाटक के रूप से खेल कर दिखायें ।

3. बच्चों से कागज, रंग और पेंसिल दो और प्रत्येक बच्चे को कहें कि वह पौरोहित्य के अनुष्ठान का चित्र खीचें जैसे प्रभु भोज का बाँटा जाना । प्रत्येक बच्चे के चित्र पर उस विशेष अनुष्ठान का पर्चा लगाओ जिसे चित्र में दिखाया गया है ।

4. पौरोहित्य के अनुष्ठान के गाने को गाओ या और कोई गाना गाओ अथवा बोल को बोलो जैसे,"The Priesthood Is Restored" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 89), "Before I Take the Sacrament" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 73), "I Love to See the Temple" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 95), "Baptism" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 100), "The Holy Ghost" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 105 "Baptism और The Holy Ghost" इस निर्देशिका के पीछे सम्मलित है।

   पौरोहित्य की पुनःस्थापना ।
   पौरोहित्य की पुनःस्थापना
   सत्यता मनुष्य पर प्रकट हुई,
   परमेश्वर ने संसार से वार्ता की
   उसकी शक्ति पुनः यहां पर आयी ।

   मेरे प्रभुभोज लेने के पहले ।
   प्रभुभोज लेने के पहले मैं शान्तिपूर्वक बैठ जाता हूँ
   मैं जानता हूँ कि यीशु पृथ्वी में आये और मेरे लिये मर गये ।
   मैं उन सब लड़के लड़कियों के विषय में सोचता हूँ जिन्हें यीशु जानते थे
   जब वह इस धरती पर चलते फिरते थे बहुत समय पहले ।
   मैं पानी और रोटी को लेता हूँ और बड़ी कोशिश करता हूँ कि वैसा ही बच्चा बनू जैसा यीशु गलीली में पसन्द करते हैं ।

   मन्दिर को देखना मैं पसन्द करता हूँ ।

   मन्दिर देखना मैं पसन्द करता हूँ
   किसी दिन मैं वहां जाऊँगा
   पवित्रात्मा को महसूस करने को
   सुनने और प्रार्थना करने को
   क्योंकि मन्दिर परमेश्वर का एक घर है ।
   वह स्थान प्यार से भरा और सुन्दर है
   मैं छोटा हूँ जबकि अपनेआप को तैयार करूँगा
   यह मेरा पवित्र कर्तव्य है

मन्दिर देखना मैं पसन्द करता हूँ
किसी दिन मैं अन्दर जाऊँगा,
अपने पिता से मैं वार्ता करूँगा
प्रतीज्ञा करूँगा कि मैं आज्ञा मानूँगा ।
क्योंकि मन्दिर एक पवित्र स्थान है
हम लोगें जहाँ पर एक साथ मुहरबंद होते है
एक बच्चे के स्वरूप में मैंने इस सच्चाई को सीखा है
एक परिवार सदा के लिए होता है
(© 1980 by Janice Kapp Perry. Used by permission.)

प्रार्थनाओं के उत्तर बेहतर तरीकों से आते हैं

पाठ
18

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को यह समझने में सहायता करो कि स्वर्गीय पिता सदा हम लोगों की प्रार्थना को सुनता और बेहतर तरीको से उत्तर देता है ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ लूका 1:5--17 का अध्ययन करें। सुसमाचार के सिद्धान्त (31110), अनुच्छेद 8 को भी देखें।
2. "Quickly I'll Obey" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 197) के अन्तिम तीन छन्दो को गाने अथवा बोल को बोलने की तैयारी करें । इस गाने के बोल निर्देशिका के पीछे दिये गये हैं ।
3. यह बताने के लिये तैयारी करें जब स्वर्गीय पिता ने आपकी प्रार्थना का जवाब दिया ।
4. आवश्यक सामाग्रियाँ
   क. एक बाइबल
   ख. चित्र सं. 2-34, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का नाम करण
5. किसी समृद्धि गतिविधियां जिसका आप उपयोग करना चाहते है उसके लिए आवश्यक तैयारी करें ।

प्रस्तवित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारम्भिक प्रार्थना करने को आमन्त्रित करें ।

अगर तुमने सप्ताह के दौरान बच्चों को कोई काम को करने के लिए प्रोत्सहित किया है तो उन पर ध्यान दें ।

हम सहायता के लिए प्रार्थना कर सकते हैं

ध्यान गतिविधि

"Quickly I'll Obey." के अन्तिम तीन छन्द बच्चों के साथ गाएं अथवा उसके बोल बोलें ।

- हमें क्यों अपने माता पिता और स्वर्गीय पिता की आज्ञा मानना चाहिए । (क्योंकि वे हमको सबसे अच्छे काम को करने में सहायता कर सकते हैं ।)

कहानी

निम्नलिखित कहानी बतलाएं ।

मेरेडित्त को एक रात बुरा स्वप्न आया । उसने देखा वह खो गयी और डर गयी है । जब वह जागी तब वह रोने लगी ।

- आप क्या करते अगर आप मेरेडित्त होते ?

मेरेडित्त ने अपने पिता को बुलाया और वह आये और उन्होंने उसे अपने गले से लगा लिया । मेरेडित्त को अच्छा लगा और वह शीघ्र सो गई ।

- मेरेडित्त ने अपने पिता को क्यों बुलाया? (उसे सहायता की जरूरत थी और वह जानती थी कि वह उसकी सहायता करेगा ।
- आवश्यकता पड़ने पर तुम किसको बुलाते हो ? (उत्तर में स्वर्गीय पिता, माता -पिता, परिवार के अन्य सदस्य और मित्र आ सकते हैं)
- हम स्वर्गीय पिता को किस प्रकार पुकार सकते हैं और सहायता मांग सकते हैं ? (प्रार्थना)

कहानी

बच्चों को जॉन ए, विडसो के विषय में निम्नलिखित कहानी सुनाएं जो आगे चल कर बारह प्रेरितों के समूह के एक सदस्य बने ।

जॉन जब छोटा ही था उसके पिता का स्वर्गवास हो गया और जॉन की मां ने कठिन परिश्रम करके अपने बच्चों का पालन पोषण किया । जॉन अपनी माँ की सहायता करने के लिए कोई काम करना चाहता था । यह आसान नहीं था कि विद्यालय के बाद उसे कोई काम मिले लेकिन अन्त में उसे काम मिला । एक दिन जिस व्यक्ति के लिए वह कार्य करता था उसने उससे कहा कि उसने कई सप्ताह तक अच्छा काम किया है और उसने उसे पाँच डालर सोने के सिक्के दिये ।

जॉन ने कहाः ''पाँच डालर ! वह पैसा था ! मैं बहुत खुश हुआ ! मैं इसका आधा अपनी माँ को दूंगा , मैं एक नयी पुस्तक खरीदूंगा और बाकी बचा कर रखूँगा ।'' अपनी पैन्ट की जेब में वह नये सोने के सिक्के डाले और तुरन्त ही मैं अपनी माँ को अपने सौभाग्य को बताने दौड़ा ।

'' घर जाते समय मैंने अपनी जेब में हाथ डाल कर उस पैसे को देखना चाहा । वे वहाँ नहीं थे ! मैंने फिर से पूरे जेब में ढूंडा । वह सोने का सिक्का वहाँ नहीं था ! उसकी जगह पर मैंने अपनी जेब में एक छेद पाया जिस में होकर सिक्का निकल गया था । बहुत बुरा हुआ! मैं बहुत अफसोस में पड़ गया और एक गढ्ढे के किनारे बैठ कर रोने लगा ।''

जॉन उसी मार्ग पर पीछे लौटा, और सोने के सिक्के को ढूंढता गया । जिस बगल के रास्ते से वह गुजरा था वह पत्थर के टुकड़ों से बना था और उसने हर एक पत्थर के टुकड़े के बीच में खोजा लेकिन उसे पैसा नहीं मिला । अन्त में उसने निष्कर्ष निकाला कि पैसा अच्छे के लिए खो गया है ।

गतिविधि (ऐच्छिक)

बच्चों से कहो कि वे जॉन के समान ही ढूंढने की प्रक्रिया करें जो सिक्के को खोज रहा था और कमरे में कुछ क्षण के लिए धीरे-धीरे चलते हुए उसे खोजें । फिर वे अपने स्थान पर लौट जायें ।

- अगर आप जॉन होते तो आगे क्या करते ?

कहानी आगे बढ़ती है

जॉन ने कहा ''तब मैंने याद किया कि प्रभु जानते थे कि सिक्का कहां था और कि अगर वह मेरी मदद करेगा और चाहेगा कि मैं उसे खोज लूँ तो अधिक देर तक वह खोया नहीं रहेगा ।

''तब मैं एक बड़े पेड़ के पीछे अपने घुटने पर हो गया और मैंने प्रभु से अपनी परेशानी के विषय में बताया और उससे पूछा कि मेरे लिये सबसे अच्छा है कि मैं सिक्के को खोज लूँ। जब मैं उठा तो मैंने काफी अच्छा अनुभव किया । मुझे विश्वास हो गया कि प्रभु ने मेरी बाते सुन ली है ।

''(सांझ ढल रही थी) ।भूमि पर चीजें ठीक प्रकार से दिखाई नहीं दे रही थी और खास करके सोने का एक छोटा सिक्का । लेकिन में सीधे चलता गया और इस बार इतनी धीमी चाल नहीं थी क्योंकि मैं जानता था कि प्रभु सहायता कर रहा था । दुसरे खण्ड के आधे रस्ते के आगे, घास में मैंने पाँच डालर का सोने का सिक्का पड़ा हुआ देखा । मैं खुशी से चिल्ला उठा । मेरी माँ कितनी खुश होगी और मैं उस नई पुस्तक से कितना आनन्द उठाऊंगा जिसे खरीदने की योजना मैंने बनाई थी । मुंढेर पर टिक गया और बोला, '' धन्यवाद हो, प्रभु; क्योंकि तूने मुझे मेरा पैसा खोजने में मदद की है ।

''उस समय से मैंने जाना कि प्रभु प्रार्थना को सुनता है । और उसी दिन से मैंने यह ध्यान किया कि मेरी जेब में कोई छेद नहीं होगा । (from John A. Widtsoe, "The Lost Gold Piece," Children's Friend, Sept. 1947, p. 369).

चर्चा

- जॉन ने अपने सिक्के के लिए कितनी बार प्रार्थना की ?
- जॉन ने पहली बार प्रार्थना किस लिए की ? (स्वर्गीय पिता उसकी सहायता करे कि वह सिक्के को खोज सके ।)
- जॉन की प्रार्थना का क्या उत्तर था ?
- जॉन ने दूसरी बार प्रार्थना क्यों की थी ? (स्वर्गीय पिता का उसकी मदद करने के लिए थन्यवाद देने के लिए ।)
- जब आपने प्रार्थना की तो स्वर्गीय पिता ने किस प्रकार सहायता की?

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को इस बात पर जोर देकर बताएं कि जिस प्रकार हमारे संसारिक माता-पिता हमें प्यार करते हैं उसी प्रकार स्वर्गीय पिता भी हमें प्यार करते हैं और हमारी सहायता करना चाहते हैं । जब हम लोग सहायता मांगते हैं तो स्वर्गीय पिता हमारी बाते सुनते हैं । बच्चों को एक ऐसा समय बताएं जब स्वर्गीय पिता ने आपकी प्रार्थना सुन कर आपकी सहायता की है ।

प्रार्थना का जवाब विभिन्न तरीकों से आता है

धर्मशास्त्र कहानी बाइबल को उठाएं और बच्चों को बतलाएं कि दूसरी कहानी बाइबल से आती है ।

समझाएं कि दोनों, जकरिया और इलीशिबा नेक व्यक्ति थे और उन लोगों ने एक बच्चे के लिए बहुत वर्षो से प्रार्थना की थी । अब वे दोनों बूढ़े हो चुके थे और अभी भी उनके पास कोई बच्चा नहीं था ।

समझाएं कि जकरिया आश्चर्य में पड़ गया और डर भी गया जब उसने पहली बार दूत को मन्दिर में देखा । लूका 1:13--14 को जोर से पढ़ो कि दूत जकरिया को क्या कहता है । समझाओ कि जो कुछ दूत ने प्रतीज्ञा की वह पूरी हुई और जकरिया और इलीशिबा को पुत्र जन्मा ।

इस बात पर जोर दें कि जकरिया और इलीशिबा की सारी प्रार्थना को स्वर्गीय पिता ने सुन लिया । अभी तक, इसलिए उन के बच्चे के जन्म का समय नहीं आया था । दूत ने जकिरया को बताया कि बालक यूहन्ना बड़ा हो कर यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला,एक भविष्यवक्ता बनेगा । इस समय यूहन्ना का जन्म हुआ ताकि वह अनेक लोगों को यीशु मसीह में विश्वास करने और उसके पीछे चलने के लिये तैयार करे ।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाऐं कि कभी कभी इलीशिबा और जकरिया मे समान ही हम लोग प्रार्थना करते हैं जो अभी नहीं परन्तु बाद में हम लोगों के लिए अच्छा होगा स्वर्गीय पिता हमारी सारी प्रार्थनाओं को सुनता है और वह उसका जवाब समय और तरीके जो हमारे लिए सबसे उचित है देता है ।

बच्चों को याद कराओ कि जब जॉन विडसो ने अपने खोये हुए सिक्के के लिए प्रार्थना की उसने याद किया कि स्वर्गीय पिता जानता था कि सिक्का कहाँ है और उसे पाने के लिए वह उसकी सहायता करेगा ''अगर उसन सोचा कि वह मेरे लिए सबसे उचित था ।'' जॉन को तुरन्त ही सिक्का मिल गया क्योंकि उसके लिए उसे पाने सबसे उचित था ।

समझाओ कि कभी कभी हम लोग अपने माता-पिता से कुछ चीजें मांगते हैं जिसे वे जानते हैं कि वह हमारे लिए उचित नहीं है और उन्हें ''नहीं, कहना पड़ता है । उसी प्रकार से हम लोग प्रार्थना कर सकते हैं जिसे स्वर्गीय पिता जानता है कि हमारे लिए उचित नहीं होगा और उसके लिए वह ''नहीं'' कहता है ।

कहानी

निम्नलिखित कहानी अपने शब्दों में सुनाओ ।

जबकि बुरी खांसी के कारण से माइकल घर में ही था ,बर्फ पड़ने लगी - वह उस शीत ऋतु की पहली बरफीली वर्षा थी । माइकल ने अपनी माँ से विनय किया कि वह उसे बाहर बर्फ में खेलने के लिए जाने दे लेकिन उसने मना कर दिया । वह डरती थी कि उसकी खाँसी और बढ़ जायेगी ।

माइकल सचमुच बर्फ में खेलने जाना चाहता था इस कारण उसने स्वर्गीय पिता से प्रार्थना की कि वह उसकी माँ का विचार बदल दे । जब उसका मित्र ऐलेक्स उसके पास आया और उससे पूछा क्या वह उसके साथ बर्फ में खेल सकता है तब माइकल ने कहा कि उसे दोपहर का खाना खाना है और वह दोपहर का खाना खाने के बाद वह उसके साथ चलेगा क्योंकि उसने प्रार्थना की है कि उसकी माँ उसे बर्फ में खेलने के लिए जाने दे ।

दोपहर का खाना खाने के बाद माइकल ने पुनः अपनी माँ से पूछा कि क्या वह बाहर खेलने जा सकता है । उसने अपनी माँ को बताया कि उसने प्रार्थना की है कि वह उसे बाहर जाने की स्वीकृति दे दे । माइकल की माँ उदास दिखाई दी । उसने माइकल से पूछा कि क्या वह यह सोचता था कि स्वर्गीय पिता उसको बर्फ में खोलने के लिए बाहर जाना पसन्द करेगा और आज वह बर्फ में खेलेगा जिससे वह अधिक बीमार हो जायेगा ।

- क्या तुम सोचते हो स्वर्गीय पिता मे माइकल की प्रार्थना सुनी थी ?
- किस प्रकार से स्वर्गीय पिता ने प्रार्थना का उत्तर दिया था ?

जब एलेक्स वापिस आया तो माइकल ने कहा वह बाहर नहीं जा सकता है । ऐलेक्स ने कहा कि स्वर्गीय पिता ने माइकल की प्रार्थना का उत्तर नहीं दिया । माइकल ने समझाया कि स्वर्गीय पिता ने उसकी प्रार्थना का उत्तर दिया, लेकिन उत्तर नहीं में था ।

सारांश

गवाही

बच्चों को अपनी गवाही दे कि स्वर्गीय पिता को मालूम है हमारे सब लिए सबसे अच्छा क्या है और वह हमेशा ही सबसे अच्छे ढंग से उत्तर देता है । कभी कभी वह ''हाँ'' कहता है और कभी ''नहीं'' और कभी वह कहता है प्रतीक्षा करने को उस काम के लिए जिसके लिए हमने प्रार्थना की है ।

समीक्षा

- स्वर्गीय पिता ने किस प्रकार जॉन विडसो की प्रार्थना का उत्तर दिया था ?
- स्वर्गीय पिता ने किस प्रकार एलीशिबा और जकरिया की प्रार्थना का उत्तर दिया था ?
- स्वर्गीय पिता ने किस प्रकार माइकल की प्रार्थना का उत्तर दिया था ?

बच्चों को उत्साहित करें कि वे प्रार्थना के उत्तर में स्वर्गीय पिता की इच्छा को उस स्थिति में भी स्वीकार करें जब उत्तर ''नहीं'' या ''अभी नहीं'' में आता है ।

एक बच्चे को आमन्त्रित कर समापन प्रार्थना करने को कहें ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुने कि आपकी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए सबसे अच्छा क्या है ।आप उसे अपने पाठ में भी उपयोग कर सकते हो अथवा समीक्षा या सारांश के रूप में , अतिरिक्त मार्गदर्शन के लिए आप ''शिक्षक की सहायता के लिए'' में ''कक्षा का समय'' देखें ।

1. बच्चों को बतलाएं कि वे माता -पिता के पात्र करने का स्वांग रचेंगे और निर्णय लेंगे उन बच्चों के लिए सबसे अच्छा क्या है । उनसे कहें कि वे बच्चों के प्रत्येक अनुरोध के लिए उत्तर में ''हां', या ''अभी नहीं'' कहें । कुछ चीजें बताओ जिसे निम्नलिखित

परिस्थितियों का ध्यान रखकर बच्चे मांग सकते हैं अथवा अपनी ओर से कुछ और कहें । चर्चा करें कि प्रत्येक स्थिति में सबसे उत्तम क्या हो सकता है ।

क. यह लगभग रात्रि भोजन का समय है बच्चे का शरीर गरम है और भूखा भी और आइस क्रीम खाना चाहता है ।

- आप क्या कहते हैं ?
- आपने ऐसा क्यों कहा?

ख. यह एक ठण्डा, बरसाती दिन है । आपका बच्चा तैराकी करने वाले वस्त्र पहनना चाहता है ।

- आप क्या कहते हैं?
- आपने ऐसा क्यों कहा ?

ग. आप के बच्चों ने अपना सारा काम समाप्त कर लिया है । दोपहर का प्रथम प्रहर है । वे पूछते हैं कि क्या वे खेलने बाहर जा सकते हैं ?

- आप क्या कहते हैं?
- आपने ऐसा क्यों कहा ?

घ. आपका बच्चा एक खिलौने के लिए पैसा जमा करता आ रहा है और आखिर कर काफी पैसा जमा कर लेता है वह तुरन्त ही दूकान पर जा कर खिलौना खरीदने को पूछता है। आप (माता पिता) शीघ्र ही दूकान पर जाने वाले हैं।

- आप क्या कहते हैं ?
- आपने ऐसा क्यों कहा ?

ङ. आपकी बच्ची घोड़ा पसन्द करती है और अपने लिए एक घोड़ा चाहती है । उसकी उम्र मात्र पाँच वर्ष की है ।

- आप क्या कहते हैं ?
- आपने ऐसा क्यों कहा ?

प. आप के बच्चे अपने खिलौने और अपनी किताबों के प्रति सावधानी नहीं रखते । उन खिलौने और पुस्तकों के प्रति सावधानी की जगह वे नये खिलौने और पुस्तकें खरीदना अधिक पसन्द करते हैं । दूकान पर उन्होंने नई और मनपसन्द पुस्तकें देखी पूछते हैं क्या वे उन्हें खरीद सकतें हैं ।

- आप क्या कहते हैं ?
- आपने ऐसा क्यों कहा ?

समझाएं कि माता पिता चाहते हैं कि अपने बच्चों के लिए वहीं करें जो सबसे अच्छा है । स्वर्गीय पिता भी चाहता है कि वह वही करे जो सबसेअच्छा है । स्वर्गीय पिता सदा हम लोगों की प्रार्थना का उत्तर देता है और वह उस रूप में उत्तर देता है जो हमारे लिए सबसे अच्छा है । जिस प्रकार हमारे संसारिक माता -पिता कभी कभी कहते हैं ''नहीं '' कभी कहते हैं ''हाँ'' और कभी कहते हैं ''अभी नहीं'' उसी प्रकार हमारा स्वर्गीय भी हमारी प्रार्थना का जवाब देता है कभी ''हाँ'' में , कभी ''नहीं'' में और कभी ''अभी नहीं'' में ।

2. अगर आप के इलाके में Beginning Course Videocassette भाग 1 खण्ड 16,''खोये सोने के सिक्के''(53178,3:08), पाया जाता है तो जॉन ए. विडसो की कहानी की जगह पर उसे ही दिखाओ ।

3. अपने प्राथमिक अध्यक्ष की स्वीकृति से एक अतिथि को बुलाओ कि वह Child's Prayer" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 12) के गाने को बच्चों के लिए गाए ।

4. "Tell Me, Dear Lord" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 176) गाने को अथवा I Need My Heavenly Father" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 18) गाने को गाओ अथवा उसके बोल को बोलो ।

मुझे बताओ, प्रिये प्रभु ।
मुझे बताओ,प्रिये प्रभु
मैं तेरे तरीके से प्रार्थना करता हूँ
तू मुझ से क्या कहना और करना चाहता है
जानने की शिक्षा दे मुझे और
तेरी इच्छा से प्रेम करूँ, हे प्रभु,
सहायता कर मेरी तेरे प्रिय
वचन को समझूं ।
मैं तेरे प्यारे हाथों से सम्भाला जाऊँ
सुनूं आवाज तेरी
आशीषित आज्ञाओं को तेरी मानूं
हर पल तुझे निकट मैं जानूं बल देगा और करेगा हर भय दूर।

मुझे स्वर्गीय पिता की आवश्यकता है।
मुझे स्वर्गीय पिता की आवश्यकता है
रोज करे मेरी सहायता।
वह खुश रखना चाहता है मुझे
और नेक रास्ते को चुनूं
वह खुश रखना चाहता है मुझे

पाठ
19

यीशु मसीह मुझे प्यार करता है

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को महसूस करने में मदद करें कि यीशु मसीह सारे बच्चों से प्रेम करता और आशीषें देता है ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ मत्ती 25:34--40 मरकुस 10: 13--16 और ३नफी 17 का अध्ययन करें ।

2. अगर सम्भव हो, तो समीक्षा के खेल के लिए निम्नलिखित समान तैयार करें ।
   क. एक मोटे कागज में से एक थाली के आकार का एक चक्र काटें । उसका एक तिहाई भाग में लाल रंग , एक तिहाई भाग में पोली रंग और एक तिहाई भाग में नीला रंग भरें ।

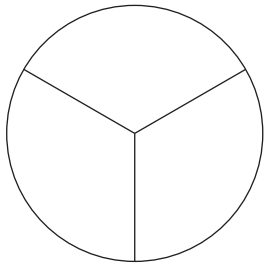

   ख. बारह रंगीन कार्ड या कागज के टुकड़े बनाएं -चार लाल, चार पीला और चार नीला (एक बड़ी कक्षा के लिए और कार्ड की आवश्यकता हो सकती है)
   ग. समीक्षा के एक प्रश्न को लिखो जैसे कि निम्नलिखित कार्ड पर लिखा है ।

   यीशु मसीह ने किसको प्यार किया ?

   तुम कैसे जानते हो कि यीशु तुम्हें प्यार करता है ?

   यीशु गानों क्या अर्थ था जब उसने कहाः ''छोटे बच्चों को मेरे पास आने दो'' ?

   जब माता-पिता अपने बच्चों को यीशु के पास लेते तो यीशु के चेले (सहायक) क्या करने की कोशिश करते थे ?

   अमेरिका में यीशु ने अपने प्यार को, बीमारों और घायल लोगों प्रति कैसे दर्शाया था ?

   अमेरिका में यीशु ने क्या किया था बच्चों को आशीष देने के पश्चाताप ?

   यीशु के आशीष देने के पश्चाताप माता-पिता ने अमेरिका में किसको अपने बच्चों के साथ खड़ा हुआ देखा था ?

   यीशु ने बच्चों को क्यों आशीष दी थी ?

   हम यीशु के प्रति अपना प्यार कैसे दर्शा सकते हैं ?

   घ. कार्डों को एक बक्से या झोले में डाले और बाहर एक प्रश्न वाचक चिन्ह बनाए ।
   ङ. एक बटन या सिक्का लाएं जो उस संगीन गोले में डाला जा सके ।

3. I Think When I Read That Sweet Story" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 56) गाने के दो छन्द गाने की तैयारी करो या उसके बोल को बोलो । इस गाने के शब्द निर्देशिका के पीछे सम्मलित हैं ।

4. आवश्यक सामग्रियां
   क. एक बाइबल या मॉरमन की पुस्तक
   ख. चित्र स. 2-35 मसीह और बच्चे (सुसमाचार कला चित्र किट 216; 62467) ; चित्र सं.2-36, यीशु नफी के बच्चों को आशीष दे रहे हैं ।

5. कोई समृद्धि गतिविधियों के लिए तैयारी करे जिसे आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारम्भिक प्रार्थना करने को आमन्त्रित करें ।

अगर सप्ताह के दौरान अपने बच्चों को कोई काम करने के लिए प्रोत्साहित किया था तो उसकी जांच करें ।

यीशु मसीह ने छोटे बच्चों से प्रेम किया और आशीष दी

समीक्षा खेल के लिए कार्ड भरा एक बक्सा या झोला दिखाएं । बच्चों को बताएं कि पाठ के अन्त में वे खेल खेलेंगे । उन लोगों को सावधानी से पाठ को सुनना है ताकि वे खेल में आये प्रश्नों का जवाब जान सकें ।

ध्यान गतिविधि

"I Think When I Read That Sweet Story." के दो छन्द बच्चों के साथ गाएं अथवा उसके बोलों को बोलें (अगर बच्चे गाने को नहीं जानते हैं तो उन्हें गाना गाना सिखाएं) । गाने के शब्द पर चर्चा करो और बच्चों को यह कल्पना करने दो कि कितना अच्छा होता कि यीशु मसीह उनको बाहों में भरते या उनके सिर पर हाथ रखते ।

धर्मशास्त्र कहानी

चित्र सं. 2-35 को दिखाएं - मसीह और बच्चे, और बाइबल को दिखाएं । समझाएं कि जो कहानी आप कहने जा रहे हैं वह बाइबल में पायी जाती है । मरकुस 10:13--16 में पायी जाने वाली कहानी कहें ।

समझाएं कि चेलों को भय था कि जब यीशु शिक्षा दे रहे हो तो बच्चे उनके काम में विघ्न डालेंगे । परन्तु उद्धारक चाहते थे कि बच्चे उनके पास आयें । मरकुस 10:14 में जो कुछ यीशु ने कहा है उसे ऊँची आवाज में पढ़ो । (प्रारम्भ करो --छोटे बच्चों को मेरे पास आने दो ।) समझाएं कि हम धर्मशास्त्र में '*आने दो* ' का अर्थ है आज्ञा या इजाजत देना । यीशु के शब्दों को दुबारा से पढ़ो और ओर को छोड़कर

- जब बच्चे उसके पास आये तब यीशु ने क्या किया ?

मरकुस 10:16 को ऊँची आवाज में पढ़ो । बच्चों की समझने में सहायता करें कि यीशु ने क्या किया, उन्हें याद कराए कि उन लोगों ने पाठ 17 में पौरोहित्य के विषय में क्या सीखा था । समझाएं कि पिता की आशीष या दूसरे पौरोहित्य को धारण करने वाले उसी प्रकार की आशीष देते हैं जैसा यीशु हम लोगों को देते हैं ।

- यीशु क्यों चाहते थे कि बच्चे उनके पास आयें ?(क्योंकि वह उन से प्रेम करते थे और उन्हें आशीष देना चाहते थे)।

इस बात को बताओ कि यद्यपि वह वयस्क लोगों को सीखाने में व्यस्त रहते थे फिर भी वह बच्चों को गोदी में उठाते और उन्हें आशीष देने के लिए समय निकालते क्योंकि वह उन्हें बहुत प्यार करते थे ।

गवाही

अपनी गवाही दो कि यीशु बच्चों से प्रेम करता है । फिर से तुम यह गाना बच्चों के साथ गाना पसन्द करोगे "I Think When I Read That Sweet Story"

धर्मशास्त्र कहानी

चित्र सं.2-36 दिखाएं, नफी बच्चों को यीशु आशीष दे रहा है । बच्चों को वह चित्र देखने दें और बताने दो कि वे उस चित्र में क्या देखते हैं । मॉरमन की पुस्तक को दिखाएं । समझाएं कि यीशु मसीह ने अमेरिका और पवित्र भूमि में लोगों को शिक्षा दी और उस की अमेरिका की यात्रा का वर्णन मॉरमन की पुस्तक में पाया जाता है । ३नफी १७ में पाया जाने वाली कहानी सुनाएं ।

समझाएं कि जब यीशु मसीह अमेरीका में लोगों को शिक्षा दे चुका, तब वे उसे नहीं छोड़ना चाहते थे । यीशु लोगों को बहुत प्यार करता था इस कारण से उसने उन्हें आशीष दी और सभी लोगों को चंगा किया जो बीमार, घायल अथवा विकलांग थे ।(३नफी 17:7:10)

तब यीशु ने कहा कि सब छोटे बच्चों को उनके पास लाया जाए । उसने उन्हें अपने चारों और एकत्रित किया और एक सुन्दर प्रार्थना किया । (देखें 3 नफी 17:11--15)

बच्चों को बताएं कि मॉरमन की पुस्तक बताती है कि इस प्रार्थना के शब्द इतने सुन्दर और आश्चर्यजनक थे कि वे लिखे नहीं जा सकते थे । (3 नफी 17:15)

समझाएं कि यीशु ने बच्चों को एक एक कर के लिया और उन्हें आशीष दी और स्वर्गीय पिता से उनके लिए प्रार्थना की । जैसे माता-पिता देख रहे थे वह स्वर्गदूतो को अपने बच्चो के साथ देख सक्ते थे (देखो 3 नफी 17:21--24) । सभी लोगों ने यीशु के महान प्रेम का अनुभव किया ।

चर्चा

- आप क्या सोचते हो कि बच्चों को कैसा लगा जब यीशु ने उन्हें आशीष दी और उनके लिए प्रार्थना की ।
- जब आप यीशु के विषय में सोचते हो तो आपको कैसा अनुभव होता है?

यीशु हमसे प्रेम करता है

चर्चा

समझाएं यद्यपि कि यीशु मसीह अभी यहाँ शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हैं फिर भी वह हमें उतना ही प्रेम करते हैं जैसा वे धरती पर रहने के समय बच्चों से करते थे ।

- हम कैसे जानेंगे कि यीशु हम से प्रेम करते हैं ? (उत्तर में निम्न सम्मलित होना चाहिए : उसने हमारे लिए धरती की सृष्टि की ,उसने हमें जीने के लिए आज्ञाएं दी, उसने हमारे लिए अपने प्राण दिये, वह गिरजाघरों का निर्देशन करता है और अपने भविष्यवक्ताओं के माध्यम से हम से बात चीत करता है; वह हम लोगों के लिए अच्छा उदाहरण रखता है ।)

बच्चे के भागीदारी

बच्चों को याद कराओ कि स्वर्गीय पिता के निर्देशन में, यीशु मसीह ने धरती और उस पर होने वाले पौधे और जानवर की सृष्टि की ।

प्रत्यके बच्चे से कहें कि वह अपना मन पसन्द किसी जानवर या पौधे का नाम बतलाएं । बच्चों को याद कराओ कि जब वे यीशु के द्वारा बनाई इन चीजों को देखते हैं तब वे याद करें कि यीशु उन्हें प्रेम करता है

चित्र पर चर्चा

चित्र सं. 2-35 को दुबारा दिखाएं, मसीह और बच्चे तथा 2-36, यीशु नफी बच्चों को आशीष दे रहा है ।

- क्या आप सोचते हो कि ये बच्चे खुश हैं क्योंकि यीशु उन्हें प्रेम करता है ?
- क्या खुश हो कि यीशु आपको प्रेम करता है ?

हम यीशु मसीह को दिखा सकते हैं, हम उससे प्रेम करते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाओ कि यद्यपि यीशु मसीह इस धरती पर नहीं है, फिर भी हम दिखा सकते हैं कि हम उनके प्रति धन्यावादित हैं और उन्हें प्रेम करते हैं । समझाओ कि एक तरीके से हम दिखा सकते हैं कि हम उन्हें प्रेम करते हैं कि हम उनकी आज्ञाओं को माने ।

धर्मशास्त्र मत्ती 25:40 को ऊँचे स्वर में पढ़ो और बच्चों को बतलाएं कि एक और तरीके से हम दिखा सकते हैं कि यीशु को हम प्रेम करते हैं । (समझाएं कि यीशु मसीह का दूसरा नाम राजा है ।) समझाएं कि हम धर्मशास्त्र में उद्धारक हम लोगों को बता रहा है कि अगर हम दूसरों के प्रति दयालु बनेंगे तो वह यीशु के प्रति दयालू होने के समान है । जब हम लोग दूसरे के साथ दया का व्यवहार करते हैं तो हम लोग यीशु को दिखाते हैं कि हम उन्हें प्रेम करते हैं ।

खेल की समीक्षा

बच्चों को याद कराने के लिए कि उन लोगों ने आज पाठ से क्या सीख है निम्नलिखित खेल खेले । (अगर यह सम्भव नहीं था कि खेल के सारे समान तैयार कर सकें तो खेल खिलाने का आवश्यक स्वांग रचें अथवा प्रश्नों को पढ़ो जो तैयारी के खण्ड में दिये गये हैं और बारी बारी से बच्चों को उत्तर देने दें ।)

कार्ड को बक्से या झोले में से निकाल लें और फर्श पर या मेज पर उल्टा करके रंगों के अनुसार समूह में रख दें । रंगीन चक्र कार्ड के पास रख दें ।

एक बच्चों को कहो कि वह एक बटन या सिक्का उस चक्र में डाले और एक कार्ड उसी रगं का निकाले जिस रंग का वह चक्र है जहाँ बटन गिरा है। उस कार्ड पर लिखा हुआ प्रश्न ऊँचे स्वर में पढ़ें और बच्चे से कहें कि वह प्रश्न का उत्तर दे प्रत्येक बच्चे को मौका दें ।

अगर वह बच्चा जिसने कार्ड निकाला है प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता है तो आप या कक्षा के दूसरे सदस्य कुछ आवश्यक संकेत दे सकते हैं । अगर समय है, तो बिना संकेत दिये खेल को फिर से खेलो । बच्चों को बधाई दें कि वे यीशु के विषय में और उनके प्यार के विषय में इतना जानते हैं ।

सारांश

गवाही

बच्चों को बतलाएं कि यीशु मसीह प्रत्येक बच्चे को प्रेम करता है और उनको सदा प्रेम करेगा है । यीशु बच्चों के साथ रहता है और उनकी सहायता करता है और उन्हें आशीष देना चाहता है । अपनी गवाही दो कि यीशु कक्षा के प्रत्येक बच्चे को मूल्यवान समझता है और उससे प्रेम करता है ।

बच्चों को प्रोत्साहित करो कि सप्ताह के दौरान वे उन सब बातों के विषय में सोचें जिन्हें यीशु ने उनके लिए किया है क्योकि वह उनको प्यार करता है । हो सकता है आप चाहें कि बच्चे उन चीजों की एक सूची बनायें या चित्र बनायें जिनके विषय में वे सोच सकते हैं और अगली प्राथमिक में उस सूची या चित्रों को ले आयें ।

बच्चों को याद कराओ कि वे यीशु की आज्ञाओं को मान कर और दूसरों के प्रति दयालु बनकर यह दिखा सकते हैं कि वे उन से प्रेम करते हैं ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना के लिए आमन्त्रित करें । समझाएं कि बच्चे यीशु मसीह को उसके प्रेम के लिये धन्यवाद व्यक्त करें ।

जब बच्चे कक्षा छोड़ कर जाते हैं प्रत्येक बच्चे के कान में कहें ''यीशु तुम से प्रेम करता है, और मैं भी तुम्हें प्यार करती हूँ ।''

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित क्रियाओं में से चुनाव करो कि कौन सी क्रियाएं आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे उपयुक्त हैं । आप उन्हें अपने पाठ में भी उपयोग कर सकते हैं, या समीक्षा अथवा सारांश के रूप में । अतिरिक्त निर्देशन के लिये ''शिक्षक की सहायता के लिए'' में ''कक्षा का समय'' देखें ।।

1. एक कड़े कागज पर चिपके हुए एक छोटे दर्पण को कक्षा में लाए। बच्चों को उस दर्पण को मत देखने दो । उस कागज का उल्टा भाग उठाओ और अपनी कक्षा के बच्चों से कहो कि तुम्हारे पास एक व्यक्ति का एक गुप्त चित्र है जिस से यीशु मसीह बहुत प्यार करते हैं । बच्चों को एक-एक करके आगे आने दे कि वे ''चित्र'' को देखें । उनसे कहो कि वे उस चित्र के विषय में चुप रहें जब तक सबने उसे न देख लिया हो । बच्चों को याद कराएं कि यीशु उनमें से सबको प्रेम करते हैं ।

2. "Jesus Loved the Little Children" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 59) गाने को गाओ अथवा बोल को बोलो या "I Feel My Savior's Love" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 74) इस गाने के बोल निर्देशिका के पीछे दिये गये हैं ।

3. बच्चों की मदद करे कि वे निम्नलिखित छन्द के अनुसार क्रिया करें :

   यीशु सब बच्चों से प्रेम करता है ।
   यीशु सब बच्चों से प्रेम करता है (अपनी बाहों को फहलाओ)
   छोटे बच्चे अभी भी छोटे हैं (अपने हाथों के द्वारा घटने तक इशारा करके बच्चों को दर्शायें)
   पालने में बच्चा झुलता है (हाथों को पालने का इशारा करो)
   कुछ बहुत बड़े और बहुत ऊँचे (अपने हाथों को सिर के ऊपर उठाओ)
   (From Finger Fun for Little Folk by Thea Cannon. © 1949 by the Standard Publishing Company, Cincinnati, Ohio. Used by permission.)

   जितनी बार आप दोहराना चाहो दोहराओ

4. बच्चों के साथ यीशु के एक चित्र का नमूना प्रत्येक बच्चे के लिए तैयार करो (जो पाठ के अन्त में पाया जाता है) । चित्र में दिए गये बच्चे स्वंय अपना चित्र बना कर उसे रंग से भरें । अगर आप प्रत्येक बच्चे के लिए नमूना तैयार नहीं कर सकते हैं, कक्षा में प्रत्येक बच्चे से कहो उनमें से एक बच्चे का चित्र को रंगे ।

   बच्चों से कहो कि अगर वे उस जमाने में रहे होते जब यीशु इस धरती पर थे, तब उन्हें भी अपनी गोद में बैठा लेते और उन्हें भी अशीष देते । उनको याद कराओ कि यद्यपि यीशु अभी धरती पर नहीं है, फिर भी वह धरती के सारे लोगों को प्यार करता है।

पाठ
20

यीशु मसीह की शिक्षा एक बहुत बड़ा खजाना है

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की इच्छा को बलवन्त करो कि वह यीशु मसीह की शिक्षा के बार में अधिक सीखे ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ ''सिद्धान्त और अनुबन्ध'' 19:23---24 और जोसफ स्मिथ --इतिहास 1:14--20 का अध्ययन करें । मत्ती 3:13--16, 4:1--11; 6:9; मरकुस 10:13--16; ३नफी 18:19; सुसमाचार के सिद्धान्त (31110) अनुच्छेद 10 भी देखे ।

2. एक कागज के टूकड़े पर यीशु मसीह की शिक्षा एक बहुत बड़ा खजाना है लिखो । उसे मोड़ दें और एक सन्दूक या पात्र में डाल दें । उस पात्र को कक्षा में कहीं छिपा दें, ध्यान रखें वे आसानी से मिल जाए । (अगर आप की कक्षा के विद्यार्थी पढ़ नहीं सकते हैं तो उस के स्थान पर यीशु के चित्र की एक कापी अथवा बाइबल की एक प्रति अथवा मॉरमन की पुस्तक की एक प्रति छिपा दें ।)

3. आवश्यक सामग्रियां ।
   क. धर्मशास्त्र का एक सेट ।
   ख. एक समान जो आप के लिए महत्वपूर्ण हो ।
   ग. एक फली का झोला या कोई मुलायम वस्तु ।
   घ. चित्र सं. 2-37, पहाड़ी पर का सन्देश (सुसमाचार कला चित्र किट 212; 62166); चित्र स. 2-38, प्रथम दिव्यदर्शन (सुसमाचार कला चित्र किट 403; 62470) ; चित्र सं. भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ (सुसमाचार कला चित्र किट 401; 62002); जीवित भविष्यवक्ता का चित्र (गिरजाघर की पत्रिका या सभाघर पुस्तकालय में से) ।

4. जो समृद्धि गतिविधि आप करना चाहते है उसके लिए आवश्यक तैयारी करें ।

प्रस्तावित पाट विकास

एक बच्चे को आमन्त्रि कर प्रारम्भिक प्रार्थना कराएं ।

अगर सप्ताह के दौरान आप ने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया था तो उसकी जांच करो । अगर पिछले सप्ताह बच्चों से आप ने कहा है कि उन चीजों की सूची या चित्र बनाये जिन्हें यीशु ने उनके लिए किया क्योंकि उसने उनको प्यार किया , तो आप उन सूचियों या चित्रों के विषय में कुछ समय के लिए चर्चा करना चाहेगें ।

हमारे पास बहुत खजाना है

ध्यान गतिविधि

उन व्यक्तिगत महत्व की चीजों को बच्चों को दिखाए जिन्हें आप लाये हैं । उस वस्तु के विषय में कुछ बताओ, जैसे उसका प्रयोग कैसे होता है, कहां से आप उसे लाये, कितने समय से वह आप पास है। यह बतलाएं कि वह आप लिए क्यों महत्वपूर्ण है और अगर वह खो गया, चोरी चला गया या टूट गया तो आप कितने उदास हो जाएगें । समझाएं कि यह आप के लिए एक खजाना है ।

कहानी

एक कहानी बतलाएं जिसमें एक बच्चे के पास खजाना है । आप निम्नलिखित कहानी का उपयोग करना पसन्द करोगे ।

रूथ के विद्यालय के साथी के पास एक लाकेट था जिसे वह रोज पहन कर विद्यालय जाती थी । रूथ ने सोचा कि वह एक बहुत सुन्दर लाकेट है जिसे उसने जीवन में कभी देखा हो । उसकी इच्छा उजागर हुई कि उसके पास भी वैसा ही एक लाकेट होता ।

रूथ के जन्म दिवस के एक सुबह उसकी माँ ने उसे एक उपहार दिया । वह एक छोटा सन्दूक था जो एक सुन्दर कागज में लिपटा और रिबन से बंधा था । उसके अन्दर रूथ ने एक सुन्दर सोने का लाकेट पाया । उसका रूप हृदय के आकार का था और उसके केन्द्र में एक चमकीला गुलाबी पत्थर था । रूथ को अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ ।

चर्चा

- आप क्या सोचते है कि रूथ को उस लाकेट के विषय में कैसा लगा होगा ?
- आप के कौन से खजाने हैं ? (आप कुछ सुझाव दे सकते है जैसे एक जानवर, एक प्यारा खिलौना, या पुस्तक या कपड़े का कोई समान)

यीशु मसीह के वचन एक बहुत बड़ा खजाना है

खजाने के खोज की गतिविधि

समझाएं कि हम सब के लिए एक खजाना है जिसे हम पा सकते हैं जो उससे बड़ा है (कुछ चीजों के नाम बतलाएं जिन्हें बच्चे अपना खजाना समझते हैं ।) यह खजाना किसी भी चीज से बढ़कर है जिसे हम पा सकते हैं । यह खजाना पैसे से खरीदा नहीं जा सकता वह न टूट सकता है और न चुराया जा सकता है । यह वह खजाना है जिसे पाने के लिए बहुत से लोग सब कुछ जो उनके पास है, देने के लिए तैयार हैं । कुछ लोग अपने जीवन को भी देने के लिये तैयार रहते हैं ।

बच्चों को बतलाएं कि पता करें यह बड़ा खजाना क्या है वे उस खजाने की खोज के लिए जा रहे हैं । समझाएं कि आपने एक खजाना कमरे में छिपा कर रखा है । बच्चों से कहें वे उस खजाने की खोज शान्तिपूर्वक करें ।

जब बच्चों ने वह सन्दुक या पात्र खोज लिया हो, तब एक बच्चे को उसे खोलने दें और उस सन्देश को ऊँची आवाज में पढ़ने दें । तब जो सन्देश आप के पास है उसे बच्चों को दोहराने दो ।(अगर तुमने यीशु का चित्र या धर्मशास्त्र को छिपाया है तो समझाएं कि ये चीजें यीशु मसीह की शिक्षा को दर्शाती हैं । बच्चों को बतलाएं कि यीशु समीह की शिक्षा हम लोगों के लिए एक बड़ा खजाना है ।)

- यीशु मसीह की शिक्षा हमारे लिए एक बड़ा खजाना क्यो है ?

इस बात पर जोर दो कि यीशु मसीह की शिक्षा हमारे लिए एक खजाना है क्योंकि वह हमें तरीका बतलाता है कि हम स्वर्गीय पिता और यीशु का अनुसरण पर कैसे सुखी रह सकते हैं ।

धर्मशास्त्र

'सिद्धान्त और अनुबन्ध ''19:23 के पहले भाग को ऊँची आवाज में पढ़ो (शब्दों में) । समझाएं कि यीशु ने यह कहा है । वह चाहता है कि हम उसे और उसकी शिक्षा के बारे में सीखें ।

हम यीशु मसीह की शिक्षा को धर्मशास्त्र में से सीख सकते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

चित्र सं. 2-37 दिखाओ, पहाड़ी पर का सन्देश । बच्चों को चित्र में क्या हो रहा है बताने दें।

समझाएं कि उद्धारक जब इस धरती पर थे, वह लोगों को शिक्षा देने एक शहर से दूसरे शहर जाते थे कि उन्हें किस प्रकार जीना चाहिए ताकि वे खुश रह सकें और किसी दिन वापस जा कर वे स्वर्गीय पिता के साथ रह सकें । बहुत से लोगो ने उसकी शिक्षा सुनना पसन्द किया और जहाँ वह गए उनके पीछे हो लिया, कभी-कभी हजारों लोग उनको सुनने और सीखने के लिए उनके पास एकय होते ।

- आप क्या सोचते हैं कि लोगो ने कैसा अनुभव किया था जब उन लोगों ने यीशु को सुना था ?

समझो कि कभी-कभी यीशु के चेले (सहायक) कोशिश करते कि लोगों को वापस लौटा दें क्योंकि यीशु थक जाते और उन्हें आराम की जरूरत होती थी । यीशु हमेशा यह कहते कि लोगों को रहने दो ताकि वे उसकी शिक्षा को सुन सकें । वह चाहते थे कि सभी लोग सुनें और सीखें ताकि उन्हें खुशी और आनन्द मिले जो सदा सर्वदा के लिये बना रहे ।

धर्मशास्त्र का सेट दिखाएं । समाझाएं कि हम लोग बहुत सी बातें धर्मशास्त्र से सीख सकते हैं । नये नियम के मुख्य पृष्ट को देखो । समझाओ कि कुछ चीजें जिन्हें यीशु ने इस पृथ्वी पर रहने के दौरान सिखाई उनका विवरण नये नियम में पाया जाता है ।

खेल

समझाएं कि जब यीशु इस धरती पर थे तब उन्होंने बहुत सी चीजें उदाहरण के द्वारा समझाई । वह चाहते हैं कि हम लोग उनके उदाहरण का अनुसरण करें और वही करें जो उसने किया । ''मैं ..... के बारे में सोच रहा हूँ '' का खेल बच्चों के साथ खेलो ताकि कुछ चीजें जिन्हें यीशु ने किया और सिखाया उन्हें वे याद कर सकें ।

खेल खेलने के लिए निम्नलिखित घटनाओं का विवरण पढ़ो जो यीशु मसीह के जीवन में घटित हुए और उनसे जुड़े प्रश्न एक-एक करके पूछें । अगर बच्चे किसी प्रश्न का उत्तर जानते हैं तो उन्हें हाथ उठाने दो । एक फली का झोला या कोई मुलायम चीज एक बच्चे की और उछालो जिसने अपना हाथ उठाया है और बच्चे से कहो कि वह प्रश्न का उत्तर दे । प्रत्येक बच्चे को मौका दो कि वह कम से कम एक प्रश्न का उत्तर दे ।

1. मैं सोच रहा हूँ उस समय के विषय में जब यीशु यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के साथ यरदन नदी में खड़ा था (देखो मत्ती 3:13-15)
   - यीशु का यरदन नदी में क्या हुआ ?
   - यीशु का बपतिस्मा किस प्रकार हुआ ? (पानी में डुबाकर)
   - किस प्रकार से हम लोगों को बपतिस्मा लेने के लिए सिखाया गया है (पानी में डुबाकर)
2. मैं एक विशेष व्यक्ति के विषय में सोच रहा हूँ जो उस समय वहाँ था जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु को बपतिस्मा दिया । उसे किसी ने नहीं देखा लेकिन यीशु और यूहन्ना जानते थे कि वह वहाँ है (मत्ती 3:16)
   - मैं किसके विषय में सोच रहा हूँ ? (पवित्रात्मा)
   - हम लोगों को पवित्रात्मा का दान पाने के लिये क्या करने के लिए सिखाया गया है । (बपतिस्मा ले कर और पुष्टिकरण का अनुष्ठान पूरा कर के)

3. मैं एक समय के विषय में सोच रहा हूँ जब यीशु चालीस दिन और चालीस रात निरहार रहे । (देखो मत्ती 4:1-11)

- किसने यीशु की परीक्षा लेना चाहा था ?
- यीशु ने क्या किया ? (उसने सही का चुनाव किया शैतान को आज्ञा दी कि वह चला जाये ।)
- जब हम लोग परीक्षा में पढ़ते हैं तो हमें क्या करने को कहा गया है ? (सही चुनो)

4. मैं उस समय के विषय में सोच रहा हूँ जब यीशु के चेलों ने बच्चों को दूर करने की कोशिश की थी (मरकुस 10:13-16)

- यीशु ने अपने चेलों को क्या कहा था ? (वह चाहता है कि बच्चे वहाँ रहें क्योंकि वह उन से प्यार करता है)
- यीशु ने किसको प्यार किया ? (हम सब को)
- यीशु हमें क्यों सिखाता है ? (वह हम लोगों को प्यार करता है और चाहता है कि हम लोग खुश रहें)

5. मैं उस समय के विषय में सोच रहा हूँ जब यीशु ने लोगो को प्रार्थना करना सिखाया था । (मत्ती 6:9 और ३नफी 18:19)

- यीशु ने हमें कब प्रार्थना करना सिखाया ?
- यीशु ने किस प्रकार प्रार्थना का अन्त करना सिखाया ?
- हम लोगों को कब प्रार्थना करनी चाहिए ? (सभी उत्तर स्वीकार कर लो और बच्चों को याद कराओ कि हम लोग जब अपने को स्वर्गीय पिता के निकट पाते हैं, तो प्रार्थना कर सकते हैं, उन्हें धन्यवाद दे सकते हैं और उनसे सहायता की याचना कर सकते हैं ।

जीवित भविष्यवक्ता से हम यीशु मसीह की शिक्षा को सीख सकते है

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाएं कि धर्मशास्त्र के पढ़ने से हम यीशु मसीह की बहुत सी शिक्षाओ को जान सकते हैं लेकिन धर्मशास्त्र में यीशु की सारी शिक्षाएं निहित नहीं हैं । यीशु ने जब धरती को छोड़ा तो शिक्षा देना नहीं छोड़ा । आज कल वह हमें भविष्यवक्ताओ द्वारा शिक्षा देता है । यीशु अपने भविष्यवक्ताओं को बताता है कि हमें क्या जानना चाहिए । फिर भविष्यवक्ता हमें यीशु की शिक्षाएं देते हैं ।

धर्मशास्त्र कहानी ।

चित्र सं॰ 2-38 दिखाएं, पहला दर्शन और बच्चों की मदद करो कि वे वह कहानी बताएं जो जोसफ स्मिथ-इतिहास में पाई जाती है 1:14-20

इस बात पर जोर दें कि जोसफ स्मिथ को स्वर्गीय पिता ने बनाया कि वह एक भविष्यवक्ता बने और हमें सच्चाई सिखाये । स्वर्गीय पिता और यीशु जोसफ स्मिथ को दिखाई दिये और उन्होंने उसे बताया कि इस धरती पर कोई भी गिरजाघर उस समय सही नहीं था । बाद में, जोसफ ने यीशु की सहायता सही गिरजाघर को पुनः लाने में की ।

- आज यीशु मसीह के सही गिरजाघर का नाम क्या है ?(अन्तिम दिनों के सन्तों का यीशु मसीह गानों गिरजाघर)

सभी बच्चों मे कहो कि वे नाम को दोहरायें ।

चित्र पर चर्चा

चित्र सं॰ 2-39 को दिखाएं –भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ । समझाओ कि जोसफ स्मिथ अन्तिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह गिरजाघर का प्रथम भविष्यवक्ता बना । उन्होंने उस समय के गिरजाघर के सदस्यों की मदद की कि वे जानें यीशु मसीह उनसे क्या कराना चाहता है ।

जोसफ स्मिथ के चित्र के साथ जीवित भविष्यवक्ता का चित्र दिखायें ।

- यह कौन है ?

समझाएं कि यीशु मसीह जीवित भविष्यवक्ता से उसी प्रकार बातें करते हैं जैसे वह जोसफ स्मिथ से बातें करते थे । जब हम भविष्यवक्ता की बातें सुनते हैं तो हम लोग यीशु की शिक्षाओं को सुनते हैं ।

गवाही

बच्चों को बताओ कि भविष्यवक्ता को पाना कितनी खुशी की बात है । गवाही दो कि वर्तमान भविष्यवक्ता ही सच्चा भविष्यवक्ता है जो हमें उद्धारक की शिक्षा देता है ।

यीशु मसीह की शिक्षाएं हमारे लिए जरूरी हैं

कहानी

बच्चो को बताओ कि कभी कभी हम लोग भूल सकते हैं कि गिरजाघर का सदस्य होना कितनी खुशी की बात है जहां से हमें उद्धारक की शिक्षा मिलती है हम लोगों को याद करना चाहिए कि यीशु की शिक्षाएं कितना बडा खजाना है ।

किसी व्यक्ति के विषय में कहानी सुनाओ जिसने गिरजाघर का सदस्य बन कर यीशु मसीह की शिक्षाओं का महत्व बताया । अगर आप ऐसी कहानी नहीं जानते हो तो निम्नलिखित कहानी का उपयोग करो :

एलीट ने प्रचारकों से बातचीत की और यह जाना कि वे यीशु मसीह की शिक्षओं को बताते हैं । वह अन्तिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह के गिरजाघर का सदस्य बनने की इच्छा प्रकट की लेकिन उसके पिता ने बपतिस्मा नहीं लेना चाहा । उनको यह समझ में नहीं आया कि यीशु की शिक्षाओं को जानना और यीशु के गिरजाघर के सदस्य होना कितना महत्वपूर्ण है । उसने उससे कहा कि थोड़ा प्रतीक्षा करे । एलीट ने प्रतीक्षा की लेकिन वह गिरजाघर जाती रही और प्रार्थना करती रही कि उसके पिता इस बात को समझें कि उसका गिरजाघर का सदस्य होना कितना महत्वपूर्ण है ।

मसीह के जन्म के अवसर पर एलीट के पिता ने उससे पूछा कि बड़े दिन के अवसर पर क्या चाहिए । उसने उनसे कहा वह केवल एक चीज चाहती है कि वह उसे अपनी स्वीकृति दे ताकि वह बपतिस्मा ले ।उसके पिता ने यह निश्चय किया कि अगर बपतिस्मा पाना एलीट के इतना महत्वपूर्ण है तो वह उसे अपनी स्वीकृति दे देगा । एलीट का बपतिस्मा बड़े दिन की पूर्व संध्या पर हो गया । यही एकमात्र पुरस्कार उसने पाया लेकिन यह बहुत बड़ा खजाना था जिसने उसे बड़ा आनन्द दिया ।

- एलीट कौन सा पुरस्कार चाहती थी ?
- यह उपहार इतना महत्वपूर्ण क्यों था ?

सारांक्ष

चर्चा

बच्चों से चर्चा करो कि यीशु मसीह की शिक्षा के लिए हम लोग कितने आभारी हो सकते हैं । हम लोग आभारी हो सकते हैं कि :

- हम उसी प्रकार बपतिस्मा पा सकते हैं जैसे उद्धारक ने पाया था ।
- हमारा जब बपतिस्मा हो चुका हो तब हम पवित्रात्मा का दान प्राप्त कर सकते हैं ।
- हमें जब जरूरत हो तब हम प्रार्थना कर सकते हैं ।
- हम सीख सकते हैं कि हमें सही का चुनाव कैसे करना चाहिए ।
- हम जानते है कि स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह हमें प्यार करते हैं ।
- हमारे पास शिक्षा देने के लिए धर्मशास्त्र और एक भविष्यवक्ता हैं ।

गवाही

अपनी गवाही दें कि यीशु मसीह का सच्चा गिरजाघर है और बच्चों को बताओ कि तुम कितने आभारी हो कि तुम इसके एक सदस्य हो और तुम यीशु की शिक्षाएं सीख सकते हो ।

प्रत्येक बच्चे को आमन्त्रित करें कि वह खड़ा होकर यीशु की शिक्षाओं के लिए आभार व्यक्त करे । (इसको करने के लिए किसी बच्चे पर जोर डालने की जरूरत नहीं)। आवश्यकता के अनुसार बच्चों की मदद करें ।

इस बात को दर्शाओ कि उद्धारक और उसकी शिक्षाओं के लिए आभारी होना गवाही देने का एक तरीका है । बच्चों को बताओ कि अभी अभी उन लोगों ने अपनी गवाही दी है ।

बच्चों को प्रोत्साहित करो कि वे अपनी गवाही घर पर अपने परिवार के लोगों के साथ बाँटें । सलाह दो कि जब आत्मा उनको प्रेरित करती है तब भी उपवास और गवाही के बैठक में अपनी गवाही दें और बताएं कि उन लोगों ने यीशु की शिक्षा के विषय में और यीशु मसीह के सही गिरजाघर के विषय में क्या सीखा है ।

एक बच्चे को बुला कर समापन प्रार्थना कराए ।

समृद्धि गतिविधियां

निम्नलिखित गतिविधियों में से उनको चुनो जो आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे अच्छा है । आप उन्हें अपने पाठ में भी उपयोग कर सकते हो अथवा समीक्षा या सारांश के रूप में । अतिरिक्त निर्देशन के लिए ''शिक्षक की सहायता के लिए'' में ''कक्षा के समय'' देखो ।

1. प्रत्येक बच्चे के लिए चित्र की एक प्रति बनाओ जो पाठ के अन्त में पाया जाता है । समझाओ कि कुछ लोगों ने अपने प्यारे खजाने को एक खजाने के सन्दुक में रखते है जैसा कि चित्र के केन्द्र में पाया जाता है ।

   - खजाने के सन्दूक में आप क्या चीजें रखोंगे ?

   बच्चों को याद कराओ कि कुछ बहुमूल्य चीजें है जिन्हें आप खजाने के सन्दूक में नहीं रख सकते हो, जैसे यीशु मसीह की शिक्षा । यीशु की शिक्षा की चर्चा करें जिन्हें चार चित्रों में दर्शाया गया है (बपतिस्मा, प्रार्थना, प्रभुभोज, प्रेम)

बच्चों से कहो कि वे खजाने के सन्दूक में यीशु की शिक्षाओं के चित्रों को बनाये और उन्हें रंगो से भरे ।

2. बारी बारी से बच्चे उन चीजों को हाव भाव के द्वारा दिखाये जिन्हें यीशु ने हमें करने के लिये शिक्षा दी। दूसरे बच्चे उस हाव भाव को देख कर अनुमान लगायें कि वे क्या हैं । उदाहरण में आ सकता है, जैसे प्रार्थना करना, आदर करना, दसमांश देना, अथवा भाई और बहनों के प्रति दया दिखाना ।

3. "I'm Trying to Be like Jesus" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 78), "Jesus Loved the Little Children" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 59), या "Jesus Wants Me for a Sunbeam" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 60) गाने को गाओ अथवा उसके बोल को बोला । इन गानो के बोल निर्देशिका के पीछे दिये गये हैं ।

यीशु मसीह की शिक्षा एक बड़ा खजाना है

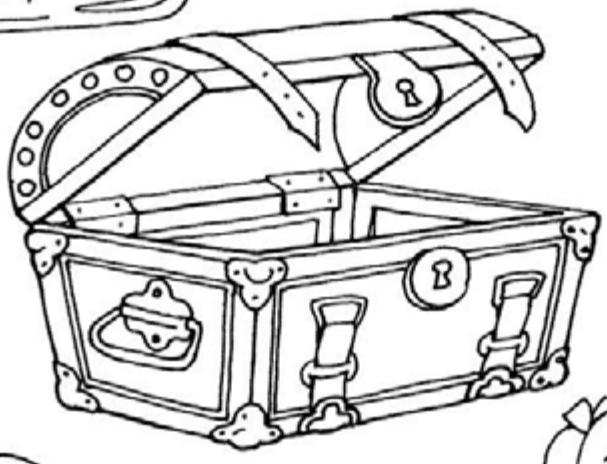

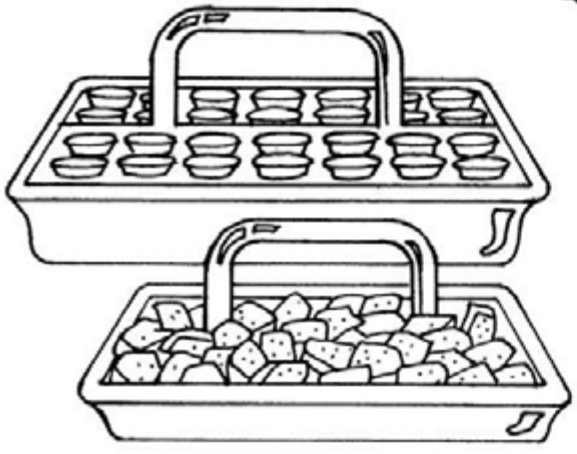

मैं श्रद्धालु बन सकता हूँ

पाठ
21

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को प्रोत्साहित करो कि वह स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करो ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ लूका 2:1-16 और ३नफी 17:11-12, 21-24
2. मुँह, आँख, कान, हाथ और बाहों और पैरों के चित्र पाठ के अन्त में दिये गये नमूने से तैयार करो उन कट आउट को किसी थैली या पास में रखो ।
3. निम्नलिखित शब्द श्रृंखला तैयार करो ।

श्रद्धालु

4. "Reverently, Quietly" (बच्चों की गीत पुस्तिका पृ.26) के गाने को गाओ और "I Will Try to Be Reverent" (बच्चों की गीत पुस्तिका पृ. 28) के गाने को गाने अथवा उसके बोल को बोलने की तैयारी करो ।
5. आवश्यक सामाग्रियाँ
   क. एक बाइबल और एक मॉरमन की पुस्तक
   ख- चित्र सं॰ 2-36 यीशु नफी के बच्चों को आशीष दे रहा है चित्र सं॰ 2-40 श्रद्धालु बच्चा चित्र सं॰ 2-41 (सुसमाचार कला चित्र किट 200; 62116)।
6. जिस किसी शक्ति करण की गतिविधि का आप उपयोग करना चाहते हो उसके लिये आवश्यक तैयारी करो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

अगर तुमने बच्चों को सप्ताह के दौरान कुछ करने को दिया है तो उस पर ध्यान दें ।

ध्यान गतिविधि

प्रारम्भिक प्रार्थना के पहले ''श्रद्धा और शान्तिपूर्वक '' गाने को गाओ अथवा उसके बोल को बोलो ।
श्रद्धालु, धीमे से, प्यार से हम आप को याद करते हैं,
भक्तिपूर्वक श्रद्धालु, धीमे से, शांन्तिपूर्वक गाने को गुनगुनाते हैं,
श्रद्धालु शान्ति पूर्वक, विनम्रता से अब हम प्रार्थना करते हैं
पवित्रात्मा आज हमारे हृदय में वास करे

चित्र सं॰ 2-40 दिखाओ, एक श्रद्धालु बच्चा । बच्चों को बताओ कि चित्र में वह बच्चा प्रार्थना में अपने स्वर्गीय पिता से बात करने के लिये जाने की तैयारी कर रहा है ।

- हम किस प्रकार प्रार्थना के लिये तैयारी कर सकते ? (हम अपनी बाहों को समेटते हैं, आँखों को बन्द करते हैं और अपने सिरों को झुकाते हैं ।
- हम प्रार्थना की तैयारी के लिये क्यों अपनी बाँहों को समेटते है, अपनी आँखों को बन्द करते हैं और अपने सिरों को झुकाते है ?

चह बतलाओ कि जब हम ऐसा करते हैं तो प्रार्थना के समय में स्वर्गीय पिता की निकटता और आसान हो जाती है । समझाओ कि जिस प्रकार यह महत्वपूर्ण है कि जब हम बात करते हैं तब हमारे स्वर्गीय पिता हमारी बातों को सुने उसी प्रकार यह जरूरी हैं कि जब हम प्रार्थना करें तो हमारा स्वर्गीय पिता हमारी प्रार्थना कों सुने ।

एक बच्चे को बुलाओ कि वह प्रारम्भिक प्रार्थना करे ।

प्रारम्भिक प्रार्थना के बाद संक्षेप में आप अपना धन्यवाद अपने स्वर्गीय पिता के प्रति व्यक्त करो और उस सौभाग्य के लिये कि आप ने प्रार्थना में उन से बात चीत की ।

भक्ति प्यार और आदर की भावना है

शब्द श्रृंखला पर चर्चा

श्रद्धालु बच्चे के चित्र में '' श्रद्धालु '' शब्द श्रंखला को दिखाओ शब्द श्रृंखला के शब्दों को पढ़ो और बच्चो से कहो कि वे उसे दोहरायें ।

• श्रद्धालु होना क्या है ?

इस बात पर जोर दो कि श्रद्धालु का अर्थ चुप रहने से अधिक होता है । श्रद्धालु का अर्थ है स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के प्रति प्यार और आदर की एक विशेष भावना ।

बच्चों से कहो कि वे उस अनुभव के विषय में सोचें जब उनके माता-पिता उन्हें प्रार्थना करने अथवा यीशु के विषय में कहानी सुनाने में मदद करते हैं अथवा जब वे स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह की सुन्दर सृष्टि को देखते अथवा उसके विषय में सुनते हैं । समझाओ कि ये सरगर्म, शांन्तिपूर्ण अनुभव श्रद्धालु होने का अनुभव है । ये अनुभव हमें समझने में सहायक होते हैं कि स्वर्गीय पिता की आत्मा निकट है ।

चित्र पर चर्चा

चित्र सं॰ 2-36 दिखाएं, यीशु नफी के बच्चों को आशीष दे रहे हैं । बच्चों से कहो कि वे चित्र के विषय में तुम्हें बताएं (देखो 3 नफी 17:11-12, 21-24.)

• आप क्या सोचते हो कि नफी के बच्चों ने यीशु मसीह के विषय में कैसा अनुभव किया था ?

चत्र सं॰2-41 दिखाएं, यीशु का जन्म, और बच्चों से कहो कि वे यीशु के जन्म के विषय की कहानी बताएं । (लूका 2:1-16) । उनसे कहो कि वे सावधानी पूर्वक चित्र में दिये व्यक्तियों की और देखें ।

• आप क्या सोचते हो लोगों ने कैसा अनुभव किया जब उन लोगों ने बालक यीशु को देखा था ?

• आप क्या सोचते हो, आपने कैसा अनुभव किया होता अगर आपने बालक यीशु को देखा होता था ?

समझाएं कि जब हम स्वर्गीय पिता और यीशु के विषय में प्यार से सोचते हैं तब हम श्रद्धालु बन जाते हैं ।

हम अपने कार्यों द्वारा श्रद्धालु होना प्रकट करते हैं

चर्चा

• हम किस प्रकार अपने स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के प्रति अपनी श्रद्धा की भावना को व्यक्त कर सकते हैं ?

समझाएं यह महत्वपूर्ण है कि हम जहाँ कही रहें हम श्रद्धा की भावना को बनाये रखें, लकिन हमें विशेष रूप से याद रखना चाहिए कि हमें शरीर में भक्ति भावना रखनी चाहिए । संगत के लिए स्वर्गीय पिता का घर है और जब हम स्वर्गीय पिता के घर में भक्ति भावना रखते है तब स्वर्गीय पिता जानते हैं कि हम उन्हें प्यार करते हैं ।

गीत

बच्चों के साथ यह गाना गाओ या उसके बोल बोलो ''I Will Try to Be Reverent''
मैं अपने स्वर्गीय पिता को प्यार करता हूँ और मैं उनके घर में श्रद्धालु रहने की कोशिश करूँगा और तब वह मेरे निकट होंगे ।

गतिविधि

वह झोला या पात्र दिखाओ जिसमें कट आउट रखे हैं । बारी बारी से बच्चों को बुलाओ कि वे झोले से कट आउट निकाले, दूसरे बच्चों को कट आउट दिखायें और उनसे पूछो, ''तुम्हें उन कट आउट से (कट आउट में जो चीजें दिखाई गयी है) उनसे आप क्या करोगे ताकि स्वर्गीय पिता के प्रति श्रद्धा दिखा सकें ।

सम्भावित उत्तर

मुँह - धीमे से बोलें, मुस्कराए, गाना गाएं, शान्त रहें जब कोई और बातें कर रहा हो ।

आँखें - शिक्षक या वक्ता की ओर देखो, दुआ के समय आँखें बन्द करो ।

हाथ और बाहें - उठाकर स्थिर रखो, किसी प्रश्न का उत्तर देने के लिये उठाओ और उन्हें प्रार्थना के समय समेट लो ।

पैर और टाँगे - धीमे से चलो, और शांत रहो ।

कान - जो कुछ कहा जा रहा है उसे सुनो ।

गतिविधि

बच्चों की सहायता करो कि वे निम्नलिखित आराम की क्रिया को करें और शब्दों को बोलें ।
मैं सदा श्रद्धालु रहता हूँ
अपने सिर से (अपने हाथ को सिर पर रखो)
अपने पांवों से (पांवों को छुओ)।
जब मैं चलता हूँ (शांन्तिपूर्वक चलो), जब मैं जाता हूँ तब मैं धीमें से पैर रखता हूँ ।
जब मैं बोलता हूँ तो धीमें से स्वर निकलते हैं (होठों पर ऊँगली रखो)।
ऊँची आवाज में मत बोलो (सिर को एक ओर से दूसरी ओर मोड़ो)
जब मैं सुनता हूँ (अपने हाथों से कान को बन्द करो ।)
होठों को बन्द करो (होठों को बन्द करो ।)
अपने बाहों को (अपनी बाँहो को समेटो)
जब मैं प्रार्थना करता हूँ

मैं अपने सिर को झुकाता हूँ (सिर को झुकाता और मैं अपनी आँखे बन्द करता हूँ) (आँखों को बन्द करो)।
मैं सदा श्रद्धालु रहता हूँ
अपने सिर से (अपने हाथों को सिर पर रखो) पांवों तक (पांवों को छुओ)
(Adapted from Diana Eckersell Janson, "I'm Always Reverent," Friend, Sept. 1993, पृ. 32.)

हम दूसरों को श्रद्धालु पूर्वक रहने में सहायता कर सकते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को याद कराएं कि उनके आचरण आस-पास के लोगों को प्रभावित करते हैं । यह एक दूसरा अच्छा कारण है कि हम गिरजाघर में श्रद्धालु रहते हैं ।

- आप को कैसा अनुभव होता है अगर प्राथमिक में आप के निकट कोई शोर मचाता हो ?

इस बात को दर्शाओ कि अगर आपके निकट कोई शोर मचाता है तो हम लोगों के लिए स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के विषय में सोचना कठिन होता है । उसी प्रकार, जब हम शोर मचाते हैं अथवा कोई दूसरा काम करते हैं जो श्रद्धालु न हो, तो दूसरों के लिए श्रद्धालु होना कठिन हो जाता है । बच्चों को प्रोत्साहित करो कि वे ऐसा काम करें जो उन्हें और दूसरों को श्रद्धालु बनने में सहायक सिद्ध होता हो ।

कहानी

किसी बच्चे की कहानी सुनाएं जिसे आप जानते हैं, जिसने किसी को और श्रद्धालु बनने में सहायता की हो अथवा निम्नलिखित कहानी सुनाओ ।

पैटी एक बहुत खुश लड़की थी । वह मुस्कराना, हँसना और गाना गाना पसन्द करती थी । लेकिन वह सबसे अधिक बात करना पसन्द करती थी । उसके पास बहुत सी बातें बताने के लिये होती थीं और वह किसी से भी बातें करती थी जो उसकी बातें सुनता था । पैटी का सबसे अच्छा मित्र था मेरी जो जो बात करना उतना ही पसन्द करती थी जैसा पैटी करती थी ।

एक रविवार को पैटी मेरी जो की प्राथमिक में गयीं । प्रारम्भ के पाठों के दौरान पैटी ने मेरी जो को अपनी नयी जूती के विषय में बताना शुरू किया । लेकिन मेरी जो पांवों अपना सिर हिला कर पैटी को चुप रहने के लिये कहा ।

चूँकि कोई उसकी बातें नहीं सुन रहा था पैटी ने बात करना बन्द कर दिया और शीघ्र ही वह कहानी में ध्यान लगाने लगी जिसे शिक्षिका सुना रही थी । उसने उद्धारक के विषय में सीखा और प्राथमिक में आनन्द उठाया ।

जैसे ही लड़कियाँ जाने लगी शिक्षिका ने उन्हें कक्षा में शांत रहने के लिये धन्यवाद दिया । कक्षा के बाद, मेरी जो ने पैटी को समझाया कि उसने प्राथमिक के दौरान उससे बातें क्यों नहीं की मेरी जो ने कहा कि वह स्वर्गीय पिता और यीशु को प्यार करती है और इस कारण वह श्रद्धालुपूर्वक रहती है ।

चर्चा

- मेरी जो प्राथमिक में क्यों श्रद्धालुपूर्वक रहना चाहती थी ?
- क्यों मेरी जो ने प्राथमिक में श्रद्धालुपूर्वक रहने में सहायता दी ?
- आप किस प्रकार दूसरों को श्रद्धालुपूर्वक रहने में सहायता कर सकते है ?

सारांश

गवाही

बच्चों को यह गवाही दो कि श्रद्धालुपूर्वक रहने से वे स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के विषय में अधिक जान सकते हैं और उनसे प्यार कर सकते हैं । जब स्वर्गीय पिता और यीशु के प्रति आप की विशेष श्रद्धा भावना उपजती है तब आप अपने अनुभव को बाँटना पसन्द करोगे ।

बच्चों से कहो कि वे स्वर्गीय पिता और यीशु के प्रति अपने प्यार की भावना और आदर को प्रकट करें ।

बच्चों को प्रोत्साहित करो कि जब वे प्राथमिक की संगति के बाद दूसरी संगतियों के लिए जाते हैं तो वे श्रद्धा की भावना से पूर्ण रहें ।

एक बच्चे को बुला कर समापन प्रार्थना करने को कहो ।

सम्बद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनो कि कौन सा कार्य आप की कक्षा के बच्चों के लिए सबसे अच्छा होगा । आप इन्हें पाठ में भी उपयोग कर सकते हो या समीक्षा अथवा सारांश में भी । अतिरिक्त निर्देशन के लिए आप ''शिक्षक की सहायता के लिए'' में ''कक्षा का समय'' देखें ।

1. बच्चों की सहायता करो कि वे निम्नलिखित ऊँगली के कार्य करो :–
   एक बर्फ के टुकड़े के समान (बाहों को ऊपर और नीचे लें आओ और अपनी ऊँगलियों को चलाओ)
   जैसे फूल बढ़ता है उसी प्रकार से शांत रहो (पहले मुट्ठी को बन्द करो फिर उसे फूल के समान खोलो)
   शांत रहो जैसे तितली रहती है (अंगूठों को जोड़ो और उँगलियों को पंखों के समान चलाओ)
   धीमे, धीमे उड़ जाओ
   उसी प्रकार से मैं शांत रहूँगा (एक हाथ को अपने हृदय पर रखो)
   जब मैं प्राथमिक में आता हूँ (अपने हाथों को बटोरो)

2. एक फली का झोला या कोई मुलायम समान किसी बच्चे की ओर फेंको और बच्चे से पूछो कि वह किस प्रकार वह अपनी श्रद्धा को प्रकट कर सकता है (उत्तर में सीधे बैठना, सुनना, यीशु के विषय में सोचना, एक हाथ को उठाना, धीमे धीमे चलना, दूसरों के प्रति आदर प्रकट करना और बाहों को समेटना)। फिर बच्चे से कहो कि वह उस फली के झोले को आपकी ओर वापस फेंके यह प्रक्रिया चलती रहें जब तक सभी बच्चों की कई बार बारी न आ जाये । बच्चों को प्रोत्साहित करो कि वे श्रद्धा दिखाने के अनेक तरीके सोच लें ।

3. बच्चों की सहायता करो कि वे विभिन्न स्थितियों के रोल खेलें जिनमें श्रद्धा दर्शायी जाती हो । निम्नलिखित विचार का उपयोग करो या अपनी ओर से कुछ और :

   - पाठ के दौरान आप अपने प्राथमिक की शिक्षिका से कुछ कहना चाहेंगे । आप यह कार्य श्रद्धापूर्वक कैसे कर सकते हो ?
   - तुम वह गाना नहीं जानते हो जिसे आपकी कक्षा के लोग गा रहे हैं । आप श्रद्धा कैसे प्रकट कर सकते हो ?
   - प्रभु भोज के समय आप का छोटा भाई आप से बात करता है । उसे श्रद्धापूर्ण बनाने के लिये आप क्या कर सकते हो ?
   - जब कुछ लोग प्रार्थना कर रहे हैं तो आप कमरे में जाते हो । आप श्रद्धा कैसे प्रकट कर सकते हो ?

4. बच्चों की सहायता करो कि वे निम्नलिखित ऊँगली की क्रिया करें ।
   यहाँ गिरजाघर है (अपनी मुट्ठी को बन्द करो कि उंगलियां अन्दर रहें)
   यहाँ गुम्बज है (अपनी पहली ऊँगली को गुम्बज दिखाने के लिये बाहर निकालो)
   दरवाजा को खोलो (अपने हाथ को खोलो, लेकिन उंगलियां दबी रहें)
   और सभी लोगों को देखो (ऊँगलियों को डुलाओ)
   दरवाजा बन्द कर दो (हाथ को फिर से बन्द करो और ऊँगलियाँ अन्दर रहें)
   और उनकी प्रार्थना सुनो ।
   दरवाजे को खोलो (हाथों को खोलो और ऊँगलियाँ दबी रहें)
   और वे सभी चले जायें (हाथों को अलग अलग करो)

   ऊँगलियों की इस क्रिया के बाद, एक बच्चे के विषय में एक कहानी सुनाओ जो प्रभु भोज के समय अपनी ऊँगलियों को चलाता है । जब बच्चा अपने चारो ओर देखता है और पता है कि सभी शांतिपूर्वक बैठे हैं तब वह भी शांत हो कर अपने हाथों को अपनी गोदी में रख लेता है ।

5. "Reverence Is Love" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 31) या "Father, I Will Reverent Be" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 29) गाना गाओ अथवा उसके बोल को बोलो

   श्रद्धा प्यार है ।
   शांतिपूर्वक बैठने से बढ़कर श्रद्धा होती है वह स्वर्गीय पिता का ध्यान करने के समान है जब मैं उसकी आशीषों के विषय में सोचता हूँ तो इस प्रकार की भावना आती है मैं श्रद्धालु बनता हूँ क्योंकि श्रद्धालु होना प्रेम है । जब मैं श्रद्धापूर्ण बनता हूँ तब वह मेरे शब्दों और कार्यो में प्रकट होता है । जिस रास्ते से जाना है वह साफ है । और जब मैं श्रद्धापूर्ण बनता हूँ तब मैं इसे मैं अपने हृदय में जान जाता हूँ कि स्वर्गीय पिता और यीशु हमारे निकट हैं ।
   (© 1987 by Maggie Olauson. Used by permission.)

पिता, मैं श्रद्धालु बनूँगा ।

पिता मैं श्रद्धालु बनूँगा

और तेरे कर मैं धीमे धीमे चलूँगा

अपने हाथों को समेटूँगा और सिर को झुकाऊँगा

और जब प्रार्थना हो रही हैं

तब मैं अपनी आँखो को बन्द करूँगा ।

और उन शब्दों को सुनूँगा क्योंकि आपके घर मैं तुम्हें अपने निकट पता हूँ

मेरे विचार और परिपूर्ण बने

ताकि मैं और श्रद्धालु बातें कर सकूँ ।

पिता, मैं श्रद्धालु बनूँगा

और तेरे घर में धीरे धीरे चलूँगा ।

धन्य हैं जो शांति रखते हैं

पाठ
22

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को प्रोत्साहित करो कि वह घर पर शांति स्थापित करे ।

तैयारी

1. मत्ती 5:1-12 (अथवा 3नफी 12:1-12) और 7:1-5, 12(अथवा 3नफी 14:1-5, 12) का श्रद्धालु पूर्वक अध्ययन करो।
2. अपने लिये और कक्षा के प्रत्येक बच्चे के लिये निम्नलिखित उदाहरण की एक बड़ी प्रति तैयार करो । (अपनी प्रति को बचा कर रखो कि पाठ 26 के साथ उसका उपयोग कर सको)

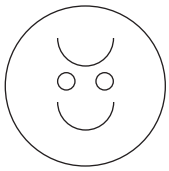

3. अगर सम्भव हो, परिवार की अनेक चित्र को एक करो कि वे एक साथ मिल कर खुशी के काम कर रहें हैं
4. प्रत्येक बच्चे के लिये कागज़ के टुकड़े के ऊपर लिखो ''धन्य हैं वे जो शांति रखते है''
5. "Smiles" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 267) । गाने को गाने या बोल को बोलने की तैयारी करो। इस गाने मे बोल निर्देशिका के पीछे दिये गये हैं ।
6. आवश्यक सामग्रियाँ
   क- एक बाइबल या मारमन की किताब
   ख- पेंसिल या रंग
   ग- सी. टी. आर चार्ट (देखो पाठ १)
   घ- चित्र 2-39, पहाड़ी पर का उपदेश (सुसमाचार कला चित्र किट 212; 62166); चित्र सं॰ 2-42, परिवार का अमोद प्रमोद
3. जिस किसी शक्ति कारण के कार्य का आप उपयोग करना चाहते हो उसके लिये आवश्यक तैयारी करो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को बुला कर प्राम्भिक प्रार्थना कराओ

अगर आप ने सप्ताह के दौरान बच्चों को किसी काम को करने के लिए प्रोत्साहित किया है उसकी जांच करें ।

अपने घरों में अनुभव खुशी का या गम का हो सकता है

ध्यान गतिविधि

प्रत्येक बच्चे को एक टुकड़ा कागज़ दो जिस पर चेहरा बना हो । बच्चों को अपने साथ "Smiles" गाना गाने अथवा बोल बोलने को कहो जिसमें मुँह की मुद्रा क्रोध की या मुस्कराहट की होनी चाहिए जैसा शब्दों में बताया गया है ।

चर्चा

चित्र सं॰ 2-42 परिवार का आमोद प्रमोद और कोई दूसरा परिवार का चित्र पाया है जिसमें वे एक साथ आनन्द के काम कर रहे हैं । बच्चो से कहो कि वे कागज़ के चित्र को मोड़े और सोचे की चित्र में लोग कैसा अनुभव कर रहे हैं ।

- आप क्या सोचते है कि ये लोग क्यों आनन्द का अनुभव करते हैं ?

बच्चों से कहो वे चेहरों को घुमाकर दिखायें कि परिवार के लोग कैसा अनुभव करते हैं अगर वे वाद-विवाद या झगड़ा कर रहे हो ।

- क्यों वाद-विवाद और झगड़ा करना परिवार के लोगों को उदास बना देता है ।

गतिविधि बच्चों से कहो कि वे कागज़ के चेहरों को उदास दिखायें और प्रत्येक यह बताएं कि क्या चीज़े परिवार के सदस्यों को उदास बना देती है । फिर बच्चों को कागज़ के चेहरों को उलट कर खुशी के चेहरे दिखाने दो और बताओ कि कौन सी चीज़ें परिवार को खुश बना सकती हैं ।

- क्या आपको अच्छा लगता है जब आप का परिवार खुश रहता है या जब वह उदास होता है ?

सबके चेहरों को बटोर लें ताकि वे बच्चों को ध्यान भंग न करें । कक्षा के बाद उन्हें घर ले जायें ।

यीशु मसीह ने हमें शांति रखने की शिक्षा दी थी

चर्चा

चित्र सं॰ 2-37, पहाड़ी पर का उपदेश, और बच्चों को यह बताने दो कि वे चित्र के विषय में क्या जानते हैं । समझाएं कि यीशु मसीह पहाड़ी पर चढ़ गये और बहुत महत्वपूर्ण बातें लोगों को बताई जिसमें परिवार को खुश रखना भी एक था ।

मत्ती 5:9 (अथवा 3नफी 12:9) को ऊँची आवाज में पढ़ो । समझाएं कि यीशु ने लोगों को बतलाया कि उन्हें शांति रखने वाला होना चाहिए । बच्चों को अपने साथ ''शांति रखने वाला'' शब्द दोहराने दे ।

- एक शांति रखने वाला क्या होता है ?

समझाएं, कि शांति रखने वाला वह होता है दूसरों को क्रोधित करने की बजाये खुश करता है । शांति का अर्थ है शांत और खुशी । इस कारण एक शांति रखने वाला परिवार में शांत और खुशी का स्थान बनाता है ।

समझाएं स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह शांति रखते हैं और हम में से प्रत्येक को शांति रखने वाला बन सकता है । यीशु ने हमें बताया है कि यह कैसे होगा ।

मत्ती 7:12 (अथवा ३नफी 14:12) ऊँचे स्वर में पढ़ो । बच्चों की यह समझने में मदद करो कि उनको दूसरों के साथ उसी प्रकार से व्यवहार करना चाहिए जैसे वे चाहते हैं कि उनके साथ हो । तब वे शांति बनाने वाले होंगे और अपने परिवार में खुशी की भावना पैदा करेंगे ।

नाटक रूपी गतिविधि

कुछ स्थितियों का विवरण दो और बच्चों की यह सोचने और करने में मदद करो कि एक शांति लाने वाला व्यक्ति प्रत्येक स्थिति में कैसा आचरण करेगा । बच्चों को यह सोचने में मदद करो कि प्रत्येक व्यक्ति जो स्थिति में पड़ा हुआ है, कैसे खुश रह सकता है । निम्नलिखित स्थितियों का उपयोग करो अथवा अपनी ओर से कुछ नया तैयार करो ।

1. आप शांति से एक किताब की ओर देख रहे हो जब आपकी बहन आती है और किताब को आप के हाथों से छीन ले जाती है क्योंकि वह उसे पढ़ना चाहती है ।
   - आप किस प्रकार का व्यवहार चाहते हो ?
   - अगर आप शांति रखनेवाले हो तो आप क्या कहोंगे अथवा करोंगे ?
2. आप अपने पसन्दीदा बिस्कूट लेने रसोई में जाते हो । आप का भाई बिस्कूट जार की ओर दौड़ता है, बिस्कूट को लेता है और उसे खा लेता है । आप गुस्सा होते हो ।
   - आप किस प्रकार का व्यवहार पसन्द करोगे ?
   - अगर आप शांति रखने वाले हो तो क्या कहोगे या करोगे ?
3. आप और आपका मित्र चित्र बना रहे हैं । वह आपकी हँसी उड़ाती है क्योंकि आप पेड़ को वैगनी रंग से रंगते हो । आपकी भावनाओं को चोट पहुँचती है और आप उसे एक बुरे नाम से पुकारने की सोचते हो ।
   - आप कैसा व्यवहार चाहते हो ?
   - अगर आप शांति रखने वाले हो तो आप क्या कहोगे अथवा क्या करोंगे ?

धर्मशास्त्र

मत्ती 7:12 (अथवा ३नफी 14:12) को कक्षा के लिए फिर से पढ़ो और उसे पदों में बाँटो

स. चु. सारणी स. चु. चार्ट को दिखाएं । बच्चों को बतलाएं कि जब वे दूसरों के साथ ऐसा व्यवहार करते है जैसा कि वे स्वयं के साथ चाहते हैं तो वे यीशु मसीह का अनुकरण करते हैं और सही का चुनाव करते हैं । बच्चों से कहो कि जो कुछ चार्ट पर लिखा है उसे आपके साथ दोहरायें ।

हम सभी शांति रखने वाले बन सकते हैं

कहानी

शांति रखने वालों के विषय में निम्नलिखित कहानी अपने शब्दों में कहो :–

एक धर्माध्यक्ष ने बहुत से बच्चों से मदद करने को कहा । एक महीने के लिये उन्होंने बच्चों से अपने घरो में शांति रखने वाले की भूमिका अदा करने को कहा लेकिन इस बात को किसी से न कहें कि वे क्या कर रहें हैं । उन्होंने उनको बताया कि उन्हें दयालु और सोचने वाला व्यक्ति तथा अच्छा उदाहरण होना चाहिए । उन्होंने उनसे कहा कि वे झगड़ा करना बन्द करें और मार्ग ढूंढें कि अपने घर के लोगों से प्यार रखें । उन बच्चों को एक महीने के बाद पुनः धर्माध्यक्ष के पास आना होगा यह बताने के लिये कि क्या हुआ ।

एक महीने में उन सब ने फिर से भेंट की और बताया कि उन लोगों ने क्या किया । सभी बच्चों ने बताया कि शांति रखने वाले की भूमिका करने के कारण उनका घर रहने के लिए एक खुशी का स्थान बन चुका था । (See Franklin D. Richards, in Conference Report, Oct. 1974, पृ. 153; or Ensign, Nov. 1974, पृ. 106.)

चर्चा

- धर्माध्यक्ष ने जवानों को क्या करने को कहा ?
- क्या हुआ जब उन लोगों ने ऐसा किया ?
- आप किस प्रकार अपने परिवार सें शांति रखने वाला बन सकते हो ?

कला गतिविधि

प्रत्येक बच्चे को कागज़ का एक टुकड़ा दो जिस पर आप ने लिखा है ''धन्य है वे जो शांति रखवाते हैं ।'' कागज के ऊपर लिखा शब्द ऊँचे स्वर में पढ़ो और बच्चों से कहो कि वे एक साथ उसे दोहरायें । बच्चों को पेंसिल और रंग दो और उन्हें अपनी खुश परिवार के चित्र रेखांकित करने दो ।

बच्चों को उत्साहित करो कि वे अपने बनायें चित्रों को अपने घर में किसी स्थान पर लटकायें ताकि उन्हें याद रहे कि वे शांति रखने वाले हैं ।

सारांश

गीत

उस कागज पर बने चित्रों को दूसरों को देखने दो और यह गाना फिर से "Smiles" गाओ अथवा उसके बोल बोलो । बच्चों को याद कराएं कि शांति रखने वाला बन कर वे कुछ चेहरों को मुस्कराते चेहरों मे बदल सकते हैं ।

गवाही

इस बात की गवाही दो कि हमारा स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह चाहते हैं कि हम लोग शांति रखने वाला बनें । बच्चों को याद कराएं कि जब वे घर पर शांति रखने वाला बनते हैं तो वे और उनके घर वाले अधिक खुश रह सकते हैं ।

बच्चों को उत्साहित करो कि आने वाले सप्ताह में प्रत्येक बच्चा जब अपने परिवार में शांति रखने वाला बने । बच्चों से कहो कि वे तैयार रहें कि अपने सप्ताह वे अपना अनुभव कक्षा को बता सकें ।

एक बच्चे को बुला कर समाप्ति की प्रार्थना करने को कहो । इस बात का सूझाव दो कि प्रत्येक बच्चा अपने स्वर्गीय पिता से मदद मांगे कि कक्षा के सभी मित्र अपने घरों मे शांति रखने वाला बन सकें ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनो कि आपकी कक्षा के बच्चों के लिए सबसे अच्छा क्या है । तुम उसे पाठ में भी उपयोग कर सकते हो अथवा समीक्षा या सारांश में । अतिरिक्त निर्देशन के लिए ''शिक्षक की सहायता'' में से ''कक्षा का समय'' देखें ।

1. चित्र सं॰ 2-3 यीशु मसीह, या यीशु का कोई दूसरा चित्र । बच्चों से कहो कि वे स्वांग भरें कि यीशु मसीह उनके घर पर आ रहा है । उनसे कहो कि वे सोचें वे कितने उत्साहित होगें यह जानकर कि यीशु उनसे भेंट करने आ रहा है ।

   - तैयार होने के लिए आप क्या करोगे ?
   - जब यीशु आयेगा तब आप क्या करोगे ?

   बच्चों को कुछ ऐसा करने दो जैसा वे उस समय करेंगे जब यीशु उनसे भेंट करने आयेगा । यह समझाओ कि अगर यीशु उनके घर में होता तब वे बड़ी कोशिश करते कि शांति रखने वाला बनते, आपस में बाँटते, झगड़ा नहीं करते और एक दूसरे के साथ सद्भावना रखते । तब उस अच्छे अनुभव का आनन्द उठाते जो यीशु उनके घर में लाता ।

   बच्चों को बताओ कि शांति रखने वाला बनने का एक तरीका यह है कि वे सोचें अगर यीशु उनसे भेंट करने आता तो वे कैसा व्यवहार करते।

2. "A Happy Family" (*बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ.* 198) गाने को गाओ या उसके बोल को बोलो । इस गाने के बोल निर्देशिका के पीछे दिये गये हैं ।

   बच्चों को याद कराओ कि जब वे शांति रखने वाला बनते हैं तब वे अपने घर को खुश रहने में सहायता करते है ।

3. "If You're Happy" (Children's Songbook, पृ. 266) गाने को गाओ को गाओ अथवा उसके बोल को बोलो ताली बजाने के स्थान पर क्रिया करें जैसा बच्चे सुझाव देते हैं ।
   अगर आप खुश हो, और आप जानते हो, तो ताली बजाओ ।
   अगर आप खुश हो और आप जानते हो तो ताली बजाओ,
   अगर आप खुश हो और आप जानते हो,
   तब आपका चेहरा इस बात को प्रकट करेगा
   अगर आप खुश हो और आप जानते हो तो ताली बजाओ ।

4. बच्चों को दिखाने के लिये कि वे दूसरों की क्रिया की प्रतिक्रिया को रोक सकते हैं दो बच्चो का एक दूसरे के सामने मुँह करके खड़ा करो । एक बच्चा अपने चेहरे पर कोई भाव प्रकट नहीं करता है (चेहरे पर कोई भाव प्रकट मत करो) जब कि दूसरा कोशिश करता है कि सामने वाला मुसकराये, हँसे, या चेहरे के दूसरे भाव प्रकट करे । सभी बच्चों को जो भाग लेना चाहते हैं वे बारी बारी से इस क्रिया को करने की कोशिश करें ।

   बच्चे को इस बात को समझने में सहायता करो कि जब कोई दूसरा परिवार की शांति भंग कर रहा हो तब उन्हें अपनी प्रतिक्रिया पर नियंत्रण रखना चाहिए । उदाहरण के लिए जब कोई भाई बहन चीख रहा हो, तो उनका विचार होता है कि वे भी चीख कर जवाब दें, लेकि अगर के शांति रखने वाले बनना चाहते हैं तो उन्हें प्रतिक्रिया के लिए दूसरे रास्ते ढूँढ़ने चाहिए ।

यीशु मसीह अच्छा चरवाहा है

पाठ
23

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को यह समझने में सहायता करो कि प्रत्येक व्यक्ति यीशु मसीह के लिए महत्वपूर्ण है ।

तैयारी

1. प्रार्थना के साथ लूका 15:1-7 और यहून्ना 10:1-18 अध्ययन करो ।
2. चित्र सं॰ 2-44 को एक मजबूत कागज़ पर चिपकाओ फिर उनके टुकड़े टुकड़े कर डाला यह ध्यान रहे कि पूरी भेड़ एक ही टुकड़े पर है । (टुकड़ों को भविष्य की कक्षाओं के लिए बचा कर रखो ।) कक्षा से पहले इन टुकड़ों को भेड़ वाले टुकड़े के साथ कक्षा में किसी स्थान पर जहाँ से वह आसानी से मिल सकता है रख दो ।
3. पाठ के अन्त में पाये जाने वाले नमूने का उपयोग करो । भेड़ का नमूना या अक्स कक्षा के प्रत्येक बच्चे के लिये तैयार करो और अपने लिये भी । प्रत्येक व्यक्ति का नाम एक भेड़ पर लिखो ।
4. आवश्यक सामाग्रियों
   क- एक बाइबल
   ख- एक चित्र सं. 2-43 एक चरवाहा ।
5. किसी शक्ति करण की क्रिया जिसे आप उपयोग करना चाहते हो उसके लिए आवश्यक तैयारी करो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को बुला कर प्रारम्भिक प्रार्थना कराओ ।

अगर आप ने बच्चों को प्रोत्साहित किया है कि वे सप्ताह के दौरान कुछ करें तो उन पर घ्यान दो। हो सकता है कि आप चाहते हो कि बच्चे अपना अनुभव बतलाएं कि घर पर शांति रखने वाले के रूप में उन्होंने क्या किया ।

चररवाहे द्वारा भेड़ों की रखवाली

ध्यान गतिविधि

चित्र सं॰ 2-43, एक चरवाहा ।

- यह आदमी कौन है ?

समझाएं कि चित्र में जो व्यक्ति है वह एक चहवाहा है ठीक इसी प्रकार का जैसे यीशु मसीह के इस पृथ्वी पर रहने के समय में रहते थे ।

- वह क्या पहने है ?

चरवाहे के कपड़े की ओर इशारा करो । समझाओ कि यह निवास भेड़ के चमड़े का या ऊन का, चरवाहों को कठिन धूप या ठंडी रात से बचाते हैं । जो टोपी उसके सिर पर है वह उसे धूप से बचाती है । चरवाहा एक पानी का भरा पात्र और एक छड़ी अपने साथ रखता है ।

- एक चरवाहा क्या करता है ?

समझाएं कि एक चरवाहा भेड़ों की रखवाली करता है । भेड़ घाटियों चरवाहे की आवाज़ को पहचानते हैं और वे उधर ही जाते हैं जिधर से वह उन्हें ले जाता है । घ्यान दें कि चरवाह भेड़ों को पीछे से हाँकता नहीं हैं, वरन आगे से हाँकता है । वह उनके आगे आगे चलता है यह बताने के लिए कि उन्हें घर जाना है । चरवाहा उन्हें हरी हरी चारा घाटियों में ले जाता है ताकि वे घास खा सकें । वह उन्हे पानी पीने के स्थान पर भी ले जाता है । रात में वह उन्हें भेड़ शाला में वापिस लाता है जो चारों ओर दीवारों से घिरी होती है या बाड़ा लगा होता है या एक गुफा होती है जहाँ भेड़ जंगली जानकरों से या चोरों से सुरक्षित होती हैं । चरवाहा भेड़शाला के दरवाजे पर खड़ा अपनी भेड़ों की रखवाली करता है । चरवाहा अपनी भेड़ों को गिनता है कि एक भी खोने न पाये ।

चरवाहे के लिए प्रत्येक भेड़ महत्वपूर्ण है

कहानी

समझाओ कि सभी भेड़ चाहे वह यीशु के समय में थी अथवा आज पायी जाती है उनकी रक्षा और रखवाली चरवाहा करता ही है । निम्नलिखित कहानी को अपने शब्दों में कहो :-

कैसी और जिम्मी एक फार्म पर रहते थे उनके परिवार ने भेड़ पाल रखी थी और कैटी और जिम्मी के पास भेड़ों के अपने अपने छोटे झुन्ड थे । उन लोगों ने अपने भेड़ों की रखवाली की । वे अच्छे चरवाहे थे ।

एक रात एक बड़ा तूफान आया । उसने बाड़े के एक भाग को ढाह दिया जहाँ केरी और जिम्मी ने अपनी भेड़ें रखी थीं । तूफान की आवाज से भेड़े डर गयी और वे बाड़े से बाहर भागी ।

जब सवेरा हुआ तो कैटी और जिम्मी अपनी भेड़ों को देखने बाहर भागे । लेकिन भेड़ों का कही पता नहीं था । कैटी और जिम्मी घबरा गये । वे भेड़ों के कुछ निशान गीली मिट्टी में देखने लगे । शीघ्र ही कैटी और जिम्मी ने सभी भेड़ो को पा लिया लेकिन उनमें एक भेड़ नहीं थी ।

- आप क्या सोचते हो कैटी और जिम्मी ने क्या किया होगा ?

कैटी और जिम्मी सारी भेड़ों को बाड़े में ले आये और खोई हुई भेड़ को खोजने निकल पड़े । उन लोगों ने पाया कि एक का खुर दूसरी दिशा में था । वे इस खुर को देख कर चलने लगे ।

कैटी और जिम्मी ने अन्त में भेड़ को पा लिया । उसका पैर एक छेद में फंस गया था और वह बहुत थकी और कमजोर हो चुकी थी । उन लोगों ने बड़ी सावधानी से उसे घर पहुँचाया और जिम्मी ने उसको पकड़ा कैटी ने उसके पैर के खरोंच साफ किये । कैटी और जिम्मी बहुत खुश थे कि उन्हें सारी भेड़ें मिल गयी थीं ।

- कैटी और जिम्मी ने खोजना क्यों जारी रखा जब कि उनको दूसरी भेड़ें मिल चुकी थी ?

रहस्यमय क्रिया ।

रहस्यमय टुकड़ों को जिन्हें आप ने बनाये हैं फर्श पर या मेज पर रखो और बच्चों की सहायता करो कि वे सारे टुकड़ों को एक साथ रखें ।

जब बच्चे इस बात को जान जाते हैं कि एक टुकड़ा गायब है तब यह इशारा करो कि उस टुकड़े पर भेड़ की शकल बनी है ।

- अगर एक भेड़ खो जाये तो एक अच्छा चरवाहा क्या करता है ?

धर्मशास्त्र कहानी

बाइबल को उठाओ और बच्चों को बताओ कि बाइबल में यीशु मसीह हमें यह बताता हैं एक भेड़ के खो जाने पर एक अच्छा चरवाहा क्या करता है । समझाओ कि जब यीशु इस धरती पर थे तब वह कहानी के माध्यम से लोगों को शिक्षा देते थे । उनकी एक कहानी एक चरवाहे और उसकी खोई हुई भेड़ थी है । लूका 15:4 को ऊँची आवाज में पढ़ो ।

- बाइबल क्या कहती है कि एक अच्छे चरवाहे को क्या करना चाहिए ?

नाटकीय गतिविधि

बच्चों से कहो कि वे चरवाहा बनने का स्वांग भरें । उनको एक लिवास पहनाओ और एक छड़ी को दो और तब वे कागज़ के टुकड़े पर बनी हुई खोई हुई भेड़ को खोज निकालें । जब वह रहस्य का टुकड़ा मिल जाता है तब सभी चरवाहों को एक करो और रहस्य को पूरा करो ।

बच्चों से पूछो कि जब टुकड़ा मिल गया तो उन्हें कैसा लगा ।

धर्मशास्त्र

बताओ कि दृष्टांत में दिये गए चरवाहे को कैसा अनुभव हुआ जब भेड़ मिल गयी, जैसा कि लूका 15:4-6 में दिया गया है । यीशु के कहे अनुसार बच्चों ने क्या अनुभव किया कि एक अच्छा चरवाहा ऐसी स्थिति में क्या करेगा और कैसा अनुभव करेगा ।

यीशु मसीह अच्छा चरवाहा है और हम उसकी भेड़ें

धर्मशास्त्र चर्चा

यहून्ना 10:14 को ऊँचे स्वर मे पढ़ो ।

इस धर्मशास्त्र में कौन अच्छा चरवाहा है ?

समझाओ धर्मशास्त्र में दिया गया वचन यीशु मसीह का वचन है । वह अच्छा चरवाहा है ।

यीशु के खत्ते में कौन भेड़ हैं ? (समझाओ कि यहाँ खत्ते का अर्थ है समूह)

बच्चों को समझने में सहायता करो कि हम लोग यीशु की खत्ते की कुछ भेड़ें हैं । समझाओ कि उद्धारक ने अपने को एक चरवाहे से तुलना की है क्योंकि वह हम लोगों को उसी प्रकार प्यार करता और सुधि लेता है जैसे एक चरवाहा अपने भेड़ो की सुधि लेता है । वह चाहता है कि हम सब सुरक्षित रहें और खुश रहें । जिस प्रकार चरवाहा अपनी प्रत्येक भेड़ को जानता है । हम सभी उसके लिए महत्वपूर्ण हैं ।

गतिविधि

कागज पर बनी भेड़ों को जिन पर बच्चों के नाम लिखें हो दिखाओ । एक भेड़ को उठाओ और कहो ''(बच्चे का नाम) यीशु के खत्ते की एक भेड़ है ।'' फिर भेड़ को मेज़ पर या फर्श पर डाल कर दिखाओ यह क्रिया तब तक चलती रहे जब तक सभी का नाम न आ जाये, साथ में आप का भी । जब आप एक बच्चे के पास आते हो जो उपस्थित न हो, तब इस प्रकार कुछ कहोः ''(बच्चे का नाम लेकर) यीशु के खत्ते में भेड़ो में से यह भी एक भेड़ है और यीशु जानते हैं कि आज वह प्राथमिक में उपस्थित नहीं है । वह चाहते हैं कि उसकी सारी भेड़ें यहाँ उपस्थित रहें ।''

इस कार्यक्रम के बाद सारी भेड़ों को उठालो और बच्चों से कहो कि वे उनकी गिनती करें । यह समझाओ कि इसी प्रकार बहुत से बच्चों को कक्षा में बनना चाहिए या कितनी भेड़ो को खत्ते में रहना चाहिए । आज इस संख्या की तुलना कक्षा में उपस्थित बच्चों से करो । बच्चो से बताओ कि आप आशा करते हैं कि अगर वे बीमार नहीं है अथवा शहर के बाहर नहीं हैं तो प्रत्येक सप्राह वे सभी आयेंगे क्योंकि आप उनकी देख भाल करना और उन्हें पढ़ाना चाहते हो । इस बात पर जोर दो कि यीशु के लिए यह कितना महत्वपूर्ण है कि उसकी सभी भेड़ें प्राथमिक में आयें ।

समझाओ कि बच्चों को चरवाहा बनना चाहिए और खोई हुई भेड़ को ढूढना चाहिए– जो बच्चे आज प्राथमिक में नहीं आ रहे हैं –और प्राथमिक में आने के लिए उनकी सहायता करो ।

सारांश

गवाही

गवाही दो कि यीशु मसीह के लिए प्रत्येक बच्चा महत्वपूर्ण है और यह कि यीशु प्रत्येक को प्यार करता है और देख भाल करता है ।

प्रत्येक बच्चे को भेड़ दो जिस पर उस बच्चे का नाम लिखा हो । बच्चों को प्रोत्साहित करो कि वे अपनी भेड़ को घर ले जायें और जो कुछ उन लोगों ने चरवाहों और भले चरवाहे के विषय में सीखा है उसे अपने परिवार वालों के साथ बांटें ।

एक बच्चे को बुला कर समापन की प्रार्थना कराओ ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से चुनाव करो जो आप की कक्षा के लिए सबसे उपयुक्त हो । आप इसका उपयोग अपनी कक्षा के लिए भी कर सकते हो, अथवा समीक्षा व सारांश में । अतिरिक्त निर्देशन के लिए ''शिक्षक की सहायता'' में से ''कक्षा का समय'' देखें ।

1. बच्चों को कहो कि वे एक नोट लिखें या एक चित्र खींचे जो किसी बच्चे को दिया जा सके जो आज प्राथमिक में उपस्थित नहीं था । वह इस प्रकार होगा, ''प्राथमिक में मैंने आप को नहीं पाया'' अथवा ''आओ प्राथमिक में हमारे साथ संगति करो ।''

2. बच्चों को कहो कि वे भेड़ों को रंग दें या रूई के गोले को भेड़ों से चिपका दें ताकि वे मुलायम बन जायें ।

3. बच्चों की सहायता करो कि वे इस छन्द के क्रिया कलाप को करें यीशु सभी बच्चों को प्यार करता है
   यीशु सभी बच्चों को प्यार करता है (हाथों को फैलाओ)
   छोटे बच्चे, अभी भी छोटे हैं (अपने हाथों का प्रयोग करो अपने घुटने तक हाथ लाओ)
   बच्चा पालने में है (हाथ से पलना बनाओ)
   बड़े बड़े हैं और ऊँचे हैं (अपने हाथों को सिर के ऊपर ले जाओ)
   (From Finger Fun for Little Folk by Thea Cannon. © 1949 by the Standard Publishing Company, Cincinnati, Ohio. Used by permission.)

4. "Jesus Loved the Little Children" (Children's Songbook, पृ.59) या "I Feel My Savior's Love" (Children's Songbook, पृ.74) गाने को गाओ अथवा बोल को बोलो इस गाने के बोल पीछे निर्देशिका में दिये है।

5. "Dear to the Heart of the Shepherd" (Hymns, no. 221). को गायें अथवा इसके बोलों को बोलें ।
   चरवाहे का हृदय प्यारा है,
   उसके खत्ते की भेड़े उसको प्यारी है;
   वह प्यार प्यारा है जिसे वह उन्हें देना है
   यह सोने और चाँदी से अधिक मूल्यवान है,
   चरवाहे का हृदय प्यारा है
   उसकी ''दूसरी'' खोई हुई भेड़ें उसे प्यारी हैं,
   पहाड़ों की ऊँचाई पर वह उनका पीछा करता है
   समुन्द्र की गहराइयों में वह उनके साथ रहता है
   मरूभूमि में वे घूमती फिरती हैं भूखी,
   असहाय और ठंडी वह वहाँ भी उन्हें जल्दी से बचाने जाता है
   और अपने खत्ते में उन्हें वापिस लाता है ।

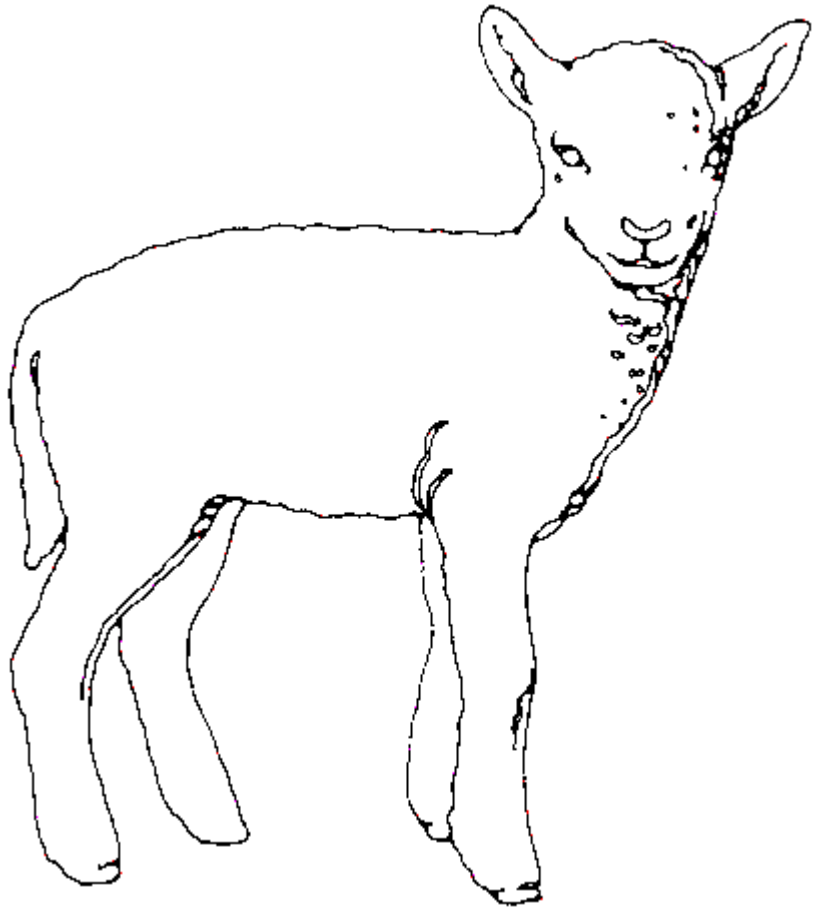

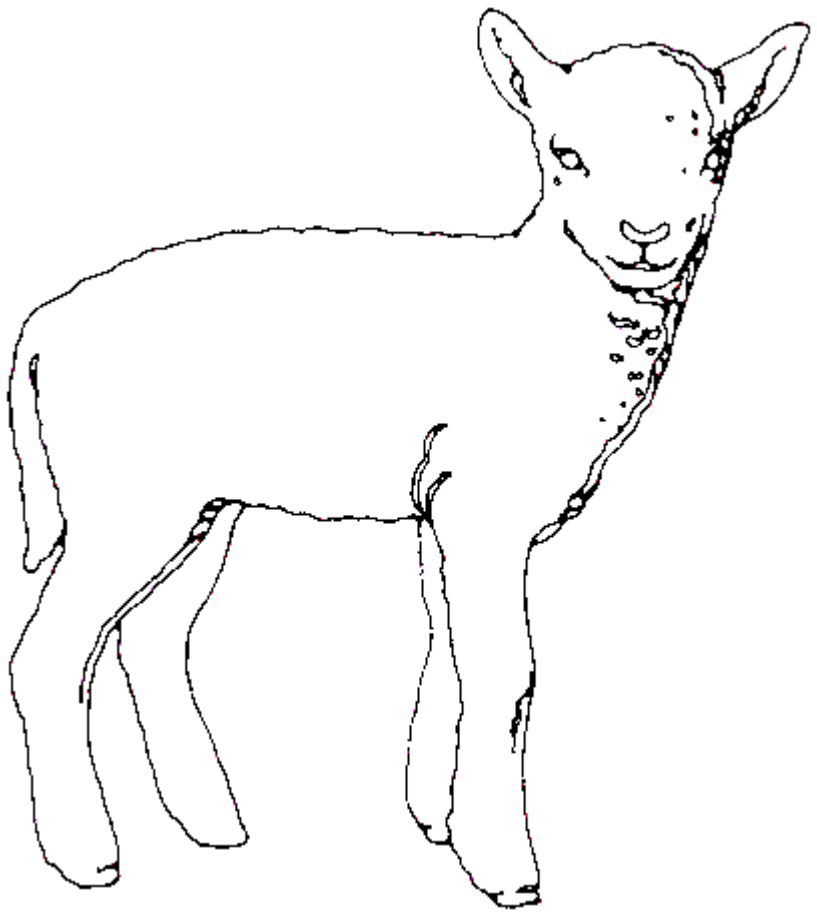

पाठ
24

मैं आभार व्यक्त कर सकता हूँ

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को, स्वर्गीय पिता के प्रति, आभार को महसुस और व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक लूका 17:11 ... 19 और 1 थिस्सलुनीकियों 5:18 का अध्ययन करें ।
2. ''विश्व के सारे बच्चे'', गाने या शब्दों को कहने की तैयारी करें (बच्चों के गाने की पुस्तक, पृ. 16)
3. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाइबल ।
   ख. एक छोटा प्याला, एक बड़ा चम्मच, एक पानी का बर्तन, और इतना बड़ा एक तवा या थाली जिसमें प्याला और पानी का बर्तन रह सके ।
   ग. प्रत्येक बच्चे के लिए क्रेयोन और कागज ।
   घ. चॉकबोर्ड, चॉक, और रबर ।
   च. चित्र 2-45, दस कोढ़ी (सुसमाचार कला चित्र किट 221:62150) ।
4. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

सुझावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना देने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया है, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

हमें बहुत सारी आशीषें दी गई हैं

ध्यान गतिविधि

खाली प्याले, चम्मच, और पानी के बर्तन को प्रदर्शित करें । बच्चों से कहें कि वे उन आशीषों को सोचें जो स्वर्गीय पिता ने उन्हें दी हैं, और समझाएं कि प्रत्येक बार वे एक आशीष का नाम दें जब बर्तन में से एक चम्मच पानी को प्याले में डालते हैं ।

प्याले और पानी के बर्तन को तवा या थाली में छलकने के लिए रखें, और तवा या थाली को एक समतल सतह जैसे मेज या फर्श पर रखें ।

आप निम्नलिखित प्रश्नों का उपयोग बच्चो की सहायता उन की आशीषों को सोचने में कर सकते हैं :

- वे कौन सी कुछ सुंदर सृष्टि हैं जिन्हें स्वर्गीय पिता ने हमें दिया है ?
- वे कौन से कुछ विशेष लोग हैं जिन्हें उसने हमें आशीष के रूप में दिए हैं ?
- हमारे शानदार शरीर क्या कर सकते हैं ?

बच्चों को बारी बारी से आशीषों को बताने दें और प्याले में चम्मच से भर कर तब तक पानी डालें जब तक कि वह भर कर बहने न लगें । बताएं कि स्वर्गीय पिता हम से प्रेम करता है और हमें बहुत सारी आशीषें दी हैं । जब हम इन आशीषों के बारे में सोचते हैं, हम धन्यवादित होते हैं और स्वर्गीय पिता के लिए प्रेम से भर जाते हैं । स्वर्गीय पिता ने हमें बहुत सारी आशीषें दी हैं जिससे कि हम प्रेम के साथ बह जाते हैं, उसी तरह जैसा कि प्याले से पानी बहने लगता है ।

हमें आभार को महसूस और व्यक्त करना चाहिए

कहानी और चर्चा

निम्नलिखित कहानी को अपने शब्दों में बताएं :

लौरा का जन्मदिन आ रहा था, और लौरा की दादी उसके लिए एक विशेष उपहार बनाना चाहती थी । जबकि दादी की देखने की क्षमता कमजोर हो रही थी और हाथों द्वारा सिलाई करना उनके लिए कठिन था, उन्होंने लौरा के लिए एक गुड़ियाँ बनाने का निर्णय लिया । एक चोटी वाली गुड़ियाँ, एक बेलबूटे वाला चेहरा, और एक सुंदर फीते वाला कपड़ा बनाने के लिए उन्होंने कई घण्टे लगाए । लौरा के जन्मदिन पर, दादी ने गुड़िया को लपेटा और उसे लौरा के पास ले गई ।

बच्चों से कहें कि आप उन्हें कहानी के दो अलग अलग अंत बताने जा रहे हैं । उन्हें ध्यानपूर्वक सुनने और निर्णय लेने के लिए कहें कि कौन सा अंत अच्छा होगा ।

पहला अंत

लौरा अपने जन्मदिन और अपने उपहारों के प्रति उत्साहित थी । उसने सभी को जल्दी से खोला । जब वह दादी के उपहार पर आई, उसने सामान खोला, एक पल के लिए गुड़िया की ओर देखा, और फिर गुड़िया को बगल में रखा और अगले उपहार के लिए पहुँची ।

- क्या आपके विचार से लौरा को गुड़िया पसंद आई थी ?
- आपके विचार से लौरा की दादी ने कैसा महसूस किया होगा ?

दूसरा अंत

लौरा अपने जन्मदिन और अपने उपहारों के प्रति उत्साहित थी, और उसने प्रत्येक उपहार को ध्यानपूर्वक खोला । जैसे ही उसने अपनी दादी के सामान को खोला, उसे बहुत अच्छा महसूस हुआ । उसने स्नेहपूर्वक गुड़िया की चोटी, बेलबूटे वाला चेहरा, और फीते वाले कपड़े को छुआ । तब वह अपनी दादी के पास दौड़ी गई और उन्हें जोर से गले लगाया । ''ओह दादी, धन्यवाद'', वह फुसफुसायी ।

- क्या आपके विचार से लौरा को गुड़िया पसंद आई थी?
- आपके विचार से लौरा की दादी ने कैसा महसूस किया था ?
- कौन से अंत में लौरा ने अपनी दादी के लिए प्रेम व्यक्त किया और अपनी दादी के उन घण्टों के लिए प्रोत्साहन दिया जिन्हें गुड़िया को बनाने में उन्होंने लगाए थे ?

चर्चा

शब्द ''आभार'' चॉकबोर्ड पर लिखें और उसे बच्चों के साथ बोलें । बताएं कि आभार एक धन्यवाद करने का एहसास है । जब हम किसी को जिसने हमारे लिए कुछ किया हो या कुछ दिया हो धन्यवाद करते हैं, हम अपना आभार व्यक्त करते हैं ।

- कहानी के दूसरे अंत में लौरा ने गुड़िया के लिए अपना आभार कैसे व्यक्त किया था ?

समझाएं कि जब हम आभार को महसूस और व्यक्त करते हैं, हमें खुशी होती है, और व्यक्ति जिसका हम धन्यवाद करते हैं वो भी खुश होता है । चर्चा करें, एहसास जो लौरा और उसकी दादी ने प्रेम और आनन्द से बाँटा क्योंकि लौरा ने आभार को महसूस और व्यक्त किया था ।

धर्मशास्त्र कहानी और चर्चा

चित्र 2-45 दिखाएं, दस कोढ़ी, और लूका 17:11 ... 19 में पाई जाने वाली कहानी सुनाएं ।

बताएं कि कोढ़ एक चमड़ी का रोग है जो शरीर के भागों को नष्ट कर देता है । लोग कोढ़ियों से डरते हैं क्योंकि वे सोचते हैं कि कोढ. की बीमारी उन्हें लग सकती है, इसलिए कोढ़ियों को अपने परिवारों और मित्रों से दूर रहना पड़ता है ।

इस बात पर जोर दें कि जब कोढ़ियों ने वही किया जो यीशु मसीह ने उनसे करने के लिए कहा था, वे अपने कोढ़ से चंगे हो गए । वे अपने परिवारों और मित्रों के साथ फिर से रहने योग्य हो गए थे ।

- आप कैसा महसूस करते यदि यीशु मसीह ने इस महान चमत्कार को आपके लिए किया होता ?

बच्चों को सुनने दें जब आप लूका 17:15 ... 17 को जोर से पढ़ते और खोजते हैं, कि कोढ़ियों ने अपना आभार कैसे व्यक्त किया था, खोजने के लिए जब, ।

- कितने कोढ़ी चंगे हुए थे ?

बच्चों को दस उँगलियों को पकड़ने दें ।

- यीशु को धन्यवाद कहने की लिए कितने कोढ़ी लौटे थे?

बच्चों को नौ उँगलियों को नीचे के तरफ करने दें । जोर दें कि उन दस में से केवल एक आदमी ने उस महान चमत्कार के लिए यीशु को अपना आभार व्यक्त किया था ।

- आप क्यों सोचते हैं कि आदमियों में से केवल एक ही यीशु को धन्यवाद कहने के लिए आया ?

हम अपनी प्रार्थनाओं में स्वर्गीय पिता का धन्यवाद कर सकते हैं

धर्मशास्त्र चर्चा

बच्चों के लिए 1 थिस्सलुनीकियों 5:18 को जोर से पढ़ें ।

- यह धर्मशास्त्र क्या कहता है कि हमें करना चाहिए ?

बच्चों को याद दिलाएं कि स्वर्गीय पिता ने हम में से प्रत्येक को बहुत सारी आशीषें दी हैं । जब हम अपनी आशीषों के लिए उसका धन्यवाद करते हैं, वह खुश होता है ।

- हम स्वर्गीय पिता का धन्यवाद कैसे कर सकते हैं उन बहुत सारी आशीषों के लिए जो वह हमें देता है ?

गीत

''विश्व के सारे बच्चे'', के शब्दों को गाएं या कहें ।
सारे संसार में दिन के अन्त होते ही,
स्वर्गीय पिता के बच्चे घुटने टेकते और करते हैं प्रार्थना,
प्रत्येक स्वयं के विशेष रूप में कहते हैं धन्यवाद
धन्यवाद, धन्यवाद कहते हैं स्वयं के विशेष रूप में,
''दयालु'' मेलो तार जैसा है,
पूरे संसार में कोमल स्वर सुने जाएं ।
कोई कहे अनुग्रह लो, कोई कहे दया,
''कानशा शीमासु'', तुमको हमारा धन्यवाद ।
सुनता है उनको हमारा स्वर्गीय पिता;
वो समझता है सभी जुबां।
हमारा स्वर्गीय पिता जाने ;
सभी से वह प्रेम करता, प्रेम करता है ।

चर्चा

- हम प्रार्थना कब करते हैं ?

चर्चा करें कई बार जब हम प्रार्थना करते हैं और उन चीजों के लिए हम स्वर्गीय पिता को प्रत्येक प्रार्थना में

धन्यवाद कर सकते हैं । उदाहरण के लिए, जब हम खाने से पहले प्रार्थना करते हैं, हम स्वर्गीय पिता को हमारे खाने को भोजन दिया के लिए धन्यवाद कर सकते हैं । अपनी प्रार्थनाओं में स्वर्गीय पिता को याद करके धन्यवाद करने की महत्वपूर्णता पर जोर दें ।

हम अपना आभार अपने कार्यों के द्वारा व्यक्त कर सकते हैं

चर्चा गतिविधि

व्याख्या करें कि हम अपना आभार अपने कार्यों के द्धारा व्यक्त कर सकते हैं । जब हम आज्ञाओं का पालन करते हैं और वो चीजें करते हैं जिसे स्वर्गीय पिता ने हमें करने के लिए कहा है, हम दिखाते हैं कि हम स्वर्गीय पिता से प्रेम करते हैं और उसने जो कुछ हमें दिया उसकी सराहना करते हैं ।

कुछ परिस्थितियों की व्याख्या करें जिसमें एक व्यक्ति अपने कार्यों के द्धारा आभार व्यक्त कर सकता या कर सकती है । बच्चों से कहने के लिए पूछें कि प्रत्येक व्यक्ति कैसे स्वर्गीय पिता के प्रति आज्ञाकारी होने के द्धारा आभार व्यक्त कर सकता है । निम्नलिखित परिस्थितियों का उपयोग करें या स्वयं अपना कुछ बनाएं :

1. मैरी अपने परिवार में सबसे बड़ी बच्ची है। उसके दो छोटे भाई और दो छोटी बहनें हैं । वह अपने परिवार के लिए धन्यवादित है।
   - कैसे मैरी स्वर्गीय पिता को दिखा सकती है कि वह अपने परिवार के लिए धन्यवादित है ? (प्रत्येक पारिवारिक सदस्य को प्रेम और दया दिखाने के द्वारा) ।
2. कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए जॉन अपने पड़ोसी का काम करता है । नौकरी ढूंढने में सहायता के लिए वह स्वर्गीय पिता के प्रति धन्यवादित है ।
   - कैसे जॉन अपना आभार स्वर्गीय पिता को व्यक्त कर सकता है ? (जो पैसे उसने कमाये हैं, उसमें से दशमांश देने के द्वारा।)
3. कीम को सोकर खेलना बहुत पसन्द है । वह धन्यवादित है कि स्वर्गीय पिता ने उसे एक मजबूत, स्वस्थ शरीर दिया है ।
   - अपने शरीर के लिए, स्वर्गीय पिता को अपना आभार व्यक्त करने के लिए कीम क्या कर सकती है ? (ज्ञान के शब्द मानना, अच्छा भोजन खाना और अपने शरीर की देखभाल करना) ।

4. प्रचारकों ने ली के परिवार को सुसमाचार सिखाया, और परिवार ने बपतिस्मा लिया था । ली प्रचारकों के लिए बहुत धन्यवादित है ।

   • स्वर्गीय पिता को अपना आभार व्यक्त करने के लिए ली क्या कर सकता है ? (जब वह बड़ा होगा, मिशन पर जाने की तैयारी करके) ।

5. ऐना प्रत्येक रविवार की राह देखती है । उसे प्राथमिक जाना बहुत अच्छा लगता है । वह गिरजाघर के लिए धन्यवादित है ।

   • स्वर्गीय पिता को आभार व्यक्त करने के लिए ऐना क्या कर सकती है कि वह कितनी धन्यवादित है ? (अपनी सारी सभाओं में जाकर ; गिरजाघर में श्रद्धालु रहकर) ।

सारांश

कला गतिविधि

बच्चों को कागज और रंग दें और उन चीजों का चित्र को बनाने दें जिसके लिए वे धन्यवादित हैं । कक्षा के अन्य सदस्यों को अपने चित्रों के बारे में बताने के लिए बच्चों को आमंत्रित करें ।

गवाही

बच्चों को कहें कि आप उनके शिक्षक होने के लिए कितने धन्यवादित हैं । बताएं कि इस आशीष के लिए आप अपना आभार स्वर्गीय पिता को कैसे व्यक्त करते हैं । गवाही दें कि स्वर्गीय पिता ने हमें बहुत सारी आशीषें दी हैं और वह खुश होता है जब हम आभार महसूस करते और अपनी आशीषों के लिए उसका धन्यवाद करते हैं ।

बच्चों का आने वाले सप्ताह में स्मरण रखने के लिए उत्साहित करें, अपनी प्रार्थनाओं और कार्यों के द्धारा अपनी आशीषों के प्रति स्वर्गीय पिता को धन्यवाद देने में ।

जैसे बच्चा समापन प्रार्थना की तैयारी करता हैं, उससे पूछें कि वे अपनी कक्षा की प्रार्थना में स्वर्गीय पिता को किन चीजों के लिए धन्यवाद करेंगे । एक बच्चे को समापन प्रार्थना देने के लिए आमंत्रित करें ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में भी उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर भी । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें ।

1. बच्चों से पूछें कि वे अपने मन पसन्द जानवर, सब्जियाँ, और फल कौन से हैं, को बताएं । जोर दें कि हमारे आनन्द के लिए इन सारी चीजों की योजना स्वर्गीय पिता ने बनाई और यीशु मसीह ने इन सब की सृष्टि की बनाया । हमें इन सब चीजों के लिए अपना आभार व्यक्त करना याद रखना चाहिए ।

2. जानवरों के कुछ चित्र दिखाएं । चर्चा करें कि जानवरों को किस तरह की देखभाल की आवश्यकता है, जैसे कि पानी, खाना, रखरखाव, और प्रेम । बताएं कि जानवरों और अन्य सृष्टियों की देखभाल करना, स्वर्गीय पिता को दिखाता है कि हम इन चीजों के लिए आभारी हैं ।

3. पारिवारिक घरेलू संध्या विडियो सपलीमेंट भाग 2 (53277) में ''परमेश्वर और सृष्टि के लिए श्रद्धा'', यदि यह उपलब्ध हो, खण्ड दिखाएं । जोर दें कि स्वर्गीय पिता ने योजना बनाई और यीशु मसीह ने उन सारी चाजों की रचना की जिनकी आवश्यकता हमें जीने और खुश रहने के लिए है । हमें उन्हें दिखाना चाहिए कि अपनी सारी आशीषों के लिए हम कितने धन्यवादित हैं ।

4. ''अपने पिता को धन्यवाद'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 20), ''क्या मेरे समान एक छोटा बच्चा हो सकता है'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 9), या ''मैं धन्यवाद करता हूँ, प्रिय पिता'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 7) के शब्दों को गाएं या बोलें । ''मैं धन्यवाद करता हूँ, प्रिय पिता'' , के शब्द इस पुस्तिका के आखिर में सम्मिलित किया गया है ।

   बच्चों को बताएं कि हम गाने के द्धारा भी स्वर्गीय पिता का धन्यवाद कर सकते हैं । बताएं कि स्वर्गीय पिता के लिए स्तुति के गीत प्रार्थना की तरह होते हैं (देखें सि. और अनु. 25:12)

   हमारे पिता को धन्यवाद
   धन्यवाद अपने पिता को हम लाएंगे,
   हमारे लिए वह सब चीजें देता।

   आँख और कान और हाथ और पैर,
   पहनने के कपड़े, और खाने को भोजन;

   पिता, माता, छोटा बच्चा,
   स्वर्गीय पिता सब कुछ देता ।

धन्यवाद अपने पिता को हम लाएंगे,
हमारे लिए वह सब चीजें देता।

मेरे जैसा क्या एक छोटा बच्चा हो सकता है ?

मेरे जैसे क्या एक छोटा बच्चा हो सकता है
स्वर्गीय पिता को योग्य ढंग से धन्यवाद को
हाँ, ओ हाँ । अच्छे और सच्चे रहे ,
धीरज धरो, दयालु रहो जो कुछ भी आप करते ।
प्रेम करें प्रभु से और करें अपना काम ;
पूरे दिल से कहना सीखो :
पिता, हम आपका धन्यवाद करते हैं ।
पिता, हम आपका धन्यवाद करते हैं ।
स्वर्गीय पिता, हम आपका धन्यवाद करते हैं ।

स्मरण रखें ''धन्यवाद'' कहना

पाठ
25

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को, अन्यों से उनके दया और प्रेम के कार्यों को धन्यवाद कहना, याद दिलाने के लिए उत्साहित करें ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक लूका 17:11 ... 19 और सिद्धांत और अनुबंध 78:19 का अध्ययन करें ।

2. एक धन्यवाद पत्र बनाएं जैसा कि दिखाया गया है :

> धन्यवाद । मुझे खुशी है कि आप मेरे शिक्षक हैं ।
>
> प्रेम से,
>
> रेबेका

3. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाइबल और एक सिद्धांत और अनुबंध ।
   ख. प्रत्येक बच्चे के लिए पेन्सिल या क्रेयोन और एक कागज का टुकड़ा ।
   ग. चॉकबोर्ड, चॉक, और रबर ।
   घ. चित्र 2-45, दस कोढ़ी (सुसमाचार कला चित्र किट 221:62150) ।

4. किसी भी समृद्धि गतिविधियों के लिए जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं, आवश्यक तैयारियाँ करें ।

ध्यान दे : इस पाठ के दौरान, बच्चों को ''धन्यवाद'' कहने के लिए एक विशेष मेहनत करें जब यह उचित हो ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया है, उनके साथ उसपर ध्यान दें ।

हम दो विशेष शब्दों का उपयोग कर सकते हैं

ध्यान गतिविधि

बच्चों से कहें कि दो विशेष शब्द हैं जिसे आप उन सभी के साथ बाँटना चाहते हैं । ये विशेष शब्द प्रत्येक के द्वारा उपयोग किया जा सकता है, परन्तु उनका उपयोग अधिकतर नहीं होता है । किसी एक बच्चे को ''धन्यवाद'' फुसफुसाएं, और उसे दूसरे बच्चे को ''धन्यवाद'' फुसफुसाने दें । यह तब तक जारी रखें जब तक प्रत्येक बच्चा शब्द को सुन ना ले । आखरी बच्चे को खड़े होकर शब्दों को जोर से कहने दें ।

- हम ''धन्यवाद'' कब कहते हैं ?

बताएं कि हम सभी को अच्छा लगता है जब दूसरे हमारे लिए अच्छी चीजें करें, परन्तु कभी कभी हम उनका धन्यवाद करना भूल जाते हैं ।

धर्मशास्त्र कहानी

चित्र 2-45, दस कोढ़ी दिखाएं, और बच्चों से आपको यह बताने के लिए पूछें कि पहले के पाठ में से चित्र के बारेमें उन्हें क्या याद आता है । दस कोढ़ियो की कहानी का आप बच्चों से नाटक करवाना चाह सकते हैं (देखें लूका 17:11 ... 19) ।

चित्र की सहायता से, मसीह को धन्यवाद करते हुए कोढ़ी को दिखाएं ।

- यह आदमी यीशु के पास वापस क्यों आया था ?

• अन्य आदमियों ने क्या किया था?

बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु मसीह ने सारे कोढ़ियों को चंगा किया था, परन्तु सिर्फ एक को उसे धन्यवाद करना याद रहा । यीशु को खुशी हुई होगी कि एक व्यक्ति को याद रहा, परन्तु दुख हुआ होगा कि बाकियों को याद नहीं रहा ।

चर्चा

• हमें स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह को किस लिए धन्यवाद करना चाहिए ?

• हमें और किसका धन्यवाद करना चाहिए ? (अपने परिवारों, शिक्षकों, मित्रों, किसी का भी जो हमारे लिए उदारता का काम करता है) ।

हम दूसरों का धन्यवाद कर सकते हैं

कहानी और चर्चा

निम्नलिखित कहानी को अपने शब्दों में बताएं, चॉकबोर्ड पर साधारण चित्रों के उदाहरण के साथ (जैसे एक मछली पकड़ने वाला डण्डा, एक मछली, और एक केक) :

शिविरों में जाने और मछली पकड़ने से कारलोस आनंदित होता था और ज्यादातर, प्रत्येक शनिवार को पास की नदी में मछली पकड़ने में बिताना पसन्द करता था । परन्तु तभी उसके पिता की मृत्यु हो गई और कारलोस के लिए बहुत सारी चीजें बदल गईं । मछली पकड़ने को ले जानेवाला के लिए अब उसके पास कोई नहीं था ।

कारलोस दुःखी और अकेलापन महसूस करता था । उसके प्राथमिक शिक्षक, भाई टेलर, ने ध्यान दिया कि वह कितना दुःखी था और वह उसे खुश करना चाहते थे । भाई टेलर ने कारलोस को मछली पकड़ने को जाने के लिए आमंत्रित किया ।

फिर से मछली पकड़ने जाने के लिए कारलोस बहुत खुश हुआ । वह तैयार था और इंतजार कर रहा था जब भाई टेलर उसे लेने के लिए आए । नदी पर कारलोस और भाई टेलर ने एक बहुत अच्छा दिन बिताया । उन्होंने कई मछलियाँ पकड़ीं, और उस रात उन्होंने कारलोस की मां और भाईयों और बहनों के साथ रात के खाने पर मछलियाँ खाईं थी ।

कारलोस, भाई टेलर को वह मछली पकड़ने ले जाने के लिए धन्यवाद देना चाहता था ।

• भाई टेलर को धन्यवाद करने के लिए कारलोस क्या कर सकता था?

बच्चों के जवाब देने के पश्चात, उनकी सलाहों के लिए उनका धन्यवाद करें और उन्हें बताएं कि कारलोस ने क्या करने को सोचा था:

भाई टेलर को धन्यवाद करने के लिए, कारलोस ने सोचा कि वह उनके लिए कुछ अच्छा करेगा । कारलोस ने अपनी माँ की केक बनाने में सहायता की, और दूसरे दिन वह केक लेकर भाई टेलर के घर गया । भाई टेलर को केक देते हुए कारलोस ने कहा, ''मुझे मछली पकड़ने ले जाने के लिए आपका धन्यवाद'' ।

• आपके विचार से भाई टेलर ने कैसा महसुस किया था जब कारलोस उनके लिए केक लाया था ?

• आपके विचार से कारलोस ने कैसा महसुस किया ?

धर्मशास्त्र

सिद्धांत और अनुबंध 78:19 को जोर से पढ़ें । बताएं कि यह धर्मशास्त्र कहता है कि यदि हम धन्यवादित हैं, हम आनन्दित होंगे ।

• आप कैसा महसूस करेंगे जब आप किसी को ''धन्यवाद'' कहते हैं ?

• आप कैसा महसूस करेंगे जब कोई आपको ''धन्यवाद'' कहेगा ?

बच्चे का भाग लेना

बच्चों को उस समय के बारे में बताने के लिए आमंत्रित करें जब किसी ने उनको किसी काम के लिए धन्यवाद किया हो और यह बताएं कि उन्होंने धन्यवादित होने पर कैसा महसूस किया था । आप शायद अपने स्वयं के लिए, एक व्यक्तिगत अनुभव को संबंधित करना चाहेगें ।

हम ''धन्यवाद'' कई तरीकों में कह सकते हैं

कहानी

निम्नलिखित कहानी अपने स्वयं के शब्दों में बताएं:

बहन वेल्स एक प्राथमिक शिक्षिका थीं । उन्हें पढ़ाना अच्छा लगता था और अपनी कक्षा में बच्चों को प्रेम करती थीं । वह हर रविवार को एक अच्छा पाठ तैयार करने की कोशिश करतीं थी । वह स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह से प्रेम करती थीं, और उन्होंने बच्चों को अपनी गवाही बताई और यीशु कितना उनमें से प्रत्येक को प्रेम करता था । अपनी कक्षा में उन्होंने बच्चों से प्रेम करना और उन पर ध्यान देना दिखाया था । वह हमेशा उनके जन्मदिन और अन्य विशेष अवसरों को याद रखती थी ।

एक रविवार गिरजाघर के पश्चात, किसी ने बहन वेल्स के दरवाजे को खटखटाया । वह रेबेका थी, उनकी कक्षा की लड़कियों में से एक । रेबेका ने बहन वेल्स को, एक सुंदर गुलाबी लिफाफे में कुछ दिया ।

- क्या आप अनुमान लगा सकते हैं कि लिफाफे में क्या था ?

धन्यवाद नोट जो आपने बनाया है, बाहर निकालें और उसे कक्षा के लिए पढ़ें ।

- आपके विचार से बहन वेल्स ने कैसा महसूस किया जब उन्होंने इस नोट को पढ़ा था?

चर्चा

- रेबेका ने अपनी शिक्षिका को ''धन्यवाद'' कैसे कहा ?
- कुछ अन्य तरीकें क्या हैं जिससे हम धन्यवाद व्यक्त कर सकते हैं ?
- आपके लिए उदार चीजें कौन करता है ?

चॉकबोर्ड पर बच्चों के आखिरी प्रश्न तक के उत्तरों की सूची बनाएं । सारे बच्चों को, जबाव देने के अवसरों को प्राप्त करने के पश्चात चॉकबोर्ड पर दी गई सूची की सहायता से बच्चों से पूछें कि वे प्रत्येक व्यक्ति को किस लिए धन्यवाद करेंगे । उदाहरण के लिए, बच्चों से पूछेंः

- आप धर्माध्यक्षता के सदस्यों का, किस लिए धन्यवाद कर सकते हैं ?
- आप प्राथमिक वृन्दगायक या पियानो बजाने वाले का किस लिए धन्यवाद करेंगे ?

कला गतिविधि

बच्चों को धन्यवाद नोट बनाने के लिए पेन्सिलें, रंग और कागज दें । उनके नोटों पर धन्यवाद छापें या छापने में सहायता करें, और उन्हें नोटों को पेन्सिल या क्रेयोन से सजाने दें ।

बताएं कि वे अपना यह नोट किसी को दे सकते हैं जिनका वे धन्यवाद करना चाहते हैं । बच्चों को बताने दें कि वे अपना यह नोट किसे देंगे । बच्चों को याद दिलाएं कि दूसरों को धन्यवाद करना न सिर्फ उन्हें जिन का हम धन्यवाद करते है खुशी देता है बल्कि यह हमें भी खुशी देता है ।

सारांश

शिक्षक तैयारी

कक्षा के समाप्त होने के थोड़ी देर पहले, प्रत्येक बच्चे को प्राथमिक के दौरान कुछ अच्छा करने के लिए धन्यवाद करें ।वास्तविक और निश्चित रहें । आप एक बच्चे को इसलिए धन्यवाद करना चाहें ...

- कक्षा के दौरान श्रद्धापूर्वक बैठने के लिए ।
- पाठ को सुनने के लिए ।
- प्रारंभिक प्रार्थना कहने के लिए ।
- दूसरों के साथ उदारपूर्वक रहने के लिए ।
- प्रारंभिक कार्यों में गाने के लिए ।
- बोलने के पहले हाथ ऊपर करने के लिए ।
- प्रश्न का उत्तर देने के लिए ।
- कक्षा के दौरान खुश रहने के लिए ।

गवाही

अपनी कक्षा में प्रत्येक बच्चे को रहने के लिए अपना आभार व्यक्त करें । बच्चों को याद दिलाएं कि एक साधारण ''धन्यवाद'' दूसरों को कितना खुशी महसूस करा सकता है ।

सप्ताह के दौरान बच्चों को, अपने परिवार और दोस्तों के साथ यह देखने के लिए उत्साहित करें कि वे विशेष शब्द ''धन्यवाद'' का कितनी बार उपयोग कर सकते हैं ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छी हो । आप इसका पाठ में भी उपयोग कर सकते हैं, या एक समीक्षा या सारांश के रूप में । अतिरिक्त सहायता के लिए देखें ''शिक्षक के लिए सहायता'' में ''शिक्षा का समय''।

1. बच्चों से उठने और उनकी कुर्सियों को अलग रखने के लिए कहें ताकि उनके पास कुर्सियों के आस पास चलने के लिए कमरे में जगह हो ।

   नीचे बताई गईं क्रियाओं का उपयोग करते हुए बच्चों की ''मेरे पास दो कान हैं'', की पहली आयत और कोरस के शब्दों को गाने या कहने में सहायता करें (बच्चों की गीत पुस्तिका पृ. 269)

मेरे दो कान हैं सच्चाई को सुनने के लिए (कान दिखाएं)
दो आँखें अच्छाई देखने के लिए (आँखें दिखाएं)
मेरे दो पैर हैं मुझे ले जाने के लिए
उन जगहों पर जहाँ उन्हें होना चाहिए (कुर्सियों के आस पास चलें)

कोरस
बुद्धिमानी से उनका उपयोग करने की कोशिश करूँगा मैं
काम और खेल में मेरे (गेंद को उछालने का दिखावा करें)
मैं धन्यवाद करता हूँ स्वर्गीय पिता का
इस तरह से मुझे बनाने के लिए (बैठ जाएं, बाहें मोड़ें, और सिर झुकाएं) ।

2. बच्चों को पकड़ने के लिए, जितने की जरूरत हो उतने लंबें धागे या ऊन पर एक बटन या अँगुठी बाँधें, और धागे के आखिरी हिस्सों को एक साथ बाँधें । बच्चों को गोलाई में बैठने दें और उनके हाथों को धागे के ऊपर रखने दें । बच्चों को बटन या अँगुठी को एक बच्चे से दूसरे बच्चे तक आगे बढ़ाने दें जब तक कि आप ''रूको'' न कहें । उस समय जिस बच्चे के पास बटन या अँगुठी होगा, कहेगा कि ''मैं उनका (व्यक्ति का नाम), इसलिए (कुछ चीज के लिए) धन्यवादित हूँ '' । खेल को तब तक खेलें जब तक प्रत्येक बच्चे को कम से कम एक बार जवाब देने का मौका न मिल जाये ।

3. ''मैं मेरे होने के लिए धन्यवादित हूँ'' के शब्दों को गाएं या कहें (बच्चों की गीत पुस्तिका पृ. 11)
रात को, जब मैं अपने बिस्तर में अकेला होता हूँ ,
करता हूँ आँखें बंद मैं और देखता हूँ
बहुत सी चीजें जिनके लिए मैं धन्यवादित हूँ मैं
मुझको जो परमेश्वर ने दिया ।
मैं देखता मेरे दोस्तों और शिक्षकों को भी
और अन्यों को मुझसे प्रेम करते हैं ।
सारी ये आशीषें कराती हैं एहसास
मुझे मेरे होने के लिए धन्य वाद

4. बच्चों को किसी भी आकार की चीज बनाने के लिए कहें जिसके लिए वे धन्यवादित हैं, नमक की लोई तैयार करें, (एक नमक की लोई बनाने का तरीका पृष्ठ 43 पर उपलब्ध है) । उनसे कहें कि वे अपनी बनाई गई चीज को घर ले जाएं और वहाँ रखें जहाँ वे अपनी प्रार्थना करते हैं । तब उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में अपनी आशीषों के लिए स्वर्गीय पिता को धन्यवाद करना याद रहेगा ।

5. उनकी नौकाओं में यारदाईयों की कहानी बताएं, जैसा एथर 2:16 .. 18 और 6:4 .. 11 में पाई जाती है । आप शायद दो एक जैसी कटोरियों को किनारे से एक साथ रखकर नौकाओं का उदाहरण देना चाहें ।

बच्चों को कल्पना करने के लिए पूछें कि प्रभु ने उन्हें और उनके परिवारों को यारदाईयों की तरह नौकाएं बनाने के लिए कहा है । उनसे दिखावा करने को कहें कि लगभग एक साल के लिए वे सागर में इन छोटी नौकाओं पर हैं । उन्हें सागर में उछाल दिया गया है और एक समय पर वे पूरी तरह से डूब गए हैं । नौकाओं में कई जानवर भी हैं ।

- इस तरह की यात्रा के बारे में आप कैसा महसूस करेंगे ?

एथर 6:9 को जोर से पढ़ें यह देखे कि यारदाईयों ने अपने सैर के बारे में कैसा महसूस किया था । बच्चों की समझने में सहायता करें कि हम जब कठिन समय से गुजरते हैं, हमारे पास धन्यवादित होने के लिए बहुत सी चीजें होती हैं । उदाहरण के लिए अगर हम बीमार हैं, हम उन लोगों के लिए धन्यवादित हो सकते हैं जो हमारी देख-भाल करते हैं,यदि हम उन चीजों की ओर हमेशा देखते है जिनके हम धन्यवादित हैं, हम अपनी बहुत सारी आशीषों को देखेंगे ।

6. आने वाले सप्ताह के दौरान, अपनी कक्षा में बच्चों को धन्यवाद नोट पहुँचाएं, प्रत्येक को यह बताते हुए कि आप अपनी कक्षा में उनके होने के लिए कितनी प्रशंसा करते हैं । कुछ विशेष चीजों को बताएं जो प्रत्येक बच्चे ने किया हो जिससे कक्षा की मदद हुई हो ।

पाठ
26

सही का चुनाव मुझे आनन्द का अनुभव देता है

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की समझने में सहायता करना कि सही काम करने से हमें प्रसन्नता होती है जबकि गलत काम करने से हमें अप्रसन्नता होती है ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक लूका 15:11 ... 24 का अध्ययन करें ।

2. ''मुस्कान'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 267), और ''सही रास्ते का चुनाव करना'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 160) के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें । इन गीतों के शब्दों को पुस्तिका के पीछे सम्मिलित किया गया है ।

3. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाइबल ।
   ख. प्रत्येक बच्चे के लिए एक छोटा पत्थर या सेम ।
   ग. एक हँसता हुआ/भौहें चढ़ा हुआ चेहरा पाठ २२ से ।
   घ. प्रत्येक बच्चे के लिए एक पेन्सिल या रंग ।
   च. प्रत्येक बच्चे के लिए एक बड़ा कागज का गोला ।
   छ. चित्र 2-46, उड़ाऊ पुत्र (सुसमाचार कला चित्र किट 220:62155) ।

4. किसी भी समृद्धि गतिविधियों का जिनका आप उपयोग करना चाहते है, के लिए आवश्यक तैयारियाँ करें ।

ध्यान दें : याद रखें कि आठ वर्ष से कम उम्र के बच्चे अभी उत्तरदायी नहीं हैं और उन्हें पापों के पश्चाताप करने की आवश्यकता नहीं है । बच्चों को सही करने के लिए उत्साहित करें, परन्तु उन्हें दोषी महसूस न होने दें उन बातों के लिए जो उन्होंने की हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया है, उनके साथ उसपर ध्यान दें ।

गलत करना हमें परेशान करता है

ध्यान गतिविधि

एक बच्चे को जूते निकालकर उसके अन्दर एक छोटा पत्थर या सेम रखने दें । बच्चे को जुते पहनकर कमरे के अन्दर कुछ कदम चलने दें । बच्चे से अन्य बच्चों को बताने के लिए कहें कि उसके पैर कैसा महसूस करते हैं ।

इस पर ध्यान दें कि जब चीजें सही नहीं रहतीं, हम परेशान और अप्रसन्नता महसूस करते हैं, और हम उस बातों के बारे में बहुत सोचते हैं जो गलत हैं ।

बच्चे से वस्तु को बाहर निकालकर कमरे में फिर से चलने के लिए कहें । बच्चे को कक्षा को बताने दें कि उसके पैर अब कितना अच्छा महसूस करते हैं ।

प्रत्येक बच्चे को एक पत्थर और सेम दें, और उन्हें जो भाग लेना चाहते हैं पत्थरों को या सेम को उनके जूतों में डालने दें । उन्हें खड़ा होकर कुछ कदम चलने दें यह महसूस करने के लिए कि उस वस्तु से वह कितना परेशान है । पत्थरों और सेम को इकट्ठा करें और बच्चों को फिर से खड़ा होने दें यह देखने के लिए कि उनके पैर कितना अच्छा महसूस करते हैं उस वस्तु के हट जाने से ।

पत्थर और सेम की एक गलत कार्य के साथ तुलना करें । जब हमने कुछ गलत किया होता है, हम परेशान और अप्रसन्न होते हैं । परन्तु जब हम गलत के लिए दुःखी होते हैं और गलत चुनाव को सही करने की कोशिश करते हैं, यह उसी तरह से है जैसे कि जुते से पत्थर और सेम बाहर निकालनाः परेशान होने का अनुभव छोड़ देते हैं और हम फिर से प्रसन्न हो सकते हैं ।

बताएं कि आज का पाठ, परेशान अनुभवों की जगह प्रसन्न अनुभवों के बारे में होने जा रहा है ।

हम अप्रसन्न अनुभवों को प्रसन्न अनुभवों के साथ वापस रख सकते हैं

• आप कैसा महसूस करते हैं जब आप कुछ गलत करते हैं ?

कहानी और चर्चा

अपने स्वयं के शब्दों में एक लड़की के बारे में निम्नलिखित कहानी बताएं जिसने कुछ गलत किया और अप्रसन्नता महसूस की थी। बच्चों से पता करने के लिए सुनने को कहें कि उसने अप्रसन्न अनुभवों को प्रसन्न अनुभवों की जगह पर रखने के लिए क्या किया था।

अंजला की दोस्त मारिया के पास एक बहुत ही अच्छे खाद्य के छोटे छोटे फलों और सब्जियों के खिलौनों का सेट था । अंजला को इस खाद्य के साथ खेलना अच्छा लगता था और आशा करती थी कि ये उसके होते । एक दिन जब मारिया नहीं देख रही थी, अंजला ने एक हाथ भरकर छोटे छोटे फलों और सब्जियों को अपने पॉकेट में रख लिया । किसी को इसके बारे में बताए बिना , अंजला इस खाद्य को अपने घर ले गई ।

• आपके विचार से क्या अंजला को खाद्य के खिलौनों के साथ जो वह लेकर गई थी, खेलना अच्छा लगा ?

अंजला खाद्य के खिलौनों के साथ खुलकर खेल नहीं सकती थी क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि उसकी माँ को पता चले कि उसने इन्हें चुराया है । उसने पलंग के नीचे फलों और सब्जियों को छुपा दिया, और जब उसे खेलना होता, उसे रेंगकर पलंग के नीचे जाना होता । अंजला को अन्दर से अप्रसन्नता का अनुभव हुआ जबकि उसके पास अब वह खिलौने थे जिसे वह चाहती थी ।

• अंजला अपनी अप्रसन्न अनुभवों को बदलने के लिए क्या करेगी ?

बच्चों के उनके उपयुक्त सलाहों पर टिप्पणी करें, और बताएं कि अंजला ने क्या कियाः

अंजला की माँ ने पलंग के नीचे खेलने की बात पर ध्यान दिया और पूछा कि वह क्या कर रही थी । अंजला ने अपनी माँ को खाद्य खिलौने दिखाए और बताया कि उसने कितना अप्रसन्न महसूस किया । अंजला की माँ ने उसको समझने में सहायता किया कि उसे फिर से प्रसन्न अनुभव करने के लिए क्या करना था । अंजला ने खाद्य खिलौनों को लेकर मारिया के पास गई और मारिया को कहा कि इसे लेने के लिए वह क्षमा चाहती है । खाद्य खिलौनों को वापस करने के पश्चात, अंजला को खुशी और आराम महसूस हुआ । वह खुश थी कि वह अपने गलत चुनाव को सही कर सकी ।

• जो गलत था उसका अंजला ने क्या किया ?

चर्चा

हँसता या भौहें चढ़ा हुआ चेहरे का चित्र दिखाएं । अप्रसन्न चेहरे को दिखाएं और फिर प्रसन्न चेहरों को ।

• कौन सा चेहरा दिखाता है कि खाद्य के खिलौनों को लेने के पश्चात अंजला ने कैसा महसूस किया था? (एक बच्चे को अप्रसन्न चेहरे के चित्र को दिखाने के लिए आमंत्रित करें) ।

• अंजला ने अपने गलत चुनाव को सही करने के लिए क्या किया था?

• कौन सा चेहरा दिखाता है कि खाद्य के खिलौनों को लौटाने के पश्चात अंजला ने कैसा महसूस किया था ? (एक बच्चे को प्रसन्न चेहरे के चित्र को दिखाने के लिए आमंत्रित करें) ।

बच्चों को बताएं कि हम सब कभी न कभी गलत कामों को करते हैं । गलत काम करना हमें अप्रसन्न करता है । परन्तु जब हम गलतियों के लिए क्षमा माँगते हैं और गलत चुनावों को सही करने की कोशिश करते हैं, हम फिर से खुशी महसूस कर सकते हैं ।

यीशु मसीह चाहता है कि हम खुशी महसूस करें

शिक्षक तैयारी

बताएं कि क्षमा माँगना और अपने गलत चुनावों को सही करना, पश्चाताप के दो चरण हैं ।

बच्चों को पश्चाताप शब्द कुछ समय के लिए दोहराने दें ।

बताएं कि यीशु मसीह चाहता है कि हम सही का चुनाव करें, परन्तु वह जानता है कि हम कभी न कभी गलत का चुनाव करेंगे । उसने हमारे लिए पश्चाताप को संभव बनाया है जब हम गलत काम करते हैं । उसने प्रतिज्ञा की है कि यदि हम पश्चाताप करते हैं, हमें अपनी गलतियों के लिए क्षमा किया जाएगा और फिर से खुशी महसूस करेंगे । यीशु के गिरजाघर का सदस्य होने के नाते पश्चाताप एक महत्वपूर्ण भाग है ।

बच्चों को याद दिलाएं कि कुछ गलत करना वैसा ही है जैसा कि हमारे जूते में एक पत्थर का रहना । हम परेशानी महसूस करते हैं । पश्चाताप वैसा ही है जैसा कि जूते से पत्थर को बाहर निकालना । परेशानी के चले जाने से अच्छा महसूस होता है ।

धर्मशास्त्र कहानी

बाईबल दिखाएं और बताएं कि धर्मशास्त्र की इस पुस्तक में उद्धारकर्ता, एक बेटे के बारे में एक कहानी बताता है जिसने कुछ गलत करने का चुनाव किया और फिर पश्चाताप किया और वह किया जो सही था । बच्चों को सुनने के लिए कहें कि बेटे ने क्या किया और कैसे उसके पिता ने उसकी सहायता की थी ?

अपने स्वयं के शब्दों में, लूका 15:11 ... 24 में पाई जाने वाली कहानी बताएं । चित्र 2-46, उड़ाऊ पुत्र, एक उपयुक्त समय पर दिखाएं ।

बताएं कि किसी समय में इस कहानी को ''उड़ाऊ पुत्र'' कहा जाता था । बच्चों को बताएं कि ''उड़ाऊ'' का मतलब है बरबाद । बताएं कि छोटा पुत्र अपना पैसा चाहता था क्योंकि वह कभी भी कड़ी मेहनत नहीं करना चाहता था । वह वही करना चाहता था जो वह चाहता था । जब उसे पैसे मिल गए, उसने उसे बरबाद कर दिया । उसने उन चीजों पर खर्च किया जो अच्छी नहीं थीं ।

बताएं कि जब बेटे के पास पैसे खत्म हो गए, उसे एहसास हुआ कि वह मूर्ख था और उसने गलत काम किया थे । उसने अपने पिता के पास वापस जाने और उससे कहने का निश्चय किया कि वह दुःखी था । उसने महसूस किया कि अब वह अपने पिता का बेटा कहलाने के लिए बहुत अच्छा नहीं है, परन्तु उसने घर वापस जाने का और अपने पिता का एक नौकर बनने के लिए, पूछने का निश्चय किया ।

- आपके विचार से बेटे ने कैसा महसूस किया जब उसे पता चला कि उसने गलत काम किये थे ?

जोर से लूका 15:20 ... 24 पढ़ें ।

- पिता ने क्या किया जब उसका बेटा घर आया ?
- आपके विचार से बेटे ने कैसा महसूस किया था जब उसके पिता ने उसका स्वागत किया ?

बताएं कि बिलकुल वैसै ही जैसा कि इस युवक का पिता आनन्दित था कि युवक गलत कामों को करने से सही काम करने में परिवर्तित हो गया था, हमारे माता-पिता और हमारा स्वर्गीय पिता खुश होते हैं जब हम अपने गलत चुनावों को सही करने की कोशिश करते हैं । हम भी खुश होते हैं जब हम सही करने का चुनाव करते हैं ।

हम जब गलत चुनावों को सही करते हैं, हमारे पास आनन्द का अनुभव हो सकता हैं

गतिविधि

प्रत्येक बच्चे को एक गोलाई के आकार का कागज, पेन्सिल या क्रेयोन दें । बच्चों को उनके स्वयं का हँसता/भौहें चढ़ा हुआ चेहरा बनाने दें । पूरा हँसता/भौहें चढ़ा हुआ चेहरा दिखाएं ताकि वे उसकी नकल उतार सकें, और जरूरत पड़ने पर उनकी सहायता कर सकें ।

कुछ परिस्थितियों का वर्णन करें जब किसी ने गलत चुनाव किया हो । बच्चों को उनके कागज के चेहरों को पकड़ कर यह दिखाने दें कि गलत चुनाव करने के पश्चात प्रत्येक व्यक्ति ने कैसा महसूस किया । फिर पूछें कि व्यक्ति कैसे गलत चुनाव को सही करेगा, और बच्चों को उनके कागज के चेहरों को यह दिखाने के लिए उपयोग करने दें कि ऐसा करने के पश्चात प्रत्येक व्यक्ति कैसा महसूस करेगा । निम्नलिखित उदाहरणों का उपयोग करें या अपने स्वयं में का कुछ बनाएंः

1. थॉमस विद्यालय से घर आने के रास्ते पर एक बाड़े के ऊपर कूद पड़ा और अपनी सबसे अच्छी पैंट को फाड़ दिया । वह जानता था कि उसकी माँ उदास हो जाएंगी क्योंकि उन्होंने उसे कई बार उसके विद्यालय के कपड़ों में बाड़े पर कूदने से मना किया था ।
   - थॉमस को क्या करना चाहिए ?
2. करीन की माँ ने उसे दो टांफियाँ दी । एक उसके लिए और एक उसकी बहन के लिए । जब उसकी बहन जा चुकी, करीन ने दोनों टाफियाँ खा ली ।
   - करीन को क्या करना चाहिए ?
3. बेन अपने दोस्त के घर खेलने के लिए गया, परन्तु उसका दोस्त घर पर नहीं था । जब बेन वहाँ से जा रहा था, उसने अहाते में अपने दोस्त का एक खिलौना देखा । बेन खिलौने को घर ले गया और उससे खेला ।
   - बेन को क्या करना चाहिए ?
4. रेचल को विद्यालय के रास्ते पर एक बटुआ मिला । बाद में जब एक लड़की ने पूछा कि उसने बटुआ देखा है, रेचल ने कहा, ''नहीं'' ।
   - रेचल को क्या करना चाहिए ?
5. अहाते के पीछे फिलीप अपने भाई के साथ खेल रहा था । उसके भाई ने कुछ गलत किया जो फिलीप को अच्छा नहीं लगा, और फिलीप ने उसे मारकर रूला दिया ।
   - फिलीप को अब क्या करना चाहिए ?

गीत

बच्चों को उनका हँसता/भौहें चढ़ा हुआ चेहरा पकड़ने दें और जब उचित हो, कागज के चेहरों को घुमाते हुए ''मुस्कान'' के शब्दों को गाएं या कहें ।

सारांश

गवाही

बच्चों को गवाही दें कि जब हम सही का चुनाव करते हैं, हमारे पास आनन्द अनुभव हो सकता है । हमारे पास आनन्द अनुभव तब भी हो सकता है जब हम अपने गलत चुनावों को सही करते हैं । बताएं कि जैसे ही हम यीशु मसीह की शिक्षाओं का अधिक नजदीकी से अनुसरण करना सीखते हैं, हम गलत चुनाव कम करेंगे ।

सुझाव दें कि बच्चे अपने कागज के चेहरों को घर ले जाएं और अपने परिवारों से कहें कि उन्होंने प्रसन्न और अप्रसन्न अनुभवों के बारे में क्या सीखा है ।

गीत

बच्चों के साथ ''सही रास्ते का चुनाव'' के शब्दों को गाएं या कहें ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें । अपने गलत चुनावों को पहचानने और सही करने की सहायता के लिए, उस बच्चे को स्वर्गीय पिता से पूछने को कहें ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर भी । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें ।

1. उन परिस्थितियों का उपयोग करके जिनका आपने इस खण्ड में वर्णन किया था ''हमारे पास आनन्द के अनुभव हो सकते हैं जब हम गलत चुनावों को सही करते हैं'', बच्चों की सोचने में सहायता करें कि कैसे गलत चुनावों से बचा या उनको टाला जा सकता है । उन्हें उनका समाधान करने दें ।

2. ''अगर तुम खुश हो'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 266) के शब्दों को गाएं या कहें, बच्चों की प्रसन्न चुनावों के बारे में नई आयतों और कार्यों को बनाने की सहायता में ।

   उदाहरण के लिए
   अगर यह तुम जानते और खुश हो, अपने दोस्तों की सहायता करो (ताली बजाओ) ।
   अगरयह तुम जानते और खुश हो, अपने दोस्तों की सहायता करो (ताली बजाओ) ।
   अगर यह तुम जानते और खुश हो, फिर सही को चुनो और उसे दिखाओ ।
   अगर यह तुम जानते और खुश हो, अपने दोस्तों की सहायता करो (ताली बजाओ) ।

   अन्य संभावनाएंः
   सच बोलो (मुँह को दो बार छुओ)
   अपने खिलौनों को बाँटो (एक हाथ को बाहर रखो, फिर दूसरे को)
   अपनी प्रार्थनाओं को कहो (बाहों को मोड़ो और सिर झुकाओ)

   अपनी सारे सुझावो के साथ, आप आखरी आयत को गाने के द्वारा अंत करना चाहेंगे ।

   अगर तुम यह जानते हो और खुश हो, अपने दोस्तों की सहायता करो (ताली बजाओ) । सच बोलो (मुँह को दो बार छुओ), अपने खिलौनों को बाँटो (एक हाथ को बाहर रखो, फिर दूसरे को), और अपनी प्रार्थनाओं को कहो (बाहों को मोड़ो और सिर झुकाओ)

   बच्चों को एक घेरे में बैठने दें । एक समीक्षा प्रश्न पूछें और फिर उस बच्चे के लिए सेम के थैले को या किसी नरम वस्तु को उछालें जिससे आप प्रश्न का उत्तर पूछना चाहें । बच्चे के जबाव देने के पश्चात, उसे सेम के थैले को आपके पास वापस उछालने दें। यह तब तक जारी रखें जब तक कि प्रत्येक बच्चा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर ना दे दे ।

   संभावित प्रश्न

   - अपने जूते में पत्थर या सेम के साथ आपके पैर ने कैसा महसूस किया ?
   - हमें कैसा महसूस होता है जब हम कुछ गलत करते हैं ?
   - चुराये हुए खाद्य खिलौने के साथ खेलना अंजला को अच्छा क्यों नहीं लगा ?
   - अंजला ने अपने अप्रसन्न अनुभव को बदलने के लिए क्या किया ?
   - हम कैसा महसूस करते हैं जब एक गलत चुनाव को सही करने की कोशिश करते हैं ?

मैं दुसरों को बाँटने के द्वारा सहायता कर खुश रख सकता हूँ

पाठ
27

उद्देश्य

बच्चों को अन्यों के लिए खुशी महसूस कराने में, बाँटने के द्वारा सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करें ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मरकुस 6:30 ... 44 और यूहन्ना 6:1 ... 13 का अध्ययन करें ।
2. प्रत्येक बच्चे और अपने लिए एक छोटी दावत की तैयारी करें । अगर यह उपवास रविवार है, दावत के लिए खाने के अलावा कुछ और का चुनाव करें और आवश्यकता अनुसार पाठ को व्यवस्थित करें ।
3. ''दो, छोटी नदिया ने कहा'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 236) की तीसरी आयत के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें । इस गीत के शब्दों को पुस्तिका के पीछे सम्मिलित किया गया है ।
4. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाइबल ।
   ख. कई चीजें जिनको बाँटा जा सके, जैसे कि एक गेंद, एक पुस्तक, और एक संतरा । इन चीजों को एक कागज या कपड़े के थैले में रखें ।
   ग. चित्र 2-47, पाँच हजार को खिलाना (62143); चित्र 2-48, रस्सी कुदना (62523) चित्र 2-49, लड़के बिस्कुट बाँटते हुए; चित्र 2-50, बच्चे ब्लॉकस बाँटते हुए ।
5. किसी समृद्धि गतिविधि के लिए जो आप उपयोग करना चाहते हैं के लिए आवश्यक तैयारियाँ करें।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया है, उनके साथ उसपर ध्यान दें ।

हम बाँट सकते हैं

ध्यान गतिविधि

एक बार में एक चीज दिखाएं जो आप कागज या कपड़े के थैले में लाएं हैं, और निम्नलिखित प्रश्नो को उपयोग करते हुए इसकी चर्चा करें:

- अगर यह मेरे द्वारा उपयोग किया जाए तो कितने लोग इसका (चीज का नाम) आनन्द ले सकते हैं ?
- अगर मैं इसे बाँटू तो कितने लोग इसका (चीज का नाम) आनन्द ले सकते हैं ?
- किन तरीकों से मैं इसे बाँट सकता हूँ ?

चर्चा

सारी चीजों के बारे में बच्चों से चर्चा करने के पश्चात, पूछें:

- आपके पास क्या है जिसे आप किसी और के साथ बाँट सकते हैं ? आप इसे कैसे बाँट सकते हैं ?

बच्चों को विशेष चीजों का नाम लेने के लिए प्रोत्साहित करें और बताएं कि वे उनको किनके साथ बाँट सकते हैं और उनको कैसे बाँट सकते हैं ।

अगर बच्चे इन चीजों के बारे में बताने के लिए तैयार नहीं हैं, सुझाव दें कि हम अपना समय, अपने गुण, और सुसमाचार को भी बाँट सकते हैं ।

- हम अपना समय कैसे बाँट सकते हैं ?
- हम अपने गुणों को कैसे बाँट सकते हैं ?
- हम सुसमाचार को कैसे बाँट सकते हैं ?

यीशु मसीह ने हमें बाँटना सीखाया है

धर्मशास्त्र कहानी और चर्चा

बाइबल दिखाएं और बताएं कि इसमें एक युवा लड़के के बारे में कहानी है जिसने यीशु मसीह और कई अन्य लोगों की सहायता, बाँटने के द्वारा की थी । यूहन्ना 6:1 ... 13 में पाई जाने वाली कहानी बताएं (मरकुस 6:30 ... 44 भी देखें) । एक उपयुक्त समय पर चित्र 2 - 47, पाँच हजार को खिलाना दिखाएं ।

- युवा लड़के के पास कितनी रोटियाँ और मछलियाँ थीं ?(यूहन्ना 6:9 देखें)
- आपके विचार से कितने लोग पाँच रोटियाँ और दो मछलियों को खाएंगे ?
- कितने लोगों को यीशु मसीह ने खिलाया था ? (यूहन्ना 6:10 देखें)

बच्चों की समझने में सहायता करें कि यह एक बहुत लोगों का गुट था । लोग जिनको खिलाया गया था, की तुलना पाँच हजार लोगों के समूह से करें जो बच्चों के लिए अधिक जाना पहचाना है (उदाहरण के लिए, ''हमारे शहर में जितने लोग हैं, उतनों को यीशु ने खिलाया'', या ''स्थानीय स्टेडियम में जितने आ सकें, उतने लोगों को यीशु ने खिलाया था'') ।

बताएं कि लड़का स्वयं ही खाना खा सकता था । परन्तु वह बाँटने का इच्छुक था, उद्धारक ने चमत्कार किया जिसने हजारों लोगों की सहायता की ।

- आपके विचार से लोगों ने कैसा महसूस किया जब लड़के ने बाँटा था ?
- आपके विचार से युवा लड़के ने कैसा महसूस किया जिसने बाँटा था ?

गीत

''दो, छोटी नदिया ने कहा'', की तीसरी आयत के शब्दों को गाएं या कहें ।

बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु मसीह ने हमारे साथ बहुत सारी चीजों को बाँटा और चाहता है कि हम दूसरों के साथ बाँटें ।

हम अपने आपको और दूसरों को बाँटने के द्वारा प्रसन्न कर सकते हैं

चित्र चर्चा

बच्चों को बताएं कि बिलकुल वैसे ही जैसा कि यीशु के समय में युवा लड़के ने बाँटने के लिए रास्ता निकाला, हम भी दूसरों को खुश रहने में कई रास्तों को खोजकर बाँट सकते हैं । बाँटते हुए, बच्चों को चित्र (2-48, 2-49, और 2-50) एक एक करके दिखाएं, और प्रत्येक चित्र के लिए निम्नलिखित प्रश्नो को पूछें ।

- इस चित्र में बच्चे क्या कर रहे हैं ?
- वे क्या बाँट रहे हैं ?
- आपके विचार से बाँटने के बारे में वे कैसा महसूस करेंगे ? क्यों ?

बच्चे की भागीदारी

बच्चों को उन समयों के बारे में कहने दें जब उन्होंने बाँटा था और कैसा महसूस किया जब उन्होंने बाँटा था ।

केन्द्रीत करें कि जब हम बाँटते हैं, हम सिर्फ दूसरों को प्रसन्न होने में सहायता ही नहीं करते, बल्कि हम भी प्रसन्न होते हैं ।

अगर बच्चों ने बाँटने के प्रति इच्छा दिखाई है तो उनकी बड़ाई करें; फिर उनके साथ चर्चा करें कि बाँटना प्रत्येक को अच्छे अनुभव दे सकता है । जोर दें कि बाँटना हमें प्रसन्न अनुभव दे सकता है ।

कहानी

एक बच्चे के बारे में कहानी बताएं जो खुश था और दूसरों को खुश किया था क्योंकि उसने बाँटा था । आप निम्नलिखित कहानी का उपयोग करना चाहें:

डेविड के पास रंग का एक नया डिब्बा था और जब उसकी माँ उसकी छोटी बहन को लेकर कमरे में आई, वह एक सुंदर चित्र में रंग भर रहा था । माँ ने कहा कि वह अपने रंग को एलीसन के साथ बाँटें और रंग भरने में उसकी सहायता करे । डेविड नहीं बाँटना चाहता था । एलीसन ने बहुत अच्छा रंग नहीं भरा, और वह डर गया था कि शायद उसकी बहन उसके एक रंग को तोड़ सकती थी । उसने उसे वह रंग दिया जिसे वह बहुत पसंद नहीं करता था ।

जल्दी ही डेविड को उस रंग की आवश्यकता हुई जिसे उसने एलीसन को दिया था, इसलिए उसने इसे वापस लेने की कोशिश की । एलीसन रोने लगी । अपनी बहन को रूलाने के लिए डेविड को बुरा महसूस हुआ, और उसे पता चला कि उसको भी रंग भरना अच्छा लगा है, जबकि वह अभी बहुत अच्छा नहीं कर सकती थी । डेविड ने अपने रंग की तरफ देखा और निश्चय किया कि उन दोनों को उपयोग करने के लिए बहुत है । उसने एलीसन को रंग लेने दिया, और उसने अपने कागज के टुकड़े पर खुशी से रंग भरा । डेविड भी बहुत खुश था । (Adapted from Marjorie A. Parker, "Inside the Lines," Friend, फरवरी 1993, पृष्ठ 28 ... 29)।

- एलीसन खुश क्यों थी ?

• डेविड खुश क्यों था ?

सारांश

गतिविधि

टॉफी जो आप लाए हैं, दिखाएं ।

• आप को कैसा महसूस होगा यदि मैं सारी टॉफी अपने लिए रख लूँ ?

• यीशु क्या चाहेगा कि मैं इस टॉफी के साथ करूँ ?

टॉफी को दो बच्चों के बीच में बाँटें, और फिर पूछें ?

• यीशु क्या चाहेगा कि तुम अपनी टॉफी के साथ करो ?

दो बच्चों को, कक्षा में प्रत्येक के साथ जो उनके पास है, बाँटने दें । कक्षा को बताएं कि बाँटने के बारे में आप कैसा महसूस करते हैं और आपने कैसा महसूस किया होता जब आपने सारी टॉफी को अपने लिए रखा होता ।

दो बच्चों से जिन्होंने टॉफी को बाँटा था, से कहने के लिए पूछें कि टॉफी को बाँटने के बारे में उन्होंने कैसा महसूस किया और फिर बाकी के बच्चों को बताने के लिए आमन्त्रित करें कि उन्होंने टॉफी को उनके साथ बाँटे जाने से कैसा महसूस किया था ।

गवाही

बच्चों को गवाही दें कि बाँटने से आनन्द मिलता है । आप अपने एक समय के बारे में बताना चाहें जब बाँटने से आपको खुशी हुई हो ।

इस सप्ताह प्रत्येक बच्चे को किसी के साथ कुछ बाँटने के लिए प्रोत्साहित करें ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें । बच्चे को उन बच्चों की सहायता के लिए पूछने को याद दिलाएं जो बच्चे बाँटने के इच्छुक हैं ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें ।

1. बच्चों को बताएं कि एक गिरजाघर के तौर पर हमारे पास एक विश्वास का अनुच्छेद है जो कहता है कि हम परोपकारी होने में विश्वास करते हैं । परोपकारी होने का मतलब है कि हम दूसरों के साथ बाँटते हैं और अन्य उदारता के कार्य करते हैं जो उनके लिए हमारा प्रेम दिखाता है । तेरहवें विश्वास का अनुच्छेदः ''हम परोपकारी ... होने में विश्वास करते हैं'', के भाग को याद करने में बच्चों की सहायता करें ।

2. ''एक प्रार्थना'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 22) के शब्दों को गाएं या कहें, बच्चों को याद दिलाएं कि स्वर्गीय पिता ने हमें बहुत सारी अच्छी आशीषें दी हैं और वह खुश होता है जब हम अपनी आशीषों को अन्यों के साथ बाँटते हैं ।
   स्वर्ग में पिता, इस प्यारे दिन पर
   मुझे खुश और उदार होने में सहायता कर जब मैं खेलूँ ।
   मुझे हमेशा ईमानदार और सच्चा रहने में सहायता कर ।
   अन्यों के साथ मेरी आशीषों को बाँटने में मेरी सहायता कर ।

3. बच्चों के लिए नमक की लोई लाएं और प्रत्येक को एक चीज बनाने में सहायता करें जिसे वे अपने दोस्तों और पारिवारिक सदस्यों के साथ बाँटना चाहें (एक नमक की लोई बनाने का तरीका पृष्ठ 43 में पाया जाता है) ।

4. पेन्सिल और रंग का एक डिब्बा दिखाएं । बताएं कि आपके पास एक ही पेन्सिल या रंग का डिब्बा है, परन्तु आप चाहेंगे कि सारे बच्चे चित्र बनाएं । एक बच्चे को डिब्बा दें ।

   • रंग (पेन्सिल) के साथ (बच्चे का नाम) क्या करेगा/करेगी ताकि प्रत्येक चित्र बना सके ?

   प्रत्येक बच्चे को एक कागज का टुकड़ा दें, और बच्चों को रंग या पेन्सिल बाँटने दें और बाँटने द्वारा उन्हें चित्र बनाने दें ।

5. बच्चों को प्रचारक बनकर मूकाभिनय करने दें (दरवाजे खटखटाना, धर्मशास्त्रों को पढ़ना, शिक्षा देना, और अन्य प्रचारक गतिविधियों को करना) ।

   • प्रचारक क्या बाँटते हैं ?

   • आप कैसा सोचते हैं कि प्रचारको को महसूस हुआ जब उन्होंने अन्यों के साथ सुसमाचार बाँटा ?

मैं उदार हो सकता हूँ

पाठ
28

उद्देश्य

अन्यों के प्रति उदार होने के लिए प्रत्येक बच्चे को प्रोत्साहित करें ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक लूका 10:25 ... 37 और यूहन्ना 13:34 ... 35, 15:12 का अध्ययन करें । मत्ती 22:36 ... 40 और सुसमाचार सिद्धांत (31110), अध्याय 30 को भी देखें ।
2. ''यीशु ने कहा सबसे प्रेम करो'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 61) की तीसरी आयत के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें । इस गीत के शब्दों को पुस्तिका के पीछे सम्मिलित किया गया है ।
3. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाइबल ।
   ख. कागज के टूकडे 2-1, घायल आदमी; कतरन 2-2, पौरोहित्य ;कागज के टूकडे 2-3, लेवी; कागज के टूकडे 2-4, सामरी ।
4. किसी भी समृद्धि गतिविधियों का जिसका आप उपयोग करना चाहें, के लिए आवश्यक तैयारियाँ करें ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उसपर ध्यान दें । सप्ताह के दौरान उन्होंने किन तरीकों से बाँटा था, आप चाह सकते हैं कि वे उसके बारे में बताएं ।

यीशु ने हमें प्रत्येक के साथ उदार रहने के लिए सिखाया

ध्यान गतिविधि

बच्चों को, पाठ के आखरी में पायी जाने वाली पवित्र भूमि के मानचित्र को दिखाएं ।

- यह क्या हैं ? (एक मानचित्र)

यदि बच्चे मानचित्रों से परिचित नहीं हैं, बताएं कि एक मानचित्र एक जगह जैसे एक देश या शहर का चित्र है । लोग मानचित्रों का उपयोग उन्हें बताने के लिए करते हैं कि एक जगह से दूसरी जगह पर कैसे जाया जाता है । मानचित्र के कुछ विशिष्टताओं का संकेत करें, जैसा कि भूमि, समुद्र, और नदियाँ ।

बताएं कि यह मानचित्र उस पवित्र भूमि को दर्शाता है, जहाँ यीशु मसीह रहता था जब वह धरती पर था ।

यहूदा को संकेत करें । बताएं कि लोग जो पवित्र भूमि के इस भाग में रहते थे, वे यहूदी कहलाये जाते थे ।

सामरिया को संकेत करें । बताएं कि लोग जो सामरिया में रहते थे, वे सामरी कहलाये जाते थे ।

बताएं कि यीशु के समय के दौरान यहूदी और सामरी ना तो एक दूसरे का समझते थे और ना ही पसंद करते थे । यहूदियों को लगता था कि वे सामरियों से अच्छे हैं । यहूदी एक सामरी के घर पर खाना नहीं खाते थे या सामरियों द्वारा बनाया गया खाना नहीं खाते थे । यहूदी सामरियों को इतना नापसंद करते थे कि यदि उन्हें गलील की यात्रा करनी होती (गलील को संकेत करें), वे सामरिया के चारों तरफ से होकर जाते यद्यपि सामरिया से होकर जाना नजदीक होता था । दिखाएं कि गलील पहुँचने के लिए सामरिया से होकर जाने की बजाय उसके चारों तरफ से होकर जाना कितना दूर होता था ।

कागज के टूकडे के साथ धर्मशास्त्र कहानी

बताएं कि जब यीशु मसीह धरती पर था, वह अक्सर लोगों को अपनी शिक्षाओं को समझाने के लिए कहानियाँ कहता था । कहानियों में से एक के बारे में उसने बताया और वह है एक सामरी था ।

लूका 10:30 ... 37 में पाई जाने वाली अच्छे सामरी की कहानी बताएं । एक उपयुक्त समय पर, कतरनों को पकड़ने में आपकी सहायता के लिए कुछ बच्चों को आमंत्रित करें ।

जब आप कहानी बताएं तब निम्नलिखित संकेतों पर जोर दें:

1. घायल आदमी यरूशलेम से यरीहो की यात्रा कर रहा था (मानचित्र पर दो शहरों को संकेत करें)

2. सहायता के लिए बिना रूके जो पहला आदमी वहाँ से गुजरा, वह एक यहूदी याजक था । याजक मन्दिर में काम करते हैं और सोचा जाता था कि वे नेक और पवित्र आदमी होते थे।

3. बिना सहायता किये जो दूसरा आदमी वहाँ से गुजरा, वह एक लेवी था । लेवी भी मंदिर में काम हैं और यहूदी धर्म में महत्वपूर्ण होता हैं ।

4. तीसरा आदमी एक सामरी था । वह घायल आदमी की सहायता के लिए रूक गया था ।

बताएं कि क्योंकि सामरी आदमी बहुत उदार था, वह अच्छा सामरी कहलाया ।

बच्चों को कागज के टूकडे को आपको वापस करने दें ।

नाटकीय गतिविधि

कुछ बच्चों को अच्छे सामरी की कहानी का नाटक करने दें, या निम्नलिखित को करते हुए बच्चों को ''यरीहो तक मेरा अनुसरण करो'' खेलने दें ।

एक बच्चे को फर्श पर लेटने या कुर्सी पर बैठने दें यह दिखाते हुए कि वह घायल है । आप और अन्य बच्चे यरीहो के सड़क पर यात्रा करते हुए दिखाएं । बच्चों को आपका अमुसरण करने दें जैसा आप करते हैं ।

पहले याजक को सड़क के किनारे से जाते हुए दिखाएं । कमरे के आस-पास चलना आरंभ करें । अचानक आप देखते हैं कि कोई सड़क के किनारे लेटा हुआ है । वह बुरी तरह से घायल है ।

- याजक ने क्या किया था?

सड़क के दूसरे किनारे जाएं, सूचित करते हुए कि आप घायल आदमी की सहायता नहीं करेंगे ।

फिर यह दिखाएं कि आप लेवी हैं । कमरे के आस-पास चलें । आप किसी को सड़क के बगल में लेटा हुआ देखते हैं । उसके कपड़े चोरी हो गए हैं, और वह बुरी तरह घायल है ।

- लेवी ने क्या किया था?

रूकें और घायल व्यक्ति के तरफ देखें । फिर बिना उसकी सहायता किए अपनी यात्रा जारी रखें ।

अब दिखाएं कि आप सामरी हैं । कमरे के आस-पास चलें । आप सड़क के किनारे किसी को बुरी तरह घायल लेटा हुआ देखते हैं ।

- सामरी ने क्या किया था?

सामरी के उदार कार्यों का नाटक करें । (अगर आपकी कक्षा बड़ी है, सेवकाई के अलग अलग मूकाभिनय को करने के लिए, आप बच्चों को नियुक्त करना चाहें) । आदमी के घावों को साफ करते हुए दिखाएं, उसे सवारी पर रखें, उसे एक सराय ले जाएं, और आदमी के किसी भी आवश्यकता के लिए सराय के मालिक को भुगतान करने का वादा करें ।

बच्चों को बताएं कि अब उन्होंने उस घायल आदमी की सहायता की है, वे अपनी जगहों पर जाएं । फिर उन्हें नीचे बैठकर उनके हाथों को चुपचाप उनके पैरों पर रखने दें ।

चर्चा

- कौन सा आदमी उदार था ?
- कौन से आदमी ने वह किया जो उद्धारक चाहता था कि वह करे ?

बताएं कि यीशु के कहानी बताने के पश्चात, उसने कहा कि हमें वही करना चाहिए जो अच्छे सामरी ने किया और प्रत्येक के लिए उदार होना चाहिए ।

हम दूसरों के साथ उदारपूर्ण रह सकते हैं

बताएं कि प्रत्येक के साथ उदार रहना हमेशा आसान नहीं होता, खासकर यदि जब कोई हमें बुरा महसूस कराता है या हमारे साथ अदयालुता का व्यवहार करता है ।

कहानी

अपने स्वयं के शब्दों में, एक लड़की के बारे में निम्नलिखित कहानी बताएं जिसने एक महान पाठ सीखा जब दूसरे बच्चे ने उसके साथ अदयालुता का व्यवहार किया था । उसकी परेशानी के समाधान के लिए बच्चों से सुनने को कहें ।

लुईसा और टोड दोस्त थे और एक साथ खेलने का आनन्द उठाते थे । एक दोपहर को, किसी भी तरह, वे एक बहस में पड़ गए । लुईसा ने टोड को एक नाम से बुलाया और टोड ने लुईसा को नीचे धकेल दिया । जब वह रोने लगी, उसने उसे चिढ़ाया ।

- अगर आप लुईसा होते तो क्या करते ?

लुईसा अपने पिता को ढूंढने गयी । वह जानती थी कि वे उसकी सहायता करेंगे । लुईसा ने अपने पिता को बताया कि कैसे टोड ने उसे नीचे धकेल दिया और कैसे उसके प्रति मतलबी था । उसने अपने पिता से बाहर जाने और टोड को सजा देने के लिए कहा ।

लुईसा के पिता ने उससे कहा कि शायद टोड को सजा देना अच्छा करना नहीं होगा । इसकी बजाय उन्होंने लुईसा से कहा कि वह रसोईघर मे जाए और दो डबलरोटियों के टुकड़ों पर कुछ जैम लगा लाए । फिर उन्होंने उससे एक डबलरोटी के टुकड़े को टोड को देने के लिए कहा । लुईसा के पिता ने कहा कि अगर वह ऐसा करता है उसके पास एक दुश्मन की जगह एक दोस्त होगा ।

लुईसा ने वैसा ही किया जैसा उसके पिता ने कहा । जब वह बाहर गई और डबलरोटी और जैम को टोड को देना चाहा, उसने कुछ क्षण के लिए उसकी तरफ देखा और फिर उपहार ले लिया । टोड और लुईसा एक दूसरे के लिए मुस्कुराये और अपने डबलरोटी और जैम का आनन्द लेने के लिए बैठ गए । वे फिर से दोस्त थे (Adapted from Lucile C. Reading, "A Piece of Bread and Jam," Children's Friend, अप्रैल 1967, पृ. 13)।

चर्चा

- लुईसा, गिराने के पश्चात टोड का क्या करना चाहती थी ?
- हमारी प्रथम प्रतिक्रिया क्या होती जब कोई हमारे साथ निर्दयता दिखाता है?
- क्या हुआ जब लुईसा ने टोड के प्रति दयालुता दिखाई ?
- अगर लुईसा ने टोड के प्रति दयालुता नहीं दिखाई होती तब क्या हुआ होता ?

बच्चों को याद दिलाएं कि यहूदा चाहता है कि यदि हमारे साथ दूसरे लोग उदार नहीं है तब भी हमें उदार होना चाहिए ।

धर्मशास्त्र

बाईबल दिखाएं और यूहन्ना 15:12 जोर से पढ़ें । बताएं कि ये यीशु मसीह के शब्द हैं । उसने हमें एक दूसरे से प्रेम करने की आज्ञा दी है । जब हम एक दूसरे के प्रति उदार होते हैं, हम अपना प्रेम दिखाते हैं ।

गीत

बच्चों के साथ ''यीशु ने कहा सबसे प्रेम करो'' के शब्दों को गाएं या कहें । बताएं कि यह गीत हमें उदार होने के लिए याद दिला सकता है और वह करने के लिए जो यीशु हमसे करवायेगा ।

चर्चा

कुछ परिस्थितियों का वर्णन करें जिसमें बच्चे उदार होना चुन सकेंगे, और बच्चों से पूछें कि वे प्रत्येक परिस्थिति में क्या करेंगे ? उन्हें गीत के शब्दों को सोचने के लिए याद कराएं यदि उन्हें कैसे करना है, को निश्चित करने में सहायता की आवश्यकता है । निम्नलिखित परिस्थितियों का उपयोग करें या अपने स्वयं का कुछ बनाएंः

1. जैसे आप सड़क पर चलते हैं, आप देखते हैं कि कोई साईकिल से घायल हो गया है । जैसे आप पास में जाते हैं, आप देखते हैं कि यह वही लड़का है जो आपको हमेशा छेड़ता रहता था । उसका पैर साईकिल के चेन में फंस गया है । बिना सहायता के वह हिल नहीं सकता ।
   - लड़के के प्रति उदार होने के लिए आप क्या करेंगे ?
2. अगले सप्ताह में आपने अपने जन्मदिन के लिए एक विशेष समारोह की योजना बनाई है । और आप केवल एक को छोड़कर अपने पड़ोस के सारे बच्चों को आमंत्रित करना चाहते हैं । वह पड़ोस में नयी है । वह कभी मुस्कुराती नहीं है और उसे उनके साथ खेलने में ज्यादा आनन्द नहीं होता है ।
   - इस लड़की के प्रति उदार होने के लिए आप क्या करेंगे ?
3. अपने दोस्तों के साथ खेलते समय आप गिर गये । आपके दोस्तों मे से एक ने आपको अनाड़ी कहा और आप पर हँसा । अब आपका दोस्त गिर गया और रोने लगा ।
   - अपने दोस्त के प्रति उदार होने के लिए आप क्या करेंगे ?
4. विद्यालय पर आपकी कक्षा में, एक लड़का बैसाखी लेकर चलता था । जब सारे बच्चे खेलने के लिए बाहर जाते थे, वह पीछ रह जाता क्योंकि वह धीरे धीरे चलता था । वह अक्सर ही अपने आप बैठ जाता था प्रत्येक को गेंद खेलते हुए देखने के लिए ।
   - इस लड़के के प्रति उदार होने के लिए आप क्या करेंगे ?

सारांश

समीक्षा

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देने के द्वारा बच्चों को पाठ की समीक्षा करने दें ।

- हमने आज के पाठ से क्या सीखा है ?

- उदार होने के लिए क्या महत्वपूर्ण है ?
- जब हम उदारता दिखाते हैं, हम किसके उदाहरण का अनुसरण करते हैं ।

धर्मशास्त्र

यूहन्ना 13:34 ... 35 जोर से पढ़ें । बच्चों को बताएं कि जब हम दूसरों को प्रेम करते हैं और उनके प्रति उदार होते हैं, हम दिखाते हैं कि हम यीशु मसीह के चेले (अनुसरण करने वाले) हैं ।

गवाही

बच्चों को गवाही दें कि यीशु मसीह चाहता है कि हम उदार होने के द्वारा दूसरों के प्रति प्रेम दिखाएं । बच्चों को याद दिलाएं कि हमें प्रत्येक के प्रति उदार होना चाहिए, यहाँ तक कि उनके प्रति भी जो हमेशा हमारे साथ उदारतापूर्ण व्यवहार नहीं करते हैं । उदारता को चुनने के द्वारा, यीशु के अनुसरण के महत्व के बारे में अपनी गवाही दें ।

अगले सप्ताह में दूसरों के प्रति उदार होने के लिए, बच्चों को एक विशेष प्रयास करने में उत्साहित करें । बच्चों को ''यीशु ने कहा सबसे प्रेम करो'', गीत के शब्दों को सोचने के लिए याद कराएं जब उन्हें किसी के साथ कैसा व्यवहार करना है, याद रखने की आवश्यकता है । उन्हें ध्यान देने के लिए कहें कि जब वे उदार होने को चुनते हैं तब क्या होता है । सुझाव दें कि अगले सप्ताह, वे अपने अनुभवों के बारे मे बताने के लिए तैयार होकर आएं ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश की तरह भी । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें ।

1. बच्चों को कागज और रंग या पेन्सिल दें और उन्हें उन तरीकों का चित्र बनाने दें जो उदार होने के द्वारा दूसरों के प्रति प्रेम दिखाता हो । मैं दूसरों के प्रति उदार हो सकता हूँ , के शब्दों का पर्चा प्रत्येक बच्चे के चित्र पर लगाएं ।

2. ''उदारता की शुरूआत मुझसे है'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 145) के शब्दों को गाने या कहने में बच्चों की सहायता करें ।

   प्रत्येक के प्रति मैं उदार होना चाहता हूँ,
   क्योंकि सही है वह , तुम देखो ।
   इसलिए मैं अपने आप से कहता हूँ, ''इसे याद रखोः
   उदारता की शुरूआत मुझसे है''

   बच्चों की सोचने में सहायता करें कि वे उनके प्रति (जैसे कि पारिवारिक सदस्यों, दोस्तों, या सहपाठियों) उदार रहेंगे, और वे तरीके जिनसे उन व्यक्तियों के प्रति उदारता दिखा सकते हैं । उनके प्रति उदार होना जो हमारे प्रति उदार नहीं हैं या जो हमसे अलग हैं, के महत्व को समझने में बच्चों की सहायता करें ।

3. ''उदारता है एक विशेष उपहार'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 145) के शब्दों को बच्चों के साथ गाएं या कहें ।

   उदारता है एक विशेष उपहार ।
   ऐसा आनन्द लाता है यह;
   जब मैं दूसरों के लिए होता हूँ उदार ,
   हृदय मेरा गाता है गीत ।

   गीत के शब्दों को गाने या कहने के पश्चात, प्रत्येक बच्चे की उँगली या कलाई पर धागे या ऊन के एक टुकड़े को बाँधें । बच्चों को बताएं कि धागा हमेशा उनको प्रत्येक के प्रति उदार रहना याद दिलाता है, और सुझाव दें कि जो धागा या ऊन उन्होंने बाँधा है, वह बाकी के प्राथमिक के लिए है ।

पवित्र भूमि

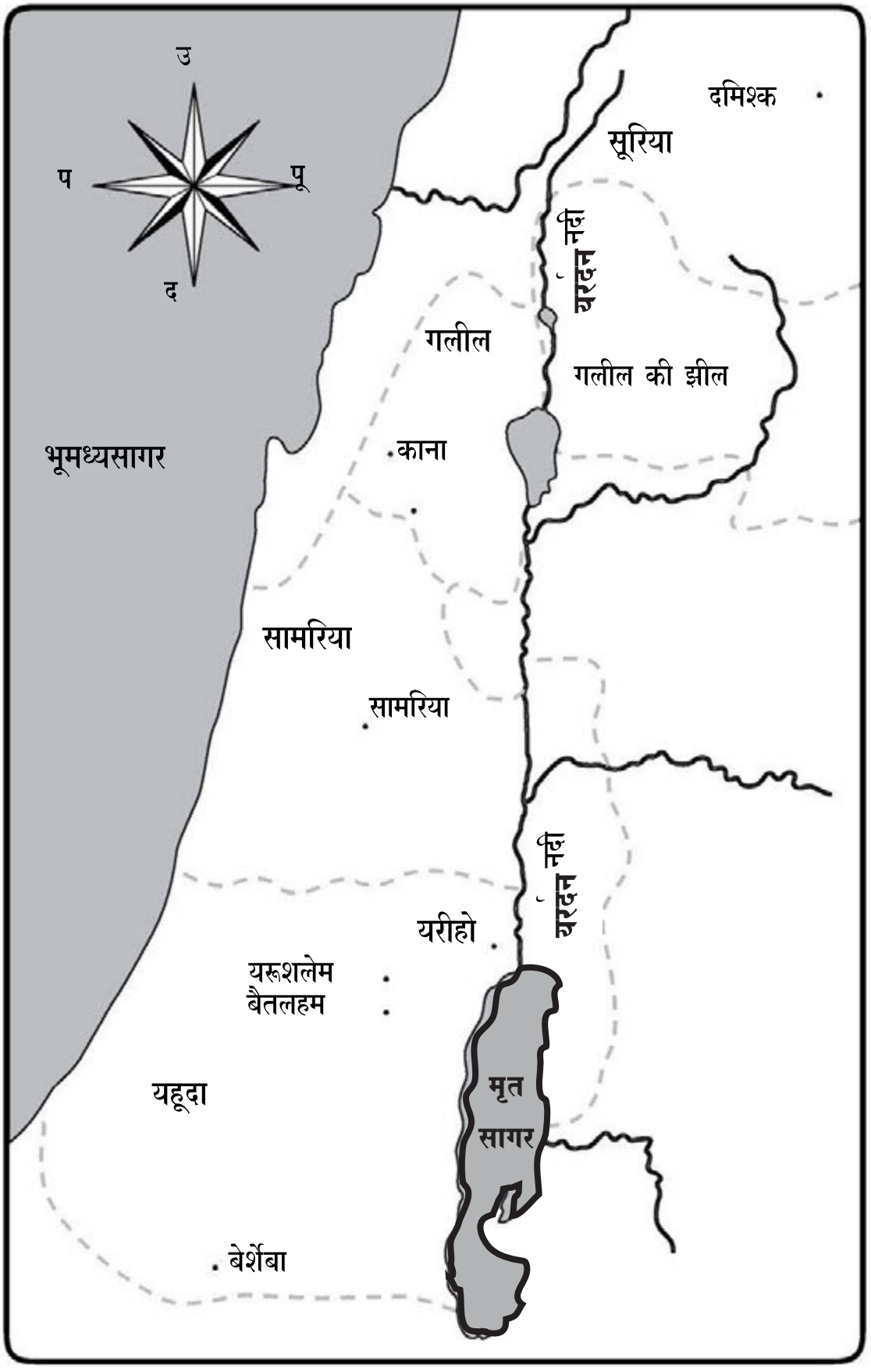
उ
प
पू
द
दमिश्क
सूरिया
यरदन नदी
गलील
गलील की झील
भूमध्यसागर
काना
सामरिया
सामरिया
यरदन नदी
यरीहो
यरूशलेम
बैतलहम
मृत सागर
यहूदा
बेर्शेबा

मैं एक अच्छा उदाहरण हो सकता हूँ

पाठ
29

उद्देश्य

यीशु मसीह के अनुयाइयों की तरह बच्चों को उनके प्रकाशों को प्रकाशित करने के लिए प्रोत्साहित करना ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मत्ती 5:14 ... 16 का अध्ययन करें ।

2. पाठ के अंत में नमूनो का उपयोग करते हुए, कागज की चार मोमबत्तियों और चार टोकरियों की नकल करें और काटें । कागज की मोमबत्तियों पर निम्नलिखित नामों को लिखेः

   सुजन

   जोस

   एरीक और पीटर

   ?

   कक्षा के आरंभ होने से पहले, नाम के साथ तीन मोमबत्तियों को दिखाएं और प्रत्येक को कागज की टोकरियों से ढँक दें । चौथी मोमबत्ती को बचाकर रखें (''?'') और टोकरी को बाद में उपयोग करने के लिए ।

3. प्रत्येक बच्चे के लिए मोमबत्ती के नमूने का उपयोग करते हुए एक कागज की मोमबत्ती बनाएं ।

4. ''सही रास्ते का चुनाव करो'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 160) और ''सूर्य किरण के लिए यीशु चाहता है मुझे'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 60) के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें । इन गीतों के शब्दों को पुस्तिका के पीछे सम्मिलित किया गया है ।

5. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाइबल ।
   ख. एक मोमबत्ती और एक मोमबत्तीदान या धारक ।
   ग. एक टोकरी या सन्दूक जो पूरी तरह से मोमबत्ती को ढक देगा ।
   घ. स.चू का पर्चा (देखें पाठ 1) ।
   च. पेन्सिल या रंग

6. किसी भी समृद्धि गतिविधियों का जिसका आप उपयोग करना चाहें, के लिए आवश्यक तैयारियाँ करें ।

सूचनाः मोमबत्ती को न जलाएं जिसका उपयोग आप पाठ के दौरान करते हैं । सभाघर में मोमबत्तीयों को जलाना गिरजाघर के नियम के खिलाफ है ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उसपर ध्यान दें । आप चाहेंगे कि वे उदारता दिखाते हुए अपने अनुभवों को बाँटें । जब आप बच्चों से बात करते हैं, फुसफुसायें ।

यीशु मसीह ने सीखाया कि ''अपने ज्योति का चमकने होने दो''

ध्यान गतिविधि

बच्चों को फुसफुसाना जारी रखें, के बारे में पूछते हुए कि इस सप्ताह उन्होंने क्या किया या प्राथमिक के बारे में उन्हें क्या अच्छा लगता है, जब तक कि कुछ बच्चे वापस फुसफुसाना आरंभ न करें । कुछ मिनटों के पश्चात, बताएं कि आप अनुभव के उस भाग को फुसफुसाते हुए दिखा रहे थे कि लोग अक्सर वही करते हैं जो उनके आस-पास के लोग करते हैं । संकेत करें कि बच्चों ने फुसफुसाना आरंभ किया था क्योंकि आप उनके लिए फुसफुसा रहे थे । उन्होंने आप के उदाहरण का अनुसरण किया था ।

बच्चों को बताएं कि बिल्कुल उसी तरह जिस तरह उन्होंने आपके उदाहरण का अनुसरण किया था, उनके दोस्त अक्सर उनके उदाहरणों का अनुसरण करते हैं । यीशु मसीह चाहता है कि हम अच्छा उदाहरण बनें ।

• एक अच्छे उदाहरण का क्या मतलब होता है ?

बताएं कि हमारे दोस्त अक्सर वही करेंगे जो वह हमें करता हुआ देखते हैं । अगर वह हमें अच्छी चीजों को करते हुए या सही चुनते हुए देखेंगे, उनके लिए भी सही को चुनना आसान होगा ।

पहेली

निम्नलिखित पहेली को सुलझाने के लिए बच्चों को आमंत्रित करें:
बना हूँ मैं मोम का ।
अन्दर है मेरे एक बत्ती ।
प्रकाश देना है उद्देश्य मेरा ।
जला सकता है मुझे एक माचिस ।
क्या हूँ मैं ?

बच्चों को पहेली को सुलझाने के पश्चात, जो मोमबत्ती आप लाएं हैं उसे दिखाएं और चर्चा करें कि मोमबत्तियों का उपयोग किसलिए होता है ।

धर्मशास्त्र कहानी

बताएं कि जब यीशु मसीह धरती पर रहता था, उस समय बिजली वाली बत्तियाँ नहीं थीं । सूर्यास्त होने के पश्चात अंधेरा होने पर, लोग कभी कभी अपने घरों में मोमबत्तियाँ जलाते थे ताकि उन्हें देखने के लिए प्रकाश मिल सके ।

बच्चों को बताएं कि एक दिन यीशु अपने चेलों को दूसरों के लिए अच्छा उदाहरण बनने के बारे पाठ पढ़ा रहा था (देखें मत्ती 5:14 ... 16) । चेलों की समझने में सहायता के लिए कि कैसे उनके कार्य दूसरों की सहायता कर सकते हैं, यीशु ने कार्यों की तुलना एक मोमबत्ती के प्रकाश से किया, जैसा कि मत्ती 5:15 में पाया जाता है ।

वस्तु पाठ

मोमबत्ती को एक टोकरी या संदूक के नीचे रखें ।

• क्या होगा अगर अंधेरा हो जाये और हम मोमबत्ती को जलाएं परन्तु तभी उसे एक टोकरी (संदूक) से ढक दें ? (कोई भी प्रकाश नहीं देख सकता है) ।

टोकरी या संदूक को हटाएं और मोमबत्ती को एक मोमबत्तीदान में रखें ।

• क्या होगा अगर अंधेरा हो और हम मोमबत्ती को मोमबत्तीदान में रखें और फिर मोमबत्ती को जलाएं ? (मोमबत्ती से कमरे में प्रकाश हो जाएगा, और हर कोई प्रकाश देख सकेगा) ।

बताएं कि यीशु चाहता था कि उसके चेले मोमबत्ती की तरह बनें और दूसरों को प्रकाश दें । यदि चेले यीशु की शिक्षाओं का अनुसरण करते और अच्छा उदाहरण बनते, दूसरे लोग तब देखेंगे कि उन्हें क्या करना चाहिए ।

चर्चा

मत्ती 5:16 से, जोर से पढ़ें कि यीशु ने अपने चेलों से क्या कहा था । बताएं कि यीशु हमसे चाहता है कि हम इस निर्देशन का भी अनुसरण करें ।

• इस धर्मशास्त्र में अपने ज्योति को इतना चमकने दो, का क्या अर्थ है ? (एक अच्छा उदाहरण बनें) ।

• क्या हो सकता है जब हम अपने दोस्तों और जो हमारे आस-पास हैं, के लिए अच्छा उदाहरण बनेंगे ?

बच्चे अच्छा उदाहरण हो सकते हैं

बच्चों को बताएं कि दूसरों के लिए अच्छा उदाहरण होने के द्धारा, हम सभी अपने प्रकाशों को प्रकाशित करने के लिए यीशु मसीह के निर्देशन का अनुसरण कर सकते हैं । जब हम यीशु के अनुसरण को चुनते हैं, दूसरे लोग हमें देखने के द्वारा उसके बारे में सीख सकते हैं ।

एक बच्चे से, कागज की टोकरी जो मोमबत्ती को ढके हुए है, को हटाने के द्वारा कागज की मोमबत्ती को खोलने के लिए कहें । फिर वह कहानी बताएं जो मोमबत्ती की तरह है । अन्य दो कहानियों को बताते हुए दूसरी दो टोकरियों और मोमबत्तियों के साथ दोहराएं ।

सुजन के बारे में कहानी

अपनी दोस्त केरोलिन के जन्मदिन समारोह पर सुजन आमंत्रित थी । समारोह पर जाने के लिए सुजन उत्साहित थी और उसे यकीन था कि वह एक बहुत अच्छा समय बिता सकेगी । कैसे भी जब वह घर आई, वह उतनी उत्साहित नहीं लग रही थी जितनी जाते समय थी । सुजन की माँ ने पूछा कि समारोह कैसा था ।

सुजन ने बताया कि समारोह में बर्फ वाली चाय परोसी गई । केरोलिन की माँ ने कहा था कि यह उसी तरह का समारोह है जैसे कि बड़ों का होता है ।

• आपके विचार से सुजन ने क्या किया जब उसे कुछ चाय परोसी गई ?

सुजन ने केरोलिन की माँ को बताया कि वह चाय नहीं पीती और बताया कि उसे उसके अभिभावकों और प्राथमिक शिक्षकों द्वारा सिखाया गया है कि चाय उसके शरीर के लिए अच्छा नहीं है ।

सुजन की माँ ने सुजन के चाय न पीने पर गर्व किया । उसने बताया कि केरोलिन और उसकी माँ गिरजाघर की सदस्या नहीं हैं और उन्हीं चीजों पर विश्वास नहीं करतीं जिस पर सुजन का परिवार करता है ।

कुछ महीने पश्चात सुजन और उसकी माँ ने केरोलिन की माँ की ओर से एक पत्र प्राप्त किया । केरोलिन की माँ ने बताया था कि समारोह में सुजन के उसी बात पर जिसपर वह विश्वास करती थी, स्थिर रहने के पश्चात, केरोलिन के परिवार ने गिरजाघर के बारे में और अधिक जानने का निश्चय किया । वे प्रचारको द्वारा शिक्षित किए गए । केरोलिन की माँ ने कहा कि वह आशा करती है कि वह किसी और के लिए एक अच्छा उदाहरण बन सकेगी जैसा कि सुजन उसके लिए थी ।

• सुजन ने अपनी ज्योति को कैसे चमकने दिया ?

जोस के बारे में कहानी

जोस और उसका परिवार हाल ही में एक नये पड़ोस में रहने गया था । जोस का पहला नया दोस्त एक लड़का था जिसका नाम पाओलो था, जो गिरजाघर का सदस्य नहीं था । जोस और पाओलो, दोनों फुटबॉल पसंद करते थे । एक दिन पाओलो ने जोस को अगले रविवार फुटबॉल का खेल खेलने के लिए आमंत्रित किया । जोस जानता था कि रविवार को फुटबॉल का खेल खेलने के लिए उसे नहीं जाना चाहिए, परन्तु वह परेशान था कि यदि वह नहीं गया, पाओलो के अहसास को ठेस लग सकती है ।

• आप क्या करते यदि आप जोस होते ?

जोस ने फुटबॉल के खेल की बजाय गिरजाघर जाना निश्चय किया, और उसने उसके साथ गिरजाघर जाने के लिए पाओलो को आमंत्रित किया । जोस के साथ गिरजाघर जाने के लिए पाओलो मान गया ।

• जोस एक अच्छा उदाहरण कैसे था ?

एरीक और पीटर के बारे में कहानी

हॉलैंड में एक दिन, एक औरत कुछ प्रचारकों से मिलने आई । उसने बहनों से उसे प्रार्थना करने के लिए सिखाने को कहा । औरत ने बताया कि उसके बेटे, एरीक और पीटर प्राथमिक में उपस्थिति रहते आए हैं और बहुत पसंद करते हैं । प्राथमिक में उन्होंने प्रार्थना करना सीखा ।

औरत ने बताया कि कुछ दिन पहले उसकी बेटी बहुत बीमार थी । कुछ मिनटों के लिए वह कमरे से बाहर गई, और जब वापस आई तो एरीक और पीटर बच्ची के बिस्तर के पास घुटनों पर थे । पीटर स्वर्गीय पिता से बच्ची को आशीषित करने के लिए पूछ रहा था और उसे अच्छा करने के लिए । माँ खुश थी कि उसके बेटों ने प्राथमिक में प्रार्थना करना सीखा था और चाहती थी कि प्रचारक उसे भी प्रार्थना करना सीखायें । प्रचारकों ने औरत को प्रार्थना करना सीखाया । वे खुश थे कि एरीक और पीटर अपनी माँ के लिए अच्छे उदाहरण थे ।

• एरीक और पीटर ने अपनी ज्योति को कैसे चमकने दिया था?

बच्चे की भागीदारी

जब आप सारी कहानियाँ बता चुके हों, कागज की टोकरी से ढकी हुई ''?'' मोमबत्ती, दिखाएं । एक बच्चे से टोकरी हटाने के लिए कहें । बताएं कि मोमबत्ती पर ''?'', बच्चों में से कोई भी जो एक अच्छा उदाहरण रहा हो, को दर्शाता है । बच्चों को उन समयों के बारे मे बताने के लिए आमंत्रित करें जब वे अच्छा उदाहरण रहे हों ।

हम अपनी ज्योति को चमकने दे सकते हैं

धर्मशास्त्र

मत्ती 5:16 को फिर से जोर से पढ़ें । बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु हमें एक अच्छा उदाहरण बनने के लिए कहता है । अपनी ज्योति को चमकने के द्वारा अच्छे उदाहरण बनने के महत्व पर जोर दें । संकेत करें कि अंतिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर के सदस्य होने के नाते, हमें यीशु मसीह की शिक्षाओं का अनुसरण करना चाहिए और यीशु की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए दूसरों की सहायता करनी चाहिए ।

गीत

बच्चों के साथ ''सूर्य किरण के लिए यीशु चाहता है मुझे'' के शब्दों को गाएं या कहें । उन्हें समझने में सहायता करें कि यीशु के लिए ''सूर्य किरण'' बनने का मतलब है अपने प्रकाशों को प्रकाशित होने देना, जैसा कि धर्मशास्त्र कहता है ।

गतिविधि

बच्चों को बताएं कि आप कुछ परिस्थितियों का वर्णन करने जा रहे हैं और प्रत्येक परिस्थिति में उन्हें दो चुनाव करने दें । बच्चों से प्रत्येक चुनाव को ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें । अगर चुनाव अच्छा है तो प्रत्येक बच्चे को हवा में ऊँचे, अपने मोमबत्तीदानों की मोमबत्तियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक उँगली पकड़नी चाहिए । अगर चुनाव अच्छा नहीं है तो प्रत्येक को अपने दूसरे हाथ से उँगली को ढक लेना चाहिए, पैमाने के अन्दर बत्तियों को छुपाने का प्रतिनिधित्व करते हुए । प्रत्येक परिस्थिति के पश्चात, चर्चा करें कि कौन सा चुनाव अच्छा है और क्यों यह हमारे प्रकाशों को प्रकाशित होने देने का एक उदाहरण है ।

निम्नलिखित परिस्थितियों को उपयोग करें या अपने स्वयं का कुछ बनाएंः

1. पड़ोस में अपने कुछ दोस्तों के साथ सारी सुबह आप खेलते रहे और बहुत ज्यादा आनन्द उठाया । दोपहर के खाने के पश्चात सड़क के उस पार एक लड़की जो परिवार में मिलने आई है, बाहर आती है और ऐसा लगता है कि वह आपके साथ खेलना चाहती है । आप क्या करेंगे ?

   क. जबकि आप और आपके दोस्त लड़की को नहीं जानते हैं और वह नहीं जानती कि आप क्या खेल रहें हैं, आप अपने साथ खेलने के लिए उसे आमंत्रित नहीं करते हैं ।
   ख. आप ने अपने दोस्तों से कहा", ''चलो उस लड़की को अपने साथ आकर खेलने के लिए आमंत्रित करें। वह ऐसे दिखाई दे रही है जैसे वह खेलना चाहती हो'' ।

2. आप अपने दोस्तों के साथ गेंद खेल रहे हैं । आप गेंद को जोर से मारते हैं, और वह आपके पड़ोसी की खिड़की पर लगती है और उस पर दरार पड जाती है । आप क्या करेंगे ?

   क. अपने पड़ोसी को आप बताएं कि आप गेंद खेल रहे थे और आपने गेंद को इतने जोर से मारा कि वह खिड़की पर जा लगी और उस पर दरार पड गई। आप बताएं कि आप उसके लिए क्षमा चाहते हैं और टुटी हुई खिड़की के लिए भुगतान करने का प्रस्ताव रखें ।
   ख. आप जाकर टुटी हुई खिड़की को देखें, जबकि वह बुरी तरह से टुटा नहीं है, आप अपने दोस्तों को बताएं कि कोई कभी भी ध्यान नहीं देगा । आप गेंद खेलना जारी रखते हैं और अधिक ध्यानपूर्वक रहने की कोशिश करते हैं ।

3. आप दोपहर के खाने के लिए पंक्ति में इंतजार कर रहे हैं (या अपने प्राथमिक कक्षा में जाने के लिए इंतजार कर रहे हैं) । कुछ बच्चे पक्ति में बेचैन हो जाते हैं और खेलना शुरू कर देते हैं । आपके पीछे का बच्चा आपको धक्का देता है । आप क्या करेंगे ?

   क. किसी को धक्का दिये बिना पंक्ति में खड़ा रहें ।
   ख. उस व्यक्ति को धक्का दे जिसने आपको धक्का दिया था ।

बच्चों को याद दिलाएं कि सही का चुनाव करने के द्वारा एक अच्छा उदाहरण बनना कैसे महत्वपूर्ण है ।

सारांश

स.चु. सारणी

स.चु. सारणी को संकेत करें और बच्चों को याद दिलाएं कि अगर हम उद्धारक की शिक्षाओं का अनुसरण करते हैं, हम सही का चुनाव करेंगे ।

बच्चों को दूसरों के लिए एक अच्छा उदाहरण बनने को प्रोत्साहित करें, बिल्कुल वैसे ही जैसा सुजन, जोस, और एरीक और पीटर अच्छे उदाहरण थे ।

मोमबत्ती गतिविधि

प्रत्येक बच्चे को एक कागज की मोमबत्ती दें । उनकी मोमबत्तियों पर उनके नाम लिखें या बच्चों को लिखने दें ।

बच्चों की, तरीकों को सोचने में सहायता करें जिससे वे घर, विद्यालय, और गिरजाघर में एक अच्छा उदाहरण होने के द्वारा अपने ज्योतियों को प्रकाशित कर सकें ।

प्रत्येक बच्चे को एक तरीका बताने दें जिससे इस सप्ताह वह एक अच्छा उदाहरण बनेगा या बनेगी ।

अच्छे उदाहरणों के द्वारा उनके ज्योति को प्रकाशित होने में याद दिलाने के लिए, बच्चों को उनकी मोमबत्तियों को घर ले जाने दें ।

गवाही

बच्चों को, एक अच्छा उदाहरण होने के महत्व पर गवाही दें । आप एक व्यक्तिगत अनुभव बाँटना चाहेंगे जब आप एक अच्छे उदाहरण थे या किसी और के उदाहरण ने आपको यीशु मसीह के बारे में जानने में सहायता किया था ।

गीत

बच्चों के साथ ''सही रास्ते का चुनाव करो'' के शब्दों को गाएं या कहें ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें और बच्चों को दूसरों के लिए अच्छा उदाहरण बनने में सहायता के लिए स्वर्गीय पिता से पूछने को कहें ।

जब बच्चे आपकी कक्षा से जाएं, उन्हें आमंत्रित करें कि वे अपनी कागज की मोमबत्तियों को अपने आगे पकड़े धीरे से बाहर जाएं । (अगर कक्षा से बच्चों को ले जाने के लिए वह किसी का इंतजार कर रहे हो, उन्हें आमंत्रित करें कि वे अपनी मोमबत्तियों को उन्हें ले जाने वाले व्यक्ति को दिखाएं ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा का समय'' देखें ।

1. बच्चों ने जो खण्ड ''हम अपने ज्योति को प्रकाशित होने दे सकते हैं '' में चर्चा किया था, परिस्थितियों के लिए अच्छे समाधानों पर कार्य करने दें । बच्चे सुजन, जोस, और एरीक और पीटर की कहानियों की भूमिका निभा सकते हैं ।

2. ''वैसा करो जैसा मैं करूँ '' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 276) के शब्दों का गाएं या कहें । इस गीत के शब्दों को पुस्तक के पीछे सम्मिलित किया गया है । बच्चों को, दूसरे बच्चों को नकल उतारने के लिए एक काम को प्रदर्शन करने के द्धारा गीत के नेतृत्व को बारी बारी से करने दें ।

   या बच्चों को, मार्गदर्शक बनने के लिए प्रत्येक बच्चे को बारी देते हुए ''मार्गदर्शक का अनुसरण करो'' का नाटक करने दें ।

   संकेत करें कि इस गीत या खेल में हर कोई मार्गदर्शक के उदाहरण का अनुसरण करता है । बच्चों को याद दिलाएं कि जब वे सही का चुनाव करते हैं, वे अपने आस पास के लोगों के लिए अच्छे उदाहरण होते हैं ।

3. ''प्रकाशवान हो'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 144) के शब्दों को गाएं या कहें ।
   मेरा प्रकाश तो है लेकिन थोड़ा,
   विश्वास और प्रार्थना का मेरा प्रकाश;
   परन्तु देखो, यह परमेश्वर के महान सूर्य की तरह चमकता है,
   जिसे वहाँ पर जलाया गया था ।

   कोरसः
   प्रकाशवान हो, प्रकाशवान हो, चमक और साफ की तरह प्रकाशवान हो;
   प्रकाशवान हो, प्रकाशवान हो अब दिन यहाँ है ।

   मैं अपने छोटे से प्रकाश को छुपा नहीं सकता;
   ऐसा प्रभु ने कहा मुझसे ।
   रखने को रोशनी में दिया यह मुझको,
   इसे सभी दमकता हुए देखें ।

   कोरस

   एक बच्चे से समीक्षा प्रश्न पूछें, फुसफुसाते हुए जैसा आपने ध्यान गतिविधि में किया था । बच्चों को फुसफुसाहट में ही जवाब देने दें । सुनने और ध्यानपूर्वक सोचने के लिए उनकी प्रशंसा करें ।

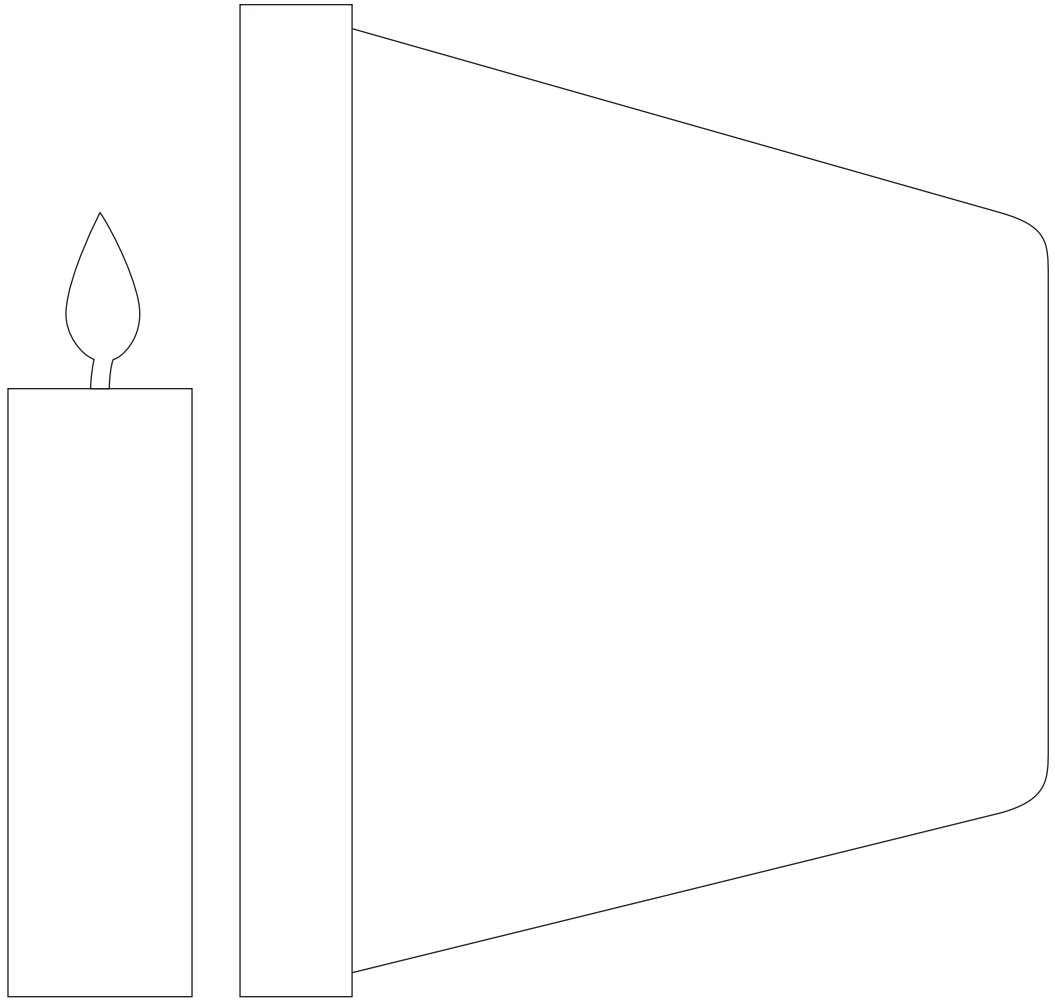

मैं आज्ञाकारी हो सकता हूँ

पाठ
30

उद्धेश्य

प्रत्येक बच्चे को आज्ञाकारी होने के द्वारा यीशु मसीह के उदाहरण का अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित करना ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक निर्गमन 20:12, मत्ती 26:36 ... 46, यूहन्ना 8:28 ... 29 और कुलुस्सियों 3:20 का अध्ययन करें, सुसमाचार सिद्धांत (31110), अध्याय 35 को भी देखें ।

2. निम्नलिखित शब्दपट्टी बनाएंः

आज्ञाकारी

3. प्रत्येक बच्चे के लिए एक कागज के बिल्ले पर मैं आज्ञापालन कर सकता हूँ लिखें । प्रत्येक बच्चे के कुर्ते या कपड़े पर बिल्ले को लगाने के लिए टेप या पीन लाएं , या बच्चों की गर्दन के आप पास बिल्ले को लटकाने के लिए ऊन लाएं ।

4. ''जल्दी ही मैं आज्ञापालन करूँगा'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 197) के तीनों आयतों के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें । इस गीत के शब्दों को पुस्तिक के पीछे सम्मिलित किया गया है ।

5. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाइबल ।
   ख. चित्र 2-51, हंसिनी अपने बच्चों के साथ; चित्र २-५२, गतसमनी में यीशु प्रार्थना करता हुआ (सुसमाचार कला चित्र किट 227:62175) ।

6. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

बड़े बच्चों के शिक्षकों के लिए सूचनाः आप समृद्धि गतिविधि 1 का उपयोग करना चाहें जैसा कि ध्यान गतिविधि ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उसपर ध्यान दें । आप चाहेंगे कि बच्चे सप्ताह के दौरान जो अच्छे उदाहरणों रहे हों, वह तरीकों के बारे में बताएं ।

आज्ञाकारिता प्रसन्नता लाती है

ध्यान गतिविधि

दिखाएं चित्र 2-51, हंसिनी अपने बच्चों के साथ । एक बच्चे को चित्र को पकड़ने के लिए कहें जब आप अपने शब्दों में एल्डर थियोडर एम. बर्टन के बारे में कहानी बताएं जो गिरजाघर के एक जनरल अधिकारी थेः

जब थियोडर एम. बर्टन सिर्फ पाँच वर्ष का था, वह अपनी दादी से मुलाकात करने उनके फार्म पर गया । थियोडर को बाहर फार्म पर खेलना अच्छा लगता था । इस मुलाकात पर थियोडर की दादी ने उसे बच्चों वाली मुर्गियों के अधिक पास जाने से मना किया क्योंकि मुर्गी सोच सकती है कि वह उसके बच्चों को नुकसान पहुँचाने की कोशिश कर रहा था । थियोडर ने वादा किया कि वह नजदीक नहीं जाएगा ।

परन्तु जब थियोडर ने रूआँमय पिले रंग के बच्चों को देखा, वह एक को बस छुना चाहता था । बच्चा भाग गया, परन्तु माँ मुर्गी थियोडर के तरफ दौड़ी और उसके हाथ पर अपनी सख्त चोंच से मारा । थियोडर रोता हुआ अपनी दादी के पास दौड़ा ।

थियोडर की दादी ने उसे तब तक लिपटाये रखा जब तक कि उसने रोना बंद नहीं किया और फिर समझाया कि माँ मुर्गी ने सोचा कि थियोडर उसके बच्चों को नुकसान पहुँचाने जा रहा है । वह अपने बच्चों को बचाने की कोशिश कर रही थी तब उसने उसे चोंच मारा ।

दादी ने थियोडर को फिर से बाहर भेजा, मुर्गी से दूर रहने के लिए याद दिलाते हुए । उन्होंने उसे चेतावनी दिया कि वह हंसिनी के पास भी न जाए, क्योंकि उसके पास भी बच्चे थे । हंसिनी मुर्गी से बड़ी थी, इसलिए वह सच में किसी को नुकसान पहुँचा सकती है जो उसके बच्चों को छुएगा । थियोडर ने वादा किया कि वह बच्चों को नहीं छुएगा ।

थियोडर माँ मुर्गी से दूर रहा । परन्तु जब उसने हंसिनी और उसके बच्चों को देखा, वह उन्हें अच्छे से देखने के लिए नजदीक गया । अपने पंखों को फैलाते हुए और गर्दन को सीधा करते हुए, हंसिनी ने उसके तरफ जोर से फुंफकारा । थियोडर डर गया और घर में वापस भाग गया । (देखें Theodre M. Burton, "Friend to Friend: Grandmother's Lesson, "Friend, अक्टू. 1973, पृष्ठ 18 ... 19) ।

चर्चा

- थियोडर की दादी ने उससे क्यों कहा कि वह मुर्गी या हंसिनी के नजदीक न जाये ?
- थियोडर ने कैसा महसूस किया जब उसने अपनी दादी की आज्ञा का पालन नहीं किया ?
- उसे इस तरह महसूस क्यों हुआ ?
- आप क्या सोचते हैं कि थियोडर ने इस अनुभव से सीखा था?

बच्चों को बताएं कि थियोडर की दादी ने उसे बताया कि उसकी रक्षा के लिए उसके पास लोग हैं, जैसे की मुर्गी और हंसिनी ने अपने बच्चों की रक्षा की । बताएं कि हमारे अभिभावक और परिवार और स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह हमें देखते और हमारी रक्षा करते हैं । वे हमें सिखाएंगे कि सुरक्षित और प्रसन्न रहने के लिए क्या करना है । यह महत्वपूर्ण है कि हमें उनकी आज्ञा का पालन करना सीखना है ।

शब्दपट्टी

शब्दपट्टी ''आज्ञाकारी'' दिखाएं । कुछ समय के लिए बच्चों को आपके साथ शब्द को जोर से कहने दें । बताएं कि हम आज्ञाकारी तब होते हैं जब हम वैसा ही करते हैं जो स्वर्गीय पिता, हमारे माता पिता, और हमारे मार्गदर्शक चाहते हैं कि हम करें ।

शब्द आज्ञापालन कहें और कक्षा को इसे दोहराने दें । बताएं कि आज्ञापालन का मतलब समान है जैसा कि आज्ञाकारी होना ।

हम स्वर्गीय पिता का पालन कर सकते हैं जैसा कि यीशु मसीह ने किया था

धर्मशास्त्र

बताएं कि बाईबल में, यीशु मसीह ने सिखाया है कि स्वर्गीय पिता का आज्ञापालन महत्वपूर्ण है । यूहन्ना 8:28 ... 29 से निम्नलिखित वाक्यांशों को जोर से पढ़ें: ''मैं अपने आप से कुछ नहीं करता; परन्तु जैसे मेरे पिता ने मुझे सिखाया ... क्योंकि मैं सर्वदा वही काम करता हूँ, जिससे वह अप्रसन्न होता है'' ।

बताएं कि ये यीशु मसीह के शब्द हैं, और उनका मतलब है कि यीशु ने हमेशा वही किया जो स्वर्गीय पिता चाहता था कि वह करें । उसने सिर्फ वही काम किये जिसे वह जानता था कि करने से स्वर्गीय पिता प्रसन्न होंगे ।

धर्मशास्त्र कहानी

दिखाएं चित्र 2-52, यीशु गतसमनी में प्रार्थना करता हुआ, और मत्ती 26:36 ... 39 में पायी जाने वाली कहानी को संक्षेप में बताएं ।

जोर से पढ़ें जो यीशु मसीह ने अपने प्रार्थना में कहा थाः ''हे मेरे पिता, यदि हो सके, तो यह कटोरा मुझसे टल जाए'' (मत्ती 26:39) बताएं कि यीशु सहन करना और मरना नहीं चाहता था यदि स्वर्गीय पिता के पास वापस जाने का हमारी सहायता का कोई और अन्य तरीका होता ।

जोर से पढ़ें यीशु ने बाद में क्या कहा थाः ''तौभी जैसा मैं चाहता हूँ वैसा नहीं, परन्तु जैसा तू चाहता है वैसा ही हो'' (मत्ती 26:39) बताएं इसका मतलब है कि यीशु वही करने का इच्छुक था जो स्वर्गीय पिता चाहता था, यहाँ तक कि यह आसान नहीं था । बताएं कि हमसे किसी सेभी इतनी कठिन काम करने के लिए नहीं पूछा जाएगा जैसा कि यीशु ने किये थे; फिर भी, हमे स्वर्गीय पिता का आज्ञापालन करना चाहिए उसमें जो वह हमसे करवाना चाहता है ।

- क्या कुछ काम हैं जिसे स्वर्गीय पिता ने हमसे करने के लिए कहा है ? (उत्तरों में प्रार्थना करना, एक दूसरे से प्रेम करना, बपतिस्मा लेना और पुष्टिकरण होना, और ईमानदार रहना सम्मिलित हो सकता है) ।

हम अपने माता पिता का आज्ञापालन कर सकते हैं

धर्मशास्त्र चर्चा

बताएं कि यदि हम स्वर्गीय पिता का आज्ञापालन करते हैं, हम अपने माता-पिता का भी आज्ञापालन करेंगे । (यदि आपकी कक्षा के कुछ बच्चे अपने माता-पिता के साथ नहीं रहते हैं, आवश्यकतानुसार इस चर्चा का समायोजन करें । उदाहरण के तौर पर, बच्चों को उनके दादा-दादी और नाना-नानी का भी आज्ञापालन करना चाहिए) । संकेत करें कि दस आज्ञाओं में से एक हमें अपने माता-पिता का आज्ञापालन करना बताता है । निर्गमन 20:12 के पहले भाग को जोर से पढ़ें: ''अपने पिता और अपनी माता का आदर करना'' । बताएं कि अपने माता-पिता का आदर करना, उनको आदर देने का एक तरीका है ।

- हमें अपने माता-पिता का आज्ञापालन क्यों करना चाहिए ?

कुलुस्सियों 3:20 को जोर से पढ़ें (बच्चों को याद दिलाएं कि प्रभु, यीशु मसीह का एक दूसरा नाम है) । बच्चों की आयत के पहले भाग को याद करने में सहायता करें: ''बच्चों, सभी कामों में अपने माता-पिता का आज्ञापालन करो'' ।

- आप कैसा महसूस करते हैं जब आप अपने माता-पिता का आज्ञापालन करते हैं ?
- आपके माता-पिता कैसा महसूस करते हैं जब आप उनका आज्ञापालन करते हैं ?

गीत

बच्चों को, ''शीघ्र ही मैं आज्ञापालन करूँगा'', के सारे तीनों आयतों के शब्दों को खड़े होकर गाने या कहने दें ।

बच्चों को निर्णय लेने में उत्साहित करें कि अब वे स्वर्गीय पिता और अपने माता-पिता का आज्ञापालन करेंगे ।

कहानी

एक बच्चे के बारे में कहानी बताएं जो बहुत खुश था/थी क्योंकि उसने माता-पिता का आज्ञापालन किया था । आप निम्नलिखित कहानी का उपयोग करना चाहें:

कैथरीन को अपने दोस्त एप्रील के घर खेलना अच्छा लगता था । कैथरीन की माँ ने कैथरीन से कहा कि वह एक घंटे के लिए खेल सकती है । जब एप्रील की माँ ने कहा कि एक घंटे हो गए तो कैथरीन को वहाँ से जाना कठिन लगा । वह खेल पूरा करना चाहती थी जो वह और एप्रील खेल रहे थे । कैथरीन ने कुछ क्षण के लिए सोचा और घर जाने का निर्णय लिया जैसा कि उसकी माँ ने उससे करने के लिए कहा था । शीघ्र ही उसने एप्रील को अलविदा कहा और घर को भागी ।

जब कैथरीन घर पहुँची, उसकी दादी उसका इंतजार कर रहीं थीं । दादी चाहती थीं कि कैथरीन उनके घर आकर एक रात रहे, परन्तु वह घर जाने की जल्दी में थीं । जब उसकी माँ ने उससे जाने के लिए कहा, यदि कैथरीन घर नहीं आयी होती, वह अपनी दादी से मिलने के मौके को खो सकती थी ।

- आपके विचार से कैथरीन ने कैसा महसूस किया ?

जोर दें कि हम हमेशा एक उत्साहित उपहार नहीं पाएंगे जब हम आज्ञाकारी होते हैं, परन्तु हमारे पास एक प्रसन्न शान्तिपूर्ण अहसास होगा । जानते हुए कि हमने सही का चुनाव किया है, यह अहसास आता है ।

सारांश

बच्चे की भागीदारी

एक समय में एक बच्चे को आमंत्रित करें, एक समय के बारे में बताने के लिए जब वे आज्ञाकारी रहे हों और उन्होंने कैसा महसूस किया, या भविष्य में एक तीरके के बारे में जिससे वे आज्ञाकारी हो सकते हैं (जैसा कि स्वर्गीय पिता की आज्ञाओं में से एक को मानना, बाहर खेलने जाने से पहले माता-पिता की आज्ञा लेना, घर की सफाई में सहायता करना, या माता-पिता की पहली आवाज में घर आ जाना) ।

प्रत्येक बच्चे की बारी के अंत में, उसे ''मैं आज्ञापालन करूँगा/करूँगी'' का एक बिल्ला दें । बच्चों को उनके बिल्लों को वहाँ रखने के लिए प्रोत्साहित करें जहाँ वे इसे अक्सर देख सकें, ताकि बिल्ले आज्ञापालन याद रखने में उनकी सहायता करेंगे । सुझाव दें कि बच्चे अपने बिल्लों के बारे में अपने परिवारों को बताएं और वह बाँटें जो उन्होंने आज के पाठ से सीखा है ।

गवाही

अपनी गवाही बाँटें कि कैसे आज्ञापालन करने से स्वर्गीय पिता और आपके माता-पिता ने आपके जीवन को आशीषित किया है । आप एक समय के बारे में बताना चाहें जब आज्ञापालन ने आपको प्रसन्न किया हो ।

बच्चों को आने वाले सप्ताह के दौरान उनके माता-पिता की आज्ञापालन के लिए प्रोत्साहित करें

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा का समय'' देखें ।

1. चॉकबोर्ड पर अन्दर दो छोटे गोलाकार के साथ एक बड़ा गोलाकार बनाएं (देखें उदाहरण) ।

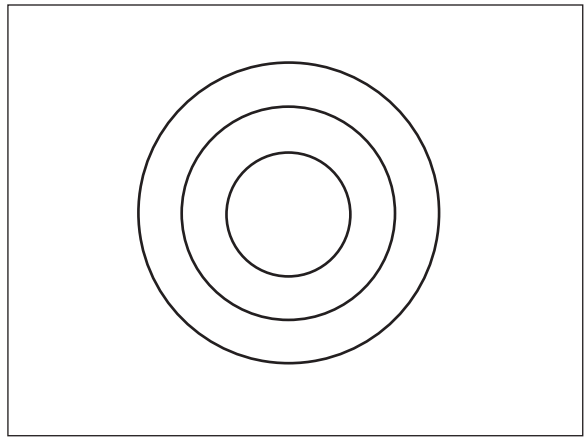

बताएं आँखों पर पट्टी बाँधकर इस गतिविधि का वस्तु सबसे छोटे गोलाकार में X बनाने के लिए है । एक वालंटियर को इसे कोशिश करने के लिए पूछें । वालंटियर की आँखों पर पट्टी बाँधें और उसे एक चॉक का टुकड़ा दें । आँखों पर पट्टी बँधे हुए बच्चे को दो या तीन बार घुमाएं और फिर उसे चॉकबोर्ड के पास ले जाएं । चॉकबोर्ड पर बच्चे को एक X बनाने दें । X को कहाँ बनाना है, के बारे में निर्देश प्राप्त करने के पश्चात बच्चे को दूसरा X बनाने के लिए कहें । दूसरे बच्चे को आँखों पर पट्टी बँधे बच्चे को निर्देश देने दें जैसा कि ''ऊँचे'', ''नीचे'', ''बाएं तरफ'', ''दाएं तरफ'' ।

दोनों चिन्हों के तरफ देखें और चर्चा करें कि आँखों पर पट्टी बँधे बच्चे ने कितना अच्छा किया जब उसने दूसरे बच्चे के निर्देशों का पालन किया ।

- क्यों (आँखों पर पट्टी बँधे बच्चे का नाम) X को बनाते समय अच्छा बनाया जब उसने निर्देशों का पालन किया ?

प्रत्येक बच्चे को करने दें जो आँखों पर पट्टी बाध हुए X को, गोलाकार में बनाने की कोशिश करने में भाग लेना चाहता/चाहती हो जबकि दूसरा बच्चा निर्देश दे रहा हो ।

बताएं कि आँखों पर पट्टी बँधे हुए बच्चे चिन्ह को गोलाकार में बनाने में अधिक सफल हुए जब उन्होंने किसी के निर्देशों का पालन किया जो गोलाकारों को अच्छी तरह देख सकता था । बताएं कि कभी कभी स्वर्गीय पिता और हमारे माता पिता हमारी जिन्दगी में चीजों को हमसे अच्छा देख सकते हैं । वे हमें हमारी सहायता के लिए निर्देश देते हैं । जब हम स्वर्गीय पिता और अपने माता पिता का पालन करते हैं, हम खुश होंगे ।

2. अपने स्वयं के शब्दों में निम्नलिखित कहानी बताएंः

मैथ्यु माचिस से बहुत प्रेम करता था । अगर जलाने के लिए मोमबत्तियाँ हो या आग जलाना होता, वह हमेशा सहायता करना चाहता । कभी कभी उसके माता पिता उसे माचिस जलाने देते, परन्तु वे हमेशा उसके पास खड़े होते यह निश्चित करने को कि वह सावधान है ।

एक दिन जब उसके माता पिता कमरे में नहीं थे, मैथ्यु ने मेज पर माचिस का एक डिब्बा देखा । उसने उस आनन्द के बारे में सोचा जो प्रत्येक माचिस को स्वयं जलाने से हो सकता था । वह निश्चित था कि वह सावधान रहेगा ।

तब मैथ्यु ने उसके बारे में सोचा कि कैसे उसकी माँ ने उससे कई बार कहा था कि माचिस खिलौने नहीं हैं और उसे उनका उपयोग कभी भी बिना आज्ञा के नहीं करना चाहिए । शीघ्र ही मैथ्यु माचिस से दूर होकर बाहर खेलने चला गया ।

बच्चों से उन संभावित परिणामों के बारे में बात करें अगर मैथ्यु ने माचिस ले ली होती । जोर दें कि मैथ्यु का आज्ञाकारी होना परिवार के लिए सहायक रहा तब भी जब कोई इसे नहीं जानता था ।

आप इस चर्चा को पूछने के द्वारा जारी रखना चाह सकते हैः

- मैथ्यु को क्या करना चाहिए यदि उसका बड़ा भाई उससे माचिस उनके सोने के कमरे में लाने के लिए कहता है ताकि वे उससे खेल सकें ?

बताएं कि जब कोई हमसे कुछ करने केा कहता है जिसे हम जानते हैं कि गलत है, हमें पालन नहीं करना चाहिए । स्वर्गीय पिता हमसे आज्ञापालन की आशा नहीं करता है जब हमसे कुछ गलत करने के लिए कहा जाता है ।

3. साधारण निर्देशों के साथ कागज के टुकड़े तैयार करें जैसे नीचे दिया गये हैः

- चॉकबोर्ड को मिटायें ।

- कक्षा के प्रत्येक सदस्य के साथ हाथ मिलायें ।
- ''वैसा करो जैसा मैं करूँ'' के शब्दों को गाएं या कहें ।
- कक्षा के प्रत्येक सदस्य के बारे में कुछ उदार कहें ।
- पाँच चीजें बताएं जिसके लिए आप धन्यवादित हैं ।
- कुछ अभिनय करके दिखाएं जिसे आप सप्ताह के दौरान एक पारिवारिक सदस्य के लिए करेंगे ।

कागज के टुकड़ों को एक डिब्बे में रखें । बच्चों को, डिब्बे में से बारी बारी से एक कागज चुनने दें और उसपर लिखे निर्देशों का पालन करने दें ।

4. कक्षा से पूर्व, एक छोटे खजाने के लिए अपने कक्षालय में सुरागों को बनाएं और छुपा दें । प्रत्येक सुराग बच्चों को अगले सुराग तक ले जाना चाहिए जब तक आखिरी सुराग खजाने तक न ले जाए । आप प्रत्येक बच्चे के लिए एक छोटी दावत या उपहार खोज के अंत में खजाने के रुप में दे सकते हैं ।

   बच्चों के साथ चर्चा करें कि खजाने को खोजने के लिए कैसे उन्हें सुराग पर दिए गए निर्देशों का पालन करना चाहिए । खजाने की खोज की शुरूआत में पहले सुराग को जोर से पढ़ें ।

   बच्चों की खजाने की खोज को पूरा करने के पश्चात, उन्हें समझने में सहायता करें कि हम अगर स्वर्गीय पिता का आज्ञापालन करते हैं, वह हमें सबसे बड़ा खजाना देगाः वह हमें अपने साथ हमेशा के लिए रहने देगा ।

5. नूह और उसके जहाज की कहानी की समीक्षा करें जैसा कि उत्पत्ति 6 ... 8 में पाया जाता है । बताएं कि क्योंकि नूह आज्ञाकारी था, वह और उसके परिवार जलप्रलय के बचाये गए । बच्चों को स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह की आज्ञाओं का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसा नूह ने किया ।

   पाठ के अंत में प्रत्येक बच्चे को वितरण की एक प्रति दें । बच्चों को जहाज के चित्र में रंग भरने दें और फिर यह दिखाते हुए एक चित्र बनायें कि वे आज्ञाकारी कैसे हो सकते हैं ।

नूह आज्ञाकारी था

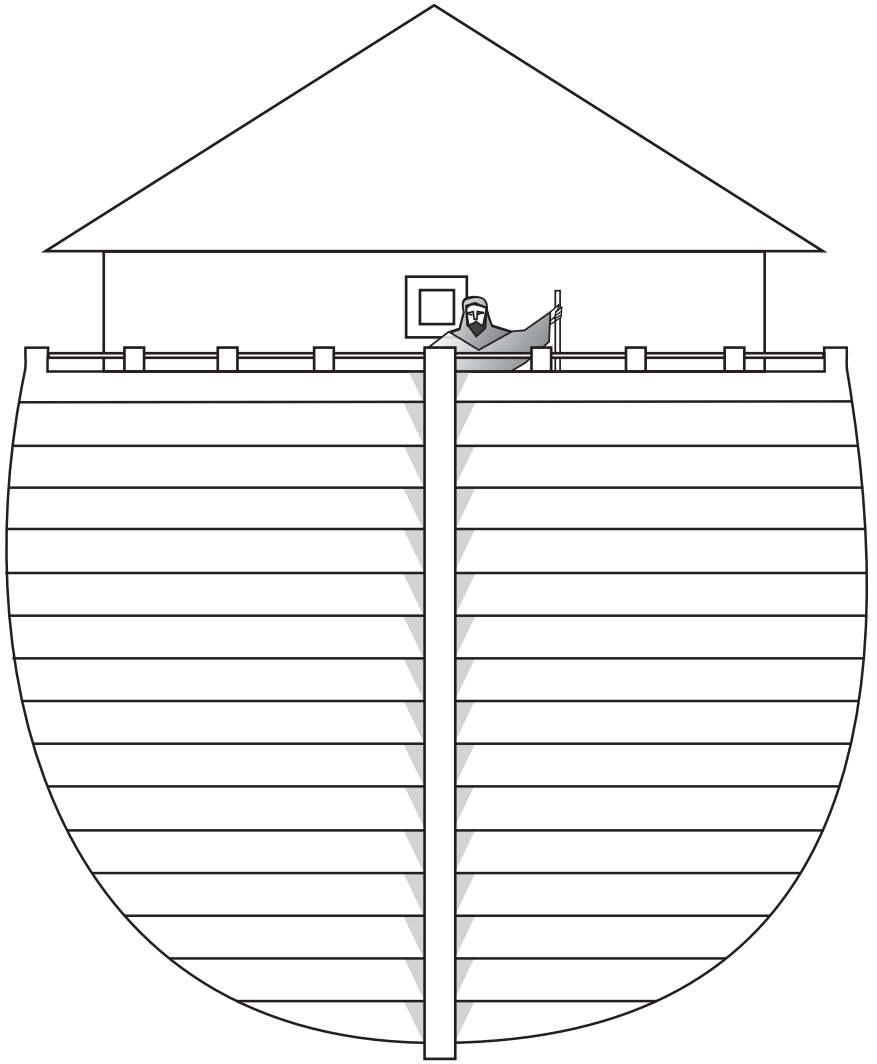

मैं आज्ञाकारी हो सकता हूँ

पाठ
31

मैं कानून का पालन करूँगा

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की, देश के नियमों का आदर और पालन करने की महत्व को समझने में सहायता करना ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मत्ती 22:15 ... 22 और विश्वास के अनुच्छेद 1:12 का अध्ययन करें ।
2. प्रत्येक बच्चे को एक टुकड़ा मिले, उतना नमक की लोई बनाएं । एक नमक का लोई बनाने का तरीका पृष्ठ 43 पर पाया जा सकता है । (यदि नमक की लोई उपलब्ध न हो, बच्चों को उपयोग करने के लिए रंग और कागज लाएं) ।
3. कागज के एक टुकड़े पर, कुछ परिस्थितियों में कानूनों और नियमों को सम्मिलित करते हुए जिनसे बच्चे परिचित हों, की सूची बनाएं । प्रत्येक बच्चे के लिए कम से कम कक्षा में एक परिस्थिति का वर्णन करें, और परिस्थितियों को क्रमानुसार रखें । नीचे दी गई परिस्थितियों का उपयोग करें या कक्षा में बच्चों के लिए अन्य उपयुक्त बनाएं ।
   - आपको लगभग विद्यालय के लिए देर हो रही है, अगर आप सड़क पार करने की जगह के अलावा भीड़ के बीच में से पार करेंगे, आप वहाँ जल्दी पहुँचेंगे । यदि आप कानून का पालन करते हैं तो आप क्या करेंगे ?
   - आप अपने पिता के साथ खरीददारी कर रहे हैं और एक कैन्डी बार के लिए पूछते हैं । आपके पिता मना करते हैं, परन्तु जब वे पंसारी के समान के भुगतान में व्यस्त हो जाते हैं, आप देख सकते हैं कि बिना किसी के ध्यान में आये मिठाई को अपनी जेब में रख सकते हैं । यदि आप कानून का पालन करते हैं तो आप क्या करेंगे ?
   - आप अपने कुत्ते को पट्टे से बन्धकर टहलने के लिए निकलते हैं । आप एक बगीचे में आते हैं और रूककर खेलना चाहते हैं, परन्तु वहाँ पर एक सूचना पट्ट यह कहते हुए लगा था ''कुत्तों को लाने की आज्ञा नहीं है'' । आप अपने आस-पास किसी बड़े को नहीं देखते हैं, और आप कुत्ते के पट्टे को पेड़ से बाँध सकते हैं जब आप खेलते हैं । यदि आप कानून का पालन करते हैं तो आप क्या करेंगे ?
   - आप सड़क को उस किनारे से पार करते हैं जहाँ एक यातायात बत्ती है । कोई मोटरगाड़ी नहीं आ रही है, और कोई आस-पास नहीं है । परन्तु आपकी बत्ती आपको रूकने के लिए कहती है । यदि आप कानून का पालन करते हैं तो आप क्या करेंगे ?
   - आप पुस्तकालय में हैं और जिस किताब को देखना चाहते हैं वह आपको मिल गई है, परन्तु आप अपना पुस्तकालय पत्र घर पर भूल गए हैं । पुस्तकालयाध्यक्ष आगे की सीट पर नहीं है और आपको किताब के साथ जाते हुए नहीं देख सकता । यदि आप कानून का पालन करते हैं तो आप क्या करेंगे ?
4. जितनी परिस्थितियाँ आपके पास हैं उतने छोटे छोटे कागज के टुकड़े तैयार करें । कागजों पर क्रम लिखें और एक कटोरे या टोकरी में डालें ।
5. प्रत्येक बच्चे के लिए एक कागज का बिल्ला बनाएंः

6. निम्नलिखित शब्दपट्टी बनाएंः

हम कानून के आज्ञापालन में विश्वास करते हैं ।

7. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाइबल ।
   ख. एक सिक्का (अगर संभव हो, उसपर एक राष्ट्रीय नेता के चित्र के साथ) ।
   ग पिन, टेप, या ऊन बच्चों के कपड़ों पर बिल्लों को लगाने के लिए ।
   घ चित्र 2-53, सीजर को समर्पण ।

8. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

यदि आपने सप्ताह के दौरान बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उसपर उन के साथ ध्यान दें ।

नियम और कानून हमारी सहायता कर सकते हैं

ध्यान गतिविधि

बच्चों को नमक की लोई के टुकड़े दें और प्रत्येक को एक खेत के जानवर का आकार बनाने दें । (यदि नमक की लोई उपलब्ध न हो या आपकी कक्षा में बच्चों के लिए यह गतिविधि बहुत कठिन हो, बच्चों को रंग और कागज दें और प्रत्येक को एक खेत के जानवर को बनाने दें । चर्चा को उसके अनुसार व्यवस्थित करें) ।

मेज या फर्श पर सारे जानवरों को दिखाएं । बताएं कि किसान को अपने जानवरों की अच्छी तरह देखभाल करनी चाहिए और उन्हें खाना, पानी और सुरक्षा देना चाहिए । अगर जानवर दूर घुमने निकल जाते हैं, वे खो सकते हैं या घायल हो सकते हैं ।

- हम इन जानवरों को दूर तक घुमने जाने के रोकने के लिए क्या कर सकते हैं । (एक बाड़ा बनाएं) ।

लोई के एक टुकड़े को अपने हाथों की हथेलियों के बीच में रखकर घुमाएं और लम्बी रस्सी बनाने के लिए एक मेज हो । एक बाड़े को बनाने के लिए उससे जानवरों का घेरा करें । बताएं कि बाड़े अच्छे होते हैं क्योंकि वे जानवरों को सुरक्षित रखने में सहायता करते हैं । (बाकी पाठ के दौरान जानवरों को प्रदर्शन में ही रहने दें । पाठ के अंत में बच्चों को उनके जानवर घर ले जाने दें) ।

बताएं कि हमारे पास भी चीजें हैं जो हमें सुरक्षित रखती हैं । इन चीजों को कानून और नियम कहते हैं । कानून और नियम बाड़े की तरह हैं क्योंकि वे उन चीजों को करने से हमें रोकते हैं जो खतरनाक हों या हमें या अन्य लोगों को अप्रसन्न कर सकते हों । जब हम कानून और नियम का पालन करते हैं, वे हमें सुरक्षित और प्रसन्न रखने में सहायता करते हैं ।

चर्चा

एक साधारण खेल का चुनाव करें जिससे आपकी कक्षा का प्रत्येक बच्चा परिचित हो, जैसा कि मयुजिकल चैयर। बच्चों को आपको खेल का नियम बताने दें और चर्चा करें कि क्या होगा जब आप खेल के कानून का पालन किए बिना खेलने की कोशिश करेंगे । बच्चों की देखने में सहायता करें कि खेल को सफलतापूर्वक खेलने और आनन्द से खेलने के लिए नियमों को होना आवश्यक है ।

- खेल के नियमों के अलावा और किस प्रकार के नियम हैं ?
- आपके घर में कुछ नियम क्या हैं ?

प्रत्येक बच्चे को एक नियम बताने दें जिसका वह अपने घर में अनुसरण करता/करती है, जैसा कि ''खेल खत्म करने के पश्चात खिलौनों को दूर रखो'' । जैसे प्रत्येक बच्चा एक नियम के बारे में बताता है, पूछेः

- इस नियम ने आपकी सहायता कैसे की है ?

जब प्रत्येक बच्चा एक पारिवारिक नियम बता चुका हो, समझाएं कि हमारे पास अपने घरों के अलावा अन्य जगहों में नियम हैं ।

- विद्यालय में कुछ नियम क्या हैं ? प्राथमिक में ?
- ये नियम आपकी सहायता कैसे करते हैं ?

हमारा देश हमें कानून देता है

कहानी और चर्चा

बताएं कि जैसा हमारे घर पर, विद्यालय पर, और प्राथमिक पर नियम होते हैं, हमारे नगर और देश के नियम होते हैं । इन नियमों को कानून कहते हैं । कानून हमारी सहायता और सुरक्षा करते हैं वैसा ही जैसा कि हमारे घर, विद्यालय और प्राथमिक के नियम करते हैं । एक बच्चे के बारे में कहानी बताएं जिसने सीखा कि कैसे कानून हमारी सहायता और सुरक्षा करते हैं जब हम उनका पालन करते हैं । नीचे दी गई कहानी का उपयोग करें या अपने स्वयं से एक बनाएं ।

जेरी हमेशा अपने स्वयं का एक कुत्ता चाहता था, इसलिए वह बहुत उत्साहित था जब उसके जन्मदिन के लिए उसे एक सुंदर सा कुत्ते का बच्चा दिया गया । उसने अपने कुत्ते का नाम पाल रखा । जेरी और पाल ने एक साथ बहुत आनन्द उठाया ।

जेरी के शहर में एक कानून था जो कहता था कि सारे कुत्ते पट्टे में रहेंगे जब वे बाड़े वाले अहाते में नहीं होते हैं । एक दिन जेरी ने पाल को उसके साथ अपने दोस्त के घर ले जाने का निश्चय किया । उसे पाल का पट्टा कहीं नहीं मिला, और उसका दोस्त कुछ ही घरों से दूर रहता था, इसलिए जेरी ने पाल को बिना पट्टे के ले जाने का निश्चय किया ।

जब वे सड़क पर चल रहे थे, पाल ने सड़क के दूसरी तरफ एक बिल्ली को देखा । जेरी को पता चलने के पहले कि क्या हुआ, पाल सड़क पर दौड़ गया और एक मोटरगाड़ी के द्वारा टक्कर खाया ।

अपनी आँखों में आँसू के साथ, जेरी ने कुत्ते को उठाया और उसे घर ले गया । जेरी की माँ उन्हें पशु चिकित्सक के पास ले गई, जिसने पाल के टुटे हुए पैर का इलाज किया ।

जब वे घर पहुँचे, जेरी की माँ ने कहा कि पाल मारा जा सकता था । जेरी को पता चला कि यदि उसने कानून का पालन किया होता और अपने कुत्ते को पट्टे में रखा होता, पाल घायल नहीं हुआ होता, जेरी को पता चला कि नियम उसकी और उसके कुत्ते की सुरक्षा के लिए था, और उसने निर्णय लिया कि वह कभी भी दुबारा कानून का पालन भंग नहीं करेगा ।

- आपके विचार से जेरी के शहर में कुत्तों को पट्टों में रखने के बारे में कानून क्यों था ?
- पाल की दुर्घटना को कैसे बचाया जा सकता था ?
- हमारे पास कानून और नियम क्यों हैं जिनका हमें अनुसरण करना चाहिए ?

चर्चा

बताएं कि कानून हमारी सहायता और सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं । बच्चों से उनके क्षेत्र के कुछ मूल कानूनों के नाम बताने को कहें । प्रत्येक कानून और उसे क्यों बनाया गया है, पर चर्चा करें । बच्चों की देखने में सहायता करें कि प्रत्येक कानून कैसे सहायक होता है ।

आप निम्नलिखित कुछ सुझावों को उपयोग करना चाहें यदि वे आपके क्षेत्र में लागू होते हों :

यातायात कानून

- सारे रूकावट के चिन्हों पर रूकें । यह हमें दुर्घटना से बचने में सहायता करेगा ।
- सीमित गति पर ध्यान दें । सीमित गति को इसलिए बनाया गया है ताकि लोग सावधानीपूर्वक चला सकें और एक आपातकालिन में तुरन्त रोकने में समर्थ हो सकें ।

पालतू पशुओं से संबंधित कानून

- पालतू पशुओं को पट्टे में रखें जब वह आपके अहाते से बाहर होते हैं । पट्टे का कानून चोट लगने से जानवरों की सुरक्षा कर सकते हैं (जैसा कि जेरी का कुत्ता पाल) और लोगों की सम्पत्ति की सुरक्षा जानवरों द्वारा पैदा किए गए नुकसान से कर सकता है ।
- जानवरों के प्रति निर्दयी न बनें । इस तरह का कानून चोट लगने से जानवरों की सुरक्षा करता है ।

व्यक्तिगत सम्पत्ति से संबंधित कानून

- चोरी न करें । जब हम उन चीजों को लेते हैं जो किसी और का होता है, हर कोई अप्रसन्न होगा ।
- कचरा न बिखेरें । यदि हर कोई कचरा बिखेरेगा, तो हमारा शहर या नगर बदसूरत और गंदा हो जाएगा । हमारे माता पिता को (कर द्वारा) इसे साफ रखने के लिए भुगतान करना पड़ सकता है ।

यीशु मसीह चाहता है कि हम कानून का आज्ञापालन करें

चर्चा

- कर क्या है ?

बताएं कि कर पैसा है जिसे हम अपने राज्य या देश को, चीजों के भुगतान के लिए देते हैं जो हर किसी को फायदा करता है, जैसा कि पुलिस अधिकारियों, अग्नि-शमकों, सड़कों, और विद्यालयों के लिए । संक्षेप में चर्चा करें कि इन चीजों के न होने से क्या होगा । बताएं कि हमारे पास कर के कानून यह निश्चय करने के लिए हैं कि हर कोई इन चीजों की भुगतान में सहायता करे ।

धर्मशास्त्र कहानी

बताएं कि यीशु मसीह के समय में भी कर के कानून थे । दिखाएं चित्र 2-53, सीजर को समर्पण, और मत्ती 22:15 ... 22 में पायी जाने वाली कहानी बताएं ।

बताएं कि लोगों ने यीशु से पूछा कि उन्हें अपने देश के लिए शुल्क के पैसों का भुगतान करना चाहिए । शुल्क के पैसे कर के पैसे की तरह है ।

सिक्का दिखाएं जिसे आप लाए हैं । बताएं कि यीशु ने लोगों से एक सिक्का दिखाने के लिए कहा था । उसने संकेत किया था कि सिक्के पर देश के नेता , सीजर का चित्र था । (यदि आपके लाए हुए सिक्के पर एक राष्ट्रीय नेता का चित्र हो, उसका संकेत करें) जोर से पढ़ें जो यीशु मसीह ने लोगों से कहा था, जैसा कि मत्ती 22:21 में पाया जाता है (उसके साथ शुरूआत करें जिसे उसने तब कहा था) । बताएं कि यीशु ने लोगों से कहा कि उन्हें अपने देश के कानूनों और स्वर्गीय पिता के कानूनों का आज्ञापालन करना चाहिए । यीशु ने लोगों को सीखाया कि उनके देश के कानूनों का आज्ञापालन करना महत्वपूर्ण था ।

हम कानून के आज्ञापालन करने में विश्वास करते हैं

शब्दपट्टी

शब्दपट्टी के वाक्य को जोर से पढ़ें । बताएं कि यह बारहवें विश्वास के अनुच्छेद का भाग है । गिरजाघर के एक विश्वास का वक्तव्य ।

कुछ समय के लिए कक्षा को, वाक्य को एक साथ दोहराने दें ।

खेल

परिस्थितियों की सूची बनाएं और अंकों के साथ कटोरा या टोकरी को मेज या फर्श पर रखें । कक्षा को बताएं कि अब वे ''कानून का आज्ञापालन'' का खेल, खेल सकते हैं । फिर पीछे बैठें और एक या दो क्षणों के लिए रूकें । अगर कोई जवाब न दे, पूछें:

- कोई भी खेल को क्यों नहीं खेल रहा है ? (किसी को भी नियम नहीं पता है) ।

यदि बच्चों ने परिस्थिति का मतलब निकालने की कोशिश की हो, शायद अंकित कागजों को श्रेणी से लगाने के द्वारा, उनकी कोशिशों के लिए प्रशंसा करें, और फिर पूछें:

- क्या आप ''कानून का आज्ञापालन'' का खेल, खेल रहे हैं ?
- क्यों नहीं ?

बताएं कि नियम और कानून हमारी निरिक्षण करने और हमें रास्ता दिखाने में सहायता करते हैं ।खेल के नियमों को बताएं

1. कटोरे (या टोकरी) में से एक संख्या को उठा लें ।
2. श्रेणी में अपनी बारी लें, उस व्यक्ति से शुरू करते हुए जिसने संख्या एक उठाया है ।
3. अपनी बारी के दौरान खड़े रहें ।
4. शिक्षक को अपनी संख्या दें, और फिर बिना दूसरे बच्चों की सहायता के शिक्षक के प्रश्नों का उत्तर दें ।
5. अपनी बारी से पहले और बाद में अपनी कुर्सी पर चुपचाप बैठें ।
6. खेल खेलें, प्रत्येक बच्चे को कटोरा या टोकरी में से एक संख्या को उठाने दे।

प्रत्येक बच्चे के लिए परिस्थिति को जोर से पढ़ें जोकि उनकी संख्याओं के साथ अनुकूल हो ।

जब प्रत्येक बच्चा एक प्रश्न का उत्तर दे चुका हो, बच्चों को बिल्ले दें । बच्चों को अच्छे सुझावों और उत्तरों के लिए उनकी बड़ाई करें ।

सारांश

बच्चे का तैयारी

बच्चों से पूछें कि वे क्या कहेंगे जब उनके परिवार उनके बिल्लों के बारे में पूछेंगे । जब वे अपने उत्तरों को बाँटते हैं, कानूनों के आज्ञापालन के महत्व पर जोर डालें ताकि हम एक साथ आन्नद में रह सकें ।

गवाही

गवाही दें कि कानूनों को हमारे अच्छे के लिए बनाया गया है । आप अपना एक व्यक्तिगत अनुभव बाँटना चाहेंगे जब आप धन्यवादित हों कि आपने कानून का आज्ञापालन किया । बच्चों को स्वर्गीय पिता के कानूनों और देश के कानूनों के आज्ञापालन को याद दिलाएं ।

बच्चों को इस सप्ताह एक कानून का चुनाव करने और ध्यानपूर्वक पालन करने के लिए प्रोत्साहित करें ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें । बच्चे को सुझाव दें कि स्वर्गीय पिता से कानूनों के आज्ञापलन को याद रखने में बच्चों का सहायता के लिए पूछें ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें ।

1. बच्चों को विश्वास के बारहवें अनुच्छेद को याद करने में सहायता करें: ''हम राजा, अध्यक्ष, शासक, और दण्डनायक होते हुए कानून के आज्ञापालन, सम्मान, और संभालने में विश्वास करते हैं '' । बच्चों को अपरिचित शब्दों को बताएं ।

   छोटे बच्चे अपने बिल्लों पर लिखे हुए विश्वास के अनुच्छेद के हिस्से को याद कर सकते हैं: ''हम कानून के आज्ञापालन में विश्वास करते हैं'' ।

   बच्चों को याद करने में सहायता के लिए आप ''बारहवें विश्वास का अनुच्छेद'' (बच्चों को गीत पुस्तिका, पृ. 131) को गाना चाहें ।

2. कक्षा को पाँच नियमों को सोचने के लिए कहें जो परिवारों के पास हो सकते है जोकि पारिवारिक सदस्यों को सुरक्षित और प्रसन्न रखने में सहायता करे । प्रत्येक बच्चे को एक उँगली पकड़ने दें जब प्रत्येक नियम का नाम बताया जाए । जब पाँचों नियमों के नाम लिए जा चुके हों, और प्रत्येक बच्चे की पाँचों उँगलियाँ सीधी हों, चॉकबोर्ड पर प्रत्येक बच्चे के हाथ का अनुरेखण करें । प्रत्येक अनुरेखण को बच्चे के नाम के साथ लिखें । बच्चों को उनके सहायक हाथों के लिए धन्यवाद करें और उन्हें उनके स्वयं के परिवारिक नियमों को याद रखने में प्रोत्साहित करें ।

3. बच्चों के साथ निम्नलिखित उंगली के खेल को करें :
   मैं रूकता हूँ (दोनों हाथों को ऊपर करें, हथेलियों को आगे करें जैसा कि कुछ रोकने के लिए किया जाता है) ।
   मैं देखता हूँ (हाथ को आँखों पर रखें जैसा कि उन्हें ढंकने के लिए रखा जाता है) ।
   मैं सुनता हूँ (कान के पीछे हाथ को प्याले के आकार में रखें) ।
   और फिर मैं जानने के लिए निश्चित हूँ (उँगली को आगे पीछे घुमायें) ।
   कि मैं (स्वयं के तरफ संकेत करें) सुरक्षित हूँ ।
   इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कहाँ जाऊँ (बाहों को बाहर के तरफ फैलायें जगह को दिखाते हुए) ।
   मैं सिर्फ सड़क पार करने की जगह पर ही पार करता हूँ ((छाती पर बाहों को तिरछे आकार में रखें) ।
   सड़क के आधे रास्ते तक नहीं (सिर हिलायें):
   मैं आगे देखता हूँ (हाथ को आँखों पर रखें जैसा कि उन्हें ढंकने के लिए रखा जाता है) ।
   मैं आगे सोचता हूँ (सिर के बगल में लगायें) ।
   और फिर मैं अपने पैरों का उपयोग करता हूँ (जगह पर चलें) ।

बच्चों को यातायात के नियमों के महत्व को याद दिलाएं ।

पाठ
32

एक दूसरे से प्रेम करें

उद्देश्य

बच्चों की समझने में सहायता करना कि वे यीशु मसीह के उदाहरण का अनुसरण कर सकते हैं और दूसरों की सहायता करने के द्वारा प्रेम व्यक्त कर सकते हैं ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मरकुस 6:34 ... 44; लूका 17:11 ... 19; और यूहन्ना 13:15, 34 ... 35; और 3 नफी 17 का अध्ययन करें ।
2. ध्यान गतिविधि के लिए कागज से एक बड़ा हृदय काटें ।
3. प्रत्येक बच्चे के लिए, ''जैसा मैंने तुमसे प्रेम किया है'' के वितरण के लिए एक प्रति या अनुरखण बनाएं और पाठ के अंत में पाया जाने वाला हृदय पहेली । यदि संभव हो, रंगीन कागज पर पहेलियों की प्रति या अनुरेखण बनाएं । पहेलियों को बिन्दु-रेखा के साथ टुकड़ों में काट लें ।
4. ''एक दूसरे से प्रेम करो'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 136) और ''यीशु ने कहा सबसे प्रेम करो'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 61) के शब्दों को गाने याबोलने की तैयारी करें । ''एक दूसरे से प्रेम करो'' के शब्द पुस्तिक के पीछे सम्मिलित किया गया है ।
5. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाईबल और एक मॉरमन की पुस्तक ।
   ख. गोंद या लेई ।
   ग. चित्र 2-36, यीशु नफायटी बच्चों को आशीषित करता हुआ; चित्र 2-45, दस कोढ़ी (सुसमाचार कला चित्र किट 221:62150); चित्र २-४७, पाँच हजार को खिलाना (62143); चित्र 2-54, आखिरी भोज (सुसमाचार कला चित्र किट 225:62174) ।
6. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उसपर ध्यान दें ।

प्रेम किया जाना महत्वपूर्ण है

ध्यान गतिविधि

बच्चों को कागज का बड़ा हृदय दिखाएं

- आप क्या सोचते हैं जब आप एक हृदय देखते हैं ? (प्रेम)
- आप कैसे बता सकते हैं कि कोई आपसे प्रेम करता है ?

बच्चों को उन लोगों के बारे में बात करने दें जो उनसे प्रेम करते हैं (जैसा कि पारिवारिक सदस्य, दोस्त, और प्राथमिक शिक्षक) और कैसे वे लोग अपने प्रेम व्यक्त करते हैं ।

- आपको कैसा महसूस होता है जब लोग व्यक्त करते हैं कि वे आपसे प्रेम करते हैं ?
- आपको कैसा महसूस होता है जब लोग व्यक्त करते हैं कि वे आपसे प्रेम करते हैं ?

बताएं कि हम सबको जानने की आवश्यकता है कि हमसे प्रेम किया गया ।

यीशु मसीह ने हमें एक दूसरे से प्रेम करना सिखाया

शिक्षक तैयारी

बताएं कि यीशु मसीह के पृथ्वी पर रहने से पहले, लोग ''एक आँख के बदले एक आँख'' कानून के द्वारा रहते थे । इसका मतलब यह था कि यदि लोग आपके प्रति मतलबी और मित्रहीन होते, आप भी उनके प्रति मतलबी और मित्रहीन हो सकते थे । बताएं कि जब यीशु पृथ्वी पर आया, उसने लोगों को जीने का अलग तरीका सीखाया ।

धर्मशास्त्र कहानी

चित्र 2-54 दिखाएं, आखिरी भोज । बताएं कि यीशु के सूली पर चढ़ाए जाने के थोड़ी देर पहले, वह अपने चेलों से मिला और उन्होंने उनका आखिरी भोजन एक साथ खाया । इसी भोजन को आखिरी भोज कहते हैं । इस भोजन के दौरान उद्धारक ने अपने चेलों से कहा कि वह जल्दी ही उन्हें छोड़ देगा, और उसने उन्हें कुछ निर्देश दिया ।

बाईबल दिखाएं और यूहन्ना 13:34 ... 35 को जोर से पढ़ें । बताएं कि ये शब्द यीशु के हैं । आयत 34 के पहले भाग को फिर से पढ़ें (पहले एक दूसरे से प्रेम करने के द्वारा) ।

- एक आज्ञा क्या है ?

बताएं कि इस धर्मशास्त्र में यीशु ने केवल एक दूसरे से प्रेम करने का सुझाव नहीं दिया; उसने एक दूसरे के प्रेम करने की आज्ञा दी । यदि हम यीशु का अनुसरण करते हैं, हम दूसरों से प्रेम करेंगे ।

गीत

बताई गई क्रियाओं का उपयोग करते हुए, ''यीशु ने कहा प्रत्येक से प्रेम करो'' के शब्दों को गाएं या कहें ।
यीशु ने कहा प्रत्येक से प्रेम करो (बाहों को बाहर के तरफ सीधा करें):
उन से उदारता का भी व्यवहार करो (पड़ोसी के तरफ घुमें और हाथ मिलाएं) ।
तुम्हारा हृदय जब प्रेम से भरा हो (हाथों को हदय पर रखें) ।
दूसरे तुम्हें प्रेम करेंगे (स्वयं को पकड़ें) ।

यीशु मसीह ने उनकी सहायता करने के द्वारा दुसरो से प्रेम करना दिखाया था ।

धर्मशास्त्र

यूहन्ना 13:15 को जोर से पढ़ें ।

- एक उदाहरण होना इस का क्या अर्थ है ?
- हमारे लिए किसने एक अच्छा उदाहरण रखा है ?

बच्चों को बताएं कि यीशु मसीह ने धर्मशास्त्र के शब्दों में कहा जिसे आपने अभी पढ़ा है । समझाएं कि यीशु ने हमारे लिए एक अच्छा उदाहरण होने का एक तरीका, दूसरों से प्रेम करने और उनके लिए उदारता की चीजों को करने के द्वारा रखा है ।

धर्मशास्त्र कहानी और चर्चा

चित्र 2-45 दिखाएं , दस कोढ़ी । बच्चों को चित्र द्वारा दिखाई गई कहानी को बताने के लिए कहें । (देखें लूका 17:11 ... 19)।

- यीशु ने दस कोढ़ियों की सहायता के लिए क्या किया था?
- उसने उन्हें क्यों चंगा किया था?

चित्र 2-47 दिखाएं , पाँच हजार को खिलाना, और बच्चों को चित्र द्वारा दिखाई गई कहानी को बताने के लिए कहें (देखें मरकुस 6:34 ... 44) । यदि आवश्यकता हो उनकी सहायता करो ।

- लोगों की सहायता के लिए यीशु ने क्या किया था?
- उसने उनकी सहायता क्यों की थी ?

चित्र 2-36 दिखाएं, यीशु नफायटी बच्चों को आशीषित करता हुआ, और 3 नफी 17 में पायी जाने वाली कहानी को बताएं । समझाएं कि यीशु नफायटियों को अमेरिका में छोड़ने और स्वर्गीय पिता के पास वापस जाने के लिए तैयार था, परन्तु नफायटी उसे नहीं छोड़ना चाहते थे (देखें 3 नफी 17:4 ... 5) । यीशु कुछ अधिक समय तक रहा और सारे बीमार लोगों को चंगा किया और सारे बच्चों को आशीषित किया ।

- यीशु नफायटियों के साथ क्यों रहा था?
- यीशु ने लोगों को चंगा और बच्चों को आशीषित क्यों किया था?

बताएं कि इनमें से प्रत्येक कहानी में, यीशु मसीह ने लोगों की सहायता की क्योंकि वह उनसे प्रेम करता था । लोगों को सहायता के द्वारा हम भी दिखा सकते हैं कि उनसे प्रेम करतेहैं ।

दूसरों की सहायता के द्वारा हम यीशु मसीह के उदाहरण का अनुसरण कर सकते हैं

धर्मशास्त्र

यूहन्ना 13:35 को फिर से पढ़ें । बताएं कि जब हम दूसरे लोगों के लिए अपना प्रेम व्यक्त करते हैं, वे जानेंगे कि हम यीशु मसीह के उदाहरण का अनुसरण करते हैं ।

गीत

''एक दूसरे से प्रेम करो'' के शब्दों को गाएं या कहें ।

कहानी

बताएं कि हम यीशु मसीह के उदाहरण का अनुसरण कर सकते हैं और दूसरों के लिए सहायता के द्वारा प्रेम व्यक्त कर सकते हैं ।

एक बच्चे के बारे में कहानी बताएं जिसने किसी व्यक्ति के लिए प्रेम व्यक्त करने को कुछ उदारपूर्ण कार्य किया । आप निम्नलिखित कहानी का उपयोग करना चाहें:

टॉमस बहुत बीमार पड़ गया और उसे काफी समय के लिए बिस्तर में रहना पड़ा । उसने वह सारी मजेदार चीजों को खोया जो वह और उसके दोस्त करना पसंद करते थे । जब वह बीमार था, उसके दोस्तों में से कुछ उससे एक या दो बार मिलने आए । परन्तु उसका दोस्त जुआन उससे मिलने अक्सर आया करता था । कई बार जब दूसरे बच्चे बाहर खेल रहे होते, जुआन टॉमस के बिस्तर के बगल में टॉमस के साथ बातें करता और हँसता और उसे अच्छा महसूस करने में सहायता करता ।

- जुआन ने यह दिखाने के लिए क्या किया कि वह टॉमस से प्रेम करता था ?
- आपके विचार से टॉमस ने जुआन के बारे में कैसा महसूस किया था ? आपके विचार से जुआन ने टॉमस के बारे में कैसा महसूस किया था ?

बताएं कि बहुत से तरीके हैं जिनसे हम दूसरो की सहायता करने के द्वारा अपना प्रेम व्यक्त कर सकते हैं । अपने परिवारों, अपने दोस्तों, अपने पड़ोसियों, बड़े उम्र के लोगों, जो बीमार हैं, या अन्य कोई भी जिसे हमारी सहायता की आवश्यकता हो, के लिए हम उदारतापूर्ण कार्य कर सकते हैं ।

गतिविधि

बच्चों को सुनने दें जब आप उन्हें परिस्थिति के पहले भाग को बताते हैं जो उनके साथ हो सकता है । उन्हें बताने के द्वारा प्रत्येक परिस्थिति को पूरा करने दें कि प्रेम व्यक्त करने के लिए वे क्या करेंगे । आप चाहेंगे कि बच्चे एक या दो परिस्थितियों को नाटकीय रूप दें । निम्नलिखित परिस्थितियों को उपयोग करें या अपने स्वयं का कुछ बनाएं:

1. आप और आपके पिता किनारे पर बस का इन्तजार करते हुए बैठें हैं । आप देखते हैं कि एक बुढ़ा आदमी बस पकड़ने की जल्दी में है । उसके पास उसकी सहायता के लिए एक छड़ी है, परन्तु वह बहुत तेजी से नहीं चल सकता । बस रूकती है और दरवाजा खुलता है । जब आप सीढ़ियों पर चढ़ते हैं, आप बता सकते हैं कि शायद वह बस में समय से नहीं पहुँच सकता है ।
   - आप इस आदमी के प्रति प्रेम व्यक्त करने के लिए क्या कर सकते हैं ?
2. रविवार की सुबह को आप गिरजाघर के तरफ चलते हैं । आप एक युवा माता को दखते हैं जिसके एक हाथ में बच्चा है और दूसरे में कुछ किताबें ।
   - आप उद्धारक के उदाहरण का अनुसरण करने और इस औरत के प्रति प्रेम व्यक्त करने के लिए क्या करेंगे ?
3. जब आप विद्यालय से घर आते हैं, आपकी माता सिलाई करने की कोशिश कर रही है । आपका छोटा भाई परेशान कर रहा और रो रहा है क्योंकि वह चाहता है कि उसकी माँ उसके लिए एक कहानी पढ़े ।
   - आप अपनी माता और अपने छोटे भाई के प्रति प्रेम व्यक्त करने के लिए क्या करेंगे ?
4. एक रविवार प्राथमिक में, आप अन्य देश की एक लड़की से मिलते हैं । वह बहुत शर्मीली है और अधिक बाँतें नहीं करती । बाद में आप उसे सभाघर के दरवाजे के सामने खड़े होकर रोता हुआ देखते हैं ।
   - आप नई लड़की की सहायता और उसके प्रति प्रेम व्यक्त करने के लिए क्या करेंगे ?

सारांश

पहेली गतिविधि

प्रत्येक बच्चे को एक हृदय वितरण और हृदय पहेली के टुकड़ों का सेट दें । प्रत्येक बच्चे की पहेली को एक साथ रखने में सहायता करें और फिर पहेली को हृदय वितरण पर चिपकाएं । बच्चों के साथ, पहेली और वितरण पर के शब्दों को जोर से कहें ।

बच्चों को उनके वितरण घर ले जाने दें । बच्चों को उनके परिवारों को बताने के लिए प्रोत्साहित करें कि दूसरो के प्रति प्रेम व्यक्त करने के बारे में आज उन्होंने क्या सीखा ।

यदि समय आज्ञा दे, प्रत्येक बच्चे को एक व्यक्ति का नाम बताने के लिए कहें जिसे वह प्रेम करता या करती है और एक तरीका बताने के लिए कहें जिससे वह उस व्यक्ति के प्रति प्रेम व्यक्त कर सकता या सकती है । बच्चों को दूसरो के प्रति उनकी सहायता करने के द्वारा प्रेम व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें ।

गवाही

गवाही दें कि स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह चाहते हैं कि हम एक दूसरे से प्रेम करें । बच्चों को बताएं कि आप कैसा महसूस करते हैं जब आप दूसरो के प्रति प्रेम व्यक्त करते हैं ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें । बच्चे को सुझाव दें कि वह दूसरो के प्रति प्रेम व्यक्त करने में बच्चों की सहायता के लिए स्वर्गीय पिता से पूछे जैसा कि उद्धारक ने किया था ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें ।

1. बच्चों को किसी एक को जिसे वे प्रेम करते हैं, एक पत्र लिखने दें, बताते हुए कि वे उस व्यक्ति के लिए कितना चिन्ता करते हैं । छोटे बच्चे उन लोगों के लिए जिन्हें वे प्रेम करते हैं, चित्र बना सकते हैं । बच्चों को उनके पत्रों या लोगों के चित्रों को जिनके लिए उन्होंने बनाया है, बाँटने के लिए प्रोत्साहित करें ।

2. एक समय के बारे में निम्नलिखित कहानी बताएं जब जॉन टेलर, जो गिरजाघर के तीसरे अध्यक्ष बनें, प्रेम व्यक्त किया थाः

   जब जॉन टेलर एक युवा लड़के थे, उनके दोस्त रॉबर्ट वेस्ट की एक गंभीर बीमारी से मृत्यु हो गयी थी । बाद में लड़के के पिता एली वेस्ट, एक चरवाहा बनने के लिए गाँव से चले गए । जॉन जानते थे कि कभी कभी एली अकेलेपन में रहते थे, इसलिए उन्होंने उनसे मिलने के लिए अपने माता पिता से पूछा । जॉन के माता पिता ने उन्हें अनुमति दे दी और भोजन की एक टोकरी जॉन को अपने साथ ले जाने के लिए दिया ।

   जॉन को एली के घर जाने और वापस आने में पूरा दिन लगता था, इसलिए वह प्रातः सुबह ही चल दिए । यात्रा थकावट भरा था, और बहुत सारे पहाड़ों को पार करना था । एक बार, आराम करते वक्त जॉन को टोकरी में से भोजन खाने का लालच आया । उसकी जगह पर वह उठ खड़े हुए और बाकी के रास्ते जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी चलने लगे ।

   जॉन को देखकर एली बहुत खुश हुए । उन्होंने एक साथ खाना खाया और पुराने समय के बारे में बात किया (See Deta Petersen Neeley and Nathan Glen Neeley, A Child's Story of the Prophet John Taylor [Salt Lake City: Deseret News Press, 1960] pp. 12 … 18)।

   - जॉन टेलर ने अपने दोस्त के पिता के प्रति प्रेम व्यक्त करने के लिए क्या किया ?
   - आपके विचार से एली ने कैसा महसूस किया जो जॉन टेलर ने उसके लिए किया ?
   - आपके विचार से जॉन टेलर ने कैसा महसूस किया ?

   बच्चों को याद दिलाएं कि जब हम दूसरों के प्रति प्रेम व्यक्त करते हैं, लोग जिन्हें हम सहायता करते हैं खुश होते हैं और हम भी खुश होते हैं ।

3. निम्नलिखित आयत की गतिविधि के शब्दों को कहने या क्रियाओं को करने के लिए बच्चों की सहायता करेंः

   यीशु सारे बच्चों से प्रेम करता है
   यीशु सारे बच्चों से प्रेम करता है (बाहों को बाहर के तरफ सीधा करें) ।
   छोटा अब भी छोटा है (घुटने तक के बच्चे को दिखाने के लिए हाथ का उपयोग करें) ।
   झुले में बच्चा (बाहों से झुला बनाएं) ।
   कोई बहुत बड़ा और लंबा (हाथों को सिर के ऊपर उठायें) ।

   (From Finger Fun for Little Folk by Thea Cannon @ 1949 by the Standard Publishing Company, Cincinnati, Ohio. Used by permission) .

   जितनी बार बच्चे चाहें उतनी बार दोहरायें ।

4. कक्षा के सामने दो बच्चों को खड़ा होने दें । उन तरीकों की कक्षा के साथ चर्चा करें जो इन दो बच्चों में समान हो, जैसा कि दो आँखें और दो कान, समान चीजों को करने की चाहत, या गिरजाघर के सदस्य होना । फिर उन तरीकों की चर्चा करें जिनमें वे अलग हों, जैसा कि बालों का अलग रंग, अलग रूचियाँ, या अलग पारिवारिक विस्तार । संकेत करें कि कोई भी दो व्यक्ति एक समान नहीं होते । हम सारे बाकी हर किसी से कुछ तरीकों में अलग हैं ।

   बताएं कि कभी कभी लोगों का तरीकों में अलग होना हमें अनिश्चित बनाता है कि उनके साथ कैसा व्यवहार करें । वे अलग भाषा बोल सकते हैं, असमर्थ हो सकते हैं, या हमसे कुछ अन्य तरीकों से अलग हो सकते हैं । बताएं कि यीशु मसीह हर एक से प्रेम करता है, और वह चाहता है कि हम भी हर एक से प्रेम करें । हमें उन लोगों के साथ जो हमसे अलग दिखाई देते हैं या जो हमारी तरह दिखाई देते हैं, प्रेम और सहायता करनी चाहिए ।

   आप चाहेंगे कि बच्चे ''मैं तुम्हारे साथ चलूँगा'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 140) या ''हम अलग हैं '' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 263) के शब्दों को गाएं या कहें ।

मैं तुम्हारे साथ चलूँगा

अगर तुम नहीं चलते जैसे कई लोग करते हैं,
तुमसे कुछ लोग दूर चलते ,
परन्तु मैं नहीं, मैं नहीं !
अगर तुम नहीं बोलते जैसे कई लोग करते हैं,
कुछ लोग बोलते और तुमपर हँसते हैं,
परन्तु मैं नहीं, मैं नहीं !
मैं तुम्हारे साथ चलूँगा । मैं तुम्हारे साथ बोलूँगा ।
इस तरह तुम्हारे लिए मैं अपना प्रेम व्यक्त करूँगा ।

यीशु किसी से दूर नहीं चला ।
प्रत्येक को उसने अपने प्रेम दिया ।
इसलिए मैं भी, मैं भी !
यीशु ने आशीषित किया जिसे वह देख सका,
फिर मुड़ा और कहा, ''आओ, मेरे पीछे हो लो'' ।
और मैं भी , मैं भी !
मैं भी, मैं भी !
मैं तुम्हारे साथ चलूँगा । मैं तुम्हारे साथ बोलूँगा ।
इस तरह तुम्हारे लिए मैं अपना प्रेम व्यक्त करूँगा ।

हम अलग हैं
मैं तुम्हें जानता हूँ, और तुम मुझे जानते हो ।
वैसे हम भिन्न हैं जैसे सूर्य और समुद्र ।
मैं तुम्हें जानता हूँ, और तुम मुझे जानते हो ।
और यही वह तरीका है जैसा होना चाहिए ।

मैं तुम्हारी सहायता करता , और तुम मेरी सहायता करते हो ।
हम परेशानियों से सीखते हैं, और हम समझने लगते हैं ।
मैं तुम्हारी सहायता करता , और तुम मेरी सहायता करते हो ।
और यही वह तरीका है जैसा होना चाहिए ।

मैं तुमसे प्रेम करता हूँ, और तुम मुझसे प्रेम करते हो ।
एक साथ हम जाते जहाँ तक अच्छा हो सकता है ।
मैं तुमसे प्रेम करता हूँ, और तुम मुझसे प्रेम करते हो ।
और यही वह तरीका है जैसा होना चाहिए ।

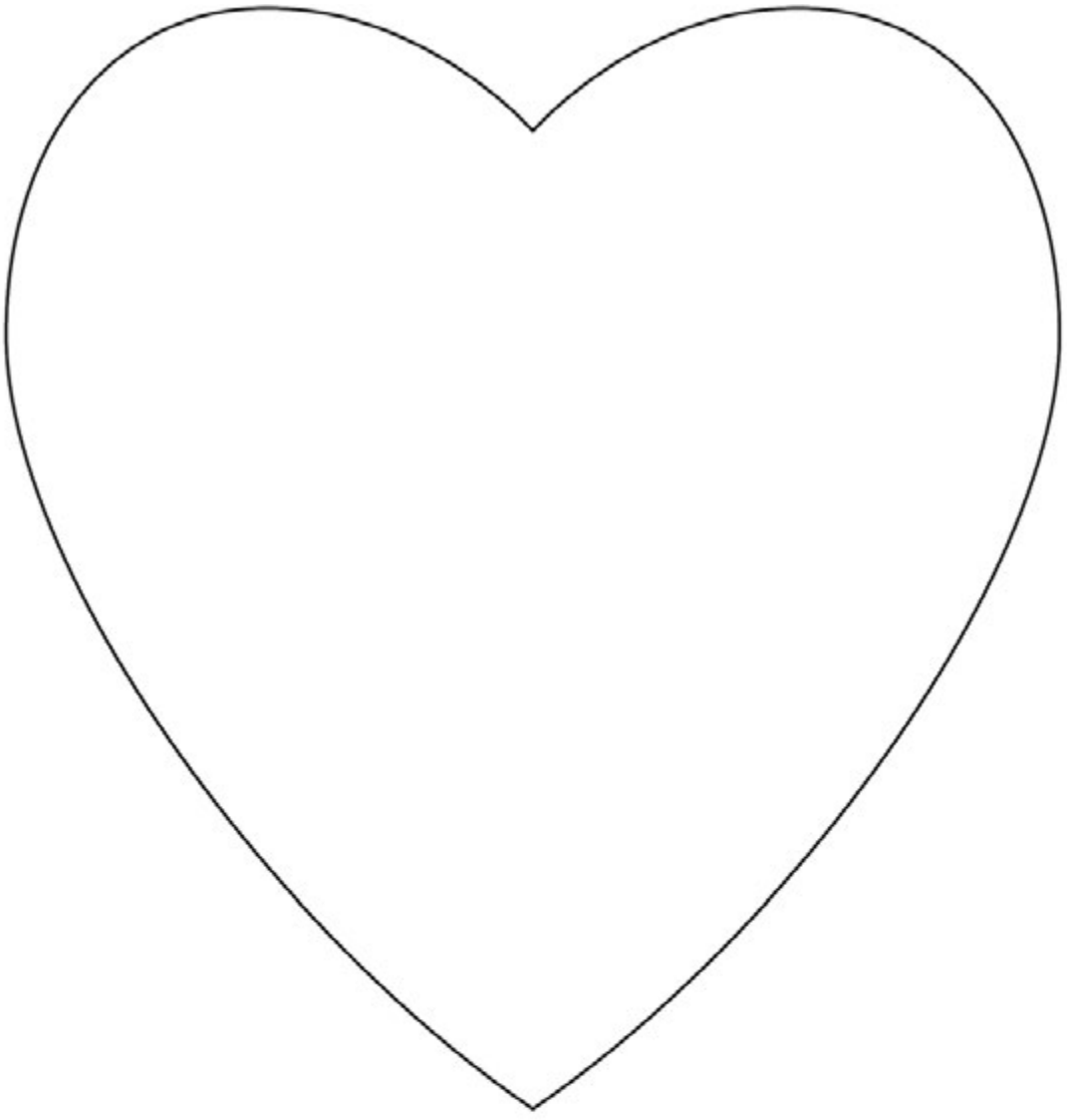

जैसा मैंने तुमसे प्रेम किया है

छोटे बच्चों के लिए इस पहेली का उपयोग करें ।

बड़े बच्चों के लिए इस पहेली का उपयोग करें ।

पाठ
33

मैं दशमांश दे सकता हूँ

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की समझने में सहायता करना कि जब हम दशमांश देते हैं, स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के प्रति प्रेम व्यक्त करते हैं ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मरकुस 12:41 ... 44 का अध्ययन करें । सुसमाचार सिद्धांत (31110), अध्याय 32 और जेम्स ई. टालमेज द्वारा यीशु ही मसीह है के पृष्ठ 561 ... 62, तीसरा संस्करण (सॉल्ट लेक सिटीः अंतिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर, 1916) को भी देखें ।

2. कागज के मुड़े हुए टुकड़ों का उपयोग करते हुए दो नामपट्ट बनाएं जैसा दिखाया गया हैः

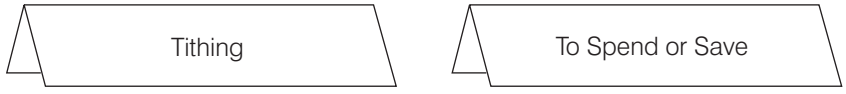

3. मार्क के बारे में कहानी को दिखाने के लिए एक पैसों का डिब्बा बनाएं । आप किसी भी ढक्कन वाले छोटे डिब्बे का उपयोग कर सकते हैं, दो भागों में विभाजित करते हुए । विभाजक बनाने के लिए यदि आवश्यकता हो, निम्नलिखित निर्देशनों या उदाहरणों को देखें ।

   गत्ते की एक पट्टी काटें डिब्बे की ऊँचाई जितनी परन्तु एक इंच (या तीन सेन्टी मीटर) डिब्बे से चौड़ी । प्रत्येक भुजा के तरफ एक - आधा इंच (या एक और आधा सेन्टी मीटर) चिन्ह लगाएं और भुजाओं को ऊपर से मोड़ते हुए घुण्डी बनाएं । घुण्यिों पर गोंद लगाएं और दो भागों को बनाने के लिए गत्ते की पट्टी को डिब्बे के अन्दर डालें, पहला दूसरे वाले से बड़ा ।

   डिब्बे से सामने या ढक्कन पर, छोटे भाग पर ''दशमांश'' और बड़े भाग पर ''खर्च या बचत करना'' छापें ।

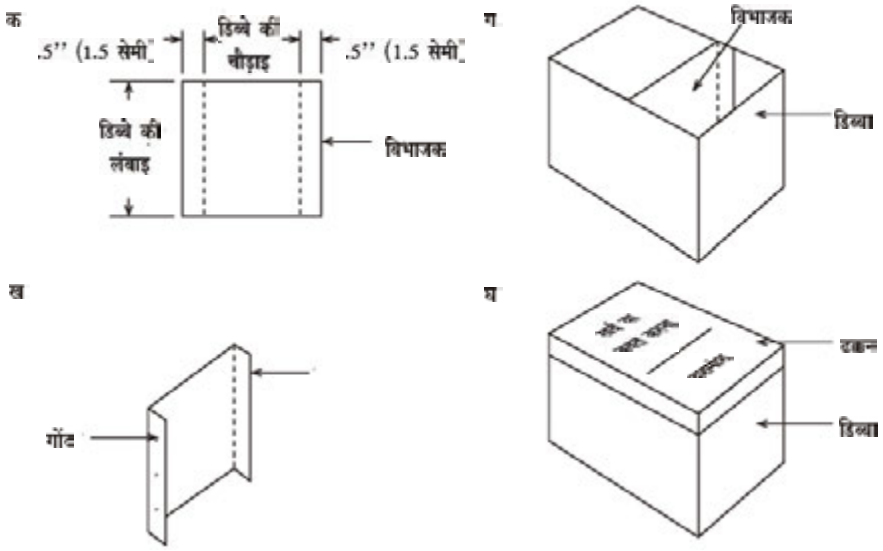

4. जैसा दिखाया गया है, छोटे सिक्कों के आकार के भूरे कागज के दो गोलाकार काटें जिसे दमड़ी कहते हैं ।

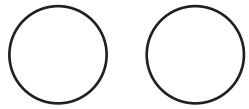

5. एक दशमांश और अन्य चढ़ाओं की पर्ची प्राप्त करें और एक दशमांश आवरण प्रत्येक बच्चे के लिए ।

6. ''मैं अपना दसवाँ प्रभु को देना चाहता हूँ'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 150) के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें ।

7. आवश्यक सामग्रियाँ
   क. एक बाइबल ।
   ख. दस सिक्के (या रूपये) कीमत के समान ।
   ग. चित्र 2-55, विधवा की दमड़ी

8. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

सुझावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उसपर ध्यान दें ।

दशमांश हमारी आमदनी का दसवाँ हिस्सा है

ध्यान गतिविधि

अपने हाथ में दस सिक्कों को पकड़ें और उन्हें बच्चों को दिखाएं ।

- आप इन सिक्कों के साथ क्या करेंगे यदि आपने इन्हें कमाया होता ?

प्रत्येक बच्चे को जवाब देने दें, और प्रत्येक उत्तर के लिए सकारात्मक टिप्पणी करें । कोई भी उत्तर सही या गलत नहीं है । जब प्रत्येक बच्चा जवाब दे चुका हो, चर्चा जारी रखें ।

यदि बच्चे ने दशमांश देने का उल्लेख किया हो, टिप्पणी करें कि किसी ने बहुत ही महत्वपूर्ण कुछ चीज का उल्लेख किया है कि हमें करना चाहिए जब हम पैसा कमाएं । अगर किसी ने दशमांश देने का उल्लेख नहीं किया हो, बच्चों को बताएं कि आप उनकी किसी बहुत ही महत्वपूर्ण चीज के बारे में सीखने में सहायता करना पसंद करेंगे जिसे वे करें जब भी पैसे कमाएं ।

बताएं कि स्वर्गीय पिता ने हमें कमाए हुए पैसों पर दशमांश देने की आज्ञा दी है । जब हम दशमांश देते हैं, हम गिरजाघर को अपनी कमाई में से कुछ पैसे उन चीजों के लिए देते हैं जो लोगों की स्वर्गीय पिता और यीशु और सुसमाचार के बारे में जानने में सहायता करता है, जैसा कि मन्दिर, गिरजाघर भवन, पाठ्य पुस्तिकाएं, और अन्य सामग्रियाँ ।

गतिविधि

बच्चों को दस सिक्कों को गिनने दें जैसे आप सिक्कों को मेज या फर्श पर एक पंक्ति में रखते हैं । ''दशमांश'' नामपट्ट मेज या फर्श पर रखें । बढ़ें या बच्चों को नामपट्ट पर के शब्द को पढ़ने दें । बच्चों को बताएं कि हमारी कमाई का दसवाँ हिस्सा वह रकम है जिसे हम दशमांश के रूप में देते हैं । मेज या फर्श पर के दस में से एक सिक्का दसवाँ हिस्सा होगा । एक बच्चे से एक सिक्के को दशमांश नामपट्ट के आगे रखने के लिए कहें ।

''दशमांश'' नामपट्ट के बगल में ''खर्च या बचत करना'' नामपट्ट रखें । नामपट्ट पर के शब्दों को पढ़ें या बच्चों को पढ़ने दें ।

- यदि आपने इतना पैसा कमाया होता, दशमांश देने के पश्चात आपके पास खर्च या बचत करने के लिए कितने सिक्के रह जाते ?

''खर्च या बचत करना'' नामपट्ट के आगे एक बच्चे को नौ सिक्के रखने दें, एक के बाद एक जैसे कक्षा गिनती है ।

''खर्च या बचत करना'' नामपट्ट के आगे रखे सिक्कों को संकेत करें और बताएं कि जो पैसे हम दशमांश के रूप में देते हैं वह हमारी कमाई का छोटा हिस्सा है ।

बताएं कि हमें अपनी सारी कमाई में से दशमांश देना चाहिए । आप अलग अलग सिक्कों या बिलों का उपयोग करना चाहे, बच्चों की उनकी कमाई में से दसवाँ हिस्सा दशमांश के रूप में देने में और अधिक समझने में सहायता करने के लिए ।

हम सही का चुनाव करते हैं जब हम दशमांश देते हैं

कहानी

''खर्च या बचत करना'' पैसों के डिब्बे के बगल में दस सिक्कों को रखें और मार्क और उसके दशमांश देने के चुनाव के बारे में अपने स्वयं के शब्दों में कहानी बताएं । आप जिन सिक्कों को लाए हैं उनका दूसरा नाम रखना चाह सकते हैं, शब्द सिक्के के लिए जब आप कहानी बताएं ।

आखिरी बार मार्क एक दुकान में था जहाँ उसने एक खिलौना देखा था जिसे वह खरीदना चाहता था । मार्क अपनी माँ के लिए काम कर रहा था और खिलौने को खरीदने के लिए पैसे बचा रहा था । उसने नौ सिक्के कमा लिए थे । उसे खिलौने को खरीदने के लिए एक और सिक्के की आवश्यकता थी । उसकी माँ ने कहा कि वह उसे देगी अगर वह उसके लिए काम करेगा ।

शनिवार प्रातः मार्क उठा और उसने अपना नाश्ता खाया, फिर उसने वह काम किया जो उसकी माँ चाहती थी कि वह करे । जब उसने पूरा कर लिया, उसकी माँ ने उससे कहा कि वह बहुत प्राभावित हुई है उस काम से जो उसने किया था । उसने मार्क को एक चमकता हुआ नया सिक्का दिया । मार्क उत्साहित था क्योंकि अब उसके पास खिलौने को खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे थे ।

मार्क अपने पैसों के डिब्बे को लेने के लिए दौड़ा, और उसने सिक्के को उसमें डाल दिया । (''खर्च या बचत करना'' डिब्बे के बगल में दूसरा सिक्का रखें) । फिर वह और उसकी माँ दुकान गए । जब वे दुकान पर पहुँचे, मार्क को खिलौना मिल गया । वह खुश था कि अभी तक वह बिका नहीं था । उसने उसके तरफ बहुत ही ध्यानपूर्वक देखा, वह उसके साथ खेलने से बड़ी मुश्किल से रूका ।

जब मार्क खिलौने का भुगतान करने गया, क्लर्क मुस्कुराया और कहा कि इसकी कीमत दस सिक्के होगी । मार्क ने अपने पैसों के डिब्बे का ढक्कन हटाया और अपने सिक्कों को गिनने लगा । (पैसों के डिब्बे का ढक्कन हटायें, और ''खर्च या बचत करना'' के बगल से सिक्कों को गिनें) । जब वह दसवें पर पहुँचा उसे याद आयाः दस में से एक सिक्का दशमांश होना चाहिए ।

मार्क नहीं जानता था कि क्या करे । उसे सचमुच खिलौना चाहिए था । वह उसे रख सकता था, परन्तु तभी जब वह अपनी दशमांश रकम क्लर्क को दे देता । मार्क ने क्लर्क के तरफ, खिलौने के तरफ, और फिर दशमांश सिक्के के तरफ देखा ।

- आप क्या करते यदि आप मार्क होते ?

मार्क ने दशमांश सिक्के को डिब्बे के बगल में दशमांश में डाल दिया । (''दशमांश'' के बगल के डिब्बे में एक सिक्का डालें) । उसने ''खर्च या बचत करना'' डिब्बे के बगल में नौ सिक्कों को वापस डाला और खिलौने को वापस शेल्फ पर रखने के लिए गलियारे से होता हुआ नीचे गया ।

मार्क की माँ ने कुछ नहीं कहा, परन्तु उसने मार्क के आस-पास अपनी बाहों को डालकर उसे कसकर भींच लिया । मार्क को पता चल गया कि उसने सही काम किया है ।

दूसरे दिन गिरजाघर पर, मार्क ने अपनी दशमांश आवरण धर्माध्यक्ष को दिया । धर्माध्यक्ष ने मार्क से हाथ मिलाया और कहा कि स्वर्गीय पिता को खुशी हुई कि उसने अपना दशमांश दिया । मार्क भी खुश था । उसे पता था कि उसने सही चुनाव किया है । (Adapted from Marshall T. Burton, "The Little Red Car", Instructor, अप्रैल 1966, पृ. 158 ... 59) ।

चर्चा

- मार्क को क्या चुनाव करना था ?
- उसके लिए यह एक कठिन चुनाव क्यों था ?
- मार्क के उस चुनाव के बारे में कैसा महसूस किया जो उसने किया था? क्यों ?
- मार्क के चुनाव के बारे में और कौन खुश था ?

दशमांश देना स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के प्रति प्रेम व्यक्त करना है

चर्चा

बताएं कि हम स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के प्रति अपना प्रेम दिखाते हैं जब हम दशमांश देते हैं ।

- क्या आशीषें स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह ने आपको दी हैं ?

बताएं कि दस में से एक सिक्का स्वर्गीय पिता और यीशु को धन्यवाद करने के लिए बहुत नहीं है हमारी बहुत सी आशीषों के लिए जो उन्होंने हमें दिया है ।

धर्माशास्त्र कहानी

बच्चों को भूरे रंग के गोलाकारों को दिखाएं, संकेत करते हुए कि गोलाकार कितने छोटे हैं । बताएं कि ये गोलाकार सिक्कों की तरह छोटे आकार के हैं जिन्हें दमड़ी कहते हैं, जिसका उपयोग तब किया जाता था जब यीशु पृथ्वी पर रहता था । दमड़ियों का मूल्य बहुत नहीं था ।

चित्र 2-55 दिखाएं , विधवा की दमड़ी, और बताएं कि यहाँ तक कि दमड़ियाँ बहुत छोटी थीं और उनका मूल्य बहुत नहीं था, एक औरत ने उनका उपयोग स्वर्गीय पिता के प्रति प्रेम व्यक्त करने के लिए किया था । मरकुस 12:41 ... 44 में पायी जाने वाली कहानी बताएं ।

बताएं कि यीशु मसीह के समय में, मन्दिर पर एक बड़े बर्तन में जिसका मुँह ऊपर से खुला हुआ होता था, दशमांश और भेंटें ईकट्ठी जब की जाती थीं । (चित्र के बर्तन पर संकेत करें) । एक दिन यीशु ने लोगों को आते और बर्तन में पैसों को डालते हुए देखा, जब यीशु ने विधवा को उसके पैसे डालते हुए देखा, उसने अपने चेलों को बुलाया । उसने अपने चेलों से कहा कि विधवा ने बहुत बड़ा काम किया है क्योंकि वह स्वर्गीय पिता से देने से भी अधिक प्रेम करती थी जब कि उसके पास बहुत पैसे नहीं थे ।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

मरकुस 12:43 जोर से पढ़ें जो यीशु ने चेलों से कहा । बताएं कि विधवा ने एक छोटी रकम दी थी कुछ धनी लोगों की तुलना में, परन्तु यीशु जानता था कि उसने वह दिया जो उसके पास था क्योंकि वह स्वर्गीय पिता से प्रेम करती थी । हम भी स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के प्रति अपना प्रेम दशमांश देने के द्वारा व्यक्त कर सकते हैं, यहाँ तक कि अगर वह छोटी रकम हो तो भी ।

बच्चों को याद दिलाएं कि मार्क ने कैसे अपना प्रेम स्वर्गीय पिता और यीशु के प्रति व्यक्त किया था, खिलौने खरीदने की बजाय अपना दशमांश देने का चुनाव करने के द्वारा । यह मार्क के लिए कठिन था, परन्तु उसने प्रस–ाता महसूस किया जब उसने सही चुनाव किया ।

गीत

''मैं अपना दसवाँ प्रभु को देना चाहता हूँ'', के शब्दों को गाने या कहने में बच्चों की सहायता करें । गीत को कुछ समय के लिए दोहरायें ताकि बच्चे शब्दों को सीख सकें ।

मैं अपना दसवाँ प्रभु को देना चाहता हूँ,
जैसा कि मैं हर बार करता हूँ
इससे मैं सारे उपहारों को सोचता हूँ
जो वह मुझे और तुम्हें देता है ।

वह हमें देता है जीवन , यह सुंदर संसार ।
और यद्यपि मेरा दसवाँ दिखाई देता है छोटा ,
यह मेरा विश्वास और आभार व्यक्त करता है
उसके लिए, सभी के प्रभु को ।

बच्चों को याद दिलाएं कि जब हम अपना दशमांश देते हैं, हम दिखाते हैं कि हम स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह को कितना प्रेम करते हैं ।

हम दशमांश कैसे देते हैं

गतिविधि

बच्चों को याद दिलाएं कि जब यीशु पृथ्वी पर था, लोग अपने दशमांश और अन्य भेंटें मन्दिर पर बर्तनों में डालते थे । बताएं कि आज हम अपना दशमांश धर्माध्यक्ष (या शाखा अध्यक्ष) या उनके सलाहकारों में से एक को देते हैं ।

प्रत्येक बच्चे को एक दशमांश और अन्य भेंटों की पर्ची और आवरण दें । बताएं कि हम इन प्रपत्रों और लिफाफे का उपयोग तब करते हैं जब हम दशमांश देते हैं । बच्चों को दिखाएं कि प्रपत्र को कैसे भरा जाता है । यदि बच्चे दिलचस्पी लेते हैं, संक्षिप्त में प्रपत्र पर सूचीबद्ध अन्य दान के वर्गों को बताएं । बताएं कि हम प्रपत्र और पैसे को लिफाफे में डालते हैं और अपने धर्माध्यक्ष (या शाखा अध्यक्ष) या उनके सलाहकारों में से एक को देते हैं ।

सारांश

समीक्षा

दस सिक्कों को फिर से दिखाएं

- यदि आपने इन दस सिक्कों को कमाया होता, लिफाफे में आप कितना दशमांश रखते ?

बच्चे को सही रकम लेने दें और उसे प्रपत्र के साथ आवरण में रखने दें ।

- दशमांश लिफाफे के साथ हम क्या करते हैं ?

गवाही

अपनी गवाही दें कि कैसे हम दशमांश देने के द्वारा स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के प्रति प्रेम व्यक्त करते हैं ।

बच्चों को किसी भी पैसे पर जिसे उन्होंने कमाया है, चाहे रकम कितनी ही छोटी क्यों न हो, दशमांश देने के लिए प्रोत्साहित करें ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय''

देखें ।

1. बच्चों के साथ कुछ चीजों पर चर्चा करें जिनके लिए दशमांश पैसे का उपयोग किया जाता हे, जैसे कि मन्दिरों और सभाघरों को बनाना, प्रचारक कार्यों को करना, और पाठ्य पुस्तिकाओं को छापना । चर्चा करें कि ये चीजें कैसे हमें और अन्यों को फायदा करेंगी ।

   बच्चों को कागज या क्रेयोन या रंग दें, और प्रत्येक बच्चे को किसी एक चीज का चित्र बनाने दें जिसकी चर्चा आपने की थी ।

2. ''मैं खुश हूँ दशमांश देकर'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 150) के शब्दों को गाएं या कहें ।
   मेरा स्वर्गीय पिता सारी अच्छी और प्यारी चीजें देता है मुझेः
   सुरज जो चमकता है, वर्षा जो गिरती है, घासस्थली का पक्षी जो गाता है ।

   मैं खुश हूँ दशमांश देकर, अपनी सारी आमदनी का दसवाँ;
   मैं सोचता हूँ कि यह है बहुत थोड़ा उन सारी चीजों के बदले जो परमेश्वर देता है ।

   दशमांश के कानून का आज्ञापालन करते समय सही नजरिये के होने की महत्वपूर्णता के बारे में बात करें, जैसा कि अन्य आज्ञा के साथ जो स्वर्गीय पिता ने हमें दिया है ।

3. प्रत्येक बच्चे को बर्तन को सजाने दें, जैसा कि एक डिब्बा, बाल्टी, या आवरण, दशमांश के लिए । आप स्वतः ही बर्तन लाएं या सप्ताह के दौरान इस पाठ से पहले बच्चों से उनके स्वयं के बर्तन लाने के लिए उनसे संबंध स्थापित करें ।

सदैव सच बोलें

पाठ
34

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की सच बोलने की इच्छा को मजबूत करना, तब भी जब यह आसान नहीं होता ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मरकुस 14:53 ... 65 और विश्वास के अनुच्छेद 1:13 का अध्ययन करें । सुसमाचार सिद्धांत (31110), अध्याय ३१ को भी देखें ।
2. ''दिखाना है कि मैं सही का चुनाव करता हूँ'' (''यदि तुम खुश हो'', की धुन में गाया गया, बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 266) के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें ।
3. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाइबल ।
   ख. एक बोतल जिसे बच्चे घुमा सकें, जैसा कि एक मृदु पेय की बोतल ।
   ग. स.चु. सारणी (देखें पाठ 1) ।
   घ. चित्र 2-56, यीशु की परीक्षा ।
4. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

हम सच बोल सकते हैं

ध्यान गतिविधि

निम्नलिखित कहानी अपने स्वयं के शब्दों में बताएं ।

एक दिन एन-मेरी अपने दादा के साथ मछलियाँ पकड़ने गई । एन-मेरी ने एक अच्छा वक्त बिताया और खासकर वह तब खुश हुई जब उसने एक मछली पकड़ी ।

जब एन-मेरी घर पहुँची, वह अपने दोस्त डैनी को मिलने गई । उसने उसे अन्दर आमंत्रित किया और उसे रसोईघर में ले गया, जहाँ उसने उसे एक मछली दिखाया जिसे उसने पकड़ा था । डैनी की मछली, एन-मेरी की मछली से काफी बड़ी थी जिसे उसने पकड़ा था ।

एन-मेरी डैनी के लिए खुश हुई, परन्तु उसने निराशा भी महसूस किया । डैनी की मछली की तुलना में उसकी मछली छोटी थी । वह नहीं चाहती थी कि डैनी को पता चले कि उसने कितना बुरा महसूस किया, इसलिए उसने उसे बताया कि वह अपने दादा के साथ मछली पकड़ने गई थी और इतनी बड़ी मछली पकड़ी कि उसे और उसके दादा को मछली को खिंचने के लिए जाल का उपयोग करना पड़ा था । एन-मेरी ने डैनी को बताया कि उसकी मछली इसकी अपेक्षा बहुत बड़ी थी ।

चर्चा

- एन-मेरी ने क्या किया जो गलत था ?
- एन-मेरी को क्या करना चाहिए था ?
- इसका क्या मतलब है कि सच बोलें ?

समझाएं कि सच बोलना ईमानदार होने का हिस्सा है । जब हम सच बोलते हैं, हम उन चीजों के बारे में बिल्कुल वैसा ही बोलते हैं जैसा कि हुआ है ।

- सच बोलना यह क्यों महत्वपूर्ण है ?

आप बच्चों से उन समयों के बारे में पूछना चाह सकते हैं जब उन्होंने सच बोला हो ।

विश्वास का अनुच्छेद

बच्चों को याद दिलाएं कि विश्वास के अनुच्छेद वक्तव्य हैं जिसपर गिरजाघर के सदस्य विश्वास करते हैं । बच्चों को बताएं कि तेरहवें विश्वास के अनुच्छेद का हिस्सा कहता है, ''हम ईमानदार होने में(और) सच्चाई में विश्वास करते हैं'' । बच्चों को वाक्य को कुछ समय के लिए दोहराने दें ।

यीशु मसीह ने सच बोला था

धर्मशास्त्र कहानी

दिखाएं चित्र 2-56, यीशु की परीक्षा । चित्र को वैसे ही बाकी के पाठ के लिए रहने दें । बच्चों को बताएं कि यीशु मसीह ने हमेशा सच बोला, और मरकुस 14:53 -- 65 में पाई जाने वाली कहानी बताएं ।

समझाएं कि सिपाही यीशु को यहूदी महायाजक के घर ले गए, जहाँ पर यहूदी मार्गदर्शकों ने उससे कई प्रश्न पूछे । मरकुस 14:61 से, प्रश्नों में से एक प्रश्न जो उन्होंने उससे पूछा था, को जोर से पढ़ेंः ''क्या तुम मसीह हो'' ?

समझाएं कि यीशु जानता था कि यदि उसने कहा वह मसीह है, स्वर्गीय पिता का विशेष पुत्र, मार्गदर्शक उसे जाने नहीं देगें । मरकुस 14:62 में से, यीशु ने क्या कहा जब उसने महायाजक को उत्तर दिया, को जोर से पढ़ेंः ''और यीशु ने कहा, मैं हूँ'' । संकेत करें कि यीशु ने सदैव सच बोला था, तब भी जब उसका जीवन खतरे में था ।

समझाएं कि यीशु हमसे चाहता है कि हम सदैव सच बोलें, तब भी जब यह करना कठिन हो ।

स. चु. सारणी

स. चु. सारणी के तरफ संकेत करें और बच्चों को उस पर के शब्दों को दोहराने दें । फिर बच्चों को आपके पीछे ''मैं यीशु मसीह का अनुसरण करूँगा और सच बोलूँगा'' को दोहराने दें ।

गीत

बच्चों को ''दिखाना कि मैं सही का चुनाव करता हूँ'' , के शब्दों को गाने या कहने में सहायता करें ।

दिखाना कि मैं सही का चुनाव करता, मैं सच बोलता हूँ ।
दिखाना कि मैं सही का चुनाव करता , मैं सच बोलता हूँ ।
मैं जानता हूँ उद्धारक के रास्ते को,
और यह दिखाता है उसमें जो मैं कहता हूँ ।
दिखाना कि मैं सही का चुनाव करता हूँ, मैं सच बोलता हूँ ।

बच्चों की उसे सीखने में सहायता के लिए शब्दों को कुछ समयों के लिए गाएं या कहें ।

हम तब भी सच बोल सकते हैं जब यह आसान नहीं होता

चर्चा

बताएं कि सच बोलना सदैव आसान नहीं होता । कभी कभी हमारे लिए कुछ चीजों को कहना आसान होता है जो कि सही नहीं है या फिर कुछ भी नहीं कहना ।

- सच बोलना कभी कभी कठिन क्यों होता है ? (उत्तरों में सम्मिलित हो सकता है, क्योंकि हम किसी को क्रोधित नहीं करना चाहते या क्योंकि हमें सजा हो सकती है) ।

कहानी

एक बच्चे के बारे में कहानी बताएं जिसने सच नहीं कहा और उसने उसके बारे में दुख महसूस किया । आप निम्नलिखित कहानी का उपयोग करना चाह सकते हैंः

जो-एनी ने अकस्मात अपनी माँ की सिलाई में प्रयोग आने वाली कैंची तोड़ डाली । उसने दराज में छुपा दिया ताकि उसकी माँ को पता ना चल सकें कि किसने उसे तोड़ा हैं । जो-एनी की माँ कैंची खोज रही थीं, और उस ने पूछा कि किसी ने क्या उन्हें देखा है । जो-एनी ने अपनी माँ से कहा कि उसने कैंची को नहीं देखा है ।

ऐसा कहने के पश्चात जो-एनी ने बुरा महसूस किया । वह जानती थी कि उसने कैंची के साथ खेलकर गलत किया था जबकि उसे नहीं खेलना चाहिए था, और अब उसने दूसरी बार गलत किया उसके बारे में झुठ बोल कर । जो-एनी बीमार पड गई ।

जब जो-एनी पारिवारिक प्रार्थना में आई, तुरन्त उसने अपनी आँखों को बन्द किया । वह अपनी माँ के ओर देखना नहीं चाहती थी । जैसे ही जो-एनी के पिता ने प्रार्थना कही, जो-एनी ने उनको कहते हुए सुना, ''हमें वह करने का साहस दो जो सच है, ताकि हमें हमेशा मन की शान्ति और खुशी मिल सके'' । जो-एनी जानती थी कि फिर से खुश होने के लिए उसे अपनी माँ को कैंचियों के बारे में सच बताने की आवश्यकता है ।

जो-एनी टुटी हुई कैंची को अपनी माँ के पास लाई और अपनी माँ को सच बताया । वह दुखित थी कि उसने कैंची को तोड़ा और झुठ बोला, और वह सही काम करना चाहती थी । (Adapted from Margery Cannon, "A Miss and a Mistake", Children's Friend, March 1962, p. 14)।

चर्चा

- क्या जो-एनी ने सच कहा था जब पहली बार उसकी माँ ने कैंची के बारे में पूछा था?
- जो-एनी को कैसा महसूस हुआ जब उसने सच नहीं कहा ?
- आपके विचार से जो-एनी ने कैसा महसूस किया जब उसने अपनी माँ को सच्चाई बताई ?
- क्या जो-एनी के लिए सच कहना आसान था ?

समझाएं, यहाँ तक कि जो-एनी के लिए सच कहना बहुत कठिन था कैंची उसे डर था कि कैंचियों को तोड़ने के लिए उसे सजा मिल सकती थी, वह खुश थी जब उसने सच कहा ।

खेल

बच्चों के साथ ''सच बोलें'' का खेल खेलें । बच्चों को गोलाकार में बैठने दें, और फर्श पर गोलाकार के मध्य बोतल रखें । समझाएं कि आप बोतल को घुमाएंगे, और जिस बच्चे के तरफ यह संकेत करेगा उसे सच बोलने के बारे में एक प्रश्न का उत्तर देने का मौका मिलेगा । उत्तर देने के पश्चात, दूसरे व्यक्ति को चुनने के लिए बच्चा बोतल घुमाएगा । (यदि बोतल उस बच्चे के तरफ संकेत करे जिसने पहले से ही प्रश्न का उत्तर दे दिया हो, बच्चे को उसे फिर से घुमाने दें) ।

खेल के लिए निम्नलिखित परिस्थितियों और प्रश्नों का उपयोग करें, या अपनी कक्षा में कुछ परिस्थितियों को बनाएं जो बच्चों के लिए उपयुक्त हो (यदि आपकी कक्षा बड़ी है, आपको और परिस्थितियों को जोड़ने की ज़÷रत पड़ सकती हैं)ः

1. आप अपने घर में खेल रहे हैं और अकस्मात से आपने एक लैंप तोड़ दिया ।

   • आपको क्या करना चाहिए ?

2. आपके पिता आपसे जल्दी दुकान पर जाने और कुछ चीजों को खरीदने के लिए कहते हैं जिसकी उन्हें आवश्यकता है । वह आपको रास्ते में रूकने और खेलने के लिए मना करते हैं । जैसे ही आप अपने पड़ोसी के घर के समाने से गुजरते हैं, वह आपको कुछ खतों को डालने के लिए देती है । दुकान से घर आने के रास्ते पर, आप एक दोस्त की नई साईकिल को देखने के लिए रूक जाते हैं । अचानक ही आपको याद आता है कि आपके पिता इंतजार कर रहे हैं, और आप घर के तरफ जाते हैं । आपके पिता परेशान होते हैं, और आप उनको बताना चाहते हैं कि आपको देर हो गई क्योंकि आपने पड़ोसी के कुछ खतों को डाला था ।

   • आपको क्या कहना चाहिए ?

3. आप मेज पर टॉफियों की एक थाली देखते हैं । वह इतनी अच्छी दिखाई देती हैं कि आप एक अपने लिए और एक अपने छोटे भाई के लिए ले लेते हैं । जब आपकी माँ टॉफियों को अपनी दोस्त के लिए लेने आती हैं, वह देखतीं हैं कि आपका भाई टॉफी खा रहा है और उसे डाँटना शुरू कर देती हैं ।

   • आपको क्या करना चाहिए ?

4. आप अपनी छोटी बहन के खिलौनों में से एक ले लेते हैं, और वह रोने लगती है । जब आप अपनी दादी को आते हुए सुनते हैं, आप तुरन्त खिलौने को वापस दे देते हैं, परन्तु आपकी छोटी बहन रोना बन्द नहीं करती है । आपकी दादी आपसे पूछती हैं कि आपकी बहन क्यों रो रही है ।

   • आपको क्या कहना चाहिए ?

5. आप और आपके दोस्त एक पड़ोसी के घर के सामने गेंद खेल रहे हैं । आप गेंद को मारते हैं, और वह आपके पड़ोसी के दरवाजे पर रखे हुए फूलदान को लगता है आर वह टुट जाता है ।

   • आपको क्या करना चाहिए ?

सारांश

गवाही

सच्चे रहने के महत्व के बारे में अपनी गवाही दें, तब भी जब यह कठिन होता है । बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु मसीह ने हमेशा सच बोला और वह चाहता है कि हम हमेशा सच बोलें । आप एक समय के बारे में बताना चाहेंगे जब आपको सच बोलने से खुशी हुई हो, यहाँ तक कि यह करना आपको कठिन लगा हो ।

बच्चों को याद दिलाएं कि उन्हें हमेशा सही का चुनाव करने की कोशिश करनी चाहिए । जब वे सच बोलते हैं, वे सही का चुनाव करते हैं ।

आज प्राथमिक में क्या सीखा, के बारे में उनके परिवारों को बताने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें ।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें । बच्चे को स्वर्गीय पिता से प्रत्येक कक्षा के सदस्य को सच बोलने में सहायता के लिए पूछने का सुझाव दें, तब भी जब यह आसान नहीं होता ।

समृद्धि गातविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठमें ही प्रयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के लिए भी । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिएसहायता'' में ''कक्षा का समय'' देखें ।

1. ''सही करने की हिम्मत'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 158), ''सही रास्ते को चुनाव'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 160), या ''मैं ईमानदार होने में विश्वास करता हूँ'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 149)। ''सही करने की हिम्मत'' और ''सही रास्ते को चुनाव'' के शब्दों को इस पुस्तक के पीछे सम्मिलित किया गया है।

   मैं ईमानदार होने में विश्वास करता हूँ
   मैं ईमानदार होने में विश्वास करता हूँ ;
   मैं सच्चा रहने में विश्वास करता हूँ,
   वह ईमानदारी मुझसे शुरू होनी चाहिए
   सबमें जो मैं कहता हूँ, सबमें जो मैं करता हूँ।

   मैं अपनी युवावस्था में अच्छी आदतें बनाऊँगा,
   अपने शब्द को रखने के लिए, सच बोलने के लिए,
   सही के बचाव में बोलने के लिए
   और अपने नाम और प्रतिष्ठा को उज्जवलित रखूँगा।

   मैं ईमानदार होने में विश्वास करता हूँ ;
   मैं सच्चा रहने में विश्वास करता हूँ,
   वह ईमानदारी मुझसे शुरू होनी चाहिए
   सबमें जो मैं कहता हूँ, सबमें जो मैं करता हूँ।

2. एक बच्चे को कक्षा के सामने आकर दोनों हाथों को पकड़ने के लिए कहें। बच्चे के कमर के आस-पास कलाई में एक धागा या ऊन के टुकड़े को लपेटें और उसे मजबूती से पकड़ें। समझाएं कि धागा या ऊन एक छोटे झुठ की तरह है। बच्चे को उसे तोड़कर आजाद होने के लिए कहें (धागे या ऊन को इतना ढिला पकड़ें कि बच्चा उसे तोड़कर आजाद हो सके)।

   फिर बच्चे की कमर को एक दर्जन या कई बार लपेटें जैसे आप समझाते हैं कि एक झूठ के पीछे कई झूठ होते हैं जब हम अपने झूठ को छुपाने की कोशिश करते हैं। जब हम झूठ बोलते हैं,अक्सर हमें और झूठ बोलने पड़ते हैं लोगों को हमारे झूठ से दूर रखने के लिए। जब हम कई झूठ बोलते हैं, अपने आपको आजाद करना और कठिन हो जाता है। अब बच्चे से आजाद होने के लिए कहें। यदि बच्चा सफल हो जाता है, आप और अधिक धागे या ऊन की परतों से कोशिश करना चाहें। समझाएं कि हम जितना झूठ बोलते हैं, सही का चुनाव करना और सच बोलना उतना ही कठिन हो जाता है।

   • आप इन झूठों से आजाद होने के लिए ,कैसे तोड़ेंगे ?

   धागे को काटने और बच्चे के हाथों को आजाद करने के लिए एक जोड़ी कैंचियों का उपयोग करें। समझाएं कि झूठ से आजाद होने के लिए, हमें हमेशा सच बोलना चाहिए। यदि हमने पहले से ही एक झूठ बोल रखा हो, हमें उस व्यक्ति को सच्चाई बताने के द्वारा जिससे हमने झूठ बोला , पश्चाताप करना चाहिए। जब हम सच बोलते हैं, हम खुश हो सकते हैं।

3. प्रत्येक बच्चे के लिए पाठ के अंत में पाई जाने वाली ''छुपे हुए संदेश'' की एक प्रति बनाएं। प्रत्येक बच्चे को संदेश की एक प्रति और एक पेन्सिल दें। छुपे हुए संदेश में से यीशु मसीह की एक शिक्षा को समझाएं। बच्चों को बताएं कि वे शब्द को जो प्रत्येक चिन्ह के साथ मेल खाता हो, को खोजने और चिन्ह के नीचे रखे हुए डिब्बे पर लिखने के द्वारा छुपे हुए संदेश का खोज कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर एक शब्द में लिखें और आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।

   बच्चों से उनकी बाहों को मोड़ने और मुस्कुराने के लिए कहें जब वे जानते हों कि छुपा हुआ संदेश क्या है। जब सारे बच्चे संदेश की खोज कर चुके हों, आपके साथ छुपे हुए संदेश के शब्दो को पढ़ने दें : ''सच बोलो''।

4. पाठ में ''सच बोलो'' खेल की जो परिस्थितियाँ उपयोग की गई हैं, बच्चों को कुछ का नाटकीय रूप देने दें, प्रत्येक परिस्थिति में सही का चुनाव दिखाते हुए।

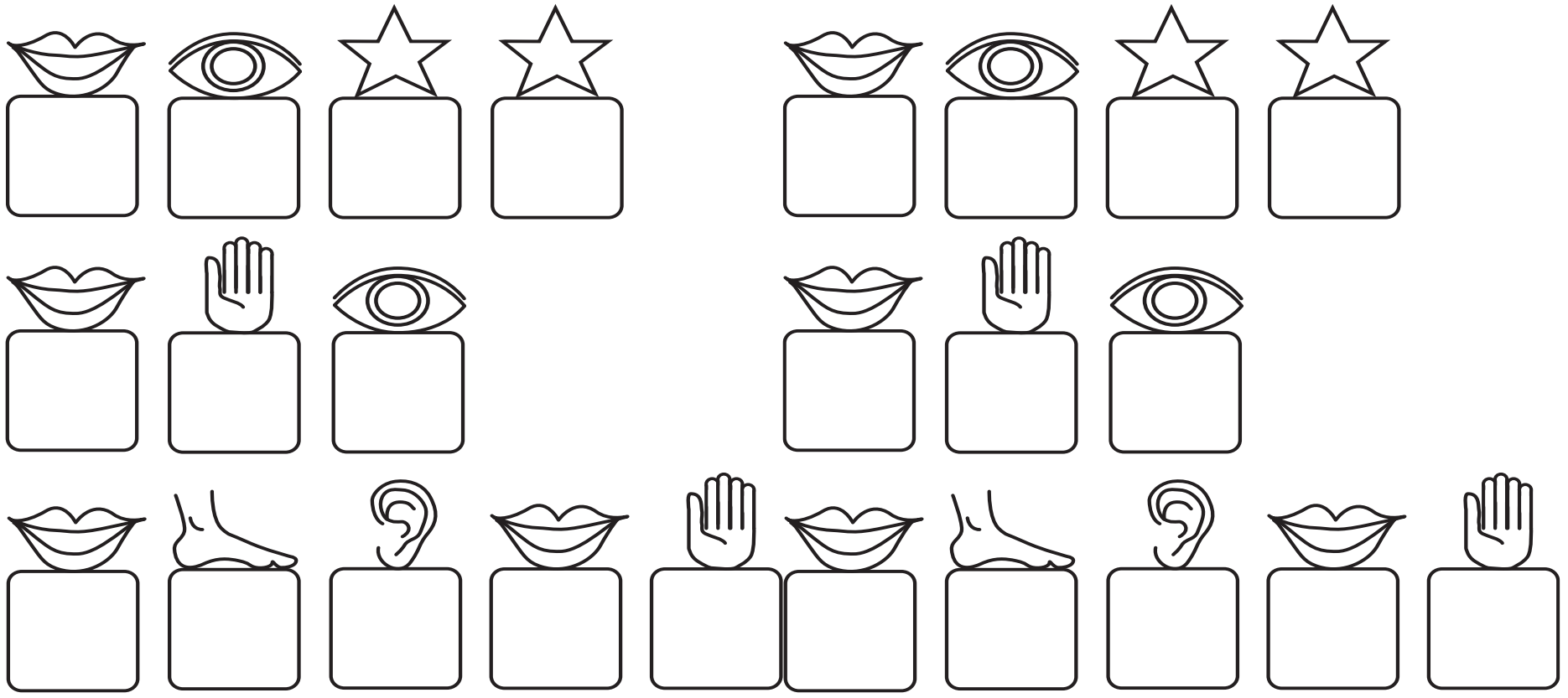

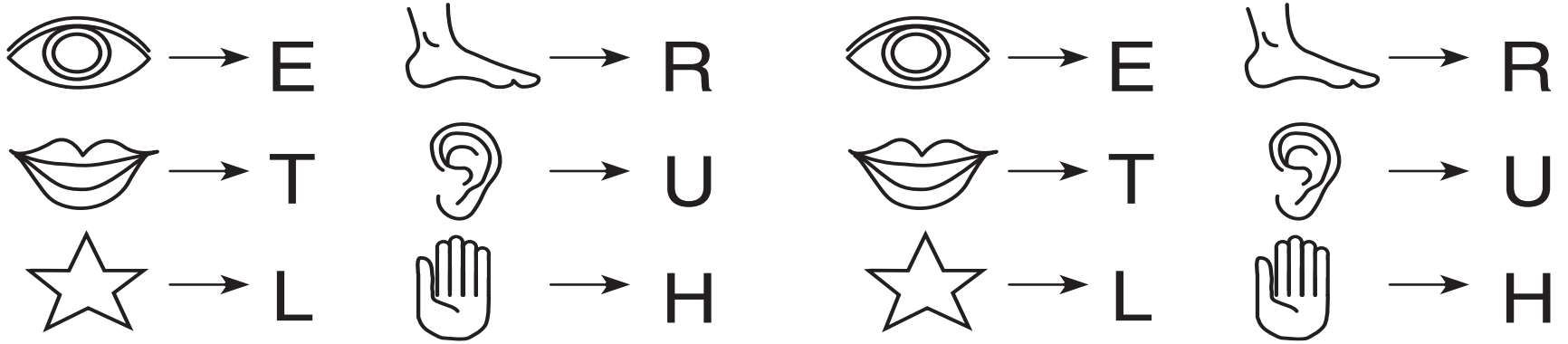
E
R
T
U
L
H
E
R
T
U
L
H

मेरे पास योग्यताएं हैं

पाठ
35

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को पहचानने में सहायता करें कि स्वर्गीय पिता ने हममें से प्रत्येक को योग्यताएं दी हैं ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मत्ती 25:14 ... 29 का अध्ययन करें । सुसमाचार सिद्धांत (31110), अध्याय 34 भी देखें ।

2. सप्ताह के दौरान, प्रत्येक बच्चे के माता पिता से सम्पर्क करें और उनसे पूछें कि उन्होंने अपने बच्चों में किन योग्याताओं का अवलोकन किया है । यदि आवश्यकता हो, कुछ कम प्रत्यक्ष योग्यताओं का सुझाव दें, जैसे कि उदार, हँसमुख, आज्ञाकारी, सहायक, क्षमा करने वाले, दोस्ताना, या प्रार्थना करने वाले होना । प्रत्येक बच्चे के लिए योग्याताओं की सूची बनाएं । उन योग्याताओं को सूची में जोड़ें जिनका आपने प्रत्येक बच्चे में अवलोकन किया है ।

3. अपने सूची का उपयोग करते हुए, प्रत्येक बच्चे के लिए निम्नलिखित के समान एक कागज तैयार करें । एक कागज के टुकड़े पर बच्चे का नाम लिखें । कागज को आधा मोड़ लें । आधे पर बच्चे के योग्यताओं की सूची बनाएं जिनका आप पाठ के दौरान चर्चा करेंगे । कागज के आधे हिस्से को खाली रहने दें ।

> (बच्चे का नाम)
> मुझसे मेरी योग्यताओं के बारे में पूछोः
> 1.
> 2.
> 3.
> 4.
> 5.

निश्चित करें कि प्रत्येक बच्चे के कागज पर योग्याताओं की समान संख्या की सूची हो और यह कि प्रत्येक बच्चे की सूची में कम से कम एक योग्यता हो जिसका प्रदर्शन किया जा सके, जैसे कि गाना, रस्सी कुदना, या पढ़ना ।

4. अपनी योग्यताओं में से एक का प्रदर्शन करने की तैयारी करें, या एक चीज लाएं जो योग्यताओं में से एक का प्रतिनिधित्व करता हो ।

5. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाइबल ।
   क. रंग या पेन्सिल ।
   ग. चित्र 2-57, हिबर जे. ग्रांट ।

6. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

स्वर्गीय पिता के तरफ से योग्यताएं उपहार हैं

ध्यान गतिविधि

अपनी योग्यताओं में से एक का प्रदर्शन करें, या अपनी लाई हुई वस्तु को दिखाएं और समझाएं कि यह आपके योग्यताओं में से एक का प्रतिनिधित्व करता है ।

- एक योग्यता क्या है ?

यदि आप एक वस्तु लाए हैं, वस्तु के बारे में बताएं और समझाएं कि क्यों योग्यता जिसका यह प्रतिनिधित्व करता है, आपके लिए महत्वपूर्ण है । यदि आपने एक योग्यता का प्रदर्शन किया हो, समझाएं कि उस योग्यता का उपयोग करने में आपको क्यों खुशी होती है ।

समझाएं कि स्वर्गीय पिता ने अपने प्रत्येक बच्चे को योग्यताएं दी हैं । आपके वार्ड या शाखा के कुछ लोगों के बारे में बताएं जिनके पास योग्यताएं हैं जिनसे बच्चे परिचित हों, जैसे कि गाना, एक वाद्य उपकरण को बजाना, या अन्यों की प्रसन्नता महसूस करने में सहायता करना ।

बच्चों का याद दिलाएं कि उनमें से प्रत्येक स्वर्गीय पिता का बच्चा है, इसलिए उनमें से प्रत्येक के पास योग्यताएं भी हैं । समझाएं कि हर किसी के पास अलग अलग योग्यताएं होती हैं ।

हम में से प्रत्येक के पास बहुत सारी विभिन्न योग्यताएं हैं

कहानी और चर्चा

अपने स्वयं के शब्दों में, एक बच्चे के बारे में निम्नलिखित कहानी बताएं जिसने खोज किया कि उसके पास योग्यताएं थीः

वेन्डी ने अपनी बहन शेली को, उनके घर के पीछे पहाड़ों का एक सुन्दर चित्र बनाते हुए देखा । वेन्डी हतोत्साहित हुई थी क्योंकि वह शेली जैसा नहीं बना सकती थी । शेली को पियानो भी बजाना आता था और कक्षा में तीव्र थी । वेन्डी ने इस सारी चीजों के बारे में सोचा कि शेली अच्छा कर सकती थी । वह चकित थी कि वह इन सारी चीजों को अच्छी तरह क्यों नहीं कर सकती थी ।

- आपके विचार से वेन्डी ने कैसा महसूस किया जब उसने शेली की सारी योग्यताओं के बारे में सोचा ?

एक दिन वेन्डी की शिक्षिका ने उससे प्राथमिक में वार्ता देने के लिए पूछा । उसने उसपर कड़ी मेहनत की और एक अच्छा वार्ता दी । अध्यक्ष ने वेन्डी की वार्ता को सुना और उससे कहा कि उन्होंने उसकी वार्ता में कितना आनन्द उठाया । उन्होंने वेन्डी से कहा कि वह बहुत प्रतिभाशाली है ।

वेन्डी को एक उमंग से भरा हुआ अनुभव हुआ । अध्यक्ष के शब्दों से वेन्डी को उसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण खोज करने में सहायता हुई ।

- वेन्डी की सहायता किस खोज में अध्यक्ष ने की थी? (उसके पास अच्छी वार्ता देने की योग्यता थी) ।

वेन्डी ने जल्दी ही खोज किया कि उसके पास और भी योग्यताएं थीं । वह आसानी से दोस्ती कर लेती, और अन्य बच्चे उसके साथ हमेशा रहना चाहते थे । उसे पढ़ना और लिखना बहुत अच्छा लगता था । जब वह गिरजाघर गई, वह श्रद्धापूर्वक रही और अपनी शिक्षिका को सुना । वेन्डी ने कभी नहीं सोचा था कि ये योग्यताएं थीं क्योंकि वे शेली की योग्यताओं की तरह नहीं थीं । अब वेन्डी को पता चला कि उसके पास भी योग्यताएं हैं, परन्तु उसकी योग्यताएं उसकी बहन की योग्यताओं से अलग हैं ।

- वेन्डी के पास क्या योग्यताएं थीं?

बच्चों पर जोर दें कि प्रत्येक के पास विभिन्न योग्यताएं हैं, परन्तु सभी योग्यताएं महत्वपूर्ण हैं ।

गतिविधि

बच्चों को बताएं कि वे अपनी प्राथमिक कक्षा में लोगों की बहुत सारी विभिन्न योग्यताओं के बारे में सीखने जा रहे हैं । बच्चों से ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें जब आप योग्यताओं की प्रत्येक सूची को पढ़ें । बच्चों को बताएं कि जब वे जान चुके आप किसका वर्णन कर रहे हैं, उन्हें अपने हाथों को उठाना चाहिए परन्तु कुछ भी जोर से न कहते हुए ।

''मैं किसी एक के बारे में सोच रहा हूँ जिसके पास ये योग्यताएं हैं'' से प्रारंभ करते हुए, योग्यताओं की सूची को पढ़ें जिसे आपने प्रत्येक बच्चे के लिए तैयार किया है ।

जब आप प्रत्येक सूची को पढ़ना समाप्त कर लें, बच्चों को अनुमान लगाने दें कि अभी अभी आपने किस बच्चे का वर्णन किया। यदि बच्चे सही अनुमान नहीं लगा सकते हैं, कुछ स्पष्ट सुत्र दें, जैसा कि कपड़े का वर्णन करते हुए जिसे बच्चे ने पहना है या बताते हुए कि बच्चा लड़का है या लड़की ।

योग्यता प्रदर्शन

बच्चों को याद दिलाएं कि स्वर्गीय पिता ने उन्हें यह योग्यताऐ दी है । प्रत्येक बच्चे को उसकी सूची से, एक योग्यता का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित करें । (समय से पहले ही निर्णय ले कि कक्षा में प्रत्येक बच्चे की सूची से किन योग्यताओं का आसानी से प्रदर्शन किया जा सकते है, जैसा कि पसंदीदा गीत को गाना, पढ़ना, रस्सी कुदना, या उछलना) ।

यीशु मसीह ने हमें अपनी योग्यताओं का उपयोग करने की शिक्षा दी है

धर्मशास्त्र कहानी

बच्चों को बताएं कि यीशु मसीह ने सीखाया है कि हमें अपनी योग्यताओं का उपयोग करना चाहिए । संक्षेप में मत्ती 25:14 ... 29 में पाई जाने वाली कहानी बताएं । समझाएं कि यीशु ने यह कहानी अपने चेलों को उनकी समझने में सहायता के लिए बताई थी कि धरती के इस जीवन के पश्चात उसके और स्वर्गीय पिता के साथ रहने के लिए उन्हें क्या करना चाहिए ।

निम्नलिखित संकेतों पर जोर दें जब आप कहानी बताएः

1. यीशु के दिनों में योग्यताएं तोड़ों के टुकड़े थे।

2. दास जिसने पाँच तोड़े प्राप्त किये थे, उनका समझदारी से उपयोग किया और जल्दी ही पाँच और तोड़ कमाये।

3. दास जिसने दो तोड़े प्राप्त किये थे, उनका समझदारी से उपयोग किया और जल्दी ही दो और तोड़े कमाये।

4. दास जिसने एक तोड़ प्राप्त किया था, उसे छुपा दिया और उसका उपयोग बिल्कुल नहीं किया।

5. दासों का स्वामी वापस आया और दासों से पूछा कि उन्होंने अपने तोड़ों के साथ क्या किया ?

मत्ती 25:21 को जोर से पढ़ें कि स्वामी ने उस दास से क्या कहा जिसे पाँच तोड़े दिए गए थे और उसने पाँच और कमाये थे।

समझाएं कि स्वामी ने उस दास को वही समान चीजें कहीं जिसे दो तोड़े दिए गए थे और उसने दो और कमाये थे। स्वामी ,इन दो दासों से अपने तोड़ों को समझदारी से उपयोग करने के लिए खुश था।

समझाएं कि स्वामी ने तीसरे दास से कहा क्योंकि उसने अपनी तोड़े का उपयोग नहीं किया था, वह उससे ले लिया जाएगा और वह उसके पास फिर कभी नहीं होगा (देखें मत्ती 25:26 -- 29)।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों की समझने में सहायता करें कि हमें दृष्टांत में पहले दो सेवकों की तरह बनना चाहिए। यद्यपि पैसे की जगह उन चीजों को करने के लिए हम योग्यता शब्द का उपयोग करते हैं, फिर भी हमें अपनी योग्यताओं का उपयोग सावधानी से करना चाहिए।

समझाएं कि अपने स्वर्गीय पिता के आत्मिक बच्चे होने के नाते धरती पर उपयोग करने और बढ़ाने के लिए हममें से प्रत्येक ने विशेष योग्यताओं और उपहारों को प्राप्त किया है। जब हम अपनी योग्यताओं का उपयोग करते हैं, हम स्वयं को और दूसरों को खुश करते हैं। कहानी में स्वामी के समान, स्वर्गीय पिता नहीं चाहता है कि हम अपनी योग्यताओं को छुपायें या शायद खो दें। वह चाहता है कि हम अपनी योग्यताओं का उपयोग करें ताकि वह बढ़े। तब हम लोग फिर से स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के साथ रहने के लिए तैयार हो सकते हैं।

प्रयास के द्वारा हम अपनी योग्यताओं को बढ़ाते हैं

कहानी और चर्चा

चित्र 2-57, हिबर जे. ग्रांट दिखाएं। समझाएं कि आप हिबर जे. ग्रांट के विषय में कहानी बताने जा रहे हैं, जो आगे चलकर एक भविष्यवक्ता और गिरजाघर के अध्यक्ष बने, और उन्होंने अपनी योग्यताओं को बढ़ाने के लिए क्या कियाः

जब हिबर जे. ग्रांट एक बालक थे, वह गेन्द खेलना पसन्द करते थे परन्तु वह गेन्द को बहुत दूर तक नहीं फेंक पाते थे। जब वह ऐसा करने की कोशिश करते तो दूसरे लड़के उनकी हँसी उड़ाते थे।

हिबर ने यह निश्चय किया कि वह इतना अच्छा गेन्द खेलना सीखेंगे ताकि उनका चुनाव चैम्पियनशीप टीम में खेलने के लिए हो सके। दिन प्रतिदिन वह गेन्द को फेंकने का प्रयास एक बखार के बगल के सामने करने लगे। कभी कभी उनके हाथ में इतनी चोट लग जाती कि वह रात में मुश्किल से सो पाते थे। परन्तु उन्होंने प्रयास जारी रखा। कुछ वर्षों के बाद, हिबर ने एक टीम में खेला जिसने चैम्पियनशीप जीती थी।

- हिबर कौन सी योग्यता प्राप्त करना चाहते थे ?
- इस योग्यता को बढ़ाने के लिए हिबर ने क्या किया था?
- हिबर के गेन्द खेलने के प्रयास का क्या परिणाम हुआ था?

बाद के जीवन में हिबर किसी बैंक में बही खाते में लिखने का काम करना चाहते थे। परन्तु बही खाते का काम करने वाले के लिए साफ सुथरी लिखावट का होना बहुत जरूरी था ताकि आसानी से पढ़ा जा सके। हिबर के मित्रों में से एक ने उनसे कहा, ''(तुम्हारी) लिखावट ऐसी लगती है जैसे मुर्गी चली हो''। दूसरे मित्र ने कहा, ''ऐसा लगता है जैसे किसी स्याही की बोतल पर बिजली गिर पड़ी हो।''

हिबर ने अपनी लिखावट को सुधारने के लिए कई घंटे लगाए। कुछ वर्षो बाद उन्हें प्रान्त में सबसे अच्छी लिखावट के लिए पुरस्कार मिला। उन्होंने लिखावट और बहीखातों को लिखने की शिक्षा विश्वविद्यालय में दी।

- हिबर कौन सी योग्यता प्राप्त करना चाहते थे ?
- इस योग्यता को बढ़ाने के लिए हिबर ने क्या किया था?
- हिबर के लिखावट के प्रयास का क्या परिणाम हुआ था?

जब हिबर छोटे थे, उनकी माँ चाहती थीं कि वह गाना सीखें। जब वह दस वर्ष के हुए एक गाने की कक्षा मे भर्ती हो गए। शिक्षक ने हिबर को गाना सिखाने की कोशिश की परन्तु अन्त में यह कहते हुए छोड़ दिया कि वह कभी नहीं सीख सकते। वर्षों बाद हिबर ने अपने एक मित्र से बात किया जिसने गाना सिखाया। हिबर ने यह बात बताई कि वह कुछ गानों को गा सकने की क्षमता को पसन्द करेंगे। मित्र ने उन्हें बताया कि वह ऐसा कर सकते हैं परन्तु उसमें समय और प्रयास की जरूरत है। हिबर बहुत सारे प्रयास को करने के इच्छुक थे, और उन्होंने गिरजाघर के गानों को गाना सीख लिया। (देखें Bryant S. Hinckley, Heber J. Grant: Highlight in the Life of a Great Leader (साल्ट लेक सिटीः Deseret Book Co. 1951), पृ. 37 ... 42, 45 ... 49)।

- हिबर कौन सी योग्यता प्राप्त करना चाहते थे ?
- हिबर ने क्या किया था जिससे उन्हें गेन्द खेलना सीखने, अपनी लिखावट को सुधारने, और गाना गाने में सहायता हुई थी?

बच्चों को समझाएं कि हम अपनी योग्यताओं को प्रयास के द्वारा बढ़ाते हैं जैसा कि हिबर ने किया था। जब हम किसी चीज को अधिक करते हैं, हम उसे और अच्छा कर सकते हैं। हिबर ने अपनी योग्यताओं के प्रयोग का प्रयास बार बार किया, इसलिए वह उन्हें बेहतर करने लगे। स्वर्गीय पिता खुश होता है जब हम उसके द्वारा दी गई योग्यताओं के उपयोग का प्रयास करते हैं।

सारांश

गतिविधि

प्रत्येक बच्चे की विशेष योग्यताओं की समीक्षा करें, जैसा कि पिछले पाठ में चर्चा की गई थी। बच्चों को उनकी योग्यताओं की सूची और पेन्सिल या रंग दें। उनके कागजों के खाली तरफ बच्चों को एक योग्यता का चित्र बनाने दें जो उनके पास है या जिसे वह पाना चाहते हैं।

बच्चों को उनके चित्रों के बारे में एक दूसरे को बताने और चर्चा करने दें कि दिखाई गई योग्यता को वे कैसे बढ़ा सकते हैं।

गवाही

अपनी गवाही दें कि स्वर्गीय पिता ने हममें से प्रत्येक को अलग अलग योग्यताएं दी हैं। बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु मसीह और स्वर्गीय पिता चाहते हैं कि हम अपनी योग्यताओं का उपयोग करें। जब हम अपनी योग्यताओं का उपयोग करते हैं, हम अपने आपको और दूसरे लोगों को खुश कर सकते हैं, और हम अपनी योग्यताओं को बढ़ने में सहायता कर करते हैं।

जोर से पढ़ें या बच्चों को प्रत्येक बच्चे की सूची के शब्दों को उपर से पढ़ने दें।''मुझसे मेरी योग्यताओं के बारे में पूछो।'' बच्चों को उनकी सूचियों को उनके परिवारों को दिखाने के लिए उत्साहित करें और अपने परिवारों को बताएं कि उन्होंने अपने योग्यताओं के बारे में क्या सीखा है।

समापन प्रार्थना करने के लिए एक बच्चे को आमंत्रित करें। सुझाव दें कि बच्चा कक्षा के प्रत्येक सदस्यों की योग्याताओं के लिए स्वर्गीय पिता को धन्यवाद दे और स्वर्गीय पिता से बच्चों की सहायता के लिए माँगे कि वे अपनी योग्यताओं का उपयोग अच्छी तरह से कर सकें।

समृद्धि गतिविधि

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेंगी । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें ।

1. बच्चों को एक गोलाई में बैठने दें। जब वे कोई सेम का झोला या कोई और मुलायम वस्तु उस गोलाकार में आगे बढ़ाते हैं तब गुनगुनाएं, गाएं या कोई संगीत बजाएं। जब संगीत रूक जाए, बच्चा जिसके हाथ में सेम का झोला है, गोलाकार के मध्य में खड़ा होकर अपनी योग्यता का प्रदर्शन करेगा। योग्यताओं में कविता सुनाना, एक गीत गाना, एक धर्मशास्त्र पढ़ना, एक पैर पर कूदना, या चॉकबोर्ड पर एक साधारण सा चित्र बनाना सम्मिलित हो सकता है। बच्चे योग्यताओं का मूकाभिनय कर सकते हैं जिनका कक्षा में प्रदर्शन नहीं किया जा सकता, जैसा कि एक उदारपूर्ण कार्य या एक गेन्द को मारने के रूप दर्शाना। बच्चों से कहें कि वे धीमी आवाज में प्रत्येक बच्चे के प्रदर्शन के बाद उसकी प्रशंसा करें।

   यह तब तक जारी रखें जब तक सारे बच्चे अपना प्रदर्शन पूरा न कर लें।

2. प्रत्येक बच्चे को क्रेयोन और कागज का एक टुकड़ा दें जिसपर आपने एक तारा बनाया है (पाठ के अन्त में तारा बनाने का नमूना दिया गया है)। बच्चों से उनके तारों को अलग अलग तरीकों में रंगने के लिए कहें। जब सारे बच्चे रंगना समाप्त कर चुके हों, उनको उनके तारों का प्रदर्शन करने दें और ''प्रत्येक तारा भिन्न है'' की पहली आयत के शब्दों को गाने या कहने दें (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 142)।

प्रत्येक तारा भिन्न है,
और वैसे ही प्रत्येक बच्चा ।
कुछ चमकदार और खुश हैं,
और कुछ विनम्र और शांत।
प्रत्येक को जरूरत है
उसी के लिये जिसे वह कर सकता है।
तुम्हीं अकेले व्यक्ति हो
जो सदा अपने समान बने रह सकते हो।

(© 1980 by K. Newell Dayley. Used by permission.)

बच्चों को समझने में सहायता करें कि जैसे उनके तारे भिन्न हैं, वे सारे भिन्न हैं क्योंकि उनके पास विभिन्न योग्यताएं और क्षमताएं हैं। बच्चों को याद दिलाएं कि प्रतिभाएं स्वर्गीय पिता के तरफ से आशीषें हैं।

3. बच्चों को एक साधारण गुण की शिक्षा दें जो कि एक योग्यता के रूप में बढ़ सकता है जैसे कि एक गीत की अगुवाई करना या एक हस्तकला की वस्तु बनाना।

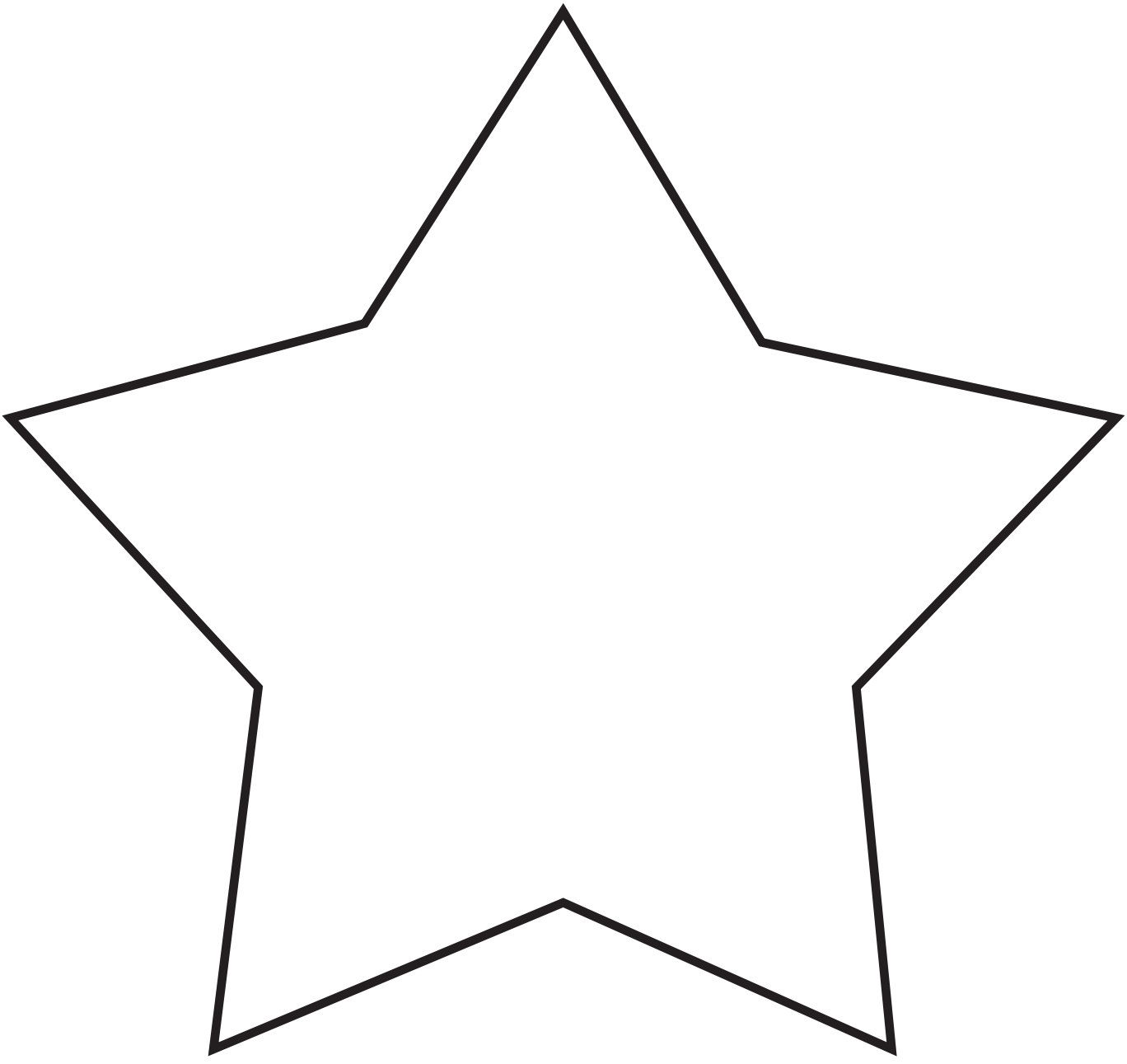

मैं बुद्धिमान होता हूँ जब में सही का चुनाव करता हूँ

पाठ
36

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की समझने में सहायता करें कि जब हम यीशु मसीह की शिक्षाओं को पालन करते हैं हम बुद्धिमान होते हैं ।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मत्ती 7:24 -- 27 का अध्ययन करें।

2. जैसा दिखाया गया है, मुड़े हुए कागजों को प्रयोग करके दो चिन्ह तैयार करें।

3. ''बुद्धिमान आदमी और मूर्ख आदमी'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 281) और ''सही का चुनाव करो'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 160) के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें। ''सही का चुनाव करो'' के शब्दों को पुस्तिका के पीछे सम्मिलित किया गया है।

4. कागज के छोटे छोटे टुकड़ों पर कुछ बुद्धिमान और कुछ मूर्खता के कार्य लिखें। नीचे दिए हुए आचरणों को करें और अन्यों को भी जोड़ें जो कक्षा के लिए उपयुक्त हों । कागज के टुकड़ों को एक छोटे बर्तन में रखें जैसाएक बक्सा, कटोरा या झोला।
   अपनी प्रार्थनाएं करो।
   अपने माता-पिता की आज्ञा मानो।
   प्राथमिक में श्रद्धालु रहो।
   दूसरों के प्रति उदार बनो।
   बाँटो।
   सच बोलना ।
   झगड़ा करो।
   एक बुरा शब्द बोलना ।
   स्वार्थी बनो।
   झूठ बोलो।
   निर्दयी बनो।

5. आवश्यक सामग्रियाँ :
   क. एक बाइबल ।
   ख. एक टोपी, दस्ताने का एक जोड़ा, और जूतों का एक जोड़ा (अथवा और तीन तरह के कपड़े जो आपकी कक्षा के बच्चे पहन सकें)।
   ग. स.चु. सारणी (देखें पाठ 1)।

किसी भी समृद्धी कार्यक्रमों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए एक बच्चे को आमंत्रित करें।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया है, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

हम लोग बुद्धिमानी का निर्णय ले सकते हैं

ध्यान गतिविधि

दस्ताने, टोपी और जूतों को दिखाएं (यदि आप कपड़े के दूसरे समान का उपयोग कर रहे हैं तो आवश्यकतानुसार इस गतिविधि को करते रहें)। दस्ताने को अपने सिर के ऊपर रखें।

- क्या दस्ताने पहनने का यही तरीका होना चाहिए ? क्यों ?
- हमें दस्तानों का उपयोग किस लिए करना चाहिए ?

बताएं कि दस्तानों को सिर पर रखना मूर्खता होगी क्योंकि तब वे आपके हाथों की रक्षा नहीं कर सकेंगे।

दस्तानों को पहनने का बुद्धिमान तरीका दिखाने के लिए एक बच्चे को आमंत्रित करें।

टोपी को अपने एक पैर पर रखें।

- क्या इस तरह से हमें टोपी पहननी चाहिए ? क्यों ?
- हमें टोपियों का उपयोग किस लिए करना चाहिए ?

बताएं कि टोपी को पैर पर रखना मूर्खता होगी क्योंकि तब वह आपके सिर की रक्षा नहीं कर सकेगी।

टोपी को पहनने का बुद्धिमान तरीका दिखाने के लिए एक और बच्चे को आमंत्रित करें।

जूतों को अपने हाथों में पहनें ।

- क्या इस तरह से हमें जूतों को पहनना चाहिए ? क्यों ?
- हमें जुतों का उपयोग किसलिए करना चाहिए ?

समझाएं कि जूतों को हाथों में पहनना मूर्खता होगी क्योंकि तब वे आपके पैरों की रक्षा नहीं कर सकेंगे।

जूतों को पहनने का बुद्धिमान तरीका दिखाने के लिए एक और बच्चे को आमंत्रित करें।

समझाएं कि कुछ लोग दस्ताने, टोपियाँ, या जूतों को उनके शरीरों के गलत अंगों में पहन सकते हैं। परन्तु क्या पहना जाए के बारे में चुनाव सही और गलत भी हो सकता है। संक्षेप में बच्चों से चर्चा करें कि कब अलग अलग कपड़ों को पहनना बुद्धिमानी या मूर्खता होगी (उदाहरण के तौर पर, दस्तानों को पहनना बुद्धिमानी होगी जब हम सर्दी के मौसम में बाहर जाते हैं, परन्तु जब हम स्नान करते हैं तब जूतों को पहनना मूर्खता होगी)।

समझाएं कि हम प्रत्येक दिन अनेक चुनाव करते हैं। मुर्खतापूर्ण चुनाव हमें नुकसान पहुँचा सकते हैं और हमें दुःखी कर सकते हैं। बुद्धिमानी का चुनाव हमें सुरक्षित और खुश रखते हैं।

यीशु मसीह चाहते हैं कि हम बुद्धिमान बनें और उसकी शिक्षाओं का पालन करें

धर्मशास्त्र कहानी

समझाएं कि यीशु मसीह बहुधा कहानी का प्रयोग करता था जिसे दृष्टांत कहते हैं। उसने एक आदमी के बारे एक दृष्टांत सुनाया जिसने एक मूर्खतापूर्ण निर्णय लिया और एक आदमी जिसने बुद्धिमानी का निर्णय लिया। बच्चों को बताएं कि आप दृष्टांत को बाइबल से पढ़ने जा रहे हैं। मत्ती 7:24 ... 27 को जोर से पढ़ें।

चर्चा

- आप कैसे सोचते हैं कि जिस आदमी ने रेत पर अपना घर बनाया, ने महसूस किया जब तुफान ने आकर उसके घर को गिरा दिया ?
- आप कैसे सोचते हैं कि जिस आदमी ने चट्टान पर अपना घर बनाया, ने महसूस किया जब तुफान ने उसके घर को कोई हानि नहीं पहुँचाया ?

समझाएं कि यीशु ने हम लोगों की तुलना दृष्टांत के आदमियों से की है। यदि हम यीशु की शिक्षाओं का अनुसरण करते हैं जब हम उस बुद्धिमान आदमी के समान होते हैं जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया। हम खुश होंगे। यदि हम यीशु की शिक्षाओं का अनुसरण नहीं करते हैं, हम मूर्ख आदमी के समान होते हैं जिसने अपना घर रेत पर बनाया। हम दुःखी होंगे।

गीत

नीचे दर्शाई गई क्रियाओं का उपयोग करते हुए, ''बुद्धिमान आदमी और मूर्ख आदमी'' के शब्दों को गाने या कहने में कक्षा की सहायता करें:

बुद्धिमान आदमी ने अपना घर चट्टान पर बनाया (दाहिनी मुट्ठी को दृढ़तापूर्वक बाएं हाथ की हथेली पर रखें)।
बुद्धिमान आदमी ने अपना घर चट्टान पर बनाया (दाहिनी मुट्ठी को दृढ़तापूर्वक बाएं हाथ की हथेली पर रखें)।
बुद्धिमान आदमी ने अपना घर चट्टान पर बनाया (दाहिनी मुट्ठी को दृढ़तापूर्वक बाएं हाथ की हथेली पर रखें)।
और झुमकर वर्षा आई (हाथों को हवा में उठाएं; फिर उँगलियों को चलाते हुए उन्हें नीचे लाएं)।
वर्षा आई, और बाढ़ आया (हाथों को फिर से नीचे करें; फिर हथेलियों को दिखाते हुए उन्हें ऊपर उठाएं)।
वर्षा आई, और बाढ़ आया (हाथों को फिर से नीचे करें; फिर हथेलियों को दिखाते हुए उन्हें ऊपर उठाएं)।
वर्षा आई, और बाढ़ आया (हाथों को फिर से नीचे करें; फिर हथेलियों को दिखाते हुए उन्हें ऊपर उठाएं)।
और अब भी चट्टान पर बना घर दृढ़ बना रहा (दाहिनी मुट्ठी को दृढ़तापूर्वक बाएं हाथ की हथेली पर रखें)।

मूर्ख आदमी ने अपना घर रेत पर बनाया (उँगलियों को चलाएं और भुजाओं को शरीर के आगे पीछे करें)।
मूर्ख आदमी ने अपना घर रेत पर बनाया (उँगलियों को चलाएं और भुजाओं को शरीर के आगे पीछे करें)।
मूर्ख आदमी ने अपना घर रेत पर बनाया (उँगलियों को चलाएं और भुजाओं को शरीर के आगे पीछे करें)।
और झुमकर वर्षा आई (हाथों को हवा में उठाएं; फिर उँगलियों को चलाते हुए उन्हें नीचे लाएं)।

वर्षा आई, और बाढ़ आया (हाथों को फिर से नीचे करें; फिर हथेलियों को दिखाते हुए उन्हें ऊपर उठाएं)।
वर्षा आई, और बाढ़ आया (हाथों को फिर से नीचे करें; फिर हथेलियों को दिखाते हुए उन्हें ऊपर उठाएं)।
वर्षा आई, और बाढ़ आया (हाथों को फिर से नीचे करें; फिर हथेलियों को दिखाते हुए उन्हें ऊपर उठाएं)।
और रेत पर बना घर बह गया (उँगलियों को चलाएं और अपने हाथों को अपने शरीर से दूर ले जाएं)।

हम बुद्धिमान होते हैं जब हम सही का चुनाव करते हैं

कहानी और चर्चा

समझाएं कि प्रत्येक दिन प्रत्येक व्यक्ति चुनाव करता है। हम लोग बुद्धिमानी का चुनाव कर सकते हैं या मूर्खता का। बी. एच. (हैरी) रॉबर्ट के बारे में निम्नलिखित कहानी अपने स्वयं के शब्दों में बताएं, जो बड़ा होकर जनरल अधिकारी बना। बच्चों को निर्णय लेने दें कि कहानी में हैरी का चुनाव सही था या गलत।

बहुत समय पहले हैरी का जन्म इंग्लैंड में हुआ था। उसका परिवार बहुत गरीब था, इसलिए हैरी को विद्यालय जाने का अवसर नहीं मिला। वह बहुत चाहता था कि वह पढ़ना और लिखना सीखे। उसने सोचा कि यदि उसे सीखने का अवसर मिलेगा तो वह न केवल पुस्तकें पढ़ेगा बल्कि उन्हें लिखेगा भी।

जब हैरी दस वर्ष का था, वह अमेरीका आया और अपनी बहन और दूसरे पथप्रदर्शकों के साथ समतल भूमि को पार किया।

हैरी ने जीवन में अनेक साहसिक कार्य किए। एक दिन उसने सुना कि उसके समूह के लोग दूसरे दिन एक बड़ी नदी को पार करेंगे। यह सुनने में उत्साहित लगा, इसलिए हैरी दूसरी सुबह चुपचाप अपने खेमे से बाहर आया और नदी को देखने चला गया। यह खेमे के नियम के विरूद्ध था।

- आप क्या सोचते हैं कि हैरी का चुपचाप खेमे से बाहर आने का निर्णय बुद्धिमानी या मूर्खता थी ?

नदी हैरी की सोच से अधिक दूर थी, और अंत में जब वह वहाँ पहुँचा बहुत थक चुका था। वह नीचे लेट गया और कम छाया वाले पेड़ के नीचे सो गया।

जब हैरी उठा तब तक सारी गाड़ियाँ नदी पार कर चुकी थीं। वह नदी के तरफ दौड़ा और किसी का ध्यान आकर्षित करने के लिए चिल्लाने लगा। उसे बताया गया कि वह नदी को तैर कर पार करे तो वह अपना कोट और जूते उतार कर नदी में कूद पड़ा। वह करीब करीब नदी को पार कर चुका था परन्तु वह बहुत थक चुका था, और कम्पनी के कप्तान को उसे बाकी बचे रास्ते को अपने घोड़े पर पार करवाना पड़ा। हैरी खुश था कि वह सुरक्षित था, परन्तु कोई साधन नहीं था कि वह अपना कोट और जूता पा सके, प्रत्येक रात वह यही सोचता कि काश उसका कोट उसके पास होता, और प्रत्येक दिन यही सोचता कि काश उसका जूता उसके पास होता।

हैरी को 900 मील नंगे पैर पैदल चलना पड़ा। इस कारण से उसके पैरों में छाले पड़ गए। पगडण्डी के पास काँटेदार कैक्टस उगे थे, और हैरी इतना भूखा था कि उसने उन्हें खाने के लिए इकट्ठा कर लिया। तीखे काँटे उसके पैरों में चुभ गए। पोली ने तीखे काँटों को खींचकर निकाला और दोनों रो पड़े। हैरी रोया क्योंकि उसे चोट लगी थी और पोली रोयी क्योंकि उसे हैरी के लिए अफसोस हो रहा था।

- हैरी का चुपचाप खेमे से बाहर जाने का निर्णय क्यो मूर्खतापूर्ण निर्णय था ?
- हैरी ने बाद में अपने निर्णय के विषय में कैसा अनुभव किया ?

जब हैरी सॉल्ट लेक सिटी आया, अन्त में उसे विद्यालय जाने का मौका मिल ही गया। जब वह 11 वर्ष का था, उसे एक शिक्षिका अपने विद्यालय ले गई और उसे वर्णाक्षर सिखाया। बाइबल ही उसके पास एकमात्र किताब थी और उसने उसे बार बार पढ़ा। उसने विद्यालय में बड़ी मेहनत से पढ़ाई की और एक बहुत अच्छा विद्यार्थी बन गया।

- हैरी ने कौन से चुनाव किए ? (उसने पढ़ने के लिए सीखने का चुनाव किया, और उसने धर्मशास्त्र का अध्ययन करना चुना)।
- क्या ये निर्णय बुद्धिमानी के थे या मूर्खता के थे ?

जब हैरी बड़ा हुआ तब वह गिरजाघर में एक बुद्धिमान और महत्वपूर्ण आदमी बना। वह पढ़ने का शौकिन था और वह धर्मशास्त्र पढ़ना पसन्द करता था। उसने गिरजाघर के विषय में कई किताबें भी लिखीं। कई लोगों ने उसकी किताबें पढ़ी और गिरजाघर के बारे में जाना। (देखें Church News, 19 जुलाई 1980, पृ. 8 ... 9; and Truman G. Madsen, Defender of the Faith: The B.H. Roberts Story (Salt Lake City: Bookcraft, 1980), पृ. 19 ... 21, 37 ... 40, 56 ... 57)।

स. चु. सारणी

स. चु. सारणी दिखाएं और अपने साथ बच्चों को इन शब्दों को दाहराने दें: ''मैं सही का चुनाव करूँगा''। बच्चों को समझाएं कि जब हम सही का चुनाव करते हैं तो सही निर्णय लेते हैं।

सारांश

गतिविधि

फर्श या मेज पर ''बुद्धिमान'' और ''मूर्ख'' लिखे हुए का चिन्ह दिखाएं। अपने साथ बच्चों को प्रत्येक चिन्ह में लिखा हुए को बोलने दें। संकेत करें कि ''बुद्धिमान'' के चिन्ह के ऊपर एक खुशी का चेहरा है क्योंकि बुद्धिमान होना हमें खुशियाँ देता है। संकेत करें कि ''मूर्ख'' के चिन्ह के ऊपर एक दुखी का चेहरा है क्योंकि मूर्ख होना हमें दुःख देता है

छोटे छोटे कागज के टुकड़ों के साथ बर्तन दिखाएं और बच्चों को बारी बारी से उस बर्तन में से कागज के टुकड़ों को चुनने के लिए आमंत्रित करें। जब प्रत्येक बच्चा एक कागज का चुनाव कर रहा हो, उसपर लिखी हुई क्रिया को पढ़ें या बच्चे को पढ़ने दें। बच्चे को निर्णय लेने दें कि क्रिया सही है या गलत और उपयुक्त चिन्ह पर उस कागज को रखने दें।

बच्चों को क्रियाओं को करने के लिए उत्साहित करें जिनको उन्होंने पहचान लिया है कि बुद्धिमानी का चुनाव है।

चर्चा समीक्षा

- किस प्रकार के चुनाव हमें खुश करते हैं ?
- बुद्धिमान और खुश रहने के लिए हमें किन शिक्षाओं गानों अनुसरण करना चाहिए ?
- यीशु मसीह की आज्ञा को न मानना और गलती करना क्यों मूर्खतापूर्ण है ?

गवाही

बच्चों को गवाही दें कि हम खुश होंगे जब हम बुद्धिमानी का चुनाव करेंगे। यीशु मसीह और उसकी शिक्षाओं के प्रति अपनी प्रशंसा प्रकट करें जो हमें खुश रहने में सहायता करते हैं।

इस सप्ताह बच्चों को सही चुनावों को करने और उनकी कोशिश के निर्णयों को विचारने के बारे में विशेष प्रयत्न के लिए उत्साहित करें।

गीत

बच्चों के साथ ''सही रास्ते का चुनाव करो'' के शब्दों को गाएं या कहें।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें। बच्चे से कहे कि वह कक्षा के प्रत्येक सदस्य को बुद्धिमान होने और सही का चुनाव करने के लिए प्रार्थना करे।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें ।

1. चित्र 2-7 दिखाएं, ज्ञानी लोग, और बच्चों को चित्र के बारे में बताने दें। बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु के जन्म के पश्चात ज्ञानी लोग उसको खोजते हुए आए (देखें मत्ती 2:1 ... 12)। समझाएं कि ये लोग केवल ज्ञानी ही नहीं थे क्योंकि उनके पास ज्ञान था परन्तु उन्होंने यीशु को खोजा और उसकी आराधना की। उन्होंने यीशु के अनुसरण का सही चुनाव किया।

   यीशु को खोजते हुए ज्ञानी लोगों को कहानी का आप बच्चों से नाट्य रूपांतरण करवाना चाहें।

2. प्रत्येक बच्चे से हाल ही में किए गए उसके सही चुनाव के बारे में बताने के लिए कहें (आवश्यकतानुसार सुझाव दें)। एक अलग कागज के टुकड़े पर प्रत्येक बच्चे के जवाब को लिखें और बच्चों को उनके कागजों पर स्वयं का चित्र बनाने दें। बच्चों को उनके चित्रों को मुस्कुराता हुआ चेहरा बनाने के लिए याद दिलाएं क्योंकि सही चुनाव करना हमें खुश रहने में सहायता करता है।

3. निम्नलिखित वस्तु पाठ का प्रदर्शन करें (कक्षा में इसे प्रस्तुत करने के पहले इसका घर पर अभ्यास करें)।

आवश्यक सामग्रियाँ:

क. एक समान दो साधारण घर बनाने के लिए आठ या दस ब्लॉक्स, जैसा कि दिखाया गया है:

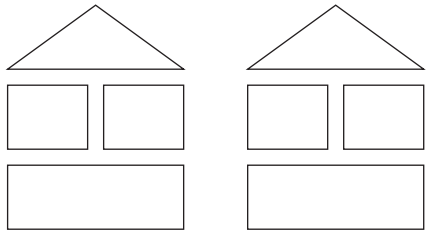

ख. एक ही नाप के दो गहरे तवे।

ग. एक तवे में रखने के लिए एक बड़ा समतल पत्थर।
घ. दूसरे तवे में रखने के लिए एक रेत का टीला।
च. पानी के डिब्बे या बर्तन में पानी।

एक तवे में रेत का टीला डालें, और उस टीले को समतल बनाएं। दूसरे तवे में समतल पत्थर डालें।

ब्लॉक्स दिखाएं और समझाएं कि आप इनका उपयोग दो घर बनाने में करेंगे। एक घर रेत पर बनेगा और दूसरा पत्थर पर।

पत्थर पर घर बनाने में सहायता के लिए आप बच्चों से पूछना चाहेंगे । घर उसी समान होना चाहिए जैसा कि आपने रेत पर बनाया है।

घरों को बनाने के पश्चात, बच्चों को कल्पना करने दें कि तुफान आता है और घरों को थपेड़े मारता है। बहुत बरसात होती है और हवा बहती है।

- आप क्या सोचते हैं कि तुफान इन दो घरों के साथ क्या करेगा ?

बच्चों के सुझाव सुनने के पश्चात, टिप्पणी न दें। सावधानीपूर्वक रेत पर बने घर के ऊपर पानी की छींटा मारें या पानी डालें और यह तब तक करें जब तक कि रेत बह न जाए और उसपर बना घर गिर न जाए। पत्थर पर बने घर के ऊपर भी समान मात्रा में पानी डालें, और बच्चों को आंकलन करने दें कि घर नहीं गिर रहा है।

बच्चों की समझने में सहायता करें कि रेत पर घर बनाना मूखर्तापूर्ण है, जबकि पत्थर पर घर बनाना बुद्धिमानी है।

इलामन 5:12 के पहले भाग को जोर से पढ़ें (नींव द्वारा)। बताएं कि यह धर्मशास्त्र यीशु मसीह की तुलना पत्थर से करता है। बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु की शिक्षाओं का अनुसरण करना, पत्थर पर घर बनाने जैसा है। यह बुद्धिमानी है।

मैं सब्त के दिन को पवित्र रख सकता हूँ

पाठ
37

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की अभिलाषा सब्त के दिन को पवित्र रखने के लिए मजबूत बनाना

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक निर्गमन 20:8 ... 11 और मत्ती 12:10 ... 13 का अध्ययन करें। सुसमाचार सिद्धांत (31110), अध्याय 24 को भी देखें।
2. पाठ के अन्त में पाई जाने वाली कैलेंडर की ट्रेसिंग या प्रति बनाएं। सब्त के दिन को लाल रंग से भरें। वर्तमान महीने के अनुसार आप दिन की गणना करना चाहें।
3. निम्नलिखित शब्दपट्टी को तैयार करें:

> ''सब्त के दिन को याद रखें, उसे पवित्र रखने के लिए।''

4. प्रत्येक बच्चे के लिए सब्त के दिन के दोनों गतिविधि के कागजों की ट्रेसिंग या प्रति बनाएं (पाठ के अन्त में पाया जाता है)। छोटे बच्चों के लिए, पृष्ठों को बिन्दु से काट लें। बड़े बच्चों के लिए, कुछ कैंचियाँ लाएं ताकि बच्चे स्वयं पृष्ठ को काटकर निकाल लें।
5. ''शनिवार'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 196) के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें।
6. आवश्यक सामग्रियाँ:
   क. एक बाइबल।
   ख. रगं ।
   ग. गतिविधि के कागजों को एक साथ बाँधने के लिए एक स्टेपलर या दूसरा कोई चीज लें।
   घ. चित्र 2-58, यीशु एक विकृत हाथ वाले आदमी को चंगा करते हुए।
7. किसी भी समृद्धी कार्यक्रमों के लिए, आवश्यक तैयारीयाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं।

प्रस्तावित पाठ विकास

प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए एक बच्चे को आमंत्रित करें।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया है, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

सब्त एक विशेष दिन है

ध्यान गतिविधि

बच्चों को कैलेंडर दिखाएं और समझाएं कि यह महीने के सभी दिनों को दिखाता है। संक्षिप्त में चर्चा करें कि किस काम के लिए कैलेंडर का उपयोग हो सकता है।

- इस कैलेंडर में क्या विचित्रता है ?
- कौन सा दिन लाल रंग से दर्शाया गया है ?
- यह क्यों एक विशेष दिन है ? (यह सब्त का दिन है)।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को बताएं कि संसार के शुरूआत से, प्रत्येक सप्ताह से एक दिन को स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के बारे में सीखने और सोचने के लिए अलग कर दिया गया है और अन्यों के प्रति अच्छा करने के लिए। यह दिन सब्त का दिन कहलाता है।

- सप्ताह का कौन सा दिन सब्त का दिन कहलाता है ?

धर्मशास्त्र और शब्दपट्टी

निर्गमन 20:8 को जोर से पढ़ें और शब्दपट्टी को दिखाएं। इस धर्मशास्त्र को एक साथ दोहराने में बच्चों की सहायता करें। उन्हें बताएं कि यह एक आज्ञा है।

समझाएं कि सब्त के दिन को पवित्र रखने का अर्थ है कि हम उन बातों को करते हैं जो हमें स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह की याद दिलाती है, जैसा कि गिरजाघर जाना, धर्मशास्त्रों को पढ़ना, और अन्य श्रद्धालु कार्य करना।

हम सब्त के दिन को पवित्र रख सकते हैं

चर्चा

बच्चों से उस तरह की गतिविधियों के बारे में चर्चा करें जो सब्त के लिए उपयुक्त हों । उनसे पूछें कि सब्त के दिन को पवित्र रखने के लिए उन्होंने आज कौन सी चीजों को किया है। उनकी समझने में सहायता करें कि गिरजाघर जाना, प्रार्थना करना, गीत गाना, गिरजाघर सभाओं में वचन सुनाना, यीशु की शिक्षाओं के बारे में सिखना, और प्रभुभोज में हिस्सा लेना कुछ बाते हैं जिन्हें हम सब्त के दिन को पवित्र रखने के लिए कर सकते हैं।

समझाएं कि हमें रविवार को काम नहीं करना चाहिए, यदि संभव हो, और ऐसे कार्य नहीं करने चाहिए जो हमें स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के बारे में सोचने से दूर करे।

गतिविधि

कुछ गतिविधियों के बारे में वर्णन करें जिसमें बच्चे भाग ले सकें। बच्चों से मुस्कुराने के लिए कहें यदि गतिविधि वह हो जिसे हम सब्त के दिन कर सकें और रोता हुआ चेहरा बनाएं यदि गतिविधि ऐसी हो जिसे हम सब्त के दिन न कर सकें। आपकी कक्षा में बच्चों के लिए नीचे दिए हुए या दूसरे उपयुक्त उदाहरणों को उपयोग करें।

- गिरजाघर जाना।
- घर की सफाई करना।
- रिश्तेदारों से मिलने जाना।
- खरीददारी के लिए जाना।
- चलचित्र देखने जाना।
- धर्मशास्त्रों या अन्य अच्छी किताबों को पढ़ना।
- प्रार्थना करना।
- किसी खेलकूद को देखना या उसमें भाग लेना।
- पत्र लिखना।
- घुमने जाना।
- धर्मशास्त्र का कोई खेल खेलना।
- किसी बीमार व्यक्ति को देखने जाना।

यीशु मसीह ने सब्त के दिन को पवित्र रखा था

बच्चों को बताएं कि सदा हमें जानना आसान नहीं होता कि कौन सा कार्य हमें सब्त के दिन करना चाहिए। सबसे अच्छातरीका हैं कि क्या करना चाहिए, यीशु मसीह के उदाहरण का अनुसरण करना है।

धर्मशास्त्र की कहानी

दिखाएं चित्र 2-58, यीशु एक विकृत हाथ वाले आदमी का चंगा करता हुआ, और मत्ती 12:10 ... 13 में पाई जाने वाली कहानी बताएं।

समझाएं कि फरीसी ऐसे लोग थे जिन्होंने यीशु मसीह और उसके काम को पसन्द नहीं किया था। उन्होंने जो बातें गलत थी या नियम के विरूद्ध थीं, कहकर उसे फसाना चाहा था । उन्होंने उससे पूछा कि क्या यह उचित है कि सब्त के दिन किसी को चंगा किया जाए। वे चाहते थे कि वह यह कहे कि यह अनुचित है।

बच्चों को बताएं कि यीशु ने संकेत किया था कि यदि किसी फरीसी के पास एक भेड़ है जो सब्त के दिन गढ्ढे में गिर गई है, वे उसकी सहायता करेंगे। चूँकि मनुष्य भेड़ से अधिक महत्वपूर्ण हैं, सब्त के दिन लोगों की सहायता करना अच्छा है। मत्ती 12:12 के दूसरे भाग को जोर से पढ़ें (इस कारण से)।

बच्चों को याद दिलाएं कि यदि कोई कार्य है जिसे यीशु कर सकता है, जैसा कि दूसरों की सहायता करना या अन्यों के प्रति उदार होना, इसे सब्त के दिन करना अच्छा होगा।

सब्त के दिन को पवित्र रखने के लिए तैयारी की जरूरत है

चर्चा

संकेत करें कि सब्त के दिन को पवित्र रखने के लिए, सब्त के पहले तैयारी के तौर पर हमें कुछ निश्चित बातों को करने की आवश्यकता है।

- सब्त के दिन को तैयार होने के लिए क्या चीजें आपको और आपके परिवार को करने की आवश्यकता है ? (उत्तरों में सम्मिलिति हो सकता है गिरजाघर पहनकर जाने वाले कपड़ों को धोना और उन्हें प्रेस करना, घर की सफाई करना, सब्त के दिन खाने के लिए भोजन तैयार करना, और धर्मशास्त्रों या अन्य चीजों को खोजना जिनकी आवश्यकता गिरजाघर के लिए होती है।

- आपको यह सब बातें कब करनी चाहिए ?

गीत

''शनिवार'' के शब्दों को गाएं या कहें। गीत में वर्णन की गई क्रियाओं को मूकाभिनय करने में बच्चों की सहायता करें। (यदि आपके क्षेत्र में सब्त का दिन रविवार की बजाय कोई और दिन हो, उचित दिनों के हिसाब से शनिवार, रविवार, और सोमवार शब्दों को बदल दें)।

शनिवार एक विशेष दिन है।
यह वह दिन है जब हम रविवार के लिए तैयारी करते हैंः
हम घर की सफाई और दुकान से खरीदारी करते हैं,
ताकि हमें सोमवार तक काम न करना पड़े।
हम अपने कपड़ों को साफ करते हैं, और अपने जूतों को चमकाते हैं,
और हम इसे काम करने वाला दिन कहते हैं।
फिर हम अपने नाखून काटते हैं, और अपने बालों को धोते हैं,
ताकि हम रविवार के लिए तैयार हो सकें।

बच्चों को अगले सप्ताह की तैयारी के लिए प्रोत्साहन दें ताकि वे सब्त के दिन को पवित्र रखने की तैयारी करेंगे।

सारांश

गतिविधि

प्रत्येक बच्चे को सब्त के दिन की कार्यसूची की एक प्रति दें। बच्चों को कागज पर दिए गए शीर्षक को आपके साथ पढ़ने में सहायता करेंः ''मेरे सब्त के दिन की किताब''। पृष्ठों को काटने में बच्चों की सहायता करें यदि आपने उन्हें पहले से नहीं काटा हो।

उपयुक्त सब्त गतिविधियों गानों वर्णन करते हुए निम्नलिखित वाक्यों को पढ़ें, और चित्र का चुनाव करने में बच्चों की सहायता करें जो प्रत्येक गतिविधि को दिखाता हो।

- सब्त के दिन स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह का सम्मान करने और उनके बारे में जानने के लिए, हम गिरजाघर जाते हैं।

- अपने परिवारों के साथ सुसमाचार का अध्ययन करने के लिए सब्त का दिन एक अच्छा दिन है। हम धर्मशास्त्रों और अन्य अच्छी किताबों को पढ़ सकते हैं।

- सब्त का दिन एक प्रार्थना का दिन होता है। हम गिरजाघर पर अपने परिवारों के साथ प्रार्थना करते हैं और अकेले भी।

- सब्त के दिन पर हम गीत गा सकते हैं और अच्छा संगीत सुन सकते हैं।

- सब्त के दिन हम अपनी दैनिकी में लिख सकते हैं और अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और प्रचारक के लिए पत्र लिख सकते हैं या चित्र बना सकते हैं।

- सब्त का दिन परिवार के सदस्यों या उन लोगों के यहाँ जाने के लिए एक अच्छा दिन हैं जो बीमार या अकेले हैं।

बच्चों को रगं दें और चित्रों में रंग भरने दें। उन्हें एक खाली पृष्ठ पर उन चित्रों की चित्र बनाने के लिए कहें जिसे वे सब्त के दिन को पवित्र रखने के लिए करने जा रहे हैं।

बच्चों की उनकी किताबों को एक साथ बाँधने में सहायता करें।

गवाही

सब्त के दिन को पवित्र रखने की महत्वपूर्णता के बारे में अपनी गवाही दें। आप एक या दो चीजों का वर्णन करना चाहें जिन्हें आप सब्त के दिन करना पसन्द करते हैं और बताएं कि आप कैसा महसूस करते हैं जब उन चीजों को करते हैं। जोर दें कि सब्त का दिन एक प्रसन्नता का दिन होना चाहिए जब हम स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के बारे में सोचते और सीखते हैं।

बच्चों को उनकी किताबों को उनके परिवारों को दिखाने के लिए प्रोत्साहन दें और बाँटने के लिए जो आज उन्होंने सीखा है। सुझाव दें कि बच्चे किताबों को उस जगह पर रखें जहाँ वे बच्चों को सब्त के दिन को पवित्र रखने के लिए याद दिलाएं।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें। बच्चे को सुझाव दें कि वह सब्त के दिन को पवित्र रखने में कक्षा के सदस्यों को सहायता के लिए स्वर्गीय पिता से पूछे।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें।

1. ''जब मैं गिरजाघर जाता हूँ'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 157) की पहली आयत के शब्दों को गाएं या कहें। बच्चों को खड़ा होकर क्रियाओं को करने दें जब वे गाते हैं जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

   मुझे हमेशा एक अच्छा अनुभव होता है
   जब मैं गिरजाघर जाता हूँ (हाथों को हृदय पर रखें और मुस्कुराएं)।
   ऑरगन धीमे और मधुर आवाज करता है (कानों के पीछे हाथों को प्याले के आकार में रखें);
   मैं चुपचाप अपने स्थान पर चला जाता हूँ (जगह पर धीमे से चलें और उँगली को होठों पर रखें)।
   अपने शिक्षकों और दोस्तों का मैं अभिवादन करता हूँ (अपने बगल वाले व्यक्ति के साथ हाथों को धीरे से मिलाएं)
   जब मैं गिरजाघर जाता हूँ (कुर्सी पर बैठें)।

2. चॉकबोर्ड पर एक जोड़ी आँखें, एक जोड़े कान, एक मुँह, और दो हाथ बनाएं। बच्चों को बताने के लिए कहें कि सब्त के दिन को पवित्र रखने के लिए हमारे शरीर के इन भागों में से प्रत्येक क्या कर सकता है।

   उदाहरण:

   आँखें ... धर्मशास्त्रों को पढ़ेंगी, गिरजाघर के वक्ता और शिक्षकों को देखेंगी।
   कान ... ऊपर उठाने वाले संगीत और कहानियों को सुनेंगे, प्राथमिक पाठ को सुनेंगे।
   मुँह ... गाना या प्राथामिक गीतों को गाएगा, परिवार के सदस्यों और दोस्तों के लिए उदारपूर्ण बातें कहेगा।
   हाथ ... परिवार के उन सदस्यों के लिए चित्र बनाएगा जो बहुत दूर रहते हैं, दैनिकी में लिखेगा।

3. बच्चों की निर्गमन 20:8 को याद करने में सहायता करें। ''सब्त के दिन को, पवित्र रखने के लिए याद रखें''।

4. ''सब्त के दिन को याद रखो'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 155) के शब्दों को गाएं या कहें।

   सब्त के दिन को याद रखो,
   उसे सदा पवित्र रखने के लिए।
   प्रभु ने उसे आशीषित और पवित्र किया है,
   ताकि हम उसकी आराधना कर सके।

सब्त का दिन एक पवित्र दिन है

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	बृहस्पतिवार	शुक्रवार	शनिवार

मेरे सब्त के दिन की किताब

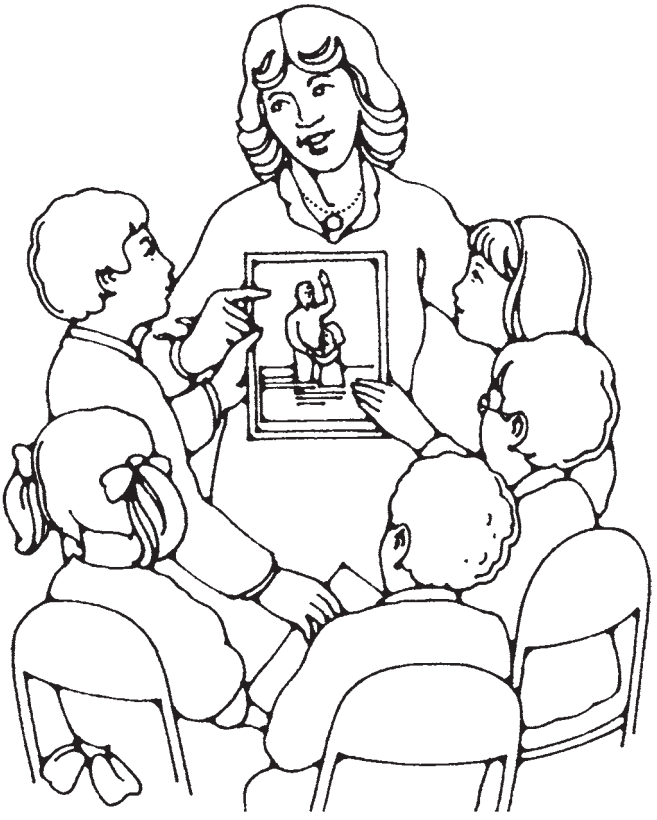

पाठ
38

प्रभुभोज के दौरान मैं यीशु मसीह को याद रखूँगा

उद्देश्य

प्रभुभोज के दौरान यीशु मसीह को याद रखने के लिए प्रत्येक बच्चे को प्रेरित करना

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक लूका 22:7 ... 20 और सिद्धांत और अनुबंध 20:75 ... 79 का अध्ययन करें। सुसमाचार सिद्धांत (31110), अध्याया 23 को भी देखें।
2. यीशु मसीह के बारे में एक या दो गीतों को गाने की तैयारी में बच्चों की सहायता करें, जैसा कि ''मैं सोचता हूँ जब मैं उस प्यारी कहानी को पढ़ता हूँ'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 56) और ''यीशु ने कहा प्रत्येक से प्रेम करो'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 61)।
3. यीशु मसीह की कहानियों में से अपनी एक पसंदीदा कहानी को बताने की तैयारी करें, चित्र का उपयोग करते हुए यदि उपलब्ध हो।
4. आवश्यक सामग्रियाँः
   क. एक बाइबल और एक सिद्धांत और अनुबंध।
   ख. रोटी और पानी के लिए प्रभुभोज थाली।
   ग. चित्र 2-29, प्रभुभोज देते हुए (62021); चित्र 2-54, अन्तिम भोज (सुसमाचार कला चित्र किट 225:62174); चित्र 2-59, क्रिसतुस।
5. किसी भी समृद्धी कार्यक्रमों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं।

प्रस्तावित पाठ विकास

प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए एक बच्चे को आमंत्रित करें।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया है, उनके साथ उस पर ध्यान दें।

यीशु मसीह ने हमें प्रभुभोज दिया था

ध्यान गतिविधि

बच्चों को प्रभुभोज थाली दिखाएं।

- इनका उपयोग किस लिए होता है ?

बच्चों को बताने दें कि वे प्रभुभोज थालियों के बारे में और प्रभुभोज के बारे में क्या जानते हैं। उन्हें बताएं कि आज का पाठ प्रभुभोज के बारे में है।

धर्मशास्त्र कहानी और चर्चा

चित्र 2-54 दिखाएं, अन्तिम भोज। यदि बच्चे इसे पहचान लेते हैं, उनसे बताने के लिए कहें कि चित्र में क्या हो रहा है। यदि वे चित्र को नहीं पहचान पाते हैं, उन्हें बताएं कि यह चित्र यीशु मसीह और उसके शिष्यों का है। बच्चों को यीशु के तरफ संकेत करने के लिए कहें।

लूका 22:7 ... 20 में पाई जाने वाली अन्तिम भोज की कहानी बताएं।

समझाएं कि यीशु मसीह और उसके शिष्य एक विशेष यहूदी पर्व मना रहे थे जिसे फसह का त्योहार कहा जाता था। यीशु जानता था कि यह भोजन जो वह अपने शिष्यों के साथ ले रहा था, अंतिम भोजन होगा। बच्चों को बताएं कि बहुधा हम इसे अन्तिम भोजन कहकर पुकारते हैं।

समझाएं कि यीशु अपने शिष्यों को प्रेम करता था। उसने इन लोगों को चुना था कि उसके जाने के बाद ये लोग उसके गिरजाघर के सदस्यों की अगुवाई करें। उसने उन लोगों को बहुत सी चीजें सिखाई थीं और चाहता था कि वे उसे और उसकी शिक्षाओं को याद रखें।

- शिष्यों के लिए यह महत्वपूर्ण क्यों था कि वे यीशु को याद रखें ?
- यीशु ने शिष्यों को क्या दिया था जो उसे याद रखने में उनकी सहायता कर सके ?

लूका 22:19 को जोर से पढ़ें। समझाएं कि यह धर्मशास्त्र हमें बताता है कि उद्धारक ने कुछ रोटियों को छोटे छोटे टुकड़ों मे तोड़ा, उन्हें आशीषित किया, और शिष्यों को खाने के लिए दिया। उसने उन्हें बताया कि रोटी उन्हें उसके शरीर की याद दिलाने के लिए है ताकि जब भी वो उसे खाएं उसे याद करें।

बच्चों को बताएं कि प्रत्येक शिष्य के रोटी के एक टुकड़े को खा लेने के बाद, यीशु ने अंगुरों से बने हुए पेय को आशीषित किया और उसे शिष्यों को दिया। उसने उन्हें बताया कि पेय उन्हें उसके लहू की याद दिलाने के लिए है। जब वे उसे पिएंगे, उन्हें याद रखना चाहिए कि यीशु मर गया ताकि वे अपनी मृत्यु के पश्चात स्वर्गीय पिता के साथ फिर से रह सकें।

समझाएं कि यीशु जानता था कि यदि शिष्य उसे और उसकी शिक्षाओं को याद रखेंगे, यह उनकी सही का चुनाव करने में सहायता करेगा।

- अन्तिम भोज पर जिस रोटी और पेय को यीशु ने शिष्यों को दिया था, हम उसे क्या कहते हैं ? (प्रभुभोज)।
- यीशु ने प्रभुभोज को अपने शिष्यों को क्यों दिया ?

हम यीशु मसीह को याद करने के लिए प्रभुभोज लेते हैं

चर्चा

चित्र 2-29 दिखाएं, प्रभुभोज देते हुए, और बच्चों को याद दिलाएं कि हम उसी तरह से प्रभुभोज लेते हैं जैसा कि यीशु के शिष्यों ने लिया था। (आप शायद समझाना चाहें कि हम पेय की जगह पानी का उपयोग करते हैं जिसे यीशु ने अपने शिष्यों को दिया था)।

- हम प्रभुभोज कब लेते हैं ?

समझाएं कि जिस सभा में हम प्रभुभोज लेते हैं, उसे प्रभुभोज सभा कहते हैं क्योंकि प्रभुभोज उस सभा का सबसे महत्वपूर्ण भाग होता है।

- हम प्रभुभोज क्यों लेते हैं ?
- प्रभुभोज हमें सही का चुनाव करने में कैसे सहायता करते है ?

धर्मशास्त्र

बच्चों को याद दिलाएं कि प्रभुभोज देने के पहले, विशेष प्रार्थनाएं कही जाती हैं। प्रार्थना स्वर्गीय पिता को कुछ चीजों के बारे में कहता है जिसे हमने करने की प्रतिज्ञा की थी। बच्चों से ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें जब आप उस प्रार्थना को कहते हैं जो रोटी के लिए कही जाती है, ताकि वे दो प्रतिज्ञाओं के बारे में जान सकें जिसे हम स्वर्गीय पिता के साथ बनाते हैं जब हम प्रभुभोज लेते हैं।

सिद्धांत और अनुबंध 20:77 को जोर से पढ़ें। मुहावरों पर जोर दें ''वे उसके बेटे के शरीर की याद में खाएं, और उसके लिए साक्षी दें'' और सदैव उसे याद रखें और उसकी आज्ञाओं को मानें जो उसने उन्हें दी थी''।

बच्चों को बताएं कि ''उसके लिए साक्षी देना'', का मतलब है कि हम स्वर्गीय पिता से प्रतिज्ञा करते हैं।

- वे कौन सी दो चीजें हैं जिनकी हम प्रतिज्ञा करते हैं ?

समझाएं कि प्रत्येक बार जब हम प्रभुभोज को लेते हैं, हम यीशु को याद रखने और उसकी आज्ञाओं को मानने की प्रतिज्ञा करते हैं।

प्रभुभोज के दौरान हम अपने प्रति यीशु मसीह के प्रेम को सोच सकते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

चित्र 2-59 दिखाएं, क्रिस्तुस। समझाएं कि चित्र यीशु मसीह की एक मूर्ति को दिखाता है। पीछे कुछ ग्रहों और तारों के चित्र हैं। कुछ क्षणों के लिए बच्चों को चित्र के बारे में बात करने दें।

समझाएं कि प्रभुभोज के दौरान हमें उद्धारक और अपने प्रति उसके प्रेम के बारे में सोचना चाहिए। हम यीशु के चित्रों को याद कर सकते हैं जिसे हमने देखा है, जैसा कि एक दिखाया गया था, और हम यीशु की कहानियों के बारे में भी सोच सकते हैं।

कहानी

यीशु के बारे में अपनी एक पसंदीदा कहानी बताएं, एक चित्र का उपयोग करते हुए यदि उपलब्ध हो, समझाएं कि कैसे कहानी लोगों के प्रति यीशु के प्रेम को व्यक्त करता है।

बच्चे की भागीदारी

प्रेत्यक बच्चे को यीशु मसीह के बारे में एक कहानी बताने दें या कुछ बताएं जिसे उसने यीशु के बारे में याद रखा हो। जब बच्चे बोलते हैं, जोर दें कि कहानियों में कैसे हमारे प्रति यीशु के प्रेम को व्यक्त किया गया है उन चीजों पर जोर दें जिन्हें बच्चों को यीशु के बारे में याद रखना है। .

यीशु मसीह के बारे में कहानियों को याद रखने के लिए बच्चों को बधाई दें। उन्हें बताएं कि बहुत सी कहानियाँ हैं जिन्हें हम प्रभुभोज के दौरान सोच सकते हैं। प्रभुभोज के दौरान जब हम यीशु के बारे में साचते हैं और यह कि कितना वह हमसे प्रेम करता है, हम उसे याद रखेंगे।

गीत

समझाएं कि हम यीशु मसीह के बारे में बहुत से गीत भी जानते हैं, जैसा कि ''मैं सोचता हूँ जब मैं उस प्यारी कहानी को पढ़ता हूँ'' और ''यीशु ने कहा प्रत्येक से प्रेम करो''।

बच्चों के साथ यीशु के बारे में एक या दो जाना पहचाना गीत गाएं, जैसा कि ''मैं सोचता हूँ जब मैं उस प्यारी कहानी को पढ़ता हूँ'' और ''यीशु ने कहा प्रत्येक से प्रेम करो''।

प्रभुभोज के दौरान श्रद्धापूर्वक रहना हमें यीशु मसीह को याद रखने में सहायता करेगा

चर्चा

समझाएं कि जब हम प्रभुभोज के दौरान श्रद्धापूर्ण रहते हैं, यीशु के बारे में सोचने में आसानी होती है।

- प्रभुभोज के दौरान हम कैसे श्रद्धापूर्ण रह सकते हैं ?

निश्चित करें कि निम्नलिखित सुझावों गानों वर्णन किया गया होः

- प्रभुभोज प्रार्थनाओं को सुनें और अंत में ''आमीन'' कहें।
- अपने माता पिता या अन्य लोगों के बारे में न सोचें। उन्हें भी यीशु के बारे में सोचने की आवश्यकता है।
- प्रभुभोज से पहले पेन्सिलों, किताबों या अन्य चीजों को दूर रखें।
- शान्त रहें और अपनी जगह पर बैठे रहें।
- यीशु के बारे में उसकी कहानियों और गीतों को याद करने के द्धारा सोचें, हमारे प्रति उसके प्रेम और उसकी शिक्षाओं को याद रखें।
- रोटी के टुकड़े और पानी के उस प्याले को लें जो आपके पास हो।
- प्रभुभोज प्यालों को बिना उनके साथ खेले, रख दें।

गतिविधि

बच्चों से दिखावा करने के लिए कहें जैसे कि वे प्रभुभोज सभा में बैठे हों और यह समय प्रभुभोज का हो। उनसे बिना बात किए निम्नलिखित प्रश्नों को उत्तर दिखाने के लिए कहेंः

- आप अपने मुँह से क्या कर सकते हैं यह दिखाने के लिए कि आप यीशु के बारे में सोचते हैं ?
- आप अपने सिर से क्या कर सकते हैं यह दिखाने के लिए कि आप श्रद्धापूर्वक हैं ?
- आप अपनी बाहों और हाथों से क्या कर सकते हैं यह दिखाने के लिए कि आप यीशु के बारे में सोचते हैं ?
- आप अपने पैरों से क्या कर सकते हैं यह दिखाने के लिए कि आप श्रद्धापूर्वक हैं ?

बच्चों को एक मिनट के लिए शान्ति से बैठने दें और यीशु मसीह के बारे में सोचने दें, ठीक उसी तरह जिस तरह उन्हें प्रभुभोज लेते समय करना चाहिए। फिर उनसे यह बाँटने के लिए कहें जो वे यीशु के बारे में सोचते हैं।

सारांश

गतिविधि

बच्चों से ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें जब आप कुछ वक्तव्यों को पढ़ते हैं जिसे वे प्रभुभोज के दौरान कर या सोच सकें। बच्चों को बताएं कि यदि वक्तव्य उन चीजों का वर्णन करता हो जिसे उन्हें प्रभुभोज के दौरान करना या सोचना चाहिए, उन्हें खड़ा होना चाहिए। यदि वक्तव्य उन चीजों का वर्णन नहीं करता हो जिसे उन्हें प्रभुभोज के दौरान करना या सोचना नहीं चाहिए, उन्हें बैठना चाहिए।

निम्नलिखित वक्तव्यों गानों उपयोग करें या स्वयं का कुछ बनाएंः

- याद रखें कि स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह हमसे प्रेम करते हैं।
- बाहर खेलने जाने के बारे में सोचें।
- यीशु के बारे में सोचें जब वह बीमार लोगों को ठीक करता है।
- फुसफुसाएं और अपने पड़ोसी से बात करें।
- अपनी जगह पर हिलें।
- प्रभुभोज गीत या यीशु के बारे में अन्य गीत के बारे में सोचें।

- स्वर्गीय पिता से प्रार्थना करें।
- चित्र बनाएं या एक खिलौने के साथ खेलें।
- यीशु के बारे में कहानियों को याद रखें।

गवाही

यीशु मसीह की अपनी गवाही दें। बच्चों को बताएं कि आप प्रभुभोज को ले सकेंगे, इसके बारे में कैसा महसूस करते हैं।

बच्चों को यीशु मसीह को याद रखने और प्रभुभोज के दौरान श्रद्धापूर्वक रहने के लिए प्रोत्साहन दें।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें।

1. ''यीशु के बारे में सोचना'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 71) के शब्दों को गाएं या कहें।

   बिल्कुल शान्त बैठना कठिन नहीं होना चाहिए,
   और यीशु के विषय में और पहाड़ पर उसके क्रूस के विषय में सोचना,
   और वह सब कुछ जो उसने मेरे लिए सहा और किया,
   मेरे लिए शान्त बैठना कठिन नहीं होना चाहिए।
   यह कठिन नहीं होना चाहिए, यद्यपि कि मैं छोटा हूँ,
   यीशु के विषय में सोचना बिल्कुल भी कठिन नहीं होना चाहिए।

   मैं उन मीलों के विषये में सोचता हूँ जब वह बालू पर चला,
   और बच्चों की प्रेम और विश्वास करने में सहायता की;
   अपनी कुर्सी पर ऊँचाई पर बैठना कठिन नहीं होना चाहिए,
   विनम्रता से सुनना और पैर को शान्त रखना,
   यह कठिन नहीं होना चाहिए, यद्यपि कि मैं छोटा हूँ,
   यीशु के विषय में सोचना बिल्कुल भी कठिन नहीं होना चाहिए।

2. अपनी प्राथमिक अध्यक्ष की स्वीकृति से, धर्माध्यक्ष (या शाखा धर्माध्यक्ष) से, कक्षा में जाने और संक्षिप्त में प्रभुभोज के संदर्भ में अपने कार्य को समझाने के लिए एक पुरोहित या डीकन की व्यवस्था करने के लिए पूछें।

3. श्रद्धापूर्वक बैठे हुए बच्चों के चित्र की एक प्रति बनाएं (पाठ के अंत में पाई जाने वाली), उसमें रंग भरें और उसे पाँच पहेली के टुकड़े में काट लें। प्रत्येक टुकड़े के पीछे निम्नलिखित प्रश्नों में से एक को छापें।

   - क्या महत्वपूर्ण चीज है जिसे हम प्रभुभोज सभा में करते हैं ?
   - जब प्रभुभोज का समय होता है तब पुरोहित क्या करता है ?
   - प्रभुभोज के साथ डीकन क्या करते हैं ?
   - प्रभुभोज के दौरान हमें किस तरह बैठना चाहिए ?
   - प्रभुभोज के दौरान हमें किसके बारे में सोचना चाहिए ?

   उन पहेली के टुकड़ों को फर्श या मेज पर फैला दें। एक बच्चे को पहेली के टुकड़े को उठाने दें। बच्चों से टुकड़े के पीछे दिए गए प्रश्न को पूछें और उत्तर देने में उनकी सहायता करें। जब सारे प्रश्नों का उत्तर दिया जा चुके, बच्चों की पहेलियों को एक साथ रखने में सहायता करें।

4. निम्नलिखित आयत को कहने में बच्चों की सहायता करें:

   प्रभुभोज
   मैं अपनी बाहों को समेटूँगा, मैं अपने सिर को झुकाऊँगा,
   और शान्त, शान्त हो जाऊँगा;
   जब प्रभुभोज आशीषित होगा।

मैं तुम्हें याद करूँगा।
(De Vota M. Peterson)

बच्चों की इसे याद करने की सहायता के लिए आयत को कुछ समय के लिए दोहराएं।

आयत को दाहराने से पहले आप निम्नलिखित प्रश्नों को पूछना चाहेंः

- हम क्या समेटते हैं ?
- हम क्या झुकाते हैं ?
- प्रभुभोज के दौरान हमे शान्त रहना चाहिए या शोर करना चाहिए ?
- प्रभुभोज के दौरान हमें किसके बारे में सोचना चाहिए ?

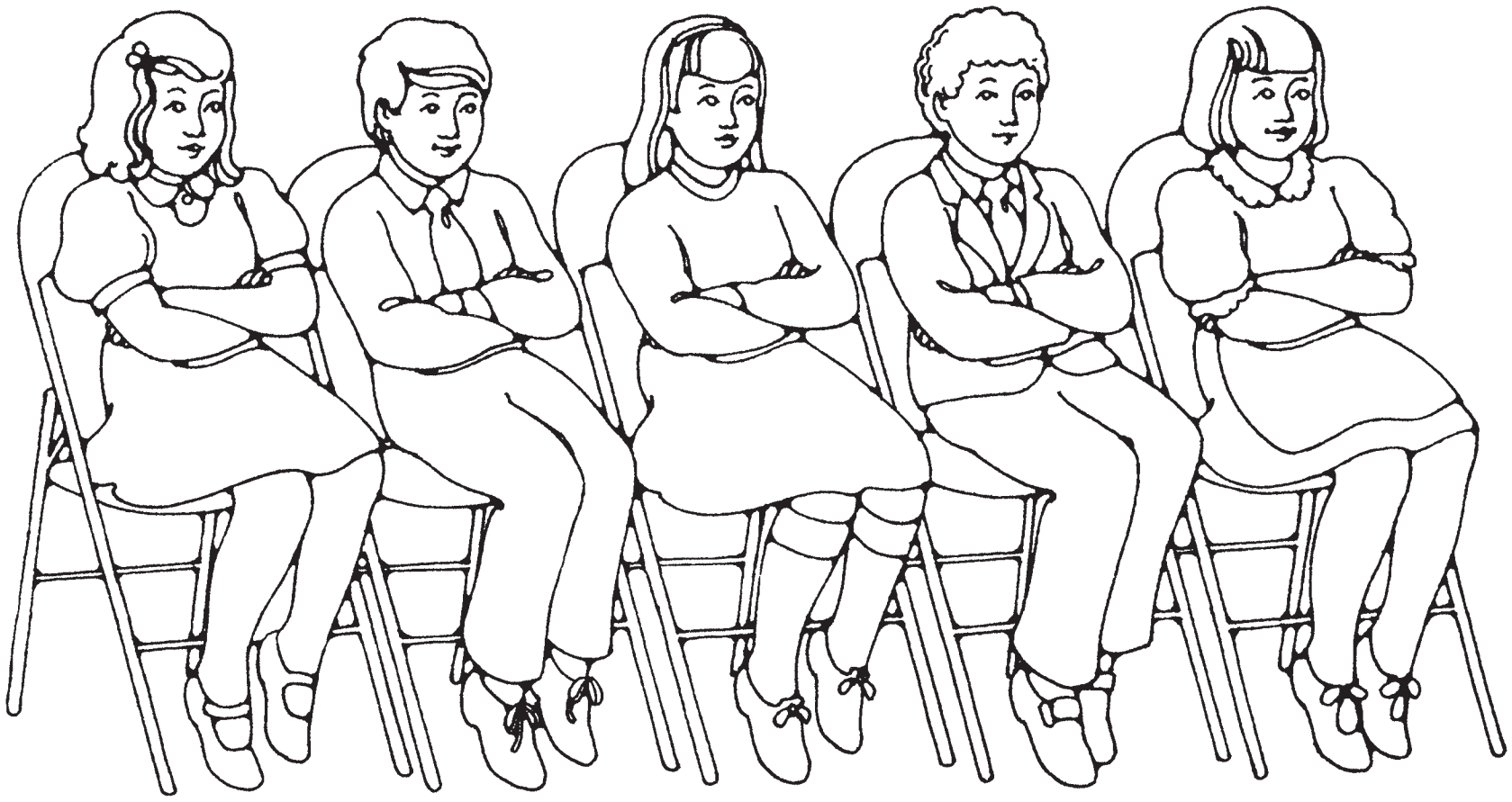

पाठ
39

दूसरों की सेवा के द्वारा, मैं यीशु मसीह का अनुसरण कर सकता हूँ

उद्देश्य

दूसरों की सेवा करने के द्वारा यीशु मसीह का अनुसरण करने की प्रत्येक बच्चे की इच्छा को मजबूत करना

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक यूहन्ना 13:1 ... 17 और विश्वास के अनुच्छेद 1:13 का अध्ययन करें। सुसमाचार सिद्धांत (31110), अध्याय 28 को भी देखें।
2. ''दो, छोटी लहर ने कहा'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 236) के सभी तीनों आयतों और ''मैं मेरे उद्धारक का प्रेम महसूस करता हूँ'' की चौथी आयत (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 74) के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें। इन गीतों के शब्दों को पुस्तिका के पीछे सम्मिलित किया गया है।
3. एक समय के बारे में बताने की तैयारी करें जब आप किसी की सेवा करने के द्वारा आशीषित हुए हैं।
4. आवश्यक सामग्रियाँः
   क. एक बाइबल।
   ख. प्रत्येक बच्चे के लिए कागज और पेन्सिलें या रगं।
   ग. चित्र 2-60, यीशु शिष्यों के पैरों को धोता हुआ (सुसमाचार कला चित्र किट 226:62550)।
5. किसी भी समृद्धी कार्यक्रमों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं।

प्रस्तावित पाठ विकास

प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए एक बच्चे को आमंत्रित करें।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया है, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

यीशु मसीह चाहता है कि हम दूसरों की सेवा करें

ध्यान गतिविधि

जब आप पाठ का आरंभ करते हैं, गलती से कुछ रगं, कागज या अन्य सामान कक्षा के फर्श पर बिखेर दें। उन चीजों को उठाने से पहले कुछ क्षण के लिए, बच्चों की आपको सहायता देने के मौके के लिए रूकें। (यदि कोई बच्चा आपकी सहायता नहीं करता है तो बच्चों से सहायता के लिए कहें)।

बच्चों को आपकी सहायता करने के लिए धन्यवाद दें और सेवा के एक मौके के लिए उन्हें बधाई दें। समझाएं कि जब हम दूसरों को सहायता करते हैं बदले में बिना कुछ माँगे, इसे सेवकाई कहते हैं। बच्चों को आपके साथ सेवकाई शब्द को दोहराने दें।

गीत

बच्चों के साथ ''दो, छोटी लहर ने कहा'', की सभी तीनों आयतों के शब्दों को गाएं या कहें।

बताएं कि आखिरी आयत कहता है कि हमें भी देना चाहिए जैसा कि यीशु ने दिया। बच्चों को बताएं कि जब यीशु धरती पर था, वह अक्सर दूसरे लोगों की सेवा किया करता था।

धर्मशास्त्र की कहानी

चित्र 2-60 दिखाएं, यीशु शिष्यों के पैरों को धोता हुआ, और यूहन्ना 13:1 ... 17 में पाई जाने वाली कहानी बताएं। बच्चों को याद दिलाएं कि चित्र में दिखाए गए शिष्यों को यीशु ने बुलाया था ताकि वे गिरजाघर की अगुवाई में सहायता कर सकें।

बच्चों को याद दिलाएं कि उन्होंने पहले वाले पाठ में आखिरी भोज के बारे में क्या सीखा था। समझाएं कि मसीह के अपने शिष्यों को प्रभुभोज के बारे में सीखाने के पश्चात, उसने उन्हें सिखाया कि दूसरों की सेवा करना कितना महत्वपूर्ण है।

समझाएं कि यह लोगों के लिए कोई अनहोनी बात नहीं थी कि उनके पैरों को धोया गया क्योंकि बहुत से लोग चप्पल पहनते थे और उनके पैर धूल से भरकर गंदे हो गए थे। परन्तु साधारणतः यह काम नौकर करते थे। समझाएं कि पतरस नहीं चाहता था कि यीशु उसके पैरों को धाये क्योंकि उसने सोचा कि यीशु के लिए एक नौकर से समान कार्य करना उचित नहीं था।

बच्चों को बताएं कि यीशु ने शिष्यों को समझाया कि यद्यपि वह उद्धारक था, उसने फिर भी उनकी सेवा की। वह उन्हें समझाना चाहता था कि वे एक दूसरे की सेवा करें। यूहन्ना 13:15 को जोर से पढ़ें और समझाएं कि यीशु चाहता है कि हम उसके उदाहरण का अनुसरण करें और दूसरों की सेवा करें।

चर्चा

- यीशु ने शिष्यों के पैरों को क्यों धोया ?
- यीशु क्या चाहता है कि शिष्य करें ?
- यीशु क्या चाहता है कि हम करें ?

समझाएं कि यीशु चाहता है कि जब भी हो सके हम सेवा करें, तब भी जब हमसे सेवा के लिए न पूछा जाए या हमारी सेवा के बदले हमें कुछ पुरस्कार न मिले। संकेत करें कि जब हम दूसरों का सेवा करते हैं, हम यीशु का अनुसरण करते हैं।

हम कई तरीकों से दूसरों की सेवा कर सकते हैं

कहानी

बच्चों से सुनने के लिए कहें जब आप अपने शब्दों में एक युवा लड़के के बारे में कहानी बताएं जिसने एक तरीके से अपने परिवार की सेवा करने के बारे में सोचाः

''इतना अन्धेरा था कि उस सोते हुए ७ वर्ष के बच्चे ने बड़ी मुश्किल से भण्डार तक का अपना रास्ता ढूँढा। उसने कई दिनों तक इस चीज की योजना बनाई थी कि कैसे वह बिस्तर से बाहर आएगा, कपड़े पहनेगा, शान्ति से सीढ़ियों से नीचे उतरेगा, रसोईघर से दूध की बाल्टी लेगा, और किसी को बिना जगाए घर छोड़ देगा।

'' ... (जोसफ) ने कई बार अपनी बहन मैरी को गाय का दूध निकालते देखा था। जितना उसने सोचा था उतना उसे वह आसान नहीं लगा ... शीघ्र ही उसकी उँगलियाँ और कलाई दर्द करने लगीं। कई बार उसे उनको आराम देने के लिए रूकना पड़ता ...

''लड़का दूध निकालने में इतना तनमय था कि उसे पता ही नहीं लगा कि कितनी देर हो गई, और दिन के उजाले को निकलता देख अचरज में पड़ गया ... उसने अंत में भण्डार को छोड़ा और घर के तरफ चल पड़ा। जैसा ही वह रसोईघर में घूसा, माँ ने चुल्हे से मुड़कर देखा जहाँ वह नाशता बना रही थी और पूछा, '' क्यों, जोसफ, तुम इतने सबेरे क्या कर रहे थे ?'

''उत्तर में उसने दूध की बाल्टी को उठाकर दिखाया, और उसकी माँ की अनुमति वाली मुस्कुराहट में उसने एक खुशी को महसूस किया। 'अच्छा', उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि अब तुम बड़े हो गए हो, रोज सबेरे दूध निकालना तुम्हारा काम होगा', रूककर उन्होंने सवाल पूछा, 'परन्तु तुम दूध निकालने के लिए इतने उतावले क्यो थे ?'

''जोसफ ने अपना चेहरा अपनी माँ की ओर उठाया जब उसने उत्तर दिया, 'मैं सिर्फ सहायता करना चाहता था जबकि पिताजी मिशन पर हैं। और आप देखें, (मैरी) के पास बहुत सारे कान है करने के लिए है, मैंने सोचा कि यदि मैं सुबह का दूध निकाल सकूँ , उसे उसके बारे में परेशान होने की जरूरत नहीं होगी।'

''... उसकी माँ ने अपनी बाहों को उसके आस पास रख दिया और उसे अपने पास लाकर कहा, ''तुम्हारे पिताजी कितने खुश होंगे जब मैं उन्हें लिखकर बताऊँगी कि उनके पास एक बहुत ही अच्छा युवा है जो उनकी गैर-हाजिरी में गाय से दूध निकालने का काम करता है''। (Lucile C. Reading, "The Morning Chore". Children's Friend, अप्रैल 1970, पृ. 23)।

बच्चों को बताएं कि इस युवा लड़के का नाम जोसफ फिल्डिंग स्मिथ था, और जब वह बड़ा हुआ तब गिरजाघर का दसवाँ अध्यक्ष बना।

- जोसफ फिल्डिंग स्मिथ ने कैसे सेवा की ?
- उसने किसकी सेवा की ?

विश्वास के अनुच्छेद

बच्चों को बताएं कि तेरहवाँ विश्वास का अनुच्छेद कहता है कि हम दूसरों की सेवा करने में विश्वास करते हैं। बच्चों को खड़ा होकर उनकी कहने में सहायता करें, ''हम विश्वास करते हैं ... सारे आदमियों के लिए अच्छा करने में''। (आपको शायद समझाने की आवश्यकता हो कि सारे आदमियों का मतलब है सारे लोग)।

गतिविधि

प्रत्येक बच्चे से खड़ा होने और खड़ा रहने के कहें जो यीशु मसीह का एक शिष्य (अनुसरण करने वाला) बनना चाहता हो। बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु अपने सारे शिष्यों से चाहता है कि वे सेवा करें।

- हम दूसरों की सेवा कैसे कर सकते हैं ?

प्रत्येक बच्चे को बैठने दें जब वह दूसरों की सहायता के लिए एक तरीके का नाम बताए।

यदि बच्चे को सेवा के एक तरीके को सोचने में कठिनाई होती है तब आप निम्नलिखित सुझावों या अन्य सुझाव की राय देना चाहें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए उपयुक्त होः

- किसी छोटे के लिए एक कहानी बताएं या पढ़ें।
- अपने माता पिता या दादा दादियों के लिए एक चित्र बनाएं।

- उन खिलौनों को दूर रखें जिसे आपके भाई ने बाहर छोड़ा हो।
- बिना पूछे रात के खाने के लिए मेज को तैयार करें।

हम खुश होते हैं जब हम सेवा करते हैं

चर्चा

- कौन खुश होता है जब हम सेवा करते हैं ? (उत्तरों में सम्मिलित वो लोग हो सकते हैं जिनकी हम सेवा करते हैं, जैसा कि स्वयं, और स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह)।

जोर दें कि जब हम दूसरों की सेवा करते हैं, ना ही सिर्फ वो लोग खुश होते हैं जिन की हम सहायता करते हैं बल्कि हम भी खुश होते हैं।

- दूसरों की सेवा करना आपको खुशी क्यों देता है ?

गीत

बच्चों के साथ ''मैं अपने उद्धारकर्ता का प्रेम महसूस करता हूँ'' की चौथी आयत के शब्दों को गाएं या कहें। (यदि बच्चे चौथी आयत को नहीं जानते हैं तो आप स्वयं ही आयत के शब्दों को गाना या कहना चाहें और फिर बच्चों को कोरस के साथ गाने दें)।

सारांश

कला गतिविधि

बच्चों की सेवा के एक साधारण कार्य को सोचने में बच्चों की सहायता करें जिसे आज वे पूरा कर सकें, चाहे गिरजाघर या घर पर। बच्चों को कागज और रगं या पन्सिल दें और प्रत्येक बच्चे को एक सेवा के कार्य का चित्र बनाने दें जिसे वह आज करेगा/करेगी। बच्चों को उनके चित्रों को एक दूसरे को दिखाने और समझाने दें।

गवाही

बच्चों को एक समय के बारे में बताएं जब किसी अन्य की सहायता करने के द्वारा वे आशीषित हुए हों। गवाही दें कि सच्ची प्रस–ाता दूसरों की सेवा करने से आती है।

बच्चों की उन तरीकों को ढूँढने के लिए प्रोत्साहन दें जिससे इस सप्ताह वे दूसरों की सेवा कर सकें। आप बच्चों से अगली कक्षा में, सेवा पर उनके अनुभवों पर रिपोर्ट देने के लिए कह सकते हैं।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें।

समृद्धि गतिविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा का समय'' देखें।

1. पहले से ही सेवा के एक कार्य को व्यवस्थित कर लें जिसे बच्चे आज कक्षा के दौरान एक साथ पूरा कर सकें (इस बात को निश्चित करें यह सेवा का कार्य सब्त के लिए उपयुक्त हो)।

   उदाहरणः

   - नर्सरी के शिक्षक के साथ व्यवस्थित करें ताकि आपकी कक्षा एक पसंदीदा प्राथमिक गीत नर्सरी के बच्चों के लिए गाए।
   - बच्चों के लिए सामग्रियाँ लाएं ताकि वे प्राथमिक के गायक और पियानिस्ट के लिए ''धन्यवाद'' का कार्ड बनाएं।
   - अगली कक्षा या आने वाले सप्ताह के कक्षालय की आवश्यक तैयारी में, बच्चों की सहायता करें, जैसा कि चॉकबोर्ड की सफाई करना और कुर्सियों को ठीक से लगाना।

   बच्चों की सेवा के कार्य को पूरा कर लेने के पश्चात, उनके साथ चर्चा करें कि उन्होंने सेवा करने के बारे में क्या महसूस किया। उन्हें याद दिलाएं कि सेवा करना हमें प्रसन्न कर सकता है।

2. प्रत्येक बच्चे के लिए कागज के तीन छोटे छोटे हृदय बनाएं। बच्चों को बताएं कि आप एक ''छुपा हुआ सेवकाई क्लब'' की शुरूआत करना चाहते हैं। बच्चों को इन हृदयों को घर ले जाने और उनके पारिवारिक सदस्यों के लिए छुपे हुए सेवा के कार्य को करने के लिए प्रोत्साहन दें, एक हृदय को उस जगह पर रखते हुए जहाँ वे सेवा के कार्य को करें। उदाहरण के तौर पर, वे एक भाई या बहन के बिछौने को ठीक करें और एक हृदय को तकीये पर रख दें। बच्चों से अगले सप्ताह रिपोर्ट देने के लिए कहें कि उन्होंने कैसा अनुभव किया जब दूसरों की छुपकर सेवा की।

3. ''मैं यीशु के समान बनने की कोशिश कर रहा हूँ'' (बच्चो की गीत पुस्तिका, पृ. 78) की दूसरी आयत के शब्दों को गाएं या कहें। इस गीत के शब्दों को पुस्तिका के पीछे सम्मिलित किया गया है।

4. फर्श पर बच्चों को एक छोटे गोलाकार में बैठने दें। आराम से एक सेम का झोला या अन्य मुलायम वस्तु एक बच्चे के तरफ फेंकें और उससे किसी सेवा करने के लिए एक तरीके का नाम पूछें। जब बच्चा उत्तर दे चुका हो, वह सेम के झोले को गोलाकार में बैठे दूसरे बच्चे के तरफ फेंक सकता/सकती है। यह तब तक जारी रखें जब तक कि प्रत्येक को कम से कम एक बार किसी सेवा के कार्य का नाम बताने का मौका न मिल जाए।

5. यदि आपके क्षेत्र में विडियो कैसेट "The Worth of Souls" (53147) से "The Gift" (16 मिनट का) उपलब्ध हो तो दिखाएं बजाय कि जोसफ फिल्डिंग स्मिथ के बारे में कहानी बताने के।

6. बच्चों को चर्चा या अभिनय करने दें जिसे वे निम्नलिखित प्रत्येक परिस्थितियों में सेवा करने की कोशिश में करेंगे (आपकी कक्षा में बच्चों के लिए आवश्यकतानुसार परिस्थितियों को रूपांतरित करें जो उपयुक्त हो):

   - आप सॉकर का खेल खेलने जा रहे हैं। आप जल्दी में हैं, परन्तु जैसे ही आप खेल के मैदान के तरफ जाने वाली सड़क पर आते हैं, आप देखते हैं कि एक वृद्धा से उसके सामानों का थैला गिर जाता है।

   - आप अपने दोस्त के घर खेलने जा रहे होते हैं। आप बहुत थके हुए हैं। जैसे ही आप अहाते से गुजरते हैं, आप अप ने पिता को बगीचे में काम करते देखते हैं।

   - जैसे ही आप एक पेय लेने के लिए रसोईघर में आते हैं, आप देखते हैं कि आपका भाई रात के खाने के बर्तनों को धो रहा है।

   - आप कुछ दोस्तों के साथ घर के तरफ जा रहे हैं। आप देखते हैं कि एक कुत्ता पड़ोसी के अहाते में रखे एक कूड़े के डिब्बे को गिरा देता है और चारों तरफ कूड़ा फैल जाता है। पड़ोसी कहीं गया हुआ है और कुछ दिनों तक वापस नहीं आ सकता।

   - आप विद्यालय में एक नई लड़की को देखते हैं और उसे अपना परिचय देते हैं। नई लड़की आपसे पूछती है कि आप दोपहर का खाना कहाँ खाते हैं। आपने अपने दोस्तों के साथ खाना खाने की योजना बना रखी है।

   - आपका परिवार गिरजाघर जाने की तैयारी कर रहा है। आपके पिता पहले ही जा चुके हैं क्योंकि उन्हें एक सभा में जाना है। आपके कई छोटे भाई और बहनें हैं जिन्हें तैयार होने में सहायता की जरूरत है।

मैं दूसरों को क्षमा कर सकता हूँ

पाठ
40

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की समझने में सहायता करना कि प्रसन्नता तभी आती है जब हम दूसरों को क्षमा करते हैं, जैसा कि यीशु ने किया था।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक लूका 23:13 ... 34 और यूहन्ना 18:12 ... 14, 19 ... 24; 19:1 ... 5 का अध्ययन करें।
2. ''प्रिय पिता, मेरी सहायता कर'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 99) की पहली आयत के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें।
3. निम्नलिखित शब्दपट्टी को बनाएं:

   ''पिता, उन्हें क्षमा कर; क्योंकि वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं''।

4. एक समय के बारे में बताने की तैयारी करें जब आपने क्षमा किया था और क्षमा करने के बारे में कैसा अनुभव किया था।
5. आवश्यक सामग्रियाँ:
   क. एक बाइबल
   ख स.चु. सारणी (देखें पाठ 1)।
   ग चॉक, चॉकबोर्ड, और रबर।
   घ. चित्र 2-56, यीशु की परिक्षा; चित्र 2-61, क्रूसारोहण (सुसमाचार कला चित्र किट 230; 62505)।
6. किसी भी समृद्धी कार्यक्रमों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया है, उनके साथ उसपर ध्यान दें। आप बच्चों से सेवकाई पर उनके अनुभवों का रिपोर्ट देने के लिए पूछ सकते हैं।

हम दूसरों को क्षमा कर सकते हैं

ध्यान गतिविधि

बच्चों से ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें जब आप निम्नलिखित परिस्थितियों का वर्णन करते हैं (इसे उपयुक्त बनाने के लिए अपनी कक्षा में, बच्चों के लिए आवश्यकतानुसार फेरबदल करें):

आप अपनी बाहों में एक भारी किताबों और कागजों (या अन्य चीजों) बोझ उठाए चल रहे हैं। अचानक किसी ने आपको धक्का दिया। आप गिर जाते हैं और चीजें गिर जाती हैं जिन्हें आप ढो रहे होते हैं। आपकी किताबें और कागज जमीन पर चारों तरफ फैल जाती हैं।

- क्या इस तरह का कुछ कभी आपके साथ हुआ है ?
- आपने कैसा अनुभव किया ?

बच्चों को बताएं कि आप इस परिस्थिति के दो अलग अलग अंत का वर्णन करने जा रहे हैं। उनसे निश्चय करने के लिए कहें कि कौन सा अंत अच्छा है।

पहला अंत

आप अपने और आपकी सारी चीजों के गिरने से परेशान होते हैं। जब व्यक्ति जो वहाँ से दौड़ा था, आपसे क्षमा मांगता है और किताबों और कागजों को उठाने में आपकी सहायता के लिए इच्छुक है, आप उसे धकेलते हुए और क्रोध से भरी आवाज में कहते हैं, ''नहीं''। आप इस आशा में हैं कि कल आप उसे चीजों के बंडल को ले जाते देख उसे गिरा सकते हैं।

दूसरा अंत

आप अपने और आपकी सारी चीजों के गिरने से परेशान होते हैं। वह व्यक्ति जो वहाँ से दौड़ा था, आपसे क्षमा मांगता है और किताबों और कागजों को उठाने में आपकी सहायता के लिए इच्छुक है, आप कहते हैं, ''धन्यवाद''। आप दोनों जल्दी ही किताबों और कागजों को उठा लेते हैं। आप उस व्यक्ति से कहते हैं कि वह आपको गिराना नहीं चाहता था, और आप दोनों खुशी खुशी चल देते हैं।

- कहानी का कौन सा अंत अच्छा है ?
- दूसरा अंत पहले के मुकाबले अच्छा क्यों है ?
- हमें क्या करना चाहिए जब कोई हमारे साथ कुछ इस तरह का करता है जिसे हम पसन्द नहीं करते हैं या जो हमें तकलीफ महसूस कराता है या क्रोधित करता है ? (हमें उन्हें क्षमा कर देना चाहिए)।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाएं कि किसी को क्षमा करने का मतलब है कि उस व्यक्ति के प्रति प्रेम और उदारता को महसूस करना तब भी जब उन्होंने कुछ ऐसा किया हो जिससे हमें तकलीफ हुई हो या क्रोध आया हो। कभी कभी इसका मतलब होता है कि हमारे क्रोधित अहसासों को उस व्यक्ति के प्रति उदार अहसास में बदलना। जब हम दूसरों को क्षमा करते हैं, हम उन्हें तकलीफ पहुँचाना या उनके साथ वैसा ही करना नहीं चाहते हैं। हम उनके प्रति उदार होते हैं, तब भी जब वे हमारे प्रति उदार नहीं होते हैं।

यीशु मसीह ने दूसरों को क्षमा किया था

धर्मशास्त्र की कहानी

बाईबल दिखाएं और बच्चों को बताएं कि आप बाइबल से यीशु मसीह के बारे में एक कहानी बताने जा रहे हैं कि कैसे उसने उन्हें क्षमा किया जिन्होंने उसे तकलीफ पहूँचाई थी। यीशु मसीह की परीक्षा और क्रूसारोहण की कहानी बताएं, जैसा कि लूका 23:13 ... 34 और यूहन्ना 18:12 ... 14, 19 ... 24; 19:1 ... 5 में पाई जाती है।

समझाएं कि यीशु और उसके शिष्यों के एक साथ अन्तिम भोज के पश्चात, यीशु स्वर्गीय पिता से प्रार्थना करने के लिए गतसमनी के बगीचे में गया। यीशु के प्रार्थना करने के पश्चात, कुछ सिपाही आए, उसे रस्सियों से बाँधा, और उसे उच्च पुरोहित के महल में ले गए जहाँ उसकी परीक्षा ली गई।

चित्र 2-56 दिखाएं, यीशु की परीक्षा।

बताएं कि परीक्षा के दौरान, सिपाहियों ने यीशु के साथ बहुत बूरो किया जो उदार नहीं थीं। उन्होंने उसे मारा, कोड़ों से मारा, उस पर थूका, उसके सिर पर काँटों का ताज पहनाया, और उसे नाम से पुकारा। परन्तु यीशु क्रोधित नहीं हुआ।

चित्र 2-61 दिखाएं, क्रूसारोहण।

बच्चों को बताएं कि परीक्षा के पश्चात, सिपाही यीशु को उस जगह पर ले गए जिसे कलवरी कहते हैं और उसे एक क्रूस पर किलों से गाड़ दिया। समझाएं कि यीशु उन सिपाहियों के प्रति क्रोधित नहीं था उस चीज के लिए जिसे उन्होंने उसके प्रति किया था। उसके बदले उसने सिपाहियों के लिए स्वर्गीय पिता से क्षमा माँगा।

धर्मशास्त्र और शब्दपट्टी

बच्चों को उसे सुनने दें जिसे यीशु ने अपनी मृत्यु के तुरन्त पहले कहा था। लूका 23:34 के पहले वाक्य को जोर से पढ़ें।

शब्दपट्टी दिखाएं और कक्षा के बाकी समय के लिए उसे वहीं रहने दें। यीशु के वाक्य को आपके साथ दोहराने में बच्चों की सहायता करें।

बताएं कि, यहाँ तक कि सिपाही यीशु के प्रति उदार नहीं थे, उसने उन्हें क्षमा किया और स्वर्गीय पिता से उन्हें क्षमा करने के लिए पूछा।

प्रसन्नता आती है जब हम दूसरों को क्षमा करते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को याद दिलाएं कि जब हम यीशु मसीह का अनुसरण करने वाले होते हैं तब हम वही करने की कोशिश करते हैं जो उसने किया था। यीशु ने सदैव उन लोगों को क्षमा किया जो उसके प्रति उदार नहीं थे। हमें भी उन लोगों को क्षमा करना चाहिए जो हमारे प्रति उदार नहीं होते हैं।

गीत

''मेरी सहायता कर प्रिय पिता'' की पहली आयत के शब्दों को गाएं या कहें। बच्चों को शब्दों को ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें। बताएं कि शब्दों को प्रार्थना के रूप में, हमें महसूस करने में सहायता के लिए लिखा गया है कि दूसरों को क्षमा करना कितना महत्वपूर्ण है।

प्रिय पिता, क्षमा करने के लिए मेरी सहायता कर
सभी को जो मेरे प्रति उदार नहीं दिखाई देते।

हे पिता, रोज मेरी सहायता कर, मैं प्रार्थना करता हूँ;
मेरी सहायता कर कि मैं तेरे निकट, तेरे निकट रहूँ।

आपके साथ बच्चों को खड़े होकर, गीत के शब्दों को गाने या कहने दें। बच्चों को शब्दों के मतलब के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहन दें जब वह उन्हें गाते हैं।

कहानी और चर्चा

एक बच्चे के बारे में कहानी बताएं जो जानता था कि कैसे क्षमा करते हैंः

केंट की माँ ने उससे अहाते की सफाई करने के लिए कहा था। वह सारे पत्तों और छोटी छोटी शाखाओं को एकत्रित कर रहा था जो कि अहाते में पेड़ों और पौधों से गिरे थे। केंट ने कड़ी मेहनत की, और आखिर में उसने सारे पत्तों और शाखाओं को एक बड़े ढेर में इकट्ठा किया। तभी जेड नीचे सड़क से आया और दौड़ता हुआ ढेर में से निकल गया और पत्तों और शाखाओं को प्रत्येक दिशा में फेंकने लगा। कुछ ही सेकेंड में केंट की मेहनत नष्ट हो गई।

- आपके विचार से केंट को कैसा महसूस हुआ जब जेड ने यह किया ?

केंट के भाई ने देखा कि जेड ने क्या किया। उसने सोचा कि केंट जेड को, पत्तों और शाखाओं के ढेर को फैलाने के लिए उसे दौड़ाकर पीटेगा।

- केंट क्या करेगा ?

बच्चों की कुछ सुझावों को सोचने में सहायता करें। फिर कहानी पूरी करेंः

केंट जेड के पीछे अवश्य भागा। परन्तु जेड को पीटने की बजाय, केंट ने उससे पूछा कि क्या उस दिन के लिए कोई और काम बाकी है। जेड ने सिर हिलाया।

केंट ने जेड के काम में उसकी सहायता करने के लिए कहा यदि जेड फिर से पत्तों को ढेर में एकत्रित करने में उसकी सहायता करेगा। जेड मान गया, और दोनों लड़कों ने एक साथ काम करने का एक अच्छा समय बिताया।

चर्चा

समझाएं कि यदि हम दूसरों को क्षमा करते हैं और उनके साथ उदारतापूर्ण व्यवहार करते हैं, जैसा कि केंट ने जेड के साथ किया, हम अन्दर से खुशी अनुभव करेंगे। यदि हम क्षमा नहीं करते हैं, हम तकलीफ या क्रोध में होना जारी रहेंगे, और हम खुश नहीं होंगे। हमें दूसरों को क्षमा करने की आवश्यकता है ताकि हम खुश रह सकें।

बच्चों के लिए कुछ परिस्थितियों को वर्णन करें, और चर्चा करें कि क्या परिस्थिति में दिखाए गए बच्चे ने क्षमादान व्यक्त किया। यदि बच्चे ने क्षमा दान व्यक्त नहीं किया, बच्चों से पूछें कि क्षमादान व्यक्त करने और अन्दर से खुशी अनुभव करने के लिए वह क्या कर सकता था।

नीचे दी गई परिस्थितियों का उपयोग करें या अपने स्वयं का कुछ बनाएः

1. जैन ने अभी अभी एक सुंदर चित्र को बनाकर पूरा किया था तभी उसका छोटा भाई आता है और एक क्रेयोन से उसके ऊपर लाइनें खींच देता है। जैन इतनी दुखी होती है कि उसने चिल्लाकर अपने भाई के हाथ पर थप्पड़ मारा।
   - क्या जैन ने क्षमादान दिखाया ?
   - आपके विचार से जैन ने अन्दर से कैसा अनुभव किया ?
   - जैन अपने भाई के प्रति क्षमादान दिखाने के लिए क्या करेगी ?
2. खेल के मैदान पर, डोना कैली के साथ आई और उसे नीचे धक्का दे दिया। हँसते हुए डोना वहाँ से भाग गई। दूसरे दिन, डोना झुले से गिर गई और अपने घुटने पर चोट लगा लिया। कैली उसकी सहायता के लिए भागकर आई।
   - क्या कैली ने क्षमादान दिखाया ?
   - आपके विचार से कैली ने अन्दर से कैसा अनुभव किया ?
3. पानी पीने के लिए जब चैड झरने के पास इन्तजार कर रहा था, उसके आगे का लड़का घुमा और उसके ऊपर पानी फेंक दिया। चैड का चेहरा पूरी तरह से भीग गया, परन्तु वह सिर्फ घुमा और बिना कुछ कहे वहाँ से चला गया। अगले दिन जब चैड पानी ले रहा था, वही लड़का वहाँ आया। चैड उसके ऊपर पानी फेंक सकता था, परन्तु उसने ऐसा नहीं किया।
   - क्या चैड ने क्षमादान दिखाया ?
   - आपके विचार से चैड ने अन्दर से कैसा अनुभव किया ?

सारांश

गतिविधि समीक्षा

चॉकबोर्ड पर 1 से 8 तक की संख्या लिखें। बच्चों को बारी बारी से एक संख्या को मिटाने दें और समीक्षा किए गए प्रश्न का उत्तर देने के लिए कहें जो उस संख्या से मेल खाता हो। यदि आपकी कक्षा बड़ी है, आपको अधिक प्रश्नों को बनाने की आवश्यकता हो सकती है।

1. दूसरों को क्षमा करने का मतलब क्या है ?

2. यीशु मसीह ने उन सिपाहियों के प्रति क्या किया जिन्होंने उसे क्रूस पर लटकाया था ?

3. यीशु मसीह ने सिपाहियों के लिए स्वर्गीय पिता से क्या माँगा ?

4. आपके विचार से केंट ने कैसा अनुभव किया जब जेड ने पत्तों के ढेर को गिरा दिया ?

5. केंट ने जेड के प्रति क्षमादान को कैसे दिखाया ?

6. आपके विचार से केंट ने कैसा अनुभव किया जब उसने जेड को क्षमा कर दिया ?

7. आपके विचार से जेड ने कैसा अनुभव किया जब केंट उससे बदला लेने के बजाय उसके प्रति उदार रहा ?

8. हम कैसा अनुभव करेंगे जब हम उन्हें क्षमा करेंगे जो हमारे प्रति उदार नहीं हैं ?

स.चु. सारणी और अँगुठी

स.चु. सारणी दिखाएं। बच्चों को सारणी पर के शब्दों को दोहराने दें। बच्चों की समझने में सहायता करें कि जब हम दूसरों को क्षमा करते हैं जैसा कि यीशु ने किया, हम सही का चुनाव करते हैं। बच्चों को स.चु. अँगुठी के तरफ देखने दें यदि उन्होंने उसे पहना हो। उन्हें बताएं कि अँगुठी उन्हें दूसरों को क्षमा कर सही का चुनाव करना याद दिलाने में उनकी सहायता करेगी।

गवाही

गवाही दें कि हम खुश हो सकते हैं जब हम दूसरों को क्षमा करते हैं और उनके प्रति उदार होते हैं। एक समय के बारे में बताएं जब आपने सही का चुनाव कर किसी को क्षमा किया हो। समझाएं कि आपने उस व्यक्ति के प्रति कैसा अनुभव किया क्योंकि आप क्षमा करने के इच्छुक रहे थे।

यदि समय अनुमति दे, बच्चों को उन समयों के बारे में बताने दें जब उन्होंने किसी को क्षमा किया हो।

इस सप्ताह दूसरों को क्षमा करने के विशेष प्रयास को बनाने के लिए बच्चों को प्रोत्साहन दें। सुझाव दें कि बच्चे अपने परिवारों के साथ क्षमादान पर चर्चा करें।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें। सुझाव दें कि बच्चा दूसरों को क्षमा करने में बच्चों की सहायता के लिए स्वर्गीय पिता से पूछे।

समृद्धि गातविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें ।

1. एक बड़ा झोला और कुछ पत्थर लाएं। बच्चों के साथ चर्चा करें कि हम कितनी बार क्रोधित होते हैं और बदला लेते हैं जब लोग हमारे प्रति उदार नहीं होते हैं। इस चर्चा के दौरान, झोले में एक एक कर पत्थर डालें।

   जब कुछ पत्थर झोले में डाले जा चुके हों, तब बच्चों को बारी बारी से उसे लेकर घुमने दें। झोले को उठाकर घुमने के दौरान उनसे ताली बजाने या किसी को गले लगाने की कोशिश करने के लिए कहें। समझाएं कि दूसरों के प्रति जिन्होंने उदारतापूर्ण कार्य नहीं किया हो, क्रोधित होना वैसा ही है जैसा कि पत्थरों के झोले को उठाना। यह हमारे लिए भारी बोझ है।

   बच्चों को, ''मैं क्षमा करूँगा'' कुछ समय के लिए कहने दें जब आप पत्थरों को झोले से बाहर निकालते हैं। तब बच्चों को झोले को फिर से उठाने दें। समझाएं कि जब हम दूसरों को क्षमा करते हैं, हमें एक भारी बोझ को नहीं उठाना होता है। हम अधिक प्रसन्नता का अनुभव करते हैं जब हम क्षमा करते हैं।

2. ''वैसा करो जैसा मैं करता हूँ'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 276) के शब्दों को गाएं या कहें। इस गीत के शब्दों को पुस्तिका के पीछे सम्मिलित किया गया है।

   गीत को कुछ समय के लिए दोहराएं, बच्चों को किसी कार्य को करने के चुनाव की बारी का मौका देते हुए। बच्चों को याद दिलाएं कि जब हम किसी का अनुसरण करते हैं, हम वही करते हैं जो वे करते हैं। यदि हम यीशु मसीह को अनुसरण करने वाले बनना चाहते हैं, हमें वही करना चाहिए जो उसने किया, उनके प्रति क्षमादान को दिखाना सम्मिलित करते हुए जो हमारे प्रति उदार नहीं रहे हैं।

3. जोसफ और उसके भाईयों की कहानी बताएं, जैसा कि उत्पत्ति 37 और 41 ... 45 में पाया जाता है। आप शायद बच्चों से कहानी का नाटक करवाना चाहें। बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे जोसफ ने अपने भाईयों को क्षमा किया (देखें उत्पत्ति 45:1 ... 15)।

4. पाठ के अंत में प्रत्येक बच्चे के लिए चित्र की एक प्रति बनाएं। बच्चों को रगं या पेन्सिलें दें और उन्हें चित्र में बच्चों के खुशनुमा चेहरे बनाने दें। फिर उन्हें चित्रों में रंग भरने दें। बच्चों से चित्रों को घर ले जाने के लिए कहें और चित्रों को वहाँ रखने के लिए कहें जहाँ से वह उन्हें दूसरों को क्षमा करना याद दिलाएं।

5. बच्चों को केंट और पाठ के 219 ... 20 के पृष्ठों की तीन परिस्थितियों की कहानी का नाटक करने दें (पहली परिस्थिति में, बच्चों को नाटक करके दिखाने दें कि कैसे जैन अपने भाई के प्रति क्षमादान व्यक्त कर सकती है)। या आपकी कक्षा में कुछ समान परिस्थितियों को बनाएं जो बच्चों के लिए अधिक उपयुक्त हो और बच्चों को उसका नाटक करने दें।

क्षमा करना हमें प्रसन्न बनाता है

यीशु मसीह हमारा उद्धारक है

पाठ
41

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की समझने में सहायता करना कि यीशु मसीह के पुनरूत्थारित होने के कारण हर कोई पुनरूत्थारित होगा

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मत्ती 27:45 ... 66, 28:1 ... 8, लूका 24:13 ... 46 और यूहन्ना 19:30, 20:11 ... 18 का अध्ययन करें। सुसमाचार सिद्धांत (31110), अध्याय 11 और 12 भी देखें।

2. चित्र 2-65 के समान आकार का एक कागज काटें, पुनरूत्थारित यीशु मसीह (सुसमाचार कला चित्र किट 239; 62187) के आठ टुकड़े बनाएं। टुकड़ों पर 1 से 8 तक की संख्या डालें। ध्यानपूर्वक टुकड़ों को कागज वाली क्लीप या टेप के छोटे छोटे चुकड़ों द्वारा फंसाकर चित्र 2-65 को ढँकें जैसा कि दिखाया गया है।

1	2
3	4
5	6
7	8

3. ''वह जी उठा है'' (गीत सं. 199) की पहली आयत के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें या इस गीत की रिकार्डिंग लाएं।

4. आवश्यक सामग्रियाँः
   क. एक बाइबल
   ख. 2-5 के कतरन, क्रूसारोहण के दृश्य; 2-6 के कतरन, यीशु के शरीर को लपेटना; 2-7 के कतरन, कब्र; 2-8 के कतरन, बड़ा पत्थर; 2-9 के कतरन, सिपाही; 2-10 के कतरन, दूत; 2-11 के कतरन, तेल ली हुई औरतें; 2-12 का कतरन, पुनरूत्थारित यीशु। कतरकनों को एक श्रृंखला में एकत्रित करें जिससे उनका पाठ में उपयोग किया जा सके।
   ग. चित्र 2-2, एक बच्चे के साथ परिवार (62307); चित्र 2-35, यीशु और बच्चे (सुसमाचार कला चित्र किट 216; 62467); चित्र 2-62, मरिया और पुनरूत्थारित यीशु (सुसमाचार कला चित्र किट 233; 62186); चित्र 2-63, इम्माऊस के तरफ जाने वाला रास्ता; चित्र 2-64, यीशु अपने घावों को दिखाता हुआ (सुसमाचार कला चित्र किट 234; 62503);

5. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

यीशु मसीह ने हमारे लिए कुछ ऐसा किया जिसे हम नहीं कर सकते

ध्यान गतिविधि

चित्र 2-2 दिखाएं, एक बच्चे के साथ परिवार। बच्चों को उस समय के बारे में सोचने दें जब वे पहली बार इस धरती पर बच्चों के रूप में आए थे।

- आपके माता पिता (या अन्य पारिवार के सदस्यों) ने आपके लिए क्या किया जब आप एक बच्चे थे और आप अपने लिए कुछ नहीं कर सकते थे ?

बच्चों को उन चीजों के बारे में सोचने में सहायता करें जो उनके माता पिता (या परिवार के अन्य सदस्यों) ने किया हो। इस बात को निश्चित करें कि कम से कम प्रत्येक बच्चे को एक चीज का नाम बताने का मौका मिले।

- ऐसा क्या है जिसे आपके माता पिता (या परिवार के अन्य सदस्य) आपके लिए अब भी करते हैं जिसे आप अपने स्वयं के लिए भी नहीं कर सकते ?

• वे लोग इन चीजों को आपके लिए क्यों करते हैं ?

समझाएं कि हमारे माता पिता और परिवार के अन्य सदस्य खुश होते हैं जब वे हमारे लिए उन चीजों को करते हैं जिन्हें हम अपने लिए नहीं कर सकते क्योंकि वे हमसे प्रेम करते हैं और हमारी सहायता करना चाहते हैं।

चर्चा

समझाएं कि कोई हमसे बहुत प्रेम करता है और हमारे लिए कुछ चीजों को करने का इच्छुक है जिसे हम अपने लिए नहीं कर सकते।

चित्र 2-36 दिखाएं, यीशु और बच्चे

• यह व्यक्ति कौन है जो हमसे प्रेम करता है ?

समझाएं कि हमारे धरती पर आने से पहले, यीशु मसीह ने हमारा उद्धारक होना स्वीकार किया था। इसका मतलब यह था कि वह मरने और पुनरूत्थारित होने के लिए तैयार था ताकि हम फिर से जीवित होकर स्वर्गीय पिता के साथ रह सकें। यीशु मसीह ही एक ऐसा व्यक्ति था जिसके पास, हमारे लिए यह करने की शक्ति थी। इसे हम अपने स्वयं के लिए नहीं कर सकते।

• पुनरूत्थारित होने का क्या मतलब है ?

समझाएं कि जब हम मर जाते हैं, हमारी आत्मा हमारे शारीरिक शरीर को छोड़ देती है। यीशु के मृत्यु के पश्चात, उसकी आत्मा और उसका शारीरिक शरीर एक साथ वापस आया, एक पुनरूत्थारित शरीर के रूप में जोकि सदैव के लिए जीवित रहेगा। यीशु की मृत्यु और उसके पुनरूत्थारित होने के कारण हम भी पुनरूत्थारित होंगे।

यीशु मसीह पुनरूत्थारित हुआ था

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाएं कि हमारे उद्धारर्क यीशु मसीह का पुनरूत्थान, इतनी महत्वपूर्ण घटना है कि हम उसे प्रत्येक वर्ष एक विशेष दिन के रूप में मनाते हैं जो हमें याद रखने में सहायता करता है कि क्या हुआ था।

• हम इस विशेष दिन को क्या कहते हैं ? (ईस्टर)

बच्चों को याद दिलाएं कि ईस्टर के समय में वे यीशु मसीह के पुनरूत्थान के बारे में सीखते हैं।

कतरनों के साथ धर्मशास्त्र की कहानी

यीशु मसीह के क्रूसोरोहण, दफन, और पुनरूत्थान की कहानी बताएं (देखें मत्ती 27:45, 57 ... 66; 28:1 ... 6; और यूहन्ना 19:30)। उपयुक्त समय पर बच्चों को कतरनों को पकड़ने दें।

एक बच्चे को 2-5 के कतरन को पकड़ने दें, क्रूसारोहण का दृश्य।

समझाएं कि यीशु को दोपहर के कुछ समय पहले क्रूस पर लटकाया गया था। दोपहर में तीन घंटे के लिए सुरज छिप गया था, और धरती पर चारों तरफ अंधकार फैल गया था (देखें मत्ती 27:45)। हमारी सहनशक्ति से भी कहीं अधिक यीशु को दर्द हो रहा था। मसीह ने शायद तकलीफ और मृत्यु को न चुना होता, परन्तु स्वर्गीय पिता से प्रतिक्षा की थी कि धरती पर आएगा, सहेगा, और हमारे लिए मरेगा।

बच्चों को बताएं कि धरती कंपकपाने और हिलने लगी। जिन्होंने अंधेर में से उसे देखा उन्होंने यीशु को रोते हुए सुना, ''पूरा हुआ'' (यूहन्ना 19:30)। उसकी तकलीफें खत्म हो गईं थीं। उसने अपना सिर झुकाया और मर गया। उसकी आत्मा ने उसके शरीर को छोड़ दिया।

• आपके विचार से यीशु के क्रूसोराहण के पश्चात उसके दोस्तों और चेलों ने कैसा अनुभव किया ?

बच्चे को क्रूसारोहण के दृश्य के कतरन को नीचे रखने दें।

एक बच्चे को 2-6 के कतरन, यीशु के शरीर को लपेटते हुए, को पकड़ने दें।

समझाएं कि यीशु के दोस्तों और चेलों ने उसके शरीर को सावधानीपूर्वक क्रूस पर से नीचे उतारा। उन्होंने उसके शरीर को मसालों के साथ एक अच्छे क्षोम के कपड़े में लपेटा, जैसा कि उन दिनों में रिवाज हुआ करता था।

एक बच्चे को 2-6 के कतरन, यीशु के शरीर को लपेटते हुए, को पकड़ने दें।

समझाएं कि यीशु के दोस्तों और चेलों ने उसके शरीर को सावधानीपूर्वक क्रूस पर से नीचे उतारा। उन्होंने उसके शरीर को मसालों के साथ एक अच्छे क्षोम के कपड़े में लपेटा, जैसा कि उन दिनों में रिवाज हुआ करता था।

एक बच्चे को 2-7 के कतरन, कब्र को पकड़ने दें।

समझाएं कि उद्धारक के दोस्तों ने उसके शरीर को एक कब्र में रखा। एक कब्र एक छोटा सा कमरा होता है, अधिकतर एक बड़े पत्थर से ढँका हुआ, जिसमें लोगों को दफनाया जा सकता है।

बच्चे को, यीशु के शरीर को लपेटते हुए के कतरन को नीचे रखने दें।

• बच्चों को, कतरन 2-8, बड़ा पत्थर और कतरन 2-9, सिपाही को पकड़ने दें।

बच्चों को बताएं कि एक बड़ा पत्थर कब्र के दरवाजे पर रखा जाता था, और पत्थर के पास सिपाही खड़े रहते थे।

पत्थर और सिपाही कब्र के दरवाजे पर क्यों रखे जाते थे ? (देखें मत्ती 27:62 ... 66)।

समझाएं कि यीशु का शरीर तीन दिनों तक कब्र में पड़ा रहा। तीसरे दिन की सुबह जो रविवार का दिन था, धरती फिर से कंपकपाई और हिली (देखें मत्ती 28:1 ... 2)।

बच्चे को बड़े पत्थर के कतरन को नीचे रखने दें।

समझाएं कि एक दूत स्वर्ग से नीचे धरती पर आया और कब्र के दरवाजे से पत्थर को हटाया।

बच्चे को बड़े पत्थर के कतरन को नीचे रखने दें।

• उन लोगों का क्या हुआ जो कब्र की रक्षा कर रहे थे ? (देखें मत्ती 28:4)

बच्चे को सिपाही के कतरन को नीचे रखने दें।

एक बच्चे को कतरन 2-11, तेल के साथ औरतें।

समझाएं कि रविवार की उसी सुबह मरिया मगदलीनी, एक यीशु मसीह का अनुसरण करने वाली, और दूसरी औरत कब्र पर आईं (देखें मत्ती 28:1)। वे कुछ तेल और मसाले यीशु के शरीर पर लगाना चाहती थीं (यह उस समय का रिवाज था)। जब वे कब्र के नजदीक आईं, उन्होंने देखा कि कब्र का पत्थर हटा हुआ था। कब्र खाली था। यीशु का शरीर जा चुका था।

समझाएं कि औरतों ने दूत को देखा, जिसने उनसे डरने के लिए मना किया। मत्ती 28:5 ... 6 को जोर से पढ़ें कि दूत ने औरतों से क्या कहा।

सारे बच्चों को उनकी आकृतियों के कतरनों को नीचे रखने दें। एक बच्चे को कतरन 2-12, यीशु पुनरूत्थारित हुआ को पकड़ने दें।

समझाएं कि जब दूत ने कहा, ''वह जी उठा है'', वह औरतों को बता रहा था कि यीशु पुनरूत्थारित हो गया था। उसकी आत्मा फिर से उसके शरीर में आई थी और वह फिर से जी उठा ।

बच्चों को बताएं कि यीशु के दोस्त और चेले यह सुनकर बहुत खुश हुए कि वह फिर से जी उठा।

गीत

बच्चे को, कतरन को पकड़ना जारी रखने दें जब आप ''वह जी उठा'' की पहली आयत के शब्दों को गाएं या रिकार्डिंग सुनें। फिर बच्चे को कतरन नीचे रखने दें।

वह जी उठा! वह जी उठा!
खुशी के शहर में यह बोलो।
उसने अपने तीन दिन के कारावास को तोड़ डाला;
सारी पृथ्वी को खुशी मनाने दो,
मृत्यु पर विजय हुई, मनुष्य आजाद हुआ,
मसीह ने विजय प्राप्त की।

यीशु मसीह मरियम मगदलीनी और उसके चेलों को दिखाई दिया

चर्चा

चित्र 2-62, दिखाएं, मरिया और पुनरूत्थारित प्रभु

समझाएं कि यीशु मसीह अपने पुनरूत्थान के पश्चात, अपने कुछ अनुसरण करने वालों को दिखाई दिया। जिस व्यक्ति को वह पहले दिखाई दिया, वह थी मरिया मगदलीनी (देखें यूहन्ना 20:11 ... 18)। मरियम कब्र के पास रो रही थी जब यीशु उसके पास आया।

• आपके विचार से मरियम को कैसा अनुभव हुआ जब उसने यीशु को देखा और जाना कि वह फिर से जी उठा है ?

धर्मशास्त्र की कहानी

चित्र 2-63 दिखाएं, इम्माऊस के तरफ जाने वाला रास्ता, और लूका 24:13 ... 46 में पाई जाने वाली कहानी बताएं।

समझाएं कि दो चेलों ने यीशु को नहीं पहचाना जब वह उनके साथ चलने लगा। चेलों ने यीशु को वह सारी बातें बताईं जो उस दिन कब्र पर हुआ था। जब यीशु उनके साथ भोजन के लिए रूका, रोटी को तोड़ा, और और उसे चेलों को दिया। तब उन्होंने पहचाना कि वह कौन था। यीशु फिर उनकी आँखों से ओझल हो गया।

- आपके विचार से यीशु को देखने के पश्चात चेलों ने कैसा अनुभव किया ?
- यदि आप उन चेलों में से एक होते और यीशु को देखा होता, आप क्या करते ?

समझाएं कि दोनों चेले यरूशलेम के तरफ भागे ताकि वे दूसरे चेलों को बता सकें कि उन्होंने यीशु को देखा है। जब वे दूसरों को बता रहे थे कि क्या हुआ था, यीशु दिखाई दिया।

लूका 24:36 ... 37 को जोर से पढ़ें। समझाएं कि यीशु को देखकर चेले डर गए क्योंकि उन्होंने सोचा कि वह एक आत्मा है।

चित्र 2-64 दिखाएं, यीशु अपने घावों को दिखाता है।

समझाएं कि यीशु चाहता था कि चेले उसके शरीर के छुएं ताकि वे जान सकें वह पुनरूत्थारित हुआ है। लूका 24:39 ... 40 को जोर से पढ़ें।

बच्चों को बताएं कि यीशु ने कुछ भोजन खाने के लिए भी मांगा था। उसने भोजन चेलों को यह दिखाने के लिए खाया कि उसका मांस और हड्डियों को शारीरिक शरीर उसकी आत्मा के साथ फिर से उसके पुनरूत्थारित शरीर से जुड़ गया है (देखें लूका 24:41 ... 43)।

यीशु मसीह के पुनरूत्थारित होने के कारण हम भी पुनरूत्थारित होंगे

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को बताएं कि यीशु मसीह, हमारे उद्धारक ने प्रतिज्ञा किया था कि सारे लोग अपनी मृत्यु के पश्चात फिर से जीवित रह सकेंगे। हममें से प्रत्येक पुनरूत्थारित होगा जैसा कि यीशु हुआ था और हममें से प्रत्येक के पास एक अद्‌भूत शरीर जैसा कि उसके पास है। यीशु ने यह संभव बनाया क्योंकि वह हमसे प्रेम करता है।

गतिविधि

कागज के आठ टुकड़ों से ढँका हुआ चित्र दिखाएं। समझाएं कि जो चित्र कागज के पीछे ढँका है, वह विशेष है। बच्चों को संख्या 1 से 8 को चुनने की बारी लेने दें। संबंधित प्रश्न पूछें और कक्षा को उत्तर देने की अनुमति दें (आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें) कक्षा के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देने के पश्चात, एक बच्चे को उपयुक्त कागज के टुकड़े को हटाने दें, चित्र के भाग को दिखाते हुए।

गतिविधि के लिए निम्नलिखित प्रश्नों को उपयोग करें (या अपने स्वयं का कुछ बनाएं):

1. कौन पुनरूत्थारित होंगे ? (प्रत्येक जन)
2. पुनरूत्थारित होने को क्या मतलब है ? (फिर से जीवित होना; मृत्यु के पश्चात हमारे शरीर और आत्मा का एक साथ जुड़ना)।
3. दूत का क्या मतलब था जब उसने कहा ''वह जी उठा है'' ? (यीशु मसीह पुनरूत्थारित हुआ था)।
4. कुछ कार्य कौन से हैं जिन्हें यीशु ने पुनरूत्थारित होने के पश्चात किया था ? (वह चला था, उसने बोला था, भोजन खाया था, मरिया मगदलीनी और अपने चेलों को दिखाई दिया था, चेलों को अपने हाथों और पैरों को छुने दिया था)।
5. हमारा उद्धारक कौन है ? (यीशु मसीह)
6. पुनरूत्थारित होने के पश्चात यीशु मसीह किसे दिखाई दिया था ? (मरिया मगदलीनी और अपने कई चेलों को)।
7. क्या यीशु मसीह अब भी जीवित है ? (हाँ, स्वर्ग में स्वर्गीय पिता के साथ)।
8. यीशु हमारे लिए मरने और पुनरूत्थारित होने की इच्छा क्यों रखता था ? (क्योंकि वह हमसे प्रेम करता था और चाहता था कि हम फिर से उसके और स्वर्गीय पिता के साथ रहने में सक्षम हो सकें)।

जब पूरा चित्र खुल जाए, समझाएं कि यह चित्र पुनरूत्थारित यीशु मसीह का है। जब हम इस चित्र को देखते हैं, हम याद कर सकते हैं कि यीशु मसीह के पुनरूत्थारित होने के कारण हर कोई पुनरूत्थारित होगा।

सारांश

गवाही

यीशु मसीह के प्रति अपने प्रेम के अहसासों को बाँटें, और उसके और उसके पुनरूत्थान के बारे में अपनी गवाही दें। बच्चों को याद दिलाएं कि समाचार ''वह जी उठा है'', प्रत्येक के लिए अच्छा समाचार है।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें। बच्चे को, अपने पुत्र यीशु मसीह को भेजने के लिए स्वर्गीय पिता का धन्यवाद करने को कहें, जिसने हमारी मृत्यु के पश्चात हमारे लिए फिर से जीवित रहना संभव बनाया।

समृद्धि गातविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा का समय'' देखें ।

1. पाठ 3 (देखें पृष्ठ 13) से हाथ और दस्ताने जैसी वस्तुओं की समीक्षा करें। समझाते हुए अनुरूपता को जारी रखें कि मरना उसी प्रकार है जैसे दस्ताने से हाथ को बाहर निकालना। शरीर (दस्ताने की तरह) हिल नहीं सकता, परन्तु आत्मा (हाथ की तरह) अभी भी जीवित है। पुनरूत्थान में आत्मा और शरीर दुबारा मिलते हैं, और दोनों फिर से जीवित हो जाते हैं।

2. बच्चों को खड़े होकर आपके साथ तीसरे विश्वास के अनुच्छेंद को दोहराने दें। समझाएं कि यीशु मसीह के मरने और पुनरूत्थारित होने के कारण हम भी पुनरूत्थारित होंगे, और यदि हम आज्ञाओं का पालन करते हैं, हम किसी दिन फिर से यीशु और स्वर्गीय पिता के रहने में सक्षम हो सकते हैं। आप इस विश्वास के अनुच्छेंद को याद करने में बच्चों को सहायता कर सकते हैं।

3. ''क्या यीशु सचमुच फिर से जीवित हुआ'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 64) के शब्दों को गाएं या कहें। क्रियाओं को करने में बच्चों की सहायता करें जैसा कि दिखाया गया है:

   क्या यीशु सचमुच फिर से जीवित हुआ (हथेलियों को ऊपर करते हुए हाथों को बाहर निकालो) ?
   हाँ, जब तीसरा दिन आया (तीन उँगलियों को ऊपर उठाओ)।
   वह जागा और उसने कब्र को छोड़ दिया (अपने स्थान पर चलों);
   उसने मरियम का नाम पुकारा (मुँह के आस पास हाथों को प्याले के आकार का बनाओ)।

   क्या यीशु उनके पास आया जिन्हें वह प्रेम करता था (हाथों को हृदय पर रखो) ?
   हाँ, लोगों ने उसके पैरों को छुआ (झुको और पैरों को छुओ),
   और मछली और शहद
   उसने सच में खाया (खाने को मुकाभिनय करो)।

   और उसके हाथों में कीलों के निशान थे (हाथ के तरफ संकेत करो)
   और उसके बगल में भाले का निशान (बगल के तरफ संकेत करो)।
   क्या यीशु सचमुच फिर से जीवित हुआ
   उसेक मरने के बाद (हाथों को बाहर, हथेलियों को ऊपर रखो) ?
   ओ हाँ, और इसीलिए मैं भी (सिर हिलाओ)।

4. अपनी प्राथमिक अध्यक्षा की अनुमति के साथ, वार्ड या शाखा के सदस्य को, कक्षा में आकर उद्धारक के प्रति अपने प्रेम और पुनरूत्थान की गवाही को बाँटने के लिए आमंत्रित करें।

5. बच्चों को उनकी आँखें बंद करने और उन्हें अन्धा होने का दिखावा करने के लिए कहें। समझाएं कि जब हम पुनरूत्थारित होंगे, फिर अन्धापन या अन्य किसी भी तरह की विकलांगता नहीं होगी। हमारा शरीर पूर्ण होगा। हर कोई देखने और सुनने और दौड़ने में सक्षम होगा; किसी के पास भी कोई शारीरिक तकलीफ नहीं होगी। कोई बीमार नहीं होगा। बच्चों से उनकी आँखें खोलने के लिए कहें, और उस बारे में बात करने के लिए कहें कि यह कितना अद्भूत होगा कि हमारे पास पूर्ण स्वस्थ शरीर होंगे।

यीशु मसीह का गिरजाघर पृथ्वी पर है

पाठ
42

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की समझने में सहायता करना कि अंतिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर, वही गिरजाघर है जिसे यीशु ने संगठित किया था जब वह पृथ्वी पर था।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक सिद्धांत और अनुबंध 115:4 का अध्ययन करें। सुसमाचार सिद्धांत (31110), अध्याय 16 और 17 को भी देखें।

2. ''मुझे यीशु की कहानियाँ सुनाओ'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 57) और ''यीशु मसीह का गिरजाघर'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 77) की पहली आयत के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें।

3. पाठ के अंत में पाए जाने वाले दुनिया के मानचित्र का अध्ययन करें और बच्चों की जानकारी वाले कुछ जगहों को पहचानें, अपने स्वयं के राज्य या देश को सम्मिलित करते हुए।

4. पाठ के दौरान चॉकबोर्ड, दीवार, या फर्श पर दिखाए गए चित्रों के प्रदर्शन का अंत कुछ इस तरह होना चाहिए जैसा कि दिखाया गया है।

5. आवश्यक सामग्रियाँ
   क. एक बाइबल और एक सिद्धांत और अनुबंध
   ख. टेप या अन्य चिपकाने वाली चीजें (वैकल्पिक)
   ग. चित्र 2-3, यीशु ही मसीह है (सुसमाचार कला चित्र किट 240: 62572); चित्र 2-19, यूहन्ना बपतिस्मा वाला यीशु का बपतिस्मा करता हुआ (सुसमाचार कला चित्र किट 208: 62133); चित्र 2-20, लड़का बपतिस्मा लेता हुआ (62018); चित्र -2-37, पहाड़ पर उपदेश (सुसमाचार कला चित्र किट 212: 62166); चित्र - 2-38, पहला दिव्यदर्शन (सुसमाचार कला चित्र किट 403: 62470); चित्र 2-66, यीशु प्रेरितों को नियुक्त करता हुआ (सुसमाचार कला चित्र किट 211: 62557); चित्र 2-67, यीशु प्रथम प्रभुभोज को आशीषित करता हुआ; चित्र 2-68, मलकीसिदक पौरोहित्य की पुनःस्थापना (सुसमाचार कला चित्र किट 408: 62371); चित्र 2-69, बच्चा प्रभुभोज लेता हुआ; चित्र 2-70, संसार के चारों तरफ के बच्चे।

6. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

यीशु मसीह ने पवित्र भूमि पर अपने गिरजाघर को संगठित किया

ध्यान गतिविधि

बच्चों को पाठ के अंत मे पाए जाने वाले संसार के मानचित्र को दिखाएं।

- यह क्या है ? (एक मानचित्र)

संक्षिप्त में मानचित्र और उसके उपयोग पर चर्चा करें। बच्चों को दिखाएं कि वे मानचित्र में कहाँ पर रहते हैं। दूसरी जगहों पर भी संकेत करें जिसे शायद बच्चे जानते हों, जैसा कि एक प्रचारक कहाँ का है या एक कहाँ सेवकाई कर रहा है, या वार्ड या शाखा का एक नया परिवार किस जगह गया है।

समझाएं कि इस मानचित्र पर एक क्षेत्र है जिसे अक्सर पवित्र भूमि कहा जाता है। इस क्षेत्र को संकेत करें। समझाएं कि यही वह जगह है जहाँ यीशु बड़ा हुआ, लोगों को सुसमाचार सीखाया, और अपने गिरजाघर को संगठित किया। बच्चों को याद दिलाएं कि इस वर्ष प्राथमिक में, उन्होंने यीशु और पवित्र भूमि में लोगों के लिए उसकी शिक्षाओं के बारे में बहुत सी चीजें सीखीं।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बाईबल दिखाएं और नये नियम को खोलें। बच्चों को याद दिलाएं कि धर्मशास्त्र की इस किताब में यीशु मसीह और पवित्र भूमि के उसके लोगों के बारे में कहानियाँ हैं। हम नये नियम में पढ़ सकते हैं कि कैसे यीशु मसीह ने पवित्र भूमि पर अपने गिरजाघर को संगठित किया।

चित्र गतिविधि

बच्चों को बताएं कि आप पवित्र भूमि के गिरजाघर के कुछ हिस्सों पर चर्चा करने जा रहे हैं जिसे यीशु मसीह ने संगठित किया था जब वह धरती पर था। (आप उस तरफ भी संकेत कर सकते हैं कि यीशु मसीह ने अमरीका में रह रहे नफायटियों के बीच उसी प्रकार का गिरजाघर संगठित किया था जब वह अपने क्रूसारोहण के पश्चात उनसे मिला था)।

चित्र 2-37 दिखाएं, पहाड़ पर उपदेश, और एक बच्चे को उसे कक्षा के सामने चॉकबोर्ड के बाएं तरफ ऊपरी किनारे पर, दीवार या फर्श पर दिखाने दें।

- यह चित्र क्या प्रदर्शित करता है ? (यीशु मसीह लोगों को शिक्षा देता हुआ)।
- यीशु की कुछ शिक्षाएं क्या हैं जो आपको याद है ?

समझाएं कि यीशु उन लोगों को प्रेम करता था जिन्हें उसने शिक्षा दी थी, और चाहता था कि वे सुसमाचार और उन चीजों को जानें जिन्हें स्वर्गीय पिता चाहता था कि वे करें। यीशु के गिरजाघर संगठित करने का एक कारण, लोगों की सुसमाचार को जानने में सहायता करना था। समझाएं कि संगठन का मतलब है कि एक सही तरीके में इकट्ठा करना।

- यीशु क्यों चाहता था कि लोगों के पास सुसमाचार हो ? (वह उनसे प्रेम करता था और चाहता था कि वे जानें कि फिर से स्वर्गीय पिता के पास कैसे जाना है)।

चित्र 2-19 दिखाएं, यूहन्ना बपतिस्मा वाला यीशु को बपतिस्मा देता हुआ, और एक बच्चे को उसे, पहाड़ पर उपदेश के चित्र के नीचे रखने दें।

बच्चों से बताने के लिए कहें कि वे चित्र के बारे में क्या जानते हैं। समझाएं कि यीशु ने हमारे लिए उदाहरण रखा कि हमें किस तरह बपतिस्मा लेना चाहिए। किसी ऐसे व्यक्ति के द्वारा डुबकर बपतिस्मा लेना जिसके पास पौरोहित्य हो, यीशु के गिरजाघर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

चित्र 2-66 दिखाएं, यीशु प्रेरितों को नियुक्त करता हुआ, और और एक बच्चे को उसे, बपतिस्मा के चित्र के नीचे रखने दें।

समझाएं कि यीशु मसीह ने अपने गिरजाघर की अगुवाई में सहायता के लिए बारह आदमियों को चुना था। (सारे आदमियों को चित्र में नहीं दर्शाया गया है)। इन आदमियों को प्रेरित कहते हैं। यीशु ने उन्हें, गिरजाघर की अगुवाई में सहायता और लोगों की सेवकाई के लिए पौरोहित्य प्रदान किया था।

चित्र 2-67 दिखाएं, यीशु प्रथम प्रभुभोज को आशीषित करता हुआ, और और एक बच्चे को उसे, प्रेरितों के चित्र के नीचे रखने दें।

बच्चों को बताने दें कि वे चित्र के बारे में क्या जानते हैं। बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु ने लोगों को प्रभुभोज, उसे याद रखने में उनकी सहायता के लिए दिया था।

चित्र 2-3 दिखाएं, यीशु ही मसीह है, और एक बच्चे को उसे, प्रथम प्रभुभोज के चित्र के नीचे रखने दें।

बच्चों को बताएं कि यीशु चाहता था कि हर कोई जाने कि सच्चा गिरजाघर यीशु मसीह का गिरजाघर था।

गीत

बच्चों को खड़े होकर ''मुझे यीशु की कहानियाँ बताओ'' की पहली आयत के शब्दों को गाने या कहने दें।

मुझे यीशु की कहानी सुनाओ जिसे मैं सुनना पसन्द करता हूँ,
वे चीजें मैं उससे पूछता अगर वह यहाँ होता।
सड़क के किनारों का दृश्य, समुद्र की कहानियाँ,
यीशु की कहानियाँ, उन्हें मुझे बताओ।

यीशु मसीह ने हमारे लिए अपने गिरजाघर को संगठित किया

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाएं कि यीशु की मृत्यु के पश्चात प्रेरितों ने गिरजाघर की अगुवाई की। प्रेरितों की मृत्यु के पश्चात, फिर भी, लोग यीशु और उसके प्रेरितों को भूलने लगे थे। उन्होंने आज्ञाओं का पालन अथवा यीशु की शिक्षाओं का अनुसरण फिर कभी नहीं किया। शीघ्र ही यीशु मसीह का गिरजाघर पृथ्वी पर नहीं रहा। सेकड़ों वर्ष बीत गए और बहुत से विभिन्न गिरजाघर बन गए, परन्तु उनमें से किसी के पास सच्चा पौरोहित्य नहीं था।

बच्चों को बताएं कि स्वर्गीय पिता और यीशु तब भी धरती के लोगों से प्रेम करते थे। वे यीशु मसीह के गिरजाघर को धरती पर फिर से चाहते थे ताकि लोग सुसमाचार को जान सकें।

मानचित्र

फिर से संसार के मानचित्र का प्रदर्शन करें और बच्चों को बताएं कि 1820 में स्वर्गीय पिता और यीशु जोसफ स्मिथ को दिखाई दिए, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यु. यार्क में रहता था। बच्चों को मानचित्र पर न्यु यार्क दिखाएं।

चित्र गतिविधि

चित्र 2-38 दिखाएं, पहला दिव्यदर्शन, और एक बच्चे को उसे, पहाड़ पर उपदेश के चित्र के बगल में रखने दें।

बच्चों को बताने दें कि वे चित्र के बारे में क्या जानते हैं। समझाएं कि यीशु ने जोसफ स्मिथ को, बिल्कुल वैसे ही यीशु मसीह के गिरजाघर को संगठित करने की आज्ञा दी जैसा कि उसने संगठित किया था जब वह धरती पर रहता था।

सिद्धांत और अनुबंध की एक प्रति दिखाएं (या तीन सम्मिश्रण वाली सिद्धांत और अनुबंध के शीर्षक पृष्ठ को दिखाएं)। संकेत करें कि बिल्कुल उसी तरह जिस तरह नये नियम में यीशु मसीह की शिक्षाएं पाई जाती हैं जब वह धरती पर था, सिद्धांत और अनुबंध में भी यीशु की शिक्षाएं पाई जाती हैं जिसे उसने जोसफ स्मिथ और हमारे दिनों के दूसरे भविष्यवक्ताओं को दिया था।

चित्र 2-20 दिखाएं, लड़का बपतिस्मा लेता हुआ, और एक बच्चे को उसे, यीशु बपतिस्मा लेता हुआ के चित्र के बगल में रखने दें।

बच्चों को इस चित्र के बारे में बताने दें। संकेत करें कि बच्चा डुबने (पूरी तरह से पानी द्वारा ढँका हुआ) और किसी ऐसे व्यक्ति के द्वारा बपतिस्मा ले रहा है जो पौराहित्य धारक है, उसी तरह जिस तरह से यीशु का बपतिस्मा हुआ था।

चित्र 2-68 दिखाएं, मलकीसिदक पौरोहित्य की पुनःस्थापना, और एक बच्चे को उसे, यीशु प्रेरितों को नियुक्त करता हुआ के चित्र के बगल में रखने दें।

मलकीसिदक पौरोहित्य की पुनःस्थापना के चित्र में पतरस, याकूब और यूहन्ना के तरफ संकेत करें। समझाएं कि पतरस, याकूब और यूहन्ना वे तीन असली प्रेरित थे जिन्हें यीशु मसीह द्वारा पौरोहित्य प्रदान हुआ था। बच्चों को बताएं कि यीशु के साथ पतरस, याकूब और यूहन्ना धरती पर वापस आए थे और उन्होंने जोसफ स्मिथ और ऑलिवर काउड्री को पौरोहित्य प्रदान किया था। यीशु जानता था कि हमें भी पौरोहित्य की उसी तरह आवश्यकता है जैसा कि उसके गिरजाघर के सदस्यों को था।

चित्र 2-69 दिखाएं, बच्चा प्रभुभोज को लेता हुआ, और एक बच्चे को उसे, यीशु प्रथम प्रभुभोज को आशीषित करता हुआ के चित्र के बगल में रखने दें।

- इस चित्र में क्या हो रहा है ?
- हम प्रभुभोज क्यों लेते हैं ?

बताएं कि यीशु मसीह ने हमें प्रभुभोज उसी कारण से दिया है जिस कारण से उसने पवित्र भूमि में अपने प्रेरितों को दिया थाः उसे याद रखने में हमारी सहायता के लिए।

चित्र 2-3 को घुमाएं, यीशु ही मसीह है, ताकि यह चित्रों की दो पंक्तियों के बीच में रहे।

समझाएं कि हम वैसे ही यीशु मसीह के गिरजाघर के सदस्य हैं, जैसे कि पवित्र भूमि में उसके अनुसरण करने वाले थे।

धर्मशास्त्र

- आज यीशु मसीह के गिरजाघर का नाम क्या है ?

सिद्धांत और अनुबंध 115:4 को जोर से पढ़ें। समझाएं कि अंतिम दिन का मतलब, वर्तमान समय है जिसमें हम रहते हैं और सन्त वे लोग हैं जो यीशु की शिक्षाओं का पालन करते हैं।

बच्चों को खड़े होकर, ''मैं अंतिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर का हूँ'' को कुछ समय के लिए एक साथ गाने दें।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

संक्षिप्त में चित्रों के दोनों स्तम्भों की तुलना करें, इस बात पर जोर देते हुए कि आज भी यीशु का गिरजाघर वैसा ही है जैसा कि पवित्र भूमि में था। यीशु ने अपनी शिक्षाओं को हमें उसी प्रकार दिया है जैसा कि पवित्र भूमि में लोगों को प्रदान किया था।

मानचित्र

फिर से संसार के मानचित्र को दिखाएं। फिर से पवित्र भूमि को संकेत करें और समझाएं कि जब यीशु धरती पर था, पवित्र भूमि में अधिकतर उसके गिरजाघर के सदस्य रहते थे।

- यीशु मसीह के गिरजाघर के सदस्य आज कहाँ रहते हैं ?

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

चित्र 2-70 दिखाएं, संसार के चारों तरफ के बच्चे, और समझाएं कि अंतिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर के सदस्य पूरे संसार में रहते हैं। चित्र में बच्चों के तरफ संकेत करें कि ये कई विभिन्न देशों से आए हैं। समझाएं कि यीशु चाहता है कि सिर्फ एक या दो देशों के लोग नहीं बल्कि सारे लोग उसकी शिक्षाओं को सीखें और गिरजाघर के सदस्य बनें।

गीत

''यीशु मसीह का गिरजाघर'' के शब्दों को गाएं या कहें।

मैं अंतिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर का सदस्य हूँ।
मैं जानता हूँ मैं कौन हूँ, मैं परमेश्वर की योजना को जानता हूँ।
मैं विश्वास में उसका अनुसरण करूँगा।
मैं उद्धारकर्ता यीशु मसीह में विश्वास करता हूँ।
मैं उसके नाम का सम्मान करूँगा।
मैं वही करूँगा जो सही है; मैं उसकी ज्योति का अनुसरण करूँगा।
उसकी सच्चाई को मैं घोषित करूँगा।

सारांश

मिलता-जुलता खेल

चॉकबोर्ड के स्तम्भों में से, मेज या फर्श पर से चित्र 2-3, यीशु ही मसीह है, को छोड़कर सारे चित्र हटा दें। फर्श पर दो स्तम्भों में सारे चित्रों को मिला जुलाकर और उनका मुँह नीचे के तरफ करके रख दें (या छोटे बच्चों के लिए मुँह ऊपर करके)।

बच्चों को बताएं कि इस खेल का जो वस्तु है, उसे चित्रों के साथ मेल करना है। एक बार में एक, प्रत्येक बच्चे को दो चित्रों को सीधा करने दें। यदि चित्र मेल खाते हों (उदाहरण के तौर पर, चित्र यीशु मसीह का बपतिस्मा मेल खाता हो चित्र लड़के के बपतिस्मे से), बच्चों को बताने दें कि गिरजाघर का कौन सा हिस्सा चित्र द्वारा प्रतिनिधित्व करता है। यदि चित्र मेल नहीं खाते हों, बच्चे को उनके मुँह को फिर से उसी स्थिति में रखने दें। (यदि आप सोचते हैं कि चित्रों के पीछे दिए गए चित्रों द्वारा बच्चों का ध्यान बँट रहा है तो आप उसपर एक खाली कागज के टुकड़े को रख दें)।

यह तब तक जारी रखें जब तक कि सार चार जोड़े न मिल जाये। यदि आपकी कक्षा बड़ी है तो आप चित्रों को फिर से मिला-जुलाकर खेल को दोहरा सकते हैं ताकि हर एक को जोड़ा बनाने को मौका मिल सके।

गवाही

गवाही दें कि अंतिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर वही गिरजाघर है जिसे यीशु ने संगठित किया था जब वह धरती पर था। बच्चों को सुसमाचार के किसी एक पहलू के बारे में अपने अनुभवों को बताएं जिसपर आज पाठ में चर्चा हो चुका हो (बपतिस्मा, पौरोहित्य, या प्रभुभोज)।

बच्चों को उनके परिवारों को, आज उन्होंने क्या सीखा, के बारे में बताने के लिए प्रोत्साहन दें। आप पाठ में पढ़ाए गए सुझावों पर समीक्षा करने में बच्चों की सहायता के लिए कुछ प्रश्नों को पूछ सकते हैं।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें। बच्चे को, अंतिम-दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर के लिए धन्यवाद करने का सुझाव दें।

समृद्धि गातविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा का समय'' देखें।

1. बच्चों की छठवें विश्वास के अनुच्छेद के पहले हिस्से को स्मरण करने में सहायता करें। ''हम उसी संगठन में विश्वास करते हैं जो गिरजाघर के प्राचीन दिनों में था''। समझाएं कि गिरजाघर के प्राचीन दिनों का मतलब है कि यीशु के समय के दौरान पवित्र भूमि में गिरजाघर का होना जब वह धरती पर था।

2. बच्चों को कागज या रंग या पन्सिलें दें और उन्हें अपने स्वयं का चित्र गिरजाघर या उस इमारत में बनाने दें जहाँ वे गिरजाघर के लिए मिलते हैं। बच्चों की समझने में सहायता करें कि गिरजाघर एक ईमारत से कहीं अधिक हैं। यह वह संगठन है जो हमारी सीखने में सहायता करता है कि कैसे जीना चाहिए ताकि किसी दिन हम वापस स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह के साथ रह सकें।

न्यु यार्क
पवित्र भूमि

यीशु मसीह पुनः आएगा

पाठ
43

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की, यीशु की शिक्षाओं के द्वारा यीशु मसीह के दूसरे आगमन की तैयारी के लिए सहायता करना।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मत्ती 24:36, लूका 24:50 ... 53 और प्रेरितों के काम 1:3, 9 ... 11 का अध्ययन करें। सुसमाचार सिद्धांत (31110) अध्याय 43 को भी देखें।

2. ''यीशु के आने की तैयारी के लिए'' के खेल के बोर्ड की एक प्रति बनाएं, पुस्तिका के आखिरी पृष्ठों में पाया जाता है (यदि प्रति बनाना संभव न हो तो ध्यानपूर्वक पुस्तिका से पृष्ठों को निकालें)। खेल के बोर्ड को कार्डबोर्ड या किसी मोटे कागज पर चिपकाएं। इस खेल के बोर्ड को भविष्य की कक्षाओं के उपयोग के लिए बचा कर रखें।

   यदि आपकी कक्षा बड़ी हो, आप खेल की दूसरी प्रति भी बना सकते हैं ताकि एक ही समय में दो गुट खेल सके। प्राथमिक मार्गदर्शक या किसी एक बच्चे के माता पिता से कक्षा में आकर दूसरे खेल का निरीक्षण करने के लिए पूछे।

3. खेल के लिए, कागज के बारह छोटे छोटे टुकड़े काट लें। प्रत्येक कागज पर एक संख्या को लिखें, १ से ६ संख्याओं का दो बार उपयोग करते हुए। कागजों को मोड़ें और एक बर्तन में डाल दें।

4. एक समय के बारे में बताने की तैयारी करें जब कोई आपका अपना कुछ देर के लिए दूर चला गया हो, बताने के बारे में योजना बनाएं कि कैसे आपने उस व्यक्ति के आभाव को जाना और कैसे उस व्यक्ति के आने की तैयारी की।

5. ''जब वह फिर से आएगा'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 82) के दूसरे आयत के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें।

6. आवश्यक सामग्रियाँः
   क. एक बाइबल
   ख. प्रत्येक बच्चे के लिए एक छोटा वस्तु, जैसा कि एक बटन या पत्थर। खेल के मैदान में इन वस्तुओं का उपयोग चिन्ह के रूप में किया जाएगा; प्रत्येक वस्तु विभिन्न (रंग, आकार, या नाप में) होना चाहिए ताकि बच्चे अपने स्वयं के चिन्हों को पहचान सकें।
   ग. चित्र 2-62, मरिया और पुनरूत्थारित प्रभु (सुसमाचार कला चित्र किट 233ः 62186);
   चित्र 2-64, यीशु अपने घावों को दिखाता हुआ (सुसमाचार कला चित्र किट 234ः 62503);
   चित्र 2-65, पुनरूत्थारित यीशु मसीह (सुसमाचार कला चित्र किट 239ः 62187);
   चित्र 2-71, यीशु का स्वर्गरोहण (सुसमाचार कला चित्र किट 236ः 62497);

7. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

हम अपने प्यारों के वापस आने की तैयारी करते हैं

ध्यान गतिविधि

एक समय के बारे में बताएं जब कोई आपका अपना कुछ समय की अवधि के लिए दूर चला गया हो। समझाएं कि आपने कैसा अनुभव किया था जब वह व्यक्ति चला गया/गयी थी और उसके वापस आने के लिए आप कितने उतावले थे। आप किसी भी तैयारी के बारे में बताएं जिसे आपने अपने प्यारे या प्यारी के घर वापसी के लिए किया हो और फिर से उस व्यक्ति को देखने के पश्चात आपने कैसा अनुभव किया था।

बच्चों की समय के बारे में सोचने में सहायता करें जब कोई उनसे कुछ क्षण के लिए दूर हो गया था जिनसे वे प्रेम करते हैं। संभावनाओं में सम्मिलित हो सकते हैं, एक माता पिता का यात्रा पर जाना, एक माँ का बच्चे के जन्म के लिए हस्पताल जाना, या एक भाई या बहन या परिवार के किसी दूसरे सदस्य का मिशन पर जाना। बच्चों के साथ अनुभवों पर चर्चा करें जो उन्हें हुआ था जब ये लोग गए थे और जब ये घर आए थे। जोर दें कि हमें आभाव हुआ था जब वे लोग गए थे जिनसे हम प्रेम करते हैं, और

हमें खुशी हुई थी जब वे घर वापस आए थे। बच्चों को किसी भी तैयारी के बारे में बात करने दें जिसे उन्होंने या उनके परिवारों ने इन लोगों की घर वापसी के लिए किया था, जैसा कि घर की सफाई और सजावट करना, विशेष भोजन तैयार करना, या विशेष कपड़ों को पहनना।

यीशु मसीह वापस आएगा

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाएं कि जब यीशु मसीह धरती पर रहता था, उसके दोस्त थे जो उसे बहुत प्रेम करते थे। इन दोस्तों ने उसका अनुसरण किया था और उसकी शिक्षाओं को सुना था। क्योंकि उन्होंने वही किया जो उसने उन्हें सीखाया था, वे उसके शिष्य कहलाए।

समझाएं कि यीशु अपने शिष्यों को प्रेम करता था। उसने उनकी वह सीखने में सहायता की जिसकी उन्हें उसके साथ और स्वर्गीय पिता के साथ वापस रहने में आवश्यक थीं। उसने उनकी सही और गलत के बीच में फर्क को समझने में सहायता किया ताकि वे सही का चुनाव कर सकें।

चित्र पर चर्चा

चित्र 2-62, मरियम और पुनरूत्थारित यीशु और चित्र 2-64, यीशु अपवे घावों को दिखाता हुआ को दिखाएं। बच्चों को याद दिलाएं कि कुछ सप्ताह पहले (पाठ 41) उन्होंने सीखा था कि पुनरूत्थारित होने के पश्चात यीशु अपने शिष्यों से मिला था। कुछ क्षणों के लिए बच्चों को चित्रों के बारे में बात करने दें।

समझाएं कि पुनरूत्थारित होने के पश्चात, यीशु अपने शिष्यों से मिला और चालीस दिनों तक उन्हें शिक्षा दी (देखें प्रेरितों के काम 1:3)। वह चाहता था कि वे जानें कि वह वास्तव में जीवित है और उसकी शिक्षाओं को समझें। यीशु चाहता था कि शिष्य उसकी शिक्षाओं का आज्ञापालन करें तब भी जब वह उनके साथ न हो।

धर्मशास्त्र की कहानी

चित्र 2-71 दिखाएं, यीशु का स्वर्गरोहण। यीशु के स्वर्ग में स्वर्गरोहण की कहानी को अपने स्वयं के शब्दों में बताएं, जैसा कि लूका 24:50 ... 53 और प्रेरितों के काम 1:9 ... 11 में वर्णन किया गया है। निम्नलिखित संकेतों पर जोर दें।

1. यीशु ने अपने शिष्यों को एक आशीष दिया।

2. यीशु ने अपने शिष्यों को छोड़ा और स्वर्गीय पिता के साथ स्वर्ग में रहने के लिए बादल में ऊपर चला गया।

3. शिष्य खड़े हो गए और यीशु को तब तक जाता हुआ देखते रहे जब तक कि वह ओझल न हो गया।

बच्चों को बताएं कि जब शिष्य खड़े होकर स्वर्ग के तरफ देख रहे थे, उनके बगल में सफेद कपड़ों में दो दूत दिखाई दिए।

प्रेरितों के काम 1:11 में से जोर से पढ़ें कि दूतों ने शिष्यों से क्या कहा था (तुम क्यों खड़े हो से आरंभ करते हुए)।

समझाएं कि दूतों ने शिष्यों से कहा कि किसी दिन यीशु मसीह धरती पर फिर से आएगा वैसे ही जैसे वह वह गया था। बच्चों को बताएं कि हम इसे दूसरे आगमन के रूप में देखते हैं।

बताएं कि हम सही समय नहीं जानते हैं कि यीशु कब वापस आएगा। केवल स्वर्गीय पिता सही समय जानता है (देखें मत्ती 24:36)। परन्तु हम यह अवश्य जानते हैं कि उस दिन धरती पर यीशु वापस रहने के लिए आएगा।

चर्चा

चित्र 2-65 दिखाएं। पुनरूत्थारित यीशु मसीह

समझाएं कि जब यीशु वापस आएगा तब वह धरती पर लोगों के बीच रहेगा। हर कोई जानेगा कि वह यीशु मसीह है, हमारा उद्धारक और उसकी आराधना करेंगे।

- जब यीशु वापस आएगा तब क्या आप वहाँ रहना पसन्द करेंगे ? क्यों ?

बच्चों के साथ चर्चा करें कि कैसे धरती पर यह अद्‌भूत होगा जब यीशु वापस आएगा। लोग यीशु को उनके साथ चलते और बोलते हुए देखने में समर्थ होंगे, और वह उनके आस पास अपने प्रेम से भरी बाहों को रखेगा। संकेत करें कि यीशु के आने के पश्चात, हर कोई एक दूसरे का मित्र होगा। कोई बुरे लोग नहीं होंगे। हमें अपने दरवाजों पर ताला लगाने की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि सारी चीजें और सारे लोग सुरक्षित होंगे। वहाँ बीमारी नहीं होगी जिसके कारण कोई बीमार हो सके या किसी को दर्द हो सके, और सारे जानवर हमारे और एक दूसरे के दोस्त होंगे।

गतिविधि समीक्षा

दूसरे आगमन के बारे में बच्चों से निम्नलिखित प्रश्नों को पूछें। उनसे खड़े होने के लिए कहें जब वे प्रश्न का उत्तर जानते हों। जब कम से कम कुछ बच्चे खड़े हो जाएं, उनमें से एक को प्रश्न का उत्तर देने के लिए बुलाएं। यदि कोई खड़ा नहीं होता, या यदि बच्चे उत्तरों को लेकर उलझन में हों या निश्चित न हों, फिर से सूचना की समीक्षा के लिए समय दें।

- अपने पुनरूत्थारित होने के पश्चात, यीशु मसीह कितने दिनों तक अपने शिष्यों के साथ रहा ? (चालीस)।
- कौन जानता है कि यीशु मसीह वापस कब आएगा ? (स्वर्गीय पिता। धरती पर कोई नहीं जानता)।
- यीशु मसीह के वापस आने के पश्चात क्या वहाँ युद्ध या लड़ाइयां होंगी ? (नहीं, धरती पर हर कोई एक दूसरे का दोस्त होगा)।

- जब यीशु फिर से आएगा तब उन लोगों का क्या होगा जो बीमार या अपाहिज हैं ? (वे चंगे हो जाएंगे। वहाँ कोई बीमारी या दर्द नहीं होगा जब यीशु धरती पर वापस आएगा)।
- जब यीशु फिर से आएगा तब जानवर किसकी तरह होंगे ? (वे हमारे और एक दूसरे के दोस्त होंगे)।

हम यीशु मसीह के दूसरे आगमन की तैयारी कर सकते हैं

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को उनकी उन तैयारियों को याद दिलाएं जो उन्होंने तब की थी जब वे लोग घर वापस आए थे जिनसे वे प्रेम करते हैं। समझाएं कि हमें भी धरती पर यीशु मसीह के वापस आने की तैयारी करनी चाहिए। हम यीशु का शिक्षाओं को सीखने और उनका अनुसरण करने के द्वारा तैयारी कर सकते हैं।

समझाएं कि यदि हम तैयार होते हैं, हम उद्धारक को देखकर खुश होंगे। वह चाहता है कि हर कोई उसके साथ फिर से रहे, परन्तु सिर्फ वही उसके साथ रह सकते हैं जो उसकी शिक्षाओं का अनुसरण करते हैं और सही का चुनाव करते हैं। यीशु ने अपने शिष्यों की सीखने में सहायता की कि उन्हें उसके साथ फिर से रहने के लिए क्या करना था, और उसने हमें भी, उसके फिर से आने की हमारी तैयारी में सहायता के लिए शिक्षाओं को दिया।

गीत

''जब वह फिर से आएगा'' की दूसरी आयत के शब्दों को गाएं या कहें। प्रस्तावित क्रियाओं को करने में बच्चों की सहायता करें:
मैं सोचता हूँ, जब वह फिर से आएगा,
क्या मैं वहाँ तैयार रहूँगा (कनपटी पर उँगली रखो)
उसके सुन्दर चेहरे को देखने के लिए
और प्रार्थना में उसके साथ रहने के लिए (बाहों को मोड़ो जैसा कि प्रार्थना करते हैं) ?
प्रत्येक दिन मैं उसकी इच्छा को करने की कोशिश करूँगा
और अपने प्रकाश को प्रकाशित होने दूँगा (सिर के ऊपर गोलाई में हाथों को रखो)
दूसरे जो मुझे देखते हैं, इसे ढूँढें
महान ईश्वरीय प्रकाश के लिए (आँखों पर छाया करने के लिए हाथ का उपयोग करो)।
फिर, जब वह आशीषित दिन यहाँ होगा,
वह मुझसे प्रेम करेगा और कहेगा (स्वयं को पकड़ो),
''मेरे छोटे बच्चे, तुमने मेरी अच्छी सेवा की;
मेरी बाहों में रहने के लिए आओ'' (हाथों को बाहर निकालो)।

(© 1952, 1980 by Mirla Greenwood Thayne. Used by permission.)

खेल

समझाएं कि यीशु के दूसरे आगमन की तैयारी कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे हम एक दिन में कर सकते हैं, हमें यीशु की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए अपने पूरे जीवन में तैयारी करना चाहिए।

बच्चों को ''यीशु के आने की तैयारी करना'' खेल के बोर्ड को दिखाएं। उनको बताएं कि यह खेल उन्हें कुछ चीजों की याद दिलाता है जिसे हम यीशु के साथ रहने की तैयारी में कर सकते हैं।

दिखाएं कि खेल कैसे अच्छी चीजों का वर्णन करता है जिसे हम यीशु का अनुसरण करने के लिए कर सकते हैं। ये चीजें हमें उस क्षेत्र की ओर ले जाती हैं जहाँ ''यीशु के आने की तैयारी करना'' का लेबल लगा होता है। संकेत करें कि खेल कुछ गलत चीजों को भी दर्शाता है जिसे हम कर सकते हैं। ये चीजें हमें उस क्षेत्र की ओर ले जाती हैं जहाँ ''यीशु के आने की तैयारी नहीं करना'' का लेबल लगा होता है।

प्रत्येक बच्चे को खेल में उपयोग करने के लिए एक छोटी वस्तु दें जैसा कि एक मार्कर। उसके पश्चात निम्नलिखित नियमों को समझाएं:

1. खेल का उद्देश्य तीर द्वारा दिखाए गए चिन्ह ''आरंभ'' से लेकर उस क्षेत्र तक पहुँचना है जहाँ ''यीशु के आने की तैयारी करना'' का लेबल लगा हो।
2. पारी लें।
3. अपनी बारी में, बर्तन से कागज के एक टुकड़े का चुनाव करें और अपने मार्कर को उतनी बार घुमाएं जितनी बार कागज पर जगहों की संख्या को दर्शाया गया हो। कागज को दुबारा से मोड़ें और वापस उसे बर्तन में रख दें।
4. जैसे ही आप चौरस में पहुँचते हैं, आप या शिक्षक कोई भी जोर से पढ़ेंगे कि चौरस में क्या लिखा है। कुछ ऐसी चीज के बारे में बताएं जिसे आप उसकी शिक्षाओं का अनुसरण करने के लिए कर सकते हैं, या समझाएं कि चौरस में वर्णित किए गए चीज को करना क्यों महत्वपूर्ण है। यदि आप चौरस के उस स्थान पर पहुँचते हैं जहाँ गलत चीजों का वर्णन किया गया हो, समझाएं कि आपको क्या करना चाहिए बजाय उसके जो चौरस में लिखा है। यदि आपको सहायता की आवश्यकता हो, आपके शिक्षक आपको कुछ सुझाव देंगे।

5. प्रत्येक चौरस पर तीर की निशान यह दर्शाता है कि दूसरी पारी में आपको किस दिशा के तरफ जाना है।

यदि कोई बच्चा उस चौरस पर पहुँचता है जोकि ''यीशु के आने की तैयारी करना'' के लेबल से दूर संकेत करता हो, बच्चों की समझने में सहायता करें कि जब हम गलत चीजों को करते हैं तब हम यीशु की शिक्षाओं का अनुसरण नहीं करते हैं, परन्तु हम सही को करने के द्वारा दिशा को बदल सकते हैं।

खेल को तब तक जारी रखें जब तक कि प्रत्येक जन वहाँ तक न पहुँच जाए जहाँ ''यीशु के आने की तैयारी करना'' का लेबल लगा हो या तब तक जब तक कि कक्षा की अवधि खत्म न हो जाए।

सारांश

गवाही

गवाही दें कि यीशु मसीह धरती पर फिर से आएगा, जबकि हमें पता नहीं कि कब। बच्चों को बताएं कि आप यीशु की शिक्षाओं का कितना अनुसरण करना चाहते हैं ताकि जब वह फिर से आए तब आपको उसे देखने का सौभाग्य प्राप्त हो सके। अपनी इच्छा को व्यक्त करें कि कक्षा में प्रत्येक बच्चा यीशु की शिक्षाओं का अनुसरण करे ताकि हम सारे इकट्ठे उसके उसके साथ हों।

स.चु. अँगुठी

बच्चों को उनके स.चु अँगूठी के तरफ देखने दें यदि उन्होंने उसे पहना हो। बच्चों को याद दिलाएं कि उनकी अँगुठी उन्हें सही का चुनाव करने और यीशु की शिक्षाओं का अनुसरण करना याद दिलाने में सहायता कर सकती है।

प्रत्येक बच्चे से कुछ बताने के लिए कहें जिसे वह आने वाले सप्ताह के दौरान, यीशु के दूसरे आगमन की तैयारी में करेगा या करेगी।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें। सुझाव दें कि बच्चा स्वर्गीय पिता से यीशु मसीह के दूसरे आगमन की तैयारी के लिए कक्षा के सदस्यों की सहायता को माँगे।

समृद्धि गातविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें।

1. ''जब वह फिर से आएगा'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 82) की दोनों आयतों के शब्दों को गाएं या कहें। दूसरी आयत के शब्द पृष्ठ 237 ... 38 पर छापा गया है।
   मैं सोचता हूँ, जब वह फिर से आएगा,
   क्या उसके स्वर्ग में दूत गाना गाएंगे ?
   क्या धरती पिघलते हुए बर्फ से सफेद हो जाएगी,
   मैं सोचता हूँ तब एक तारा चमकेगा
   दूसरों से बहुत तेज;
   क्या सारी रात दिन के समान रहेगी ?
   क्या गाने वाली चिड़िया अपने घोसले को छोड़ देगी ?
   मुझे विश्वास है कि वह अप ने छोटे बच्चों को बुलाएगा
   एक साथ अपने घुटनों के पास,
   क्योंकि बहुत दिनों पहले उसने कहा था,
   ''जो सहते हैं उन्हें मेरे पास आने दो''।
   (© 1952, 1980 by Mirla Greenwood Thayne. Used by permission.)

2. समझाएं कि दसवाँ विश्वास का अनुच्छेद यीशु मसीह के दूसरे आगमन के बारे में बताता है। बच्चों की, ''हम विश्वास करते हैं ... कि यीशु व्यक्तिगत रूप से धरती पर राज्य करेगा'' वाक्यांश को याद करने में सहायता करें। बच्चों को वाक्यांश का मतलब समझाएं।

3. बच्चों को एक तेल से जलने वाला दिया दिखाएं या उसका साधारण सा चित्र बनाकर दिखाएं। बताएं कि यीशु ने हमें उसके आगमन की तैयारी के महत्व को, दस कुवाँरियों (या लड़कियों) और उनके दिए की कहानी में बताया है। दस कुवाँरियों की कहानी बताएं, जैसा कि मत्ती 25:1 ... 13 में पाया जाता है। समझाएं कि दिया हमें तब तक प्रकाश नहीं दे सकता जब तक कि उसमें जलने के लिए तेल न हो। जोर दें, क्योंकि पाँच मूर्ख लड़कियाँ तैयार नहीं थीं इसलिए उन्हें विवाह में जाने की अनुमति नहीं मिली।

   समझाएं कि उद्धारक ने विवाह की तुलना दूसरे आगमन से किया है। लड़कियाँ जिनके दियों में तेल है, उनकी तुलना हमसे की जा सकती है जो यीशु के साथ रहने के लिए तैयारी कर रहे हैं। यदि हम तैयार नहीं होते हैं जब वह आता है, हम उसके साथ रहने में समर्थ नहीं होंगे।

बच्चों से उन तरीकों के बारे में बताने के लिए कहें जिससे वे यीशु के आने की तैयारी करेंगे (आपको उन्हें कुछ सुझावों को देने की आवश्यकता हो सकती है, जैसा कि उन्हें जिनका उपयोग खेल में किया गया था)। उनकी समझने में सहायता करें कि सही को चुनने के द्वारा हम यशु मसीह के दूसरे आगमन के लिए तैयारी करते हैं।

4. प्रत्येक बच्चे के लिए एक बिल्ला तैयार करें और उसके ऊपरी हिस्से पर मैं यीशु मसीह के दूसरे आगमन के लिए तैयारी कर रहा हूँ लिखें। प्रत्येक बच्चे को रगं या पेन्सिल का उपयोग करने दें ताकि वे बिल्ले के ऊपर अपने स्वयं का, यीशु मसीह की तैयारी में कुछ चीजों को करते हुए का चित्र बनायें। बिल्लों को बच्चों के कपड़ों पर पिन से लगाएं या बिल्ले के ऊपरी हिस्से में छेद करके उसमें धागा या ऊन डालकर गले की माला बनाएं।

पाठ
44

मैं जानवरों के प्रति प्रेम व्यक्त कर सकता हूँ

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे को सजीव प्राणियों के प्रति आदर और उदारता व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहन करना।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक उत्पत्ति 6:11 ... 7:24, यशायाह 11:6 ... 9, और लूका 12:6 का अध्ययन करें।
2. पाठ के अंत में पाये जाने वाले जानवर के चौरस की एक प्रति बनाएं (यदि प्रति बनाना संभव न हो तो पुस्तिका से पृष्ठों को सावधानीपूर्वक निकालें)। चौरस को काट लें। भविष्य के उपयोग के लिए इन चौरसों को बचाकर रखें।
3. ''सारी चीजें चमकदार और सुंदर हैं'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 231) के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें।
4. एक समय के बारे में बताने की तैयारी करें जब आपने एक जानवर के प्रति उदारता दिखाई हो या किसी को उसके प्रति उदारता दिखाते हुए देखा हो।
5. आवश्यक सामग्रियाँः
   क. एक बाइबल
   ख. प्रत्येक बच्चे के लिए कागज और रगं
   ग. चित्र 2-72, जानवरों के साथ नूह और उसकी नाव (सुसमाचार कला चित्र किट 103; 62305); चित्र 2-73, सृष्टि ... सजीव प्राणी (सुसमाचार कला चित्र किट 100; 62483) चित्र 2-74, सॉल्ट लेक का टैबरनेकल (सुसमाचार कला चित्र किट 503; 62490);
6. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें ।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

जानवर महत्वपूर्ण हैं

ध्यान गतिविधि

जानवर के चौरसों को मिलायें और उनका मुँह ग्रिड में नीचे के तरफ करते हुए मेज या फर्श पर रखें। बच्चों को दो चौरसों को घुमाने की बारी लेने के लिए आमंत्रित करें, एक समय में एक, और उन्हें चित्रों के बगल में रखते हुए। यदि दो जानवर मेल खाते हों, बच्चों को उन्हें ग्रिड के बगल में एक साथ ''जानवरों के जलूस'' के लिए रखने दें। यदि दो जानवर मेल न खाते हों, बच्चे को कार्ड को उसी तरह से उसी जगह पर रखने दें। यह तब तक जारी रखें जब तक कि सारे जानवरों का मेल न हो जाए और उन्हें जानवरों के जलूस में रखा जाए।

बच्चों से पूछें कि क्या उन्हें जलूस में जानवरों की जोड़ी बाईबल की कहानी को याद दिलाती है। यदि बच्चे नूह और नाव की कहानी को न सोच पाएं, उन्हें कुछ निम्नलिखित सूत्र देंः

- प्रभु ने किसी को कुछ बनाने के लिए कहा था।
- जानवर जोड़े में आए थे।
- चालीस दिन और चालीस रात वर्षा हुई, धरती पर बाढ़ आ गई।

धर्मशास्त्र कहानी

चित्र 2-72 दिखाएं, जानवरों के साथ नूह और नाव, और उत्पत्ति 6:11 ... 7:24 मे पाई जाने वाली कहानी की समीक्षा करें। समझाएं कि यीशु मसीह चाहता था कि जानवरों को बाढ़ से बचाया जाए। उसने नूह को जानवरों को नाव में रखने के लिए कहा और नूह की जानने में सहायता की कि इतने सारे विभिन्न जानवरों की देखभाल कैसे की जाए।

यीशु मसीह ने जानवरों की सृष्टि की

चित्र पर चर्चा

चित्र 2-73 दिखाएं, सृष्टि ... सजीव प्राणी

- इस चित्र में आप किन जानवरों को देखते हैं ?
- इन जानवरों के बारे में आपको क्या अच्छा लगता है ?

बच्चों को कुछ मिनट के लिए जानवरों के बारे में बात करने दें।

- इन जानवरों की सृष्टि किसने की ?

बच्चों को याद दिलाएं कि स्वर्गीय पिता के निर्देश में, यीशु मसीह ने सारे जानवरों को सृष्टि की।

गीत

बच्चों के साथ, ''सारी चीजें चमकदार और सुंदर हैं'' के शब्दों को गाएं या कहें।

सारी चीजें चमकदार और सुंदर हैं,
सारे प्राणी महान और छोटे,
सारी चीजें समझदार और अद्‌भूत,
प्रभु परमेश्वर ने इन्हें बनाया।

धर्मशास्त्र

बच्चों को याद दिलाएं कि उन्होंने पिछले पाठ में यीशु मसीह के दूसरे आगमन के बारे में सीखा था। उन्हें याद दिलाएं कि जब यीशु फिर से आएगा, सारे जानवर दोस्ताना और शान्तिपूर्ण होंगे। वर्णन करने के लिए यशायाह 11:6 ... 7 को जोर से पढ़ें कि कैसे जानवर साथ में होंगे जब उद्धारक धरती पर फिर से रहेगा।

स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह सारे प्राणियों को प्रेम करते हैं

धर्मशास्त्र

समझाएं कि स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह चाहते हैं कि प्रत्येक प्राणी, छोटे से छोटा भी खुश रहे। वे प्रत्येक सजीव प्राणी को महत्वपूर्ण मानते हैं।

लूका 12:6 को जोर से पढ़ें। समझाएं कि यह धर्मशास्त्र बताता है कि चाहे गौरैया बहुत छोटी पक्षी है फिर भी स्वर्गीय पिता और यीशु उनके लिए अच्छा सोचते हैं।

कहानी

चित्र 2-74 दिखाएं, सॉल्ट लेक मंडप

- क्या आपने कभी भी टेलिविजन पर जनरल सम्मेलन देखा है या उसका एक गिरजाघर की इमारत पर सेटेलाईट द्वारा प्रसारण देखा है ?

समझाएं कि इसी इमारत से जनरल सम्मेलन का प्रसारण होता है जिसे मंडप कहते हैं। यह मंडप यूटाह के सॉल्ट लेक सिटी में, अंतिम-दिनों के सन्तों के पथप्रदर्शकों द्वारा बनाया गया था।

मंडप की ऊँची छत और कई दरवाजों के तरफ संकेत करें, और निम्नलिखित कहानी को अपने स्वयं के शब्दों में बताएंः

वसंत ऋतु की एक शाम को मंडप के दरवाजों को, इमारत को ठंडा करने के लिए खुला छोड़ दिया था। एक छोटी सी चिड़िया अन्दर उड़ते हुए चली गई जिस पर किसी का ध्यान नहीं गया। जब दरवाजों को बंद करके उन पर ताला लगा दिया गया तब भी वह चिड़िया अन्दर ही थी।

दूसरी सुबह जब संगीत समारोह की तैयारी के लिए काम करने वाले आए, उन्होंने चिड़िया को देखा और उसे वहाँ से निकालने की कोशिश में कई घंटे बिता दिए। उन्होंने विशेष प्रशिक्षित लोगों को, लम्बे हाथ वाले जालों के साथ उसको पकड़ने की कोशिश करने के लिए बुलाया।

जब प्रबंधक, भाई जॉन आए, उन्हों ने लोगों को चिड़िया के पीछे जालों के साथ भागते हुए पाया। प्रत्येक समय लोग जालों के साथ इमारत के एक छोर तक भागते, और चिड़िया दूसरे छोर तक पहुँच जाती। टैबरनेकल के सारे दरवाजे चिड़िया को भागने के लिए खुले छोड़ दिए गए थे, परन्तु यह बहुत ही भयभीत सा लगता था।

विशेष प्रशिक्षित लोग पीलेट बन्दुकों को लाए, और उन्होंने बन्दुकों का उपयोग करते हुए चिड़िया को मारने का सुझाव दिया। भाई जॉन को वह सुझाव अच्छा नहीं लगा। बन्दुकें इमारत या उसके अन्दर रखे सामानों को नुकसान पहुँचा सकती थीं। इससे अधिक महत्वपूर्ण यह था कि वे सोच नहीं सकते थे कि वे चिड़िया को मारें। उन्हें, अध्यक्ष स्पेंसर डबल्यु. किम्बल, गिरजाघर के बारहवें अध्यक्ष द्वारा, छोटी चिड़िया को नहीं मारने के बारे में एक वार्ता याद आई।

विशेष प्रशिक्षित लोगों ने चिड़िया के लिए जहरीले खाने का सुझाव भी दिया ताकि उसे खाकर वह मर सके। भाई जॉन यह भी नहीं करना चाहते थे। परन्तु वे यह जानते थे कि चिड़िया को वहाँ से शीघ्र निकालना होगा, क्योंकि उस शाम वहाँ पर एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन होने वाला था।

भाई जॉन मुड़े और एक छोटी सी प्रार्थना कीः ''स्वर्गीय पिता, यदि यह गौरैया आपके लिए महत्वपूर्ण है, क्या आप हमें बता सकते हैं कि इसे सावधानीपूर्वक कैसे निकाला जाए ?''

जैसे ही भाई जॉन ने प्रार्थना पूरी की, वह जान चुके थे कि क्या करना है। उन्होंने काम करने वालों से इमारत की सारी बत्तियों को बुझाने के लिए कहा और एक दरवाजे को छोड़कर सभी को बंद करने के लिए कहा।

चिड़िया वाद्य के ऊपर हिस्से में बैठी हुई थी, परन्तु जब उन्होंने बत्तियों को बंद किया, चिड़िया वाद्य से उड़कर सीधा खुले हुए दरवाजे से बाहर चली गई। (देखें Ronald D. John, "A Sparrow in the Tabernacle", Ensign, जुन 1989, पृष्ठ 24 ... 25)।

- भाई जॉन ने कैसे व्यक्त किया कि उन्होंने छोटी चिड़िया की देखभाल की ? (उन्होंने उसे मारने या जहर खिलाने की बजाय उसके लिए प्रार्थना की)।
- आप कैसे जानते हैं कि स्वर्गीय पिता ने चिड़िया के बारे में ध्यान रखा ? (उसने भाई जॉन की जानने में सहायता की कि कैसे चिड़िया को मंडप से बाहर निकाला जाए)।

हम जानवरों के प्रति उदार हो सकते हैं

चर्चा

समझाएं कि स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह हममें से प्रत्येक से चाहते हैं कि हम जानवरों का ध्यान रखें जैसा वे रखते हैं।

बच्चों को, किसी पालतु या अन्य जानवर के बारे में बताने के लिए आमंत्रित करें जो उनके या उनके परिवारों के पास हों। (यदि बच्चों के घर पर जानवर ना हों, वे बात कर सकते हैं कि किस तरह के पालतु जानवर वे रखना चाहेंगे)। बच्चों से बताने के लिए कहें कि कैसे वे इन जानवरों की देखभाल करने में सहायता करेंगे। बच्चों को मूकाभिनय करने दें कुछ उन चीजों को जिन्हें वे जानवरों की देखभाल के लिए करते हैं, जैसा कि ताजा पानी और स्वस्थ खाना उपलब्ध कराना, जानवरों का बनाव श्रृंगार करना, या उनके प्रति उदारता से बात करना।

कहानी

समझाएं कि भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ, गिरजाघर के पहले अध्यक्ष ने भी जानवरों के प्रति उदारता की शिक्षा दी है। निम्नलिखित कहानी को अपने स्वयं के शब्दों में बताएंः

भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ और कुछ और आदमी एक छोटी नदी के किनारे शिविर में गए हुए थे। जैसे ही भविष्यवक्ता ने तम्बू को खींचा, उन्होंने तीन प्रेरी साँपों को देखा। दूसरे आदमी साँपों को मारना चाहते थे, परन्तु भविष्यवक्ता ने उन्हें रोका और उन्हें साँपों को नुकसान ना पहुँचाने के लिए कहा। आदमी साँपों को छड़ी द्वारा ध्यानपूर्वक उठाकर नदी के दूसरी तरफ ले जाकर छोड़ आए। भविष्यवक्ता ने दूसरे आदमियों से कहा कि उन्हें किसी भी साँप, पक्षी या अन्य जानवरों को नहीं मारना चाहिए, अपनी यात्रा के दौरान तब तक जब तक कि उन्हें भोजन के लिए उनकी आवश्यकता ना हो। (देखें History of the Church, 2:71 ... 72; Spencer W. Kimball, Ensign, नव. 1978, पृ. 45 को भी देखें)।

सारांश

बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु मसीह ने सारे जानवरों की सृष्टि की थी और पृथ्वी के सारे प्राणी स्वर्गीय पिता की योजना का हिस्सा हैं।

गतिविधि

निम्नलिखित आयत की क्रियाओं को करने के लिए बच्चों को खड़ा होकर, उसके शब्दों को कहने में उनकी सहायता करेंः

यीशु सारे प्राणियों से प्रेम करता है (बाहों को बाहर के तरफ निकालो)ः
हाथी, बड़े और छोटे (सिर के ऊपर अपनी बाहों को ऊपर के तरफ करो),
समुद्र में मछलियाँ (हाथों को इकट्ठा कर हिलाएं जैसे कि मछली तैरती है),
छोटा चूहा, किता छोटा (नीचे बैठ जाओ)।
वह रेंगने वाले जन्तुओं को प्रेम करता है (एक हाथ की अँगुलियों को दूसरे हाथ पर चलाओ),
पक्षी जो ऊपर उड़ते हैं (बाहों को पंखों की तरह फैलाओ)।
विनम्र हिरन जो जंगल में रहता है (अपने अँगुठे को सिर पर लगाओ और अँगुलियों को चीटों के समान फैलाओ),
सारे उद्धारक के प्रेम को महसूस करते हैं (हाथों को हृदय पर रखो)।

गवाही

एक समय के बारे में बताएं जब आपने एक जानवर के प्रति उदारता दिखाई हो या किसी और को उनके प्रति उदारता दिखाते हुए देखा हो। गवाही दें कि स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह पृथ्वी के सारे प्राणियों को प्रेम करते हैं और चाहते हैं कि हम जानवरों के प्रति उदार बनें।

बच्चों को, इस सप्ताह एक जानवर के प्रति कुछ उदार करने के लिए प्रोत्साहन दें।

कला गतिविधि

बच्चों को कागज और रंग दें और उन्हें उस चीज का चित्र बनाने दें जो वे जानवरों के प्रति उदार रहने के लिए कर सकते हैं।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें।

समृद्धि गातविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा का समय'' देखें।

1. उस कहानी को अपने स्वयं के शब्दों में बताएं जो भाई जॉन को, स्पेंसर डबल्यु. किम्बल के वार्ता से याद आई थी।

   ''मुझे याद है कई बार एक जोर आवाज के साथ गानाः

   ''छोटी चिड़िया को मत मारो,
   वो झाड़ियों और पेड़ों पर गाती है,
   गर्मी के सारे दिनों में,
   अपने मधुर गीतों को।
   छोटी चिड़िया को गोली मत मारो।
   यह धरती परमेश्वर की है,
   और वह ही भोजन देता है
   छोटे के लिए और बड़े के लिए।
   (Deseret Songs, 1909, no. 163.)

   ''मेरे पास एक गुलेल थी और मेरे पास एक मीनपक्ष था। उन्हें मैंने स्वयं बनाया था, और वे अच्छा काम करते थे। यह मेरा काम था कि मैं मवेशियों को एक मील दूर चारागाह में ले जाऊँ। वहाँ पर सड़क के किनारे कपास के बड़े बड़े पेड़ थे, और मुझे याद है कि छोटी चिड़ियों को गोली से मारने की इच्छा होती थी जो झाड़ियों और पेड़ों पर गाती थीं, क्योंकि मैं एक अच्छी खिसारी था और किसी स्थान को पचास गज की दूरी से मार सकता था या मैं किसी पेड़ के तने को मार सकता था। परन्तु मैं सोचता हूँ कि क्योंकि करीब करीब मैं प्रत्येक रविवार को गाना गाता था, ''छोटी चिड़िया को मत मारो'', मैं रूक जाता था ... मुझे इसमें कोई बड़ी खुशी नहीं दिखाई देती थी कि एक सुंदर छोटी चिड़िया मेरे पैरों पर गिरे'' (Spencer W. Kimball, Conference Report में, अप्रैल 1978, पृ. 71; Ensign, को भी देखें, मई 1978, पृष्ठ 47 ... 48)।

2. प्रत्येक बच्चे को नमक की लोई का एक छोटा टुकड़ा दें जिससे वह अपने पसंदीदा जानवर को बना सके (नमक की लोई बनाने का तरीका पृष्ठ 43 पर पाया जाता है)। बच्चों को उनके जानवरों को घर ले जाने दें ताकि वे उन्हें अपने परिवारों में दिखा सकें।

3. प्रत्येक बच्चे को, एक पसंदीदा जानवर की क्रियाओं का मूकाभिनय करने के लिए एक बारी लेने दें। दूसरे बच्चों को अनुमान लगाने दें कि किस जानवर की नकल की जा रही थी। क्रियाओं से यदि दूसरे बच्चे जानवर का अनुमान न लगा सकें, बच्चा बोलकर सूत्र को बता सके।

4. बच्चों को विभिन्न जानवरों के बारे में सूत्र दें। बच्चों को बताएं कि यदि वे जानवर को जानते हों जिनका आप वर्णन करते हैं, उन्हें अपने हाथों को उठाना चाहिए परन्तु कुछ कहे बिना। एक हाथ उठाये हुए बच्चे से उस जानवर के बारे में बताने के लिए कहें कि सूत्र किसके बारे में है। निम्नलिखित सूत्रों का उपयोग करें या आपके क्षेत्र के जानवरों के लिए कुछ बनाएंः

   - मेरे पास छः पैर है, मेरा कोट हरा है;
     मेरे जैसा अच्छा कूदने वाला तुमने कभी नहीं देखा होगा। (टिड्डा)।
   - मैं छोटा हूँ और टेढ़ा मेढ़ा बहुते से मोड़ों के साथ;
     और मैं दोनों छोर पर एक समान दिखाई देता हूँ। (कीड़ा)।
   - मेरा घर एक सुंदर ठंडे ताल में है;
     मैं टर्राना और कूदना पसन्द करता हूँ। (मेंढक)।
   - जब वसन्त आता है तब मुझे खोजते हो
     मेरे सीना लाल पंख वाला है और ऊपर पेड़ों पर बैठती हूँ। (रोबिन)।
   - मेरा चेहरा गोल है और दो बड़ी आँखें हैं
     जो अंधेरे में देख सकती हैं; वे मुझे बुद्धिमान कहकर पुकारते हैं। (उल्लू)।
   - मेरे पास पैर, हाथ, आँखें, कान, और नाक है;
     मैं किसी पेड़ से अपने दुम या पैरों के बल पर लटक सकता हूँ। (बंदर)।

- अगर तुम मेरी पीठ पर चढ़ते हो, मैं तुम्हें एक सैर कराऊँगा।
  मेरी लगाम को पकड़ो; मुझे रास्ता दिखाना आसान होगा। (घोड़ा)।
- तुम्हारे सोचने से पहले मैं दौडकर पेड़ पर चढ़ सकता हूँ;
  मेरी बालों से भरी दुम तुम्हें अलविदा कहती है, इतनी जल्दी जितनी आँखें झपकती हैं। (गिलहरी)।
- मैं खेत पर रहता हूँ और मेरी दुम बहुत छोटी और टेढ़ी है
  जो हिलते हिलते मुझे मेरे खाने तक ले जाती है। (सुअर)।
- मुझे दौड़ना, कूदना और खेलना पसन्द है;
  ''बा'' ही एक शब्द है जिसे मैं कह सकता हूँ। (भेड़)।

  (ये सूत्र ''मैं कौन हूँ ?'' से लिए गए हैं, Children's Friend, मई 1956, पृ. 208)।

5. पाठ 2 से वारेन की कहानी की समीक्षा करें (देखें पृष्ठ 7)।
   - वारेन ने जानवरों के प्रति कैसे उदारता व्यक्त की ?
6. पाठ के आरंभ में दिए गए मेल-जोल वाले खेल को आप दोहरा सकते हैं उतनी बार जितनी बार आप या बच्चे चाहें।
7. चिड़िया को खिलाने वाले एक साधारण से पात्र को बनाने में बच्चों की सहायता करें जिसे वे घर ले जाकर बाहर टांग दें। पाईनकोन पर मक्खन फैला दें या एक रोटी के टुकड़े को एक अच्छे आकार में काट लें। पाईनकोन या रोटी के टुकड़े को चिड़िया के दाने के पात्र में डालें। चिड़िया के खाने के पात्र को पेड़, झाड़ी या खम्भे पर टांगने के लिए रस्सी का उपयोग करें। (आपके क्षेत्र में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए, कैसे दूसरे साधारण से चिड़िया के पात्र को बनाया जाए, आप शायद जानते हों)।

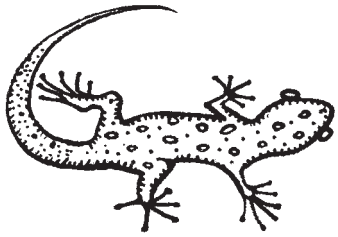
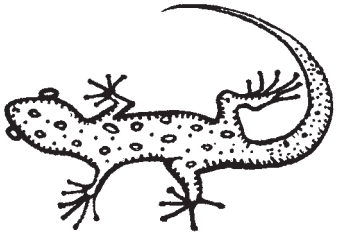
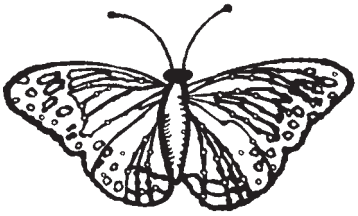
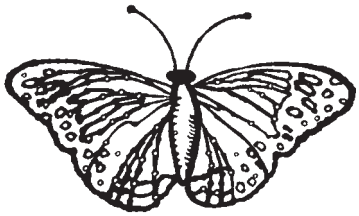
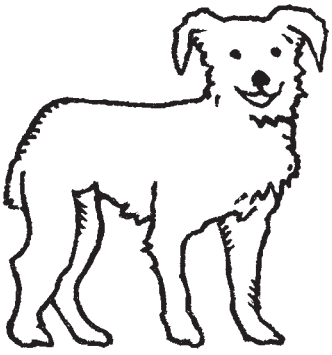
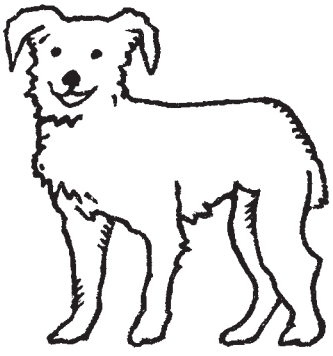
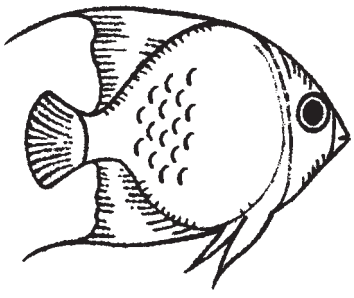
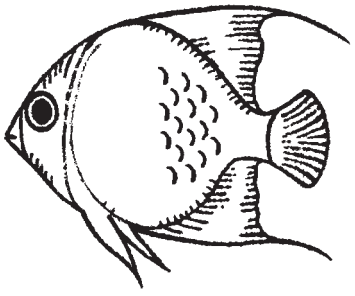
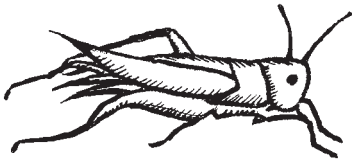
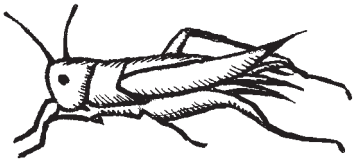
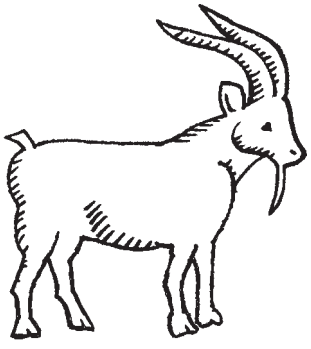
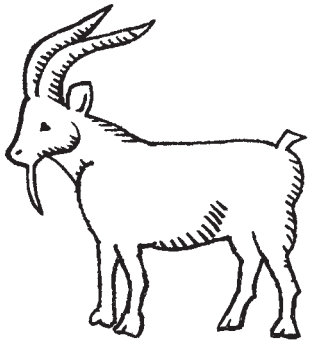
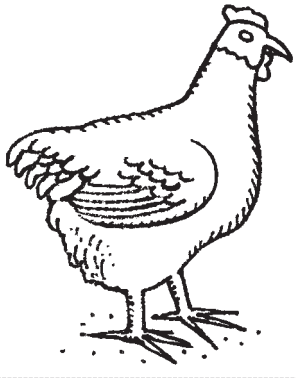
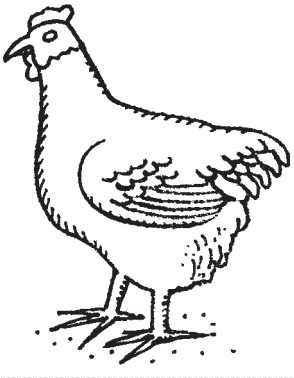
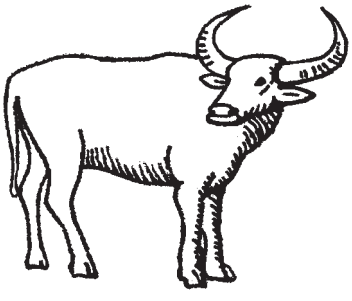
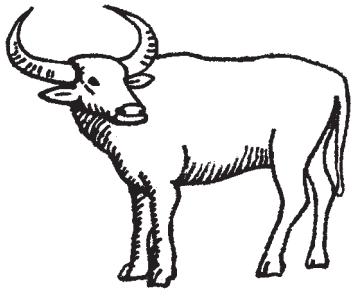

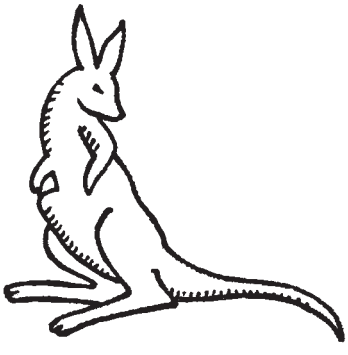
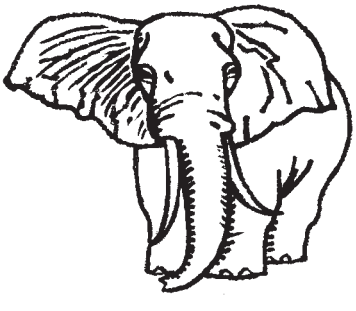
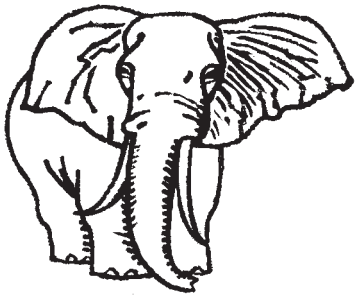

पहला ईस्टर (पुनरूत्थान)

दोस्त

कब्र

पत्थर

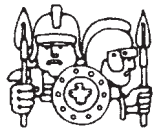
सिपाही

दूत

जब यीशु की मृत्यु हुई, उसके दुःखी थे। उन्होंने उसे एक में रखा। एक बड़े को के दरवाजे पर रखा गया था। उसके नजदीक 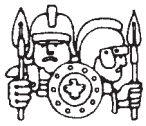 खड़े थे यह देखने के लिए कि कोई भी को हटा न सके।

3 दिनों तक यीशु का शरीर में पड़ा रहा। फिर तीसरे दिन की सुबह, एक आया और को हटा दिया। जब 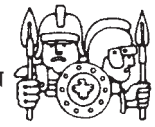 ने को देखा, वे डर गए।

उसी दिन यीशु के पर आए। उन्होंने देखा कि हटा हुआ था। वहाँ पर के पास एक (दूत) था।

ने कहा, ''वह यहाँ नहीं है: क्योंकि वह जी उठा है''।

हम यीशु मसीह के पुनरूत्थान को मनाते हैं (ईस्टर)

पाठ
45

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की समझने में सहायता करना कि हम ईस्टर का उत्सव मनाते हैं क्योंकि यीशु मसीह पुनरूत्थारित हुआ था।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मत्ती 27:57 ... 66; 28:1 ... 8; मरकुस 15:16 ... 20, 40 ... 47; 16:1 ... 11; लूका 23:44 ... 46; और यूहन्ना 20:1 ... 18 का अध्ययन करें।
2. आपके क्षेत्र में मनाये जाने वाले ईस्टर के उत्सव से संबंधित चीजों के चित्र बनाएं या प्राप्त करें, जैसा कि कैंडी, अंडे, फूल, या फैंसी वस्त्र। कक्षा के सामने इनका मेज, फर्श या चॉकबोर्ड पर प्रदर्शन करें। कतरन 2-12 दिखाएं, यीशु पुनरूत्थारित हुआ, दूसरे चित्रों के साथ।
3. ''क्या यीशु वास्तव में फिर से जीवित हुआ'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 64) के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें।
4. आवश्यक सामग्रियाँः
   क. एक बाइबल
   ख. एक छोटा बोरा या बक्सा।
   ग. कतरन 2-5, क्रूसारोहण का दृश्य; कतरन 2-6, यीशु के शरीर को लपेटते हुए; कतरन 2-7, कब्र, कतरन 2-8, बड़ा पत्थर; कतरन 2-9, सिपाही; कतरन 2-10, दूत; कतरन 2-11, तेल के साथ स्त्रियाँ; कतरन 2-12, यीशु पुनरूत्थारित हुआ। कतरनों को व्यवस्थित रखें जैसा कि उनका उपयोग पहला ईस्टर की कहानी में किया जाएगा।
   घ. चित्र 2-65, पुनरूत्थारित यीशु मसीह (सुसमाचार कला चित्र किट 239; 62187)।
5. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

हम ईस्टर पर यीशु मसीह को याद करते हैं

ध्यान गतिविधि

उन चित्रों को दिखाएं जिनका आपने मेज, फर्श, या चॉकबोर्ड पर प्रदर्शन किया है। बच्चों को एक बार में एक चित्र को पहचानने दें और समझाएं कि कैसे चीजों के चित्र स्थानीय ईस्टर के रीति रिवाजों से संबंधित हैं।

प्रत्येक चीज पर चर्चा करने के पश्चात बच्चों से पूछेंः

- क्या वास्तव में इस चीज के कारण हम ईस्टर का उत्सव मनाते हैं ? (नहीं)।

फिर एक बच्चे को चित्र को हटाकर उसे एक छोटे बोरे या बक्से में रखने दें।

चित्र पर चर्चा तब तक जारी रखें जब तक कि यीशु मसीह की केवल एक कतरन न बच जाए।

- क्या वास्तव में इस चीज के कारण हम ईस्टर का उत्सव मनाते हैं ? (हाँ)।

बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु मसीह ही सच्चा कारण है जिससे हम ईस्टर का उत्सव मनाते हैं। पहले ईस्टर पर यीशु ने हमारे लिए कुछ अद्‌भूत किया था।

पहले ईस्टर पर यीशु मसीह पुनरूत्थारित हुआ था

कतरनों के साथ धर्मशास्त्र पर कहानी

पहले ईस्टर की कहानी को अपने स्वयं के शब्दों में बताएं (देखें मत्ती 27:57 ... 66; 28:1 ... 8; मरकुस 15:16 ... 20; 40 ... 47; 16:1 ... 11; लूका 23:44 ... 46; और यूहन्ना 20:1 ... 18)। जब आप कहानी बताते हैं, बच्चों को उपयुक्त कतरनों को बारी बारी से पकड़ने दें। यदि बच्चे कहानी जानते हैं, आपको बताने में उन्हें सहायता करने दें।

एक बच्चे को कतरन 2-5 पकड़ने दें, क्रूसारोहण का दृश्य।

समझाएं कि दुष्ट लोग जो यीशु मसीह को पसन्द नहीं करते थे, अन्त में उन्होंने अपने नेताओं से उसे कारागार में डालने की अनुमति ली थी। इन लोगों ने यीशु को मारा और उसका मजाक उड़ाया। वे उसे नगर के बाहर पहाड़ पर ले गए और उसे क्रूस पर कीलों से गाड़ दिया।

बच्चे को क्रूसारोहण के कतरन को नीचे रखने दें, और दूसरे बच्चे को कतरन 2-6, यीशु के शरीर को लपेटते हुए, को पकड़ने दें।

समझाएं कि यीशु की मृत्यु के पश्चात, उसके दोस्तों ने उसके शरीर का ध्यान रखकर उसके प्रति अपना प्रेम व्यक्त किया था। ध्यानपूर्वक उन्होंने उसको क्रूस से नीचे उतारा था। उन्होंने उसे साफ, नये कपड़े में लपेटा और कब्र में रखा था, जो कि एक छोटी गुफा या एक छोटा कमरा था जिसे पहाड़ों में पत्थरों से बनाया गया था।

बच्चे को, यीशु के शरीर को लपेटते हुए का कतरन नीचे रखने दें, और दूसरे बच्चों को कतरन २-७, कब्र, और कतरन २-८, बड़ा पत्थर पकड़ने दें।

समझाएं कि यीशु के शरीर को कब्र में रखने के पश्चात, उसके दोस्तों ने दरवाजे पर एक बड़ा पत्थर रख दिया।

- आपके विचार से उस शाम यीशु के दोस्तों ने कैसा अनुभव किया ?

एक बच्चे को कतरन 2-9, सिपाही को पकड़ने दें।

बच्चों को बताएं कि बाद में उद्धारक के कुछ दुश्मनों ने कब्र की रखवाली की। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यीशु ने लोगों को बताया था कि वह तीन दिनों में पुनरूत्थारित होगा। उसके दुश्मनों को विश्वास नहीं हुआ कि वह पुनरूत्थारित होगा। उन्होंने सोचा कि यीशु के दोस्त उसके शरीर को छुपा देंगे और कहेंगे कि वह फिर से जी उठा है।

एक बच्चे को कतरन 2-10, दूत को पकड़ने दें।

समझाएं कि तीसरे दिन की सुबह एक दूत आया और कब्र के दरवाजे पर रखे हुए पत्थर को हटाया। सिपाही बहुत डर गए थे, और वे इस तरह गिर पड़े जैसे कि मर गए हों।

बच्चों को सिपाही और बड़ा पत्थर के कतरनों को नीचे रखने दें, और दूसरे बच्चे को कतरन 2-11, तेल के साथ औरतें को पकड़ने दें।

बच्चों को बताएं कि उसी दिन, जो कि रविवार का दिन था, कुछ औरतें जो यीशु की दोस्त थी, कब्र पर गईं। वे यीशु के शरीर पर लगाने के लिए मसाले लाईं थी। यह कुछ ऐसा था जिसे उस समय में, लोग उस व्यक्ति के प्रति अपने प्रेम और आदर को व्यक्त करने के लिए लगाते थे जो मर गया होता था।

समझाएं कि औरतें परेशान थीं कि वे भारी पत्थर को कब्र के दरवाजे से कैसे हटाएंगी, परन्तु जब वे कब्र पर पहुँचीं, उन्होंने देखा कि पत्थर हटा हुआ था और यीशु का शरीर जा चुका था। कब्र के पास उन्होंने एक दूत को देखा।

- आपके विचार से औरतों ने कैसा अनुभव किया जब उन्होंने देखा कि उद्धारक का शरीर जा चुका था ?
- आपके विचार से उन्होंने कैसा अनुभव किया जब उन्होंने दूत को देखा ?

धर्मशास्त्र

मत्ती 28:5 ... 6 को जोर से पढ़ें कि दूत ने औरतों से क्या कहा।

समझाएं कि दूत ने औरतों से जल्दी जाने और शिष्यों से यह बताने के लिए भी कहा कि यीशु मसीह मुर्दों में से जी उठा है (देखें मत्ती 28:7)।

बच्चों को सारे कतरनों को नीचे रखने दें, और दूसरे बच्चे को कतरन 2-12, यीशु पुनरूत्थारित हुआ को पकड़ने दें।

समझाएं कि औरतें दूसरे शिष्यों को बताने के लिए गईं, और बाद में दूसरे शिष्यों ने यीशु को देखा। वह जीवित था।

- आपके विचार से शिष्यों ने कैसा अनुभव किया जब वे जान गए कि यीशु फिर से जीवित है ?

गतिविधि की समीक्षा

सारे कतरनों को नीचे के तरफ करके मेज या फर्श पर रखें। बच्चों को बारी बारी से कतरनों को चुनाव करने दें और उस पर लागू होने वाले यीशु मसीह के पुनरूत्थान की कहानी के हिस्से को बताने दें।

हमें ईस्टर पर याद दिलाया जाता है कि हम पुनरूत्थारित होंगे

शिक्षक का प्रस्तुतिकरण

चित्र 2-65 का प्रदर्शन करें, पुनरूत्थारित यीशु मसीह

समझाएं कि जब यीशु मसीह की मृत्यु हुई, उसकी आत्मा ने उसके शारीरिक शरीर को छोड़ दिया और स्वर्ग में चली गई। तीन दिनों के पश्चात, उसकी आत्मा पुनः उसके शारीरिक शरीर में आई और शारीरिक शरीर फिर से जी उठा। हम इसे पुनरूत्थारित होना कहते हैं। बच्चों को कई बार पुनरूत्थारित शब्द को जोर से कहने दें।

समझाएं कि यीशु स्वर्गीय पिता के बच्चों में से प्रथम है जो कि पुनरूत्थारित हुआ था। उसके पुनरूत्थारित होने के कारण, हम भी पुनरूत्थारित होंगे। हम शायद यीशु मसीह की तरह अपनी मृत्यु के तीन दिन पश्चात पुनरूत्थारित न हों, परन्तु किसी दिन हम भी पुनरूत्थारित होंगे।

कहानी

एक बच्चे के बारे में कहानी बताएं जो बहुत खुश थी जब उसने यीशु मसीह और उसके पुनरूत्थान के बारे में सोचा। आप निम्नलिखित कहानी का उपयोग करना चाह सकते हैंः

कारमेन को अपने अहाते में खेलना अच्छा लगता था जो कि उसके पड़ोसी भाई चमीड के बगीचे के पास था। अक्सर जब भाई चमीड अपने बगीचे में काम करते थे, कारमेन उनसे बातें करती थी। वे अच्छे दोस्त बन गए थे।

एक दिन कारमेन की माँ ने उसे बताया कि भाई चमीड बहुत बुजुर्ग थे इसलिए उनकी मृत्यु हो गई। उनकी आत्मा ने उनके शारीरिक शरीर को छोड़ दिया था, और उनका शारीरिक शरीर अब जीवित नहीं रहा।

कारमेन जानती थी कि उसे भाई चमीड का अभाव होगा, परन्तु उसकी माँ ने उसे ईस्टर की कहानी याद दिलाया। कारमेन को यीशु के पुनरूत्थान की कहानी याद थी। वह जानती थी कि यीशु ने कहा था कि हम सारे अपनी मृत्यु के पश्चात फिर से जीवित हो सकते हैं। कारमेन जानती थी कि भाई चमीड भी पुनरूत्थारित होंगे। वह बहुत खुश थी कि यीशु ने हमारे लिए पुनरूत्थारित को संभव बनाया था।

चर्चा

समझाएं कि हम उस दिन को पहला ईस्टर कहते हैं जिस दिन यीशु मसीह पुनरूत्थारित हुआ था। सारे संसार में, लोग जो यीशु से प्रेम करते हैं, ईस्टर पर उसके पुनरूत्थान का उत्सव मनाते हैं।

- हम ईस्टर पर कैसा अनुभव करते हैं ? (हम जानते हैं कि हम और वे लोग जिन्हें हम प्रेम करते हैं, सारे पुनरूत्थारित होंगे जैसा कि यीशु हुआ था)।
- कुछ चीजें क्या हैं जिन्हें हम यीशु मसीह को याद करने के लिए कर सकते हैं और ईस्टर के समय अपनी उत्तर व्यक्त करने के लिए कर सकते हैं ? (उत्तरों में, घर पर यीशु के बारे में बात करना, अपने परिवारों के साथ यीशु के बारे में गीत गाना, और ईस्टर पर विशेष पाठ, कार्यक्रम, और गिरजाघर पर गीतों को गाना सम्मिलित हो सकते है)।

सारांश

गीत

बच्चों की खड़े होकर, ''क्या यीशु वास्तव में फिर से जीवित हुआ ?'' के शब्दों को गाने या कहने दें। दिखाई गई क्रियाओं को करने में उनकी सहायता करेंः

क्या यीशु वास्तव में फिर से जीवित हुआ (हथेलियों को ऊपर करते हुए हाथों को बाहर निकालो) ?
हाँ, जब तीसरा दिन आया (तीन अँगुलियों को बाहर निकालो),
वह जागा और उसने कब्र को छोड़ दिया (उसी स्थान पर चलो);
उसने मरियम का नाम पुकारा (मुँह के आस पास हाथों से प्याले का आकार बनाओ)।

क्या यीशु उनके पास आया जिन्हें वह प्रेम करता था (हृदय पर हाथों को रखो) ?
हाँ, लोगों ने उसके पैरों को छुआ (झुककर पैरों को छुओ),
और मछली और मधु को
उसने खाया (खाने का मूकाभिनय करो)।

और उसके हाथों में कीलों के निशान थे (हाथ के तरफ संकेत करो)
और उसके बगल में भाले का निशान (बगल के तरफ संकेत करो),
क्या यीशु वास्तव में फिर से जीवित हुआ
अपनी मृत्यु के पश्चात (हथेलियों को ऊपर करते हुए हाथों को बाहर निकालो) ?
ओ हाँ, और इसलिए मैं भी (सिर हिलाओ)।

गवाही

यीशु मसीह के पुनरूत्थान की अपनी गवाही दें। बच्चों को बताएं कि आप यह जानकर कैसा अनुभव करते हैं कि किसी दिन आप और वे जिन्हें आप प्रेम करते हैं, पुनरूत्थारित होंगे।

बच्चों को उनके परिवारों के साथ यीशु मसीह के पुनरूत्थान के बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहन दें।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें।

समृद्धि गातविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा का समय'' देखें।

1. बच्चों के साथ ''पहला ईस्टर'' (पाठ के अन्त में पाया जाता है) के चित्र की कहानी पढ़ें। उपयुक्त जगह पर, जहाँ चित्र दिखाए गए हों वहाँ के शब्दों को भरने में बच्चों की सहायता करें। यदि संभव हो, प्रत्येक बच्चे के लिए कहानी की एक प्रति बनाना चाहें।

2. परिवार के एक सदस्य या एक दोस्त का चित्र लाएं जिसकी मृत्यु हो चुकी हो। बच्चों को चित्र दिखाएं और इस व्यक्ति के लिए आपने कुछ किया हो, के बारे में बात करें और बताएं कि क्यों आप इसकी प्रशंसा करते हैं और इससे प्रेम करते हैं। व्यक्त करें कि आप कैसा महसूस करते हैं यह जानकर कि आप इस व्यक्ति को फिर से किसी दिन देखने में समर्थ होंगे।

3. प्रत्येक बच्चे को कागज का एक टुकड़ा दें जिस पर लिखा हो हम फिर से जीएंगे ।बच्चों को क्रेयोन दें और उनसे उनका या उनके परिवार का चित्र बनाने के लिए कहें जिनसे आप प्रेम करते थे और जिनकी मृत्यु हो चुकी है। बच्चों को कक्षा के अन्य सदस्यों को उनके चित्रों बारे में बताने दें।

   बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु मसीह के पुनरूत्थारित होने के कारण, हम सारे अपनी मृत्यु के पश्चात पुनरूत्थारित होंगे। सारे जिनसे हम प्रेम करते हैं, वे भी किसी दिन पुनरूत्थारित होंगे।

4. बच्चो के साथ किसी भी शारीरिक या मानसिक अपंगता पर चर्चा करें जिसके बारे में आप जानते हों या जिसका आपने आंकलन किया हो। बच्चों की समझने में सहायता करें कि जब हम पुनरूत्थारित होते हैं, हमारा शरीर पूर्ण होगा (देखें अलमा 40:23)। किसी के भी पास किसी भी तरह की अपंगता नहीं होगी। चर्चा करें यह किता अद्‌भूत होगा।

5. बच्चों के साथ ''यीशु जी उठा है'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 70) के शब्दों को गाएं या कहें।

   यीशु जी उठा है,
   यीशु, हमारा दोस्त।
   हमारा हृदय खुशियों से भरा हुआ है;
   वह फिर से जीएगा।
   बड़ाई उसके लिए हम गाते हैं,
   इस ईस्टर के समय पर।
   यीशु जी उठा है,
   ईश्वरीय उद्धारक।
   यीशु जी उठा है,
   ईश्वरीय उद्धारक।

यीशु मसीह उत्तम उपहार है (बड़ा दिन)

पाठ
46

उद्देश्य

प्रत्येक बच्चे की प्रशंसा करने में सहायता करना कि स्वर्गीय पिता ने हमें महान उपहार दिया जब उसने यीशु मसीह को धरती पर भेजा।

तैयारी

1. प्रार्थनापूर्वक मत्ती 2:1 ... 12 और यूहन्ना 3:16 का अध्ययन करें।
2. चित्र 2-41 एक बक्से में रखें, यीशु का जन्म (सुसमाचार कला चित्र किट 200; 62116), यदि संभव हो, उसे एक उपहार की तरह लपेटें। एक पर्चे पर यूहन्ना 3:16 लिखें और उपहार पर बाँधें।
3. प्रत्येक बच्चे के लिए कागज के एक शीट को मोड़ने के द्धारा एक कार्ड बनाएं, उसके आगे के हिस्से पर बड़ा दिन मुबारक लिखते हुए। यदि संभव हो, बच्चों के लिए कार्ड को रखने का लिफाफा लाएं।
4. बनाएं या कागज से तारे काटे, उस तारे को प्रतिनिधित्व करने के लिए जिसके पीछे ज्ञानी लोग चले थे (तारे को बनाने का तरीका पाठ के अंत में पाया जाता है)।
5. मरियम, जोसफ और ज्ञानी लोगों के नाट्य रूपांतरण के लिए कपड़ों की साधारण चीजें लाएं (जैसा कि दुपट्टा या रस्सी)। यदि कपड़े उपलब्ध न हों, भूमिका को दर्शाने के लिए नाम का पर्चा लाएं। यीशु का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक गुड़िया लाएं और चीजें (जैसा कि एक बक्सा, बोतल, और कलश) ज्ञानी लोगों के उपहार का प्रतिर्निधित्व करने के लिए लाएं।
6. ''उसने अपने पुत्र को भेजा'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 34) के शब्दों को गाने या कहने की तैयारी करें। इस गीत के शब्दों को पुस्तिका के पीछे सम्मिलित किया गया है।
7. आवश्यक सामग्रियाँः
   क. एक बाइबल
   ख. बड़े दिन के संगीत का एक धार्मिक रिकार्डिंग (वैकल्पिक)।
   ग. पेन्सिल और रंग ।
   घ. चित्र 2-7, ज्ञानी लोग (सुसमाचार कला चित्र किट 203; 62120)।
8. किसी भी समृद्धी गतिविधियों के लिए, आवश्यक तैयारियाँ करें जिसका आप उपयोग करना चाहते हैं ।

प्रस्तावित पाठ विकास

एक बच्चे को प्रारंभिक प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें।

सप्ताह के दौरान यदि आपने बच्चों को कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया हो, उनके साथ उस पर ध्यान दें ।

यीशु मसीह का जन्म एक महान उपहार था

ध्यान गतिविधि

बच्चों को लपेटा हुआ उपहार दिखाएं। उन्हें बताएं कि लिफाफे के अन्दर कुछ है जो एक अद्‌भूत उपहार का प्रतिनिधित्व करता है उसके तरफ से जो हमसे बहुत प्रेम करते हैं।

प्रत्येक बच्चे को लिफाफे को पकड़ने के लिए बारी लेने दें और उन्हें अनुमान लगाने दें कि अन्दर क्या है।

बच्चों को बताएं कि पर्चा एक सूत्र है। यूहन्ना 3:16 को जोर से पढ़ें। बच्चों से पूछें कि क्या अब वे जान गए हैं कि कौन सा उपहार है और किसने भेजा है (आपको बच्चों को याद दिलाने की आवश्यकता है कि स्वर्गीय पिता का दूसरा नाम परमेश्वर है)। एक बच्चे को लिफाफे को खोलकर चित्र को पकड़ने दें ताकि हर कोई उसे देख सके।

चर्चा

- क्या उपहार है ?
- उपहार किसके तरफ से है ?
- यीशु मसीह का जन्म एक अद्‌भूत उपहार क्यों है ?

बच्चों की समझने में सहायता करें कि यीशु मसीह का जन्म एक महान उपहार है, इसका एक कारण यह है कि यीशु मसीह हमें सही राह पर चलने की शिक्षा देने आया था। उसने हमें सीखाया कि दूसरों को प्रेम और सहायता करने से हमें खुशी मिलती है।

यीशु को धरती पर भेजने के द्वारा स्वर्गीय पिता ने हमें एक उपहार दिया जो हमारी प्रसन्नाता को खोजने में सहायता करेगा, सिर्फ बड़े दिन के समय पर नहीं परन्तु हमेशा।

गीत

बच्चों के साथ ''उसने अपने पुत्र को भेजा'' के शब्दों को गाएं या कहें।

ज्ञानी लोगों ने बालक यीशु को उपहार दिए

धर्मशास्त्र पर कहानी और चर्चा

समझाएं कि स्वर्गीय पिता चाहता है कि हर कोई हमारे लिए उसके उपहार के बारे में जाने, इसलिए उसने आकाश में एक सुंदर नये तारे को रखा।

चित्र 2-7 का प्रदर्शन करें, ज्ञानी लोग, और बच्चों से, यीशु को खोजने के लिए तारे के पीछे जाते हुए ज्ञानी लोगों की बताने के लिए कहें (देखें मत्ती 2:1 ... 12)। बच्चों की सहायता करें यदि वे किसी चीज को भूल गए हों।

मत्ती 2:11 को जोर से पढ़ें।

- ज्ञानी लोग यीशु के लिए क्या उपहार लाए थे ?

समझाएं कि लोबान और गन्धरस मधुर खुशबुदार इत्र होते थे जिनका उपयोग धार्मिक समारोहों में किया जाता था। सारे तीनों उपहार मूल्यवान थे और उनको पाना कठिन था। जो भी उपहार मिले उसने से ज्ञानी लोग यीशु के लिए अच्छे से अच्छा उपहार लाना चाहते थे।

- ज्ञानी लोग इन उपहारों को यीशु के लिए क्यों लाए थे ? (उसके प्रति अपने प्रेम और सम्मान को व्यक्त करने के लिए)।
- जब ज्ञानी लोगों ने यीशु को देखा तब वे झुककर उसकी आराधना क्यों करने लगे ? (वे जानते कि वह उद्धारक है, स्वर्गीय पिता का पुत्र)।

अभिनय गतिविधि

बच्चों को ज्ञानी लोगों की कहानी का अभिनय करने दें। प्रत्येक बच्चे को अभिनय करने दें जो उसमें भाग लेना चाहता हो। बच्चे मरियम, जोसफ और ज्ञानी लोग बन सकते हैं (जितना आप चाहें उतने ज्ञानी लोगों को ले सकते हैं ताकि बर कोई हिस्सा ले सके)। आप एक बच्चे से कागज के तारे को पकड़ने के लिए भी कह सकते हैं। बच्चों की उनके कपड़े पहनने या नाम का पर्चा लगाने में सहायता करें।

प्रस्तुतिकरण में कुछ जोड़ने के लिए, आप नाटक के पीछे मधुर ध्वनि में बड़े दिन के धार्मिक संगीत का रिकार्डिंग बजा सकते हैं।

मत्ती 2:1 ... 12 से कुछ चुने हुए आयतों को पढ़ने के द्वारा वर्णन करें, विशेषकर आयत 2 और 9 ... 11 को। आप अपने साथ ज्ञानी लोगों से मत्ती 2:2 को दोहराने के लिए कह सकते हैं। (यदि आवश्यक हो, समझाएं कि यीशु मसीह का दूसरा नाम यहूदियों का राजा है)।

प्रेम के उपहार को देने से हमें खुशी मिलती है

कहानी

समझाएं कि जैसे ज्ञानी लोग यीशु के प्रति अपना प्रेम व्यक्त करने के लिए उपहार लाए थे, हम दूसरों को अपने प्रेम को उनके प्रति व्यक्त करने के लिए उपहार दे सकते हैं।

एक युवा लड़के के बारे में निम्नलिखित कहानी बताएं जिसका नाम एस. डिलवर्थ यंग था, जो बाद में एक जनरल अधिकारी बनाः

उस बड़े दिन पर जिसपर एस. डिलवर्थ यंग पाँच वर्ष के थे, उन्होंने एक दुकान की खिड़की पर एक जीगसो पहेली का प्रदर्शन देखा। उस पहेली के ऊपर वृद्ध घोड़े का चित्र बना हुआ था जो एक आग लगी हुई गाड़ी को खींच रहा था। बड़े दिन के लिए अन्य चीजों की अपेक्षा डिलवर्थ उस पहेली को चाहता था।

एल्डर यंग ने बाद में समझाया कि उस बड़े दिन पर पहेली का क्या हुआ था।

''आखिर में जब बड़े दिन की सुबह आई, मैंने मेरे कुर्सी पर एक मोजे को लटकता हुआ पाया जो अच्छी चीजों से भरा हुआ था। परन्तु उसी समय मुझे पहेली दिखाई दी । वह एक चमकदार कागज से लिपटी हुई थी, परन्तु उसके आकार से ही मैं बता सकता था कि वह क्या है। मैंने जल्दी से बक्से को खोला और शीघ्र ही उस पहेली को सुलझाने की खुशी में खो गया।

''शीघ्र ही मेरे पिता उस कमरे में आए और मेरे छोटे भाई, बड़ी बहन और मुझे समझाया कि हाल ही में जानसम का परिवार डेनमार्क से आया हुआ था। उन्होंने कहा कि पिताजी के पास न नौकरी थी और न पैसा, और फिर उन्होंने हमें अपने बड़े दिन का भोजन उनके पास ले जाने का सुझाव दिया। उन्होंने हममें से प्रत्येक से अपने प्यारे खिलौनों में से चुनने और उसे एक बच्चे को देने के लिए कहा जो जेनसन परिवार में रहता था ...

''जेनसन के घर जाने से पहले, मैंने तीन घंटों तक पहेली से खेला और खुशी मनाई थी। मैंने कुछ और देने के बारे में सोचा था, परन्तु मैं अपनी अर्न्तात्मा में जानता था कि केवल एक ही उपहार दिया जा सकता था।

''ग्यारह बजकर पैंतालिस मिनट पर हम लोगों ने घर छोड़ दिया। पिताजी को एक थाल में लिए हुए थे। माँ और मेरी बहन एमीली आलू, तरी, सजावट, क्रेनबरीज, और कुछ मीठा लिए हुए थीं। और अपनी बाहों के नीचे, ध्यानपूर्वक फिर से लपेटा हुआ मेरी आग के इंजिन की पहेली थी।

''जब हम जेनसम के घर पहुँचे, पिताजी ने टर्की को कोने में पड़ी एक खाली छेटी सी मेज पर रख दिया, और दूसरों ने भी ऐसा ही किया।

''तब बारी बारी से प्रत्येक ने अपना उपहार दिया। एमीली ने अपनी सुंदर सी गुड़िया लड़की को दिया। मैंने कदम आगे बढ़ाया और लगभग मेरी ही उम्र के लड़के के तरफ देखा। 'यह लो, 'मैंने कहा जब मैंने पहेली को उसके तरफ किया। उसने मुझसे वह ले लिया और मुस्कुराया। फिर मेरे भाई ने अपने उपहार सबसे छोटे बच्चे को दिया। और फिर हम घर वापस आ गए।

''यह बहुत विचित्र था, परन्तु जब हम लोग ब्लॉक पार कर रहे थे जो हमारे और जेनसन के घर के बीच में पड़ता था, ऐसा अनुभव हुआ कि मेरे पैर जमीन को छु ही नहीं रहे थे। मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि मैं एक अच्छे अहसास के साथ बादलों में उड़ रहा था, क्योंकि मैं जानता था कि मैंने किसी और को खुश कियी था। ''यहाँ तक कि बड़े दिन का भोजन जो डिब्बे का सेम, रोटी, मक्खन, और बोतल में फल, एक विशेष अविस्मरणीय अर्थ था जो उस विशेष बड़े दिन हुआ पर था'' (S. Dilworth Young, "Friend to Friend: A Special Christmas," Friend, दिसंबर, 1972, पृष्ठ 20 ... 21)।

चर्चा

- डिलवर्थ ने ऐसा क्या किया था जिससे उसे खुशी मिली थी ?
- अपने मन चाहे खिलौने को देने के पश्चात वह क्यों खुश हुआ था ?
- क्या आपने कभी किसी को कुछ दिया है जिससे उसे खुशी मिली हो ?

बच्चों को उस समय के बारे में बात करने दें जब उन्होंने दूसरों को उपहार देने के द्वारा उन्हें खुशी दी हो।

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

समझाएं कि जब हम दूसरों को उपहार देते हैं, हम यह दिखाते हैं कि हम उन्हें प्रेम करते हैं। जब उपहार प्राप्त करना हमें खुशी दे सकता है, उपहार देना भी हमें खुशी दे सकता है। संकेत करें कि बहुत सारे प्रेम को दिखाने के लिए उपहार का महँगा होना जरूरी नहीं है। कुछ अच्छे उपहारों में से सेवकाई भी एक उपहार है।

कहानी

एक बच्चे के बारे में कहानी बताएं जिसने सेवकाई का उपहार दिया था। आप निम्नलिखित कहानी का उपयोग करना चाहें:

बड़ा दिन निकट था, और बेथ अपने परिवार को बड़े दिन का उपहार यह दिखाने के लिए देना चाहती थी कि वह उनसे कितना प्रेम करती है। परन्तु बेथ के पास पैसे नहीं थे। उसने सोचा कि वह कोई उपहार नहीं दे सकेगी और वह दुःखी हो गई। तब बेथ को याद आया कि उसकी प्राथमिक शिक्षिका ने कक्षा को बताया था कि उपहारों में से कुछ अच्छे उपहार ऐसे होते हैं जिन्हें हम पैसे से नहीं खरीद सकते। बेथ ने सेवकाई का उपहार देने का निर्णय लिया।

बेथ ने परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए एक कार्ड बनाया, और प्रत्येक कार्ड पर उसने वही लिखा जो वह उस परिवार के सदस्य के लिए करना चाहती थी। अपनी छोटी बहन के कार्ड पर उसने लिखा कि वह उसके साथ वही खेल खेलेगी जो उसे पसन्द हो। अपने बड़े भाई के कार्ड पर उसने लिखा कि वह एक रात बर्तन धोएगी जब उसकी बारी होगी। अपनी माँ से उसने प्रतिज्ञा किया कि जब वह सोएंगी तब वह बच्चे की देखभाल करेगी। और अपने पिता से उनके बगीचे में उनकी सहायता करने की प्रतिज्ञा की। उसका पसंदीदा उपहार उसके दादाजी के लिए थाः उसने उन्हें आश्वासन दिया कि एक महीने के लिए वह सबसे पहले हर सुबह उनको अपनी बाहों में लेगी

बड़े दिन की सुबह बेथ ने उपहारों को अपने परिवार वालों को दिया। हर किसी को बेथ की सेवकाई का उपहार अच्छा लगा। वे जानते थे कि बेथ उनसे प्रेम करती है क्योंकि उसने उन्हें इतना अद्भूत उपहार जो दिया था।

कार्ड गतिविधि

प्रत्येक बच्चे को एक कार्ड और एक पेन्सिल या कुछ रंग दें। बच्चों को बताएं कि इन कार्ड से उनमें से प्रत्येक सेवकाई का उपहार दे सकता/सकती है, जैसा कि बेथ ने किया था।

कुछ उपहारों पर चर्चा करें जिसे बच्चे दे सकते हैं, जैसा कि भाई या बहन के बिछौने को बनाना, रात के खाने के लिए मेज को तैयार करना, छोटे भाई या बहन के साथ खेलना, या अपने माता-पिता के सौंपे हुए काम को करना। प्रत्येक बच्चे की, सेवकाई के उपहार को चुनने में और उस व्यक्ति को चुनने में सहायता करें जिसे उपहार देना है।

प्रत्येक बच्चे की, कार्ड के भीतरी पृष्ठ के ऊपर मैं करूँगा/करूँगी और पृष्ठ के नीचे आपके लिए लिखने में सहायता करें।

पृष्ठ के मध्य में बच्चों को एक चित्र बनाने दें जो वह किसी के लिए सेवकाई के उपहार के तौर पर करना चाहते हों।

यदि आप लिफाफा लाए हैं, प्रत्येक बच्चे को कार्ड रखने के लिए एक लिफाफा दें। बच्चों की, लिफाफे के ऊपर या कार्ड के अगले हिस्से पर उस व्यक्ति का नाम लिखने में सहायता करें जिसको वे इसे देना चाहते हों।

बच्चों को, कार्ड को उसी समय देने के लिए याद दिलाएं जब उनके परिवार वाले उपहार अदला बदली कर रहे हों। आप उन्हें सुझाव दे सकते हैं कि वे इसी तरह का उपहार घर पर, परिवार के दूसरे सदस्यों या दोस्तों के लिए बनाएं।

सारांश

शिक्षक प्रस्तुतिकरण

बच्चों को याद दिलाएं कि यीशु मसीह सबसे महत्वपूर्ण उपहार है जिसे स्वर्गीय पिता ने हमें दिया है। वह इसलिए क्योंकि यीशु ही हमें वापस जाकर उसके और स्वर्गीय पिता के साथ रहने में हमारी सहायता करेगा। समझाएं कि जैसे स्वर्गीय पिता ने यीशु को धरती पर भेजने के द्वारा हमारे प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया है, वैसे ही हम दूसरों को विशेष उपहारों को देने के द्वारा अपने प्रेम को व्यक्त कर सकते हैं।

गवाही

अपनी गवाही दें कि यीशु मसीह ही हमारा उद्धारक है। बच्चों को बताएं कि आप कैसा महसूस करते हैं जब आप सोचते हैं कि स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह हममें से प्रत्येक को कितना प्रेम करते हैं। बच्चों को यह भी बताएं कि आप कैसा महसूस करते हैं जब आप दूसरों को उपहार देते हैं।

बच्चों को स्वर्गीय पिता और यीशु मसीह को याद करने के लिए प्रोत्साहन दें जब वे बड़े दिन का उत्सव मनाते हैं।

एक बच्चे को समापन प्रार्थना करने के लिए आमंत्रित करें।

समृद्धि गातविधियाँ

निम्नलिखित गतिविधियों में से उन्हें चुनें जो आपकी कक्षा में बच्चों के लिए सबसे अच्छा काम करेगा । आप उन्हें पाठ में ही उपयोग कर सकते हैं या एक समीक्षा या सारांश के तौर पर । अतिरिक्त सहायता के लिए, ''शिक्षक के लिए सहायता'' में '' कक्षा समय'' देखें।

1. बच्चों के साथ ''शान्त रात'' (गीत न. 204) की पहली आयत के शब्दों को गाएं या कहें।
   शान्त रात, पवित्र रात!
   सभी कुछ शान्त है, सभी कुछ चमकदार
   कुँवारी माँ और उसके चारों तरफ।
   नवजात कितना पवित्र है, कितना कोमल और विनम्र है,
   स्वर्गीय शान्ति में सोता है;
   स्वर्गीय शान्ति में सोता है।

2. ''दूर चरनी में'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 42), ''मरियम की लोरी'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 44), या ''ओ, चुप हो जा, मेरे बच्चे'' (बच्चों की गीत पुस्तिका, पृ. 48) के शब्दों को गाएं या कहें। इन गीतों के शब्दों को पुस्तिका के पीछे सम्मिलित किया गया है।

3. मत्ती 2:1 ... 2, 9 ... 11 को जोर से पढ़ें। ज्ञानी लोगों के लिए तारे के महत्व पर चर्चा करें। प्रत्येक बच्चे की कागजों से दो त्रिकोणों को काटने और उन्हें तारे का रूप देने में एक साथ चिपकाने में सहायता करें (नीचे दिए गए नमूने को देखें)। बच्चों को उनके तारों को घर ले जाने दें।

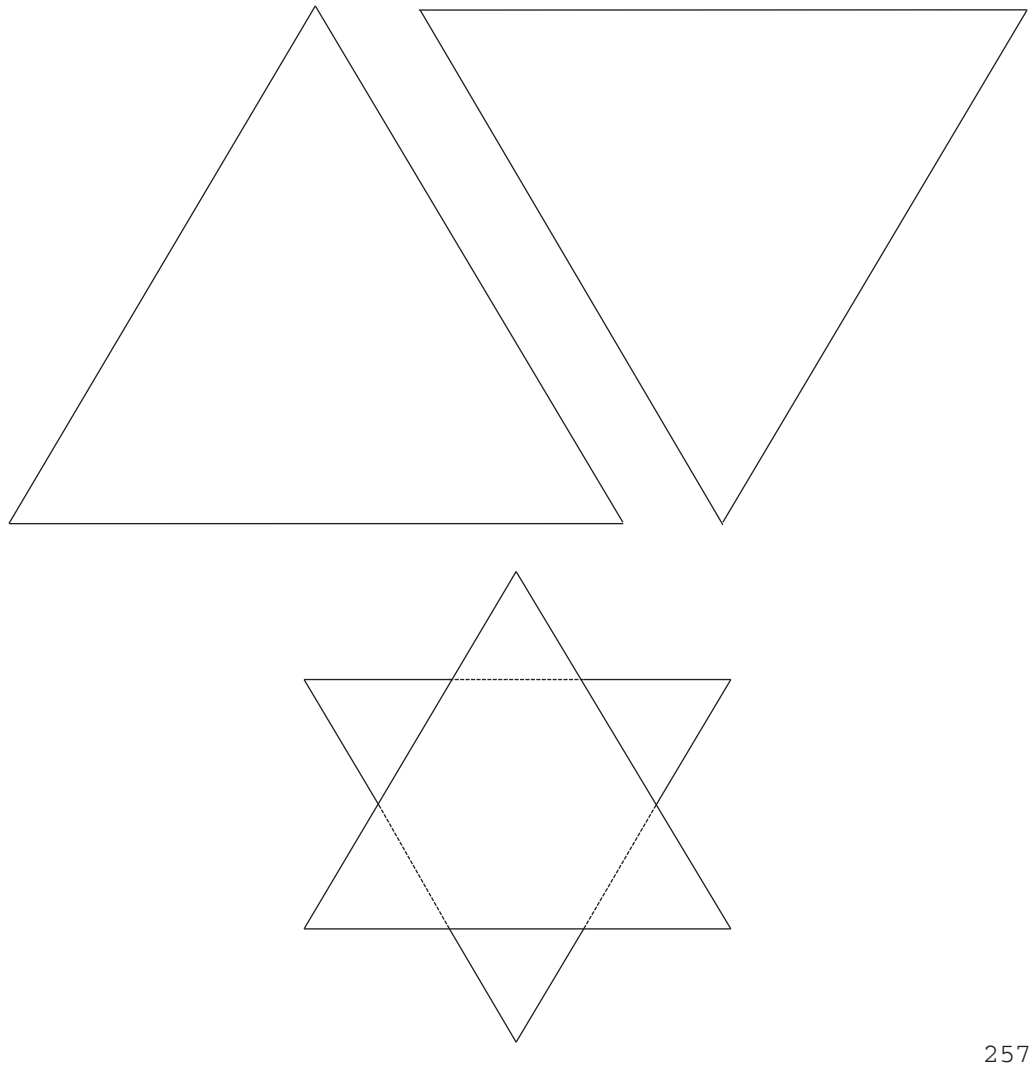

गीतों के शब्द

एक खुश परिवार

मैं माँ को प्रेम करता हूँ; वह मुझे प्रेम करती है।
हम पिता को प्रेम करते हैं, हाँ सीरे;
वह हमसे प्रेम करते हैं, और इस प्रकार तुम देखो,
हम एक खुश परिवार हैं।

मैं बहन को प्रेम करता हूँ; वह मुझे प्रेम करती है।
हम भाई को प्रेम करते हैं, हाँ सीरे;
वह हमसे प्रेम करता है, और इस प्रकार तुम देखो,
हम एक खुश परिवार हैं।

(© 1948, 1975 by Pioneer Music Press, Inc. Used by permission of Jackman Music Corp.)

दूर चरनी में

दूर चरनी में, उसके बिस्तर के लिए कोई खटोला न था,
छोटे प्रभु यीशु ने नीचे अपना सुंदर सिर रख दिया;
स्वर्ग के तारों ने नीचे देखा जहाँ वह लेटा हुआ था,
छोटे प्रभु यीशु, घास-फूस के ऊपर सो रहा था।

मवेशी आवाज कर रहे थे, बिचारा बच्चा उठ जाता है;
परन्तु छोटे प्रभु यीशु, वह रोता नहीं है।
प्रभु यीशु, मैं तुझसे प्रेम करता हूँ; आकाश से नीचे देखो
और मेरे पालने के पास सुबह होने तक रहो।

प्रभु यीशु, मेरे पास रहो; मैं तुझसे रहने के लिए कहता हूँ
मेरे निकट सदा के लिए, और मैं प्रार्थना करता हूँ मुझसे प्रेम कर।
सभी प्यारे बच्चों को अपने संरक्षण में आशीष दे,
और हमें अपने साथ स्वर्ग में रहने के योग्य बना।

बपतिस्मा

यीशु यूहन्ना बपतिस्मा वाले के पास आया,
बहुत दिनों पहले यहूदिया में,
और डुबने के द्वारा बपतिस्मा लिया
यर्दन नदी के बहते हुए जल में।

''नियम पूरा करने के लिए'' यीशु ने कहा,
जब बपतिस्मे वाले ने प्रश्न पूछा, क्यों,
''और अपने पिता के घर में प्रवेश करने के लिए
स्वर्ग राज्य में जो ऊपर है''।

अब हम जानते हैं कि हम लोगों को भी
यीशु के शब्द में विश्वास का साक्षी होना है,
आज्ञाकारी दिखाने में बपतिस्मा लेना है,
जैसा कि हमारे प्रभु, यीशु मसीह ने लिया था।

सही रास्ते का चुनाव करो

जीवित और खुश रहने का एक सही रास्ता है;
यह रोज ही सही का चुनाव करना है।
मैं यीशु की शिक्षाओं को सीख रहा हूँ,
वे मेरी सहायता करेंगे और मुझे रास्ता दिखाएंग

कोरसः
सही रास्ते का चुनाव करो और खुश रहो।
मुझे सदा सही का चुनाव करना चाहिए।

सुसमाचार के माध्यम से मैं प्रार्थना करना सीखता हूँ,
विश्वास करने के लिए, पछतावा करने के लिए, आज्ञापालन करने के लिए,
और मैं जानता हूँ कि यदि मैं उसकी शिक्षाओं द्वारा जीवन बिताऊँगा,
मैं सचमुच रोज ही खुश रहूँगा।

कोरस

सही करने का साहस करो

सही करने का सहास करो! सही बनने का साहस करो!
तुम्हारे पास एक काम है जिसे कोई और नहीं कर सकता;
इसे बड़े साहस के साथ करो, बड़ी दया से, बड़ी अच्छी तरह से,
दूत शीघ्रता से कहानी सुनाएंगे।
साहस करो, साहस करो, सही करने का सहास करो;
साहस करो, साहस करो, सही बनने का साहस करो,
सही बनने का सहास करो। सही बनने का साहस करो।

वैसा करो जैसा मैं कर रहा हूँ
वैसा करो जैसा मैं कर रहा हूँ;
मेरे पीछे आओ, मेरे पीछे आओ!
वैसा करो जैसा मैं कर रहा हूँ;
मेरे पीछे आओ, मेरे पीछे आओ!
यदि मैं कुछ ऊपर या नीचे करता हूँ,
यदि मैं कुछ तेज या धीरे करता हूँ,
वैसा करो जैसा मैं कर रहा हूँ;
मेरे पीछे आओ, मेरे पीछे आओ!
वैसा करो जैसा मैं कर रहा हूँ;
मेरे पीछे आओ, मेरे पीछे आओ!

(© 1963 by D. C. Heath and Company. Used by permission.)

''दो,'' छोटी धारा ने कहा

''दो,'' छोटी धारा ने कहा,
''दो, ओ! दो, दो, ओ! दो।''
''दो,'' छोटी धारा ने कहा,
जब वह पहाड़ी से नीचे उतरने की जल्दी में थी;
''मैं छोटी हूँ, मैं जानती हूँ, परन्तु मैं जहाँ भी जाती हूँ
वहाँ खेत और हरे भरे हो जाते हैं।''

कोरसः
गाते रहो, गाते रहो सारे दिन,
''दे डालो, ओ! दे डालो।''
गाते रहो, गाते रहो सारे दिन,
''दो, ओ! दे डालो।''

''दो,'' कहा छोटी वर्षा ने,
''दो, ओ! दो, दो ओ! दो।''
''दो,'' कहा छोटी वर्षा ने,
जैसे ही वह फूलों पर गिरी;
''मैं उनके मुरझायेपन को सीधा कर दूँगा,''
जैसे ही वह फूलों पर गिरी।

कोरस

फिर दो, जैसे यीशु देता है,
''दो, ओ! दो, दो ओ! दो।''
फिर दो, जैसे यीशु देता है;
सभी के पास कुछ देने के लिए है।
वैसे करो जैसे धारा और फूलों ने कियाः
परमेश्वर और दूसरे जीने वालों के लिए।

कोरस

उसने अपने पुत्र को भेजा
किस तरह पिता संसार को प्रेम और कोमलता के बारे में बता सकता था ?
उसने अपने पुत्र को भेजा, एक नवजात शिशु को, शान्ति और पवित्रतता के साथ।
किस तरह पिता संसार को रास्ता दिखा सकता था जिसपर हमें जाना चाहिए ?
धरती पर लोगों के साथ चलने के लिए उसने अपने पुत्र को भेजा, कि हम जान सकें।
किस तरह पिता संसार को त्याग और मृत्यु के बारे में बता सकता था ?
हमारे लिए मरने और फिर से जीवित होने के लिए उसने अपने पुत्र को भेजा।
पिता ने हमसे क्या चाहा, धर्मशास्त्र क्या कहता है ?
विश्वास करो, आशा करो, उसके पुत्र की तरह जीओ, दूसरों को उनके रास्तों पर मदद करो।
वह क्या चाहता है ? उसके पुत्र की तरह जीओ।

(© 1982 by Mabel Jones Gabbott. Used by permission.)

मैं परमेश्वर का बच्चा हूँ

मैं परमेश्वर का बच्चा हूँ,
और उसने मुझे यहाँ भेजा है,
मुझे धरती पर एक घर दिया है
दयालु और प्यारे माता-पिता के साथ।

कोरस

मुझे रास्ता दिखाओ, मेरी अगुवाई करो, मेरे बगल में चलो,
रास्ता खोजने में मेरी सहायता करो।
मुझे सारी चीजें सीखाओ जिन्हें मुझे करना चाहिए
किसी दिन उसके साथ रहने के लिए।

मैं परमेश्वर का बच्चा हूँ,
और इसी कारण मेरी जरूरतें बहुत हैं;
मुझे उसके वचनों को समझने में सहायता करो,
उसके पूरा होने से पहले।

कोरस

मैं परमेश्वर का बच्चा हूँ,
बहुत सारी आशीषें सुरक्षित हैं;
यदि केवल मैं उसकी इच्छा को पूरा कर सकूँ,
मैं उसके साथ फिर से रहूँगा।

कोरस

मैं अपने उद्धारक के प्रेम को महसूस करता हूँ

मैं अपने उद्धारक के प्रेम को महसूस करता हूँ
सारे संसार में मेरे आस पास।
उसकी आत्मा मेरी आत्मा को गर्मी देती है,
उन सारी चीजों के द्वारा जिन्हें मैं देखता हूँ।

कोरसः
वह जानता है मैं उसका अनुसरण करूँगा,
अपना पूरा जीवन उसे दूँगा।
मैं अपने उद्धारक के प्रेम को महसूस करता हूँ,
प्रेम जिसे वह ऐसे ही देता है।

चौथी आयतः
मैं मेरे उद्धारक के प्रेम को बाटुँगा
ऐसे ही दूसरों की सहायता करने के द्वारा।
सेवा में मुझे आशीष मिलेगी।
देने में मुझे प्राप्त होता है।

कोरस

(© 1978, 1979 by K. Newell Dayley. All rights reserved. Used by permission.)

मैं जानता हूँ कि मेरा पिता जीवित है

मैं जानता हूँ कि मेरा पिता जीवित है और मुझसे प्रेम भी करता है।
इस बात को मुझसे आत्मा फुसफुसाती है और कहती है कि यह सच है,
और कहती है कि यह सच है।

उसने मुझे धरती पर भेजा, उसकी योजना को विश्वास के द्वारा जीने के लिए।
इस बात को मुझसे आत्मा फुसफुसाती है और कहती है कि मैं कर सकता हूँ,
और कहती है कि मैं कर सकता हूँ।

मुझे मेरा जन्म-दिन पसन्द है

मुझे मेरा जन्म-दिन पसन्द है, प्रत्येक जन्म-दिन;
प्रत्येक मेरे लिए एक महान खुशी को लाता है।
परन्तु आठ वर्ष के होने तक मैं नहीं रूक सकता,
क्योंकि तब मैं बपतिस्मा लूँगा, तुम देखना।

उसी तरह से बपतिस्मा लेना जैसा कि यीशु का हुआ था
उस व्यक्ति के द्वारा जो सच्चा पौरोहित्य धारक हो।
और इस प्रकार परमेश्वर के पवित्र नियम को मानूँगा
यही वह चीज है जिसे मैं करना चाहता हूँ।

जब मेरे सिर पर हाथ रखे जाते हैं,
तब मैं पवित्र आत्मा को प्राप्त करूँगा।
और, यदि मैं ध्यान से सुनता हूँ,
मुझे वह आशीष मिलेगी जिसे मैं सबसे अधिक चाहता हूँ।

प्रिय पिता मैं तुझे धन्यवाद देता हूँ

प्रिय पिता जो ऊपर स्वर्ग में हैं, मैं तुझे धन्यवाद देता हूँ
तेरी अच्छाई और दया के लिए, तेरी उदारता और प्रेम के लिए,
मैं घर, दोस्तों और माता-पिता जो प्यारे हैं उनके लिए धन्यवाद देता हूँ,
और उन सारी आशीषों के लिए जो मुझे यहाँ मिला है।

आज अच्छा, उदार, और विनम्र बनने में मेरी सहायता कर,
और सुनने में जो मेरे माता-पिता मुझसे कहते हैं।
यीशु के प्यारे नाम में जो प्यारा और सौम्य है,
मैं तुझसे माँगता हूँ कि मुझे आशीष दे और अपना बच्चा बना।

मैं सोचता हूँ जब मैं उस मधुर कहानी को पढ़ता हूँ

मैं सोचता हूँ जब मैं उस मधुर पुरानी कहानी को पढ़ता हूँ
जब यीशु यहाँ लोगों के बीच था,
कैसे वह छोटे बच्चों को अपनी बाहों में भेड़ों की तरह बुलाता था;
मैं पसन्द करता हूँ कि तब मुझे उसके साथ होना चाहिए था।

मैं चाहता हूँ कि उसके हाथ मेरे सिर पर होते,
उसकी बाहें मेरे चारों तरफ होतीं,
ताकि मैं उसके उदार चेहरे को देख सकता था जब उसने कहा,
''छोटे बच्चों को मरे पास आने दो''।

मैं यीशु के समान बनने की कोशिश कर रहा हूँ

मैं यीशु के समान बनने की कोशिश कर रहा हूँ;
मैं उसके रास्ते का अनुसरण कर रहा हूँ।
मैं प्रेम करने की कोशिश कर रहा हूँ जैसा उसने किया, उन सबमें जो
मैं करता और कहता हूँ।
कभी कभी गलत निर्णय लेने के लिए मैं परीक्षा में पड़ जाता हूँ,
परन्तु मैं सुनने की कोशिश करता हूँ जब शान्त आवाज धीमे से
फुसफुसाती है,

कोरस

''एक दूसरे से प्रेम करो जैसा यीशु तुमसे करता है।
उन सबमें उदारता दिखाने की कोशिश करो जो तुम करते हो।
अपने काम और विचार में विनम्र और प्रेमी बनो,
क्योंकि यही वे चीजें हैं जिसे यीशु ने सीखाया है''।

मैं अपने पड़ोसी को प्रेम करने की कोशिश कर रहा हूँ;
मैं अपने दोस्तों की सेवा करना सीख रहा हूँ।
मैं उस खुशी से भरे दिन के लिए देखता हूँ जब यीशु फिर से आएगा।
मैं याद करने की कोशिश करता हूँ उन पाठों को जो उसने सीखाया है।
तब पवित्र आत्मा मेरी सोच में प्रवेश करती है, कहते हुएः

कोरस

(© 1980 by Janice Kapp Perry. Used by permission.)

यीशु ने छोटे बच्चों से प्रेम किया

यीशु ने छोटे बच्चों से प्रेम किया,
मेरी तरह छोटे बच्चों से।
वह उनको आशीष देगा और उनकी सहायता करेगा
और उन्हें अपने घुटनों पर बिठाएगा।

कई प्यारी चीजें उसने उन्हें सीखाया,
चीजें जो हम सभी को करनी चाहिएः
एक दूसरे से प्रेम और एक दूसरे की सहायता करो,
ईमानदार, उदार और सच्चे बनो।

यीशु ने कहा प्रत्येक से प्रेम करो

यीशु ने कहा प्रत्येक से प्रेम करो;
उनके साथ अच्छा व्यवहार भी करो।
जब तुम्हारा हृदय प्रेम से भरा होगा,
दूसरे तुम्हें प्रेम करेंगे।

यीशु चाहता है कि मैं एक सूर्य किरण बनूँ

यीशु चाहता है कि मैं एक सूर्य किरण बनूँ,
ताकि प्रत्येक दिन उसके लिए चमकता रहूँ;
हर तरह से उसे प्रसन्न करने की कोशिश करूँ,
घर, विद्यालय और खेल के मैदान पर।

कोरस
एक सूर्य किरण, एक सूर्य किरण,
यीशु चाहता है कि मैं एक सूर्य किरण बनूँ,
एक सूर्य किरण, एक सूर्य किरण,
मैं उसके लिए एक सूर्य किरण बनूँगा।

यीशु चाहता है कि मैं प्रेम करने वाला बनूँ
और उदार उन सबमें जिन्हें मैं देखता हूँ,
यह दिखाते हुए कि उसका छोटा बच्चा,
कितना अच्छा और खुश हो सकता है।

कोरस
एक दूसरे से प्रेम करो
जैसा मैंने तुमसे प्रेम किया है,
एक दूसरे से प्रेम करो।
यह नई आज्ञाः
एक दूसरे से प्रेम करो।
इसके द्वारा लोग जानेंगे
कि तुम मेरे शिष्य हो,
यदि तुम एक दूसरे से प्रेम करते हो।
(© 1961, renewed 1989 by Luacine C. Fox. Used by permission.)

मरियम की लोरी

लोरी, लोरी, मेरे छोटे बच्चे।
लोरी, मेरे इतने प्यारे बच्चे।
तेरा बहुमूल्य जीवन अभी शुरू हुआ है;
तेरी माँ तुझे अपने अंक में रखती है।
जब युसूफ सारी रात जागता है,
एक तारा अपनी आभा चमकाता रहता है।

लोरी, लोरी, मेरे छोटे बच्चे।
लोरी, मेरे इतने प्यारे बच्चे।
तेरा यह कोमल सिर ताज पहनेगा,
क्योंकि तेरा पिता राजा है।
तेरे कोमल हाथ, जो अभी इतने छोटे हैं,
बड़ी आशीषें लाएंगे।
सारे सृष्टि को मेरे साथ गाने दो,
क्योंकि आज की रात शान्ति और प्रेम ने जन्म लिया है।
लोरी, लोरी, मेरे छोटे बच्चे।
लोरी, मेरे इतने प्यारे बच्चे।

ओ, तु चुप हो जा, मेरे बच्चे

ओ, तु चुप हो जा, मेरे बच्चे; मैं एक कहानी बताऊँगा,
कैसे छोटा प्रभु यीशु धरती पर रहने के लिए आया;
कैसे एक दूर देश में, समुद्र के पार,
एक बच्चे का जन्म हुआ, मेरे प्यारे, तुम्हारी तरह।

कोरस
लोरी बच्चे, लोरी प्यारे।
सो जा, छोटे बच्चे; डरने की कोई बात नहीं।
लोरी बच्चे, लोरी प्यारे।
यहाँ पर यीशु अपने छोटे बच्चों पर ध्यान देगा।

कहानी प्रकाशमय दूतों के द्वारा कही गई थी,
जब उनके अगल बगल स्वर्गीय रोशनी चमक रही थी।
तारे बहुत तेजी से चमक रहे थे, परन्तु एक ने रास्ता दिखाया
और उस जगह आकर ठहर गया जहाँ प्यारा बच्चा लेटा था।

कोरस
यहाँ गड़ेरियों ने उसे पाया, जैसे दूतों ने बताया था,
बिचारा छोटा अनजान बच्चा, सोने के लिए खटोला नहीं था।
नीचे एक चरनी में चुपचाप वह लेटा था,
छोटा बच्चा यीशु, घास-फूस पर सोया था।

कोरस

शीघ्रता से मैं आज्ञापालन करूँगा

जब मेरी माँ मुझे बुलाती है,
शीघ्रता से मैं आज्ञापालन करूँगा।
मैं सिर्फ वही करना चाहता हूँ जो सबसे अच्छा है
प्रत्येक और सभी दिन।

जब मेरी पिता मुझे बुलाते हैं,
शीघ्रता से मैं आज्ञापालन करूँगा।
मैं सिर्फ वही करना चाहता हूँ जो सबसे अच्छा है
प्रत्येक और सभी दिन।

स्वर्गीय पिता मुझसे प्रेम करता है,
प्रत्येक दिन मुझे आशीष देता है।
मैं सिर्फ वही करना चाहता हूँ जो सबसे अच्छा है
प्रत्येक और सभी दिन।

मुस्कुराहट

यदि तुम्हें किसी गुस्से वाले से मिलने का मौका मिले,
उसे ठहरने मत देना।
तुरन्त ही नीचे के तरफ पलट देना
और मुस्कुराना कि गुस्सा भाग जाए।

किसी को गुस्से वाला चेहरा पसन्द नहीं है।
उसे मुस्कुराहट में बदल दो।
संसार को एक अच्छा स्थान बनाओ
हर समय मुस्कुराते हुए।

पवित्र आत्मा

जब मसीह धरती पर था,
उसने प्रतिज्ञा की थी कि वह भेजेगा
हमारी सांत्वना के लिए पवित्र आत्मा को,
हमारा सच्चा, अमर दोस्त।
पवित्र आत्मा फुसफुसाती है
एक शान्त धीमी आवाज में।
वह परमेश्वर और मसीह की गवाही देती है
और दिलों को खुश कर देती है।

और जब हमारा पुष्टिकरण होता है
पवित्र पौरोहित्य शक्ति द्वारा,
पवित्र आत्मा हमें दी जाती है
हर घंटे हमारे मार्गदर्शन के लिए।
ओ, काश मैं सदा सुनता रहूँ
उस शान्त धीमी आवाज को,
और उसके प्रकाश के साथ मैं वही करूँगा जो सही है
प्रत्येक समय मैं एक चुनाव करता हूँ।

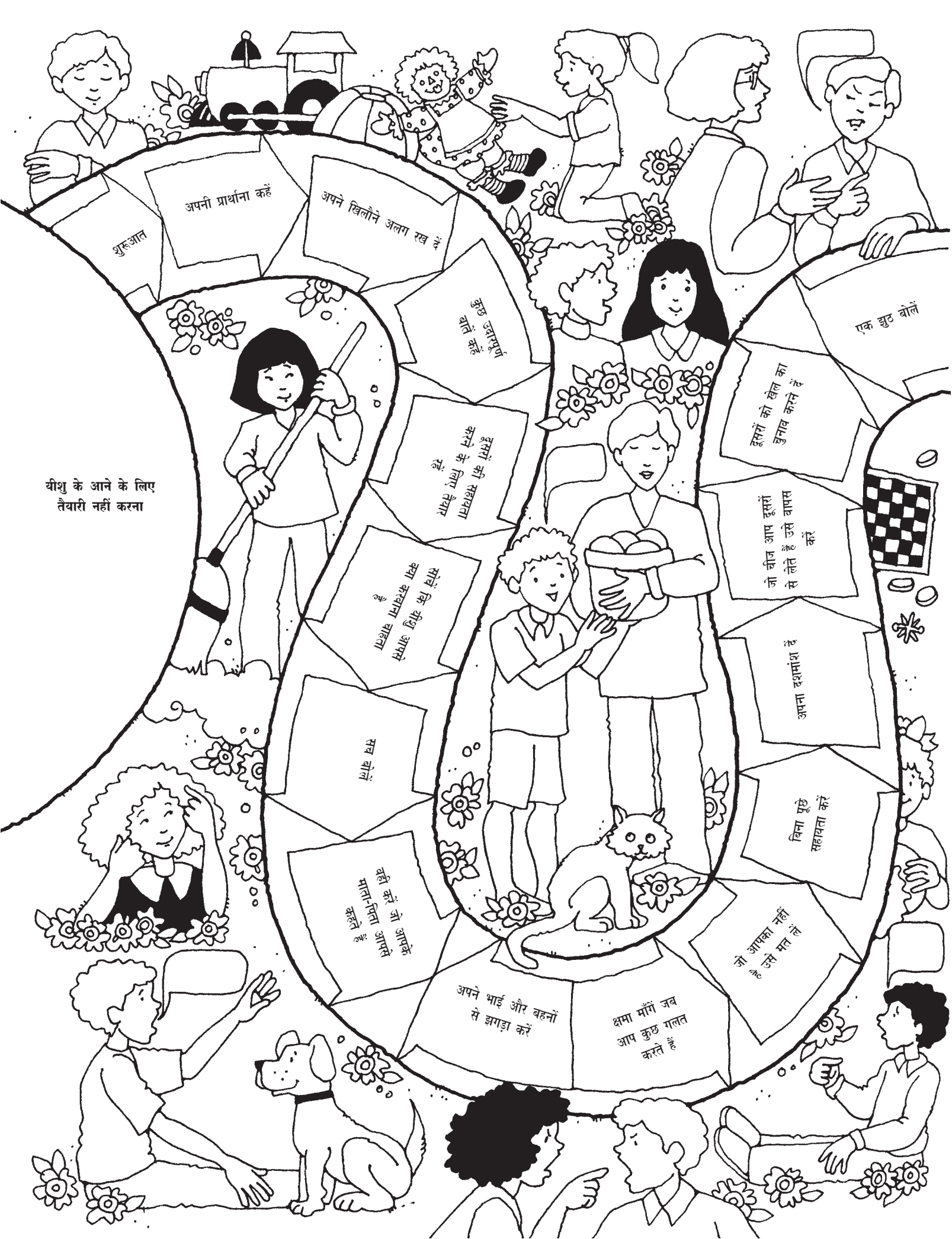

शुरुआत
अपनी प्रार्थना कहें
अपने खिलौने अलग रख दें
कुछ उदारपूर्ण बातें कहें
दूसरों की सहायता करने के लिए तैयार रहें
सोचें कि यीशु आपसे क्या करवाना चाहता है
सच बोलें
वही करें जो आपके माता-पिता आपसे कहते हैं
अपने भाई और बहनों से झगड़ा करें
क्षमा माँगें जब आप कुछ गलत करते हैं
जो आपका नहीं है उसे मत लें
बिना पूछे सहायता करें
अपना दशमांश दें
जो चीज आप दूसरों से लेते हैं उसे वापस करें
दूसरों को खेल का चुनाव करने दें
एक झूठ बोलें
यीशु के आने के लिए तैयारी नहीं करना

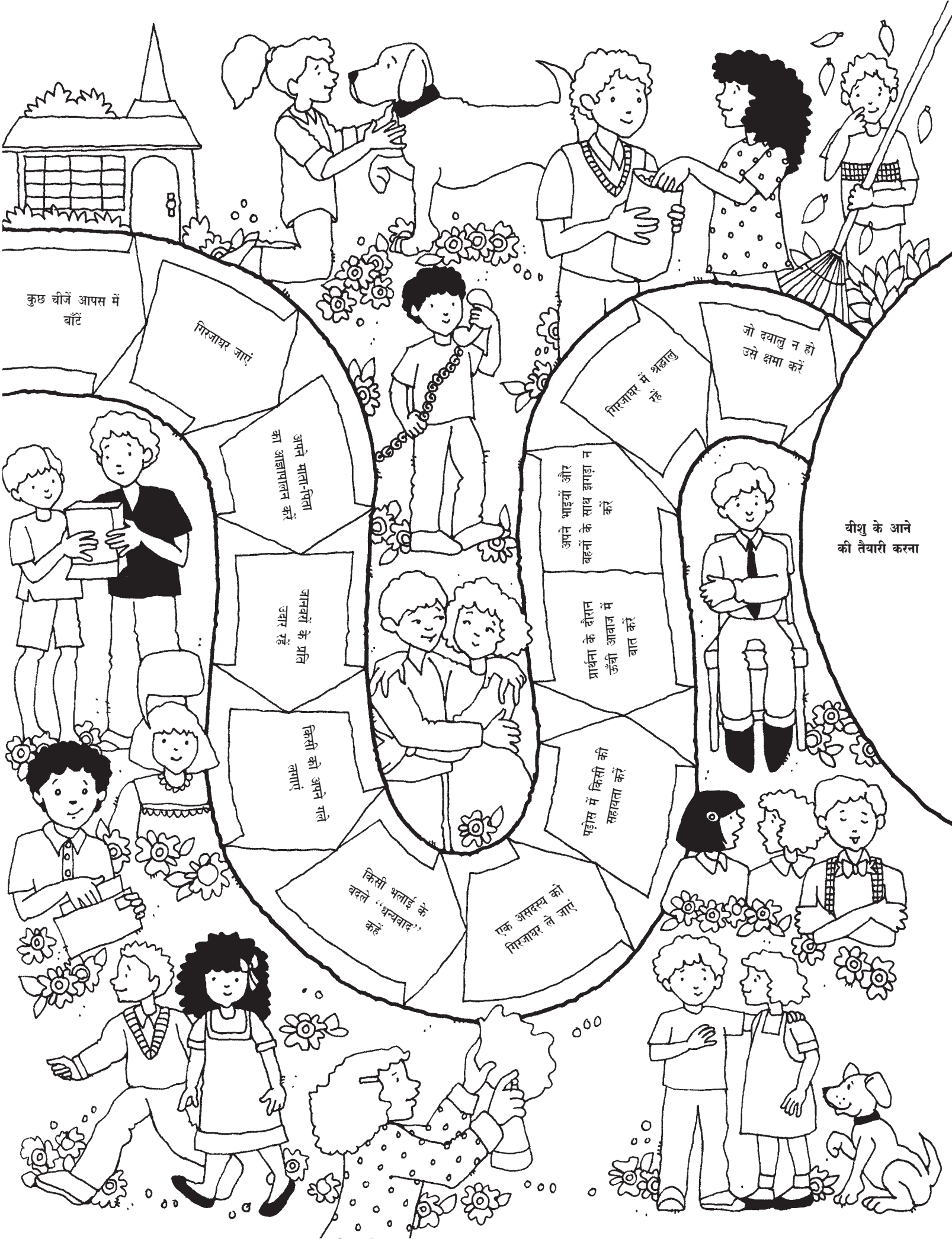
कुछ चीजें आपस में बाँटें
गिरजाघर जाएं
अपने माता-पिता का आज्ञापालन करें
जानवरों के प्रति उचित रहें
किसी को अपने गले लगाएं
किसी भलाई के बदले "धन्यवाद" कहें
एक असहाय को गिरजाघर ले जाएं
पड़ोस में किसी की सहायता करें
प्रार्थना के दौरान ऊँची आवाज में बात करें
अपने भाइयों और बहनों के साथ झगड़ा न करें
गिरजाघर में श्रद्धालु रहें
जो दयालु न हो उसे क्षमा करें
यीशु के आने की तैयारी करना

अंतिम–दिनों के सन्तों का

यीशु मसीह का गिरजाघर

साल्ट लेक सिटी, यूटाह

4 02344 84000 5
34484